

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 11, 1986 (पौष 21, 1907) सं 21 No. 21 NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 11, 1986 (PAUSA 21, 1907)

इस भाग में भिन्न पट्ट संख्या वी जाती है, जिससे कि यह अलग संकलत के रूप में रखा जा सके। (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग ।।। खण्ड ।

[FART III-SECTION 1]

ों क्व क्यान्य स्थान स्थान क्या की र प्रकाश नाम क्षा का स्था का स्था आयोग, रेख विभाग और भारत सरकार के संसक्त और अधीन कार्यांक्यों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Suburlimite Offices of the Government of India)

गह मंत्रालय

महानिदेशालय, के० रि० पू० बस नई दिल्ली-110003, दिनां 🖰 17 दिसम्बर 1985 .

सं० डी॰ एक-27/85-स्थापना I(भाग II)---श्री डी॰ डी॰ शर्मा सहायक कमान्डेन्ट, 30 बटा० के० रि० प० बल, की सेवाएं दिनांक 28-11-1985 (फोरनुन) से एन० एस० जी० को प्रतिनियुक्ति श्राधार पर सौंपी जाती हैं।

> एम० श्रशोक राज सहायक निदेशक (स्था०)

श्रम एवं पनवसि मंत्रालय

श्रम विभाग

(श्रम ब्यरां)

शिमला-171004, दिनांक जनवरी 1986

सं. 23/3/85-सी.पी.आई.---नवम्बर, 1985 मों औद्योगिक, श्रीमतीं का अधिल भारतीय उपभोक्ता मल्य सचकांक (आधार वर्ष 1960=100) अक्सुबर, 1985 को स्तर 625 से पांच क्या बड़कर 630 (छ: सौ तीस) रहा। नवम्बर, 1985

माह का सुचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 766 (सात भी छयासठ) आता है।

> अनिरुद्ध कष्ण मल्हात्रा उप-निद्येशक

> > श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो, शिमला-171004

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय (लेखा परीक्षा--2) बिहार, (स्थानीय लेखा परीक्षक)

रांची-2, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

सं एल ए प्रणा ।/स्था । (पदोन्नति) ए ए ओ । (पदो०) 2951--महालेखाकार (लेखा परीक्षा-2), बिहार, रांची ग्रपने कार्यालय के स्थानीय अंकेशा शाखा के निम्नलिखित श्रनभाग श्रधिकारियों को दिनांक उनके नाम के सन्भने श्रंकित तिथि से अगले श्रादेश तक सहायक लेखा परीका पराधिकारी के पद पर वेतनमान रू० 650-30-740-35-880-३० रो०-40-1040 में स्थानापन्न रूप में सहर्ष पदोब हा हरते हैं।

- श्री उमा शंकर झा--- 8-11-85 (पूर्वाह्न) ।
- श्री ग्रवधेश कुमार सिह---- 7-11-1985 (प्रविह्न)
- 3. श्री श्रीनारायण ल*ा*ल ---- 8-11-1985 (पूर्वाह्न) ।
- यः श्री मरक्स भेंगरा--- 1-11-1985 (पूर्वाह्न) । देवस्रत मुखर्जी,

स्थानीय लेखा परीक्षक बिहार, रांची

महालेखाकार (छेखा)~1, बिहार, रांची-2

रांची, 2 दिनांक 18 दिसम्बर 1985

सं० प्रणा०-स्था० 539---महालेखाकार (लेखा-1), विहार, रांची ने निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारियों को निम्नलिखित तारीखों से उसी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करने की कृपा की है।

\$\tau\$\tau\$\tau\$\tau\$\tau\$\tau\$\tau\$\tau	
तारी ख	
1-8-1985	
1-9-1985	

पी० सेनगुप्ता वरिय उप–महालेखाकार (प्रशासन) बिहार, रांची

कार्यालय महालेखाकार (छेखापरीक्षा) प्रथम म० प्र०

ग्वालियर, दिनांक 30 ग्रगस्त 1985

क्रमांक प्रशासन II/समूह-1/सेवा निवृत्ति/ले० व० अ०/156/517—केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48 (i) के अन्तर्गत महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम ने कार्यालय महालेखाकार (ले० प०) द्वित्तीय म० प्र० भोपाल में कार्यरत स्थाई लेखापरीक्षा श्रीधकारी श्री बी० डी० रिजवुड 01/181 को दिनांक 30 अप्रैल, 1986 अपराह्म से स्वेच्छा से सेवानिवृत्ति की स्वीकृति प्रदान की है।

(प्राधिकार महालेखाकार (ले॰ प॰) प्रथम के श्रादेश दिनांक 2-8-1985)।

> ह० मपठनीय उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

सं० प्रशा०-1/1579/5/I—-श्री एन० के० मलहोता, श्राई० छी० ए० एस० द्वारा 18-07-85 को 58 वर्ष की श्रायु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्म तिथि 19-07-27 होने के कारण) को 31-07-1985 (प्रपराह्म) से रक्षा लेखा विभाग के संख्याबस से हटा दिया गया है और तदनुसार 01-08-85 (पूर्वाह्म) से उन्हें पेंशन स्थापना को अंतरित कर दिया गया है।

सं० प्रशा०-1/1853/5/I ---श्री ई० ग्रार० बालामु अहमणियम ग्राई० डी० ए० एस० द्वारा 11-03-85 को 58 वर्ग की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्म तिथि 12-03-27 होने के कारण) को 31-03-85 (ग्रपराह्म) से रक्षा लेखा विभाग के संख्याबास है हटा दिया गया है और तदनुसार 01-04-85 (पूर्वाह्न) से उन्हें पेंशन स्थापना को अंतरित कर दिया गया है।

सं० प्रशा०-1/1904/5/1--श्री एस० भागीरथन, श्राई० डी० ए० एस० द्वारा 18-09-85 को 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्म तिथि 19-09-27 होने के कारण) को 30-09-85 (श्रपराह्म) से रक्षा लेखा विभाग के संस्थाबल से हटा दिया गया है और तदनुसार 01-10-85 (पूर्वाह्म) से उन्हें पेंशन स्थापना को अंतरित कर दिया गया है।

ए० के० घोष, रक्षा लेखा श्रपर महानियंत्रक (प्र०)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक श्रायात एवं निर्यात का कार्यालय श्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण नई दिल्ली, दिनाक 11 दिसम्बर, 1985 (स्थापना)

सं० 6/1492/84-प्रशासन (राज०)——2182—→ इस कार्यालय के श्री ए० डी० ग्रानन्द, नियंत्रक ग्रायात तथा निर्यात सेवा निवृत्ति की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर 30 नवम्बर, 1985 के भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> शंकर चन्द उप मुख्य नियंत्रक आयात निर्णात कृते मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्णात

उष्योग मंद्रालय

विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली', दिनांक 12 दिसम्बर 1985

सं० 12(170)/61-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलूर के उप निदेशक (यांत्रिकी) श्री के० नो० सत्यनारायण को 18-11-1985 (पूर्वाह्म) से, श्रगले श्रावेशों तक, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में निदेशक, ग्रेड-2 (यांत्रिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 12(753)/62-प्रणा० (राज०) खण्ड-2--राष्ट्रपति लबु उद्योग विकास संगठन के उपनिदेशक (लैंदर/फुटवियर) श्री डी० के० सेठ को भारत लेंदर कार- पोरेणन लि०, श्रागरा में प्रतिनिधुक्ति से वापस श्राने पर लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में २० श्रगस्त, 1985 (पूर्वाह्म) से निदेशक, ग्रेड-2 (लेंदर/फुटवियर) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त उसते हैं।

उद्रयोणिज विकःस विभाग

दिनांक 18 दिसम्बर 1985

सं० ए०-19018(600)/82-प्रधा० (राज०)---संघ लोश सेवा आयोग में सहायक निदेशक के रूप में नियुक्ति हो जाने के ारण, र्श्वागती मोहिनी हिंगोरानी ने, दिनांक 30 प्रक्तूबर, 1985 (अवराह्न) से, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली मैं हिन्दी मधिकारी के पथ का कार्यभार छोड़ दिया।

> सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-6)

नई दिल्ली-1, दिनां ह 15 नवम्बर 1985

सं० ए-6/247(597)---राष्ट्रवित, सहायक निरीक्षण प्रिधिकारी (श्रिभि०) श्री श्रार० बी० देवनाथ को दिनांक 18~10~1985 से 700~40~900~द० रो०~40~1100~50~1300 ६ पए के वेतनमान में छः महीने की श्रविध के लिए श्रथवा नियमित व्यवस्था किए जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर सहायक निरीक्षण निरीक्षण श्रधकारी (श्रभि०) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए का ग्रेड-3, (श्रभियां विकी शाखा) के पद पर स्थनापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री श्रार० बी० देवनाथ ने 18 श्रक्तूबर, 1985 में पूर्वाह्म को निरीक्षण निदेशालय, कलकत्ता में सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (श्रभि०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उसी दिन, उसी कार्यालय में निरीक्षण श्रधिकारी (श्रभि०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० ए-17011/98/76/ए-6--- राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण श्रधिकरी (वस्त), श्री जे० वे० घोष को दिनांक 4-11-1985 से 31-1-86 तक श्रथचा नियमित व्यवस्था होने तक जो भी पहले हो, रुपए 700-40-900-द०रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक, निरीक्षण/निरीक्षण श्रविकारी (वस्त्र) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप, 'ए', वस्त्र शाखा के ग्रेड-3 के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री जे० के० घोष ने निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय में 4 नघम्बर, 1985 (पूर्वाह) को सहायक निरीक्षण श्रीधकारी (वस्त्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उसी कार्यालय में उसी दिन निरीक्षण श्रीधकारी (धस्त्र) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

म्रार० पी० साही, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 13 विसम्बर, 1985

सं 0 11067बो/ए-19012(5- के० सी०डी०)/ 85-19बी--- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्संक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के फोरमैन (वरिष्ठ) श्री के० सी० दे को सहायक यांत्रिक अभियन्ता के पद पर, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740- 35- 810-द०रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40- 1200/- र० के वेतनमान के वेतन पर, श्रस्थायी क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक, 29 नवम्बर, 1985 के पूर्वीह से पदोन्तित पर नियुक्त कर रहे हैं।

म्रमित कुशारी, निवेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैभानिक सर्वेक्षण

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

पन् िक

देहरादूत-248001, दिनां रु 17 दितम्बर 1985

सं० सी०-6282/587-- श्री त्री० बी० चक्रवर्ती. इन्प्रेंबर, डिवीजत-1 को भारतीय वर्वेक्षण विभाग में श्रिसस्टेन्ट हैंड इन्प्रेंबर, सा० स० सि० ग्रुप "बी" (श्रराजपितत) पद पर रू० 650-30-740 35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो० -40-1200 रू० के वेतनमान में दिनांक 4-11-1985 (पूर्वीह) से स्थानायन्त क्य में नियमित श्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

गिरीश चन्द्र श्रग्रवाल , मेंभर जनरल भारत के महातर्गेक ह

🕝 श्राकाणवाणी महानिदेशालय

नर्दे दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर, 1985

सं 10/22/64-एस-दो-- महानिदेशक, धााश-वाणी श्री जो गिन्दर सिंह जोगी, प्रशासनिक श्रिष्ठिशारी प्रावाशवाणी जानन्धर को नियमित आधार पर चरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर हपए 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ह० के वेतनमान में 24 प्रक्तूबर, 1985 से श्रमले श्रादेशों तक नियुष्त करते हैं।

2. श्री जोगिन्दर सिंह जोगी ने उसी तारीख को वरिष्ठ प्रशास-नित प्राप्ति हारी, श्री ताराजाणी, जालन्धर के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया था।

दिनांक 26 नवम्बर 1985

सं० 1/9/85-एस०-दो०--- महानिदेशको, स्रोकाश-घाणी श्री एम० पी० केसाधन नवीसन, लेखाकार, स्राकाशधाणी कालीकट को नियमि श्राधार पर प्रशासनिक श्रधिकारी के पद पर रुपए 650- 30- 740-35-880- द०रो०-40-960 रु० के वेतनमान में 11 सक्तूबर, 1985 से श्रगले श्रादेशों तक नियुक्त करते हैं। 2. श्री एम० पी० केसावन नवीसन ने उसी तारीख को प्रशासनित प्रधिकारी, आकाशवाणी धारवाड़ के रूप में कार्यभार प्रहण कर लिया था।

मोहन फांसिस प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थय क्षेत्रा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिएमबर 1985

सं० ए०-12026/6/84-एमं० एच०--राष्ट्रपति, ने डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में सहायक जीव रसायनज्ञ के पद पर काम ंर रहे श्री के० एल० रमेश की 31 जुलाई, 1985 (पूर्वाह) से 6 महीने की श्रवधि के लिए अथवा जब तक यह पद नियमित आधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर 700-1300 रूप ए के बेतनमान में डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में कनिष्ठ जीव रसायना के

पी० एत० ठाकुर, उप निदेशक प्रशासन (भ्रार० श्रार०)

्रिषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय हिषि एवं सहसारिता विभाग विस्तार निदेगालय

नई दिल्ली, दितां है 29 लबम्बर 1985

मि० सं० 2(3)/85-स्थापना(1)— विस्तार निदेशालय की विभागीय पदोन्तित समिति, ग्रुप 'बी' की सिफारिश पर, श्री एउ० जिलासमाहम्बन, सहावज प्रदर्शनी संधितारी (ग्रेड-II), जो इस विदेशालय की अधिसूनना सं० 2-4/84 स्थापना (1) दिन् । 6-8-1984 के अनुसार सहायक प्रदर्शनी श्रधिकारी (ग्रेड-1) के पर पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्त रूप से काम कर रहे थे, को 25 अक्तूबर, 1985 से श्रामामी श्रादेशों तक उक्त पद पर विद्यमित श्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

ग्रांर० जी० बनर्जी, निदेशक प्रशासन

भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कामिक प्रभाग

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर 1985

सं० पी०ए०/73(8)/85-ग्रार-4/ 1424——
नियंत्रक भाभा, परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, डा० श्रज्य केशव गव्हाले
को निवासी चिकित्सा श्रविकारी पद पर भाभा परमाणु श्रनुसंधान
केन्द्र के श्रायुद्धिज्ञात प्रभाग में दिसम्बर, 13, 1985 (पूर्वाह्र),
से तीन वर्ष की श्रवधि तक श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

टी० एस० परमेश्वरन, उप स्थापना श्रधिकारी

विज्ञात एतं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नद्दै दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1985

सं० ए०-32013 (मी० वि० उमिन)/2/ 83-स्था०--1 राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग में निदेशक श्री सी०ई०जे० डेनियल, जो श्राजकल विश्व मौसम संगठन, जिनेवा, स्विटजरलेंड, में प्रादेशिक अधिकारी के पद पर नियुक्त हैं, की इसी विभाग में 1-11-1986 के पूर्वाह से अगला आदेश मिलने तक मौसम विज्ञान के उप-महानिदेशक के पद पर प्रोफार्मा पदीन्तित को सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

एस० डी० एस० श्रब्बी

मौलम विज्ञान के उप महानिदेशक (प्रशासन एवं भण्डारण) इते मौसम विज्ञान के महा निदेशक महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 20 नवस्वर 1985

सं० ए०-1901 १/18/80-स्या І-→ क्षेत्रा निवृति की श्रायु प्राप्त होने पर इस कार्यालय के श्री एस० बैंकास्वामी, उपमहानिदेशक दिनांक 31-10-1985 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृति हो गए हैं।

> जे० सी० गर्ग संयुक्त निदेशः प्रशासन अते महानिदेशः नागर विमानन

निरीक्षण महानिदेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुंलक, नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

सं० 27/85--- श्री श्राई० एत० ओबराय ने बार्धक्य के कारण सेवा निवृत्ति होने पर दिनांक 30-11-1985 (श्रपराह्न) से निरीक्षण महानिदेशालय (सीमा णुरू एवं केन्द्रीय उत्पादन णुरूक) की गाजियाबाद स्थित उत्तरी प्रादेशिय यूनिट ने निरीक्षण अधि-कारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार त्याग दिया।

> ए० सी० सल्डाना, निरीक्षण महानिदेशालय

केन्द्रीय जल भागं।ग

नई दिल्ली-11.0066, दिनांक 12 दिसम्बर 1985 सं० ए० 19012/1155/85-स्थापना-पाच---श्रध्यक्ष, उद्गीय जल आयोग श्री एम० वेंकटाराच पर्यवेक्षक को मितिरिषत सहागर निर्देशः / हित्यः इंजीनियर (इंजीनियरी के ग्रेड में 650-30-740-35-810 द० रो०- 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमाः में 21-9-85 की पूर्वाह्म से एक वर्ष की श्रविध के लिए अथवा पद के नियमित श्रावार पर भरे जाने तह, जो भी पहले हो, पूर्ण ग्रस्थाई और तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनाँ । 16 दि अम्बर 1935

सं० ए०-19012/1089/85-स्थापना पांच--विभागीय पदोन्नति समिति (प्रमूह-ख) की िफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोगश्री द्वारिश नाथ जाहू पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त महायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 29-4-1985 की पूर्वाह्न से अन्य आदेशों ता जियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त ्हायक निद्याग्न/सहायक इंजीनियर के ग्रेष्ठ में उपरोक्त तारीख से दी वर्ष की श्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

दिनां : 18 दिसम्बर 1985

सं० ए० 19012/1113/85-स्थापना-पांच---श्रध्यक्ष, विज्ञीय जल आयोग श्री योगेन्द्र बुझार पर्यवेक्षक को श्रतिरिक्त सहायक निदेश :/ बहायह इंजीनियर/इंजीनियरी) के ग्रेष्ठ में 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000द०रो० 40-1200 रुपये के वितनमात में 21-6-1985 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की श्रवधि के लिए अथवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी धहले हो, पूर्ण अस्याई और तद्यं जाजार पर स्थानित का में नियुक्त जरते हैं।

मीनाक्षी <mark>प्ररो</mark>ड़ा भ्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी विधि बोर्ड (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पती प्रधिनियम 1956 और छाया चित्र परिषद प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकता , दिनां छ 6 दिनम्बर 1985

सं० 24066/560(3)---ःम्पनी णधिक्यिमः 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के क्षनुकरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर छाराधित परिषय प्राइवेट िरिटिंड गा गाम इसके प्रतिकृष रारण दिलित न किया भरत तो रिजस्टर से काट दिया वायेगा और उकत असमी विधटित अर दी वायेगी

कम्पनी श्रधिनियम 1956 और इस्ट इंडिया रोडवेज प्राइवेट विमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं० 24686/560(3) - कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के धनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दा गती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इस्ट इंडिया रोडवेग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्मनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 और के० वि० श्रायरण एण्ड स्टीन कं० प्राइवेट निमिटेड के निषय में।

कलकत्ता, दिनाक 6 दिसम्बर 1985

सं० 25294/560(3)—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह चसूना दी जाती है की तारीख से तीन मास के श्रवसान पर के० वि०श्रायरण एंड स्टोल के प्राइवेट लिसिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिख्या में जिया गया तो रिजस्ट्रर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कौशल डिस्ट्रिबयूटरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनाँक 6 दिसम्बर 1985

सं० 26036/560 (3) -- सम्पती अधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधाल (3) के अनुरुएण में एतद्दारा यह सूचता दी जाती है कि इत तारीख के तीन माल के अवधान पर कौलणा डिस्ट्रिबियूटर। प्राइवेट लिभिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण अधित न किया गया तो रिजस्ट्रर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधितियम 1956 और जैनिय कार्ड बोर्ड बक्स मैन्युफैक्यरिंग कं आइबेट लिम्टिंड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

संव 26481/560 (3) कम्पनी प्रवित्यम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रमुक्तरण में एतद्दारा ह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के भवसान पर जेनिय कार्ड बोर्ड बक्स मेन्यूफैक्विरिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण विभिन्न म किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटिस कर दी जायेगी।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 और जे॰ एस॰ फिरम्म प्रकानशनस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं॰ 27459/560 (3)--कम्पनी अधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एखदुद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इन तारीख से तीन मास के अवसाम पर जें एस फिल्म प्रशास्त्रानस प्राध्वेष्ट लिमिटेड का नाम इनके प्रतिकृत कारण धींगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएंगा और उक्त कम्पनी विषयित कर दी जाएंगी।

डी० के० पास∙ कम्पनियों का भ० रकिस्ट्रार पशक्षिय बंगाध प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) भर्जन रेंज, कंगलूर

बंगलूर, दिनांक नवम्बर 1985

निदेश सं० 1147/85-86—अतः मुखे, श्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 104 है, तथा जो काजीपोंड, तरगांव मोत्रा में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर को पूर्ण कप से मणित है) रजिस्ट्रोक्त अधिकारी के व्यागित, सलकोड गोमा में रिजस्ट्रीकरी अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनोक 23-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीक एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्तित उद्योदय से उचत अन्तरण लिश्तित में नास्तिक रूप से किथा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — इम्मेडीयूस फर्नान्डीस, और श्रीभन्नी मारीया, मूइला एम० फर्नान्डीस शाजीपींड मरगांव, गोवा।

(भन्तरक)

 श्री जोसेक बोरगदा, बेबेंडा, श्रणकंमेन्ड, काजीपोंड, मरगाव, गोवा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पहित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोकत ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्यों।

स्पक्कीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है!

जनसंची

(दस्सावेज सं । 586, दिनांक 23-4-1985) जो सम्पत्ती शेष है इसका नं 104, पाजी पों मरगाब गोण में है। इसका एरिया

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, बेंगसर

विनाँक - 11-1985 मोहर 🖫 प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर दिनांद 5 दिसम्बर 1985

विर्देश सं० श्रार० ए०सी०/श्रई वी०/37/24/85-86--श्रनः मुचे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिस की लंक महान नंक 6/69 1/2, हिस्सा, जो तस्तुल प्लायतंक 14/1, णीट नंक 41, ममरावसी में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ष श्रवसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री हतीं श्रीक्षशारी के लागीलय, श्रमरावती में, (डाकुमट संक 3060/85) में रिजस्ट्री करण श्रिक्षियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत दिनांक 29-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निकासिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री व्ही० खी० ब्रह्मा, खापर्डे गार्डन, श्रमणायती।

(अंतरक)

 श्री एमेश (श्रव नारचण जैस्वाल, |मालटेकडी रोड, श्रमरावती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थावितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मङ्गान नं० 6/69, 1/2 हिस्सा, नङ्गूल प्लाट नं 14/1, शीट नं 41, जो श्रमरावती कैंम्प श्रमरावती में स्थित है।

एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ऋजैनरेंज, नागपुर

िदितांक 5-12-1985 मोहार∷ प्ररूप आर्ड .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/36/24/85-86---अतः मुझे एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं भकान नं ० 6/69, 1/2 हिस्सा, है, जो नमूल प्लाट नं ० 14/1, शीट नं ० ग्रामरावती में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद ग्रामुची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, ग्रामरावती में (डाकुमेंट सं ० 3061/84) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 29-4-1985

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतिये आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— 2—406 GI/85 श्री व्ही०डी० ब्रह्मा, खापर्डे, गार्डन, श्रमरावती ।

(अन्तरक)

 श्रीमती गंगावाई, शालीग्राम बैजनाथ, लाला बिल्डिंग, श्रवधूत वाडी, यवतमाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 6/69, 1/2 हिस्सा, नमूल प्लाट नं० 14/1, शीट नं० 41, जो अमरावती कैम्प, अमरावती में स्थित है।

एम० स्नी० जोशी सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)। श्रर्जन रेज, नागपुर

दिनांक: 5-12-1985

मोहर 🖺

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो चेन्गलाशेरी में स्थित है (भीर इससे उपावड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिवानण्ड, चाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय का किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किथा जाना याहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

7

 प्री जोविन्दन नायर ग्राँप राजम्मा, पिलला, क्याती, ड्रिवानण्ड ।

(স্থাৰ্ড)

 श्री जी० सहदेव पणिकर, गत इन्डन वोर्फनानस, ड्रिवानण्ड ।

(भ्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, ये भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हि सबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकर्गी।

स्पष्टोक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उचत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसूची

तारीख 6-4-1985 उपरजिस्ट्री, ड्रिवानण्ड, चाला के दस्ताबेज, सं ० 1016 में संलन्न, श्रनुसूची के श्रनुसार, चेन्गल शेड़ी गांव, में सर्वे स० 639/2, में 20.5 सेन्ट, भूमि।

वी० रविबलान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंग, एरणाकुक्षम,

जतः अब जिस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधीन, निम्निविखित व्यक्तियों, अर्थात् —

बिनांक: 11-12-1985

मोहर 🖫

प्ररूपः बाह्यः टी, एन, एस, -----

नायकर मीधीनयम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

पारत सरकार

कार्यालय, स**हायक जायकर आयुक्त (लिरीक्षण)**

अर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन-16, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० एल० सी० 787/85-86—-अतः मुझें, बी० रदिवालन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' नहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारो को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिन्तकी सं० जेन्गात्रशेरी में स्थित है (भौर इससे उपावद अनुसुची में भौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्याज्य, द्रित्राण्डू नाया में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिनांक 6-4-1985

पंश पूर्वोकः सन्परित के जीवत बाजार मूस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उन्नके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि कि विश्वास के बिए तय पाया मया प्रतिफल कि कि विश्वास के बिए तय पाया मया प्रतिफल कि विश्वास के बिए तय पाया मया प्रतिफल कि विश्वास के बिरित के विश्वास के विश्वास के बिरित के बिरित के विश्वास के बिरित के ब

- (क्ष्म्ं कन्तरण सं हुक्ष्मं किसी माम की शावत अक्त मिल नियम के अभीन कार दोने के जन्तरक के दामिला में कभी कारने या उसके मुखने में सुविधा के निए; और/या
- (भ) एंनी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया संया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्ञतः अबः, उत्ततः अविनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उत्ततः अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— श्री गोविन्दन नायर और श्रीमती राजम्मा पिम्ला, जगति, ड्रिवानण्डू –

(अन्तरक)

 नामराक्षी जी ० सहदेव, पितक्कर, का पकन्ती, साऊथ इन्डियन फाइनैन्स, ड्रियानण्डु ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति से वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आसीप :----

- (क) इस सुमना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभना की ताभीत से 30 विन की बनिध, जो भी जबीध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ५स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के जीतर अनत स्थायर सम्पत्ति में दिन ध्रुष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पयों का, जो उनके लिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ क्रोगा, जो उस अध्याय में िक्या स्था है।

अम्स्ची

दिनांक 6-4-1985 उप रजिस्ट्री, ड्रिवान्णडू चाला के दस्तावेज, सं० 1015 में संलग्न, अनुसूची के अनुसार चेन्गलाशेरी] गांव, सर्वे सं० 639/2/, में 2035 सेन्ट मुमि ।

> बी० रविबालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनोंक: 11-12-1985

प्रकर कार्च, टी. एवं एक व अन्यनस्थानस्थ

कार्याक्य, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

नायफर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के नभीन सूजना

नारत सरकार

शर्यात्रमः, सद्दानच धानचर प्रापृष्ठ (विरोधन)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोच्चिम-16, दिमांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० एल० सी० 788/85-86---अतः मुझें, बी० रविवालम

वापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व देववी देववी प्रसाद 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को मह विश्वाब करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, विश्वका दिश्व वादार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० चेन्गावशेरी, में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निवेन्द्रम चाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उद्भिष्ठ गांधार मृत्य से कम के सावकाल ग्रीतफल के सिए गन्तरित की गई है और मुखे कह जिल्लाख करने का कारण है कि ग्यान्तरिक तंपरित का क्षित गांधार गृत्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एके क्षमधान ग्रीतकल का गंदाई प्रतिकात से अधिक है और मंत्ररक (गंदारकों) और जंदरिती (बन्धरितियों) से बीच एके बन्तरण के किए वय भागा ग्या ध्रीतः क्षम गिम्निस्थिश उद्योक्त के उस्त अन्तरण के विशेषक में वास्त-विक क्षम से सहिता कही किया करते हैं कन्न

- (क) अन्वरम वं हुई कि की बाय की बावध सकत विध-विभन्न की बुत्रीम कह दोने के बुन्दुस्क के क्रिक्ट्र के कृती कहते वा कर्त्त क्ष्म के बुद्धिका के विद्धा वहि/या
- (क) ए'सी किसी जाव वा किसी वन वा बन्त वास्तियों की है किसी वास्तियों काय-कर वीधिनियम है 1922 की 11) या उनके वीधिनियम है 1922 का 11) या उनके वीधिनियम है या पन कर वाधिनियम है 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्धीरियों हुनारा प्रकट महीं किया गया या जिल्ला जाना वाहिए था है किया सिया की जिल्ला

जतः अब उन्त जिथिनियम की भारा 269-ग की जनुसरंग में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को जभीन, निम्निकिसित व्यक्तिसमी, जसित् :--- श्रीमती सरासम्मा श्रीरं राजम्मा पिल्ला, जगती, न्णड्रा

(अन्तरक)

 श्री जी० सहदेवा पणिनकर, साउथ इन्डियम फाइनैन्स, सिवेन्द्रम ।

(अन्तरिती)

को नह सूचना चारी कश्रके पूर्वोक्त संपत्ति में अर्थन के तिलु कार्यमाहिया करता हुं।

जनत सम्परित के नर्धन के संबंध में कोई भी बाली है-

- (क) इस सूचना के शाचपण में प्रकाशन की ताड़ींब हैं
 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़
 सूचना की तामील से 30 दिम की जनभि, जो और
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पाइ सिखित में किए जा सकीं।

स्पार्थीकर्गः -- इसमें प्रयुक्त कवा बार पर्यो का, वा उपस अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस क्ष्याय में दिवा गया हो।

ग्रन्स्ची

दिनांक 1-4-1985 उप रिजस्ट्री विवेन्द्रम चाला के दस्तावेज सं० 988 में संलग्न अनुसूची के अनुसार चेन्गलागेरी पांत्र पर्वे सं० 649, 647, 648 में 205 सेन्ट भूमि ।

बी० रविवालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

विमांक 11-12-1985 मोहर् प्रस्प नाई. टी. एन. एस.-----

बाधकर मिनिनन, 1961 (1961 का 43) की पास 269-प (1) से सपीय स्वारा भारत सरकार

अक्षांत्रक संचारक शामक (

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जाम रेंज, एरणाकुलम कोच्चिम-16, दिमांक 11 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० एल० सी० 789/85-86—यतः, मुझे, बी० रविद्यालन.

वायसर विधियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे रहमें इसके रहमात् 'उक्त मिनियम' कहा पता हैं), की भारा 269-च ने बधीन ससम प्रतिकारी की यह निकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उत्पित्त नाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार तथा जो चेन्गलाशेरी में स्थित है (भीर इससे उपावड़ अनुसूची में भीर पूर्ण किय से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विवेद्रम चाला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसांक 1-4-1985

को बुर्गोक्त संस्पत्ति को उपित बाजार मृत्य हे काम के ज्यामां प्रतिकाल को सिद्ध अन्तरित की गई है और बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार पृत्य, उपके क्ष्यवाल प्रतिकाल है, एते क्ष्यवाल प्रतिकाल का प्रतिकाल की एते क्ष्यवाल प्रतिकाल का प्रतिकाल से प्रतिकाल है बार मंतरका (अंतरकार्त) और अंतरिकी (अन्तरितिवार्ते) के सीच एसे जन्तरण के लिए तम पामा नया प्रतिकाल, विश्वविका उन्हों के प्रयत्न अन्तरण कि लिए के नास्तरिक कर ने करियत नहीं किया कर्य है ह—

- हिंदी सम्बद्धान से हुन जिसी बाग वर्ष गायक समय वर्षित पियम ही नवीन कर वाने से वस्तरक के वारित्य में कर्मी नवाने ना कराते क्ष्मणे में सुविका के विस्कृत कीत/मा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को है जिन्हें भारतीय नाम-कर विभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजवार्थ मन्तितिती च्यादा प्रकट नहीं किया स्था या या किया जाना जाहिए था, छिनाने में स्विता के लिए;

कृत क्षेत्र अनद स्पिन्यम की पाछा 269-मू स्थ सन्दर्भ मों, मों, उनत निधित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीत, निकासिका स्पिन्यमाँ, अधीक् :--- श्रीमती सरासम्मा श्रीर राजम्म पिल्ला, जगती, तिबेदम।

(अन्तरिती)

2. जी सहदेव पणि तर साउथ इण्डियन फाईनास · विवेन्द्रम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्याहियां करता हूं।

चक्क सम्मासि के मर्जन के सम्मान्य में कीएं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी अविनतमें पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध नाद में तमाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के नीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वित-नव्य किसी मन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पात जिस्ति में किए जा सकती।

रपकाकिरणः—-इसमें प्रमुक्त काक्यों और पक्षों का, जो सकत अधिनिक्ता, को अध्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

दिनां रा-4-85 डप रिजिस्ट्री लिवे द्रम चाला के दस्तावेज सं० 989 में संलग्न, अनुसूची के अनुसार वेन्गलाणेरी गांव सर्वे सं० 649, 647, 648 में 20.5 सेन्ट भूमि।

> बी० रविवालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाक्सम

दिनांक :11-12-1985

THE PARTY OF STREET

बायकर बधिनियम, 1961 (१961 का 43) की धाड़ा 269-व (1) के अभीन सुचना

सारत अस्टाड

कार्याजय, सहयक बायकर बायुवर (निरीकान)

अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 11 दिसम्बर 1985 निदेश सं० मा-1080/अर्जन/85-86--अतः, मुझे, दिलीप कुमार घोष

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हसमें असके परवात् 'उबत लिधीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आत्म प्र' कि स्थावर संपर्तित, विसका उचित नाआर सुख्य 1,00,090/- रहा संविध्व हैं

सौर जिसकी संव तीजी नंव 5854 खादा नंव 138, थादा नंव 17, खसरा नंव 461 है, द्रथा जो माजा, दिहन्दरपुर, धाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में सौर जो पूर्ण क्ष्य से धणित है) रिहस्ट्री इति अधिकारी के कार्यालय, दानापुर में रिजस्ट्री इरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांच नश्री स, 1985

को पृष्टित सम्पत्ति के उणित वाजार मृत्य से कम के दश्यसान शिक्षक के लिए अलारत की गई है और मुक्ते यह विस्तास करने का कारण है कि ग्याप्तियत सम्पत्ति को जीवत बाजार मृत्य, जमक प्रत्यात की कि ग्याप्तियत सम्पत्ति को जीवत बाजार मृत्य, जमक प्रत्यात की किए है जीर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य प्राम्य ग्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत सं स्वारतिय से सम्तरण निम्नलिखत अप्योति नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, अब त अधिनियम के अधीन कर बंगे के अन्दरक व बाजित्य में क्यी करने या उससे स्वने में सुनिधा को छए; सर्द्या
 - (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिवा के सिए;

कतः जंस. जंप त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण भौ, भौ, जनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, मिस्नीलिखित व्यक्तियाँ अधीर् संस्थ

- 1 श्री बंगी महतो (1) श्री जगदीश महतो पे० श्री भगवान महतो एवं अन्य, सा० नाजरीगंज, थाना दानापुर, जिला पटना। (अन्दरक)
- मैसर्स मोदी प्लास्टिक लिमिटेड, द्वारा श्री सुरेक चन्द्र श्रीवास्तव, 107, पाटलीपुत्र, थाना पाटलीपुत्र । (अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करको पूजीकत सम्पत्ति की वर्णन की रिक्स कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षक के सम्बन्ध में कोई भी भाषांप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं है है 45 दिन की अवधि या सस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुशारा;
- (स) इस भूमना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमबुध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष जिस्सा में किए जा सकींगे।

स्पार्थ करण कर प्रमुख्त गुरुवी और पक्षी का, जो उक्स् अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीम जिसका रक्तबा, 3 कट्टा, है जो मौजा सिकन्दपुर, थाना, दानापुर, जिला पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं 1603, दिनांक अप्रैल, 85 में विणित है ग्रांर जिसका निवन्धन, अवर निबन्धन, दानापुर, के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दिलीप कुमार घोष सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, पटना

दिनांक: 11-12-85

प्रकप आहु ही ग्रुप गम ---

सायबार अधिनियम, 1931 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) की अभीन संकला

आर्थात्रक, यहायक शायकर जाराप्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० III--1081/प्रर्जन/-85-86----श्रतः मुझे, दिलीप कुमार घोष

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात जिस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 260-स के सधीन सक्षात प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 3, हो० नं० 24 (नया) है तथा जो के० पी० रोड, गया में स्थित है (और इसते उपाबत प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिष्ठकारी के कार्यालय गया में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 15-4-1985

कर पूर्वीवत सम्पत्ति को लियत आजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्व हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापुर्वोक्ट सम्पत्ति का उचित जाजर मृत्य, उनके रहसमान प्रतिफल में, एटे प्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह भीपान के अधिक तै और शालामा (कार्यासा) और अंतरिती (पन्तिपितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए पन पाणा गया प्रतिफल, निमालिसित उद्धविष से उच्या अनारण गिष्कित में बासरीवक क्या से करित नहीं किया गरा हैं:

- (क) अन्तरम ने हुए जिल्ही काव की बावक, खब्ल अभिनियम के अभीन कार दोने के शत्तरक ली बायिएक में कनी फरमें वा उससे वजने में स्विका से निए; नीर/या
- (का) एनों किसी जाय का जिल्ही शप का वाय आसितामें को, जिल्हों भारतीय आवक्त अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या जन्त व्यथिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रायंजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विश्वा जान काहिए था, किया में कविका के किय

अत: जम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बैकन्ठा जिहारी प्रसाद बल्द जयनन्दन प्रसाद बो उनेण बिहारी प्रसाद, बल्द स्थ० जय नन्दन प्रसाद बो रमेण प्रसाद बल्द जय नन्दन प्रसाद, सा० म० कृष्ण प्रकाण रोड, गया।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती उषा देवी जोजे श्री सुरेन्द्र प्रसाद वो उमेश प्रसाद, रभेश प्रसाद पेशरान मकसूदन राम सा० मा० अनुग्रह नारायण रोड, गया। (श्रन्तरिती)

का यह एकता जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के वर्जन के सिध कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

जबत सम्बन्धि को अर्जन को संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्का के राजपण में प्रकाशन की तारीस ते 45 तिन की अविधि एवं तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वात की ताथील से 30 विन की अविध, जो भी व्यक्षि जब में समाप्त बोली हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिस्में में किसी व्यक्तित द्यारा:
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 4.5 दिन के भीतर उक्का स्थावर सम्पत्ति में हित- वहाथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के यम न्यिकित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त रख्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है !

अनुसूची

चार भ्राना भ्राठ दाम हिस्सा, एक जमीन मय मकान में जो के० पी० रोड, गया में स्थित है और पूर्ण रूप से वसिका सं० 5931, दिनांक 15-4-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन जिता भ्रवर निबन्धक, गया द्वारा सपन्न हुम्रा है।

दिलीप कुमार घोष सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पटना

दिनांक: 11-12-1985

मोहरा

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनिक्षा 1961 (1961 का 43) की धारत 25 प के अधीन सूचना

भारत सरकार

कुमार घोष,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० तौजी सं० 5854, खाता नं० 131, प्लाट नं० 461, थाना नं० 17 है, तथा जो मौजा सिकन्दरपुर, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबढ़ प्रमुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दानापुर में रिजस्ट्रीकरण, प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाँक 22-4-85

को पर्शोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक एप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविध्य के लिए:

अत: क्षत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत अधिनयों, अर्थात् :--- वंशी महतो एवं अन्य पै० भगवान महतो, सा० नासरी गंज, थाना दानापुर, जिला पटना ।

(भ्रन्तरक)

2 मैसर्स मोदी प्लास्टिक लिमिटेड, द्वारा, श्री सुरेश चन्द श्रीवास्तव पै० श्री दुर्गा प्रसाद श्रीवास्तव, रोड नं० 13, राजेन्द्रनगर, पटना।

(भ्रन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयूक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमः, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जमीन जिसका रकका 23 कट्ठा, है, जो मौजा सिकन्दरपुर, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 2037 दिनांक 22-4-85 में वर्णित है, और जिसका निबन्धन ग्रवर निबन्धक, दानापुर के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

> दिलीप कुमार घोष सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पटना

दिनांक: 11-12-1985

प्राक्ष भाइं.टी. एन. एस. -----

नामकर नभिनियम, 1961 (1961 ना 43) की भारा 269व (1) के अभीन सूचना

भारत सर्देश

कार्यालयः, पर्भवक सावकर सायुक्तः (निरीक्षण) श्राजैन रेज, पटना

पटना, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निर्देश सं ाप्र-1082/अर्जन/पर्टग/85-86---प्रसः मुझे, दिलीप कुमार भोष सरकार स्थितिकम् १७०३ (३००१ कः ४२) विकास स्वास्

मध्यकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) विसमें इसमें इसमें परचात् 'खनर मिनियम' कहा गया हैं), को धाष 269-व के मधान समान प्राधिकारों की वह निद्धास करते का कारण है कि स्थावर जन्मीरा, जिसका उपित सामार मूल्य 1,00,000/- रा. ते अभिक है

और जिस्की सं० वार्ड नं० 3 हो० 24 (नया) है, तथा जो के० पी० रोड, एवा में स्थित है (और इसने उपल्डस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याजय गया में रिजस्ट्रीकरण गिधितियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 15-4-1985

कर पूर्वीक्स सम्मान्त के बिचन सन्त्रांस मून्य स कर्म के इश्यमान विकास की निए सन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विवसास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्स संपरित का उनिस बाजार मूच्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल सं, एमें स्थापान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचान परिफल की पंत्रह प्रतिचान से अभिक है साँच कंतरण (लंतरकों) की र कि एसे वंतरण के निए तय पाया गया प्रति-प्रति, सिम्मिलिखन उद्देश से उश्त क्रात्रण लिखिन में क्षात्री कि स्थ से विधास स्था है .--

- (क) मतापार में शुर्र किसी जान की नारवं, उपया बाधिनियम के व्यक्ति कर देनें की बंतरक के दावित्व में कमी कर्ष का अससे सचने में शुभिका कासए; करिया
- (प) एमी किसी बाय वा किसी मन या प्रत्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय कायकर विधित्यम, 1933 (1922 का 11) या जनत स्थितियम, या फा-कर विधित्यम, या फा-कर विधित्यम, या फा-कर विधित्यम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनाथ नन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं रक्ष्या एमा था किया जान परिता था, किया के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश

बकः कथ, उन्त अधिनियम, की भारा 269-य के अवसरण बो, मी, उन्तत अधिनियम की भारा 269-य की उपभाश (1) के कथीम, निम्नीकिवित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- मेश गंधर उमेरवरी नाथ बल्द राम विकर पूमोमाल, ब्रीयबी देवी जीजे वासुदेव नारायण कुमार राजिलेकावी नाथ बल्द, बासुदेव नारायण कुमार बालेकादी नाथ बल्द, बासुदेव नारायण वसंत कुमार, कानल कुमार पेसालन बासुदेव नारायण गो० इन्दु पेरायण औंने, मुखदेव नारायण विजय नारायण, मृत्युन्जय नारायण पेसरसन, सुखदेव नारायण सा० म० कृष्णा प्रकाम रोड, गया। (अन्तरक)
- 2. श्रीनती अथा देवी जौजे श्री सुरेन्द्र प्रसाद उमेश प्रसाद वो महेण प्रसाद पेशारान मकसुदन राम श्रा॰ अनुष्य गारायण रोश, गया। (श्रन्तरिती)

एपे यह सुमना कारी करके पूर्वाक्षत्र चन्यारित के वर्षण के जिल्ला कार्यकारिकार सहस्या हो।

उन्ह सम्पत्ति को कर्जन के सम्बन्ध में काहे नाक्षेत्र ३---

- (क) इस स्वता के राजपात के प्रकासन की टारीस से 45 दिन की बनीभ या टारसंबंधी व्यक्तियों पर नुकता की तासीस से 30 दिन की समीध, को मी बनीभ बाद में समाप्त होती हो, के धीएर प्रवित्त ालिकारों में से लियों व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सुवना के राजपत में त्रकासन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्त सम्पत्ति में हित्यवृष किसी अन्य अपित ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार जिसान में किए वा सकेगें।

- इन्स्य अपूर्ण अपूर्ण की स्वार पर्वो का, वो इक्क अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हो, उसी लग्ने होता, को उस सम्याम में विक भाग हो क

अ**न्स्त्री**

तीन भाना 12 जाम हिस्सा एक जभीन मय मकान में जोकि के॰ पी॰ रोड, गया में स्थित है और पूर्ण रूप से बसीका सं॰ \$932, दिलांक 15-4-1985 में बॉणत है। और जिसका विकासन दिला संबर जिल्लासन, गया द्वारा सम्पन्त हुमा है।

> दिलीप नुमार घोष सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक शायकर मायुवत (निरीक्षण) धर्णन रॅफ, पटना

familie : 11-12-85

मीहर

3---406 00/85

प्रकार बाह्र , हो, एस । एस् -----

बायकर मधिनियम, 1961 (1964 का 43) की धरत 269-च (1) के बंधीन स्चल

धारत सहकार

कार्यात्वय , सहायक शायक र मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, विनांक 11 विसम्बर 1985

निदेश सं० III-1074/म्प्रर्जन/85-86---म्रत: मुझे, दिलीप कुमार घोष

बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (किथे इसकें इसकें परकात् उसत विधिनियम कहा गया है), की भाष 269-स के अभीन सक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित वालार म्ह्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० खाता नं० 357, खसरा नं० 202, वार्ड नं० 32 है, तथा जो मोजा नुरुल्लाहपुर, थाता मुजफ्फरपुर, जिला-मुजफ्फरपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-4-1985

को प्रविकत संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमार प्रतिक को सिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वाव करने का कारण हो कि मभार्यों के सम्मतित का किवत बाजार मृत्य उसके क्यमान प्रतिकत से, एसं क्यमान प्रतिकत का नन्द्र प्रतिकत से अधिक ही बीर मन्तरक (अन्तरकों) नीर कफरिती (अन्तरितिमों) के बीज एसं अन्तरण है जिए गम पामा क्या प्रतिकत, निम्निकित उद्योध्य में उक्य अन्तर्ण सिकित में वास्तिक रूप से करियत नहीं किया प्या है

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाब की पावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ वाधित्य में कृसी करने या उससे अवने में सृविधा के जिए; कार्र/या
- (च) होती किसी वास या किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय अध्यान्तर अधिनियम, 19.22 (1922 को 11) मा उस्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, १९५७ (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा गया था या किया जाना बाहिए था छिपान को सुविधा के निए;

बत: बब, उन्त विधिनियम की बारा 269-ए की बस्तरभ में, में, उक्त अधिनियम की धंा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिकत व्यक्तिकारों कर्षात :--

1. श्री हरभजन सिंह पै० सरदार सरदार सिंह, एवं श्रीमती हरवंश कौर जौजे श्री हरभजन सिंह, रमना, मुजयकरपुर।

(भन्तरक)

2 कुल्ला देवी, कैंज रीवाल जौजे श्री क्याम मुन्दर कैंजरीवाल, रमना, मुजक्फरपुर।

(ग्रन्तरिती)

को बहु स्वतः जारी करके पृशांक संपत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

तक्ष राज्यांत के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन भी प्रकाशन की ठाइनि सं 4.5 दिन की व्यक्तिया सरस्य अन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी मंगीय बाद में समाप्त कृति हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किली व्यक्ति द्वार।
- (क) इस सूचना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीस सें 45 पित्र के भीतर उक्षत स्थावर सम्भित्त में ब्रितबद्रम किसी बन्ध व्यक्ति, द्वारा, अभीतृस्ताक्षरी के बास विश्वित में किस का क्ष्मोंगे।

क्यव्यक्तिकरण:—इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाविस है, वहीं अर्थ होगा के उस ध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमूची

जमीन जिसका रकवा 1 कट्ठा, 3 धुर, 10 कनवा है। जौ मौजा, नुरुल्लाहपुर, थाना, मुजयफरपुर, जिला मुजयफरपुर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 5997, दिनांक 2-4-85 में वणित है, और जिसका निबन्धन जिला प्रवर निबन्धन, मुजयफरपुर के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

दिलीप कुमार घोष सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पटना

दिनांक: 11-12-1985

प्ररूप अरहा .टी . एन . एस . -----

अग्रयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-थ (1) के अभीन सुखना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 11 दिसम्बर 1985 निदेश सं III 1076/अर्जन/85-86--अन्ः मुझे, दिलीप कुमार घोष,

लायकर अधितियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह दिखाल करने का बड़ीस सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्हास करने का कारण है कि स्थावन मेंगील फिसका उजित बाजार मूह्य

1,00,009/- क. से मिक है

श्रीर जिशकी संव खाता नंव 357 खाता नंव 202 है, तथा जो मो अ नुरूका हजुर थाया, मुजफ्फरपुर जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (श्रीर इससे उदाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है) रिजल्ट्री शर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फपपुर में रिजल्ट्री करण अधिकारम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-4-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रितिकता को कि ए अन्तरित को गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण हाँ कि यथा पूर्वेकित संपत्ति का उचित्र बाजार भूष्य, उसकं दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल के प्रदेह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक्त (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वच स्थ्वदेय से उक्त अन्तरण निश्वति में बास्त्रिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सृविभा के लिए; और/या
- ्ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अंस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसिकित स्थितियों, अर्थात् :---

(1) हरभजन सिंह पै॰ स्व॰ सरदार सरदार सिंह, एवं श्रीमती हरवंश कौर जोजे हरभजनसिंह, सा॰ रमना, मुजफ्फरपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री विकाश केजरीवाल पै० श्री श्याम सुन्दर केजरीवाल, सा० रमना, मुजफ्करपुर ।

(अन्तरिती)

स्त्रों यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त रुधिनियम, को अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

नगसर्ची

जमीन जिसका रक्बा 2 कट्टा 5 धूर 2 कतवा है जो मोजा नुरूताहपुर थाना मुजफ्करपुर, जिला मुजफ्करपुर में स्थित है तथा जिंगका सम्पूर्ण विवरण वसिका सं० 5995 दिनांक 2-4-1985 में वर्णित है और जियका विवंधन जिला और निवंधक मुजफ्करपुर के द्वारा सम्पक्ष हुआ है।

> दिलीप कुमार घोष सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

विनोक : 11-12-1985

प्ररूप बाह्र े. टी. एन. एस्:-----

बारा 269-ज (1) के अभीन स्थान

बारत सरकार

कार्याक्षयः, सहायक जायकर जायक्त (निरौक्षण)

अर्जन रेंज, पटना पटना, विमांज 11 दिसम्बर 1985

ि विश्वा सं ० ा 1 1079/जर्जान/85→86—अक्षः मुक्ते, विकीप कुमार घोष

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ित्सं इसमें इसके परचात् 'बन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी संव तीजी नव 5854 पास नंव 17, खाता नंव 138, स्वया नंव 461, है तथा जो बीचा खिकेन्द्ररजुर पाना पानापुर, जिला पटता में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से पणित है)। रिजस्ट्रीबती अधिकारी के कार्यालय दानापुर में प्रजिस्ट्रीकरण अधिधियम 1908 (1908 रा. 16) के अधीन सारीख 15-4-1985

को पूर्वोक्स सम्बंधि के जीचत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंक्स प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नसिखित उद्वोध्य से उक्स अन्तरण जिल्लित में भारतिक कम से किया सुधी किया नया है है—

- (क) बन्तरण ने हुई जिसी नाव की बावत, करत नियम के बधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व को कभी करने मा उससे वचने में सुविधा के तिथ; नौर/या
- (ब) एंसी किसी नाम या किसी पन या कम्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय जायंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा डे सिक्ध

कड़ नम, उक्त जीभीनयन की भारा 269-थ के अनूहरण मैं, मैं, उजत जीभीनयन की भारा 269-थ की उपधारा (1) के जभीन, जिल्लीखिंख व्यक्तिया, जभीत् :---- (1) बंगीं महती एवं अन्य, वै० स्व० भगवान महतो, जा० भासरी गंज, बागा बालापुर, जिला पटना ।

(मन्द्ररह)

(%) येतर्स मोदी प्लास्टीस लिबिटेड, स्रापा भी मुदेस अन्द्र भीवास्तन, रोड नं• 13 राजेन्द्र गंगर पडना।

(मन्तरिती)

क्षेत वह सुकता कारी करके वृबोंक्य सम्मर्शि के कर्बंक के लिए कार्यमाहियां करत हों!

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ें भी आक्षेप डे---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृषना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्ति में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ब) इस मुचना के राजपण में मकाएन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसवय्व किसी अन्य स्थित द्वारा अभेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पब्सीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में दरिभाषित हैं, वहीं बर्भ होंगा को उस सध्याय में दिया नमा है।

मनुबुची

चनीत गिवका 3 जहरा है ना नोआ दिकेचरपुर भाग वागपुर जिला पटना में स्थित है तथा विश्वका सम्पूर्ण विवरण विश्वका सं० 1841 दिनांक 15-4-1985 में वॉगत है और जिलका नियंश्वन अवर नियमक दानापुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दिनीप कुषार घोष सक्षय प्राधिकारी सहामन भावनर मानुबत (मिरीक्षण) सर्मेन रेज पटमा

জিপাঁক : 11—12—1985

मोद्दर :

प्रकृष भाष्ट्र और एम् , एस् , ---

्मप्रकार विकास । 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीन स्वना

नारत तरकार

कार्यास्वय , बद्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पटना

पटना, विनोक 11 विसम्बर 1985

पिदेश सं० III-1075/अर्जन/85-86-अतः मुझे, दिलीप कुमार घोष

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहेंचार 'उन्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के बनीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह- से अधिक है

पौर जिसकी सं० खाता नं० 357 खनरा नं० 202 वार्ड नं० 32 है तथा जो मीजा नुकल्लाहपुर, धाना मुजनकरपुर, जिला मुजनकरपुर में स्थित है (ग्रीट इससे उपायद अनुस्वो में घीर पूर्ण रूप ने बणित है) रिजर्ट्री उर्दा अधिकारी के कार्यालय मुजनकरपुर में रिजर्ट्री उर्दण अधिक्यिम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2~4~1985

की पृत्रीवित रूप्पिए के अपित वाजार मुरूप से कन का रहममान शिष्ण से के लिए वितरित की नहीं हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाशुरुवित सम्पत्ति का उचित बाजार मुक्य, उसमें एरपमान प्रतिकस से, एसे एपमान प्रतिकल का पन्त्रह शिष्णत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे मन्तरण के निए तम पामा मंगा मतिष्यत, निम्नतिस्तित उद्विष्णे से उदत अन्तरण किचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया में

- (क) सन्दाहम पं हाई कियी भाष की बाइल, जल्ल बीधिनियुत्र को बधीन कर रोने को सन्तरक को लियल में कभी कहने या उत्ते नचने में सुनिया को लिए; धीर/वा
- (क) पूँची किसी अब या किसी थन या बन्य बास्तिकों की, जिन्हों भारतीय आंयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियस, या धर्व कर अधिनियस, या धर्व कर अधिनियस, या धर्व कर अधिनियस, 1957 (1937 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना था, छियाने में सुविधा के जिए.

बर्तः नव, क्वत अधिनियम को धारा 269-म के, अनुसरक मैं, मैं, बक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सुनीन, निम्निसिक्त स्यक्तियों, संस्थित हिल्ल (1) श्री हरमजाः जिह वै० स्व० तरदार सरदार शिह, एवं श्रीमती हरवंग कौर, जोजे हरमजन सिह रमणा, मुजफ्करपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश केजरीवाल पै० श्री मगाम सुन्दर, केजरीवाल, खा० रमना, मुजक्फरपुर ।

(अस्त्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत संपत्ति के वर्षन के रिश् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (ह) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिसों में से विसी व्यक्ति ह्वारा;
- (व) इस म्बला के राजपण में प्रकादन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्योक में हिसब्बा किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षण के पास सिक्ति में किस जा सकीये।

स्पाक्तिकरणः --- इसमी प्रयूचन शहरी और पदी आर, भी तक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिक्राचिक हैं, नहीं अर्थ होंगा को तस अध्याय के किया पत्रा हैं।

बन्द्रा ते

जमीत जिसका रक्बा लगमग 2 कट्ठा 3 धूर है जो मोज(न्) लाहपुर, याना मुजनफरपुर, जिला मुजनफरपुर मैं लिया है तया जिसका सम्पूर्ण विषयण वसिका सं० 5996 दिलांस 2-4-1985 में बॉगा है और जिसका निवंधन अबर पिवंधक मुजनकरपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दिलीप कुमार घोष सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनोक : 11-12-1985

१९७७ काहरे. **टॉ. एव. एव.**

बाधकर रूपिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-न (1) के बधीन स्वना

भारत सहकाह

कार्योक्य, बहारफ बायकार वायुक्त (निर्देशका)

श्रजंत रेंज, पटना

पटात, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० III-1083/अर्जन/85-86---अतः मुझे, दिलीप कुमार घोष,

नामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् (उनत अधिनियम कहा गया हो), की भारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हो कि उपायर हैं जिस तक्षम जाति के जीवार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

शौर जिल्ली सं जिल्ला नं 3, हो सं 24 (नया) है तथा जो के जी जर रोड, गया में स्थित है (श्रीर इससे उपायत अनुसूची में शार पूर्ण रूप से विणा है) रिजस्ट्री तो अधिकारी के कार्यालय गया में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 10) के अधीर तारीख 15-4-1985 को पूर्वों के सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान शितफल के लिए अन्तरित को गई है और मुस्ने यह विश्वास श्रीर का कार्य ही कि यथापुर्वाब संपत्ति का रोजत बाजार मृत्य से कम के स्थमान शितफल के लिए अन्तरित को गई है और मुस्ने यह विश्वास श्रीर का कार्य ही कि यथापुर्वाब संपत्ति का रोजत बाजार मृत्य, जसके कार्याम ही कि यथापुर्वाब संपत्ति का रोजत बाजार मृत्य, जसके कार्याम ही कि विश्वास ही अंतरित (अंतरकों) और बंतरित (अन्तर्वा प्राप्त में अधिक हो और अंतरण के लिए तय प्राया भया प्रतिक्त कि किम्नितियों के की वृद्ध का अवस्थ अन्तरण सित्य प्रया भया प्रतिक्त का किम्मित्य वृद्ध का अवस्थ अन्तरण सित्य प्रया भया प्रतिक्त का किम्मित्य वृद्ध का अवस्थ अन्तरण सित्य प्रया भया प्रतिक्त का किम्मित्य वृद्ध का अवस्थ अन्तरण सित्य प्रया भया है :--

- (क) अन्तरण सं हुइ जिसी काय की बावत सकत बिच-नियम के क्यीत कर बोजे के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उसके बचने में सक्तिम्य के निए; भीर/या
- (क्ष) एती किला अस या किसी अन या अन्य आस्तियों की निजन्द भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 अर्थ 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर मही किया मूल प्रांचा प्रकट नहीं किया मूल या या किया जाना जाहिए था छिएनो में सुविधा छे लिए?

बत: अप, उपत को घोनयम, की धारा 269-म की बन्सरण मो, मी उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्मीलाब को जनगी, वर्थीत् म⊷ (1) श्री मोहत मुरारी प्रशाद,
बल्द बिन्देम्यरी प्रशाद,
बोमो० लीका देवी जीजे मदन मोहन,
बा विश्वताय प्रशाद बल्द कोलेश्वरी प्रसाध,
बो पारल नाथ बल्द कोलेश्वरी प्रसाध,
बा अर्बिन्द कुमार बल्द मदन गोपाल,
सा० म० कृष्ण प्रकाश रोड, गया।

(अन्तरक)

(2) दुलारी देवी जोजे महसूदन राम, वो लखन प्रसाद वो कैलाण प्रसाद, पैशरान महसूदन राम, सार अनुग्रह नायरायण रोड, गया।

(अन्तरिती)

को यह रूपना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए सार्थवाहिया करता हूं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की हारीं है है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिहिसत में किए था सकेंगे।

स्वाक्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा पया है।

अनुसूखी

भार आहा हिस्सा एक जमीत मंत्र मकान में जो कि पीठ रोड, गया में स्थित है और पूर्ण हिप से बसिका संव 5933 दिनांक 15-4-1985 में विशित है और जिसका निवंधन जिला अवर निवंधक गया द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दिलोप कुमार बोब सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, पटना

दिनोक : 11-12-1985

प्रस्य आईं.टी. एन. एस. -----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाख 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

क्रोबंसर, सहाबक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० III = 1079/श्राजेन/85-86--श्र<math>3: मुझे, दिलीप कुमार घोष,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) जिसे एसमें इसके एक्वाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के की अधीन सक्षम प्राधिकारी ो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी संव तौजी नंव 5854 थाना नंव 17. खाला नंव 138, खसरा नंव 461 (पार्ट) है लया जो मौजा सिकन्दरपुर थाना बानापुर, जिला पटना में स्थित है (ग्रीर इसते उनाबढ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञा है) रिजिस्ट्री-कर्ता भविकारी के कार्याक्षय दानापुर में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रयोन तारीज अर्जेल,

का पूर्विकत सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम की द्रश्यमान प्रतिष्ठल के तिए अंतरित का गई है और मुम्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजा मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिष्ठल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रीवक क्ष्य से कथिक नहीं किया गया है :—

- (का) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (स) एंसी किसी मास या किसी धन या बन्य अपिस्तयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का अनकर अधिनियम, का अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वास प्रकट नहीं जिया गया था या किका बाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अवः, उकतं अधिनियमं की धारा 269-ए के अमुसरण बो, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नसिक्ति ध्यन्तियमों। अधीन :--- (1) बंधी महुती एवं जगद्रीय महुती, पै० स्व० भगवात महुती, और श्रन्य सा० नासरी गंज, थाता दातापुर, जिला पटना ।

(धन्तरह)

(2) मेसर्स मोती प्लास्टिक लिजिटेड, द्वारा श्री सुरेश चन्द्र श्रोदास्तव, रोड नं० 13, राजेन्द्र नगर, पटना ।

(श्रन्तिरती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उयत् सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशत की सारीख के 45 किने को क्षिण या तत्वियों विकास के किने का किने के किने की कार्य , जो में मुचना की तामील से 30 दिन की कार्य , जो में मुची के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिकर क्षिण के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिकर क्षिण के बाद में से किसी किन्ति देशारा:
- (क) इस सूचना के राजभाष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतार उनत स्थायर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य कार्यिक द्वारा कार्यस्था के पार किसित में किए दा सकी कर

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यात 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ गृंधा के अस अध्यार में दिय गुंधा हैं।

वनसंची

जमीन जिसका रक्बा 3 कट्ठा है जो मोजा तिक्रन्दरपुर दानापुर जिला पटना में स्थित है और जिल्हा सब्यूर्ण विवरण विसाका सं० 1946 दिनाँक अप्रैल, 1985 सें विजत है भ्रोर जिसका निवंधन भवर निजंधक दानापुर हे द्वारा सम्मन्न हुमा है।

> िंतीय कुमार घोष सञ्जम प्राचितारी सद्यायक अयकर प्रायुक्त (रिक्षण) धर्जन रेंज, पटना

दिनौक : 11-12-1985

प्रकृप आई. टी. एन , एस . ---- -

नात कर ने भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

थानत सरकात

निदेश सं० अनुसत्। 85-86/43-अतः मुझे श्री जे० प्रसाद, ग्राई० ग्रार० एस०

हराया क्यानियम, १०८३ (१०८१ न 45) (जिस एसमें इसमें पश्चात् 'उत्थत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के जभीन सक्षात्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्सा अभिन गाभार मृष्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

पौर जिसकी सं एक प्लाट है लया जो प्रानम्बयुर लहुमील पठानकोट में स्थित है (घीर इससे उपायद्ध प्रमुस् में घोर पूर्व रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीहर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रिजिस्ट्रीहरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन तारीख अर्थल, 1985

को प्रशिवत सम्मास्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रस्यमान शिवका को सिए बंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि न्यशाप्नींतर सुरमित का उचित बाजार मूल्य, उसके उपरामान जीता है पाने सामाणा को प्राप्त प्रशिवका ना नम्बा प्रतिकृत में मुच्छि है और अंगरक (अंतरका) और यंतरिशी (जनकरितिकों) के बीच एंसे जन्तरण के जिए त्व रावा प्रभा प्रक्रिका, विश्वतिक्त कम से क्षिण नहीं फिला गया है :—

- (क) बंचरण से हुइ किसी आय की वायत, उक्त की ध-नियम की बधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे यचने में स्विधा की सिए; बॉर/श
- (च) एंसी किसी काम या किसी धन या कम्म वास्तियों की विष्णी भारतीय कामकार सिधिनियम, 1922 । 1922 का 11) वा उस्क सिधिनियम, या धन-२० अपिनियम, वा धन-२० अपिनियम वेडिरिसी इंबारा प्रकट महीं किया प्रधा या या किया जाना माहिए था, छिपाने में सुविधा में निग्।

बतः वयः, जवत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण वो, बो, सबत अधिनियम की धारा 269-घ की स्पंधारा (1) ई अर्थक्त जिल्लिक व्यक्तिस्यों, कंसति क्र---

- (1) श्री मेहर सिंह पुत्र श्री तोतू राम, गौव सराजा, सहसील, नूरपूर (हि॰ प्र॰) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सूरज प्रकाश गुप्ता, पुत्र श्री शिवचरण दास गुप्ता, मारफत विदाल बाईव देडस, सोलन (हि॰ प्र०) (प्रन्सरिती)
- (3) जैसा कि कम नं० 2 पर है। भौर श्रमर कोई किरायेदार है। (बहु ध्यक्ति जिलके ग्रिधिमोग से संपति है)
- (4) ग्रीरकोई

(वह ध्यक्ति जिसके बारे में प्रश्लाहस्ताकरी जानता है कि वह सम्मति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्परित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राज्यात्र मो प्रकाशन की हारीय वे उद्गीति की संवीध या तत्सम्बन्धी स्वीत्रमी धर गुनला की हामील में 30 दिन की बनिध, वो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, की मीलर पृत्रीक्त स्वीयक्षती मो निक्षी स्वीक्ष प्रवादा
- (ब) एस म्पना के राजपण में प्रकाशन की तारीक बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद सिखित में किए वा स्कोंने।

स्वच्छीकरणः -- इसमें अभुका कव्यों बीर पदों का, यो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय थें रिवा गया हैं।

वनुस्ची

एक प्लाट भानन्यपुर सहसील पठानकोट जीसा कि रिजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी पठानकोट के सेल डीड नं० 224 तिथि 17-4-1985 में दर्ज है।

> जे ज्यसाय, माई ० मार० एस० स्वान प्राधिकारी पहायक मायकर मायुक्त (निरीजण) मर्जन रेज, मन्तसर

विमोन: **8-13-108**\$

मोडर :

प्ररूप आई', टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर,दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रमृतसर,/85-86-ग्रतः, मुझे, जे० प्रसाद श्राई० ग्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

एक रलाट जी गांव श्रानन्दप्र

पथ पठानकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूफी सें श्रीर पूर्न रूप से वर्णाणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्प्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से दरिशत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ज़क्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—--

(1) श्री गुजर सिंह, पुत श्री लखू राम, गाँव जनौरी, जिला होशियारपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रनोता गुप्ता पत्नी सूरज प्रकाण गुप्ता, पुत्र की णिवचरण दास गुप्ता, मार्फत बिदर एन्ड कम्पनी सोलन, (हि०प्र०)।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि कम नं० 2 पर है। ग्रीर कोई किरायेंदार ग्रगर कोई है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग सम्पति है)।

(4) स्रौर कोई।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रधोहस्ता-क्षरी जानात है कि वह सम्पति में हितब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट ग्रानन्दपुर तहसील पठानकोट में जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी पठानकोट के सेल डीड नं० 225 तिथि 17-4-1985 में दर्ज है।

> जे० प्रसाद, आई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमुतसर

दिनाँक: 5-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनाँक 5 दिसम्बर, क्र985

निदेश सं० ग्रमृतसर/85-86/45—ग्रतः मुझे जे० प्रसाद भाई० ग्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो जोगी कालोनी, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री हती श्रीध कारी के कार्यालय श्रमृतस र में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन तारीख मई 1985

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती युज रानी भेहरा, विधवा श्री विम्वनाथ, कूचा दलाला, कटडा, भाई संत सिंह, श्रमृतसर।

(अन्तरक)

(2) किशोर कुमार वर्मा, पुत्र श्री फकीर चन्द वर्मा, श्रीमती मोहनवती पत्नी फकीर चन्द , श्रीमती जै वर्मा पत्नी किशोर नंद वर्मा, 31, जोशी कालोनी, श्रमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि कम नं० 2 पर है। ग्रीर कोई किरायेदार कोई है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)।
- (3) ग्रीरकोई। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधा-हस्ताक्षरी जानात है कि ोह सम्पति सें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक कोठी जोशी कालोनी अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सेल डीड नंग 1675 दिनौंक 14-5-1935 में दर्ज है।

> जे०प्रसाद,श्राई०श्रार०एस० सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनौंक : 5-12-1985

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनाँक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० श्रमृतसर/85-86/46--श्रतः, मुझे, जे० प्रसाद श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो रेलवेरोड, पठानकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) ग्रधीन के तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यहं विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निञ्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण. से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती. द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एतः पी० पुरी, सुपुन्न श्री दयाल पूरी, निवासी पठानकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्दरजीत सुपुत्र श्री राम किशन, श्री श्रशोक कुमार सुपुत्र सुनील कुमार, श्ररविन्द कुमार सुपुत्र श्री इन्दरजीत, टूरिस्ट पठानकोट ।

(अन्तरिती)

(3) जैसां कि कम नं० 2 गर है। श्रीर कोई अगर किरायेदार है। (वह व्यक्ति जितके श्रधिभोग में संपति है)

(4) भौर कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोन हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद टूरिस्ट होटल रेखा रोड, पठानकोट में है जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के सेल डीड में 381 तारीख 3-5-1985 को दर्ज है।

> डी० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

दिनाँक : 5-12-1985

प्रकृष् वाद्र_ेट्टी<u>ः वन्त्रभूत</u>ः -----

बायकर मिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के बमीन स्थना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक जायकर जायका (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाँक 5 दिसम्बर 1985

निदेशसं ० अमुतसर/85--85---47-- श्रत- मुर्से छी ० प्रसाद जे ० श्राई० श्रारं० एस०

नायकर निधित्तमम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधितमम' नहा जवा हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को नह विकास करने का कारन हैं कि स्थानर सम्बन्धि, विकास स्थान बानस मूख्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो गाँव पौलतपुर तहसील पठानकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त संप्रत के उपित बाजार मृत्य से कम के श्रवमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपर्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से एसे श्रवमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त विभिन्नियस के वभीन कर दोने के बन्दरण के दायित्व में कबी करने वा उक्क बचने में कृष्टिभा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी धन वा अन्य वास्तिकों को, जिस्हें भारतीय बाय-कर विधिनयभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयभ, वा धन-कर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया चाना चाहिए था, किनाने में सुविभा के लिए;

जलाः अव, उनतं अधिनियम् की धारा 269-म के अनुसरण कों, में, उनतं निधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) विकासने, निधननिधितं व्यक्तियों, वश्रीतः :—

- (1) श्री खुणाल चन्द सुपुत्र फतह चन्द, गाँव बडाला बागड, तहसील व जिला गुरदासपुर (प्रान्तरक)
- (2) इन्दरजीत पुत्र श्री लब्मन सिंह, कालेज रोड, पठानकोट, जिला गुरदासपुर ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 पर है।
 श्रीर कोई किरायेदार कोई है।
 (बह व्यक्ति नितके श्रिधिमोग में सम्मति है)।
- (4) ग्रौरकोई । (वह व्यक्ति जितके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पमिं हितबद्व है) ।

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिर् कार्वनहिंगा गुरू करता है।

उस्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिंग या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की जबिंग, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस तृषमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उकत अधि-निवस की अध्याव 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिवा गया है।

ग्रनुसूची

एक प्लाट दौलतपुर तहसील पठानकोट में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी पठानकोट के सेल डीड नं० 234 तिथि 18-4-1985 में दर्ज है।

> डी०प्रसाद, (ग्राई० श्रारएस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनाँक : 5-12-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिपियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनाँक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० श्रमृतसर्। 85-86। 48--श्रतः मुझे छी० प्रसाद श्राई० श्रार० एस०

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके पश्चास् 'उसत अभिनियम' कहा गया है"), को भारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

तहसील पठानकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची ग्रीर पूर्ण रूप सिवर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिबिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रिजन, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती कैलागोदेवी पुत्री श्री मुन्दर सिंह,वासी रडा ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती शशि बाला पत्नो इन्यरजीत ग्रग्निहोती, मोहल्ला नजदीक डितपंतरी, पठानकोट । (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि कम नं० 2 पर है। ग्रौर कोई किरायेदार कोई है। (बह ब्यक्ति जिसके ग्रिक्षिणोग में सम्पति है)
- (4) ग्रौर कोई । (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रशोहस्ताक्षरी जानता है किह वह सम्पति में हितबथ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ध्रनुस्ची

एक जायदाद मुहल्ला जदरिया पठानकोट जैसा कि अम रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी पठानकोट के सेल नीड से 323 तिथि 26-4-1985 में दर्ज है ।

> डी० प्रसाद ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनाँक : 5-12-1985

प्रकप जाइ. टी. एन. एस. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

अमृतसर, दिनाँक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रमृत तर् 85-86/49--ग्रतः, मुझे, जे० प्रसाद ग्राई० ग्रार० एस०

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सुलजान पिंड सबरवन नंजदीक जी०टी०रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से बाँगत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ला में रजिल्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रबंग तारीख ग्रिपेंस, 1985

फो प्वेंक्ति सम्पत्ति के डांबत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आह की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी था किसी यन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय अध्यक्तर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भतः कव, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ए के अपूर्वरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 259-ए की उपारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री गुरभजन सिंह मान पुत्र श्री मंगल सिंह, वासी 12 तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरबचन जिह, पुत्र श्रो गुरदयाल जिह, वासी सुलतान विट श्रमृतसर, ची हरदयाल जिह पुत्र श्री नथा जिह, 82, गरीकपुरा, श्रमृतशर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि क्रम नं० 2 पर है । ग्रीर कोई किरायेदार कोई है। (वह व्यक्ति जित्रके ग्री

(बह व्यक्ति जित्रके अधिमोग में सम्पति है)।

(4) श्रौरकोई

(वह व्यक्ति जितके बारे में अबी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करक पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख, कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि नाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूरीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सासीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सविते।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्भी

कृषि भूमि सुलतात विंड अवस्त्रन ग्रमृतदर में जैसा कि रजिस्ट्रोक्ष्त्री ग्रिधिकारी दिल्ली के सेल नीड नं० 753 दिनाँक 29-4-1985 में दर्ज है।

> जे० प्रताद आई० आर० एत० सझम पाधिकारी सहायक आयकर प्रापुका (निरीक्षण) ऋजैन रेंज, भमृतसर

दिनाँक : 5-12-1985

प्रकल कार्षे . टी . एन , एल . . - - ----

लायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २69-ल (1) के अभीत सुचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायधार काय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाँक 10 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं०ए एस/म्रार85~86/50—म्रत मुझे, जे० प्रसाद, म्राई० म्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें ध्रसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), के धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्प्रितः, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो सुलतान विष्ठ रोष्ठ सबरबन श्रमृतकर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विश्ति है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकरी के कार्यालय दिल्ली में 'रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रशैल, 1985

को पूर्वेक्ति संपास के उपित बाजार मृत्य सं कम के व्यथमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुम्हें यह यिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्वेदित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुद्धं किसी साम को बावत, उन्ह अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसके बचने हैं हुसिंभा के लिए;
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों भरी, जिन्हों भारतीय क्षाम कार अधिनियम, १२७४ (1922 की 11) ६० उनत अधिनियम, ६१ १०५७४ लिधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजन नार्थ अस्तिरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना जाहिए था, हिल्लों के मृतिभा की जिए।

शतः शर्म, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग में अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में नधीन, निम्नीनिश्चट व्यक्तियो, ैं ौतं ३००० 1 श्री गुरवन्त छिह् मान पुत्र श्री गंगल छिह, वासी 12 तिलक नगर, नहीं रिल्ली।

(अन्तरक)

श्री गुरलाल सिंह सूफी
पुत्र श्री किशान सिंह
95, माल रोड, अमृतसर,
श्री हरजिन्दर सिंह,
पुत्र श्री बख्णीश सिंह
वासी सुलतान विंड, अमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

2. जैला कि कम सं० 12 पर है। श्रौर कोई किरायेदार अगर कोई है।

> (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जन के **रिल्ए** नार्कमप्रीतयों कराना हा। ।

डाक्त मन्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप क-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तिकों वर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वध्धीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो. उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं उसी उसीस, जो उस अध्याय में विया

धनृसूची

कृषि भूमि मुलतान विड सबरबन श्रमृतसर में जैसा कि रिजस्ट्री कर्ता प्रियकारी दिल्लो में सेल डीड 757 दिनाँक 29-11-1985 में दर्ज है।

> जे॰ प्रसाद आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, प्रमृतसर

तारीख: 10-12-85

प्रकथ बार्ड. टी. एन. एस.----

भागकार क्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत तरकार

कार्वालय, सहायक आयंकार वाय्कत (निरीकाण)

श्रर्जन रेंज, ग्रम तसर

श्रमृतसर, दिनाँक 10 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० सं० ए एस ग्रार०/85-86/51:--ग्रत मुझे, जे० प्रसाद, ग्राई० ग्रार० एस,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काकार मूल्य 1,06,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या एक प्लैट है तथा जो ग्रजनाला रोड डिबलपमेंट स्कीम ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उप-बद्ध श्रमृत्यों में ग्रीर पूर्ण का से ग्रीणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रमृततर में मुताबिक इकरारनामा तारीख 10-10-1984

कर पूर्नोकल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति. का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का नंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई फिसी आम की बाबस, स्वक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में बृविधा के सिए; बौट्र/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिल्हें भारतीय आय-कर विधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बागा चाहिए चा, जिलाने में ब्रिया के विक्;

अत: अव, उक्त जिमिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण को मूँ उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् हु--

श्री खुशिकिस्मत सिंह पुत्र श्री हरबंस सिंह जसवन्त कौर पत्नी खुशिकिस्मत सिंह वासी ५674.7/5 बजार चूड़ बेरी, चौक चिन्तपूरनी, ग्रमृतसर।

(ग्रमृतसर)

2. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री गुरदी सिंह श्रीमती तेजिन्दर कौर पत्नी श्रो जोगिन्दर सिंह, नं० 1, मकबूल रोड, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

3 जैसा कि क्रम नं० 2 पर है। श्रौर कोई किराये-बार श्रगर कोई है।

> वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

श्रीर कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)।

को यह युवरा पारी करके पूर्वेक्स सन्दरिय के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करका हुई।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिव की सर्वीध वा तत्वध्वत्यी व्यक्तित्वों इस स्वता की शामील से 30 दिन की जविध, को भी कविध बाद में कमान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस तुम्बर के ग्राम्पन के प्रकारक की तारीय है 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्थ किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किंग् का सकेंगे।

स्पब्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदौं का, को उन्हें विधिनितम, के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होता को उद वध्याद में दिका नवा है।

अमृजुनी

एक प्लाट श्रजनाला रोड डिवलपमेंट स्कीम श्रमृतसर सें जैसा कि इकरार नामा दिनांक 10-10-84 में दर्ज है तथा सैक्शन 269 के० बी० के० साथ सैल 48 डी डी के श्रनुसार

> जे० प्रसाद, श्राई० श्रार० एस० सक्षम श्रधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 10-12-1985

1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमतसर

श्रमृतसर, दिनाँक 3 दिसम्बर, 1985 -

निर्देश स० स्रम्तसर 85~86/52/ -यतः मुझे, जे० प्रसाद, स्राई० झार० एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित काजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अभिक हैं विश्व त्रिक्ती संख्या एक प्रापर्टी शास्त्री नगर, श्रमृतसर में हैं तथा जो शास्त्री नगर श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल,

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उस्प्रमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करूने का कारण है कि यथापूर्वोयत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उसमान प्रतिकल से, एसे उदयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पास गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अव, उक्त अधिनियम की थारा 269-ए के अनुसूरण यो, मी, उक्त गाँधनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) क अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, संगति :--- श्री अरनैल सिंह पुत्र श्री साहन सिंह निवासी महानपुर तहसील तरन तारन ग्रमृतसर।

(अन्तरक)

2 डा० हरबंस कौर विधवा विधवा श्री एन० एस० सिधु, 165 ए, शास्त्री नगर, रेस कोर्स रोड, श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राष्ट्रमपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध शा तत्संबंधी न्यिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद को जमाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र े प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वह्म फिसी अन्य व्यक्ति वृवारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्पन्धीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

संख्या नं० 2 ग्रोवर लीक ग्रौर तबदीली यदि हो ग्राधा हिस्सा 165 प्रोपर्टी नं० 165 ए जो शास्त्री नगर ग्रमृतसर सें जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के सेल डीड नं० 769 है दिनाँक 18-4-1985 में दर्ज है।

> जे० प्रसाद, श्रार० भ्रार० एस० सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज अमृतसर

तारीख: 3-12-1985

मोहरः

प्रकृप बाइ ु टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

शाहर ब्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज म्रमृतसर

श्रम्तसर, दिसाँ 3 दिशम्बर, 1985

सं० ग्रमृत*सर*/85~86/53:---ग्रत: मुझे, डी० प्रसाद ग्राई० भार० एस,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का प्रारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या जुऐरा पीपल, श्रमृतसर है एक जायदाद तथा जी अप्रैल 1985 में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूत्रों में और पूर्ण रूप से वॉणत है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन, तारीख श्रप्रैल, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपोत्त का उचित बाजार मूक्य उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम बाबा गया प्रतिकल, निम्मिलिंबत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में में शास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से **हुईं किसी** आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अप्रे, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधित्रयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के स्थित

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्धरन मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— श्री बलदेव राज
 मुपुत श्री दौलत राम
 भरियाना मरचैन्ट नजदीक लैम्बर
 डाह बस्ती राम श्रमृतवर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगदीश राज सुपुत्र श्री ईश्वर दास कूचा मोहिन्द्र वाला गली देवी वाली मकान नं० 858/4~6 जैउरा पीपल श्रम्तंसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसो कि कम सं० 2 पर है। और कोई हिरायेदार स्रगर कोई है।

> (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मत्ति हैं)।

और कोई

वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिकां करहो हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वमा क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद त्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीक से 45 किन के भीतर उच्च स्थानर तम्बीता में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जधोहत्ताकारी के पास निवित में किए जा सकारी।

स्वच्छीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अभिनियम, को अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसुची

एक जायदाद नम्बर 858/4-6 जो देवी लाली गली क्चा माहिन्द्र वाला जैउरा पीपल ग्रमृतसर है।

> डी० प्रसाद, श्रा**ई श्रा**र एन सक्षम श्रधिशारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रेंज **श्रम्**तक्षर

तारीख: 3-12-1985

प्ररूप आर्द्रा.टी.एन.एस.----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

नारत प्रस्कार

कार्यासय, सहायक बायकर बाय्क्त (निर्णक्रि)

श्रर्जन रेंज ग्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985 .

सं० अमृतसर/85-86/54:----- अत मुझे, जे० प्रसाद (श्राई० श्रार० एस०),

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सञ्चित्त, जिसका उचित वाजार जून्य 1,00,000/- का से अभिक है

और जिसकी संख्या एक जायदाद है तथा जो कटडा जैमल तिह श्रमृततर में स्थित है (और इप्तसे उपायद्ध श्रमृततर में स्थित है (और इप्तसे उपायद्ध श्रमृत्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिश होरी के कार्यातय श्रमृततर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह, विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अभित बाजार कृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्नतिवित उद्देश्य से उपन बन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) यन्तरण से हुइ किसी बाव की आवत, अध्य शीधनियन के बधीन कर दोने के बन्दर्क के दादित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के हिस्सू; बार या/
- (भ) एंसी किसी बाव या किसी धन या वन्य वास्तियां का, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिक्त व्यक्तियों, अर्थात् धन्न श्री जुगल किशोर
 सुपूल श्री नथू राम
 118 कटड़ा मोती राम
 अमृतसर।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती लीला वन्ती पत्नी श्री बनारसी लाल 63, कटड़ा जैमल फिह, श्रम्तसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि क सं० 2 पर है की कुशल वेरी/प्रो मैं सर्स शिवा इलैक्ट्रिक कम्पनी अमृतसरा।

वह व्यक्ति, जित्तके श्रिधि मोग में सम्पत्ति है)।

और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवस है)।

को वह सूचना वाडी काडके, पूर्वोक्त संपरित के वर्षम के किय कार्वग्रहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी मान्नेय :----

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकते।

स्वक्यांकरण:--इसमें प्रवृक्त सन्तां और पर्योक्ता, को उक्त विधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याद में दिसा गुना है।

वग्युची

एक जायदाद हिस्सा पालट नं० 66 चौक ाटड़ा जैसल सिंह जैसा कि रिज्स्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी की सेल डीड नं० 113 दिनांक 26-4-1985 में दर्ज है।

> जे० प्रसाद ,श्राई० ग्रार०एः । सक्षम ग्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

ं तारी**ख**: 3-12-1985

माहर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमतसर

ત્રમાં રા ત્રમૃતાતર

ग्रमृतसर, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

सं० ग्रम्तसर |85-86|55:--ग्रत मुझे, जे० प्रसाद (ग्राई० श्रार० एस०)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

स्भावर सपान जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से जिसक हैं और जिसकी संख्या एक जायबाद कटड़ा जैमल सिंह श्रमृतसर है तथा जो श्रमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ श्रमसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूका से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाव मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- मोहिन्द्र कुमार सुपुत्र श्री नथू राम आगुलिपिः बडीदा हाउस, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

2 श्रीमती लीला वन्ती पत्नी श्री बनारसी लाल 63 कटड़ा जैमल सिंह ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि क सं० 2 पर है श्री कुशल बेरी प्रो मैसस् शिवा इलैक्ट्रिक कम्पनी श्रमृतसर।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4 और कोई

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रश्लोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थानीकरण :----इसमें प्रयुक्त कृत्यों औड यदों का, वो अवस अधिनयम के सम्बास 20-क में परिवादित हैं, बह्दी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समा है।

अनुसूची

एक जायदाद 1/3 हिस्सा प्लाट नं० 66 चौका कटड़ा जैमल सिंह ग्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीक्तों श्रधिकारी ने सेल डीड नं० 1139 दिनांक 26-4-1985 में दर्ज है।

> ज० प्रसाद, <mark>ग्राई आर एस</mark> सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतस**र**

तारीख: 3-12-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन भूधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, विनांः 3 विशम्बर, 1985

सं० श्रमृतसर /85-86/56:---श्रत मूझे, जे० प्रसाद, श्राई० श्रार० एस

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीए जनकी संख्या एक जायदाद उटड़ा जैमल लिह अमृतक्षर है तथा जो अमृतकर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावड़ श्रमूलूची में ग्रीर पूर्ण का में विभिन्न है, रिजिस्ट्री प्रदेश ग्राविकारी के कार्यालय अमृतक्षर में एजिस्ट्री प्रण श्रधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अश्रीत, तारीख अर्थन, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृज्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य उत्तक रह्यामान प्रतिकल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच गुसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिबित उद्देवश्य से उन्त अन्तरण लिखित में धास्तिकल हम से अधिक नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से शुक्र किसी आर्थ की पायस, उपस वीभिनियम के अभीन कर पाने के अन्तरक थी दावित्व में कभी करने या उच्छ वभने में सुविचा भी सिए; व्यूष्टिया
- (ख) एसी किसी जाय या किसी अन् वा जन्म अतिस्त्रकों करें, जिन्हें भारतीय साय-कर जीभीनियस्, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनियस, या भनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः क्षतः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-गं की बन्सरण मा, मा, उक्त विभिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (१) के बन्भिन, निम्नलिखित व्यक्तियों वभाति :---

 श्री नरेन्द्र लुमार सृष्व श्री नथु राम
 २२ शब पुर रोड दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती लीला बन्ती पत्नी श्री बनारसी लाल 63, लटड़ा जैमल सिह श्रमुतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैंता कि क सं० 2 पर ग्रीर कोई क्रिरायेदार श्रगर को है।

> (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में क्षम्पत्ति हैं)।

4. ग्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहरूलक्षरी जानता है जि व सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को **यह स्**चना जारी करक पूर्वांचित सपत्ति को अर्जन की ज़िए कार्यवाहियां **गुरु** करता हुं।

जनत सम्पर्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्वों और पदों का, जो उक्त आयकर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद 1/3 शेयर जायदाद प्लाट नं० 66 चौक कटड़ा जैसल सिंह श्रम्तसर जैसा कि राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ने सेल डीड नं० 1140 दिनांक 26-4-85 में दर्ज है।

> जे० पी० प्रसाद, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज श्रमृतसर

तारीख: 3-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सुचरा

भारत करकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , पूना

पृना, दिनांक 19 नवस्वर, 1985

निर्देश सं 37 जी/191/85-86—ग्रंत मुझे ग्रनिल कुमार, अस्यकर मंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (निर्म इस्पें इसके परभात, 'उक्त सभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रतिभक्षारी भी यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी संख्या धर्वे न० 814/ए/13 प्लाट न० 8, नासिक क्षेत्रफल 922 ची० फुट है तथा जो नासिक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रीर नासिक्ष में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के ग्रीचन, तारीख जन, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूष्य, इसके दरयमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बस्तरण ये हुई किनी नाम की नानत... उथह अधिनियम की बधीन कर दोने के बंबरक औ रागिरन में कभी करने ना उससे नमने में सुनिया की निय; बौर/मा
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंखरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या या का किया जाना वाहिए था कियाने जें सुविधों के लिए;

भतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-त के बनुसरण बो, बो, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीन, निम्नलिखिल स्वक्तियों, वर्धाक् के— श्री शंकर दत्तात्रय वालंग ई 2/17 शाहनगर धारदी, बम्बई।

(भ्रन्तरक्)

2. श्री नाना साहब लक्ष्मण ताम्बे चेयरमैन, यशोदा कोन्नापरेटिव, हाउसिंग सोसायटी नासिक।

(म्रन्सरिती)

को यह सुकका जारी करको पुर्कोक्त सम्पत्ति को कर्जन को किए कर्स्मतिहिमां करका हूं।

उक्त संक्रित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेय:---

- (क) इस स्वान के राज्यक में प्रकाशन की कारीय ने 45 दिन की स्वीध मा तस्सम्बन्धी क्यें कर सूचना की लामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी अविध माद में सम्राप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तिमों में से सिस्ती व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यव में प्रकाशन की तारीत स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यो

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क 37 जी/151/85-86 जो जून 1985 को सब रजिस्ट्रार नासिक के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूना

तारीख: 19-11-1985

मोहरः

नाम नाम वार्षं . टी. प्रा. प्

वानकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार कार्वालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्रिक)

म्रर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 18 नवम्बर, 1985

निर्देश स० 37 जी /47/84~86---श्रतः मुझे, श्र निल कुमार

बानकर ब्रांधनित्रम, 1961 (1961 का 43) (विश्व देवनें इसके परनाध् 'उक्त विश्वविद्यम' कहा नदा हूँ), की नास 269-च के वर्धन शक्षम प्राधिकारी को वह निष्टां करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाबार मुख्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या खण्डवा ताः भावक, जिला पूना श्रार० एस० नं । 10 बी, हिस्सा नं । 2 है तथा जो खण्डवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रीर बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मृश्य से कम के क्यामान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के यीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निसिचित उच्चित्तेय से उक्त बन्तरण सिचित में भारतियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किथी जाय की वावत, क्यक मधिरियम के वंशीय कर दोने के बन्तरण के वरियस्य में कभी करते या उक्कमे क्यने में सुविया के जिद्दा और/वा
- (व) एती किसी शाय मा किसी भन वा अन्य वास्तिकों मने, विन्हें भारतीय बाय-कर विनित्यम, 1922 (1922 का 11) वा उन्ते विनित्यम, वा भव-कर विभिनित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जनतिस्ती ब्याश प्रकट महीं किया नवा भा वा किया बाना भाहिए था, कियाने ने स्विभा के निवह;

बतः जब, उमत आभिनयम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री डाया माई वल्लभभाई पटेल
 504 कालवा देवी रोड.
 पहला मंजिला. वम्बई।

(ग्रन्तरक्)

2. मैं० श्रोशनियर ट्रांसपोर्ट एण्ड इनवेस्टमेंट कम्पनी प्रा० थि० 11 एमशा हाउस, एस० भगत सिंह रोड, बम्बई

(स्रन्तरिती)

को नह ब्रामा चारी करके पूर्वोक्त चन्नति के अर्थन के जिए कार्यशाहितां करता हो।

क्ष्मक कम्पत्ति के क्ष्मैन के इंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से. 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जैसा कि रिजस्ट्री श्रित के 37 जी/47/85~86 जो जुलाई 1985 को सब रिजस्ट्रार बम्बई में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक **भाय**कर <mark>धायुक्त (</mark>निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तारी**ख**ः 18-11-1985

मोहरः

प्रकथः अक्ष_{रि}टी, एन_ः **एक्**युस्तन्तन

अरथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के जभीव सुचना

भारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० 37ईडी/15425/84--85---ग्रनः मुझे, ग्रनिल कुम

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें र इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 17, चीथा मंजिल, गणेश भ्रपार्टमेंटम बिल्डिंग नं० 2 चिन्त्तरजनदास पथ, रामनगर, डोम्बीबली (ई) जिला थे!ना है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीवर्त्ता अधिवारी के वार्यालय स्हायक आधदर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) ने प्रधीन, तारीख प्रप्रैन, 1985 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मृत्य से कम के अवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेकित सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एासे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्ननिस्ति उदयोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक <u>इत्य के कथित नहीं किया नवा है ⊪</u>—

- [क] धन्तरण संहुर फिसी बाय की बावल, छक्त कथिलियम को अधीन कार दोने के जन्तरक को शांत्रित्य में लामी कारने मा समाने रूपने मी मृथिशा के तिला, कार/बा
- (अ) एका किसी जाम या भिन्नी भन या अन्य अरिस्तियों न्यों, जिन्हों भारतीय अप्रान्तिकर अधिनियम, 1922 (1922 का १1) या उक्त अधिनियम, या जन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रमाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकाट नहीं किया गता या विवाद जाना साहिए था, उद्यान हो स्थित स्थान की विवाद की विवाद

कतः तम्, उक्त अधिनियम की धारा 269-६ के अनुसरण में, पं, उक्त आधिनियम की धारा 269-६ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखितं व्यक्तियाँ, अर्थातः :--- 1: मैंसर्स एस फे॰ बिल्डर्स 111/5 शोड नं० 2, सँक्ट्र नं० 6, मिल्लिनाय भवन, मातुंगा वस्वई।

(भ्रन्तरक)

 श्री एन० वी० सांबंशिवराव टाटा इलैंकिट इं सम्बनी टैंस रोड, बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

बन्द सम्पत्ति के बर्जन के श्रेबंध में कांद्रों भी नाक्षीर :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वाराः
- (क) १स स्वता क राजपत्र में प्रकारत की तारीब से 45 दिन के नीतर उक्त स्वादर सम्मत्ति में दितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वभोड्स्ताकरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि० सं० 37 ईई/15425/85-86 जो अप्रैल 85 को सहाय र श्रायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम श्रधि जरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोज, पूना

तारीख: 5--12--1985

मोहर 🕫

प्ररूप आहा .टी .एन .एस . -----

नायकार मॅथिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-न (1) के स्थीन क्चता

बारत सरकार

कार्याचय, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक) अर्जन रेज, पुधा

पूना, दिनांक 8 नबम्बर, 1985 निर्देश सं० 3.7 ई $\xi/16572/84-85$ -अत: मुझे,

अमिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं 0 12. सर्वे नं 0 32, वर्ग्ड जिला श्राप्ता है तथा जो थामा में स्थित है (श्रीर इसके उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण हुए से व्हायक अत्यक्त आयुक्त किरीक्षण अर्जम रोज में रजिल्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

को प्वॉक्त संपत्ति के उचित वाकार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रितिक्त के निए बन्तिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाकार वृष्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकत में, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिकान से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत के निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत के निम्नितियों के किया गया है.——

- (क) बन्बरूज से हुई किसी बाव की बावत, उक्क बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अवने में मुविधा के लिए; बांड /वा
- (क) एसी किसी नाय ए जिली अने या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्हें अधिनियम या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जानां चाहिए था छिपानं में सुविधा के सिक्;

अतः अतः ६ असः अधिनयम् दी पाणः 269-गः कौ अनुसरणः भी, भी, उक्त अधिनियम् की धारा 269-घ की उपधाराः (1) को अधीनः िनम्बलिखिक्ष व्यक्तियों, अर्थातः :── 6—406 GI/85 मै० के० पी० इंजीक्षियर्स,
 309 कामर्स हाउस, 140 नगीनदास भाष्टर रोड,
 फोर्ट बम्बई।

(अन्तरक)

 मं० राधा बिल्डर्स.
 4-ए, काजल अपार्टमेंट आनन्द मगर, नवहाट, पांस्ट बेसिम रोड़∳ जिला थाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीय च 45 विज की जनिश था तत्संत्रंशी व्यक्तियों पर बृथना की तामीन से 30 विन की बविष, थो भी जनिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिस्मा में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवय्थ किसी बन्ध व्यक्ति द्वार वभोक्तताकरी के पाछ जिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिज्स्ट्रीकृत कि०सं० 37ईई/16572/84-85 जो मई 85 को बहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अभिल कुंमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायङ आयङा आयुक्स (निरीक्षण) अर्जाग रोंज-पुता

तारीख: 11-11-1985

मोह्रर :

प्ररूप थाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269- भ (1) के अभीन मन्त्रना

मारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

ा ४ अर्जम रेंज, पूना पूना, दिशांक 7 मबस्बर 1985

सं० 37ईई/165/85-86:—अत मुझे, अनिल कुमार, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं • 303 प्रौर 304, बी-2, समता नगर आखरी प्लाट नं • 15- पंचपाखड़ी, पाखरन रोड, नं • 1, थाना (डब्ल्यू) है तथा जो थाना में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जूम 1985

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (बन्तरित्या) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम शाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निवित्व वास्तिबिक स्पर् में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण स हुई किसी नाव की बाबत उक्त बाँध-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँडा/वा
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अभिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भेरे देविभा के लिए; और/बा

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) कं उधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् ह— मैसर्स विधायक डेबलपर्स,
 24/ए खट्टव बिल्डिस,
 8 मरीभ स्ट्रीड, फोर्ड, बस्बई।

(अन्तर्क)

2. श्रीमती रीटा डी० यादव सालन, ब्लाक नं. 3, खोपट थामा हाराष्ट्र।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के बर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकता में से किसी व्यक्ति दुवाय;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताकरी के पास निकित में किए का सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें पृयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होया को उस अध्याय में विका पदा है।

वनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37ईई/685/85-86 जो जून, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूमा के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 7-11-1985

प्ररूप आर्ह्न. टी. एन. एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निद्दण सं० 37ईई/601/85-86--अतः मुझे, अमिल कुमार, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या प्लाट नं० 27, सर्वे नं० 84, हिस्सा नं० 2, पथराली गांव, ता० कल्याण, जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रीर पूर्ण

थाना में स्थित है (श्रार इससे उपाबद अनसूची में आर पूणे रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित रद्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

जतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै, लैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कै अधीन, निम्निजिक्त व्यक्तियों. अधीत :--- श्रीमती धनवती एन० शाह,
 गंगा शाह पटेल बिल्डिंग दाउद बाग,
 जे० पी० रोड, अन्धेरी (डब्ल्यू०)
 बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्री एस० एन० जोशी तपोवन को आपरेटिव हार्जीसग सोसायटी पिरोजी मैन्शन चौथा मजला, ब्लाक नं० 1 ए, ए० पी० रोड, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क0 37ईई/601/84-86 जो जून 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूमा के दफ्तर में लिखा गया है।

> अपिल कुम . सक्षम प्राधिकारी सहायक अत्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

तारी**ख**: 7-11-1985

प्रकृष बाइ". टी. एन. एस.-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

मार्ठ सरकार

कार्यासद, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देकिन)

अर्जम रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/15950/85-86—अतः मुझे, अनिल कुमार शायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इनके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है शीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 406 ''अर्चना' प्लाट नं०

श्रीर जिसका संख्या ज्याद ने 406 जनना ज्याद ने 18 डी० बी० सी० वर्स्ड नई बम्बई (क्षत्नफलः 911 चाँ कुट) है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985
को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का
पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैत्रसं रहाता एत्टरप्राइजेस 163-169, झवेरी बाजार, बम्बई।

(अन्तरक)

 वी0 के० मिश्रा, माझगांद डाक लि० बम्बई।

(अन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति मों किये जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ0 सं० 37 ईई/15950/84-85 जो मई ८३ को बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज पूना के तफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार, चक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रज, पुना

तारीख: 8-11-1985

प्रकथ बार्ड. टी. एन. एस. -----

नामकर नीधीनयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत चरकार

कार्यासच, सहायक नामकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्वेश सं 37ईई/1409/85-86—-ग्रतः मूद्ये, ग्रनिल कुमार शामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं 38, ग्रोसवाल ग्रंपार्टमेंटस, ए, बी, सी, डी, ई बिल्डिंग, प्लाट सि० सर्वे नं 103 ए, नवपाड़ा, थाना (क्षेत्रफल 575 चौ फुट) है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधवारी के वार्याख्य सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जूलाई, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से वान के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रवयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अंतरितयों) के भीष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उक्ष रेय से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अस, उन्त अधिनियम की भारा 269- व के जनसरण में भारा उकत अधिनियम की भारा 269- व की उपभएरा (1) के अभीन, निम्निःसिक व्यक्तियों, स्थापक मैसर्स स्रोजनाल इन्टरप्राइजेस प्लाट नं ० 171/18
 "सी" बिल्डिंग जेसथराम बाग
 दण्दर टी टी बम्बई।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती बी० डी० पांडव ग्रीर डी० बी० पांडव थाने म्युनिसिपल होस्टल, सरकारी क्वार्टर्स नवपाड़ा थाना।

(श्रन्तरिती)

कां यह स्वना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति की अर्जन की किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षरे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृश्लिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वल्य;
- (स) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टोकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि० 37 ईई/1409/85-86 जो जुलाई, 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

ग्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

तारीख: 8--11--1985

प्रक्रम बार्ड : क्षेत्र : एष् : ------

नाथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन संस्था

हराराज्ञ सर्वकार

कार्यात्रय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन ेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 नवम्बर 1985

ग्रौर जिसकी संख्या सर्वेनं 043/2-बी-1-4 मौजे पर्वती पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनू-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीवर्त्ता ग्रीधवारी के कार्यालय सहाय र श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रीधीन, तारीख सितम्बर, 1985

को पूर्विक्स संपत्ति के उपर ताकार मूक्त रे कथ के स्वधाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मूझे यह विश्वास धरने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित नाजार मूक्त उसके स्वथमान प्रतिफल से, एसे स्म्यान प्रतिफल स्व चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) नौर अन्तरिती (जन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाचा वना वृतिफल किन्निशिष्ट उपूर्वेष्य से उस्त वंतरण किन्ति के वास्त्रीयक स्व से किन्ति वहीं थ्या स्वा है :---

- (क) बन्धरण संहुई कियी साम की वाब्छ, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोरे के ब्लाइक की वाजित्य में कमी करने या उसके उभने में सुविधा के सिए, और/या
- (स) एसी किसी बाब मा किसी धन या मन्त बास्त्यों को, सिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ अन्तिकिश हवारा एक्ट नहीं किया गया या या किया काम चाहिए था किया के सुविधा के किए;

श्री विष्णु विनायक शालीग्राम ग्राँर श्रन्य दत्ता प्रसाद, कोग्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी सोन गुरूजी के स्मारक के पास, पार्वती पूना।

(ग्रन्तरक)

2 मैंसर्स घोरिएण्ट कन्स्ट्रक्शन 734 सदाणिव पेठ,पूना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्क करता हूं।

वन्य कन्यति के वर्षत्र के सम्बन्ध में कोई भी नासीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की नविभ या उत्संबंधी स्पन्तियों पर सूचना की लायीज से 30 दिन की नविभ, वो बी बक्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का स्थितियों में से किसी स्थानित सुवारा;
- (क) इस ब्लान के राजपण में प्रकादन की तारीय के 45 दिन के मीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म स्पतित द्वारा, अभोहत्ताकरी के पात निवित में किए वा तकीय।

स्वच्योकरणः — इसमें श्रवृत्त वर्षां वर्ष पर्योक्ता, वा उपक् अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित इं, कहीं सर्थ होंगा जो उस अध्याद में विका गया है।

अनुसूची

जसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37 ईई/2755/85~86 जो सितम्बर 1985 को सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया ।

श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज,पूना

अतः अब, उक्तं अधिनियम की शारा 269-ग के अनुसरण वै, तै, अक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 18--11-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनां 🖟 13 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 37 ईई/11589/84-85—अत: मुझे, श्रनिल कुमार, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या सर्वे नं० 121 एण्ड 122, प्लाट नं० 83, 84, 85 कोथण्ड पूना 29 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, सहायक श्रायकर प्राक्युत निरीक्षण अर्जन रोज में रिजस्ट्रीक्ररण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रिपेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंच्य प्रतिफल का अंतरिती (जन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रकृत्य निक्मिनिकत उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिकित में बाल्यीकर रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अबः, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्तं अधिनियम की धारा 269-घ क्वी उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री कासी नाथ देवीदास जोशी
 2031 सदाशिव पेठ पूना 30।

(ग्रन्स्तक)

मैसर्स कुललणी एण्ड कुल्एणी
 2153 सदाशिव पेट पूना,--30।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्यीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

र्जैसा कि रिजस्ट्रीकृत फ० सं० 37 ईई/11589/84-85 जो प्रप्रैल 85 को सहायत द्यायकर द्यायुक्त निरीक्षण प्रर्जन रोज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रृनिल कुमार, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्राय**्र श्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रजैन रेंज पूना

तारीख: 13-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनां र 18 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 37 ईई/2847/85-86---- प्रतः मुझे , प्रानिल कुमार, बायकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचितः बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव सर्वेतं व 103, सीव टीव एसव तं व 1974, प्लाट तं व 126, सब प्लाट तं व 13, प्लाट तं ए ए 13. यरबड़ा पूना (क्षत्रफल 825 चीव फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के वार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण श्रवंत रेंच में रिजस्ट्रीकरण श्रिध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर 1985।

का पृथा किस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, दिसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण संदुद्ध किसी अब की शायत, उल्ल विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्दरक को दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किका गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तालीक्षत व्यक्तिसों. अर्थात् :— श्रीमती नलीनी गूरूदत्ता तालुलोकर
 137 नेशनल सोजाबटी बानट रोड, पूना।

(भ्रन्तरक)

 श्री सुतानली ए० नेनर्स भ्रौर श्रन्य .
 रिवट व्यु श्रपार्टमेंट प्लाट नं० 10, नगर रोड, पूना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभना भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा बे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पान्तवों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीवर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दिवनक्ष किसी जन्म व्यक्ति इनारा अभेहस्ताक्षरी के पांच सिरीक्त में किए जा सकेंगे।

स्वकाकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जनक अधिनियमः, के अध्याद 20-क में परिदश्लीकत हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गवा है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क सं० 37 ईई/2847/85-86 जो सितम्बर 85 को ससायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण), अर्जून रेंज,पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारी**ख**: 18-11-1985

प्रथम कहा, टी. एन. एक :----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, पू**ना**

पूना, दिनांश 8 नवस्वर, 1985

और जिसकी संख्या सी० टी सर्वे नं० 658, नागमणपेट, पूना (क्षेत्रफल 735 चौ फुट है तथा जो एना में स्थित है और इसने उपावह अनुभूची में और १णं रूप से प्वणित है), रिक्स्ट्रीधर्मा अधिशारी के शर्यालय सहायश आयहर आयुक्त निरीक्षण अजन रीज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, दारीख मही

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वांस करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य में उक्त अंतरण चिकित में वास्तविक एए ये कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जंतरण ते हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिल्हां भारतीय आयकर अधिनियमं, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनयमं, या धन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए थां, कियाने में सुनिधा के निए।

बतः जनः, उक्त जिथिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मां, भीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपध्यस (१) के अधीमः जिल्लाबिट व्यक्तियों, अधार्तः—न 7--40 6 GI/85 श्री भगवती लाह पी० जैन 507. नाचमभॅमेचेड प्ताप

(अन्तरक)

2 श्रीमती ग्रांनल यणंबन्त कुलक्णी हापी रालोनी, प्लाट नं० ४१. कोथरूड पूना 29।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🛌

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार तिस्तित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमृष्यी

तैया कि राजस्ट्रीकृत के सं० 37ईई/12253/84~85 जो मई 1985 भी सहाया स्नायार श्रायुक्त निरीक्षण स्नर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ् ऋतिल कुमार, तअम प्राधि कारी सहायक ऋषि हर आयुक्त तिरीक्षण ऋजेन रोंज, पुना

तारीख: 8-11 ·1985

मक्त गार्व . दी इस . वृत्त ------

कावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरु 269-इ (1) के क्रमीन क्रमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 3 नवम्बर, 1985

सं० 37ईई/15498/84-85:—ग्रंत मुझे, ग्रानिल कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 262-ख के अधीर सक्षम प्राधिकारों कां, यह विश्वास करने कारण ह कि स्थायर सम्पर्तित, जिसका उचित जाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं 107 श्री निकेतन प्लाट नं 2 एण्ड 4 पार्वती सिनेमा के पीछे (बसई) (डब्ल्यु) जिला शाना, (क्षेत्रफल 630 चौ० फुट) है तथा जो शाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायकर निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 जा 26) के ग्रीतन, तारीख ग्रंपेल, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित याजार मृल्य से कम के रूपमान श्रितफल के जिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, सकते द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरफ के लिए तय पाया ग्राय प्रतिफल निम्निचित उद्वरेग से उक्त अंतरण निम्निचित के सास्तिक रूप से किथा नहीं किया प्रा

- (क) बन्तरण ने हुई किटी गाय की बाबत, सकत बीधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरफ के दाजित्व में कमी करने मा उत्तरी सचने में सुविधा ले रिका सीद/बा
- (ख) एसी जिसी वाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1)) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहियेथा, जिल्ला के निकार

जताः जब, उनत अभिनियमः की भारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री एन्टरप्राइजेस
 161, पांजरा पोल रोड,
 बम्बई।

(अन्तर्ह)

2. श्री सिदाणिव नन्द एस० पावले, बैक श्राफ़ इण्डिया, क्वार्टस, बी/26 श्री कृष्ण नगर बोरीवली (ई) बम्बई।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संयक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्परित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप

- (क) इस मुचना के राजपक में प्रकाशन की तारिक हैं
 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों भर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो जी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर स्म्मिति में हित्दह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकति।

स्पष्टीकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना, को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

HERW

जैसा कि रजिस्ट्रीकृता कि 37 ईई/15493/84-85 जो स्रप्रैल 85 को सहायक स्रायकर आयुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल बुमार सक्षम पाधि गरी सहाय र स्नाय रूर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, पुना

तारीख: 13-11-1985

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन नुवना

भारत सरकार

क्षायां लय, सङ्गावक जावकार भावतः (निरीक्षण)

•ेप्रर्जन रेंज, पूना

पूला, दिनां ह 18 नवम्बर, 1985

property of the control of the contr

सं० 37 ईई/1268/85-86:---श्रद मुझे, श्रांतिस कुमार, वात हरा प्रितिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एकडें रहा अभिनयम' कहा गया है), की भारा 269-अ के सभीन सक्तम प्राप्तिकारी को सङ्ग विश्वाच करने आ सर्पा है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- का से अधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या सी० टी० एउ न० 3025/9 भारबूरडा जिलाजीनगर पूना (अंत्रफल 1082 चौ कुट) है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इसमे उपावत श्रमुश्रूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक श्रीयकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजन रेज में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 जा 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

क्ष्म पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूस हे कम के क्ष्यकान भीड़िस्त में लिए अर्लारत की गई हैं और मुक्त यह विद्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य इसके स्थान प्रतिकार, से. एंटे क्ष्यमान प्रतिकास का पन्छू भाराकत से जाभक हैं और अन्सरक (बरारकों) भीर बंसरिती अन्सिशित के बीच एंसे असार्थ के लिए सम गांवा स्वा प्रतिकात, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में साम्प्राचिक रूप म नर्शवत नहीं किया गया है र——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम को सधीन कर देने की मन्तरक को बायित्व में कमी करने मा उससे नकने में शुविधा के लिए; नार/पा
- अं (क्षा किसी काम में किसी का का अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकार विभिन्नियम, 1922 (1942 के 1914) अवन अविभिन्नियम, या धन-कार अभिनियम, या धन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया यया धा किया बाता वाहिए था, खिपाने में सर्विका के बिए।

ण्डा संत्र उक्त प्रक्षिकेश का धारा २६७-ग के अनुसरण भें, भें , उक्त अधिनियन की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैसर्स परमार एसोस्थिटस।
 1153-बी रविवार पेठ पुना 2।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती मृदुला सी० राहतेकर श्रीर अन्य 128/2, गौरी टोन अपार्टमेंट प्ना-28

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षण :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की गर्वाध, जो भी विभिध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववर विकसमों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस ब्रमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध फिसी बन्य व्यक्ति द्वारा अपोहत्ताक्षरी है देश निस्ति में किए वा सकींगे।

स्वस्थितिरणः ----इष्टमें प्रमुक्त शब्दों और पर्शः का अवश्व बाधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषिक है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में । द्या भवा है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37ईई/1268/85-86 जो जुलाई 85 को सहायथ ब्रायकर ब्रायुंक्त लिरीक्षण ब्रर्जन रेंड पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जनरोंज, पूना

तारीख: 18--11--1985

त्ररूप नाइ.टी.एन.एस-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रोज पूना पूना, दिनांक 11 नवम्म्बर, 1985

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लाट नं० 301, प्लाट नं० 17, रेक्टर नं० 17, डी० बी० सी० वर्स्ड नई वस्वई ''लिवर्टी ाम्स-रेक्स'' है तथा जो वासी में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री क्रिंग ग्रिधिशारी के कार्यालय सहायक ग्रायंकर श्रायंक्त निरीक्षण ग्रर्जन रोज में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रर्शेल, 1985।

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उष्यत बाजार नूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए मन्तिरत की गई है गाँर मुक्ते यह निक्षास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्धह प्रतिशत से गिधक है और अंतरक (गंतरकाँ) और अंतरिती (गंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में नास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने मा उससे अखने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सीवधः के सिए;

अतः अव, अवन अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण ं, मी, ज्रमण क्षित्रियम की भारा 260 ध की अपभारा (1) के अधीर निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :-- 1 मौसर्स लिबर्टी इन्वेस्टमेंट प्रा० लि० 302 डालमाल हाउम, 206, बम्बई

(श्रन्तरक)

2 श्रीमती उपा प्रभाकरन 17, अर्चना कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी सेक्टर नं. 4, बसई।

(म्रन्तरिती)

का यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकार कि तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुंवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यन्तीक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कु मं० 37ईई/14988/84-85 जो ग्रप्रैल 85 को सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रीज पूना के दर्पतर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार पक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

नारीखः । १--११--१985

प्रकृष आहें डो एत. एस.

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मार्ग वरका

कार्यात्तय, सहायक जायकर जायकर (निरोक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 18 गण्यत्य, 1985 सं० 37 ईई/12197/84-85:—-अतः मूझे, भ्रानिल कुमार,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिका ी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिश्की संख्या सर्वे नं 106 ए, हिस्सा नं 2, ह्हपसर गांव, ता ह हवेनी जिला पूना है द्वा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणित ही), रिलस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्योद्ध सहायक प्रावकर प्रायक्त निरीक्षण अर्जन रोज में, रिलस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) ये प्रधीन, तारीख मई, 1985। को पूर्वोवत संपत्ति के डॉवन प्रावार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोवत सम्पत्ति को जिल्ला के प्रवृद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं सुद्धं किसी अध्य की बाबत, दक्त अधिनियम से अधीय कर दोने की झन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी बाय या किसी धन या काय जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर किशिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, धा उन्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) लें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना शहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अत्र उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मी, मी, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग की अधिग्रह (1) के इक्षीन, निम्नलिखित स्पन्तियों, अभितः—— श्री इज्ञाहीम कालेबुद्दीन बन्दूहवाल
 14 ए, एलिझनस्टेन रोड पुना।

(अन्तरक)

2) श्रीमती उकीता हुसँव बादिसायका 1137/2, शिवाणी नगर पूना।

(अन्तरिती

को यह स्वता जारी करके पृषींक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता है

दक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति युवान अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्ति में किए जो सकती।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्यस्

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37 ईई/12197/84~85 जो 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन मई पूना के दफ्तर में दाखिल किया गया है।

> श्रनित कुमार, सलम प्राधिकारी बहायक जायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज, पूना

ता**रीख: 18**-11-1985

मोडर:

वस्त्र बार् . टो. एव. एव. ----

ायक र क्षिपित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यांतमः भइतिक शयकर त्रायुक्त (निर्देशक) अर्जन रेंज, पूना पुना, दिनांक 19 नवम्बर 1985

निर्देश सं 37ईई/2100/85-86-ग्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित गाजार मृक्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भीर जिसकी संख्या सीटी सर्वे नं० 156/2, 156/ए,
79, 80, 81, 82 और 83, मंगलावरापेठ, पूना (क्षेत्रफ़ल 11520 चौ० पुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयवत आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के जुलाई, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्म्यमान पितकस के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बासार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का मन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितिकां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल निम्निस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

> (क) संगरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त जीभित्यम को जाति। कार को के अंतरक की रामित्य में कभी कारने या उसने बचने में सुविधा के जिए, कीर/का

> (क) एकी विसी नाय मा किसी पर ता नाय ना सितातों को जिन्हों भारतीय लाय-कर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सम्कर स्थितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्म स्वतिस्था, शियाने में गरिवाम के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की आहा 200 व की उत्पास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री नामदेव बी० कचरे और अन्य 156, मंगलवार पेठ, पूना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शामजी एम० शाह, एस-1, भालेकर विल्डिंग, भास्कर कालोनी, एम० जी० रोड, नवपाडा थाना।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुन्ता बारी करने दुवाँकत सम्मत्ति के वर्षन के विस् कार्यग्रहिमां करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिस्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37 ईई/2100/85-86 जो जुलाई 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 19-11-1985

AND THE COLUMN TO A COMMENT OF THE COLUMN TH

काषधाप अधिरियाध, 1961 (1961 का.43) की न्यास प्रहातन्य (४) जी असीस समाना

मार्व उप्रकार

कार्यानयः, सङ्ग्रीकः वायकमः लाजुक्छः (निक्रीकान) अर्जन रोज,पूना

पूना, दिनांक 18 नवस्वर 1985 सं० 37ईई/14965/84--8**5--- अत**ः निर्देश श्रनिल कुमार,

बाबकर क्रीधनिश्रम, 1961 (1961 का 43) (जिबे दसमें इससे पण्यास् उत्कार अधिनियम कसा गवा हैं), की धारा 269 स के अंभीन सक्रमं त्राधिकारी की, वह विकास करने का क्षानाम हुन तक च्टरपान अप्राधिक किस्तास्त्र **उक्ति लाकार ज**्राम ६,**७**0.000/- रा. में **डाभिक ह**ै

र्यात विक्षिती एं ब्लाट एं 3, क्षि प्रपार्टमेंटस, नं 99 रे 101 मीट नं० 73. उल्हाजनगर है तथा जो उल्हासनगर में स्थित है (ग्रीर इक्षते उताबद्व श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), एजिस्ट्रीएर्सा श्रिधिकारी के कार्यालय, सहारम् आयुक्त श्रायुक्त विरीक्षण, अर्जन रोंज में, रजिस्ट्री-बरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1985

🛰ता पुरेक्षिक संप्रपत्ति की उरिकार पाकान गु**स्य से काम के करब**ासान प्रक्रियम् में किस प्रस्तित के पर्य है और माने सह विस्तास क्षारमें का कार्य है कि बधापूर्वोक्स सम्परित का उपनत काजार भण्या, उमको सम्बद्धान अधिएक्षा से, एति ध्रममान आंखपान का पंदब्र प्रोत्तिकस से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) सीर संभरिती (तंतरिक्तियाँ) के बील एमें अंकरण के जिए सक राजा नथा ब्रीस-जाक, किक्का कि चित्र संबद्धोत्त्र में उत्थार भन्तरण निर्मालया भी वास्तरिक इन में अधिन नहीं सिवा गया है :---

- (क) बन्हरण सं धुर्द किसी नाय की बाक्छ, अधितियम की अधीन कर दोने के अन्तरक की धायित ो युद्ध अक्षताने सर उपासी करवाने में सकिया के जिसा: और/या
- ्या होती विकास वारत या किया एवं बा अपना अवस्थित हो अर्था, जिन्ही धारतीय जागकर **व्यक्तियम**, 1922 (1922 की 11) का इन्दर्भ अभिनियम, सा धन-घर खिलिया। १९३३ (1957 का 27) के ए देवनमें अस्त्रीयती हमान नवट नहीं दिखा प्रशा was the freeze with the contract the server क्षे लिए:

अत: अब, अक्त अधिक्याय की धारा 269-ग के अदूसरण को को उन्न अधिपरियम को भारा १६० प की उपयास (1) को अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , वर्था = ---

हु**ध्य अस्तुः हो, बन**् गण कर्णका । (1) श्री जेर प्राप्त प्राप्त की कर सीक्षिक की 215/

(भ्रन्तर्ह)

(2) हुनी १ (१) २५१,५, (ती भारावें केंद्रम, ब्रास्त শ্বিদ্যাল ক্ষাত্ৰ সংগ্ৰহ

(ग्रन्द्ररिती)

को बहु सुचना जारी करकी पृथापन संपत्ति के अर्थन के जिल् शारीवरिक्ता कारणा हा ।

क्या सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आधीप द्र---

- (क) इस स्पना के श्वापन में प्रकादन की सारीब के 43 বিশ্ব সংগ্ৰহণ সংগ্ৰহণ আধিৰ্যনা **পৰ** मुक्ता जी सामीय में 30 विश्व को शहरीस, सी भी राजी। त्राप को भागात होते हैं, के भावार प्रमेसत के को को को लोगा राज्यमा
- (क) इस लावना को एजपण भी प्रभावन की **तारीव वा** कर्म रोग में रोग जाता गार एक रोग मो दिश्यक्ष रिक्ती जाउँ वर्णवा समान स्थापक्ष **या ।** रिक्ती जाउँ वर्णवा समान स्थापक्ष स्थापकारी स**े वास** 1 100

स्प्रातीकारण : — इसकी वान्वया द्वादों **सीर पदी यह** । **यो उपह** अगलोकारक ही कारण 10-क हो **परिभागी**कार हों , अहं । या प्राप्त के सम्रासम्बद्ध में स्थित

मन्स्ची

जैसा ि पत्रिस्ट्रीकृत के० 37 ईई/14965/84~85 जो अप्रैल 1985 भी दहात् अल्यार ब्रायुक्त निरीक्षण शर्जन रोंज, पूला के दफार में लिख राका है।

> अनिल कुमाी ुक्षम प्राधिएपरी अस्पारण बहुप्राच्य बाग्यक्त (सिरीक्षण) शर्मन जि, पूना

त्तरीख: 18-17-1985

मोहण :

प्ररूप आहर टी.एन.एस.-----

बाएकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 263-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना विज्ञास १९ जनसङ्घर १

पूना, दिनांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 37 ईई /15775/84--85---यतः, मुझे, स्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 28, सर्वे नं० 221-ए, बी० सी० डी०, यरवडा गांव, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकर निरीक्षण, ग्रर्जन रेज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रवीन, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ित के उचित वालार मन्य से कम के स्थमान प्रतिफल के कि अवस्तित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अवस्त्र्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान श्रोतफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाचा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्री यशवंत धारः साटे, बीः/38/151, सुन्दर नगर, कालीना शांताकुण (६), बम्बई। (अन्तरक)
- (2) मैतर्स श्रीकात ,सत्यजीत 30/1, एरन्डवणा, पूना-41

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्स गया है

भनुसुची

जैसा कि रजिस्ट्रीयत क० 37ईई/15775/84-85 जो मई 85 को सहायक आयंकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पृना

तारीख: 18-11-1985

मोहरः

प्ररूप **मार्ड**् टर्डि, एन<u>ः</u> पुस*्*मन्त्रन्तन्त्रन्तन्त्र

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यांसय. सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिक) अर्जन रोंज, पूना

पूना, दिनांक 13 नवम्बर 1985 निदेश सं० 37ईई०/1444/84-85---अतः मुचे, अनिल कुमार,

नायकर क्रांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके प्रश्नात् 'उक्त निधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से जिथक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, लेक ह्वीव बिल्डिंग, छोटा घाट के पास, पवई चौंक, उल्हासनगर-3 (क्षेत्रफ़ल: 950 चौं० फुट) है तथा जो उल्हासनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री तो श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मृश्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृह्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए सय पामा गया प्रतिस्ता, रिनम्निविद्य स्वयंदित से उक्त अन्तरण किविदा में वास्तरिक हम से किविदा में वास्तरिक कर से किविदा नहीं किवा गवा है हम्म

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाव की बावत, अवस विधित्रका के वधीय कर दोने की बन्दरक में दावित्व में क्यी करने ना उत्तर्ध बहुने में सुन्तिधा से किए; बीट/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भग वा अस्य आस्तियों की फिल्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधी के लिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निसियत व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स 8—406 GI/85

1 मेसर्स सत्या बिल्डर्स, 285-ए०, शिवाजी चौक, उल्हासनगर।

(भ्रन्तरक)

2 श्री पालूध्न सुन्दरदास परस्वानी, फ्लैंट न० 5, लेक ह्वीव बिल्डिंग, छोटा घाट के पास, पवई चौक, उल्हासनगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेत्र ए---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यास की तासीस से 30 दिन की अविधि, को बी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिय व्यक्ति की से सिक्षी व्यक्ति हुनारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पाल निवास में निम्य जा सकेंगे।

स्वच्योंकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वगुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37-ईई०/1444/84-85 जो जुलाई 1985 को सहायक श्रायक्त प्रायुक्त ,निरीक्षण, श्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पना

सारीख: 13-11-198**5**

अ**रूप शार्**ं, ही, **एन, एस**, - - - --

भायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 369-व (1) के विभीत सुत्रना

भारत करणाह

कार्यासव, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्तिक) प्रजीत रोंज, पूना

पूना, दिनांक 18 नवम्बर 1985

निषेण सं० 37-ईई०/2379/85-86--- अतः मुझे, अनिल कुमार,

श्रीर जिसकी सं ० 1464, सदासिय पेठ, पूना-30 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायका तिरीक्षण, श्रर्जन रेज, में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1985

को व्वेक्ति सम्मित के बिणत बाधार मृत्य से कम के वरवमान बितास को लिए अन्तरित की गई है बौर अभे, यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाबार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिकास तो, एसे दश्यमान प्रतिकास के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे दितरण के सिए तम पामा गया प्रतिक्कि का निम्नीलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नीलिसत में बास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है हुन्स

- (क) लंदरण से हुइ किसी भाग की नाग्य, उपस् निमित्रम के स्पीप कार केने के संसहक के निक्त के कही करने ना उससे अपने में सुनिधा में निक्त करिंग्स

् जल: बंब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के बनुचरण को, मीं: उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधादा (1) क्री एपीब, निक्तिसिक्त व्यक्तियों, वर्षात् हुन्न 1 श्री कृष्णा विष्णु महाजनी ग्रीर श्रन्य4464 सदाशिवपेठ, पूना।

(भ्रन्तरक)

 श्री विश्वास शिवराम गोर्डस, 1244, सदाशिवपेठ, पूना।

(भ्रन्तरिती)

का यह बुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इंड बुचवा के राज्यपन को प्रकाशन की शारीय के 45 दिन की जबिप या तत्सम्बन्धी व्यक्तिताई पर स्वना की सामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त सोती हो, के भीतन एजेंक्स महिन्दवी में से किसी व्यक्ति प्रवास प्रवास
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाबन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित बद्ध किसी राज स्थीक्त एमारा श्वीपुराधानी के पात सिक्ति में किस का कर्जने।

स्पक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त प्रक्यों और पर्यों का, जो उक्क अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्म होगा, को उस अध्याय में विसा गवा है।

नमुख्यी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई०/2379/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक भ्रायकर भ्रायक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

तारीख: 18-11-1985

मोहर 🛭

प्रकार आहे. सी. एत . एस . ------

n er sammer sam samtetingen med men samtetingen betrette samtetingen betrette samtetingen betrette samtetingen

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत प्रतकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

त्रजंन रेंज, पूना पूना, दिनाँक 13 नवस्बर 1985

निदेश सं० 37-ईई०/848/85-86--- ग्रतः मुझे, भ्रानिल कमार,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० बी०-203, मंगलम ग्रपार्टमेंट, वसई रोड़, जि० थाना है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिवस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 18) के श्रधीन, तारोख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की भई है और मुक्ते यह विश्वास करने छरते का कारण हैं कि यशपूर्वों के संपत्ति का सिक्त बाजार भून्य, उसके स्प्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और बंदरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पामा गवा प्रति-फल निम्नसिक्तिस उद्देष्य से उसस अंतरण निक्ति में बास्तिक क्ष्म स क्रांथव नहीं किया गवा है क्ष्म

- (क) अन्तरण से हुए किसी जान की वानतः, उपन अविकास की अभीम कर दोने के सन्तरक की दायित्व में कजी करणे या उससे क्षणे में सुनिना को तिहु; अरि/वा
- भि एसी किसी बाग या किसी धन या जन्म जास्तिकों का, जिन्हों आरहीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की जनुसरण मी, भी, उपत अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिकित अधिनक्षणों, अधीन क्ष्म

- मेसर्स महाबीर कन्स्ट्रब्यान्स कम्पनी, लाल गोडाउन, वसई रोड़, (डब्ल्यू०), ता० वसई, जि० थाना। (अन्तरंक)
- 2 श्री वामोदर लन्भाई राजपुरे, श्रौर श्रन्य ,1/3 नन्नुभाई देसाई रोड़, सी० पी० टान्क, बम्बई। (श्रन्तरितो)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्नत सम्परित के अर्थन से संबंध में कोई भी बासंप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक मा प्रकारण की तारीस स 45 विश् की संगीत मा तत्स्वक्तिमी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संगीत को भी सन्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्षांस्टकों में से किसी स्प्तित दुवारा;
- (क) इन् बुक्ता के राजपक में प्रकाशन की वारीक थें 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दिस्ववृश्व किसी बन्य व्यक्ति स्वास अधोतृस्ताक्षरी के पार्श किर्मास में विषय का स्कृति।

स्परकोकरण:--इसमें प्रयुक्त बन्दों और वर्कों का, को सक्क बिभिनियम दे अभाव 20-क में परिभाविक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्यास में दिया गया हैं।

नगराची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई०/848/85-86 जो जून 85 को सङ्गयक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर सें लिखा गया है।

> श्रमिल कुमार सझम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुना

तारीख्!ः 13-11-1985

प्रकर बाह् हु टी, एन हु पुच हुन्नाना

ज्ञापकुर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-च (1) से अभीन सूचना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनाँक 13 नवम्बर 1985 निदेश सं० 37—ईई०/16/85—86——ग्रतः मुझे, ग्रनिस मार,

हर अभिनान, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उत्तर अभिनियमं कहा गया ही), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, यशवंत को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, सवेडी, ग्रहमदनगर (क्षेत्रफल: 1000 चौ० फु०) है तथा जो ग्रहमदनगर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), राजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 18) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने, का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य, उसके द्रममान प्रतिफल से एसे इस्ममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत,, उक्स जिथिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाब या किसी धन वा अस्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धन कर अधिनियम वा धन प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित स्यक्तियों, अर्थात् :-- डा० भ्रनंतराव कुळ्णाजी पोटनीस, पोस्ट सेवगाँव, जिला भ्रहमदनगर।

(अन्तरक)

2. श्री इंदरजीत बी० नायर, पोस्ट रानीगल्ली, श्रहमई-नगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी /त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कांद्र भी बाधार ---

- (क) इस स्थान के राज्यत में प्रकाशन की तारील से 45 हिन की जनभि वा द्रसम्बन्धी स्पवित्यों पर सूचना की दावील से 30 दिन की जनभि, जो भी अनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी स्पवित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख सं दिन के भीतर उसस् स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के वास लिखित में किने वा सकोंगे

स्पच्छीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई०/18/85-86 जो ग्रगस्त 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-11-1985

इस्त्र मार्च .टी .पुन् पुराह नामानीक कारण

जानकर अभिनियम, 1,061 (1961 का 43) की भार। 269-म(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार वायुक्त (रिंग्रीकाण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 13 नवम्बर 1985 निदेश सं० 37-ईई०/1093/85-86--- प्रतः मुझे, धनिल कुमार,

बस्यकार गीधीनयन, 1961 (1961 का 43) (श्वित इसमें इसकी पश्चास् 'उनस् सीधीननक' काझ गया है), की भारा 269-का को अधीन सक्षम बाजिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सीधीरत, जिसका उचित बण्जार मृत्य 1,00,000/-रुठ के निक्स है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-3, स्री सदाशिव को प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी ,530/1, फर्गुशन कालेज रोड़, शिवाजी नगर, पूना-16 (क्षेत्रकल: 1161 चौ० फुट) है तथा जो पूना म स्थित है (स्रौर इससे उपाबद स्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण, स्रर्जन रेंज, में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोजन सम्परित के उचित अस्थार मून्य से कम के दश्वमान प्रोतफल के लिए जन्तीरत की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे संतर्भ के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्धेस्य से उक्त कन्तरण निचित में शस्तिक हम् से किथत नहीं किया नवा है अन्त

- (क) बन्दार्थ से हुन्द निक्ती बाब की बाबस, अकर अर्थिक्षित्रका की संशीम कर बार्च के बन्दारक मो बारिक्ष्य में कन्द्री काइने वा उन्नचे क्वने में बुनिया की विद्युष्ट अर्थिका
- (य) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपसा की धीन्यम, या धन्-कर अधि-चित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिकी क्वादा प्रकट नहीं किया गया था या किया आमा चाहिये ना, कियाने में सुनिया में दिन्ए;

् चतः अव, उक्त विभिन्नियम की भारत 269-म की बनुसरण मो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निस्नीमिसिस व्यक्तियों, अर्थात् ।

- 1 मेससं देवस्थली करंदीकर एन्ड एसोसियेएटस, 720/2, नवीपेठ, "जगन्नाथ", पूना। (अन्तरक)
- 2 श्री पुरुषोत्तम विद्यायर वोककर, 1204, सदाशिक पेठ, तिलक्षवाडी, पूना—30। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पृतित के बर्जन के निध् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षप :---

- (क) इस सुभान के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभान की ताबील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अवधि बाद को समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठिक गार्वित को में से किसी क्षावित बुगरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकावन की तारीख स 45 विन के भीवर उक्त स्थावर सम्यक्ति में द्वित्यदृष्ट्र किसी अन्य व्यक्ति व्याव, अधोहत्ताक्षरी व पास स्थित में किए का स्कृतिंग।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त जिल् नियम के अध्याय 20-क में परिभाषिल ही, वहाँ वर्ष होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

ममुस्ची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37-ईई०/1093/85-86 जो जुलाई, 1985 को सहायक ब्रायकर खायुकत निरीक्षण, ध्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर सें लिखा गया. है।

्यनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-11--1985.

मोहर ः

प्रकथ भादः दी एम्. पुस

बावकर किंभिज़िक्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के क्षीप खुचना

भारत बरकार

कार्यासय, सञ्जयक अल्बंकर अल्बंस (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनौंक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 37-ईई०/3793/85-86--प्रतः मुझे,

भ्रतिल कुमार,

जायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अविकिश्तम' कहा बबा है), जा पारा 269-ल के अभिन स्थान प्रतिभक्तारी को, यह जिल्लाए करमें का कारण है कि स्थान प्रतिभक्त , जिल्ला करिया यानार मुख्य 1,00,000/- का वे अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल बिल्डिंग, प्लाट नं० बी-31 ग्रीर बी-34 वागले, इन्डस्ट्रीयल इस्टेंट, थाना है तथा जो थाना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिल्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1985

को क्यों मंत्र कन्यिय के जीवा बाजार मूल्य से कम के व्ययभान श्रीसकाल के जिए कन्या रिया की यहाँ हैं और मूत्र कहा विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोच्य सम्भीत का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसान श्रीतमाल से, एसे व्यवसान श्रीतमाल का पन्त्रह्म प्रविद्यात से अधिक हैं और अंग्रस्क (अंग्रप्कों) और अंग्रिया का (बन्तरितियों) के बीच एसे जन्यरण के जिल् तम पन्या मूखा प्रतिकाल निम्नतिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एखे किया जान का किया थम या अन्य अक्टिसमें करें, जिस्हों भानतीय अक्टिश्चर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसक अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यस्थित वृज्या श्वास अक्टिश्चर का सामित्र का स

अत: अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिमियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निबिसित व्यक्तियों, मर्थात् t----

 मै०. कमल यार्न साइजिंग एन्ड प्रिटिंग सिल्त, जकेरिया बिल्डिंग, तीतरा मंजिला, रूम नं० 9, बम्बई।

(अन्तरक)

2. मैं० कास्टरलॉंक फिशरीज प्रा० लि॰, 203, डालमाल चेम्बर्स, नया मरीन लाईन्स, बम्बई। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बक्ति को अपंत के लिए कार्यवाहिया कारता हो।

संबद्ध संबद्धि के अर्थन के समय में क्षिक भी जामपूर्य :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की कारील स 45 दिन की मंगीन या तरसवधी अवस्थितों वर सूचमा की बाजीस से 30 दिन की अवधि, या और समीध नाम में समान्य होती हो, के मील र गुर्थों कर स्वित्ति में से सिक्सी अवस्थि सुगारा;
- (ण) वस शूचना के रायभम में प्रमायन मनि हारीस से 45 विन के मीतर अनव स्नामर बन्नीत्व व दिस्त-मद्र्य क्लिकी मन्य व्यक्ति इनारा मक्लेक्साकारों के पास लिखित में विस्तृ वा सक्ते थे।

स्पाक्षीकरणः इसमें जनुष्य क्षमधं और पर्वा का, को स्वक्ष अधिनियम के अध्यास 20-क मं परिभाषिक है, कही अर्थ क्षोता को उस अध्याय में किया समाक्षी

षन्युवा

जैसा कि रजिस्ट्रीकृट क० 37-ईई/3793/85-86 जो सितम्बर 85 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण, भ्रजीन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-11-1985

्राच्या वर्षा व इस्थ बार्षे, दी : (त . एस : वर्षा वर्षा

जायकार विभिन्नियंस, 1961 (1961 का 43) करें भाषा 269-क (1) के भनीन स्थना

WAS STREET

कार्यावयः, सहावक भावकर वानुवरा (विरोधक)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 7 नवस्वर 1985 निदेश सं∘ 37-ईई∘|4647|85-86—श्वतः मुझे सुनील कुमार

नामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इनमें इसको प्रकार (उक्त अधिनियम) कहा पत्रा हैं), की पास 269-च को नभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का अधरण है कि स्थानर नम्मिरत, जिसका सणित साचार मुक्क 1,00,000/- रहा से निधक हैं

और जिसकी संजपलाट नज 14, जो. सव नज 55, 68 व 69 (पार्ट), मीरा कोज्यापरेटिच इन्डस्ट्रीयल स्टेट लिज, मीरा गांच, थान है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), पिन्ट्री ति प्रति । री के कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायकत जिरीक्षण, प्रजन रेंज, में रिजस्ट्री एण प्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के प्रधीन, तारीख दितम्बर, 1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति को उचित नाजार सून्य से कम के उस्तमान वितरण के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सून्य, उसके उस्तमान प्रतिफल से, एसे उस्तमान प्रतिफल का कन्तर प्रतिफल से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिकी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उस प्रता का प्रतिफस, निम्निलिखित उद्वरेष से उच्त अन्वरण कि किस में अस्तरिक रूप से अभित नहीं किसा गया है है—

- (आ) जन्तरभ से हुइ किसी जाय की बाबत, समझ अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वाधित्य में अप्ती करने वा उन्नसे वचने में सुविभा के जिल्ह; आहे./या
- (क) ऐसी किसी जाए या धन वा अन्य जास्किनों करों. जिस्हों भारतीय कारकार अधिनियन, (922 (1922 का 11) या उसता अधिनियम, या अनुभार अधिनियम, या अनुभार अधिनियम, 1957 (1957 जा 27) के प्रशेषनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट कहीं किया विवास मा किया जाना जाहिए था, कियाचे में स्थित के दिल्ला के हिस्स

कक्षः अन्, शन्त विधिनियम् की धारा 269-म मी वनुवरण को, मीं, ध्यस अधिनियम की भारा 269-म को वनभाष (1) को कमील, किन्मविश्वित व्यक्तिकेते, वर्षात् क्र—

- श्री सहाबीर भटत रोलिंग मिल, धन्तवाता त्रिल्डिंग तिवेतीया रोड़, मल्लाड (ई०), बम्बई। (भन्तवात)
- 2. श्री महिन्दाच प्लास्टिक्स, नावेल दिल्ह मिल्स कम्पाउण्ड, एस० बी० रोड़, धइसार (ई०), बम्बई।

(अन्तरिती)

भी यह क्षत्रना जारी करके पृत्रीक्त कल्पित के कर्यन के किए सर्व्यक्रियों करता हो।

उक्त संपत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी शायले :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वना की तासील से 30 दिन की व्यक्तियां जो नी व्यक्तियों में ते किसी होते हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ते किसी करिवत हुवारा;
- (क) इस भूभना के गण्यत्र मों प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भौतर जकत स्थावर सम्मतित में हितबब्ध फिसी कत्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिश्वत में किए वा सकेंगे!

रनम्दीकरणः— इसमें प्रयुक्त कस्यों और पदों का, को क्यस अधिनिश्वयः, के सम्बाद १०-क को परिभाषिक हाँ, बहा अर्थ होना, जो जस अभ्याय में किया राष्ट्र ही

ननुषुची

जैला ि रिक्ट्रीहित कि० 37-ईई०/4647/85-86 लो पितम्बर 1985 को छहायड श्रायडर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ध्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 7-11-1985

व्यक्त नार्व द्वार्थ व्यक्त व्यक्त व्यक्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 क (1) के अधीन सूचना

भारत बरकश्रः

नार्ज्यसम्बद्धाः बहायक वाचकर वायुक्तः ((गर्यका)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनां ह 8 तषम्बर 1985 निर्देश**र्स ०** 37-ईई०/1767/85-36---ग्रत मुझे, ग्रनिल कुमार

कानकर जीभीनवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्क पश्चाल् (उनले जीभीनवम' कहा नवा हैं), की भारा 269-ख के क्ष्मीन बक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार सूख्य 1,00,000/- उ. वे क्षिक है

और जिसकी संव फ्लॉट नंव 5, 464 बीव, नारायणपेठ, पूना-30 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीएर्ता अधिकारी के कार्यालय, रहायक आयणर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, में रिजस्ट्रीएरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

कां गुर्नोक्त संस्थित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थवनान प्रतिकास को लिए बंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि बधापुर्नोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थममान प्रतिकास से, एसे स्थममान प्रतिकास का पत्ताह प्रशिक्त से प्रविक्ष है और सन्वरक (जन्तरकों) और सन्तिकी (अधारितिकों) के बीच ऐसे सन्वरक के निष् तब नावा नवा प्रति-क्ष्म विकासिति उद्देश्य से उस्त सन्तरक किकित में बाक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) नंबरण से धुर्द कियों बाय की बाबवाः। बनव अधिनियन के नवीन कर योगे के बंदरक के वादित्व में क्यों करने मा उससे बचने में सुनिधा के बिद्द; बीर√वा
- (क) पूर्वी किसी जान वा किसी वन वा करन जातिसानी की; जिन्हें जारतीय सामकर स्वितियमः 1922 (1922 का 11) या उत्तर स्वितियमः वा सन-कर अधिनियमः 1957 (1957 का 27) ने प्रयोगसर्थ जन्मीरदी स्वारा प्रकट नहीं जिल्ला नवा या सर जिल्ला जाना चार्तहरू था, क्रिसान में ज्ञिता किसा ह

सतः जय, तमस क्षिपियम कर्त धारा 269-न के जनुसरण में, जें, अथव अधिनियम की भारा 269-व की उपभास्त (1) के अभीन, निम्ननिविक्त व्यक्तियों, अथवि :---

- 1. मेसर्स एक्नलन्ट बिल्डर्स, 574, सदाणिवपेठ, पूना। (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती विद्यादेवी काशीनाथ परचुरे, 10-बी०, गोखले बिल्डिंग, टिकक रोड, पूना-30। (श्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पृथाकत सम्पर्ित के अर्थन के जिस् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्बद्धि के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाशोप 🚈

- (क) इब ब्याना के राजपण में प्रकाशन की तारीशा से 45 दिन की जन्धि या तत्संसभी व्यक्तियों वर्ष ब्याना की ताजील से 30 दिन की जन्धि, को भी अव्यक्ति बाद में तजान्त होती हो, के मीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यास्त;
- (क) इत तुष्मा के राजवत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में द्वित-बब्ध किसी अन्य स्थावत ब्यारा, अधोहत्ताक्षरी के मास मिकिस में किए जा सकोंने।

स्थव्यक्तिश्यः ---- इसमें प्रवृत्तत घव्यों और पर्यों का, जो जनत विभिन्नियम, के कथ्याय 20-क में बचा परिभाषित हैं, बही कर्य होगा को उस कथ्याय में दिवा मेंबा हैं।

वनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37-१६०/1767/85-86 जो ध्यास्त 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर मैं लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

सारीख: 8-11-1985

मोहर 🗈

प्ररूप नाइ.टी.एन.एस.-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्तण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 37-ईई/3782/85-86---श्रत मु**से**, श्रनिल कुमार,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन तक्षम प्रशिकारी को यह विकास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी संव वासवानी नगर बिल्डिंग नंव 1, सब फ्लाट नंव 1, एफव पीव नंव 292, संगमवाडी, कोरेगांव पार्क, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से पणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिज्ञारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गहुँ है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उच्च कंतरण सिचित में बास्यविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में तृविभा के लिए; और/बा
- (क) एची किसी जाब था किसी भन वा जन्म आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, किपान में सुविधा के निए;

बस: बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण मं, मं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) में सभीर जिस्सिविधित व्यक्तिकों, वर्धात् ⊯—— 9--406 GI/85 ा. शी. भे० , ँ७०, सासवानी, 1736, **घार० ए**स० केंदारी रोड़, पूना—ा।

(ग्रन्तरङ्)

2. श्री मोहम्मद गफी हाजो मोना, 1320, छत्नीवाल बिस्डिंग, एम० ए० चुलानी रोड़, बम्बई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमों प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याद 20-क मों परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

जैसा कि रिनस्ट्रीइत कि 37-ईई/3782/85-86 जो अगस्त 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, फ्रर्जन रेंज, पूना के बफ्तर में लिखा गया है।

> श्रितिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

सारीख 7-1-11985 सोहिंग

्र**रूप् बाह्** हो, **रह**ः **एत**्राण्यास्थ

जायकर मीभिनिश्चन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन स्वना

भारत पुरस्काः

कार्याभव, सञ्चावक बायकर आयुक्त (निरीक्क्य)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांः 7 नवम्बर 1985

निदेण सं० 37-ईई/14811/84-85 श्रत मुझे; श्रनिल कुमार,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ं से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301 तीयरा मं जिला, श्रीभनंदन बिल्डिंग में प्लाट नं० 28, सर्वे नं० 7, पोस्ट श्राफिय के पास, नवधर, पसई (डब्यू०), जि० थाना है तथा जो धाना में स्थित है (और इससे उपाह्मड अनुसूची : और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीजर्ता श्रीधज्ञारी के कार्यालय, सहायक श्रीयक्षर श्रीयक्षर श्रीयक्षर श्रीयक्षर श्रीयक्षर श्रीयक्षर १ शिक्षण), श्रर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख शर्यं ल, 1985

को पूर्वोक्स सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान शृद्विक स के लिए बन्दरित की पर्द है कि मुन्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से ऐसे क्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक ही और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए। द्वा ाया गया प्रतिकान, निम्नितिशित उध्देष्ट्य हो उपल अन्तरक निवित्त में बास्तविक कप से केवित बहीं किया बया है:——

- (क) अन्तरण संह्राई किसी आध की अक्ष्य, अन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दास्ति को कनी करने या उससे अभि को सुनिधा के लिए; जीद्र/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, १९७८ (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया शंधा भा पा किया जाना था, क्रियाने में सिष्धा के जिल्हा

अतः बढ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैं० रायल बिरुडर्स 77 पांचाल नगर नथघर बसई रोड़ (डब्ल्यू०) जि० थाना।

(भ्रन्सरक)

 मोहम्मद प्रवीस खान रूम नं० 17. 159. रसीदा मंजिल नवपाश बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के वर्षन के सि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिसरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम, के नश्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस नश्याय में दिया गया है।

वनसूची

जैसा कि रिकस्ट्री कृत ऋ० सं० 37-ईई/14811/84 85 और जो अप्रैल 1985 को सहायक श्रायक्षर श्रायुक्ष्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना है इफ्तर में लिखा गया है।

> श्रतित कुमार सक्षम प्राधि∷ारी सहायक श्रायकर श∖युक्त (गिरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

तारीख 7--1--11935 मोहर:

BIEN HET . ET SEN WET SERNEN HER BER

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के बर्धीन सुचना

भारत तरकार

कार्व्यक मायकर मायुक्त (निरक्षिण) अर्जम रेंज, पुना

पूमा, दिनांक 7 मवस्वर 1985

निवेश सं॰ 37—ईई॰/579/85—86——अतः मुझे, अगिल

कुमार,

शावकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात (जिसे अधिनियम) कहा गया हैं), की भारा 269-च के मणीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थादर संगीता, जिसका उणित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० प्लाह नं० 26, सर्वे नं० 84, हिस्सा नं० 2, जी० बी० पथराली, ता० कल्याण, जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज मे, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स कम्मीत का उचित बाजार कृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे व्यवमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक निकासिविक उद्विक से उक्स बंतरण मिणित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्भ ने हुई निक्की नाग की वान्त्, उन्तर्भ निर्मित्न्व के क्कीन कर दोने के बच्चारक में शास्त्रित में कची अध्ये ना बच्चे नम्मे में सुनिया में निष्; जोड़/वा
- (क) एकी किसी बाव या किसी धन या अन्यः आस्तियोः कार्ते, जिल्हें भारतीय जान-कर निभिन्नम्, 1922 (1922 का 11) वा उनके अधिनियम् वा धन-कर निभिन्नम् , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा को किए;

वारः भव, उपत विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उपत अभिनियम की भारा 269-थ को उपभारा (1) के अभीन, निस्नितिविस व्यक्तियों, अर्जात् ः— श्रीमती धनवन्ती एस० शाह, गंगा शाम पटेल बिल्डिंग, जे० पी० रोड़, ग्रंधेरी (डब्ल्यू०), बम्बई।

(अन्तरक)

2 श्री हिम्मतलाल एन० गांधी, 7 गिरिनार हैहिन्द कोआपरेटिय हाउसिंग सोसायटी, चूमाभट्टी, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके कुनोंबत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यशाहिनां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपण में शकाशन की तारीस से 45 किन की क्यींग ना स्टब्स्किमी व्यक्तियों गूर सूच्या की सामीस से 30 दिन की नवींग, को और समीस बाद में सम्बन्ध होती हो, से मीसर पूर्वोक्स ज्यक्तियों में से किसी स्वतित श्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थागर संपत्ति में हिराबक्थ किसी जन्म व्यक्ति बुनुरा अभोहस्ताभारी के पास जिल्लात में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनका श्रीधनियम के अध्याय 20-के में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37-ईई०/579/85-86 जो जून, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अमिल कुमार ज़क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 7-11-1985

प्रस्प मार्च, टी. एव. एव. -----

नायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक शामकर शामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूमा

पुना, दिमांक 7 मनम्बर 1985

निर्वेश सं० 37—ईई/15821/84—85——अत: मुझे, अभिल कुमार,

नायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जितका उचिक बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सी० स० नं० 3090-ए, सर्वे नं० 44-ए, हिस्सा नं० 1/1ए, कल्याण म्यूजिसिपल्टी के हद में है तथा जो कल्याण में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

को प्रांबत सम्पत्ति के उचित बाजार बृत्य से कम के स्वकान प्रतिकल को लिए अन्तरित की नई हैं और मूझे यह विस्वाद करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाकार पंचा कि कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाकार पंचा कि कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाकार पंचा कि कि सोच एसे अन्तरिक का लिए तब बाबा नवा प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बान्तरण निम्नलिखित अप

- (क) जन्तरण से हुई किसी आवः की वायत, उपके निवस के अभीन कर दोने के अंतरक के वावित्य में कसी करने या उसते वचने में सुविधा के किंक्; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या निजी धन या अन्य अस्तियों भी जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिनाने में सुविधा के सिए;

अक्षत: इक्ष, उच्चत अधिनिजम की धारा 269-ग के अभूतरण वी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निमि∏वत व्यक्तियों, वर्धात् ध--- श्री महादेव वामन थागे ग्रीर अन्य, थोंगेवाडी, चिकभवर, मरबाद रोड, कल्याण।

(अन्तरक)

2. मै॰ अलगुज कन्स्ट्रक्शन्स एन्ड इस्टेट्स (प्रा॰) लि॰, 219, साई बिहार, शिवाजी पथ, फल्याण। (अन्तरिती)

को अह त्यका चारों भएके पूर्वोक्त सञ्चित के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हो।

अक्त बल्लीस के अर्जन के सन्वरूप में कोई भी आक्षेत्र हैं---

- (क) इस बूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस ब्रुचना के राजचन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पत्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयाकिर्जः — इताये प्रयुक्त याख्यों और पर्योक्ता, जो उच्च अभिनियत, के अध्याय 20-क में दरिभाविका हुँ, भड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

धमसंबी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि सं० 37-ईई/15821/ 84-85 जो मई 1985 को सहायक आयकर आयुक्त मिरीक्षण,अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया गया है।

> अमिल कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हाब**क आयकर आ**युक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 7-11-1985 ·

मोहरः

इक्ट अरहं हु की तु **एक** तु **एक** तु • • • •

बार्कर विचित्रयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2-52-च के अभीन स्चना

प्राप्त सरकार

कार्याचन, तहायक आयकर नावृक्त (निरीक्तन)

अर्जम रेंज, कलकत्ता कलकता, दिमांक 16 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० ए० सी०-88/रेंज-II/कल०/1985-86---अतः मुझे, शेख मईमृदिम,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 10/2 है तथा जो डायमन्ड हारवर रोड़, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० आलिपुर, 24 परगता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 12-4-1985

को पूर्वीकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विवतास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिफल का बन्द्र प्रतिफल से बन्द्र प्रतिकार से विपक्त है और अंतरका (अंतरका) की संपिक है जैर अंतरक (अंतरका) के बीच एके बन्तरण के सिए तम पाया नया प्रतिक्षा, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक क्या से कि बत नहीं किया गया है है—

- (क) बनाइन वं हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिक नियम में अभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कानी करने यां उक्के बलने में सुनिधा के सिए; अकि/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी पत्र या बन्ध बास्तियों कों, फिन्हों भारतीय बायक र बीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, वा चूंबं केर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाक्रिए था, कियाने में सुविका वे जिस्हा

वरः मृत, क्यत वीपीन्यत की भारा 269-म वी वन्तरण में, में, उत्ता निर्धानयम की भारा 269-म की उपभारा (1) को नभीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मेसर्स छाबरिया इंजीनियरिंग कं०।

(अन्तरक)

 मेसर्स मड आम्प्रपाली हाउसिंग को ऑपरेटिव सौसायटी लि०।

(अन्तरितीः)

का नह सूचना बारी करके पृथींका सम्मारित के सर्वन के जिल् कार्यनाहियां करता हुन्।

बन्ध बन्धरित के धर्मन के बस्मन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीध, वो भी जबीध वाद में बजाप्त होती हो, के भीतर पूजीवध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पाद विविद्य में किए वा सकती।

स्पत्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में सथा परिभाषिट हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसूची

6435 वर्ग पुष्ठ छ: प्लाट 10/2, डायमन्ड हारबर रोड़, कलकत्ता-27 में अवस्थित है। दलिल सं० एस० आर० आलिपुर, 24 परगना का 1985 का 2878।

> शेव नईमुद्धिन लक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज, कलकत्ता

तारीख: 16--12-1985

प्रकृत बार्च . दी . एन . एस .------

A---- 1001 /1001 -- 10\ --

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक सायकर सामृक्त (निरक्षिण) अर्जम रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिमांक 16 दिसम्बर 1985 निर्वेश सं० ए० सी० 89 रिंज-II/कल०/1985-86---अतः मुझे, शेख मर्हमृद्दिन,

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षण प्राध्यकारी को यह विस्थात करने का भारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 6 है तथा जो हैस्टिंग पार्क रोड़, कल-कत्ता-27 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-85 को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के ख्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त थह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स संपत्ति का उचित बाजार कुन्य, उसके ख्यमान श्रीतफल से, एसे ख्यमान श्रीतफल का पन्तर श्रीतक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और भून्य, उसके ख्यमान श्रीतफल को एसे बन्तरण के लिए तय पन्तर श्रीतका, कि बीच एसे बन्तरण के लिए तय पन्तर विश्वास के विश्व है से अधिक है कोर अंतरक (अंतरका) और भूनतिएती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पन्तर विश्व से विश्व है से क्रिया गया है :—

- (क) अन्तर्भ ते हुई किसी भाग की वास्त्र उनके अधिनियम के अभीत कर दोने को अन्तर्भ के समित्य में कनी करने या उनके बचने में सुन्तिथा के लिए; आर्टर/वा
- हा) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुनिधा को जिए;

अतः सभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तित्यों, अर्थातः — 1. मै॰ अशोका मार्किट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री एस० पुरसन्नम ।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके प्रबोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उनक संपत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्रोप है----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्वस्थानी अविकासों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्थिता में से किसी स्थितिस द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्डनिकरणः — इसम्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अग्यकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस्त अध्याय में दिसा गया है:

अनुसूची

123.93 वर्ग मीटर प्लाट नं० 6-जी०, राजिष 26, हे, सिटिंगस् पार्क रोड़, कलकत्ता-27। दिलल सं० आर० ए० कलकत्ता का 1985 का आई० 5794।

> णेख गईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, कलकत्ता

तारीख: 16-12-1985

प्रकल्प कार्य . टील एव . एवं प्रकारण

भागकर विधिनियस, 1961 (1961 भा 43) की नारा 269-म (1) में स्थीन सूचना

बारक बारकर

कार्यात्रक, तक्कवक भावकर भावकर (निर्द्राक्षक)

ग्रर्जन रेंज,-II, कलकता

कलकता, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

निवेश सं० ए० सी०-90/रेज-II/कल०/1985-86--ग्रत: मुझे, शेखर नईम्हीन,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाण 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाधार भूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 32-के० है तथा जो न्यू रोड़, कलकत्ता, अलिपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, आरं० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-1985

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्याबास मितिक के सिए बन्हरित की गई है बरि मुर्के वह विकास करने का कारण है कि समाप्योंक्ट सम्मत्ति का छोचत बाजार मृत्य, उसके क्रममान प्रतिकत तो, एके क्रममान वितकत को पंत्रह प्रतिकृत से जिथक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे कस्तर्क के लिए बच पामा था प्रतिकत निम्नितिश्वित उद्बोध से उक्त अन्तरक निम्नितिश्वत ये बास्तिक रूप से बिधक नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या लग-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया क्या या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के जिए।

वितः अव, तक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:— 1. श्री बचित्तर सिंह रनधावा

(मन्तरक)

(1) भिजय ढुढेजा,
 (2) श्री णामल ढुढेजा

(श्रन्तरिती)

को बहु सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

उनत संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राज्यन के प्रकायन की ताड़ींब के 45 दिन की जनिंध या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिंध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अपनित द्वारा;
- (ब) इत क्ष्मा के रावपण में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वेष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी वे पास निवित्त में किए का सकती।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अनत अधिनियम, के अध्याद 20-क में सभा परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

घनुसूची

दो तल्ला पर 2700 वर्ग फुट प्लाट 32-के०,न्यू रोड,थाना-ग्रलिपुर, कलकत्ता में प्रवस्थित है। दलिल सं० ग्रार० ए० कलकत्ता का 1985 का ग्राई० 7624 पि०।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, कलकत्ता

तारीख: 16-12-1985

प्ररूप आई. टी. एत. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

सार्थालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए० सी०-91/रेज-II/कल०/1985-86--थतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारि की, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रू से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट तं० 459 है तथा जो ब्लाक ए० ई०, 6, सल्ट लेक सिटो, कलकत्ता-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ली अधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 26-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तक क्रयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से जीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्बरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निवित्त में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गवा है :——

- (क) अन्तरण से हुई किंसी आय की बाक्त उक्त अभिगैनकन के अधीन कर दोने के अक्तरक के दार्गिक्व में कमी करने या उत्तरों बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म को अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :- 1. श्री प्रनव मुखर्जी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुरेश चन्द्र चऋबर्ती ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गंक्षा है।

जनुसूची

3.0596 कड्डा जमीन का साथ मकान प्लाट नं० 459, ब्लाक ए० ई०, सल्ट लेक सिटी, कलकत्ता-64 दिलल सं० एस० ग्रार० ए० कलकत्ता का 1985 का शाई० 6294।

> गेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 16-12-19

प्रकृष नाहर् टी. एन. एस. -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के नभीन स्वना

म्रार्ट सरकार

न्नार्यालय, सहायक कायकर आमुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए० सी०-92/रेंज-11/कल०/1985-86--अतः मुझे, शेख नईम्हीन,

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (धिसे इसके इसके प्रधात उक्त अधिनियस कहा गया हुँ) की भारा 269-स व्हें अभीन सक्षत प्रधिकारी की, वह विकास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्थित बाजार मृन्य 1,00,00,0 छ। से अधिक हाँ

और जिसकी सं० पि०-142 है तथा जो ब्लाक जी०, न्यू ग्रालिपुर, कलकत्ता-53 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ए०, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 17-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का १1) या उक्त अधिनियम, या धन का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती इवाध प्रकट नहीं किया जया वा मा किया नाम भाहिए था, कियाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रित व्यक्तिस्यों, अधीतः :----10 ---406 GI/85 1. श्रीमती गीता बोस

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मिना सुज्रमनियाम और ग्रन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चित के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुनी

5 कटा 9 छिटांक 24 वर्ग फुट जमीन का साथ मकान पी-142, ब्लक-जी०, न्यू श्रलिपुर, कलकत्ता-53 श्रवस्थित है।

दिलल सं० एस० ग्रार० ए० कलकत्ता का 1985 का ग्राई०--5694।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, कलकत्ता

तारीख: 16-12-1985

प्रकार कार्यः हते. एकः अल -

बायधार बिधिशयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्याबयः संस्थाक व्यवसार आयवन (निर्याक्तक) प्रार्थन रेज, वालकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए० सी०-93/रेंज-IVक्व०/1985-86--श्रतः मुझे, शेख वर्धमुद्धीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 4.2) (जिसे हरामें असके पश्चात् 'उपल अधिनियम के कहा रूपा है), की भाख 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला प्रियम बाकार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5/2 है, तथा जो एउस्स गार्डेन लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० ब्रार० ए० कलयत्ता में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन, तारीख 3-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उपित शाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए बन्तिरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह उर्देक्त संपत्ति का उपित बरलार मृत्य, असके दूरयमान प्रतिफल से एमें क्ष्यमान प्रतिफल का पन्दह् कतिशत से विभिन्न है और यह कि बंजरक (वंतरकों) तीर अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बील एसे बन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य भी उस्त कन्तरण लिखित में वास्तिक रूथ से कि बन्त नहीं किया गया है क्ष्य-ने

- (क) जन्तरक से हुई किसी बाय की वावत, उक्त विधिनियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; बांड/वा
- (व) एसी किसी भाग यह किसी भन या अन्य बास्सियों कही, जिन्हों भारतीय बाय-कह अधिवित्रक, 1922 हैं 1922 कर 11) ता शक्त अधिवित्रक, या श्रतकर अधिवित्रक, या श्रतकर अधिवित्रक, 1937 (1357 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा गणा नहीं वित्रक श्रवा था था किया जाता साहिए भा विश्वत से समिया को निष्

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अभीन, निम्निलियन व्यक्तियों. अथित :— 1. श्री उमा शंकर ग्रागरवाल

(अन्तरक)

2. श्री कमलेश्वर पोद्धार और ग्रन्य

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्मिति के वर्धन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

तथत सम्परित के कर्वन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आशोप र----

- (क) इस स्वना के सवपन में प्रकासन की सारीय हैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सुपना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
 सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त
 स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति त्यारा;
- (७) इस त्यान के राजपण में प्रकातन की दारीय के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य स्थित ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

मन्त्रची

2 कठा, 10 छटांक 4 वर्ग फुट जमीन का साथ मकान 5/2, सिल्स गार्डेन, लेन, कलकत्ता -2 में ग्रवस्थित है।

दलिल संर्पस्य ग्रार्ग्ण कलकत्ताका 1985 का ग्राई०--5053।

> णव नईमुद्धीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायकन (निरीक्षण) ग्रार्जन रेज-11, कलकत्ता

तारीख: 16-12-1985

मोहर

आरूप आर्घ .टी .एन .एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- Π , कलकत्ता कलक्ता, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ए० सी०-94/प्रार-II/कल०/85-86- ग्रतः, मुझे, शेख नई मुद्दीन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1—बी हैं तथा जो न्यू रोड, श्रालिपुर, कलकत्ता—27 में स्थित है (श्रौर इससे उनायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रोकरण श्रिधित्तम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 16-4-1985

को पूर्वोक्द राज्यित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तिकिक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से निए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भाँ, भाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तितयाँ, अभित् :---

- 1. श्री ानीर कुमार राय चौधरी (रिसिभार) (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्राबदुर रहीन शाकिर

(ग्रन्तरिती)

को. यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यद्याहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अविकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य क्सिक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास जिखिल की किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त विधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, अही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुस्ची

दो तल्ला पर 3200 वर्ग फुट प्लाट 1—बी, न्यू रोड़, थाना-म्रालिपुर, जलक्ता—27 में ग्रबस्थित है। दिलल सं० — एप० ज्ञार० ए०, कलक्ता का 1985 का ग्राई-5635।

> शेख नईमुद्दीन गःजम श्राधिकारी सहावक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 16~12~1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० मौजा है, तथा जो श्राशकपुर तथा टालीगंज में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण खप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कसकता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

(1.) डा० महेन्द्र लाल चटर्जी

(ग्रन्तरक)

(2.) श्री मानस कुमार घोष

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्मू ची

सम्पत्ति जो डीड नं० 2902, तारीख 15-4-85 अनुसार निवंध हुमा है।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶III, कलकत्ता

अतः अवः, उक्त अधिनियमं को भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियमं,, अर्थात् क्ष्म

तारीख: 9-12-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज--4, कलकसा कलकत्ता, दिनाँक 22 दिसम्बर 1985 निदेश सं० टो० आर०/107/85--86 श्राई/एस सी-1120 भ्रतः मुक्ते, शेख नईमुद्दीन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 65 है तथा जो बेंटिंग स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची सें स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण स्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख सर्पेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाश के निए जन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके क्यमान प्रतिकास से, एसे स्थयमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और संतरक (संतरकों) और संतरिती (संतिहितियों) के बीच एसे संतरण के निए तय पाया गया प्रति- कहा, विश्वानित उन्हों किया प्रवाहित के कारण के निए तय पाया गया प्रति-

- (क) अन्तक्षण वे हृद् किसी वान की वान्छ, उन्त अधिनियम के न्यीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; श्रीक्ष/वा
- (च) एसी किसी गाय या किसी भन था अन्य जास्तियों को , जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भूजकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के ृबोजनार्थ अन्तरियों बुवारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना जाहिए त कियाने में बुनिया के सिष्ध

अत्र नव', उक्त अधिनियम की धारा 269-भं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, उर्धात् :--- श्री महासिन श्रालि लूकमानजी कापासि

(भन्तरक)

2. मेसर्स मयुर बिजिनेस लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्तीयन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

सकत सम्परित के नवन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप ध-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जन्मिया तत्सम्बन्धी स्थानित में एक स्थान की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानित को में से किसी व्यक्ति हुनाय;
- (च) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पाइ विकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण : — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मभूस्ची

65, बेंटिंक स्ट्रीट, कलकत्ता सें ग्रवस्थित मकान, 7 कट्टा, 23 छटौंक जमीन जो रजिस्ट्रार ग्राफ एस्यूरेंसेस कलकत्ता के दपतर सें डीड नं 1-5966 के ग्रनुसार एप्रिल, 1985 सें रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, क**लकत्ता**

तारीख: 22-12-1985

भाग 269-थ (1) के अभीन सुपता

भारत बद्धार

कार्याजये ह सहायक जायकर आयुक्त (निद्रोक्त)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 22 दिसम्बर 1985

निदेश संव्दीव्यार०-108/85-86/आई एस सी-131-म्रतः भुक्ते, शेख नईमृहीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम शिभकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उभिन्न वाजार मून्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० 65 है, तथा जो बैंटिंग स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्व अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रिंटर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता सें, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख एप्रिल, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रीतफल के लिए अर्जारत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान रितफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया अया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) ब्रुप्तरूष के हुए फिकी बाद की वायुक्त, बच्छ बीधीनवन की बाधीन कर योगे की बन्तरूक की बाधित्व में काबी करने वा बद्धके व्याने में कृषिणा को लिए; आर/या
- ्व) एसी किसी लाभ या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की अप) या उक्त अधिनियम भा धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना आहिए था स्थिन के स्थान के सिंद;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

1. श्री तालेल भाई लुक्मान जी कापाति

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स मयूर बिजिनेस लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी अरखे पूर्वाक्स सम्पृतिल के अर्जन के तिया कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना की राजपण में प्रकाशन की तारी सां 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में के किसी क्यिक्त बुवारा;
- (क) इस मुजना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी करों 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपर्शित में हिसबब्ध सिसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्ट्योकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उनते निष्याम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी कर्य होगा को उस लक्ष्यय में दिष्टा गया हैं।

65 बैंटिंग स्ट्रीट, कलकत्ता में भ्रवस्थित मकान, 7 कट्टा, 23 छटाँक जमीन जो रिजस्ट्रार आफ एक्यूरेंसेस के दफ्तर में बीड नं० 1-5967 के भ्रनुसार एप्रिल-85 में रिजस्ट्री हुआ।

णख नईपुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 22-12-1985

मोहर 🌼

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

वायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, क्लाइता

कलनत्ता, दिखांदा 22 विसम्बर 1985

निदेश सं० ए० सी०/रेंज--1/इल०/1985--86-सिरियल नं० 1122 ग्रन: मुझे, शेख नईस्टीन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अवचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विख्यास करन का कारण है कि स्थावर संपोत्त जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 65 है तथा जो बैंटिंग रोड़ स्ट्रीट, कल-कत्ता में स्थित हैं (ग्राँर इयसे उपादक श्रम्भुची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), एजिस्ट्रीवर्ता ग्रिधिटारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख एप्रिंग, 1985

कृति पृथींका संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृद्धे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और उन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में नास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मुं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिनिसित व्यक्तितयों, अर्थात् ः—

1 श्री ताहेर श्रालि लूं, मां,जी ापावि

(भ्रन्तरक)

2 मेसर्स मयुर बिजनेस लिसिटेट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करहा हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्यंत्रंभी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विचा गया ही।

अनुसुची

65, बैंटिंग स्ट्रीट, कल एता में श्रवस्थित मकान 7 कट्टा 23 छटांक जमीन जो र्राजस्ट्रार श्राफ़ एष्येंरसेस के पास डीड नं० 1-5965 के अनुसार एप्रिल, 1985 में राजस्ट्री हुश्रा।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी उहाउक श्रावक्ष श्रामुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रोंज, कसारत्ता

तारीख: 22-12-1985

मुक्त बाह् सी, एन, एस,

बायकार विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बिधीन सुवना

हारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षक)

भ्रजन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 दिसम्बर 1985

निवेश सं श्राई ए० सी ०/रेंज - 1/कल ०/1985-86-सिरियल मं० 1123 -श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करमे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.90,090/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 65, है तथा जो बैंटिंग स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय, उलवत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अप्रैल 1985

कारे प्रवेक्ति सम्पत्ति के उपित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह निश्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिसिस उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में गस्तिविक एप से कीयत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियाँ को, चिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त निधिनयम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भी चहिंचा के किए।

शतश मन जनत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मी जनत अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अभीन, निम्मकिष्टित कालियों, अभीत #—

1 श्री मोटामेटालि लुकमानजी कापासि

(भ्रन्सरक)

2 मेसर्स मयुर बिजनेस लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपृत्ति को अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सभ्यत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यांकितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यांकित क्यांकित में से किसी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निकास में किय का सकेंगे।

स्थेक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस सध्याय में विद्या नया हैं।

अनुसूची

65, बैंटिंग स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रवस्थित कट्टा, 23 छटांक जमीन जो रजिस्ट्रार श्राफ़ एम्युरेंसेस, कलकत्ता के दफ्तर में डीड नं० 1-5964 के श्रनुसार श्रप्रिल, 1985 में रजिस्ट्री हश्रा।

> णेख नईसुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्राक्ष्यूत (निरीक्षण) भ्रजेन रोज-2, कलकत्ता

तारीख: 22~12-1985

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन सूचनां

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 22 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए० सी शरेंज - 1/कल श 1985-86-सिरियल नं० 1124-- प्रतः मुझे, शेख नईम्हीन,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने क्यको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विक्वाब करने का कारण है कि स्थाबार संपत्ति, जिलका उपित बाजार मुख्य 1,06,000/-रः. से अधिक **ह**ै

भौर जिसकी सं० 5 है, तथा जो टिरेट्टि बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रांट इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 25-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाकार मृश्य से कार के अल्बमान प्रैतिकल के सिए जम्करित की गई है और जुभ्के, यह विश्यास करने का कारण है कि संधापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित सामार **पुरुष, अलको करव**मान प्रतिफल से, एसे कार्यमान प्रतिकास का पंद्रक्ष प्रतिकास से वीभक ही और अंतरक (अंतरकारें) वार जंतरिकी (अन्बरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिकला, निम्निसिसिस उन्देश्य से उन्त अन्तरण सिविस में बास्ट?बक रूप से कथित नहीं किया गया **है** :---

- (क) अन्तरम से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त निभिनियम के नभीन कर दोने की बस्तरक के वारियत्व में कती करने वा उसके बचने में सूचिया ये पिए; मीह/या
- (क) दोनी किसी नाथ या किसी यह या अन्य वाहिसकों स्त्रे, विन्हें भारतीय साय-कर संधिनियम, 1922 (1922 करा) या उक्त अधिनियम, सा वन-कर लीवनिश्वत, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती बुवास प्रकट नहीं क्रिटां तथा पर या विकास वाना वाहिए वा, डिक्स में स्थिमा के सिप्;

अक्तः बच्च, उक्तः अभिनियमं कौ भारा 269-न कं अनुसरण **जै, मैं, इक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीक्ष**े निकासि**वित व्यक्तियों**, अर्थात् हु----11 -406 GI/85

प्रारूप कार्ड.टी.एन.एस.----- 1 श्री सौरिन्द्र नाथ मूखर्जी

(श्रन्तरङ)

2 श्रीमती शामसा वेगम

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुचना चारी करके पूर्वोच्छ स्ट्रमिश के वर्षन के जिल् कार्यवाद्यियां शुरू करता हुई।

अवत बजरित के वर्षन के तत्त्वन्य में कोई भी बाबरे :---

- (क) इस शुक्ता के समयम में प्रकारन की वार्टींस वें 45 दिन की व्यक्ति वा एत्युक्ति व्यक्तिकृति क् क्षमाकी तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी क्वनीय बाद में बमान्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर व्यक्तिका यो ते किसी व्यक्तित दुवाराह
- (था) इस क्ष्मना के राजपन में प्रकारन नी तारीय से 45 चित के भीवार उचत स्थावर सम्परित में हिताबब्ध क्रिको क्रमा कर्मन्त दुवारा मध्येष्ट्रस्थाकरी के पाय विकास किए वा वर्कें ने ।

स्वक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का., वो उक्त क्षितिसम, के सभाय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ वर्ष होना, जो उप कथ्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

5, टिरेट्टि बाजार स्ट्रीट, एलकत्ता में भ्रावस्थित 3 क्**ट्रा, 9 छटां** इ जमीन तथा म**ान जो श्रार**० ए०/एस० भ्रार० ए०, बलकत्ता के पास डीड नं० 1-5569 के श्रनुसार 25--4--1985 तारीख में रजिस्ट्री हुम्रा।

> शेख नईम्दीन सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज-2, कलक्ला

सारीख: 22-12-1985.

योहर :

धक्य बाइं ्टी. ६न. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

नारत चरकार

कार्यासम सहायक बायकर बाब्क्त (निरीक्षण)

धर्णन रेंज, कलकत्ता, कलकत्ता, दिनांक 22 दिसम्बर 1985 निदेश सं० टी, ग्रार 235 ए० सी०/रेंज-1/कल०/1985-86-

सिरियल 1125--श्रतः मुक्षे, शेख नईमुद्दीन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीस, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 2 है, तथा जो हांस पुकुर फ़स्ट लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिवारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 26-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यंआपूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है----

- (क) बन्तरण सं.हृद्दं किसी बाव की बावत उत्तर अधिनियम के अधीन को देने के अन्तरक औ धर्मयाच मों कमी कोरले यो गासमें बाजने मों सुविधा के स्लए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या कन्य वास्तियाँ को जिल्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया उक्त चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अनं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग कः अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिंक व्यक्तियों, अधीत ह

1 नवद्वीप भजन श्राश्रम

(भ्रन्तरक

2 श्री लखूलाल हलवाई, एलियास लखूप्रसाद साव। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में काहें भी जाकर हिल्ले (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस में 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किस्री व्यक्ति इंवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी बन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निखित में किए जा सकोंगे।

न्यस्त्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^व, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

नसची

2, हासपुकुर फर्स्ट लेन, एलकत्ता में श्रवस्थित 3 कट्टा 9 छटांक एवं 20 वर्ग फिट जमीन तथा मकान का श्रवभिक्त श्राधा हिस्सा जो श्रार० ए०एस/० श्रार० ए० कलकत्ता के दफ्तर मैं उ.ड नं० 1-6272 के श्रनूसार 26-4-85 तारीख में रजिस्ट्री हुशा।

शेख नईमूदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर अयूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजे-2, कलकत्ता

तारीख: 22-12-1985

भोहर :

व्यक्त वार्ड, डी. <u>१४, १व</u> ु-----

नामकर निर्भातवम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के नभीन सूच्या

प्रार्थ उरकार

कार्यांक्य, तड्डायक अधिकर वाध्यत (निरीक्षण)

म्रजंन रेज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० टी० श्रार०-134/85-86/एस० एल० 1126/ श्राई० ए० सी०/एक्यू० श्रार-1/अलकत्ता-यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ां है तथा जो हांसपुकुर फर्स्ट लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुकी में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रधीन, विनांक 26 ग्रग्रैल 1985

करें पूर्वीक्त सम्मित्त के उत्कित बाबार मूक्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिदित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह-प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नितिशित उद्वोदय से उक्त अंतरण किवित में बास्तिक रूप से किवित में बास्तिक रूप से किवित में बास्तिक रूप से किवित में

- (क) अन्तरभ के हुई किसी बाय की वायक, उसत अधिक्रिय के अधीन कर दीने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा थे बिए; बीट/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव. उक्त विधिनियम की भारा 269-म को अनुतरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) नव्यक्षीप भजन ग्राध्यम

(भ्रन्सरकः)

(2) श्री मोती लाल हालवाई

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोच्छ सम्मन्ति से वर्तन के जिल्ह कार्यमाहिनों कारता हुएं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एकपण में प्रकाशन की तहरील से 45 दिन की नगींच ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की राजीस से 30 दिन की नगींच, को और संपंधि नाम में समाध्य होती हो, को औरतर प्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्यक्तिरण :—इसमें प्रयुक्त क्षमाँ बीट वर्षों का, वो उपह निधिनयम, के नध्याय 20-क में परिधारित हैं, वहीं नधीं होना को उस नध्याय में दिवा नवा हैं।

अनुसूची

1,हासपृकुर फर्स्ट लेन, कलकत्ता में श्रव स्थित 3 बाठा छटांक एवं 20 वर्गफीट श्रायतन का जमीन तथा मकान जो श्रार० ए०/एस० श्रार० ए० कलकत्ता के पास डीज नं० 1-6173 के श्रनुसार 26-4-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक: 12-12-1985

प्रकृप नार्चं हो हुन , एवं , ------

माध्यम ब्रिशिनक्य, 1961 (1961 का 43) नी भारा 269-म (1) के बभीन सूचमा

नारत सरकार

कार्यांशथ, सहायक बायफर वायुक्त (निरीक्तण)

भ्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं०िट ग्रार०-/109/85-86/एस० एल० 1127/
ग्राई०ए०सी० 2 एक्यू० ग्रार—1कलकता—यतः मुझे नईसृशेखद्दीन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्यार्थे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार कृत्व 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० 158 है तथा जो लेनिन सर्णण, कलकत्ता में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद अनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के वार्णालय वलक्ता में रजिस्ट्रीकर म्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक 24 मर्मेल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कब के स्वकान शितफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार जून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उच्त अन्तरण बिखित में नास्तिबक रूप से कथित नहीं किया चवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की, बाबत, अन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सूबिधा के बिगु; और/वा
- (प) श्रेसी किसी थान या किसी धन या जन्म नास्तिनों को जिन्हें भारतीय नायकर निधनित्रम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनियम, ना धरा-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्हीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

सत: अन, उक्त निनियन की भारा 269-च के जनुतरक ने, भी, उक्त निभिन्यम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीग्, निस्तिविक्त न्यन्तिनों, वर्षात् क्ष— (1) काली दुर्ग ऐँस्टेट

(भन्तरकऋ)

(2) मारेली एक्सपोर्टस प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सन्तरित के अर्थन के सन्तरभ में कोई थी जाकेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिंग बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों ने किसी व्यक्ति प्रारा;
- (व) इतत्वाम के रावचम में प्रकालन की तारीच से 45 दिन के भौतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिचकद्वभ किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच तिचित में किए का सक्षीं।

अनुसूची

158 लेनिन सरिण, कलकत्ता में श्रव स्थित मनान का 1 तरुला में श्राफिस रूम नं० 4 जो रिजस्ट्रार श्रव एसुरेन्सेस मे दफ्तर में डीइनं० 1-6136 में श्रनुसार 24-4-85 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> शेख नईमूद्दीन सक्षण प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

दिनांक: 12-12-1985

प्रकम मार्गाः हो है एम ह एस हुन----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बचीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 12 विसम्बर 1985

निर्देश सं टी० श्रार०—104/85—86/एस० 1128 श्राई० ए० सी०/एक्यू० श्रार—1/कलकत्ता-श्रतः मुझे, शेख ृन्द्रमृद्धिन

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्नर्ने इतके पश्चात् 'स्वतं अभिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अभीन सभाम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार भूका 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स॰ 1 है तथा जो श्रश्न हैंड स्केयर कलकत्ता स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस॰ श्रार॰ ए॰ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, दिनांक 24 श्रप्रैल 1985।

को पूर्नोक्त सम्मित के उचित बाबार मूक्य से कन के स्वयनात प्रतिकत्त के मिए जन्तरित की गई है और कुछ वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्नोक्त सम्मित का उचित बाजार मूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकत्त से प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंडे अन्तरण के सिद् तय पाया गया प्रतिकत, निम्मितित उच्चेक से उच्न अन्तरण के सिद् तय पाया गया प्रतिकत, निम्मितित उच्चेक से उच्न अन्तरण कि सिद् तय पाया गया प्रतिकत क्या से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बास्पिय में कजी करने वा उक्त अपने में सुविधा के लिए; और/सा
- (व) एंबी किसी नाय या किसी भन का सम्य बास्तियों को, विक्हें भारतीय नामकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कार विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से बिस्)

नहाः कवा, उपसा मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वो, जी, उपका मधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिक्स व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री काशीनाथ श्राहि

(अन्तरक)

(2) श्री हरिमोहन ग्राउल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

अक्त संपति को कर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30-दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी जन्म स्थावित द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए आ सकोंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिसा गया हैं।

वनुसूची

1, ग्रमलैंड स्केयर, कलकता में अवस्थित संपत्ति 1 बीघा, 1 कंठा, 6 छटांक 15वर्गफीट जमीन का एक चौथा हिस्सा जो सब रजिस्ट्रार ग्रब एसोरेंसेस के पासडीड नं० 1-6252 के शनुसार 24-4-85 तारीख में रजिस्ट्री हुग्रा।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~ 1, कलकत्ता-16

दिनांकः 12-12-1985

मोहरः

प्रकार कार्युं ही पुरानुपुरा ::-----

बानकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-च (1) के अभीन सूचना

TING TENNE

कार्यालया, तहायक जावकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० टी० ग्रार०-103/85-86/सिरि० 1129, ग्राई० ए०सी०/एभ्यू० ग्रार-1/कलकत्ता-यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

नावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पी-22, है तथा जो सी० ग्राई० टी० रोड़, स्कीम-54, कलकत्ता-24 में स्थित हैं (ग्राँर इससे उपाबद प्रमुख्नी में घौर पूर्ण रूप विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 2 श्रुपेल 1985।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं जार सम्बे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उपित आजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिकत से अभिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच ऐसे अंतरण से लिए तय पाया गवा प्रति-फल निस्नितिक्त उप्रदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य बे कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण हो हुइ किसी बाय की बाबत उक्त बीधनिक्य को बधीन कर दोने को बन्तरक के दायिक्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा की किए; ब्रीट/वा
- (क) एती किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों को, किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों को, किसी अपन्य मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकार विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में ब्रियश वे निक्;

अधः जब, जब्द वीधीनवम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, दक्त व्यक्तिगम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्मलिखिया व्यक्तियों, वर्धात् ः— (1) श्री चमनलाल मेहरा तथा ग्रन्यों,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मेनू दत्त,

(भ्रन्सरिती)

को बहु सुचना आ<u>डी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्पन के विश्</u> कार्यनाहियां सुक करता हुं।

उन्त कमारित के अर्थन के तंबंध में कोई भी वासेंच ह---

- (क) इक्ष त्वना के उभपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अधाहस्ताआरी के पाछ सिचित में किए वा सकींगे।

स्वक्रीकरण: -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जीवीनसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या नवा हैं।

प्रनुसुची

77, भिडल रोड़, इंटाला, कलकत्ता में अब स्थित मकान का 9वां तल्ला में प्लाट नं० 28 है जिसका आयतन 2020 वर्गफिट जो रिजस्ट्रार अब एसोरेंसेस के दफ्तर में डीड नं० 1-5000 के अनुसार 2-4-1985 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्रोधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 1, कलकत्ता-16

दिनांक: 12-12-1985

मोहरः

प्रस्य बार्ड, टी. एन. एस. ----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० टी० ग्रार०-99/85-86/सिरि० 1130,

माई० ए० सी०/एक्यू० स्नार-1/कलकता--यतः मुझे शेख नईसुद्दीन

आयकर अधिनिंस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें उप्चाह जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ए. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी है तथा जो साहु जैन हल, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनौक श्रप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकाल के सिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, जिम्निलिखत उद्देश्य से उच्क अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अंतरण ते हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंति किया विवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अधीत ह—

(1) न्यू सेन्द्रल जूट मिल्स, कं िलिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) वाराणसी कामिशियल लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कीई भी बाक्षप :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विवा भया है।

जम्सूची

साहू जैन हल का 33/94 हिस्सा जो क्यार० ए०/एस० म्रार० ए० कलकता के पास डीड नं० 1-4934 के मनुसार म्रप्रैल 1985 तारीख सें रजिस्ट्री हुमा।

> शेख नईमुद्दीन मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) र्यान रेंज-1, कलेकता-15

दिनौंक:: 12-12-1985

मोहर

प्रकर : बार्ड : टी.: एन : एस : - - - -

अप्रायक्तर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत गुड़कार कार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (निर्देशक)

> ग्रर्जन रेंज−1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० सी० ए० 154/85-86/कं० 1131, म्राई० ए० सी०/एक्यू ० म्रार-1/कलकसा-मतः मुझे, गेख नईमुद्दीन, भायकर ऑफिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 4, है तथा जो लोबार रावश्वन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० श्रजीन रेंज-1 में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक 10 श्रप्रैल 1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के ज्यानान प्रतिकत के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके क्यामान प्रतिकत से, एसे क्यामान प्रतिकत का बन्तर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतिकती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया जवा प्रतिकत निम्मीकिश्वत उद्योग्य से उक्त जन्तरण जिल्ला की शास्त्रीक रूप से किया नहीं किया गवा है।

- (कः) अन्तरम् से हुए किसी बाय की बायतः, क्या गिपनिवृत्तं के नचीय कर योगे के स्वाहुक हैं वाजित्यं में कभी करने वा उससे बच्चे के सूचिया के सिए; और/मा
- ंकी एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करी, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया अया धन या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविभा से सिए;

स्तः अन उक्त निर्धाननम् की पारा 269-म के कप्सरक् माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, पिस्तिजित स्वितिकां, अभीत् है—

- (1) श्रीमती सीता देवी खैतान एवं पुष्पा देवी (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमतीपुष्पादेवी सिंहानिया एवं श्री स्रत्प कुमार सिंहानिया। (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

चनत सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ू---

- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविद्या में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीश हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्स व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पात विश्वित में किए वा सकेने।

स्वाचीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कींचिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा भया है।

वन्तुवी

4 लोबार रावडन स्ट्रीट, कलकत्ता में भ्रव स्थित ब्लाक 'सी' प्लाट न० 77 गैरेज स्टोर रूम जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) भ्रजेन रेंज—1 कलकता के पास रिरियल न० सी० ए० 154 के प्रवृतार 10-4-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षम) श्राप्रकेन रेंज∽1, कलकला∽16

दिनांक: 12-12-1985

मोहरः

प्रकृपः आहुरै. टी. एन. एस. ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश स० सी० ए० 160/85~86/कं०स० 1132, प्राई० ए० सी०/एक्यू० ग्रार-1/कलकत्ता—यतः मुझे शेख नईमुद्दीन

नायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निपनास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 9 सी है तथा जो लार्ड सिन्हा रोड़, कलकत्ता मैं स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० शर्जन रेंज~1 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक 4 श्रग्रैल 1985

को प्रशेवित सम्परित के उचित बाजार मृस्य से काम के इस्प्रमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि वधाप्योंकर संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके इस्प्रमान प्रतिकल से एसे इस्प्रमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकर से भिक्त है और एसे अंतरक (जन्तरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के जिए तब पाया बबा विश्वक, निम्नशिवित उद्देश से उस्त जन्तरण सिवित में बास्तविक रूप में कमित नहीं किया गया है है——

- (क्य) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्स कास्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इसारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

. करा: अक, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अत्यक्त में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः रूम्म 12 --406 GI/\$5

- (1) श्री शिव कुमार काजारिया तथा भ्रन्यों। (ग्रन्तरक)
- (2) तारारास इंडस्ट्रियल डेबेलपसेंट लिमिटेड । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में काई भी आकेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताकारी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

क्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया भवा है।

श्रनुसू**ची**

9 सी, लार्ड सिंहा रोड़, कलकत्ता में स्थित जमीन तथा मकान का दूसरा तल्ला में श्राफिस प्लाट का 1/5 हिस्सा जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी ए० 250 के श्रनुसार 4-4-1985 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> शेख नईसुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनाँक: 12-12-1985

प्रक्रम बार्च, टॉ. एन. य्स., ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० सी० ए० 179/85-86/ऋं० 1133, श्राई० ए० सी०/एक्यू० श्रार-1/क**ल**कत्ता-श्रतः मुझे, शेख नईमृदीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह"

श्रीर जिसकी सं० 9 है तथा जो प्रिटोरिया स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय धाई० ए० सी० श्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक 23 मई 1985

को प्रोंक्त सम्पर्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की पद् है कौर मुक्ते यह विद्याह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उपित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल है, एते दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिवां) के बीच एखें अन्तरण के बिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नीसिवात उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवास कर से किए तम

- (क) अन्तरण ते हुई किती आय की बाबता, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या नससे अचने में स्वीवधा वे सिए: बांडि/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, दा भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया वा सा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के बिक्ट:

बतः भव, उक्त विभिनियम की भारा 269-य के वनुदरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभास (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स जे॰ डी॰ इलैक्ट्रोनिक्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्सला सिंहानिया, श्री सुनील सिंहानाया एवं मास्टर सौरभ सिंहानिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध मा तस्त्रज्ञी स्थानितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी, जबिंध मोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यक्ष किसी जन्म स्थावत द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शक्ष लिखित में किए जा सकति।

स्वक्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उपक विधिनियम, के अध्यास 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिसा पसा है।

अनुसूची

9 प्रिटोरिया स्ट्रीट, कसकत्ता में स्थित मकान का 1 तत्त्वा में प्लाट नं • 4 एवं कार पार्किंग का जगह जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक मायकर म्रायुक्त निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, कसकत्ता के पास सिरियल नं • सी • ए • 179 के म्रतुसार 23-5-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शे**ब** नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी स**हा**मक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--1, कलकत्ता--16

विनौक: 12-12-1985

मोइर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I. कलकत्ता

नालकत्ता, दिनांना 12 दिसम्बर 1985 से

निर्देश सं० सी० ए० 5/85-86/कं० 134, प्राई० ए० सी०/एक्यू० भ्रार-1/कलकत्ता-प्रतः मुझे शेख नईमुद्दीन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4-जी है तथा जो तिलजला रोड़ कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसुनी श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी०ग्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिब्हियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री प्रापट्रीज एंड एंटरप्राइजेस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वं।रियान काडर, महेन्द्र पाल सिंह एवं विरेन्द्र सिंह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निल् कार्यवाहियां करता हंू।

उत्पत्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सापित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4-जी तिलजला रोड़, कलकत्ता में श्रव स्थित मकान का प्लाट नं 23 जिसका आयतन 20452 वर्गफिट जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, कलकत्ता केपास सिरियल नं स्व ए० 5 के अनुसार \$7-6-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

विनांक: 12-12-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आइ र.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांहः 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० सां० ए० 29/85-86/ऋ० 1135, आई० ए० सी०/एक्यू० आर-1/वःलवसा-अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 4-जी तथा जो तिलजला रोड़ कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रौर पूर्ण रूप से बिणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० भ्रजीन रेंज-1 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15 जलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री प्रापट्रीज एंड एंटरप्राइजेस

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती उषा देवी ग्रग्रवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीक रणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बंही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4-जी तिलजला रोड़, कलकत्ता में ग्रब स्थित मकान का ज्ञार नं० 43 2052-वर्गफिट श्रायतन का जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक स्वायकर श्रायकर निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता के पास सिरियल न० सी० ए० 2 के श्रनुसार 15-7-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

शेख नईमुद्दीन . सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

दिनांदा: 12-12-1985

मोह⁻र ∶

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज--1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० सीं० ए० 32/85-86/क्र० 1136, श्राई० ए० सीं०/एक्यू०थ्रार-1/कलकत्ता-श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9 है तथा जो प्रिटोरिया स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर (पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के वार्यालय, श्राई० ए० सी० ग्रर्जन रेंज-1, वालकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमेंन, दिनांक 15 जुलाई 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ख्र्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री गौतम भारा एवं श्री ग्रंगद भारा

(बन्तरक)

(2) श्री विष्णुदयाल गोयल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हिसंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

9, प्रिटोरिया स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रब स्थित मकान 'संदीप का 4 तल्ला में प्रलाट नं० 14 एवं कार पाकिंग स्पेस जो समम प्राधिकारी (सहायक आयकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्तां के पास सिरियल नं० सी० ए० 32 के श्रनुसार 15-7-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजें–1, कलकत्ता–16

दिसांक : 12-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरोक्षण)

> श्रजैन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

निद्यम सं० टी०म्रार०-98/85-86/सिरि० 1137--म्राई०ए० सी०/एक्य० म्रार-1/कलकत्ता-म्रतः मुझे, शेख नईमहीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की घारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने को कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 8 है तथा जो केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञान है), रिकस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 1 ग्रंप ल 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कंभ के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हाई किसी आंय की बाबत उन्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारत्तीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) शांति निकेतन एस्टेटस लिमिटेड साह जैन चेरिट सोसाईटी।

(ग्रन्सरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उच्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

8, कमांक स्ट्रीट, कलकत्ता में प्रव स्थित मकान गांति निकेतन का 6वां तल्ला में प्राफिस स्पेस नं० 23 जो ग्रार० ए०/ एस० ग्रार० ए०, कलकत्ता के पास डीड नं० 1-4933 के अनुसार 1-4-85 तारीख में रिजस्ट्री हुग्रा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर नामुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

दिनांक: 16-12-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रार्जनरेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 26 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० टी० ग्रार^ण 100/85-86/एस० एल०1138 श्राई॰ ए॰ सी॰/एक्यू श्रार०-1/कल०---यतः मुझे शेख मुईनहीन भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 0 8 है, तथा जो केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्वित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर जी पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में राजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मप्रैल, 1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार नुल्य, उसके व्यवसान प्रतिफल से, एसे व्यवसान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-ोक्सी (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिपाल निम्नलि**वि**त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लि**वि**त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, अर्थिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (रू) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कर अधिनियम**, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभाके लिए।

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1 शान्ति निकेतन, एस्टेटस लिमिटेड, साहजैन चोरिटेबल सोसायटी,

(भ्रन्तरक)

श्री राजकमल गुप्ता

(श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

8 केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में प्रवस्थित मकान शान्ति-निकेतन, का 7वां तल्ला में भ्राफ़िस स्पेसनं० 23, जो भार० ए०/एस० ग्रार० ए०, कलकत्ता के पास डीड नं० 8936 के **अनुसार अप्रैस, '85 में रिकस्ट्री हुआ।**।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) सहायक श्रर्जन रें ज-2, कलकत्ता-16

दिनांक: 26-12-1985

प्ररूपः नाद्दः, टौ्, एत्, पुस्,,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

मारम् बरकार

कार्याक्य, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,

कलकत्ता-16, दिनांक 26 दिसम्बर 1985

श्रीर जिसकी सं 8 है, तथा जो केमा क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1985

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास सहने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूख, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रम्यान प्रतिफल का बल्लाह प्रतिवात अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम श्रामा गया प्रतिफल, निम्निविचित स्पूर्वेस से अच्छ बंदरच निच्या में बास्टविक स्पूर्व के बिचन नहीं किया नवा है है—

- (क) बस्तरण से हुई किसी बाप की बाबस, अवस बाधित्वम के बधीन कर दोने के बस्तरक को बाबित्य में कमी करने वा उचने बचने में वृत्तिया के लिए? बाँड/वा
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 भान्ति निकेतन एस्टेट्स लिमिटेड, साहु जैन, चेरिटबल, सोसायटी,

(भ्रन्तरक)

2. श्री मि० पी० भौन, एवं अन्य।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत् सम्पृत्ति के वर्षन् के संश्वध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जनभि या तत्त्रक्रियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अनभि नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यन याँ प्रकारन की ताएरिय से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्मत्ति माँ हित-ब्युथ किसी खल्म व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के राच विचित माँ किए वा सकेंवे।

स्थव्यक्तिस्य :— इक्षमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वो का, को उपक अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

8 केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान शान्ति-निकेतन का 9वां तल्ला में आफिस स्पेसनं० 6 जो शार०ए०/ एस०आर०ए०, कलकत्ता के पास, डी डनं० आई-5862 पि०के अनुसार अप्रैल,85 में रजिस्ट्रर हुआ।

> शेख नईमूदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, कलकत्ता

दिनांक: 26-12-85

एकप आह⁴ टी. एन. एस. -----

आगवन अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की पारा 269 घ (1) के अभीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2.

कलाजाः-16, दिनाः 26 विसम्बर, 1985
तिदेश सं० टी०श्रार०-101/85-86/एस०एल०-1140/
श्राई ए०सी०/एक्यु०-1 कल०-श्राः नुझे णेख नईमृद्दीन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित पाजार मूल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

श्रीरिकाकी सं ० 8 है, तथा जो केमार स्ट्रीट, पलकता थे विशाः है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुभूत्री नें श्रीर जो पूर्ण कर से विणित है) । रिजस्ट्री धर्मी श्रीश्वारी के तार्यालय, तल प्रतान नें श्रीकर्षी एण अधिनियम, 1908 (1908 जो 16) के श्रीवीन वितास 2-4-1985

को पूर्वे स्व संपत्ति के उचित वाजार मूल्य के कम के द्रश्यमान प्रतिकलं के लिए अंतरित की गई है और मुम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल हम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल हम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल हम्मलिखत नहीं हिया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुख्या के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपदार। (1) के अधीन: निम्निक्सित व्यक्तियों, अर्थात् :---- णांतिनिकेतग एस्सटेटस लिमिटेड, यातुर्वेत केल्टियल, सोतायटी,

(अन्तरक)

गन्द्राम छलाङ्या ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्यी

8 केमार, स्ट्रीट, रलकत्ता में अवस्थितः महान जांदि-निकेनन" का 7वां तत्वा में अधिकण स्पेण नंव 20 जो आरव ए०/एम० अधरव ए० कलकत्ता के पास डीड नंव 1-4937 के अमुसार 2-4-85 तारंख में रजिस्ट्रीहुआ।

> शेख न**ईम्**होन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-2, ४लकक्ता

नांक 26-12-1985 मोहर: प्रक्ष आर्धः टी. एन. एस . -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेज-2. कलकत्ता-16

म'ल ्ता-16, दिनाँ रु 26 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० मी०ए०/ 81615-86/एम०एन० 114/ श्राई० ए० सि०/एक्यू रेंभ-1/इस्ल०—श्रतः मुझे, गखनईमुद्दीत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्चाम उन्त अधिनियम कहा गया हो), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह तिस्वास करने का कारण है कि स्थानर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- राज से अधिक ही

और कि एकी संव 35,2 है, तथाजा जवाहर तल नेह्र की कलकत्ता-72, में स्थित है (और इन्ते उपायद्ध श्रनुसूची में और पूण रूप से, वणित है) शाल्द्री तो श्रिश्वारी के नायित श्रिश्वारी के नायित श्रिश्वारी के नायित श्रिश्वार एवं सीव शर्मा रेड़-2, सलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ट- सियम 1508(1908 जा 16) के श्रिश्वीत, दिनां ज 4-4-1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वार करने का बारण है कि स्थानृश्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान श्रितक ल से एसे दश्यमान श्रितक से स्थान् श्रीक स्थान श्रीतक से से कन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाता ग्रम प्रतिकल, निम्नलिकित उच्चेश्य से उचित अन्तरण सिक्ति में अन्तरित से अन्तरण सिक्ति में अन्तरित से अन्तरित से से किया ग्राह है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ति) श्रीति शिक्षी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, विन्हुं मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अभीजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का किया जाना चाहिए था. स्थिमने में मुविधा कि निया.

अक्ष: अब, उक्ष: अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, भं, उक्षत अधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— • ্। भी भौनेदिनाथ चार्ची।

(**अ**न्तरक्र)

्2ः श्री भहेन्द्रकृमार बांका ।

(ऋन्तरितंत)

को यह सुभना पारी करके पुर्वेक्स सम्पत्ति के अर्थन के अप कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त तम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीज से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो। के भीतार पूर्वी जन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बच्च किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के एक जिल्लित में किए का सकेंगे ।

क्ष्मकीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदा का, पा जक्त विधिनियम के अध्याम 20-क मा परिभाषित् ही, यही वर्ध हतेगा, जा का अध्यास मी जिल गया ही।

मन्स्थी

35/2. जवाहरलाल नेहरू रोड. एका ता:-72 में श्रवस्थित मुकान 'कैलाश विविधा' हा प्लाट तं० 3/ई जो अक्षम प्राधिकारी, रहायत श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण), श्रर्जन रेज-कलकत्ता हे पात्र सीरियल वं० नी०ए० 262, के श्रनुतार 44-1985 वारीख में रिजिस्ट्री हुआ।

> योख नइनुद्धाः स**क्षम**्प्राधि ारी पहाक ग्राथ ऽर **ग्रायुक्त** (दिरीक्षण) ग्रजन रोज ३, क्लकत्ताः

दिनांक : 26-12-85

प्ररूप आहु ही एन एस . -----

आयकार अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरक्षिण)

श्रजंग रोंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 दिसम्बर, 1985

निदेश मं० जी० प्रार्ड० ग्रार० मं० ए- 84/एक्यू०- - यतः मुझे श्रीमती यू० गान्जील।ल

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रहा से अधिक है

स्रोत् भिक्षकी संव महान है तथा जो मोहरूला बरबालान सुरावाबाद, में स्थित है (स्रोत इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर जो पूर्ण है: के वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के लार्यालय गुरादाबाद , में वर्णिस्ट्री रण अधिकितम, 1908 (1908 वा 16) के स्रवीन दिनों है स्रप्रैल, 1985

कां पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उपको दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अव उपनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उपनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

श्री हाक्सिमराय कुरुरेजा

(फ्रन्तरक)

2. श्रीमती ग्राबिदा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राज्यश्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक किता महान पैमाईशी, 149.20 वर्ग भीटर स्थित मोहल्ला, बरवालान, मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है) ।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल संक्षेत्र प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ,

दिलांक: 11-12-1985

मोहर 🥲

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 10 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० जी० श्राई० श्रारण तं० एक्यू-1,85,ए य०---श्रतः भुझे श्रीमती यू० जान्जीकाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करने का कारण हैं कि स्थाप्वित सम्पत्ति का उच्चित बाजार 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 420/2 है, तथा जो चोर्नाटया. लखनक में स्थत है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता ग्रीध को कार्यालय लखनक में रिजस्ट्री करण ग्रीध नियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रीधीन ग्रीन, 1985

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य सं काम के दश्यमान प्रसिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्यंति, जिसका उचित बाजार सम्य मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्दह प्रतिशत से अभिक है जीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पांग गया प्रतिक का मिम्निलिश्यित उद्देश्य में उक्स बंतरण लिखिन को बास्सिक मूप में किया नहीं किया गया है है—

- (क) धन्तरभ सं हुई किसी आय की वायह, उपत विभिनियम के अभीन कर होने के अन्तरक के दायित्य में करने या उससे ब्वने मी, किस्स के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियां स्त्रो जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अतः, अन्तः अधिनियम की धारः १६९-म कौ अनुसरण अ, मी अन्तः अधिनियम की धारा १६९-६ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखितं व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री সাদস্থিন
 - (2) श्री जयक्शिन
 - (3) श्री श्रीविशत
 - (4) श्री राम चन्द्र

- **(স্বন**্ধ্য)

 अनुषम सहकारी आवास समिति लि०, लखनऊ ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करकं पूर्वक्ति सम्पत्ति अं अर्जन के जिल्ल कार्यजी हुयां शुरू करता हो।

जबक सम्मरित को अर्जन को सम्बन्ध में काछ भी आक्षप:--

- (क) इस्त यूपना के राष्प्र में प्रकादन की ताड़ी है है 45 विमृकी वर्गीय या तत्त्वस्थानी स्पृतित्त्रों कर सुपना की तामील से 30 दिन की अविभि, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्यार ।
- (स) इ.स. स्थन। के राजपत्र सं क्राज्यन को तारीं स स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबपुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरण.---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंचिमयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

म । सर्थी

ग्राशाजी , नं ० 420/2, पैमाईशी -3 श्रीध1, +10 विस्वा स्थित, चीपटिया, लखनऊ (जैसा फ़ार्म -37-जी में विणित है) ।

श्रीमती पूर शन्जीवाल अक्षम प्र.धि गरी बहायक ग्रायश्वर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, लखनऊ

दिनोंक: 10-12-1985

HAM GIRT. ATT. UN. CET.

नामकर निभिन्सम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के स्थीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, शहायक नायकार आयुक्त (निरीक्षण) सहायक भ्रायकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंग रेंज, लखनऊ

सखनऊ, दिनां २ 11 दिश्यम्बर, 1985 निदंश सं० जी० श्राई० ग्रार० सं० ए-186/एक्यू०---श्रतः मुझे श्रीमती मू० वान्जीलाल

इसके पश्धात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यू 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रांग जिल्ली संव प्लाट नंव 150/5 है, तथा जो पंदेल्यंज, लखनऊ, में स्थित है (ग्रीप इहते उपायह अनुसूची में श्रीप जो पूर्ण रूप से विणित है) प्रजिस्ट्रीयती श्रीवरारी है । प्रांतिक लखनऊ में, रिजस्ट्रीयरण श्रीविन्थम, 1968 (1965:116) के श्रीवीन दिनांक श्राप्रैल, 1985

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि युआयूर्नोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह् प्रतिशत सं अधिक है और यतरक (अतरका) और अर्जारती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाग एवा प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उच्त यन्तरण सिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ज्ञारण ते हुई किसी बाय की शबत, उकत बिश्तियम के अपीन कोड़ दोने के अन्तरक की वाकित्य में कभी कड़ने वा उससे बचने भी भीथप। के निए: बांग्रिया
- (क) एसे किसी अन्य था किसा का बाजान्य का स्तका को, जिन्हों भारतीय शायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, ग922 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती व्यार प्रकट नहीं किया नया वा बा किया जाना नाहिए था, छिपाने यो स्विधा वै सिए।

शतः अव, उक्त अभिनियम का भारा 269-ग है अन्यरण बे, मैं, उक्त अभिनियम अ.(११६ - ३०००) ११६८ १) वे अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अभीत २—-

- ा. (1) श्री मुफ्ताः अली
 - (2) श्री अकी दुसँचा
 - (3) श्रीमती हसीना खातून
 - (4) श्री आहित हुईंड ।
 - (ऽ) श्री आां⊲रहुसैन्।
 - (6) श्री राशिद हुसैन।

(ग्रन्तरक)

 श्रनूषम सहकारी श्रावास समिति लि० लखनऊ द्वारा सचित्र श्री मो० जगा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचन जारी करके गुशाँवत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन की संबंध में कोंडी भी बाक्षी ।

- (क) इस स्वतः को राजगत मों ठकाशन की तारीस से 45 विग की अपिक गा तत्संतंत्री ब्यक्तियों पर स्वन की तामीज से 30 दिन की सविभ, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में है कि सो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उन्नत स्थानर सम्पत्ति में हित-न्यभ किसी व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अभिन्यथ, ही अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं सभे होता जो उस अध्याय में दियह सथा है।

अमुस् ची।

प्लाट गं । 150/5, पंपाईसी । 14000 वर्ग फ़ीट, स्थित मदेह गंज, लखनऊ (ज़ैंसा फ़ार्म 37-जी में बणित हैं)।

> श्रोमती पूर ान्जीलाल क्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्य ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लखनऊ

ੀਕ ਹੋਂਦੇ ਹੈ 11-12-19**3**5। ਅੰਵਰ

शहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० जी०ग्राई० ग्रार० सं० ए-187,एक्यु०---ग्रतः मझे. श्रीमतीय्० कान्जीलाल

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं म जान नं सी,सी,10/116/328/40-बी/है, तथा जो पुरानी राष्ट्रजी मन्डी, चौक, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसुची में और पूर्ण रूप से विधान है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय लखनऊ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरणं से हुई किसी आयं की बाबत उन्कतं अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारस्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपयारार (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--

ा भी रोधन लाल

(भ्रन्तरक)

2. श्री अमर सिंह

(भ्रन्तः रिती)

को यह सूचना जारी करके पर्दोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही

अनुसूची

मकान नं असी/सी/10/116/328/40-बी, पैमाईशी 6000 वर्ग फीट, स्थित, पुरानी सब्जी मन्डी, चीक; लखनऊ, (जैसा फार्म 37-जी में विणित है)।

श्रीमती यूर ान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रोज, लखनऊ

िदिनांक्य 11-12-85 भाहार ्र The control of the co

प्रकल्प कराहरें हीं. एक दाएं -

भावकर व्यक्तिसम् , 1961 (1961 का 43) की अस्त 269-व (३) अं असीत अकता

भारत सरस्यर

कार्यासम. सहायक भावकर वागुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेजि. लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 12 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० जी० म्राई० प्रार० स० ए- 188/एक्यू०---म्रतः मुझे, श्रीमसी यु० कान्जीलाल

श्राश्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्यात 'उनत विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 क है अधीन सक्तम प्राधिकारों की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर हम्पति जिस्साय उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिनकी सं० भूमि न सजार तं० ! 3/216-ए- 1 है, तथा जो मोहत्ता नराय सुरजन वाराणकों में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचा में ग्रौर जो पूर्ण रूप से योगत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रिधिकारी के नार्यालय, वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन दिनौँक श्रप्रैल, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कब के दश्यमान जीतकल में जिए अल्डरित की गई है और मूम्से यह निर्वास करने का कारण है कि मभापूर्विक्त सम्मित का उचित बांचार मून्य, सत्तके रक्यकान प्रतिकत से एके स्वयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रविक्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तण गणः गण प्रतिकत, निर्मासित उद्देश से उक्त सम्बर्ण जिल्हित

- (क) बर/रण में हुई किन्नी जान की कार स, उक्त आ शिनमुख के अभीन कर दोने के अन्तरक के ऋषित्व भी शारी भारत में असम एक्सों भी कृषिशा के किए करिया
- (क) होती किसी अपन या किसी धन वा लेक वासिसां। को किन्हों भागति । जाएकार अधिवार, 1922 (1923 को १६ जा लेका । जिन्निया, का अवस्था अधिनिकता (१९५७) 1957 को 27) की अवोध नामी अपनिकता स्वारी किया मधा का जा भिन्ना जाना अधिक्या प्रशास की भूषिया की किहा;

अतः अब, उक्त ाधितियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री बे≒स.

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री अजमल कैंफी
 - (2) श्रीमती नईमा खातून
 - (3) श्रामो० ग्रयलगा ।

(भ्रन्तरिती)

विकेता
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रदिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारको पूर्विक्ट संपरित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ara di

पैमाईसी 9737 वर्ग फिट, प्रेमिसेजनं र 13/216-ए-1 मकान नं का स्थित मोहल्ला नराय सुरजन, वाराणसो, (जैसा फार्म 37-जी में विणित है) ।

> श्रीमती पू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्गन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 12-12-1985

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन स्वनः

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 11 दिसम्बर, 1985 निदेश स० जी० ग्राई० ग्रार० स० ए-189/एक्यू०--ग्रतः मुझे श्रीमती यू० कान्जीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूरू 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० कोठी मय भूमि है, तथा जो 7, तिलक मार्ग वटलर रोड, (पुराना) डाली बॉग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप ते विजित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय लखनऊ में, रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक अप्रैल, 85 को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकल्त में बास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण में हुई किसी आब की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचमें में सुविधा के लिए; बाँद/या
- (ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनका अधिनियम, या धन-कर बांचित्रका, 1957 (1957 का 27) के धर्म जनार्थ अंकिंग्से किसा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त लिभिनियम की धारा 269 ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. (1) डा० पुरकराज
 - (2) श्रीमती आशा त्रग्रवात

(ग्रन्तरिती)

- 1. (1) श्री ग्रखिलेश कालरा
 - (2) श्री अनिल कालरा
 - (3) श्री नील चोपड़ा।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियां में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकन।

स्यष्टिशिकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

कोठी मथ भूमि नं० 7, तिलक मार्ग बटलररोड (पुराना) डालीबाग, लखनऊ, पैवाईती, 28,000/- वर्ग फिट (जैसाफार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाँक - 11-12-1985 मोहर: अरूप भार्ष, टी. एन. एस., -----

भारत अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्री भारा 269-भ (1) के अभीन समना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० स० बी- 136/एक्यू०---यत मुझे श्रीमती यू० कान्जीलाल

नायकर शांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट न० 12ए, 12 बी श्रीर 12 सी है, तथा जो बटलर गंज, लोकमान्य तिलक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरजो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक श्रप्रैल, 1985

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह किश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अत्रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बतिकाल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिक्ति में अस्तिकल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिक्ति में आस्तिकल स्था से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बनारण से हुई किसी आय की बाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के बनारक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा है जिए; बौट/बा
- (स) एसी किसी आध या किसी थन या बन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

शतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक वो, मी, उपल अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रिशीन निम्निजित व्यक्तियों, बर्धात् है— 14—406 GI/85 1. श्री हनुमान प्रसाद चांधरो

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बिलकीस जहां

(श्रन्तिरती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थाक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्धों और एदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

समसी

प्लाट नं । 12ए, 12 बी, ग्रीर 12 सी पैमाईसी 4073 (वर्गफिट, स्थित घटलर गंज, लोकमान्य तिलक मार्ग, लखनऊ (जैसा फार्म 37 जी में वर्णित है)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनौंक : 10-12-1985

प्ररूप **बाइ**ं.टी.एन<u>.</u>एस_{...}-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 11 विश्वम्बर 1985

निदेश सं० जी०आई० म्रार० सी- 49/एक्यू०---म्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त बाँधनियम' कहा गया है, की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि मय ढांचा है, तथा जो रिवन्दरपुरी, बाराणसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची) में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रोजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीत दिनाँक ग्रिप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिण के लिए अंतरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्शोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) कोर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्निलियित उद्भवेष्य से उद्धा अन्तरण निस्ति के बास्तिक के बास्तिक क्या गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या सन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय अ। धन्नर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, क्रिणाने में सुविधा के सिए;

चतः सव, उक्त विधितियम की धारा 269-म के बनुसरण में, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिवित, व्यक्तित्यों, सर्थात् हु—

- 1. (1) श्री चिन्मई स्वामी मलैयावाला परीक्षेजक
 - (2) डा० शिव स्वरूप दुवे,
 - (3) श्री गोपाल दास द्वारा, श्री चिन्मई
 - (4) श्रो नानिकराम जिलानानो ¦स्वामी मलैयावाला
 - (5) श्रीमती लक्षमीदेवी रस्तोगी परौद्रजक
 - (6) न्नो सुरेण चन्द्र मिश्रा
 - (7) श्री पी० एस० वर्मा,
 - (8) श्री एच० पो० वर्मा
 - (9) श्रानन्द किशोर बाजपेयी।

(श्रन्तरक)

- 2. (1) श्री चन्द्र प्रकाश केजरीवाल
 - (2) श्रीमतीं पदमा देवीं।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सल्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यनाहियां कृष्ट करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जान के सम्बन्ध में ऋषि भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास विविद्यत में किए जा सकींगे।

स्पब्सीकरण हि—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची।

भेलूपुर श्रावास एवं विकास योजना जोन, 3 का बी-ब्लाक, में प्लाट, तमें 108 का भूमि पैमाईशी 6983395 वर्ग फिट मथढांचे पैमाईशी 2200 वर्ग फिट मकान न व वी 2/123- ए- 2, रविन्द्रपुरी, वाराणसी ।

यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनौंक 11-12-1985 मोहर:

प्ररूप काइं.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनउ

लखनज, दिनाँक 11 सिदम्बर, 1985

निदेश स० जी० श्राई० ग्रार० संख्या एफ-12/एक्यु--श्रतः मुझे श्रीमती यू० कान्जी लाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यत बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिन्नकी सं० महान है तथा जो ग्रानम नगर बरेली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप है वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय वरेली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन तारीख ग्रप्रल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया जीत्रफल, निम्नोलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरक से हुइ किसी आय ो वाबत, उक्त अधि-वियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ध) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों की जिन्ही भारतीय जायकर जिम्ही मारतीय जायकर जिम्ही साम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कर्तः शक, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीय / निभ्निजिसिक व्यक्तियों, अधीर :---

- (1) 1. श्रीमती कम्ला देवी, 2. मधुरानी
 - 3. विजय कुमार, 4. विनोद कुमार,
 - 5. विनय कुमार, 6. श्रजय कुमार,
 - 7. श्री महेश चन्द ।

है)।

(अन्तरक)

- (2) 1. कु० फिरोजी,
 - श्रोमती श्माम बानो, 3 श्री हसीज बाबू।
 (श्रन्तरिती)

(3) विकेता । (वह व्यक्ति जितके श्रधिभोग से सम्पति

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्यी

मकान स्थित आजम नगर, शरेली, (जैसा कि फार्म 37-जी में वर्णित है) ।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिगारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, लखनउ

दिनाँक : 11 12-1985

प्रक्ष काह्युं दी. एवः एस..-------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-म (1) के सभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यांतय, सङ्घायक आयकर आध्यक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनउ

लखनऊ, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं जी विश्वाई विश्वार विस्वाजी - 91/एक्यु -- प्रतः मुद्दो श्रीमती पूर्व कान्जील ल

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जसकी सं० खसरा नं० 29/1 ग्रौर 30 है तथा जो खालायक बाग, गोला गंज, लखनउ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वाणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजर्स्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख ग्रिप्रेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एोसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा स्ट्रीक्टर;
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधनियम, या धन-कर ब्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के लिए; और/या

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनूसरण ों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निकालिकित व्यक्तियों, वर्धात् ह— (1) श्री बाबू लाल।

(भ्रन्तरक)

(2) गोपाल निकेतन कोश्रपरेटिय हाउसिंग सो० लि० लखनऊ ।

(ग्रन्तरिती)

(3) विकेता ।

(वह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग सें सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से .45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों ओर पदों का जो अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में निरमाधित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

मनुसूची

भूमि खसरा नं० 29/1, ग्राँर 30 पैमाईसी 93000 वर्गफीट स्थित खालायक बाग गोला गंज, लखनऊ (जैसा कि फार्म 37–जी में वर्णित है) ।

श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनाँक : 10-12-1985

प्रकृत सार्व , दी, इद , इद , ----

बाथकर विधिनियम, 1969 ी १०६१ का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनौंक 10 दिसम्बर 1985

सं ० जी ० श्राई० श्रार० सं ० जी - 92/एववी -- यतः मुझे, यू ० कान्जीलाल, श्रीमती

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं खसरा नं 29/1 श्रीर 30 है तथा जो खलायक बाग, गोला गज, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची से श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रीरेल, 1985

का प्वांकत संपत्ति के उपित बाजार मुस्म से कम के क्यमान अतिफल के लिए अंतरित की महं है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अ एण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोंक है उसत अन्तरम

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उस्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मार्ट/या
- (क) ऐसी किसी बाम या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 2269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थर [—— (1) श्री बाबू लाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) गोपाल निकेतन को० - प्रापरेटिंग हाउसिंग सोसाइटी लि०, लखनङ ।

(भ्रन्तरिती)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करडे पूर्नोकत अध्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव पंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा का पाक्षरी के प्रवि तिवित में किए का सकती।

. स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दें और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्य 20-क में परिभाषित हैं, बहुई अर्ज ्येजा, यो उस अध्याद म दिया गमा हैं।

श्रन्स् ची

भूमि खसरा नं० 29/1 श्रीर 30 पैमाईसी 45000 वर्गफीट स्थित खलायक बाग, गोला गंज, लखनऊ (जैसा क्रि फार्म 37-जी में वर्णित है) ।

> श्रीमती यू०कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाँक : 10-12-1985

मोहर

प्रक्ष बार' टी एन एवं -----

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयदार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ. दिनाँक 10 दिसम्बर 1985

जी० स्राई० स्रार० सं० जी-93/एक्यु--यतः मुझे श्रीमती यु० कान्जी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो खलायक बाग गोला गंज लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपावद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वेणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रैल 1985

की पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उन्तं कार्यानयम का धारा 269-ग के. अनुसरक भी, भी, उन्त आधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :-- (1) श्री वाबू लाल:

(अन्तरक)

(2) गोपाल निकेतन कोम्रापरेटिव हाउँ तिग सोसाइटी लि० लखनऊ ।

(अन्तरितो)

(3) केता :

(वह व्यक्ति जिसके स्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेत्र :--

- (क) इस सूचन । को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाईशी 1 बीघा 2 बिस्वा, 2 विस्वान्सी स्रौर 2 कन्ववान्सी खसरा नं० 31, स्थित खलायक बाग, गोला गज, लखनऊ (जैसा कि फार्म नं० 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जबाह

दिनाँक: 10-12-1985

प्ररूप बाहें. टी. एन. एस. -----

संस्थार क्रीमिनिक (१७६1 (८००, का ८३) की भारा 269-ए (1) के संधीत स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, तखनऊ

लखनङ, दिनाँक 10 दिसम्बर 1985

निदेश स० जी० श्राई० ग्रार० संख्या एव-59/एक्यु--ग्रतः मुझे, श्रीमती यु० कार्जी लाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके परचात (उनत अधि तम) शहा गण की की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्रतिकारी हो यह विश्वास करते का भारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उक्ति ज्ञाता मुक्त 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं प्लाट नं 5 है तथा जो चिनहट कमला नेहरू नगर योजना लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विज्ञत है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रविकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख श्रवेंन, 1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त उपपत्ति का उचित हाजार मृत्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निश्चित उद्वेश्य से उच्न अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में काथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, जयत अधिनियम की धारा 269-घ की, अनुसरण का, की, उन्हें अधिनियण की तारा 269-घ की उपधार की के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियाँ, अधीतः (1) नजदूर किसान सहकारी गृह निर्माण समिति लि० नाजीपुर, लखनऊ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरीन्त्र किसोर सिंह।

(अन्तरिती)

(3) विकेता ।

(वह व्यक्ति जिन्नके अधिभोग में सम्पति है)

की कह मुचन। कारी करके एकोंकर अध्यक्ति के मर्जन के लिए कार्यनाहियां करका की

तस्त सम्पति के एपेंग के सम्बन्ध में कोर भी कार्यप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाण होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में ने किसी त्यदित हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होता, जो उस अभाष में दिशा

ग्रनसची

प्लाट नं 5, पैमाइसी 108842 वर्णकीट स्थित मोजा चिनहट कमला नेहरुयोजना लखनङ, (जैमाकि फार्म नं 37-जी में विणत है)

> श्रीमतो यू० कान्जी लाल तक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, लखनक

दिलॉक : 10-12-1985 सोहर :

प्रथम नाव^र. **ती. एव. एव**्-----

सायकर विधिनिश्च 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अश्रीन सूचना

भारत रास्कार

कार्यानय, सहायक जायकर काय्क (निर्दाक्षक)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊं, दिनाँक 10 दिसम्बर, 1985

.निदेश सं०, जी० श्राई० श्रार० सं० एच−61/एक्वी---श्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्यि री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्राराजी है तथा जो ग्राम भदौरा, जिला मुरादाबाद से स्थित है (ग्रीर इश्वसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख श्रिप्रैल, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्धोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती ((अंतरितियों)) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी मार की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; क्रीडिं/सा
- (ण) एसी किसी आप या किसी पर या जन्म जास्तिनों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-जार अधिनियम, १९६७ (१९५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती सुमिक्षा देवी।

(श्रन्तरक)

(2) 1. हाजी श्रब्दुल रशीद, 2. श्री रियासत हुसैन, 3. श्रीमती शवनम श्रवतर, श्री मो० फारख।

(अन्तरिती)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बत्रध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासे गिष्ठित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

ग्रनुसूची

श्रारजी पैमाईसी 814.72 वर्ग मीटर स्थित ग्राम भदौरा, जिला मुरादाबाद (जैसा कि फार्म नं० 37~जी में वर्णित है) ।

> श्रोमती यु० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 10-12-1985

प्रकल नार्वाः बीट पुष्ठ पुष्ठ क्रान्यकारणा

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

भावसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निद्वीधाण)

ध्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनौंक 12 सिदम्बर 1985

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या/एच-61/एक्यु--मतः मुझे,श्रीमती यु० कान्जी लाल

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें इसमें प्रकात (अक्त निधिनियम) कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, विसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं । मकान है तथा जो लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रीध-मियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रेल,

को पूर्वाक्त सम्परित के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि मभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बनार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बनार मिला प्रतिफल से वितरकों) और बंदरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाण गवा प्रतिफल निम्नतिवित उज्योच्य से उक्त बंतरण निम्नतिवित उज्योच्य से उक्त बंतरण निम्नतिवित में बास्त्रीवक क्य से क्षित नहीं किया गया है हिल्य

- (क) अंतरण से हुई किसी बाव की वावत, जनत निर्मान के अभीन कार देने के अंतरक के शामित्व में कमी कहते वा उसते वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एंबी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहए था, छिणान धा मृश्यिश वै सिष्ट:

कत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधिन जिल्लीकृत क्यक्तियाँ, अधिन जिल्लीकृतियाँ, अध

(1) हा० राम स्वरुप भारद्वाज

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री हरीश कुमार केसवानी
 - 2. धुनीता केसवानी, 3. श्री सतीश केसवानी,
 - 4. कमल केसबानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया बुरू करता हूं।

क्ष्मच सम्मित्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासेप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (४) इत स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में दितबद्ध फिसी बन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेगें।

स्वकास्त्रसम् प्रमुक्त सन्धाँ करि पयाँ का, को उन्ध अभिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा भी उस अध्याय में. दिया नवा हैं।

क्रम पर्ने

मकान टोटल एरिया 1650 वर्गफीट स्थित लखनआ जी० एफ० कनर्ड एरिया 1600 वर्गफीट एफ० एफ० कनर्ड एरिया 1600 वर्गफीट (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यु० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रतीन रेंज, लखनऊ

दिनाँक : 12-12-1985

प्रकम बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर विशितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) की अभीन सुचना

नारव वरकार

कार्याचय, तहायक बायकर बायकत (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश स० जी० प्राई० घार० सख्या के -- 162/एक्यु -- प्रतः मुझे, श्रीमती य० कान्जी लाल

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को गह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं भूमि है तथा जो खारगपुर फरीदी नगर, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ल्खनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ति मान पत्ति कर का पन्ति प्रतिकार का पन्ति प्रतिकार की प्रतिकार की विष् के नित्ति के

- (क) बन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबबा, स्थय अधिनियम के द्यीन केंद्र दर्ज की बन्दास्क के वाजित्य में कभी करने या उससे श्याने में स्विका के जिए; ब्यूट/बा
- (ण) ऐसी किसी अध या किसी भव वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता अधिनियम, आ चन-कर अधिनियम, आ चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, ज्याने में सुविधा जो सिहा;

कतः सम, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत :--- (1) 1. श्रीटेका, 2. श्रीबदल्।

(भन्तरक)

(2) कृष्णा सहरकारी श्रावास समिति लि० लखनऊ, द्वारा स्विव श्री एस० पी० तिवारी ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु कुलना बारी करके पूर्वोक्त इंग्लिस के वर्षन के विक कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपरित के वर्षन के तंबंध में कोई भी बास्सेंप ह—

- (क) इस स्पना के राजपन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या स्त्यंत्रंथी व्यक्तियों पर ब्राचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी जन्म व्यक्ति यूवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवात में किए वा सकते।

स्वभ्दीकरणः — इत्रसं प्रयुक्तः वाक्यां और वर्षां का, वो उपवा वाभिनियसं के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

वन्त्या

भूमि पैमाईसी 1 बीधा 19 बिस्वा स्रौर 19 बिस्वान्सी स्थित खरगपुर फरीबी नगर, जिला लखनऊ (जैसां फार्म नं० 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यु० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

विनौक : 10-12-1985

ब्रॉहर 🕜

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० जी० भाई० म्रार० सं० के-163/एक्यु०--म्रतः मुझे, श्रीमती यु० कान्जी लाल

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० खसरा न० 40 है तथा जो मौजा खारगपुर फरीदीनगर लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन तारीख ग्रील 1985

को पूर्वोक्त सम्बन्धि के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिकत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया इतिकस, निम्नीलीकत उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिकस रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) व्यंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविभा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अंतरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

(1) 1 श्री माशूक प्रली, 2 श्रवारिस धली,3 श्री प्रब्दल, 4 श्री रमजान ।

(ग्रन्तरक)

(2) कृष्णा सहकारी भावास समिति लि॰ लखनऊ. द्वारा सचिव, श्री एस॰ पी॰ तिवारी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिक् कार्यवाहियां अल्लाह्यां हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बास्रोप :----

- (क) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विषय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितदक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सब्यों और पदों का, जो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि खसरा न० 40 पैमाईसी 68050 वर्गफीट स्थित मौजा खारगपुर फरोदी नगर लखनऊ (जैसा पार्म न०37–जी में वर्णित है)

> श्रीमती यु॰ कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, सखनऊ

ब्रहः ब्रबं, ब्रबंत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, जनत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निकालिबित व्यक्तियों, जुधीन :---

दिनाँक :10-12-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज लखनऊ

लखनङ, धिनाँक 10 दिसम्बर, 1935

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (किंते इवकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अभीन सक्षम शिभकारी को, वह विस्थात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विनका जीवत बाबार मृख्य 1.00, 000/- के. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ईस्माईल गंज लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रग्रैल, 1985

को पूर्विकत संपरित के जीवत बाजार भूक्य से कन के जानाय बिटकान के निए बन्तरित की पहुँ हैं और मुखे वह विकास करने का कारण हैं कि बजापूर्वोक्त तम्मरित का उचित बाजार बूक्य, अतके ज्यमान प्रतिकत्त ते, एसे ज्यमान प्रतिकत का पेस्ट प्रतिकत से जीवक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और वंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाना प्रता प्रतिक कम विभ्नतिस्ति उनुस्कत से उक्त बन्तरम् जिस्ति से बाक्यिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- हैंक) मनारण से हुई किसी बाव की वावधः, अवस वीर्याययम् के अभीत कर दोने के संसरक में शासित्व में कमी करने ना सबसे वचने में कृषिधा के सिक्; बीट√वा
- (क) एंसी किसी बाव वा किसी वन वा बन्च वास्तिनी को, विन्हें भारतीय बावकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनठ अधिनियम, या भगकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्ज अन्तरिती बुधाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने की बुदिशा की विद्या;

(1) श्रीलब्मीनारायण गुक्सा।

म्रन्तरक)

(2) कृष्णा सहकारी समिति भ्रावास लि॰ लखनऊ, द्वारा सचिव श्री एस॰ पी॰ तिवारी।

(भ्रन्तरिती

(3) विकेता ।

(वह अवस्ति जिसके प्रधिभोग मेंसम्पति है)।

को वह सूचना जारी कार्य पूर्वोक्त सम्मन्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहिमां करता हुँ।

बन्त बन्दीत के नर्पन के सम्बन्ध के सोई' भी नाकेत्र:---

- (क) इस स्वान के स्वापन में प्रकाशन की तार्थि से 45 दिन की नविध या तत्त्रवन्धी म्यन्तियों पर स्वापन की तायीस से 30 दिन की मनिथ, को नी मनिथ बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत स्वाप्त;
- (थ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावत कम्पत्ति में हित-बहुष किसी कन स्थावत ब्वास वधाहरताक्षरी के बाद सिवित में किस वा इकीचे।

स्यक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त सर्गे और पर्यों का थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

भूमि पैमाईसी 1 बीघा 7 बिस्वा स्थित मौजा ईस्माईल गंज जिला लखनऊ (जैसा फार्म न० 37-जी में बर्णित है)।

> श्रोम्ती यु० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लखन क

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अधीत्:——

दिनाँक : 10-12-1985

प्रकप नाइं.टी.एन.एस.------

नावकर गरिंगियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन तुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिमांक 10 दिसम्बर, 1985

सं जी० आई० आर० संख्या के-165/एक्वी---यतः मुझे, श्रीमती, यु० कान्जीलाल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारी की यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो खरगपुर फरीवी नगर, लखनऊ में स्थित है (कभौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख अप्रेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार भूक्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उपित आजार भूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरभ रैसीचत में नास्तिक स्प से कथित नहीं किया नवा है अ---

- (क) अन्तरण संहुई किसी जायकी बाबस्त, उक्त वीधिनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दानित्व में कनी करने वा उत्तर्व क्याने में सुविधा के जिल्हा बॉड/बा
- (क) एकी किसी जाय या किसी अने बन्य आस्तियी की शिवकी प्रारतीय आयकेड विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या अन-काद विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महाँ किया क्या या वा शिका वाना जाहिए था कियाने में सुविधा की किए;

कतः नग, उन्त नीभनियम की धारा 269-ग के सन्सरण में, में, उन्त जॉमनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निस्मालियित न्युनितमों, जम्मि हि— (1) श्रीकाजिम अली।

(अन्तरक)

(2) कृष्णा सहकारी आवास समिति लि० लखनऊ, द्वारा श्री एस०पी० तिवारी।

(अन्तरक)

(3) विक्रोता।

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपति है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (च) इस स्वना के राजपन में प्रकासन की तारीत वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, को उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा, जो उस्त अध्याय में दिया नवा है।

वनुसुची

भूमि पैमाईशी 5 बीघा 7 बिस्बा श्रीर 9 बिस्वान्सी स्थित बरगपुर फरीदी मगर जिला लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में बर्णित है)।

> श्रीमतीयू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिमांक : 10-12-1985

प्रकल आहें .टी .एन .एस 🖓 ५००००००<u>०</u>००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

HIGH SECTION

व्यवस्थित , बहायक शामकर बागुक्त (निहरिक्य) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या के-166/एक्यु--अत: मुझे, श्रीमती यु० कान्जी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० खसरा नं० 11 है तथा जो खारगपुर फरीवी नगर, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्विका सम्पत्ति के उचित बाजा मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए जन्तिरत की गई है जरि हुओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उथके र त्यान प्रतिकत से, एसे कथमान प्रतिकल का बन्ध प्रतिक्षति है विभक्ष है जीर श्वास (बंतरकाँ) जीर बंतरिती (बंतरिक्किनें) के बीच एसे बंतर र के सिए तय पामा गया प्रतिक कन निम्नलिकित उद्वेष्य से उकन बन्तरण लिखित में बास्तिक कम से किथन नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धहरू वे हुइ किसी बाब की बावन , उसत अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी जान या निक्षी थन या जन्स जास्तिकों की हैजाई आरतीय जानकर विभिनित्रमा, 1922 (1922 का 11) वा उट्टा विभिनित्रमा, या भन- कर ट्रिशिनवर्मा, 1957 (1957 का 27) के प्रवोध शर्म जन्मिरित्री क्ष्मा प्रकट हों किया नया था क√ किया जाना चाहिए था, रिशाने में ज्विधा की लिए।

बर्ध: बन सकत विधिनियम की भारा 269-ग की बन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीसादि अली।

(अन्तरक)

(2) कृष्णाः सहकारी आवास समिति लि० लखनऊ द्वारा सचिव श्री एस० पी० तिवारी।

(अन्तरिती)

(3) विकेंता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)।

का वह बुब्धा बारी करके वृथींकत संस्थित के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हां

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन कि तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्वकाकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

तनवर्ष

भूमि खसरा नं० 11 पैमाईसी 68050 वर्ग फिट स्थित खारगपुर फरीदी नगर, लखनऊ (जैसा फार्म नं० 37—जी में विणित है) ।

> श्रीमती यु० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, ल**ख**मऊ

दिमांक : 9-12-1985

प्रथम आहोत होत एकत पुरात कराव-स्थानका

भागकर मधिनियम,, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भाइत् बड्नाड

कार्यासन, सहायक नायकर नाव्यतः (ट्रेनरीकन)

अर्जन रेंज, लखभऊ

लखनऊ, दिमांक 10 दिसम्बर 1985

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा का ही, की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर स्म्पित, जिसका उचित् बाबार ब्रुंक 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० खसरा नं० 107 है तथा जो जल्याभपुर, जिला लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विजित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात बाजार मूक्य वे कम के स्वकाल प्रतिष्ठल के लिए अस्तिरत की नई हैं और कुछ विश्वास करने में कमरण है कि बथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपात बाजार मूक्य, उसके क्रवमान प्रतिष्ठल के बन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्निलिक्त उद्देश्य से अक्त अन्तरण निकित में नास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) जन्तरण ते हुई फिली जाम की वासरा, अवर अधिरियन के बचीम कर दोने के बंतरक के वास्तिक-में कामी करने या उससे बचारे में सृष्टिधा के लिए; और/मा
- (च) इसी किसी साथ ना किसी थन या बन्य व्यक्तिनी का, जिन्हें भारतीय साथकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती दवारा प्रकार नहीं किए। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै विदः

बत: जब. उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिकित व्यक्तियों, वर्षोत् (1) 1. श्री कल्लू, 2. श्री हरी लाख ।

(अन्सरक)

(2) मानव उत्थान एवं कल्याण सहकारी आनास समिति लि०, लखनऊ, द्वारा सचिव श्री हरीण चन्द अग्रवाल ।

(अन्तरिती)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्मत्ति हैं)।

को यह बुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

बक्त क्रमित्र के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखंब हान्न

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकायन की तारीच के 45 दिन की वनिष्या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीज से 30 दिन की अवधि, को भी वयभि बाद में उपाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इत त्वना के राजपत्र में त्रकाशन की तारींव से 45 दिन के मौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज़ब किसी मन्त्र स्थापा अधोहस्ताक्षरी के गढ़ निधित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्ष्यों जीड वद्यों का, जो उक्क जीभीन्दज, के संभ्याव 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि खसरा नं० 107, पैमाईशी 20415 वर्गफिट स्थित कल्यानपुर, जिला लखनऊ (जैसाफार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमतीयु० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 10-12-1985

मक्त वार्<u>षं हों पुरस्क प्रस्त</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखभऊ, दिमांक 10 दिसम्बर (1985

भिदेश सं० जी० आई० आर० संख्या एम-247/एक्यु ---अतः मुझे श्रीमती यु० कान्जी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तया जो ईस्माईल गज, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वांगत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिमियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रेस, 1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के के लिए;

जत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) क अधीन, 'नम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ७——

- (1) 1. श्री छोटे, 2. श्री बाबू, 3. श्री मरायम । (अन्तरक)
- (2) मानसरोबर सहकारी समिति आवास लि॰ लखभऊ द्वारा सचिव श्री ध्यान सिंह। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अवधि बाद में समाप्त हातेती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 विशा के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्बन्ध

भूमि पैमाईसी 2,00.240 वर्ग फिट स्थित ग्राम ईस्माईल गंज लखनऊ (जैसा फार्म नं० 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यु० कान्जी लाल सक्षम•प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जम रेंज, लखनऊ

दिमांक : 10-12-1985

मोडर :

प्रकार कार्युं, दी, एम, एस, -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचमा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० एम~248/ए**नवी**—अतः; मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1, ●0,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० आराजी है तथा जो ग्राम भदीरा, जिला मुरादाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित याचार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्षयमान प्रतिकल से, एसे क्षयमान प्रतिकल के पण्यह प्रतिकल से अधिक ही और अंतरक (बंदरकाँ) और अंतरिती (बंदिशियाँ) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नीलिकित प्रवृद्धिय से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत महीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाव की वानत, उच्च अधिनियम के अधीन कर येने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी मार्ग वा किसी धन वा अन्य जास्तिकों को, चिन्हों भारतीय साय-कर विधिनयन, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना जाहिए था, खिपाने के सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 16—406 GI/85 (1) श्री शिव नरायन मिगलानी।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मो० रईस, 2. श्री मोहम्मद जान ।(अन्तरिती)

(3) विकेता।

(वह **ग्**यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कां यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त राज्यक्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहिन करता हो।

अवस संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो जी अविध याद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकीये।

स्पाक्तीकरण: ----इतम प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उक्त जीवनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस जध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

आराजी पैमाईशी 823.85 वर्गमीटर स्थित मौजा भदौरा जिला मुरादाबाद (जैसा फार्म 37—जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

विमांक : 10-12-1985

मक्त नार्यं हो पुर प्राच्या -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत करकाड

कार्याजन, तहानक जानकह जानुक्त (विद्वाजन)

अर्जम रेंज, लखमऊ

लखभऊ, दिमांक 10 दिसम्बर 1985

मिर्देश सं० आई० आर० संख्या एम-249/एक्यू-- अतः मुस्ते, श्रीमती यू० कान्जी लाल

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित वाचार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एक किता मकाम है तथा जो बिन्द टोला गोरखपुर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोरखपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिमियम 1908 (1908 का का 16) के अधीन तारीख अप्रेल, 1985

को पूर्णेक्त राम्पत्ति के उभित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उभित बाबार मृत्य, इसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्ती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्द से उक्त अंतरण सिचित में वास्तविक रूप से कृथित महीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्तिलिखिट व्यक्तियों, अधोंत् :--- (1) श्री अजय प्रताप सिंह,

(अन्तरक)

(2) माडल भर्सरी स्कूल, काशी कटरा, गोरखपुर, ब्रारा सचिव श्री सै० भिसार अहमद।

(ग्रन्तरिती)

(3) विक्रेशा।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को वह क्षता आदी काइके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां काहता होते।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष ह---

- (क) इस सूचना के राज्यान में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इब स्वान के रावपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए बा सकेंगे।

स्वकारिक रण:— इसको प्रयुक्त शब्दों शाँर पर्यों का, जो उसत विविवयं के जन्माय 20 क में परिभावित , हाँ, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया सवा हाँ (है)

धमुसूची

एक किता मकान पैमाईसी 11056 वर्ग फिट स्थित बिन्द टोला गोरखपुर (जैसा फार्म नं० 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यु० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दमांक : 10-12-1985

मोद्वर 🖫

प्रक्ष बाह्री, टीं, पुन, एत.

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक भाषकर भागुक्त (निर्दाक्तण)

अर्ज न रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या एम-250/एक्यु--अतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें प्रकार जीधिनियम कहा गया है), की धास 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, जिसका अभित नामार कुम्ब 100,900/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम खारगपुर, फरीदी नगर, जिला लखनऊ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक अप्रैल 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के अस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी देह विकास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चिय से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण सं हुः किसी आयं करी गन्त, उन्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे गजने में सुनिभा के किए; नौर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बारः अब, उस्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्क अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्त, व्यक्तियों, अधीत् ६(1) श्री टोट

(भ्रन्तरक)

(2) मानसरोवर सहकारी आवास समिति लि॰ लखनऊ, द्वारा सचिव ध्यत्न सिंह।

(श्रन्तरिती)

(3) विक्रेता।

(वह व्यक्ति जिके अधिभोग में सम्पति है)।

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को जर्बन को संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामींस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बनुसुची

भूमि पैमाईसी 37570 वर्ग फिट स्थित ग्राम फरीदी नगर, जिला लखनऊ (जैसा फार्म नं० 37—जी में वर्णिस है)।

> श्रोगती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , बेंगलूर

विनांक : 10-12-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या एम ~251/एम्यु — अत मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भरकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संभाग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खसरा नं० 102 श्रौर 103 है तथा जा कल्याभपुर, जिला लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित शाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कत निम्मिलिखत उपस्थिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक है पर से किथा नहीं किया गया है:——

- (फ) अंतरण सं हुर्इ िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी व्यवसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

असः अस्य, उथतः अधिनियम की धारा 269-व को अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निस्मरिशंकत कावितयों, अर्थात् ं--- (1) श्रीमती सुन्दारा।

(अन्तरक)

- (2) मानव उत्थान एवं कल्यान सहकारी आवास समिति लि० लखनऊ, द्वारा सचिव श्री हरीण चन्द समलाल। (अन्तरिती)
 - (3) विकेता।

(बह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संगति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उयद सम्पत्ति के वर्जन वे सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सुचना को राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त • अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनु सूची

भूमि खसरा नं० 102 और 103 पैमाईसी 1 बीघा 15 विस्त्रा और 10 बिस्त्रान्सी, स्थित मोजा कल्यानपुर जिला लखनऊ, (जैसा फार्म नं० 37 जी में विणित हैं)।

> श्रीमती यू० ज्ञान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिन*स* । 10 ·12-1985

मोहर 🖫

प्रक्य आहें, टी. एन . एस-अ-----

बाथकर बीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, ल नऊ

लखनऊ, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या एम-252/एक्यू--अतः मुझे, श्रीमती यु० गुण्जीलाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि हैं तथा जो इस्माईन गंज लखनऊ में स्थित है (और इउते उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिक्स्ट्री जो अधिकारी के व्ययनिय लखनऊ में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख अन्नेल 1985

का पूर्वोक्स सम्मत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्त बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निष्

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) है अधीन, निम्निलिशित स्थितिसाँ वर्शित है— (1) श्री णिव नरायन लाल ।

(अन्तरक)

(2) मान तरोचर सहकारी आवास समिति लि०, लखनऊ द्वारा सचिव श्री ध्यान सिंह।

(भ्रन्तरिती)

(3) चिक्रोता ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी शक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित- अध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्भष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि पैमाईशो 18580 वर्ग फीट स्थित ईस्माईल गंज, लखनऊ (जैसा फार्म नं० 37-जी में वर्णित हैं)।

> यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्ते (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,ल**खन**ऊ

दिनों ह : 10~12~1985

इक्त नार्वं दी एन एव । ------

आयकर **अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा** 269-व (1) के अभीन सुवना

नाइक सरकार

भावतीयन, सहायक अधिकर जायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लखनऊ

सखनऊ, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एम-253/एक्यू०-श्रत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

और जिसकी सं खसरा नं 109 और 176 है तथा जो कल्यानपुर, लखनऊ में स्थित है (और इन्नसे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिकस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख श्रील, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उथित बाबार मृत्य से कम कै इदयबान प्रतिकाश के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास

करने का कारण है कि यथावृत्तें का सम्मिति का उचित बाजार नृत्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से जिथक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (जन्तरिश्चिमों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पासा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्तित में बास्यीवृद्ध क्ष्य है क्ष्यित नृहीं किया नवा है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-दिश्व को अधीन कर योगे के अस्तरक को वादित्व को कमी करने वा सबबे बक्त के सुविधा के जिए और/वा
- (च) श्रेची किसी भाग या किसी भन या जन्य जास्तियों किही, जिन्हें भारतीय जायकर विभिन्नियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उन्ते जिसिन्या धन कर विभिन्नियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रवेचनार्थ जन्ति हिता न्या भा या किया करना जाहिए था, किनाने में सुनिधा खे किसी

जत: जब, उन्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ज मों, मीं, उन्त जिथिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के नभीन, निक्तीलियम क्यीनसर्थों, जर्भात् ∷— (1) श्री मुन्नी लाल।

(अन्तरक)

(2) मानव उत्थान एवं कल्यान सहकारी
श्राचास समिति लि०, लखनऊ
द्वारा सचिव श्री हरीश चन्द्र सनवाल।
(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूनोंकत सम्मत्तिः सौ वर्षन् की जिए कार्यनाही करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की शारीख से 45 दिन की खबीच या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबीच बाद में सवाप्त होती हो, के भीतृर पूर्वेक्स म्यक्तियों में से सिसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्यू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तावारी के पात् तिकित में किए वा सकेने।

स्पच्छीक रणः ---- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वो का, को उक्क सिंपीनक के अध्याध 20-क में परिवाधिक हैं, नहीं वर्ष होगा को उस अध्यास में विका एसा है।

अमुसूची

भूमि खसरा नं० 109 और 176 पैमाईशी 32453 वर्गफिट स्थित कल्पानपुर, लखनऊ (जैना फार्म नं० 37-जी में वर्णित है) ।

> यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लखनऊ

दिनांक . 10-12-1985

्रप्ररूप आई.टी.एन.एस -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनां रु 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० जी० धाई० धार० संख्या एम०-254/ एक्य०--धत: मुझे, श्रीमती यु० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ५३चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ध जिसका उचित बाजार मूल्य

1.00,000/- रु. से अधिक हैं और जिनकी संख्या भूमि हैं तथा जो खुर्रम नगर लखनऊ में स्थित हैं (और इन्हे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगा है), रिष्ट्रोजी प्रिधितरी के कार्यात्म, लखनऊ में रिष्ट्रीहरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैंल, 1985

मो पूर्विक्य संस्थित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यनान प्रतिफन के लिए अतिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विक्त संपित का उचित बाजार मूख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंचा प्रतिक्त के अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक निम्नितियान उद्देश्य से उचत अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से क्रियत नहीं किया गया है क्रिया

- (क) अंतरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उचसे बचने में बुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री मथुरा

(श्रन्तरङ)

(2) मानव उत्थान एवं क्ल्याण सहकारी श्रावात समिति लि०, लखनऊ हारा समित्र श्री हरीश चन्द्र सनवाल (ग्रन्तरिती)

को नह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

एक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में को**ई भी आक्षेप**:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गाद में समाप्त होती हो ,के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्वेना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

भूमि पमाईसी 2 बीघा 2 बिस्बा स्थित खुर्रम नगर लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-12-1985

मोहरः

प्रकप भाष्ट्रं, टीर् एन् एक , -----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) **के अधी**न स्**चना**

भारत तरकार

कार्यायकः, बहावस वावकार वावका (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज, ल**ख**नऊ

लखनऊ, दिनां हा 11 दिसम्बर 1985 निदेश सं जी० श्राई० श्रार० संख्या एन-104/एक्यू०---श्रतः मुझे, श्रीमती यु० कान्जीलाल,

बावकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उबत विधिनयम' कहा गंवा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या भूमि है तथाजो ±नौसी लखनऊ में स्थित है (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णात है), रिक्ट्री जो अधि हारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 द्या 16) के अधीन, दिनांक अधीन, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार याया समान प्रतिफल के एंसे एक्समान प्रतिफल के सम्बद्ध प्रतिशत्त से बिधक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एचे बन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकित उद्वरिय से उक्त बन्तरण जिल्ला में अस्तरित के स्थान नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई कियों जाय की बाबता, उपत बीधिनयम के बधीन कर दोने के सन्तरक सैं दायित्य में कमी कर्ट वा उचने वचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी बाम या किसी भन या बन्य बास्तियों की बिन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में स्विध्य के किए;

कतः शव, अकत विधिनवम की धारा 269-न को अनुसरक मे, बाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, विकासिकत व्यक्तियों, वर्धातः—

- (1) श्री मुनेश्वर बक्स सिंह उर्फ मेद लाल (भ्रन्तरक)
- (2) नव दुर्गा सहकारी श्रावास समिति लि० द्वारा सचित्र

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करकी पूर्वोक्त सम्पृत्ति के कर्वन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तर संपत्ति के बहुन के संबंध में कोई भी बाहार :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ब्राधि बाद में समाप्त होती हो, ले भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राटा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपति मेथ हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति वृकारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए वा सकी।

स्यक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, जो उन्ह अधिनियम के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन संची

भूमि पैमाईसी 3 बीघा 16 विस्वा 1 विस्वान्सी स्थित कनौसी लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित हैं)।

> श्रीमती यू० कारजीलाल सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 11-12-1985

प्रकार बाह् . टी. एवं . एवं . = = -- - •

दारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मभीन सुचना

ब्रार्ट सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 दिसम्बर 1985 निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या एन--105/एक्वी---ग्रत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या महान है तथा जो 7, डालीबग तिलक मार्ग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1985

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के अध्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मूक्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए एव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबसा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा औं बिद्दा औंद्र/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्च अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) 1. श्री बनारसी दास
 - 2. श्रीमती प्रमिला रानी
 - 3 श्री प्रदीप कमार
 - 4. श्रीमती उपा यग्रवाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम चोपड़ा

(भ्रन्तरिती)

(3) कार्यालय उपायुक्त, गन्ना (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के "लए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूजूना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकरें।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

महात का प्रविभागित हिस्सा 4260 वर्ग-फीट स्थित 7, डालोबाग तिलक मार्ग, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 11-12-1985

मोहर : 🖟

प्रकर् मार्च, डी., एवं, एवं, ------

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थान

माउव सुरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

जी० आई० आर० संख्या एन-106/ एक्यू०-अतः मुझे, श्रीमती यु० वान्जीलाल,

बायकर शिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा नया है, की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या में० नं० 109/138 है तथा जो माइल हाउस, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीशर्ता अधिकारी के नुत्रयालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीशरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1985

को पृथोंकत सम्पत्ति के डिचत बाबार मूल्य से कम के स्वयमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वोंक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिवक रूप से कथिट नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अभीन कर दोने के अन्सरक अर्थ दिवित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) एसी किसी जाय या किसी धन या कत्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, द्वा धन-कार अधिनियम, द्वा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था. कियाने में सूर्विता के लिए;

शत: शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिंह व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 1. श्री पारस नाथ राय2. श्री एम० बनर्जी ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री नफीस ग्रहमद खान ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्स सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

समय संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वार्क्ष :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीभ सा स्त्संबंधी स्वक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्विस्त से से किसी स्वक्ति द्वारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पर्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौँ का, को उचक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यका है।

अनुसूची

मकान नं० 109/138 जो कि सुरेन्द्र भवन के नाम से जाना जाता है, स्थित माडल हाउस, लखनऊ (जैंसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० हान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रजैन क्षेत्र, लखनक

तारीख: 11-12-1985

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

थाव्कर वृधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भू (1) के वृधीम सुखना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर जायुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

जी० ग्राई० श्रार० मं० पी--1*58|* एक्बी०-----यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके परवास 'उनसे निर्मित्तम्' कहा गया है), की धारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाचार नुस्ब, 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सख्या भूमि है तथा जो रहीम नगर, डुडौली लखनऊ में स्थित हैं (और इसते उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वींगत हैं), रिवस्ट्रो इती अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान बितियान को निए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल सं, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्तह प्रतिशात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय तय पाया प्या प्रतिफाल निम्निवित उस्वेष्य से उन्त कन्तरण मिकित में वास्यविक धन से किता नहीं किया नवा हैं

- (क) ज्लारण में हुई हिस्सी नाव की नाज्य, उक्स निधानसम्बद्धिता कर की के नन्तरण के कवित्त में क्सी करने वा उक्के वचने में क्षिया ने क्सि; ब्रोड़/का
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिथिनिजन, 1922 (1922 का 11) या अन्त जास्तियों, दा धन-कर अधिनिजन, दा धन-कर अधिनिजन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्धार्थ अन्तिहिती ध्वारा वक्ट नहीं किया वका था या किया जाना जाहिए या, कियाने से स्विधा के लिए;

बरः अवं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्तरण वं, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा /1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :— (1) 1. श्री ग्रंगरफ जहां
 2. श्री मो० नलीम
 3. श्री मो० सलीम

(अन्तरकः)

(2) प्रोती नगर को-आपरेटिय हाउसिंग सो० लि०, लखनऊ, द्वारा सविच श्रो श्रव्दुल मुत्तलिव ।

(भ्रन्तरिती)

(3) विकेता

(यह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यक्ति यादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकों थे।

स्वक्टीकरण :----इसमें अयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जीभनियम के अभ्याय 20-क में पी।भाषित हैं, नहीं अर्थ होना को उस अभ्याय में दिया क्वा हैं।

अनुसूची

भूमि पैमाईशी 19 बीघा, 17 विस्वा 10 विस्वानसी स्थित रहीम नगर, हुडौली, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायु**क्त (निरीक्षण)** श्रर्जन **रेंज**, ल**खन**ऊ

तारीख: 11-12-1985

मोहर '

प्रकप आई.टी.एन.एस.------वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ,

लखनऊ, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० जी० ब्राई० ब्रार० संख्या पी-159/एक्वी-श्रत: मुझे, श्रीमती यु० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृल्य 1,00,009/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्रामकामता, जिला-लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वार 16) के ग्रधीन, दिनांक अप्रैल, 1985

को पूर्वोंका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ६ ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, ऐसे द्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेध्य से उक्त अंतरण विश्वित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरक से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने वा उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिक्;

अतः अब, उक्त ओधनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सिया राम

(ग्रन्तरक)

- (2) पुनीत सहकारी श्रावास समिति लि० लखनऊ (श्रन्तरिती)
- (3) विकेता

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाईसी 1 बीघा, 1 विस्वा 6 विस्वान्सी और 10 कन्चवान्सी स्थित ग्राम कामता तह० और जिला-लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में विणित हैं)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (ग्रर्जन क्षेत्र) लखनऊ

तारीख: 10-12-1985

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश संख्या जी० ग्राई० ग्रार० संख्या पी-·160/ एक्वी—-ग्रत: मुझे, श्रीमती यू० काग्जीलाल,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

आर जिसकी संख्या खसरा नं 313 है तथा जो ग्राम मोहिबुल्लापुर जिला—लपानऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्न रूप से वणितय है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के द्यार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रप्रैल 1985

को पृथित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नोचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ने हुए किती बाद की बाबत उक्क बर्षिनियम के ब्रुकीन कर योगे में बुन्करुक में स्रवित्कुमें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; शहर/या
- (क) एंडी किसी बाथ या किसी भूत वा वस्त्र आस्तिकों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंगाय प्रकट नहीं किया मुंग था किया बाना बाहिए वा स्थिपने में सुविधा खें लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री महेन्द्र सिंह

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीतीनगर को-ग्रापरेटिव हाउससिंग सोसायटी लि०, लखनऊ हारा सचिव श्री ग्रव्हल मुत्तलिब (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोंद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की दारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्थव्यक्तिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उसक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० ४13 पैमाईसी 7530.70 वर्ग-मीटर स्थित ग्राम-मोहिबुल्लापुर, जिला-लखनऊ (जैसा फार्म 37- जी में वर्णित है)।

श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (ग्रर्जन क्षेत्र) लखनऊ

तारीख: 10--12--1985

प्रस्प भाइं. टी. एत. एस. -----

भाषकार किपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

धार्थ सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनङ, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० जी० श्राई० ग्रार० संख्या ग्रार०-263/ एक्बी०--श्रत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

हायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-ध के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या मकान है तथा जो भदौरा मुरादावाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादावाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी नाम या किसी भन या जन्म जास्तियों की किसी काम या किसी भन या जन्म जास्तियों की किसी भन या जन्म , 1922 (1922 का 11) या अक्त जभिनियम, या व्यक्त जभिनियम, या व्यक्त जभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति द्वती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत् अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसस्ण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्रीमती नजमा खातून

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रानाबी

(भ्रन्तरिती

(3) विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोगी में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टींकरण :---इसमें प्रयैक्त भटवों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

एक किता मकान पमाईसी 127.05 वर्ग-मीटर, स्थित भदौरा, मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती य्० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (श्रर्जन क्षेत्र) लखनऊ

तारीख: 11-12-1985

प्रक्र गाइं.टी.एर्.एस्.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्(1) के अभीन सुभाग

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० जी० शाई० श्रार० संख्या श्रार०-264/ एक्यू---ग्रत: मुझे, श्रीमती य्० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संस्था खसरा नं० 761 है तथा जो चिनहट लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1985

का पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के सिए , अन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल से, एसे क्रथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिबत स्व्यस्य से उक्त अंतरण निचित्त में वास्त्रविक रूप से काँधत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाय की बाबत, जनत मधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृधिधा के लिए; और√बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशासनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा का या किया बाया भाहिए जा, कियाने में सुनिधा के लिए:

बत: अस, उक्स अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नसिद्धित व्यक्तिसों, वर्षात् ६--- (1) मजदूर किसान सहकारी गह निर्माण समिति लि०, लखनऊ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राका टाकुर।

(श्रन्सरिती)

(3) विकेता

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

कार्रे मह सूचना थारी करके पूर्वीक्त सम्पृतित् के अर्थन् के लिए कार्यकाहिया करता हुए।

उचत सम्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध के सार्व्ह की वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जनिथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अवधि, वो भी जनिथ शाद में समस्य होती हो, के भीतर प्रोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिल-ब्लूध किसी बन्स व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकतें ।

रक्क जिल्हा हिन्स प्रमुक्त बच्चों ज़ीर नवीं का, जो उक्त आहिए जिल्हा को अध्याद 20-क में परिभाषित ही, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 761 पैमाईशी 9922 वर्ग-फीट स्थित चिनहट लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन क्षेत्र, लखन ऊ

तारीख : 11--12--1985

प्ररूप बार्ड दी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालयः सहायक सायकर शायकत (निरक्षिण) प्रार्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश संख्या जी० श्राई० श्रार० संख्या श्रार०~265/ एक्वो - श्रत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अधिक संपत्ति । 1.00.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या खसरा नं० 206 है तथा जो मौजा खुर्रम नगर, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीटर्ना अधिवारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीटर्ग श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनां अर्थेल, 1985

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्धेश्य के उक्त बन्तरण सिवित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया भया है द

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उपक अधिनियम के लभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी क्रमने या उत्तरों बचने में सुविधा में लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गार्थ अन्तरिती इंकारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए चा कियाने में सुविधः के निया;

अतः अब , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण कों , मीं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--

- (1) न्यू श्राजाद सहकारी श्रावास समिति लि०, लखनऊ, सचिव श्री रशीद श्रहमद ।
 - (ग्रन्तरक) सहकारी ग्रावास समिति लि०
- (2) राज्य कर्मचारी सहकारी श्रावास समिति लि० लखनऊ, सचिव श्री फूलचन्द मिश्रा ।

(ग्रन्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह् व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह सूचना बारी करके पृथींक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख ई 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाष लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

म्राराजी भूमिधारी खसरा नं० 206, पैमाईसी 38652 वर्ग-फीट स्थित मौजा खुर्रम नगर, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित हैं)।

> श्रीमती यु० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन क्षेत्र, लखनऊ

ता**रीख:** 10-12-1985

मोहर 🖫

प्रकप बाहाँ, टी. एन. एस.

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सूचना

TIES SERVE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985 जी० ग्राई० ग्रार० संख्या ग्रार०-266/ एक्वी--यतः मुझ, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

नायकार निधितिनम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधितियम' कहा गया हैं), की भारा 2'69-क में नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारल है कि स्थानर सन्धिता. जिसका उचित वाधार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या खसरा नं 124 है तथा जो खुर्रम नगर लखनक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लखनक में र्राजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रप्रैल, 1985

को वर्गोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मृत्य से कम के अवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठोंक्त संपत्ति का उचित बाधार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया नया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- कि) बन्तहरूप से हुई हिन्दी नाम की नायत कात विप्रतिवस ही दर्गीत कुछ दोने की वन्तक्का ही शामिरन में कमी कुछने वा उससे वनने में स्विधा के निष्डु और मा
- (व) श्रेक रेकसी तरह से बिक्की नव के अन्य व्यक्तियाँ भार रेकसी नगरतीय साम-कार मरिश्विषया, 1922 ११९२४ से १९) के बच्च वीपविषया, के वन-कर मिक्किया १९७७ (१९५७ को 27) के प्रयोजनाथ अल्डरिक्क क्ष्यांश राज्य नहीं किया गया था या किया लागा वादिए को रेक्क्यार्थ में सुनिका वी विष्;

(1) 1. श्री अब्बु2. श्री कालिका

(भ्रन्तरक)

- (2) राज्य कर्मचारी सहकारी ग्रावास समिति लि०, लखनऊ बारा सचिव श्री फूल चंद मिश्रा (ग्रन्सरिती)
- (3) विक्रोता

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्मित्स के वर्णन के तिथ् कार्यनाहियां करता हो।

उक्त स्थ्यक्ति के वर्षन के सम्बन्ध में क्षेत्रई की जानीय :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी श्रेष्ट 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तायी श्रेष्ट स्थान की तायी श्रेष्ट स्थान की तायी श्रेष्ट स्थान की स्थापत होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस क्षमा के राजधन के प्रकाशन की तारीय के 45 किया के शीवर उक्त स्थावर सम्परित के हितवन्थ किया कका कावित इवारा सभोइस्ताकरों के बाब सिवित के किए का सकेंगे।

स्वकाकरणः—इसमें प्रमुक्त कर्मा और पदों का, यो उप् विभिनियम के अभाग 20-के में परिभाविष ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्यास में दिया गुरा ही।

वनसर्ची

भूमि खसरा नं 124, पैमाइशी 1 बीघा 1 बिस्बा ग्रौर 7 बिस्त्रान्सी स्थित खुर्रम नगर लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

श्रीमती. यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-12-1985

प्राक्तम आहें . हीं . एम् . इस , --------

नायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के मधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक वायकार आयुक्त (निर्दाक्षण)

म्रजन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

जी॰ ग्राई॰ ग्रार॰ संख्या ग्रार॰-267/
एक्बी--यत: मुझे, श्रीमती यू॰ कान्जीलाल,
बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा
269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य
1,00,000/- रु. से अधिक ही
ग्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो चिनहट लखनऊ
में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण
रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ला श्रिष्कारी के वार्यालय,

रूप से वाणत है), राजस्ट्राक्ता अधिकारा के दायालय, लखनऊ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक प्रप्रल, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाबार

मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं बाँद अन्तरक (अन्तरकारें) जार अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ बाबा गया प्रतिफल, विस्नितियाँ के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ बाबा गया प्रतिफल, विस्नितियाँ के बीच नहीं किया गया हैं :---

- (क) जन्तरण वे हुई फिसी नाथ कर्ष वाजतः, उनतः अभिगायस के अभिगा कर योगे हो यास्त्रदेखा के सामित्य में कर्मा करने या तसस वजने में सुविधा वे जिय: करि/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या क्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय नायक्षर सांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नाधिनियम, या धन कार नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ह्वानां प्रकट नहीं किया प्रवासीय या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा व निक्:

(1) श्रीमती गंगा देई

(भ्रन्तरक)

(2) राज्य कर्मचारी सहकारी श्रावास समिति लि०, लखनऊ द्वारा सचिव श्री फूलचन्द मिश्रा

(ग्रन्तरिती)

बहै वह श्रुवना जारी करके पूर्वनित कम्पृतित के जर्बन के स्मिए कार्यनाहियां कडता हों।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख र्स 45 जिन की सविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तृथना की तामीस से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर गुर्वोक्त व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सैं 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनु*सू*ची

भूमि खसरा नं० 332, 333, 334, 337 श्रीर 339 स्थित चिनहट लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में विणित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, लखनऊ

जतः गन, उसत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भो. मी, उकत अधि। नयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) म अधीर, निम्जीलिकत व्यक्तियों, अधीत् :---

तारीख: 11-12-1985

प्रकृष बाहुर्ग्छ हो । प्रवाह प्रवाह नामन

नायकर निधितियम 1961 (1961 का 43) की 269-न (1) से नधीन सुसना

THE THEFT

कार्यालय, सहायक नावकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 दिसम्बर, 1985

जी आई० आर० संख्या एस-396/
एक्वी--यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी संख्या प्लाट नं 4, खसरा नं 760 हैं तथा जो चिनहट लखनऊ में स्थित हैं (ग्राँग इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्राँग पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीनर्ता ग्रिध-कारी के ज्ञार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक ग्रांग्रैल,

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुन्द कि.सी. शाय की वायत, उपल अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वास्तिक में कनी करने या उच्च वामने में सुनिया के लिए: बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जरना आहिए था, जिनाने में त्विधा के सिह;

नशः नव, उक्त निभिनयम की धारा 269-भ में जनुतरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसीं, अर्थात् :---- (1) मजदूर किसान सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, लखनऊ

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता सिंह

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बासीय हं---

- (क). इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तितमों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सर्विध, यो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पाड़ रिवित में किए जा सकते।

स्पच्छिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त आयकर जिथिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गवा हैं:

वन्स्यी

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र नखलऊ

तारीख: 11-12-1985

प्रकृष **वार्क् टॉ**्युन्, एक _{अन्यन}स्थलक

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकः आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जान श्रेक्ष, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

जी० आई० आर० सं० एस-397/अ**क्वी**—-यतः

मुझे, श्रोमती यू० कान्जीलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचांत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० आराजी है नथा जो ग्राम भदोरा जिला मुरादाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिमियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अग्रेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं मंं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री हरी मिगलानी

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती गाहजहां बेगम 2. श्री मो० फारुख

(अन्त रिती)

(3) विक्रोता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूर्यमा थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यमाहियां करता हूं।

उन्ह सम्पत्ति के अर्थन के श्रंबंध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वश्रद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी पैमाईशी 816.72 वर्ग मोटर स्थित ग्राम-भदोरा, जिला मुरादाबाद जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है।

> श्री मती यू० कांजीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेंत्र, लखमऊ

तारीख: 10-12-1985

प्रका नाही, दी, प्रमा, प्रमा, १०००, १०००, १००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

गाउथ चरुकान

कार्याजय, सहायका जायगर वायुक्त (निरीक्त)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनक, निनांक 11 विसम्बर 1985

जी० आई० आरं० सं० टी-42/एक्बी--यत: मुझे, श्रीमती यू० काजीसाल

नायकार निध्विध्यान, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चार जिले विभिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-च के सभीन सक्तम प्राधिकारों को नह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर संवित्त, जिलका उजित काजार मुख्य 1,00,000/- रु. से जिथक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट खसरा नं० 59, 60, 61, 62, ग्रीर 65, है तथा जो इमारत लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथप्यूबोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पढ़ि प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अफिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अप्रैर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति दिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपान में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिधीनसम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त जिधीनयम की धारा 262-**ण की** उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री पी बी० लाल
- 2. श्री आर० बी० लाल

(अन्तरक)

(2) द्रांस गोमती सहकारी आवास समिति लि॰ लखनऊ (अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्ट संपरित के जर्जन के लिए कार्यगाहियां करता॥ हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इंस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टोकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया ह³।

जन्म ची

प्लाट खसरा नं० 59, 60, 61, 62, श्रीर 65 पैमाईसो 6 बीधा 13 बिसवा श्रीर 13 बिस्वान्सी स्थित इरादत नगर, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में विणित है)

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, ल**ख**नऊ

दिनांक : 11-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

माधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिमांक 11 विसम्बर 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० टी०-43/एक्यू-अस: मुझे, श्री मती यु० कान्जी लाल

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो इरायत नगर लखनऊ में स्थि है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के अच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के िसए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

1. श्री बी० बी० साल

(अन्तरक)

 श्री ट्रान्स गोाती सहकारी आवास समिति लि० 58, हजरत गंज, लखनऊ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूवत शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

जनसम्ब

भूमि पैमाईसी 5 बीधा स्थित इरा दत नगर लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में विणित है) ।

श्री मतीयू० कान्जी लाल संक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखकऊ

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) मैं अधीन, निक्निकिटियन व्यक्तियों, अर्थात् हरू-

दिनांक : 11 दिसम्बर 1985,

मोहर 🖫

इस्त मार्ड् टी , एन , एक _१------

नाथकर शांधितयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

मार्थ श्रकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जम क्षेत्र, लखमऊ,

लखनऊ, दिमांक 12 दिसम्बर 1985,

निर्देश सं० जी आई आर० सं० वी-89/अर्जन--यत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० म० म० डी०-47/28 है तथा जो मोहरूची रामापुरा वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्यद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम अधिक 1985

का पूर्वीक्त संपरित के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की यद्दें हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाजार भूल्य, ससके स्थ्यमान प्रतिकल से एसे स्वयमान प्रतिकल का बन्द्रह् प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिकल, निम्मसिचित उद्विच्य से उक्त अन्तरण निश्चित्र में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियंग के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसके बचने में मृतिधा के लिए; और/बा
- (w) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्यांकरार्थ अस्तिरिती इवाग प्रकट यहीं किया एया था या निका करार चाडिए था. जिल्ला क स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- 1) 1 श्रीमती अन्तपूर्णा कोवाल
 - 2. श्रीमती शैफाली पाल
 - 3 श्रीमती मोरा बनर्जी
 - 4. श्रीमती गीता बवर्जी
 - 5. श्रीमती रेबा मखर्जी
 - 6 श्री सुरेन्द्र माथ
 - 7 श्री सुमेन्द्र माथ

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वभाथ प्रसाद अग्रवाल विकेता

(अन्तिरती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके प्यॉक्त स्प्यृति के धर्चन के किए कार्यमहिया करता हूं।

ध्यत सम्परित् के नर्धन के सुम्बन्ध में काई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के रायपत्र के प्रकाशन की तारीच से 4.5 जिन के भीतर उक्त स्वांवर सम्पत्ति में हितवब्र्य विस्ति अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए या सक्षीन।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित्तक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिचित में किये जा सकींगे।

रपक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त सक्यों और धर्यों का, को सब्ब अभिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, बहुरी अर्थ हाका से सम्याय में दिया गया

ग्रनुसूची

मकान नं० डी-47/28, पैमाईसी 1920 वर्ग फिट स्थित मोहल्ला रामापुरा वाराणसी। (जैसा फार्म 37—जी में बर्णित है)

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जम क्षेत्र, लखमऊ

दिनांक: 12 विसम्बर 1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखभउ

लखभऊ विभांक 11 विसम्बर 1985

मिर्देश सं०जी० आई० आर० सं०वी—90/एक्यू०—यतः मुक्ते, श्रीमती यू० कान्जी लाल

भारद्वाज 8-12-20 23-12-85 286 जीआई फ्रेंग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकाम नं० 492/86-89, पन्मा लाख रोड, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखमऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिमांक अप्रेल, 1985

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अबः, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री इन्द्र चन्द्र अग्रवाल

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री विमल चन्द पान्डे
 - 2. श्री विनोद कुमार पान्डे.
 - 3. श्री मती कुसुम पणन्डे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परितं के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नं० 492/86-89, पैमाईसी 1649, वर्ग-फिट स्थित पन्ना लाल रोड, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में बर्णित है।

> श्री मतीयु० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लक्षमऊ

दिमांक 11 सिम्बर 1985 मोह्रस प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 11 दिसम्बर 1985
निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० वाई: १/एक्यू—यतः
मुझे श्रीमती यू० कान्जी लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० खसरा नं० 309 है तथा जो जिया मऊ:, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपानद अनुसूची में और पूण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक अप्रैल, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--19--406 GI/85

(1) श्री मजहर अली खाम द्वारा जश्री अटारनी श्री राजेन्द्र सिंह

(अन्सरक)

(2) युग निमाणे सहकारी आवास समिति लि०, लखनऊ द्वारा सचिष, श्रीबी० एल० यादव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के . लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि खसरा नं० 309 पैमाईसी 12 बीघा स्थित जिला मऊ, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिभांक: 11 दिसम्बर 1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

भम्बर्ध, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

मिर्देश सं० अई-I/37-ईई/6253/84-85—यत: मुझे, मिसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कमरा नं० 59 जो, 7वीं मंजिल राजगिर चेंबर्स, 12/14, शहीद भगा बिंह रोड, श्रीलंड कस्टम हाउस के सामने, वस्वई-23 है तथा जो बम्बई-23 में स्थित है (श्रीर इतते उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, दिनांक 18 अप्रैल, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूत्रिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमति थिल्डा डिसोझा।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० जे० पी० श्राफ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध यातरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

कमरा नं० 59, जो, 7वीं मंजिल, राजिगर चेंबर्स 12/14, महीद भगत सिंह रोड, स्रोल्ड कस्टम हापस हके सामने, सम्बर्ध-23 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ऋ० सं० अई-I/37-ईई/5838/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 18-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमदं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अजन रैंज-I, बम्बई०

दिनांक 16 दिसम्बर 1985 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई०

बम्बई०, दिमां रु 13 दिसम्बर 1985

मिर्देश सं० ए० आर० 1/37ईई-6078/84~85-यत: मुझे मिसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है. कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोप जिसकी सं 15/17 बिल्डिंग, विठठलवाडी में ग्रोव्हलवाडी, सी एस वन 1864, भूलेग्वर डिव्हिजन है तथा जो भूलेग्लर में स्थित है (श्रोप इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोप पूर्ण रूप से बिणत है), श्रोप जिसका करारमामा आयकर अधिमयम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है।

दिमांक 1 अप्रेल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री राम रतम कोचर 2.किर्तीकुमार जमनादास सेठ 33, किटीन प्रभूदास कामदार 4. रेखा मिना ट्रस्ट,

(अन्तरक)

श्री अजितमाथ इस्टेट प्रायवेट लिमिटेड.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

15/17 त्रिल्डिंग, विडठलवाडी ती० एस० नं० 1864, भूलेक्लर डिव्हिजन,

श्रतूसुची जैजाकी क०सं० अई-1/37-ईई/5746/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिहारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 श्रप्रेल 1985 को रजिस्टर्ड किया गया।

> निवेार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, बम्बई०

दिनांक: 13 दिसम्बर 1985

मोहर ३

प्ररूप आई . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ए० भार० 1/37ईई/6319/84-85/यतः मुझे निसार ऋहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रॉफिस नं० 201 बिल्डंग नं० 3, 2 रा माला, नवजिवन को ग्रॉपरेटिक्ह हाउसिंग सोसाईटी लि० लिमग्टन रोड बम्बई-400008,

जो बम्बई 8 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क० ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजीस्ट्री है। दिनां 19 अप्रेल 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खिल में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

् अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मौँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री भाईचन्द टलकचन्द शहा,

(अन्तरक)

2. श्रीमती पेरसन गणेशमल जैन ग्रौर श्रीमती पुष्पा रतन जैन

(अन्तरिसो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

आँफ़िस नं २ 201, बिल्डिंग नं ०, ३, 2रा माला, नवजिवन कोआँपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लेमिंग्टन रोड, बम्बई-400008,

ग्रनूसुची जैसाकी ऋ०सं० ग्राई-1/37-ईई/5947/85-86 भौर सक्षन प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19 श्रप्रेल 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रैज, बम्बई;

दिनांक : 13 दिसम्बर 1985

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांट 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ए० आर० 1/37ईई/6327/84-85—यत : मुझे निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लैट नं 12वां माला, न्यु साईनिकेतन विल्डिंग, ए, विल्डिंग माउंट रोड, माद्यगांव, बम्बई-10, है तथा जो बम्बई 10 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसला करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 रू ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 20 श्रप्रैंल, 1985

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती रोशन खुश्रु भादमा

(अन्तरक)

2 श्री सइफद्दीन जभाल उद्दीन देल्लीवाला और श्रीमती रिझया सइफदीद देल्लिवाला

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 5, 12वीं माला, न्यू छाईनिकेतन बिल्डिंग, ए बिल्डिंग, मार्स्ट रोड्ड, माझगांव, बम्लई-10।

यनुसूची जैसा ि क० सं० धर्द, 1/37-ई ई/5953/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) र्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 13-12-1985

THE TAX DESCRIPTION

प्रकल आहें.टी.एन.एस.,------

वायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत राइकार

कार्याजन , सहायक आयकर आव्येत (निर्देशिक)

र्जन ब इ

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निवश सं० ग्राई-4/37-ईई/18931-/84-85- - यत , मुझ, ए० प्रसाद,

वासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० युनिट नं० 209, जो श्रेयस इंडस्ट्रियल इस्टेट, इमारत नं० "सी", बी-1/बी-2, नाथन इस्टेट, श्राफ़ वेस्टर्न ए सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (ग्रौर ससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका र श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 मि प्राधिकारी के कार्यालय.

में राजस्ट्री है तारी छ - 🗝 - 85

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह नित्तास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिचात से अधिक है और बंतरक (अंसरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) नम्बरण से हुए किसी जान की बाबत, उपत निधियन के नधीन कर दोने के बनारक के दासित्य में कमी करने या उत्तरी भूषणे में स्विधा भी निष्; भार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिहिती ब्वास् प्रकट नहीं किया नथा था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के हिए;

अतः जब अवत विभिनियम की भारा 269-म के जनुसरण में, में, उपत अभिजियम की भारा 269-म की उपभारा (1) महें जभीन, निक्निलिसित न्यक्तिमों, अर्थान् :--- 1 श्रीदामजी नरशी शहा

(म्रन्तरक)

2 श्री नितीन श्ररविंद हके

(भन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करखे पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिमां शुरू करता कुं।

उन्त क्रमात्व से बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नामने 📯

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अनिध, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोद्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वाराः
- (व) हम ब्याम के राज्यन में प्रकार की तारीय में 45 विन में भीतर वका स्थापर कम्मात्त में हितबप्र किसी कम्म मानित ह्यारा मधोहरताकारी के यान विविध में किस वा सकते हैं।

रक्काकिरणः --ध्तर्भ प्रवृत्ततः सन्धां श्रीर धवाँ का, सां सम्बद्ध स्थितियमं से संध्याय 20-क मों परिभाषित हाँ, पहीं शर्भ होना जो उस संध्याय मों दिया नवा स्थि

अनुसूची

युनिट नं० 209, जो, श्रेयस इंडस्ट्रियल इस्टेट, इमारस "सी", बी-1/बी-2, नाथन इस्टेट, श्राफ़ वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्राई-3/37-ई ई/18931/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (fनरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 12-12-1985

मोहरः

प्रकल बाह्य, दी. एम., एस., तराज्य

आयकर अभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना (1) श्री प्रेमकालाचन्द अडवानी ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती टी० पी० जुसावाला।

(भ्रन्तिरती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहस्यक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

बम्बई, दिनां ह 12 दिसम्बर' 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/18967/84-85---श्रत: भुझे, ए० प्रसाद,

शायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० औद्योगिक गाला नं० सी-106, जो, 1ली मंजिल, फर्नोचर और फिक्चर के साथ, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269म, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। दिनांक 1-5-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाबार बृक्य ते कम के सहस्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृक्य, उसके स्वयमान प्रतिकाल से एसे क्ष्यमान प्रतिकाल का पत्ते क्षयमान प्रतिकाल का पत्ते क्षयमान प्रतिकाल का पत्ते क्षयमान प्रतिकाल को पत्ते क्षयमान प्रतिकाल को पत्ते कार्य विश्वास से बिर्म से स्वयमान प्रतिकाल को सिंग स्वय पाया ग्राम प्रतिकाल, निम्नलिकित उद्देष्ण से उसत अन्तरण मिकित से बास्तीवक रूप से कार्यन सही किया नवा है प्रान्त

- (क) जन्तरण संहुई किती अपय की बाबत, उक्त सिंपियम की अधीन कर दोने के अस्तरक के दासित्व में कबी करने या उससे बचने में सुविधा की किए; बीट/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य अपितयों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

चतः जयः, उक्तं अधिनियंगः श्री भारा 269-ग के अनगरण कें, तें, उक्तं अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) हों क्रभीन, निम्तिलिक्क व्यक्तिसमों, अधित ३--- सी यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी वाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वरद्धीकर्ण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उच्छ अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ है वही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया वचा हैं ॥

भनुसूची

अौद्योगिक गाला नं० सी-106, ओ, 1ली मंजिल, फर्नीचर और फिक्ष्चर के साथ, गोरेगांच (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/18967/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्राक्षाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-12-1985

प्रस्थ बार्चः दौः एनेः एसः ------

न।यकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अभीत सूचना

भारत स्रकाड

कार्यालय, तहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ऋई-2/37-ईई/18748/84-85—ज्यतः मुझे, प्रशांत राय,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्ला प्रकार, 'उन्दा अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-उ के अधीन सक्तम प्राधिकारों को, यह विकास करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से जिधक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, हाघा अपार्टमेंट, बम्बई-93 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 2695, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के आयलिय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-4-85

की वर्षोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के कंपमान गह्र* र्पातकल कें लिए **बन्त**िरत की मभे विश्वास करने का कारण यह है कि सभापबंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से., ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का **पंद्रह प्रतिक**त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियाँ) को बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मालिसिक उद्वरेग से उन्तं अंतरण निस्ति में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से क्षुपूर्व किसी आम की बाबत, उक्त बीधीमबभ को अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे कचने में सुविधा के सिक्ष, बहुक्र/मा
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, चिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया काना भाहिए वा कियाने में सुधिभा भी लिए;

आत: अत्र, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बब्द्धरण को, की उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ब अधीर निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) जहांगीर बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) विलास विष्णु साङ्याल ।

(अन्तरितो)

को यह बृचन। बारी कारने पृत्रों कर सम्पत्ति के अर्थन के जिल कार्यशाहियों करता हो।

उन्द दन्तरि हे वर्षम् के सम्बन्ध में कोई मी भाकेन व---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्य होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त कर्का और पदों का, जो उक्त जिथितियम, के अध्याम 20-क में नरिशाधिक हैं, नहीं अर्थ होना को उस अध्याय में विका नवा हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, हावा ऋषार्टमेंट, सी विंग, महाकाली केव्हज राकड, अंधेरी (पु) बम्बई-400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-2/37-ईई/18748/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

मोहर 🛭

शक्य बाह्यं. टी. एमं. **दश**्------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय , सष्ट्रायक आयकर आयुक्त (निरुक्तिक)

श्चर्जन रेंज-2, वस्बर्ध बस्बर्ध, विनां : 5 विश्वस्वर, 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/18749-/84-85-----ग्रत : मुझे, प्रशांत राय

नावकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे श्वमें श्राक्क परवात् 'उनत निभिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारल है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नावार 190,000/- रा. से अधिक है

और जिन्न सं बना सं वं 8, गीरीराज अपार्टमेंट, अंधेरी (पु०) बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसदा करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269%, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिलस्ट्री है, दिनोक 1-4-85

को पूर्वोचित सम्परित के उचित बाजार बृंख्य से कम के क्यमान इतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोचत सम्परित का उचित बाजार बृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिपक्ष का गन्द्रह प्रतिवात अधिक है और बन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त बन्तरण निचित में गास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है।:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की भावतं, उक्त भाभागयम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त वचने में सुविधा के न्त्रिष्, और/या
- (ण) एंसी फिसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

जन: सब. तक्त अधिनियम की ध्यरा 269-न के अनुसरम मों, मों, उन्ना अधिनियम की धारा 269-न को उपधारा (1) के अभीन. सिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---20—406 GI/85 (1) गीरीराज कनस्ट्रकशन की०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रोबर्ट एफ० फर्नाडीज और श्रीमती फलोरी फर्नाडीज।

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

(4) ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबसुध हैं)

को नह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के सिग कार्यवाहियां कारता हुं।

दनक सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि वा तत्रसम्बन्धी व्यक्तियों वर् सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का सकींगे।

स्वक्षीकरण:---इंसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पर्यों का, जो उपत जीधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस सभ्याय के दिया गया है।

अनुसुची

"बतात नं० 8, जो गीरीराज श्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 176/1 (पार्ट), कोंडीबीटा चिलेज, इदमवाडी के पास, अंधेरी (पु०), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैंना ि कि के सं अई-2/37-ईई/18749/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रोज-2, यम्बई

<u>धिर्नाक : 5-11-1985</u>

साहर अ

नायकत् मीपीनयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिशांक 6 दिशम्बर 1985 निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/18792/84-85~-श्रन: मुझे, प्रशांत राय

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क. से अधिक है और जिसकी संब्रा मिल मांक स्थापता,

और जिमकी संव आफित नंव 203 ए, बरटेफ्स बिशास, अंधेरी (पू०), बमबई-69 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका अधान अधान की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांव 1-4-1985

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथा पूर्णक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) कीर अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण किकित में वास्तिकक रूप में कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण में हुँ हैं किसी आय की बाबरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; ऑर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों करें, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 था। 11) या जिल्हें अधिनियम, या धनकर, लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या विया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिष्ट;

िया अर्थ. जरूर विभिन्नियम. की वारा 269-ग के अनुसरणी में, में, उक्त जीधनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मान्तीलाल मन्नालाल बोहरा और श्रीमती कांचन कान्तीलाल तेजावत ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती निर्मला धनसुखमाई ठमकर।

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पर्यों का, के उपल अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नगस ची

"श्राफिन नं० 203ए, जो बरटेक्स विकास विलिखन, ए विंग, एम० वी० रोड, अंधेरी (पू), बंबई-400069 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37-ईई 18792/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रगांत राय सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 6-12-1985

मोर:

THE REAL PROPERTY.

बाबकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सभीन सुवता

THE TRANS

कार्यांक्य, सहायक शायकर शायक्त (निरीक्क)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985 निवेश सं० ग्रई-2/37-ईई/18817/84-85—-श्रतः मुझे प्रशांत राय

नायस्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये हैं अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लट नं० 501, प्रकाल सोसायटी, अंधेरी (पु), बम्बई-99 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिस का करार नामा आयकर प्रधिनियम का धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारी 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृद्धों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल को, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को निए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चे से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तर्क के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में तुविधा के लिए बॉर/बा
- (था) एची किसी बाय या जिसी धन या अन्य गास्तियों की जिन्हों भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के बिस्।

जत: अज, उज्जा जिथिनियम को भारा 269-म की जनसरण जो, मी, उज्जा अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्निल्सिट व्यक्तियों अर्थात्:——

- (1) मैंसर्स ओमेन्स बिल्डर्स एण्ड कोन्ट्रक्टर्स।
- (श्रन्तरक) (2) श्रोमित मीराबाई मेनोकी और सी० गोपाल भेनोकी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अपत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोब :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , को और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त विलक्ति में दिक्ष वा सकने।

स्वव्यक्तिरणः --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्वर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उत्तस अध्याय में दिया गया हैं:

नमृत्यी

पलैट नं 501, जो पाचवी मंजिल, भ्रकाल को-आप-हाउ--सिंग सोसायटी, चकाला तरुण भारत सोसायटी, अंधेरी (पू), बम्बई 400099 में स्थित है। 8-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

मोहर 🤢

्राचन मार्चुः टी ्यन । इस । ल ने न ----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुक्रना

HINT TRUCK

कार्याचन, बहानक नायकर नानुक्त (निर्देखक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/18-18/84-85—म्बतः मुझे, प्रशांत राय

नायकर धिर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निर्मियम' कहा गया हैं), की भाव 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लट नं० 103, श्रकाल सोसायटी, अंधेरी, (पु०), बम्बई-99 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269क, ख, के श्रधान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को प्रांकित संपरित के उचित बाबार मूल्य ने कम के दिश्यान दितफान के लिए अन्तरित की गई है और मूओं वह विश्वास करने का कारण है कि यथापुत्रोंकत संपत्ति का उचित बाबार अल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह बित्तत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा पवा प्रतिफल, निज्नितिवित उद्देश्य से उच्त अन्तरण जिल्लिक के वास्तरिक कप से किया नहीं किया नवा है उन्न

- (क) नन्तरण वे हुई किसी बाव की शंवत, उज्ज्ञत वीधीनवन के वधीन कर देने के जन्त्रक के वादित्य में कनी करणे वा उत्तरे वचने में सुविधा के सिए; बॉड/वा
- (थ) एसी किसी नाम वा किसी मन या बन्य नास्तियों की चिन्हें भारतीय नायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्नियम, वा मन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी युवारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया नाम पाहिए था, कियाने में सुनिधा के निष्ए।

बतः वय, उक्त विधिनियम की धार 269-ए के अबुब्रस् क्रं, जैं उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क्रें वर्षान्य जिम्मीविषक व्यक्तिकों क्रिक्स क्रिक्स

- (1) मैसर्स ओमेक्स बिल्डर्स एण्ड कोन्ट्रकटर्स। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती थंकम जे**को**व।

(भ्रन्तिरती)

को यह सुकता कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति से अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्बद्धि के कर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र ह---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध वाइ यों समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्षभ विन्धी अन्य व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास जिल्लाम में किए जा सकोंगे।

स्त्रणीकरणः — इसमें प्रयुक्त केन्सों नीड पर्यों का, वा जनस अभिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष मृतेश को उस अध्याय में विद्या नया है।

वम्स्ची

पलट नं० 103, जो पहली मंजिल, श्रकाल को० श्राफ० हार्जीसंग सोसायटी, चकाला, तरुण भारत सोसायटी अंधेरी (पु०), बम्बई-400099 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि के० सं० ग्रई-2/37-ईई/18818/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 का रजिस्टई किया किया गया है।

> प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

मोहरः

प्रकार बार्ड . टी . एन . एस . -----

बायकर व्योभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के वर्षीय बुखना

नाइत करकार

कार्यासम, सहायक भावकर आयुक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/18819/84-85---ग्रतः मुझे⁹ प्रणांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269 के कथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका खिलत जाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से जियक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 502, श्रकाल सोसायटी, अधेरी (पु०) बम्बईमें 99 स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा. आयकर ग्रिधिनयम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है त(रीज 1-4-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाबार मून्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास म्बद्धां का कारण है कि यथान्त्रोंक्त संपत्ति का उपित बाजार भूका, स्त्रकों का कारण हो कि यथान्त्रोंक्त संपत्ति का उपित बाजार भूका, स्त्रकों क्ष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे सन्तर्भ के बिस्ट क्ष्य क्षा गूका प्रतिपक्त, विश्वविधिक उप्रदेश्य से क्षात अध्यास विद्या क्षा है :---

- ('त) जनारण से हुई जिसी बाय की बायत, उपत बाजियबा को बजीन कर देने की बन्तरक की बाजियक में कमी करने या उससे बजने में सुजिधा के लिए; और/शा
- (क) एसी किसी बाव या किसी धव या कर्य वासिसवीं की जिन्हों भारतीय शासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ता विधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिक्।

अंतः अर्था, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निक्तीतवित करिक्तमें, वर्षात् ⊯—

- (1) मैसर्स ओमेक्स बिल्डर्स एण्ड कौनद्रकटर्स। (अन्तरक)
- (2) श्री एम० एम० चेरीयन।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके प्वॉक्त सम्पीत के वर्णन के लिए कार्यवाहियां सूच्य करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींश ते 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हितबक्ष किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहम्ताक्षरी के, पास क्षित्रकार में किए का वकी।

स्पाद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों करि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

"फ्लैट नं० 502, जो पांचवीं मंजिल, ग्रकाल को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, चकाला, तरुण भारत सोसायटी, अंधेरी (पु०), बम्बई-400099 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि कि ग्रई-2/37-ईई/18819/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी स**इा**यक भ्रायकर श्रायुषत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 5-12-1985

प्रक्य आहे. टी. एन. एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, तहाबक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांफ 5 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/18827/84-85----ग्रतः मुझे, प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें करवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाब करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित क्कार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, श्री स्वामी समर्थ प्रपार्टमेंट, अंधेरी (पु०), बम्बई-93 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), और जिसका करार-नामा प्रायकर अधिनियम की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारियों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 2-4-1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उत्वित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल तो, एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकृति से विश्वह है बीर अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब बाग गया प्रतिकल, निम्मीसिवन उद्देश्य ते उपत अन्तरण किवार के बास्त करना के बीच एसे कर्तर के उपत अन्तरण

- (क) अंतरण से हुई किसी बाब को बाबत, उबत बिध-बिखाम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अधी करने या उचासे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य अपिस्तकों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में तृविधा के लिए;

जतः जयः, उनतः अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण में, में,, उनत अधिनियमं की धारा 269-ण को उपभारा (1) के अधीन, निज्ञतिकास व्यक्तियों, अर्थात् 😁 (1) मैसर्स विनय बिल्डर्स

(प्रन्तरक)

(2) श्री गिरीश बलीराम सिरीस्कर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्क्वाहियां पुरू करता हुई।

जमल सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के रामपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिवाँ पर सूचना की तामीश से 30 विन की अविध, को भी अविध सम्बन्ध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उच्क अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाणितः 'हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिवा गया है।

अन्यूची

फ्लैंट नं० 2, जो तल मंजिल, श्री स्वामी समर्थ ग्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 60, तक्ष्ण भारत को० श्राप० हाउ-सिंग सोसायटी लिमिटेड, सहार रोड, अंधेरी (पु०), बम्बई 400093 में स्थित है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-2, बम्बई

विनांक: 5-12-1985

बोहर ३

प्रकल **भार**ि दी तु एक तु **एक** लानानाना

नायकर नौभनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) वो नभीन सुख्या

भारत प्रत्यार

कार्यासक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/18842/84-85--श्रत।: मुहे प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परशात् 'उन्तर किधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाघार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 202, रवी इंडस्ट्रियल इस्टेट अन्धेरी (पू), बम्बई-93 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुध सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1985

को पृत्रोंक्स सम्यक्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूभी यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्स सम्यक्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का चंद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे जंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अंतरण निस्ति में वास्तिक रूप से अधिक स्था गया है:—

- (क) नृत्यारण से हुए किसी नाम कही नामतः, जनक अधिनिनमं के अधीन कर दीने भी अन्तरक भी दानित्य में कनी करने ना तत्तसे बचने में नांचना औ सिक्; भीर/नः
- (च) ऐसी किसी जाय हा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जीधी त्यम. 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधी त्यम. या धन-कर जीधी त्यम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति रिती ह्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना याहिए का, का का का का स्वी निए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्यरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उप्यापन ।;) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्भ डींपल एन्टरप्रायसेस

(ग्रन्तरक)

(2) मसर्म णालीमार एक्सपोर्टस

(ग्रन्तरिती)

की बहु कुल्ला बारों करके पूर्वोक्ल संपाल के अर्थन के विद्य कार्यगाहियां करता हु।

अक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषाप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारिंख से 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियी पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीत् स्ताक्षरी के पास जिसिस में किश का सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्पी**

युनिट नं ० 202, जो रबी इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट नं ० 25, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्राफ महाकाली केव्हज रोड, अन्धेर (पु), बम्बई-400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/18842/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

मोहर 🤫

प्रकृप बाह् टी.एन.एस. ------ (1) हि

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (विश्रीक्रक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/18857/84-85--ग्रत: भु**से** प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके क्सके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाख 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करवे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 7, भवानी नगर, ग्रन्धेरी (पु) वस्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबंद ग्रनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 के, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1965

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रवसान प्रितकल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रवमान प्रतिकल से, एसे द्रवमान प्रतिकल का पन्त्र प्रतिक्र को सेन्द्र प्रतिक्र को सेन्द्र प्रतिक्र के बीच एसे कन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे कन्तरक के तिए तम पाना बना प्रतिकल, निम्निलिश्त उच्चदेश्य से उसते अन्तरक निश्चित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गना है :---

- (क) अंतरण ते हुई किसी आय की यायत, उनक अधि-वांभिनियम की अधीन कर दोने को अन्तरक को साधित्य में कमी करने या उत्तरी यानने में श्रीवधा के निष्; वार/वा
- (च) एती किसी जाय वा किसी धर्म वा वर्त्स वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर लेभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- गर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिमाने में स्विधा जे लिए।

जल: जब, उकत विधिनियम की धारा 269-ग के अगुतरण दें, मैं, उकत विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) दिपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रायरीन कोलंको और श्रीओस्कर को कोलंको

(भ्रन्त रिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्द सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी महीपे :---

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पर्वोक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय:
- (थ) इस स्वना के श्वयम में प्रकाशन की तारींचं से 45 दिन की भीतर उच्छ स्थावर सम्मरित में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभाहस्ताक्षरी के पांच निर्मित में किए जा सकींचे ।

स्पन्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को उन्हों अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका नवा हैं।

धनुसूची

पलेट नं० 7, दूसरी मंजिल, इमारत नं० 3, प्लाट नं० 9, भवानी नगर, मरोल मरोणी रोड, अन्धेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि सं अई-2/37-ईई/18857/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बर्ड

नारीख: 5-12-1985

माहर:

प्रकथ आर्थ, ही. एन. एस.-----

dend former was a series of the first of th

जायकर जीधनियज्ञ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के जभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, तहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, बिनांक 5 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं∘ श्रई-2/37-ईई/18927/84-85--श्रत: मुझे, प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस' इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० इंडस्ट्रियल शेंड नं० 124, शिवशक्ती इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबड़ श्रतुसूची में ऑप पूर्ण रूप से विश्वत है) और जिसका करारतामा आयकर श्रिधितियम की धारा 269 स, ख के श्रिधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 4-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीनिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त के

- (क) अन्तरण संहुद किसी आय की बाबक, उसते अधिवियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा वे सिए; बहर/वा
- (क) एसे किसी बाब वा किसी अन या ज्या जास्तियों करों, जिल्ही शास्त्रीक अप्रवेकत अर्थेश्वेश्वर . 1922 (1922 कर 11) या अवन अधिविकता. या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 कर 27) ते श्रेमोधिकार्थ जन्मिरती द्वार प्रकट वहीं किस चया गया था वा किस्त श्रोक अर्थेश्वर ना किसार ये श्रीधरा के सिए;

बंत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अन्सरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभार (1) २ क्भील जिल्लासियत व्यक्तिस्यों: अर्थात .----21—406 GI/85 (1) श्री शिव शक्ती विल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीणी एन्टरप्रायसेस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन क संबंध में कोई भी आक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति इंबारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 हित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्क किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी है एक लिखित में कि में आ सकती।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

इंडस्ट्रियल भेड नं० 124, जो पहली मंजिल, फेज नं० 3, जिल भक्ती इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० नं० 79, मरोल विलेज आफ कुर्ला-अन्धेरी रोड, अन्धेरी (पु), वस्वई-400059 में स्थित है।

स्रतुसूची जैसा कि क्ष० सं० स्रई-2/37-ईई/18927/84-85 और जो सक्षम प्राधिकाी, यम्बई द्वारा दिनांक अ-4-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायक्त (निरीक्षण) स्रजन रोज-2, वस्बई

नारीख: 5-12-1985

रक्षण क्षात्र". टी. **एव. एख**्न----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत ध्रकाह

कार्यास्य, बहानक जायकर जायक्त (निर्दाक्क)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 1,90,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संब प्लाट नंब 160, सीटी सर्वे नंब 368, अन्धेरी वस्वई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्वई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-4-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के रिए तथ पाचा गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण जिवित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (२६) जन्तरण से हुए किसी बाव की बावल, अल्ला किय-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौद्ध/वा
- (क) ऐसी कियों नाम या किसी भन या नत्म जास्तियों यो जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकत्त्र अधिनियम, या भनकत्त्र अधिनियम, यो भनकत्त्र अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता शिहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अरु., अब, उक्त अधिनियम की क्षारा 269-च के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अर्ध अधीन, निस्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी० के० पी० भास्कर।

(अन्यस्ट्रा)

(2) श्रां आम प्रकाण सेहगल, श्रीमती पुष्पावती सहगल, श्री राजन सेहगल और श्रीमती बेगू सेहगल। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पृत्रीकत संपत्ति के अञ्चल की जिल्ह कार्यवाहियां शुक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मृज्या के राज्यान में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बृज्यि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राश;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निकित में किए का सकेंगे।

स्वक्यकिरण: -- इसमे प्रयक्त शब्दों और पदी का., यो उत्तर विभिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होण जो जम कथ्याय में विष्ये विश्व हैं।

अभूसूची

प्लाट नं० 160, जो सीटी सर्वे नं० 368, विलेज भीग्रा, ग्रन्थेरी, बम्बई में स्थित है ।

श्रमुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37—ई5/18973/8 = 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 3-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्राप्ति रेज-2, बम्बई

नारीख : 6-12-1985

मांहर :

प्रकथः **भार**ेत् दौत् पृत्युत् पुरस्ता स्टब्स

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 369 म (1) के अभीन सुमना

भारत सरका

कार्यालयं, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जप रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

पिर्देश स० अई-2/37-ईई/18979/84-85---अतः **मुझे,** प्रणात राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारा हैं। कि स्थातर लग्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

स्रॉर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, भवानी नगरं, अन्धेरी (पु), वम्बई-59 में स्थित है (स्र्यंर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्र्यंर पूर्णं रूप से विणित है) योर जिसका करारतामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 4-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पत्तस्त प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरक) हैं अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ध्या प्रतिफल निम्नसिवत उद्वोद्य से उक्त अंतरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है जन्न

- (क) बलरण स हुए थिएसी बाय की बाबस, उक्स शीधोभयम के क्षणीन कार दीने के अल्सरक के बाधिस्थ की कामी कारने सा उससे बलने मी बुविधा क्षों लिए; बाह्यिया
- (थ) एसी किसी बाथ या किसी भन प्रा बन्ध बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाद-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, रा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने यें सुन्धिय के स्थि।

बतः वध, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरक में. मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती जोसफीन लोपस श्रीर श्री कानसीस्को एक्स लोपस

(अन्त'रक)

(2) श्री बालक्वष्ण टी० मांजरेकर श्रौर श्रीमती ज्योती जी० अरोरा

(अन्तरिती)

(3) दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्णन के तिथ कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधीप उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से उस्तीतिक की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीशा पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्वाधिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों अहि पदों का, वा सकत विभिन्नियम के अध्याप 20-क में परिभावित्रश है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा गया टी।

अनुसूची

फ्लैंट नं 12, जो तिसरी मंजिल, इमारत नं 1, प्लाट नं 15, भवानी, नगर, मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37--ईई/18979/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय तक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, बम्बई

वारीख : 5-12-1985

प्ररूप आहें ्टी. एन. एस.-----

भावकर विभिनित्तन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 5 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० अई-2/37ईई/18980/84-85-अतः मुझे प्रशांत राय

भाषकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसकें प्रथात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 13, भवानी नगर, अन्धेरी (पु) बम्बई-59 में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में योर पूर्ण रूप से विणित है) यौर जित्तका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अबीस सक्षम प्राधिकारी के नार्याज्य बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर मान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में क पर नहीं किया गया है :--

- (कां) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उनत नियम के अधीन कर दोने को अंतरक को सायित्व मीं कभी करने या उससे अचने मीं सुविधा की लिए; और/भा
- (ख) एरे ते किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष पींडीदेव चुघ और श्रीमती विशानदेवी पीडीदेवी चुष

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रक्कपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर सम्पान में हिताख्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किये जा सकी।

स्थिष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त कावों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्पुचा

पलैटनं 13,जो तिचरी मंत्रिल, इसारत नं 1, प्लाटनं व 12, भवानी तगर, मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी, (पु). बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा जियाल सं अई-2/37-ईई/18980/84-85 ग्रीर जो सक्षम आधिकारी, यम्बई द्वारा दिशांक 4-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-2, बम्बई

तारीखा: 5-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासक, सहायक शामकर शामुक्त (निरोक्षण)

अर्जभ रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० अई-2/37ईई/18981/84~85——अतः मुझे प्रशांत राय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट न० 3, भवानी नगर, अन्धेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण चप से विणित है) श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यावय, बम्बई में रजिस्दी है, तारीख 4—4—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का मृश्यह प्रतिशत से अभिक हुं और अंतरक अंतरकों; और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाक्यविक कम से क्षीनत नहीं किया गया है

- (क) अंतरक से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधि। नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी भाग मा किसी भन मा जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा वै सिद्या

क्टः क्षा, उन्नत विधिनवमानी धारा 269-ग की वन्तरक मो. मी, अन्त विधिनयम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नुभात क्रिक्त (1) दिपाठ बिल्डमी प्रायसेट िसिटेण

(अन्तरक)

(2) श्री उत्तम सिह ठाकुण,
श्री उत्तम किह ठाकुण,
श्रीर गोदाल किंग उत्तन किंग ठाकुण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

🚁 सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पार्श लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्बों और पदों का, जो उक्त गायकर अधिनियम के अधित्य 200क में मिरमाणित हैं, बही जाने हत्या तर उस अंतरण हो दिस्स गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 3, जो पहली मीजिल, इमास्त नं० 1, प्लाट नं० 9, भवानी लगर, मरोल नरोगी भोड, अन्धेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जोरा। कि क० स० अई-2/37--ईई/18981/84--85 क्रीर: जी उजम जाधिकारी, वस्बई द्वारा दिली (ाय-प-1985 को रजिस्टर्ड फिया गया है।

> प्रकांत राय स्थम प्राधिकारी राहायक जायकर आयुक्त (सिरीक्षण) अर्जम रॉज-2, बस्बई

वारीय: 5-12-1985

प्रकल नाइ , टी. एन. एस., ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा ্ত্ৰ ক্ (1) के कार्य क्षाय

STATE STATES

कार्यालय, सहायक वायकार वायुक्त (निर्दाक्तिक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18982/84-85-अतः मर्झे प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इतमें इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, किश्रका उचित बाधार मृख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैटनं० 9, भवानी मगर अन्धेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित है) स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है (स्रौर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-4-1985

को पूर्वेक्ट सम्पत्सि के उणित बाजार मृत्य से कन के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्बद् अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे मन्तरण के निए तब पाया गया प्रति-क्ष्म निम्मितियां उन्देशिय से स्वत बन्दरण मिनियत में बाक्टिन्छ।

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या.
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शंस अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जन्सर्ज हाँ, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) **डे बभीन**्र निस्तिचित व्यक्तिवाँ स्थापि क्या (1) दिएक विल्डर्स प्रायनेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रीदेवी सदाशीव चौटा

(अन्तरिती)

क्षी बहु बुजना बादी करके पृत्रामित सम्पृत्ति के सूर्वन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ो

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बासीप 📟

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की सारीब से 45 दिन की अवध्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचनः की समीक से 30 दिए की वर्षा, को भी वर्षा वाद में सुमान्त होती हो, के भीत्र प्रविकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हुनाइए
- (ब) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हित-ब्रुथ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्तकारी औं पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वकारिक :--- इसमें प्रयुक्त सम्बो और वहाँ का, भा सम्ब स्वीधित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषिश ही, बहीं सर्व होना को उस अध्याय में दिवा पदा ही।

जनसूची

"फ्लैंट नं० 9, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 1, प्लाट नं० 15, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/18982/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां रु 4-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेंग रज-2, अम्बई

नारीख: 5-12-1985

एक्ष्म काल ही सह क्षा -- -

आयक्तार लिवितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त्र (1) के लक्षीन सुखना

HIST STAFF

कार्यालय,, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, वस्वई

वायई, िनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश संब अई-2/37ईई/19022/81-85-अत: मुझै, प्रशांत राय,

नायकर शिंपियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिसे अधिनियम अहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन नक्षण अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि, स्थावर सम्पत्ति, जिसका अजित बाजार मृस्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

और जिसको मं० यूनिट नं० 7, नन्द धाम इंडस्ट्रियल इस्टेट, वम्बर्न-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचो में और पूर्ण ब्या में बंगित है) और जिसका करायनामा आयकर अधिनियम को भारा 269 क, खा के अधीन गदम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में एजिस्ट्रों है, ताराख 4-4-1985

को पूजीकर सम्पृत्ति के उधित धाआर मूल्य से कम के बरमान द्वितिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे गई विश्वास कारत का बारण है कि यथायूबोंकर सम्पृत्ति का अधिक सावार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पृद्ध प्रतिकृत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-कृत निम्निसिक्त उद्योश्य से उक्त अन्तरण कि सित्त में वास्ति कि क्या क्या से कि कि सावार से कार्य कर कर से कि सित्त में वास्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के पधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किशी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का :!) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत, जिम्मालिसित व्यक्तित्यों, अर्थात :---

(1) मैसर्स उषा प्लास्टिकस

(भारतस्यः)

(2) मैससे सथर स्प्रे पेन्टस

(ग्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाद्यिम सुरू करता हुई।

उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप एन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित ही, वहीं कर्य हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसुची

यूनिट नं० 7, जो एक बिल्डिंग, नन्द धाम इंडस्ट्रियल इस्टेंट, म**ोल, मरोशो, रोड, ग्रन्धेरो (पु), बम्बई**- 400059 में स्थित है।

श्रनुस्चो जैसा कि करु सं० ग्रई-2/37-ईई/19022/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राग सक्षम प्राधिकारी सहायक यायकार प्रायुक्त (विरोक्षण) श्रर्जन रज-2, वस्त्रई

तिरोखा। 6--12--1985 -

 $\mathbf{r}_i : \mathbf{r}_i \mathbf{v}$

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देण सं० अई-2/37ईई/19067/84--85--श्रत: मुझे । प्रणांत राय

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'तकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अबीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फनट नं० 403, श्री अक्ति श्रपार्टमेंट, श्रन्धेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में और पूर्ण रूप से प्रियत हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर स्रिधिनयम की धारा 269 क, ख के श्रद्धीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल ने लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक असे के किया गया है :--

- िंक) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपानो मी सुविधा को लिए:

जत: इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखत व्यक्तित्यों, अर्थात् ३,— (1) श्रो शक्ति इस्टेट्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० जी० सुकूमारन

(स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीभ, को भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्ति यो कि मों से चिन्नी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्ध हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

''फ्लट नं० 403, जो चौथी मंजिल, श्री शक्ति ग्रपार्टट् स मीलीटरी रोड, भरोल, तम्बई-4000059 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/19067/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकार सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीखां: 9-12-1985

प्रकार बाही, टी. एवं. एवं. -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुमना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ज)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/19068/84-85-श्रतः मुझे प्रशांत राय

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित शाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 402, श्री शक्ति श्रपार्टमेंट, मरोल बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-4-1985

को प्वोंबस सम्पत्ति के अभित बाकार ब्रुब से कम के स्थयान मितफल के लिए बन्तिरित की गई हो और ब्रुके यह विद्यास मृत्य, उसके स्वमान मितफल एसे स्वमान प्रीयक्रम का करने का कारण है कि यथापरों कत तम्मिल का उवित बाजार भन्तिरती (बन्ती ी) के बीच एते अम्बरण के चिए इव बन्द्र प्रीयस्त से स्टिश्क है और जिसक (अन्तिकों) और जामा गया प्रसिक्त जिम्मिलिसत स्वस्थित नहीं दिंश क्या है क्रिक

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त वीभीन्यम के मधीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कमी करने मा उससे वचने में ब्राविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) यो जयत अधिनियम, या धन-कर खिलियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती हवारा प्रकट नहीं विद्या गया या या किया जाना आहिए था, छिणाने में गुविधा भी लिए:

चत्र अर्थ, उक्त अधिनियम कर भारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अपीय नियमिनियम व्यक्तियों, अर्थात अस्स्य 22---406 GI/85 (1) श्री शक्ति इस्टेटस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रीनिवास पी० एल

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाटी करके पूर्वोक्य सम्मृतिय के अर्थन के लिख कार्यवाहियां करता कुं।

रक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई ही बालेंग ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति यो भी वर्षीय बाद में दमान्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यास्ट;
- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की राशींव से 45 विन् के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितवष्ट्रण किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिविद में किए वा स्कॉने !

क्षण्यक्षिरण:—-इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उज्जल विधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभातिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस वध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 402, जो चौथी मंजिल श्रो शक्ति श्रपार्टमेंट मीलीटरी रोड, मरोल, अम्बई 40059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/19068/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज-2, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहर 🙄

मक्त् बार्द् टी. एन . एस्. -----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

कारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (किर्रीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० भ्रई-2/37ईई/1970/84-85—भ्रतः मुझ प्रशांत राय

नायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे क्षांत 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 303, श्रा शक्ति श्रपार्टमेंट मरोल? बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में बम्बई में रजिस्ट्रों है, तारीख 10-4-1985

को प्रवेक्ति सम्मत्ति के उचित वाजार मृस्य से कम के दश्यान प्रतिफल के लिए जल्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रती (अंतिनिध्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण विचित में बास्तिक सूप में कथित नहीं किया वचा है :---

- (क) अंधरण वे हुई किवीं बाब करें बाबत, अवस्त नौभतियम के अभीन कर दोने के अंतरक के शामित्य में कभी करने या उत्तने अपने में नौज्धा के लिए; गौर/वा
- (था) ऐसी किसी बाद वा किसी थन या जन्य हास्तियां करें, जिन्हें भारतीय लायकार जभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना धाहिए था, स्थिपाने में गरियां के नियां के नियां

कतः कवा, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मित इस्टेटर्स

(भ्रन्तरक)

(3) इन्नाहिम मौस मुल्ला

(ग्रन्तरिती)

का वह क्ष्मा चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन की लिए कार्यवाहियों करता हूं।

सकत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्वोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

वन्यू जी

फ्लैंट नं० 303, जो तीसरी मंजिल, श्री शक्ति प्रपार्टमेंटस मीलीटरी रोड, मरोल, बम्बई 400059 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/19070/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ं प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहर

प्र**रुपु बाइ**्टी. एम .ग्रास . ========

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सुमान

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राप्ति रेंज~2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

सं० **श्रई** -2/37ईई/19087/84-85:--- अत मुझे, प्रशांत राय,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं 101, हवा अपार्टमेंट, बम्बई-93 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण वर्णित है) और जिन्ना करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-4-1985

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है जौर अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्त्रविक रूप से कियत नहीं किया गया है ई—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति ति ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ह— 1. श्री जहांगीर बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. माषाजी शामजी भानूशाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस नुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि नाद में समाप्त क्षोती हां, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसक्ष किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंग।

स्पन्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं 101, जो, पहली मंजिस, बी बिंग, हवा प्रपाट-मेंट, महाकाली केव्हज रोड, श्रन्धेरी (पू०), बम्बई 400093 में स्थित है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी साहयक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

तारीख ' 5⊶12**−**1985 मोहर '

प्रकार नाहर् हो हो, स्वतः एक व नवनन

जायकाड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के कभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर वाणुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 5 दिसम्बर, 1985

सं० ऋई →2/37ईई/19088/84 →85 → → ऋतः मुझे, प्रशांत राय'

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कर कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वा उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिनको संख्या फ्लैंट नं० 204 हवा श्र्यार्टमेंट, श्रन्थेरी (प०), बम्बई~93 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है), और जिल्ला करारनामा श्राय हर श्रिवित्यम की धारा 269 क, ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तार्राख 10-4-1985

को प्रोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के समजाय प्रतिफ ल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास कारवे कका का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रममान प्रतिफल से, एसे सम्मान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिक्रत से अधिक है जीर बंदर्क (अंतरका) जार बंदरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नानिचित उद्देश्य से उक्त बन्दरण किचित में वास्तृविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बावब बजर विश्वित की सभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्य में क्मी करने वा उपसे क्चने में बुविशा के निए और/या
- (व) एसी फिली बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त कृषिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या सिक्या जाना काहिए था क्षिपाने में सुनिधा के सिक्या

अतः गवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) डे बधीन, निम्निविधित व्यक्तियों अवस्थि अ—— मैसर्स जहांगीर बिल्डर्स।

(भ्रन्तरङ)

2. श्री श्रगोक पीताम्बर दात चान्दीरामानी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हो।

उनका सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध भी कोई" भी बाफ्नोप ३०००

- (क) इत सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्षणा की तामीस से 30 दिन की नगींध, जो भी क्षप्रीय नाम में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिता;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीयो।

स्वयोकरणः—इसमें प्रयूषतः शब्दों और पर्दो का, जो उनस मिनियम, को गध्याय 20-क मी परिभाषित ही, बहरी भर्य होगा, जो उस मध्याय में दिया यहा ही।

जनसूची

फ्लैंट नं॰ 204, जो, दूसरी मंजिल, सी विंग, हवा अपार्टमेंट, महाकालीं, केवज रोड, श्रन्धेरी (पु), बम्बई 400093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई /37ईई/19088/84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधि कारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 10/4/1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख : 5−12−1985

मोहर 🗯

१**५५** नाहुँ तो तु प्रयात एक , ------

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

. प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई० 2/37ईई/1903 9/8 4-85:--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके एएचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं 0 15, नन्द धाम इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, बम्बई--59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष, निम्नुकृषित उद्देश्य है उन्तर अन्तरण विश्वास में बास्य-

- (क) अन्तर्भ से तुर्द किसी नाम की बावत सक्त स्थि-श्रिम्य मी ध्रमीय कर योग के अकारक के वामित्य में कर्मी करते का उन्हों मचर्म में मुनिया के लिने; बरिया/
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों आरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-आर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिकार्य अधिनियम, विश्वा के अधिनियम, विश्वा प्रमुख्य नहीं किया नवा धा वा किया चाना चाहिए थां, कियाने में कृषिधा है तिहर;

लत: बंद. जनत विधितियम की भारा 269-ग की, बन्तरण रा, री, जनत अधितियन की भारा 269-ग की उपभारा (1) के वर्धन, निक्रमिणिक व्यक्तियों, वर्षात करते 1. श्री देवशी मूलजी।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स क्लास प्लास्टिक्स ।

(अन्तरिती)

3. श्रन्तरिती ।

(बह व्यक्ति, जिसके **श्रधिभोग** में सम्पत्ति है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनरा सम्पत्ति के जजन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों गर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि शद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त भागितयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (थं) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित मों हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति इंगरा, जभोहस्ताक्षरी कें पास निकित मों किए का सकोंगे।

स्वक्तीकरण:---इसमें प्रभूक्त कब्दों और पयों का, थो स्वक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा थो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

यूनिट न० 15, जो पहली संजित. ए बिहिंडग, नन्द धाम इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, मरोल मरोणी रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है। जैया कि ऋ०स० अई-2/37ई $\frac{5}{2}/1908$ 8/34-85 और जो सक्य शिकिसी केव्यई हाए दिलाँक 10-4-85 को एजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय मझम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-12-1985

प्ररूप बाइ े.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं ॰ प्रई-2/37ईई/19130/84-85:--- ग्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसवें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या माला नं० एक /8, नन्द श्योत इंडस्ट्रियल प्रीमायसेस, बम्बई-72 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क, के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 11-4-1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथींकत सम्पत्ति का उपित बाजार बृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बासरिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की भावत, उक्स अधिनियम के अधीम कर दीने के संतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुमिधा के सिद्धः

भ्तः तबा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त कींधनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तितां, अधीत् ः— 1. श्री पी० के० धर्मपालन।

(प्रन्तरक)

2. मैंसर्स मेटा फॉर्मस

(ग्रन्तरिती)

का यह बुवना वारी कारके पूर्वीक्स सम्मलि के अर्थन के जिल्ला आर्यवाहियां कारता हुई।

रक्ष सम्मित् के अर्थन के संबंध में कोई भी आसेप् ध---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सबाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (w) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बभोइस्ताक्षरी के पास निकित में किये का सकेंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्धों और पर्यों का, यो उक्ते अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विश्वा पंका हैं!

ननुसुची

"माला नं० एफ० 8, जो तल मंजिल, नन्द श्योति इण्डस्ट्रियल प्रीमायसेस को ग्राप सोसायटी लिमिटेड, साकी नाका, ग्रन्धेरी कुर्ला रोड, बम्बई-400072 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37 ईई/19130/8 4~85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 11-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय; नक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक: 7-12-1985

प्रकृप आहें. टी. एत. एस.-----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) 📆 भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

ंकार्थालय, सहायक अध्यकर आयु**क्त (निर्दाक्षण**)

श्रर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/19135/84-85:---श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या युनिट नं० 7, ग्रंसा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-72 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 ा, ख के श्रधीन, सक्षम प्रायकारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-4-1985

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उपित नाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते पह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उपित माजार मृत्य, उसके दृष्य-मान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से नाभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्न-लिखित उप्रदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप के कीथत नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाप की बाबत, उक्ख जिभिनियम से अभीन कार दोने के जन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे क्यने में सुतिधा के लिए: मौर/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में ्रिक्था वे सिएह

बत्र क्षत्र, उक्त क्षीर्थनितमं की धारा 269-ग के बनुबरण में, में सकत अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) क सर्था, निम्तिलिखत स्थितवों, स्थात् क्ष्म 1. मैसर्स ग्रसा विल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

 श्री धर पांडे, शिलधर पांडे ग्रोर शेशधर पांडेय

(भ्रन्तरिती)

को बह श्वना बारी करके प्वेक्ति शृज्यति के वर्षण हो तिथु कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की कारीय के 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थितमाँ में से दिल्ली व्यक्तित हुनाराह
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवष्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पाद अविकास में किसी जा सकों है।

स्वध्योकरण: इसमें प्रयुक्त कव्यों और प्रयों का, जो उक्त जिथिनियम जो अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया नया है की

युनिट नं० 7, जो तल मंजिल, एच बिल्डिंग, श्रंसा इण्डस्ट्रियल, इस्टेट, साकी विहार रोड, साकी नाका, बम्बई 400072 में स्थित हैं।

अनुसुची जैसा ि क सं अई-2/37ईई/19135/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-2, बस्बई

तारीख: 5-12-1985

मोहरः

प्रका नार्वं थी. एवं . एतं . -----

भायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत जलका

कार्यात्म, सहायक वायकर बावुक्स (विद्याक्षाण)

श्चर्जन रोंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांख 6 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० अई--2/37ईई/19149/84--85:---श्चत मूक्षे, प्रशांत राय,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चाल् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिख्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

म्रोर जिसकी संख्या युनिट नं० 201, हिन्द सौराष्ट्रा सोसायटी वम्बई—59 में स्थित है (ग्रीर इससे उणाबद्ध श्रनूश्रुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका अरारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम, की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को अभित बाजार मूल्य से कम के स्वयंशन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके उरम्मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिस्ती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए त्य पाया यथा प्रतिफल, निम्निविद्यत उद्विष्य से उक्त अंतरण शिविद्य में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जंतरक से हुई किसी काय की बाबत, उनके डिविन पियम के जंबीन कर वंने के बंतरक के कायिल में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिष्ट; और/वा
- (क) इसी किसी आव या किसी धन ना अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जावकर बधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती दुवादा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के चित्रहः

बारः जाव, उक्त अधिनिक्य की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थात् :--- मसर्स केसन्स केबल इण्डस्ट्रीज।

(श्रन्तरक)

2. श्री रामन लाल सुन्दर लाल केवानी।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्चन को बिस् कार्यवाहियां बास्ट करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्धां और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वरस्यी

यितट नं० 201, जो दूसरी ॄमंजिल, इमारत बी०, हिन्द सौराष्ट्रा इण्डस्ट्रीज को भ्राप सोसायटी लिमिटेश, भ्रन्धेरी कुर्ला रोड, बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनूसुची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/19149/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज−2, बम्बई

तारीख: 6-12-1985

प्रस्य **बार**े. टी., एत्., **इव**., टा. क्रम्मान

नानकर निपनिनम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के नपीन स्पना

भारत सरकार

कार्यानय, सङ्गयक बायकर बाय्क्स (विरोधक)

ग्रर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/19175/84-85:--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

भाग्नकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से विधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं∘ 11, भवानी नगर, अन्धेरी (पु), बम्बई~59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 11-4-1985

को प्रोक्ष सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य प्रकार प्रकार प्रतिकल से, ऐसे प्रथमान प्रतिकत से पंचा प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के सीच ऐसे अंतरण के लिए तय पास नवा प्रति-फल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पारविक क्य से सम्बद्ध महीं किया मृत्य हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबरा, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के खरिक्य वो क्सी क्सूचे वा उचने बचने वो खरिया के निष्; कीट्र/वा
- (थ) होती किसी नाथ या किसी यन वा अन्य वास्तियों को, जिन्हीं आरतीय भाषकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तत अधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया यम था या किया जाना चाहिए था, किनाने में धृषिकों के विहर;

1. मसर्स वीपक जिल्डमं शाइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बेनेडीक्टा डीसोजा।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन की अवधि ना सत्तम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वता के उपवित्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 वित्र के भीतर स्वत स्थावर सम्पत्ति में हितववृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रनकाकिरनः ----इसमें प्रवृक्त शब्दों और पूर्वों का, वो स्वर विविवया, के शब्दाव 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा थो उस कम्बाय में विका वक्ष हाँ।

धनुषुची

फ्लैट नं 11, जो तीसरी मंजिल, इमारत, नं 2, प्लाट नं 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड श्रन्धेरी $(प_0)$, सम्ब ξ -400059 में स्थित है।

भ्रनुसुची जैसा कि क सं॰ भ्रई-2/37ईई/19175/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11/4/1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रभांत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2,बस्बई

ारीख - 5 +12∺1985 मोहरः पास्त्र आहे. हो . एत . एश-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की के धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

मारत अश्लार

कार्यासन .. सहायक आयकर आध्वत (निरोक्तक)

ग्रर्जन रेज-2, बभ्बर्श बभ्बर्श बभ्बर्श, विनांक 5 दिसम्बर, 1985 निर्वेश सं० ग्रर्ड्-2/37र्ड्रे/19176/84-85:—-ग्रत: मुझे, प्रशांत राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें का कारण है कि संधाप केंक्स संपत्ति का उचित भाषार नृस्य. इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है, की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पर्लंट नं 14, भवानी नगर, श्रन्धेरी (पू), बम्बई-59 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), श्रीर जिसका रारारनामा भायकर श्रिधिनियम की धारा 269 ा, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के नार्यालक, सम्बर्ष के राष्ट्रित है, कारील 11-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजिल अज़ार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के प्रतिकृत से प्रथिक है और बन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नसितित उद्देशकों से एका प्रनारण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण संशुक्षं किसी धाय गाँ जावत, अवस गौधीनवस के अधीन कर कोर के जनस्थ के दाखिला में कभी करने या उससे क्याने भी भूगिक्षा के लिए; और/वा
- (य) ऐसी किसी लाग वा किसी बन या अन्य वारितराँ को किसी भारतीय जाय-कर सिंबिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, मा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गगा वा वा किया बाना वाहिए का, क्षिणाने में सुविध्य वैक्टि;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के. अनुसरण बी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मानिमित व्यक्तियों, अर्थान् :—

- मैंसर्स दीप > बिल्डर्स बाइवेट लिमिटेड ।
- (अन्तरक)
- 2. जोरोफ़ विकटर फर्नान्डीय (

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सन्पत्ति से कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी जाशेप द--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारी थं थे 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की श्वीध, जो भी अव्यक्त बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताझरी के पास जिला में किए जा सकीने।

प्रनुसूची

फ्लैंट तं० 14, जो, तीप्तरी मंजिल, इमारत नं० 1, अवाती लगर, प्लाट नं० 9, मरोल मरोशी रोडं, श्रन्धेरी (पू), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रन्भुची जैसा कि क सं श्रई - 2/37ईई/19176/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनां राव-4-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> प्रधात राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेज-2, बस्बई

तारीखः 5—12—1985

मोहर 🛪

प्ररूप आहूर ही. एम. एस.-----

बावकर निश्निवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बचीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नाम्**क्त (निरक्षिण)**

अर्जन रेंज--2, बम्ब**ई** वस्ब**ई**, दिलीक 5 दिल्प्यर,, 1985 **निर्देश** सं० 2/37**ईई**/19177/8.4~85~~%त: मुझे, प्रयांत राय,

बाबकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसके इसके परनात उक्त अधिनियम कहा गया हुं की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिल्लका उधिक वाषार मूक्व 1,00,000/- स. चे विधिक हैं

और जिस्सी संख्या पलैंट नं 14, भवानी नगर, अन्येरी (पु), बम्बई-59 में स्थित हैं (और इस्ते उपाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणित हैं), ऑर जिस्ता इरारनामा आयशर अधिनियम की धारा 269 वा ख ने अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिवर्ट्स है, तारीख 11-4-1985।

को पूर्वीक्त तम्मीत के अधिक बाजार मुख्य से कन के प्रकाश प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह निक्याल करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त तम्मीत का उपिक करवार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के प्रकाश प्रतिक्रत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और (जन्मिक्या) के नीज़ होते जन्तरण के लिए तब पाया मना फल जिल्लाका अध्योग्य से उन्ते जन्तरण स्विकत में वास्तिवक के वास्तिवक के से किया नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाव की बावत , उच्च बिधिनियस के वधीन कर दोने के बन्दरक के दावित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसि किसी बांच या किसी धन या जिल्ला बास्तिम।
 की, जिन्हीं भारतीय बायकर अभिनियम, 1922
 (1922 की 11) ८० उन्ते अधिनियम, या
 ्षन्-कर वृषिनियम, 1957 (1957 का 27)
 की प्रकारनार्थ जन्तरिती वृदारा प्रकट कहीं किया पदा
 था ८० १४०। ४८० आह्रण्याः छिपान में स्विधा

बतः अधः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अधृतरण में, में उक्त अधिनिवम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्म्पेलिसित व्यक्तियों, अथीत् :--- मैं पर्य दीप ं बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2. श्री रूप चन्द शर्मा।

(भ्रन्तरिती)

की यह सुप्रका बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्षण के जिल् कार्यग्राहिक कुरू कक्का हूं।

बक्त सम्बन्धि के क्वीन के संबंध में कींड़ भी आक्षेप ट----

- (कां) इस स्थान के राजपन में प्रकारन की तारीय से 45 दिन की अवधि ना तत्सम्बन्धी व्यक्तिनों कर सूचना की तालील से 30 दिन की क्याचित, वो सी अवधि नाद में समान्य झोती हो, के मीतन्द पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की दादीस से 45 दिन के शीसर उनका स्थायर सम्बक्ति में हिस्स्वपूध किसी स्था व्यक्ति स्थापत अधीहरूताझरी के वास निस्ति में किए था सक्ति।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त संबंध और पड़ों का, वो सबस निध-नियम के सभ्याय 20-क में पहिलातियत ही, वहीं सर्थ होता, भी उस सभ्याय में विद्या गया है।

मनुसूची

फ्लैंट नं० 14, जो, तीसरी मंजिल, इसारत नं० 6, प्लाट नं० 9, भवानी नगर, मरीत मरोगी रोड, श्रन्धेरी (q), बम्ब ξ -400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा हि क सं० श्रई-2/37ईई/19177/84→85 और जो संक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1:1-4→1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, स<mark>क्षम प्राधिकारी</mark> सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

तारीख 5 - 12--1**98**5 मोहर: अथन नार्^कः की . एनः पुस_{ान} नामास्त्रात्रात्रात्रा

नावकर निधिनसम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के नधीन सुमना

भारत पर्याप

कार्यात्रव, श्रह्मक वायकर नागुक्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज-2, बम्ब€

बम्ब**६**, दिनां ह 6 दिसम्बर, 1985 सं० **म्र६**⊶2/37**६६**/19271/84 ·85 ---म्रतः मुझे, प्रणांत राय,

नायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रथात 'उन्त निधिनियम' कहा गया ही, की शाधा 269- व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, नह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से निधक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं 177, विलेज मोग्रा, ग्रन्धेरी (पु), बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसहा इरारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-4-1985

को पूर्वोक्त तल्पीत के उपित वाचार शुष्य से कान के प्रस्थान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिवात से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिवां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्वरिय से उक्त अन्तरण कि वित्तर में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्वियत्व में कमी करने वा उच्चे व्यने में बुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाम या किसी भन या जन्म जास्तियों को, चिन्हों भारतीय जायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के किस्

बकः वय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तें. जैं. सक्त अधिनियम की धारा 269-ज की स्पधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तित्यों, अधीत् :--- 1. श्री रामन लाल कृतैया लाल चन्द्रा

(श्रन्तरक)

2. मैसर्स सुदर्शन कन्स्ट्रभगन।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहूध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्युची

प्लाट नं० 177, जो मोगा चिलेज, साउथ सेल सेट, ग्रन्धेरी (पु), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/19271/84→ 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय, सक्षम प्राधिवारी, सहायक भायकर भायुक्त निरीक्षण), स्रर्जन रेंज⊶2, बस्बई

तारीख · 6--12--1985 मोहर ·

प्रकल नाहाँ हो . एम . एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) से बधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेम्बई

बम्बई, दिनाँद: 9 दिसम्बर, 1985 दिर्देक सं० **अई-**-2/37ईई/19277/84→85'----भत: मुझे, प्रणांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्बात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या शेंड नं 159, फैंज नं 3, शिव पिक्स इण्डिस्ट्रिय इस्टेट, बम्बर्श-59 में स्थित हैं और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्श में रिजिस्ट्री है, तारीख 12-4-1985।

को प्रांभित सम्पत्ति के उपित दाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल से एसे दरममान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण मो, मौ, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाव (1) के नधीन, निरन्तिस्थित ध्यन्तिओं, अर्थात् —— ा. मैसर्स शिव शक्ति जिल्डर्स।

(श्रन्तरक)

2. मैं० ज्योति टीम वर्म्स ।

(अन्तरिती)

का वह सूचना चारी करके पृत्रोंक्तः सम्परित के अर्थन के लिय कार्ववाहियां गुरू करता हुं।

क्या सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन कि तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्होकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

इण्डस्ट्रियल गैंड नं० 159, जो पहली मंजिल, फेज नं० 3, शिव शक्ती इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एस० नं० 79, मरोल विलेज, श्राफ कुर्ला श्रन्धेरी रोड, श्रन्धेरी (पु), बम्बई--400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि क सं० श्रई-2/37ईई/19277/84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 12--4--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय, स्थम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख 9-**12-1985 मोहर प्रकृष् भार्^केटी , हुए , एक_{्न}------

नायकर नियमित्रन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नमीन समना

ब्रास्ट बर्डकड

कार्याजन, तहारफ बायकर बार्यक (निर्दाक्षक)

ग्रर्जन रेंज~3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई- $\cdot 2/37$ ईई $/19278/84 \cdot \cdot 85 \cdot - \cdot$ श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

भावकर जीभीतयमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् (उनके विभिन्नयमं कहा नया हैं) की भारा 269-च के बभीन संस्था प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थातिक, जिसका उचित वासार मुख्य

1,09,000/- स. सं मधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं 2, इमारत नं 17, अन्धेरी (पु), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से विणित है), और जिसेना अरारनामा आयागर प्रधितियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षमें प्राधिकारी के कार्याजय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 12-4-1985

को पुनिक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के काममान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण हैं कि यथापुन का सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिकास से, एसे काक्मान प्रतिकास का पल्ला प्रतिकास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तय पाया बया प्रतिकास, निम्मीसिक्त उद्वोध से उपत अन्तरण सिवित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया नवा है है—

- (क) व्यक्तरण वे हुन्द्र विकास नाम की वायत , उपल विधानियन के ब्रुधीन कर दोने के बन्तरफ के व्यक्तियल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; वरिश्रीया
- ्य) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन-कर विकास या या पिना जानी पासिए था, जिनाने में जुनिभा के बिया:

श्रदः क्षत्रं, उक्त क्षिपित्यमं की धारा 269-व के अनुसरण कें , उक्त क्षिपित्यमं की धारा 269-व की उपधारा (1) वृक्षिपित्र विकास क्षिपित्र क्षित्रकों अव्यक्ति कर् 1. मैसर्स दोंमह ऐसोसिएटम।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स जी० ग्रार० इंजीनियरिंग वर्कस प्राइवेट लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह बुचना भारी अरके पृत्रोंक्त संपरित के अर्थन के किस् कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र र---

- (क) इस सूचना से राज्यन में अक्तान् की वाहींस के 46 किन नहीं अध्यक्ति या उरहरूपानी व्यक्तियां के दिस्त की अधिक को भी सूचना की वासीस से 30 विस की असिंग, को भीत पूर्वों का क्ष्मीयां में से सिंगत को विस्ती व्यक्ति सूचारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किश्वी बन्य व्यक्ति इवाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थाकतीकरण: ---इसमें प्रमुक्त कर्जा और वहां का जो उक्त विभिनित्रण के अभ्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विद्या गया है।

नप संची

फ्लैंट नं० 2, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 17, एस० नं० 57, महााली केव्हज रोड, अन्धेरी (पू), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई 2/37ईई $\left|19278\right|8$ 4 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहरः

अक्ष्य भाष्टं ेडी. एन. एस्------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

भारत करकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2 बम्बई,

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० श्रई--2/37ईई/19282/84-85--श्रतः मुझें, प्रशांत राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिक्षप्रती को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पर्लंट नं 104, श्री णिक्त ग्रपार्टमेंट, मरोल, वम्बई~59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधिनियम, की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 12~4~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाउनेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नसिखत उद्विष्य से उक्त बन्तरण निचित्त में शास्तिक कप से किथित नहीं किया नया है

- (क) मन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबल, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्त में कभी करने वा उसके नचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या किसी ब्रास्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना वाहिए था, कियान वें जुनिया के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, सर्थात् 1. श्री शक्ति इस्टेटस ।

(मन्तरक)

2. श्री अन्दल्ला महमद शेख ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के तंत्रंभ में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 विन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकतें।

स्वाकिरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदी का, जो सक विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा. जो उस अध्याय में विशि पक्ष है।

वग्युकी

प्लैट नं 104, जो,पहली मं जिलक, श्री प्रक्ति श्रगार्टमेंटस मीलीटरी रोड, गरोल, बम्बई-400059 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं श्रई-2/37ईई/19282/84-

85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणात राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, बम्बई

तारोख: 9~12~1985

शक्त नार्दा, दी, पुन्न, पुन्न, कार्यक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तरका

कार्यासय, सहायक बायकर वाव्यत (विर्याक्षक)

श्वर्णन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देज सं० भ्राई-3/27ईई/19301/84-85---श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43), (चिसे इसके परवात् 'उन्त जिभिनियम' कहा गया हैं), आं धारा 269-च के अभीन तकस प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उजित साजार सृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रों र जिसकी संख्या गाला नं 27, सेथी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अन्धेरी (प्रु), बम्बई-93 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्राप हर अधिनियम की धारा, 269 क, खके प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-4-1985

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकत्त के निए अन्तिरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके क्यमान प्रतिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत के क्यूश्र प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के निए तब पावा गया प्रतिक क्स निम्नितिचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया ज्वा है ——

- (क) अंतरण से हुई फिलीं भाग की बाबता, उनता को अवस्था का अभीन धार बोने की जन्तरक को बाजित्य का अधिक कार्ने का उससे वसने में सुविधा के लिए; आद/या
- (स) एसी किसी बाब वा किसी भन वा बन्ध वास्तिवी को जिन्हों भारतीय वायकार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत वीधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजभार्य बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए वा, जियान में सुविवा के विश्व:

अतः तव, उन्त अभिनियम की भारा 269-व के जनुसरण को, मी, उन्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निक्तिलिक्त स्पन्तियों, जनति 1 मैसर्स काउन इंजीनियरिंग वर्कस ।

(भन्तरकः)

2. श्री भारत पोपटलाल शाह

(मन्तरिती)

3. भन्त रिती

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)।

को वह तुषना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के विष्यु कार्यनाहियां करता हुं।

उनत् राम्मित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप:---

- (क) इस त्यान के राज्यक में प्रकाशन की तारीश वे 45 विन की नवधि या तत्सविधी व्यक्तिकों वर ज्यान की बामील से 30 विन की व्यक्ति, को धी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- किसी क्या कारित इवारा वधोइस्ताकरी के बाद निवित में किए का तकी थे।

स्वक्योकर्णः----दतमें प्रयुक्त चन्द्रों जीर वर्षों का, की अवक अधिनियम, के स्थाव 20-क में परिभाषित है वही सर्व होगा जो इस प्रश्वाय में दिया गया ही।

मन्स्वी

गाला नं० 27, जो दूसरी मंजिल, सेथी इण्डस्ट्रियल इस्टेट 10/एफ, सरब रोड, श्रन्धेरी (पु), बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रन्सुची जैसा ि क सं श्र म्ह-2/37ईई/19301/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोंज-2, बम्बई

तारी : 6-12-1985

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/98309/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विन्ने इसमें इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार बृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या प्यानिट नं 118, दामजी शाम जी इण्डस्ट्रियल काम्पलेक्स, बम्बई-93 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-4-1985

करे प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के जनवान श्रीतफल के बिए बन्तरित की नई है और भूके वह विवयां करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का क्ष्य है और अंतरफ (बंदरफ) और बंदरिती (बंदरितियाँ) के बीच एसे बंदरित के निए तच पावा नदा प्रीय-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्मरण वे हुई किसी आय की नामक, क्ष्यल विभिन्नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के व्यक्तिक में कमी करने या उत्तते वस्ते में सुविधा के हैं लड़; बॉर/या
- (क) श्री किसी बाय ना किसी धन ना जम्म वास्तिनी खो, चिन्हों बारतीय नायकार विधीननम्, 1922 (1922 का 11) या उसता अधिनिनम् ना धनकर अधिनिनम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरिदी द्वार प्रकट नहीं किना नया था या किना नाना नाहिए था, कियाने में सविधा के किए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की अनुसद्भा मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 24—406 GI/85

- 1 मैसर्स एस० पी० सन्स इण्डस्ट्रिज
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्री डी० के० ट्रस सर्विसिस

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4.

की बहु स्थना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन को विक् कार्यवाहियां करता हों!

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विष की अभिष या तत्स्य अभि व्यक्तियां पर अपन की सामीज से 30 विन की अविभि, को भी अविध वास में समाप्त होती हों, के भीतर एको जन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डिक्ट वस्था किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के स्था निवित में किए का सकीये।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विविवय, के वध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है ।

मनुसूधी

युनिट नं 118, जो पहली मंजिल, दामजी शामजी इण्डस्ट्रियल काम्पलेक्स, प्लाट नं 28, महल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केवज रोड, श्रन्धेरी (पु), वम्बई-400093 में स्थित है।

श्रम्भूनी जैसा कि क॰ सं॰ श्रई-2/37ईई/19309/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्नायूक्त (निरीक्षण), भर्जन रोंज--2, बम्बई

सारीखाः 5~12~1985.

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-क के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985
निर्देश सं० 2/37ईई/19339/84-85-- श्रतः मृझ,
प्रशांत राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रहा से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2, बिल्डिंग प्रपार्टमेंट, प्रन्धेरी (पु), बम्बई-93 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से टिंगत है), ग्रौर जिसवा तरारनामा ग्रायार प्रिधितियम की धरा, 269 न, ख के श्रधीन रक्षम प्राधितारी के शायीलय, बम्बई में रिजरट्री है, तारीख 16-4-1985

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबता, जन्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ध) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाष (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. मैसर्स प्रबोड बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुबेदार महमद।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाव में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया ही।

धनुसूची

पलैंट नं० 2, जो, बिलिंकज अपार्टमट, एस० नं० 82, एस० नं० 12, सी० टी० एस० नं० 572, महाकाली रोड, अन्धेरी (पु), बम्बई-400093 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कम सं० अई--2/37ईई/19339/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 16-4-1985 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रोज- 2,बम्बई

तारीख: 6-12-1985

मोहर 🛫

प्रसम् नाहुँ डी_ट पुन्_य पुन्_{य-}-----

बायकर वृधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रधीन सुवना

नारत संस्काउ

कार्यास्य, बहारक शावकत् वास्त्रकः (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई,, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

मिदेज सं० आई--2/37ईई/19340/84~85----ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्मित, जिसका उपित बाबार मृज्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी संख्या शाप नं० 2, विलकीस अपार्टमेंट, अन्धेरी (पु), बम्बई--93 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूवी में और पूर्ण रूप से घणित है), और जिसका वरारनामा आयगर अधिनियम की धारा, 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 16-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित नाकार मूस्य से कम के द्रायमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह निष्यास करने का कारण है कि यभाप्नॉक्त सम्पत्ति का उचित नावार मूस्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्रदेश से उच्ते अन्तरण लिखित में नास्त्रिक रूप में किंग्स नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाम की बाबत, उक्त विधिन्दम के सुधीय कर, दोने के वंदारक के दावित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्ही भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

जराः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- 1. मैसर्स धवोष्ट बिल्डर्स।

(भन्तरक)

2. श्री सूभेदार ग्रहमद।

(भ्रन्तरिती)

को वह ब्यवा बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के भवन के लिए कार्यवाहियां युक्त करता हूं।

जनव राम्पील को बर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कर्य में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यूभ किसी व्यक्ति प्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अ उल्लेकिएण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अ उल्लेकिए के किया के अध्याय के प्रयास के प्रय

भ्रमुसूची

शॉप नं० 2, जो तल मंशिल, बिलकील श्रपार्टमेंटस, महा जली व्हज रोड, श्रव्धेरी (पु), बम्बई 400093 में स्थित है।

अनुसूची जैना ि ऋ० सं० अई० -2/37ईई/19430/84-85 और जो सक्षम प्राधि गरी, बस्अई द्वारा दिनां है 16--4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंजे⊣2, बम्ब**ई**

तारीख ' 9-12-1985 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांज 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/19431/84-85 --- प्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और तिसकी संख्या गाला नं 207, प्लोनेट इण्डस्ट्रियल इस्टेट बम्बई •57 में स्थित है (और इन्से उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और विस्ता प्रारक्षमा आयहर अधिनियम की धारा, 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिहारी के जायतिय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 12-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजा रमूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिवात से अधिद है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधितु :— 1. श्री रमनभाई राजभाई मिस्त्री

(भ्रन्तरक)

2 मैंसर्स बीर रबर प्रोडफ्टन प्राइवेट लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के प्रास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंग। जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

गाला नं० 207, जो प्लानेट इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सुभाष रोड, विले पार्ले (पु), बम्बई-400057 में स्थित है।

भ्रमुस्त्री जैसा ि क० सं० हई-2/37ईई/19431/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांड 12--4-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

प्रशांत राष, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 6--12--1985

प्ररूप आर्थ. छी. एन. एस. -----

आयकर जाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्य रेंज--2, बम्बर्ध

बम्बई, दिनाँ उ 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ऋ।ई--2/37ईई/19358/84--85'----ऋतः मुक्ते, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या ए- 39, गीरी राज इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अन्धेरी (पु), बमबई-93 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसवा अरारतामा आयार अधितियम की धारा, 269 क, ख के अधीर, सझन प्राधिकारों के आर्यालय, बमबई में रिजस्ट्री है, तारीख 17-4-1985

की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इति-कस, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण निचित में बास्तिविक हुए से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधर के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:--

1. शाह पदमशी मदन।

(अन्तरक्)

श्री नजीत देवशी हरीया,
 श्री अश्विन केशव जी हरीया,
 श्री शशी जान्त हेमराज हरीया,
 श्री मनोत्र चन्द्रलाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए काय्वाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्परित में हित्रदूध किसी अन्य व्याप्त द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के गान सिंखित में कि पंजा सकीं।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्स अधिनियम, के अध्याद 20 के के परिभावित है, वहीं अथ होगा जो उस अध्याय में दिया गका है।

मनुसुची

यूनिट नं० 39, जो ए ब्लाङ, गीरीराज इण्डस्ट्रियल इस्टेट, महाझली केव्हज रोड, अध्येरी (पु), वस्त्रध्र-400093 में स्थित है।

> प्रणांत, राय, ं'क्षम प्राधिकारी, सहायकं आयक्र प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोजेस2, बम्ब**ई**

ताीख 6→12→1**98**5 मोहर प्ररूप आइ'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

सं **गई**-2/37ईई/19371/84-85 - ग्रतः मुझे, प्रशात राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके पश्चाए 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ब्लाग नं 17, गीरीराज अपार्टमेंट, अन्धेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है), और जिसका करार-नामा आयगर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राविकारी के कार्यातय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 17-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य, आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 1. श्री गीरीराज अन्स्ट्रक्शन को०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती यशोदा रमेश धनवत

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

ब्लाक नं० 17, जा गाराराज अपार्टमेंटर्ष, प्लाट नं० 176/1 (पार्ट), कीडीबीटा विलेज, बदम वाडी के पास, अन्धेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/19371/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

प्रकार बाह् . टी. एह एस .------

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-क (1) के अधीन स्वना

भारत चत्रकाह

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसभी इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की. यह विश्वास व्हरने का कर्ण्य कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य,

1,⊌0,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या ब्वाग नं 18, गीरी राज अपार्टमेंट अन्धेरी (पु), बम्बई 59 में स्थित है और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिल्ला करारतामा आयकर अधितियम की धारा 269 क, ख के अधीत, सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 17-4-1985

को प्वोंनित सम्मिति के उभित नाभार मृत्य से अस के दश्यमान श्रीतफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि ग्रथाप्यॉन्त संपत्ति का उभित अप्राप्य मृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरफ (मंतरका) और अंतरिती (जन्दरितियों) के बीथ एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया पिट-क्या निम्निवित उद्देश्य से उन्त बन्दुर्स् विविक में बाक्तिक स्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी थाय की वावतः, उक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के ज़बित्व में कभी करने या उसते वचने में स्वीवधा श्रीलए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाब या किसी धन या बस्त आस्तियाँ काँ, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिल्हा में मुक्तिला के सिए;

लतः अध, उक्त विधिनियन की पारा 269-ग की अनुसरण में, में अक्ट विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, विधनिविधन स्विधनामें, क्यांत् 1. श्री गोरो 🖂 अन्स्ट्रक्या को०

(अन्तर्धः)

2 श्री वाजीराण नाबूराच धनचत

(श्रन्तरितीः)

3. অপ্রেই /

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

ग्रन्तरः

वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रुओइस्ताक्षरी जानता **है** कि <mark>वह</mark> अस्पत्ति में हितबद्ध **है**) ।

कारे यह अभाना जान्दी का इके शमीकत संगरित की अवस्थि की सिक् अवशेषारीहरू अवस्था आहे!

वक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ' भी वाक्षेप 🖛

- (क) एस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या उत्तरकारी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, अरे भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत र प्रविक्त व्यक्ति की की किया है।
- (म) इस त्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के गीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्यारा व्योहस्ताक्षरी के पास लिशिश में किए जा सकेंगे।

स्थानकरणः ---इसमें अध्वतः श्रेत्रा श्रीर पटौं का, वो स्थान विभिन्यम वो अध्याय 20-क में परिभाषिक है, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है!

अन्स्ची

बता 5 नं ० 18, जो भीरीशाज प्रापार्टमेंट, प्लाट नं ० 176 (1) (पार्ट, कोंडो बीटा लिलेज, ात्रमवाडी के पास, प्रन्धेरी (प्), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुधुको जैता कि कि कि शृह पृष्ट -2/37 है। 19372/84-85 और तो जनम जाबि गरी, वस्क द्वारा विनांक 17-4-1985 को रिक्टर्ड स्थि।

प्रशांत राय, तक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-2, **बस्बई**

तारीख 5-12-1985 मीहर प्ररूप आहूं.टी.एन. एस.-----

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्रण)

ध्रजैन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

सं० अई-2/37ईई/19399/84-85--- अत मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० एफ-6, नन्द धाम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण कर से वर्णित है), और जिन्नका करारतामा ग्रायकर प्रधितियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यातय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख

17-4-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का काश्ण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत सब्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंवत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दािश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रो पोषट लाल राजपार शाह

(श्रन्तरङ्)

2. मैसर्स उषा प्लास्टिक्स

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती

वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग (में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्दंभ किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में बिश्र जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो अन्त है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

भन्स्ची

यूनिट नं० एफ न6, जो नन्द धाग इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मरोल मरोणी रोड, श्रन्धेरी (पु०), वम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37ईई/19399/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-4-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> प्रणांत राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेंज⊷2, बस्ब**ई**

तारीख · 6-12-1985 मो**हर**ः प्रकल कार्य हु हाँ , एक , प्रकाल कार कार कार

नायकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की पाउ 269-म (1) के नथीन सूचना

तारव चहुन्यप

कार्यालय, सहायक बायकर बाबुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनां ह 6 दिसम्बर, 1985

सं० **अहै-2/37ईई/19400/84-85**'~-श्रतः मुझे, प्रशांत राय-

शायकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) शिवरं इसनें इसके परवात् 'उन्त निभिन्नियम' कहा नवा हु"), की बारा 2'69-च के नधीन संसाम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्वावर सम्बन्धि, जिसका उचित बाखार कृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं एफ-7, नंद इण्डस्ट्रियल इस्टेट, प्रन्धेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा प्रायक्तर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिकस्ट्री है, तारीख 17-4-1985।

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के बहैचत बाजार बृस्य से कम के स्वयंत्राल प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कार्यक है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्वयंत्रक प्रतिकल से, एते क्ष्म्यवाय प्रतिकल के क्ष्म्य प्रतिकल से का अधिक है है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिसी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निज्निसिस्त उद्वोध्य से उक्त अन्तरण किस्ति में बास्तविक रूप से क्ष्मित नहीं थिया गया है है

- (क) अन्तरण वें शुर्व कियी नाम की वावस , उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीवरण में क्यी करणे ना उत्तरे वचने में त्विधा के सिए गौर/वा
- (स) एंसी किनी क्षत्र का किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वाध प्रकट नहीं किया नवा वा या किया जाना वाहिए था किया वे स्विधा वे सिक्;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, मीं उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :— 25—406 GI/85 1. १ दे आर्थिन सुमार पोपट लाल गाह

(ब्रन्त रक)

मैसर्स उषा व्लास्टिक्स।

(श्रन्तरिती)

भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को बहु सुधना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के शिष् कार्वनिद्विशं कुरू करका हूं।

उक्त सन्दरित के सर्वाद के तंत्रीय में कोई भी नाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वीतक व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंछ। स्वृथ किसी बन्य स्थावत वृथास स्थाहरताकारी के शक्ष विकास में किए वा ककेंने।

स्वयद्भीकरण — इत्तर्गे प्रकृष्ठ सन्तर्गे और पद्मों का, जो जनत विधिनवन के वध्माव 20-क में पीरभाषित हैं, नहीं वर्ष होगा, वो उस वध्माय में विधा नवा हैं।

अनुसूची

यूनिट नं ० एफ 7, जो नन्द धाम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैया कि कि० सं० श्रई-2/37ईई/19400/84-85 और जो यक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनों : 18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेज-2, बस्बई

तारीख ' 6--12--1985

मोहर '

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

ारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयंकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 5 दिसम्बर, 1985

सं० प्रश्न-2/37ईई/19407/84-85'---प्रतः मुझे, प्रणांत राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका जित्त बाजार मृल्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी संख्या पर्लंट नं 10, इमारत नं 2, भवानी नगर, बम्बई 59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है), और जिसका करारतामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन, सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वों जत सम्पत्ति को उचित बाजार मृख्य से कम के दरयमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई हैं और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दरयमान प्रतिकल से एसे दरयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (अन्तिरित्तियों) के बीच एसे बन्तरण को सिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधि-विषय के सभीन कर दोने से अंतरक के खबित्व औं सभी करने या उससे बचने में अविधा के बिर् बीर/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या कत्य जास्सियों की, जिन्हें बारतीय बावकर बिचिन्यम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बीचिन्यम, या धन-कर बिचिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट वहीं किया सवा का या किया बाना बाहिए था, जियाने में सुविधा का निए।

नशः जन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री रनजीत कुमार चम्पालाल।

(भ्रन्तरक)

2 श्री रबी प्रकाश श्रीचास्तच।

(अन्तरिती)

3. श्री दीपक बिल्ध्सं प्रायवेट लिमिटेड

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिमोग

में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सस्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ::---

- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाईस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त सन्धां और पदों का, जो उक्त जीपनियम के अभाय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होगा, जो उस सभ्याद में विक नवा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 10, जो, दूसरी मंजिल, इमारत नं० 2, प्लाट नं० 11, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोष्ट, श्रन्धेरी (पु), बस्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई--2/37ईई/19407/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-4--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

तारीख ' 5-12-1985 मोहर:

प्रकथ वार्ड . स्त . एस . -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभा

भारत तरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/19408/84--85--- स्रतः मुझे प्रशांत राय

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 18, भीवानी नगर, अन्धेरी (पु बम्बई-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के 'क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नहीं ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही

कि यथा पूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और वंतर्द्रक (वंतरका) और वंतरिती (वंतरितियाँ) के शिष एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित मही किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अयः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गीरधरीलाल कुरील।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्फ्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ज्ये भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताकारी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैटनं ० 18, जो चौथी मंजिल, इमारत नं ० 4, फ्लेटनं ० 13, भवानी नगर, भरोल नरोशी रोड श्रन्धेरी (पु), बम्बई- 400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/19408/84-85 घोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राये सक्षम प्राधिकारी हायक भ्रययक्षर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बाई

तारीख: 5-12-1985

म्भेहर :

धक्य बाही_{र दील} एव*ं एवं न सर----*

माधकत निर्मातियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) वे ग्रेपीन स्थाना

मार्क बहुना है

कार्णतय, सहायक आयकर आयुक्त (दिर्शकिक) ग्रजन रोज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/19409/84-85—-मतः मुक्षे, प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं ते अधीन साम प्राधितारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्रात , जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/-छ से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, भवानी नगर, श्रन्धेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारी के वार्यालय, बम्बई वें रजिस्ट्री है,तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्मरित के जीवत बाबार बृज्य से क्षम के अस्त्रमान प्रतिकास के निए अंतरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्मरित के जीवत बाबार बृज्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एकि गांग प्रतिकास का बज्जह प्रतिसत से विधक ही नीर बंत के (बं्रक्कें) बीर बंदरिकी (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक से किए स्थ पाया बचा प्रतिकास, निम्मतिबित के किन से सम्बद्ध बन्यदन विविद्ध में पास्त्रविक रूप से स्थित सही विकार क्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कारने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :-- (1) विपक बिल्बसंप्राइबेट लिमिटेंड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोरीस क्वाड्रास।

(भन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पुर्धोक्त संपरित के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति है वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप---

- (क) इत सूचना के राधपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की शबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताथीस से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्षि बाद में र ग्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी म्यकि द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

वपस्ची

प्लैट नं० 5, जो पहली मंजिल, इमारत न० 4, प्लाट नं० 9, भवानी नगर, मरोसी गरोध, रोड, धन्धेरी (पु) बम्बई 400059 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि क० सं० भई-2/37-ईई/19409/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 18-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रगांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 5-12-1985

प्रकृत कार्य है और एम्स एस/-----

जासकर जीवित्रियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बाबन,, तहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० प्राई-2/37-ईई/19410/84-85--- प्रत: मुझे, प्रशांत राय

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 2, भवानी नगर, श्रन्धेरी (पू), वम्बई-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप सेविंगत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम

की धारा 269 क. ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,

बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित। की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से ऐसे क्षयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्तियों के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्तियों के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्तियां के बीचा तहीं किया गया है हिल्म

- (क) अन्तरण से सूद्र किसी आय की वाबत, उसत निवम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे किए॥

जतः तथः, उन्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मं, उन्त जिथिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तीलियत व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) महेश टी० लाड और जासुबेन टी० लाड। (भ्रन्तरितीं)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म क्यकित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो तल मंजिल, इमारत नं० 2, प्लाट नं० 9, भवानी नगर, मरोल मरोगी, रोड, अन्धेरी (पु), बग्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसुची जैस कि कि कि सं० श्रई-2/37-ईई/19410/84~ 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-85 को रजिस्टर्ड किय गय ईय।

> प्रगांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**व**: 5-12-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन त्मना

भारत तरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 विसम्बर, 1985

निर्देश सं० ऋई-2/37ईई/19419/84-85-- अतः मुझे प्रशास राय

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं गोला नं 10, विशाल अपार्टणट, अन्धेरी (पु), बम्बई 60 में स्थित है (श्रौर इसके उपाबक श्रनूसुची में भौर पूर्ण रूत से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 260 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 18-4-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (का) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के स्थित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिभा के लिए।

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनायों, अर्थात :-- (1) श्री सूजन सिंह

(श्रन्तरक)

(2) विशाल पेपर मार्ट

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (त) इस सूचना के राजप्रत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दियाई गया है।

नन्स्ची

गाला नं । 10, जो विशाल अपार्टमेंट, विशाल शापिंग सेन्टर एम० वी० रोड, अन्धेरी (पु), बम्बई 400060 में स्थित है। अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/19419/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर म्रायुक्त (नरीक्षण) श्रर्जनरोंज-2, बम्बई

तारीख: 6-12-1985

प्रकृषाई. धी. एन. एस. -----

कावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीत स्वात

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयंकर बायुक्त (निरक्षिक)

ग्रर्जन रोज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985 निदश सं० श्रई-2/37ईई/19425/84~85→-श्रतः मुझे प्रशांत राय

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवा इसमें इसके पश्चात् 'उन्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिट वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं शाप नं ० ए० यशोधन जोशी निवास, विले पार्ले, (पु), बम्बई-57 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध-नियम की धारा 269 के खं के श्रीत सक्षम श्राधि गरी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सरकान् प्रितिक के लिए जंतरित की गई है , और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार सस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्नंह प्रतिकत से विश्वक ही जीर वंतरिक (वंतर्कों) और वंतरिती (वंतिरितियों) के बीच एसे जंतरण के सिए तम पाम नवा प्रति-क्त निम्मतिविक उद्वरिय से जकत बंतरण सिविक में गस्त-विक कप से कथित महाँ किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयंथ के अधीन कर दोने के संतरक की वादित्व के अभी करने ना उक्कमें क्याने के स्विका क गंत्रण: कॉर/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें शास्तीय अवकार अधिनियम, 1925 (1922 का 11) या अवण अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें अवाजनाओं अंतिरिती दकारा एकाट नहीं किया गरे। बा या किया आमा वाहिए था, खिपाने में सुविधा वै विष्:

बत:, जब, उप्तत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भ्रें सक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) में क्षणीन, निस्निजिधित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैंसर्स नीप्रा एसोसिएटस

(भन्तरक)

(2) मैसर्स दिन्या सेल्स एजेन्सी

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षत के भिर् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के धर्जन के धम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हिन्न

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास किसिक्त में किए का सकेंगे।

स्यक्किक्क :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों अहि प्रदों का, को उनके विभिन्नियम के कंध्यार 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्यास में दिवा नवा है

BANKET

शाप नं ० ए, जो तल मंजिल, यथोधन (जोशी निवास), मलाबीया रोड, विले पार्ले (पु), बम्बई 400057 में स्थित है। श्रनसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-2/37—ईई/19425/84— 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18--4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय शक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-2, बम्बई

विनांक: 5-12-1985

नीहर

प्रारूप बाई.टी.एत.एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, अम्बई अम्बई, विनांक 5 विसम्बर, 1985 अतः मुझे, निदश सं० श्रई-2/37ईई19433/84-85 प्रशांत राय

शायकर शिशीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- एउ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव्पलैंट नव 101, निर्मन विहार, श्रन्थेरी (पु) बम्बई 93 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 ा, ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वे कित सम्परित के उचित्र वाजार मृत्य से अप के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित के अधिक है और अन्तरिक के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्मिणिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से क्षियत महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किती आय की, वाबत, छक्त अधिनियम के अधीन कर येने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने या उससे वजने में तृत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियाँ को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधः केलिए;

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन, विस्तिषित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स निर्मन कनस्ट्रक्शन्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ताराचन्दपी० सेथीया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सञ्यक्ति के वर्णन के सिद् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त तल्पींत के वर्षन के इंबंध में कोई भी वालेप :---

- (क) इस सूचना को राजवन में प्रकासन की तारीच चै 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की दारींचा से 45 दिन के शीवर सम्बद्ध स्मान्य वैपोत्त से विद्यालय मिली अन्य कारित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किय का सकरी।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही:

भनुसुची

फ्लैंटन॰ 101, जो पहली मंजिल, निर्मन विहार, बी विग पम्प हाउस, राजमाता जी जाबाई रोड, ग्रन्धेरी, (पु), बम्बई 400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-2/37-ईई/19433/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां । 18-4-85 को रजिस्टई िया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायकं श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रोज-2, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

प्ररूप बाह्र टि.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक कार्यकर कार्यक्त (निरीक्तण,

अर्जन रोज-2. **बम्ब**ई

बम्बई, दिलांक: 5 दित्रमबर, 1985

निर्देश सं • भई-2/37ईई/19434/84-85-अतः मुझे, प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

घौर ित्सकी सं० पर्लंट तं ० 12, बामनापूरी रोड, अन्धेरी (पु), सम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इस्ते - उपाबत श्रनुसूकी में और पूर्ण क्ष्म के बिणत है) और जिल्ला करारनामा आयेकर अधिनियम की धारा 269 ा, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के जायलिय; सम्बई में रिलस्ट्री है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यक्षान मितफल के लिए अन्तरित की गई और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच होसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योष्य से उच्छ अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथिश नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरभ से हुड़ी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरण की दायिएन में अभी करने वा उससे बचने में समिधा के निरुष्ट और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया द्वा धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तिष्धा की निए;

अक्ष: अब,, उबत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुबरण में,, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 26---406 GI/\$5 (1) मैसर्स पारीक नाज बिल्डसं

(भन्तरकः)

(2) श्री कलारकल मठाई जोसेफ

(भन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक

(बह न्यनित जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना धारी करके पृथानित कम्परित के वर्जन के न्हर कार्यवाहियां सूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अप्रीध या तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर क्वत की तामील से 30 दिन की अवधि, खों भी बंबी बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सृचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-यव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोक्ष्रताक्षरों के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत बिध-मियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, दहीं अर्थ होगा, जो जस सध्याय में दिया गया है।

अनुभूषी

मलैंट नं∘ 12, को दूसरी मंकिल, एस॰ नं∘ 45/13, **बॉबी** वीटा, बामनपूरी रांख, अन्धेरी (पू), बम्बई 400059 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/19434/84-85 घोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-85 को रजिस्टबे किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राप्तिकारी सहामक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, सम्बर्ट

वारीख: 5-12-1985

मोक्ट ः

प्रस्प आर्ड्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार .

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/1944.0/84-85-ग्रतः मुझै, प्रशांत राय,

बायकर बिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्मसि, विसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 207, प्लाट ईडस्ट्रियल इस्टेट विले पार्ले (पु), बम्बई-57 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिसका उरारनामा श्रायकर श्रीधिनयम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय बम्बई में रिजस्टी है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह िष्ट्याझ करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार जूम्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे शस्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य वे सम्मिश्व स्था से किश्वत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी धन या अल्यू आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया वा सा किसा जाना जाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के लिए:

जत: अध, उक्त जिंधिनियम की धारा 269-ग के जन्तरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) बीर रबर प्रोडक्टस प्रायवेट लिमिटेड्

(भ्रन्तरक)

(2) वी०जी०भाय० फाउम्डेशन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यनाहिन करता है।

जनत सम्मत्ति के वर्णन के सम्मन्भ में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राधपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की ब्र्मी, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विश्ववृध्ध किसी जन्म स्थावित द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पाई तिवित में किए जा सकों हो।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयक्त सन्दों और पदों का, जो सक्त अभिनियम के अध्याद 20-क में पीरमाणिक ही, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याद में विका सवा है।

अनुसूची

माला नं० 207, जो प्लानेट इंडस्ट्रियल इस्टेट. सुभाव रोड, विसे पार्ले (पु), इस्टाई 400057 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसा विः क० सं० अई-2/37-ईई/19440/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय मक्षम प्राप्तिकारी अहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बई

सारीख: 9-12-85

प्ररूप बार्ड : टी., एन्., एक्.,-------

बायंकर बीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्त्र , सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिक)

श्चर्णन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/19478/84—85—झतः मुझे, प्रशांत राय

नायकाः निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका स्वित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं कम्पार्टमें वं 115, प्लाट नं 9, मरील को क्यांचा है हैं स्ट्रयल इस्टेंट लिमिटेड अध्येरी (पू), बम्बई-59 में स्थित है और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है भीर जिस का क्रारनामा श्राय कर श्रीधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम शाधि कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है सारीख 20-4-1985

करे पूर्वी अप सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रशिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की शायत, उक्त अधिनियंश को अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे अपने में सुनिधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिये था, स्थिपाने जे स्थिभा औं किए;

कतः अत्र, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के वभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वधित :--- (1) मैंसर्स डी॰ पारीख इंजीनियरिंग वर्कस ।

(ग्रन्तरक)

(2) भैंसर्स राजपाल प्लास्टिक इंडस्ट्रिज

(भन्तरिती)

को मह स्थाना आरी करके पूर्वीवत संस्पत्ति के वर्षन के निष्
कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की सबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवीध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सक्षेत्रे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

कम्पार्टमेंट नं । 115, जो प्लाट नं 9, मरोल को आप । इंडस्ट्रियल इस्टेंट लिमिटेड, माथूरदास विसानजी रोड, साकी नाका, श्रन्धेरी (दु), बम्बई 400059 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-2/37-ईई/19478/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-4-85 को रजिस्टडं किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-2 बम्बई

-तारी**यां** : 9--12-1985

त्रक्य मार्घ क डॉ.s धन s एस , -----

भारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के सधीन सूत्रमा

मार्व सङ्ख्या

सार्याचन . बहानक मार्कर नामुक्त (विक्रीकर्ण)

प्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985 निधम सं भई-2/37ईई/19493/84-85--भवः मुझे, प्रशांत राम

बायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) (तिसे इसमें इसके परवात: 'उथत निधीनमन' कहा गमा हैं), की भारा 269-क के निधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्पीत निस्तक उचित बाबार मुख्य 1,00000/-क. से निधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० जे-130, स्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-72 में स्थित है (स्रीर इसस जपाबद सनुसूची में स्रीर पूर्ण स्प से विणित है) स्रीर जिल्हका करारनामा स्रायकर अधिनियम की झारा 269 के, ख के संधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 19-4-1985

की पूर्वोक्य संपत्ति के उभित काजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह निक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्छ सम्मित का उचित बाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह त्रतिकृत से अधिक है और जंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंब-रण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण निचित में वास्तियक इन से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई निकी नाम की भाकत, उत्तः किंकिमियम से अभीन कर दोने के अन्तरक के दक्षित्रस्थ में कभी फरने ना उत्तर्श कफने भी सुविध। अक्षित्र, और/का
- (क) इसी किसी आक या किसी धन या कन्य कारितयों की, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, कियाने के सुविधा की सिए;

नतः भवः, उपत विभिनियमं की धारा 269-न से मन्तरण हो, मी, उपत निधिनियमं की धारा 269-म की स्थारा (∤) के प्रधीन, निम्नीसचित व्यक्तिमों, नर्थात् :--- (1) मैयसं पंदाबिल्डर्स।

(धन्तरक)

(2) सलालवादवीम इस्माइक सान ।

(क्रक्तिरही)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के वर्णन के सिद् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्ति :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अदिश वा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में सङ्गप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त स्वत्तियों में से किसी अविद्य दुवारा;
- (का) इस मुक्ता क राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवहथ किसी बन्म व्यक्ति क्षारा कथाहरताक्षरी के पात निश्चित में निश्च का सकीं ।

स्थादीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पद: का, जो जिल्ह निधित्तिम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

सभ्यूषी

वृत्तिद्ध तं • जे-13 •, भो भह्ली विश्वत, श्रंक्षा इंश्विस्ट्रियम इस्टेट, साकी, विहार रोड, साकी नाका, बम्बई 400072 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि० सं० भई-2/37-ईई/19493/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-198\$ को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक सामकर स्नायूक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, वस्बर्ड

दारीच: 5-12-198€

मक्य बाहें दी एन एस : ------

कृतकार जीभीयवय, 1961 (1961 का 43) की याका 289-क (1) के मुधीन धूका

भारत सरकार

कार्याचय बद्धायक मायकर नायुक्त (निरौक्षण)

भर्जन रेंज-2, यम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्वेश सं० मई-2/37ईई/19494/84-85-मतः मुझे प्रशांत राम

बायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (सिंधे इसमें । संके न्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-% के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर तम्परित, जिसका उधित वाकार मृस्य 1,00.300/- रा. से अधिक हैं

भौर जिल्लाकी सं यूनिट नं के-10, श्रंसा इंश्वस्ट्रियल इस्टेट. सम्बर्ध-72 में स्थित है (भौर इससे उपावड श्रनुसूचा में भौर पूर्ण रूप से विणित है (भीर जिसका करारनामा सामकर भीध-नियम की धारा 269 के, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य सम्बर्ध में रिजिस्ट्री है तारीख 19-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिकल के सिए अंतरित की नद्दें हैं और मुम्ने यह विश्वाद करने का कारण हैं कि सजाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का क्ष्मह प्रतिकृत से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्त-रिती (उन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब श्रवा भवा प्रतिकृत निम्निसिंग उद्देशक से उक्त अन्तरण मिकित में कस्तरिक स्प ने क्षित सही किया बना है है—

- (क) मन्तर्रम सं शुद्ध किसी भाग की गामत जनत अधिनियम ने मधीना कर दोने के अन्तरक को गामिरव में क्सी करने या उक्से गचने मो सुनिया के लिए, धौर/शा
- (व) एसी किसी जाम मा धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निर्मित्रम, अस्व-अस् विश्विनयम, अस्व-अस् विश्विनयम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ, जंतरिती स्वाय प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना थाहिए था. छिपाने में स्विका की जिन्हा

अतः नव, उपत अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण मो, मो, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निभ्नतिषित्त स्यक्तियों, अधीत्:—— (1) मैद्रसे अंदाधिलक्ष्मे ।

(भन्तरक)

(2) मैससं श्रीनियास इंजीनियरिंग ।

(भन्तरिक्री).

स्त्री यह श्रृजना जारी कारके पृक्षीनत सम्मत्ति के अर्थन के सिष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बन्द बन्दरिय के बर्जन से सम्बन्ध में सोई ही बासके:--

- (क) इस सूज्य, ते राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जनिष्ठ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षीय नाम में समान्य होती हो, के बीवर पृष्टिक व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति बुवाराह
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में दिश्यवृत्य किसी अन्य स्थीनत इनास मुभोद्दस्ताक्षरी के बाद किसित में किए जा सकेंगे।

न्यकाविकरण:---इससे प्रयंक्त कार्यों और पर्यों का, को स्वक्त निवस्त क सभाय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मधा हैं।

अनुस्ची

पुनिट नं के-10, जो तल भंजिल, श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी विहार रोड, साकी नाजा, बम्बई 400072 में स्थित है। श्रनुसूची जैंडा ि क० सं० भई-2/37-ईई/19494/84-85 और जो सक्षप प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-85 को रजिस्ट के किया गया है।

प्रशति राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायुवत (निरीक्षण) प्रार्थन रोज-2, वसम्ह

वारीब : 3-12-1985

भोहर:

प्रकृप बाहुर, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) वो वधीन सुवना

भारत सरकार

फार्यांतम, सहायक शायकर वायक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं ० अई-2/37ईई/19498/84-85-अतः मुखे, प्रशांत राय

कायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिलक सं० प्लैट नं० 6, इमारत नं० 4, शेर ए-पंजाब, दम्बई 93 में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद अनुतूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर मिधिनियम की घारा 269 ज, ख ने ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्याकय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 20-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से का वे दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारत की गर्ब हो और मूक्त यह विद्यास करने का कारण ही कि मधापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का गंदह प्रतिकात से लिथक है और लंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकाल, निम्नतिस्थित उद्योदय से उन्त अंतरण किस्तित में बास्य-निक रूप से कथित नहीं किया गया है ह

- (क) जन्तरक सं हुवं किसी वाव की बावत उचस अधिनियम के अभीन कार दोने के जन्तरक की बायित्व मों कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए: और/मा
- (ख) ऐसी किसी वाय या किसी भन वा अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अभिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना वाहिए था, कियाने धे स्विभा के लिए;

जतः जब. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री सुभाषचन्द्र भार० मगरवाल ।

(घग्तरक)

(2) श्री मशोक्त एम० मारवाइ।

(भ्रन्दरिती)

स्त्री सङ् श्रृंचना चार्री करके थ्वानित संब्युटित के वर्षन से दैनद कार्यनाहियां करता हो।

सक्द सम्पृतिक के वर्जन के सम्बन्ध में कोई ही बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकासन की राष्ट्रीय से 45 जिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्मना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के शितर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में श्विकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क के प्रिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया। प्राही।

प्रमृस्ची

फलट नं ० ६, जो इमारत नं ० 4, शेर-ए-पंजाब को ० प्रांप ० हाउं खिनप्प्सोसायटी लिमिटेड, महाकाली केव्हज रोड, अन्धेरी (पू), बम्बई 400093 में स्थित है।

सनुसूची जैसा कि क० सं० सई-2/37-ईई/19498/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत रवा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बस्बई

तारीच : 6-12-1965

मोहरः

प्रकृप बाह्र .टी .एन .एस . ----

बाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन सुख्या

भारत सरकार

कार्बाखय, सहायक भागकर नामृक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेजिन्2, सिंहि

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निवेश सं ज मर्ड-2/37ईई/19517/84-85---- अतः मुझे, प्रशांत राय

बावकर लिधिनियम 1961 (1961 का 43) (बिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के सभीन तक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, विश्वका उचित्र वाकार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० एफ-104, श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, वस्वई-72 में स्थित हैं (श्रीर इपने उराबद श्रनुस्त्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका क्रारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के, ख के अशीन अक्षम ग्रिधिकारी के कार्यालय, सन्बई में रजिस्ट्री है तारीख 19-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्यास्त सम्पत्ति का उसित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उसत अंतरण लिखित में बालारिक क्य से दृष्टिम से उसत अंतरण लिखित में बालारिक क्य से दृष्टिम से उसत अंतरण लिखित में

- (क) अन्दारण सं शुर्ड किली आय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में कृषिया के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाव मा किसी धन वा अन्य आस्टियों को, दिन्हों भारतीय नामकर अधिनिवस 1922 दें 1922 का 11) या उनल अधिनियम, या अधिनियम के अधीन कर दोने के संवरण के शांकित्य
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों नहीं, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बन, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के बन्दरण में, में, उक्ष्य अधिनियम की वारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, रिपनिविधित साबितयों, अर्थात् :—- (1) मैससं ग्रंसा बिल्डसं

(धन्तरः)

(2) मैं उसं हाड़ी भनोमाटिक कन्ट्रोल्स

(भन्तरिती)

को बहु सूचना कारी करके पृत्रोंकत संपत्ति के अर्थन के लिए अर्थवाहियां मुक्त करता हुए।

उकत तम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभना की तामील से 30 दिन की अवधि , यो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इन्ह स्वना की प्रावपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीवर जनत स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बहुभ किसी बन्य व्यक्तित वृत्तरा अधोतृत्वाक्षरी की पास किसिस में किए जा सकीन।

स्वक्रीकरणः:—इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, को उक्त विश्वित्वयं के सभ्याय 20-क में परिभाषिण हैं, वहीं वर्ष होना की कृष अभ्याय में दिवा नया हैं।

श्रम्त्यो

यूनिट नं॰ एफ्र-104, जो पहली मंजिल, घंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी नाका, घन्धेरी (पु), बञ्चई 400072 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/19517/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा जिलेल 19-4-85 को रिकटर्ड किया गया है।

> प्रभात राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्णन रेजि-2, बस्कर्

दारीब : 5-12-1985

नोहर:

बारत सरकार

कार्यक्रम, सङ्घ्यक जायकर आध्यक (निरीक्षण)

गर्जन रेंध-2. बन्धर्ष

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं ० मई-2/37ईई/19574/84-85--- मुझे, प्रमात राय

क्षायकर गीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एसमें एसके एक्याइ 'उक्त अधिनयभ' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

धौर जिसकी सं आप नं ह. मेहूल प्रीमायसेंस, प्रन्धेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे अपावत धनुसूची में और पूर्व रूप से विजत है) भीए जिसला करारनामा भागकर अधिनियम की घं, रा 269 ल, क के अधीत-प्रभम प्राधिकादी के ार्याक्य बम्बई में रिजस्ट्री है, कारीख 19-4-1985

कों प्योंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दक्यमार प्रसिक्षण के लिए अंतरित की गई है जोर मम्से यह विश्वास इसमें का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित जाजार बृस्य, उसके रहयमान प्रतिकल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकल के स्वह प्रतिकत से विश्व है बोर बन्तरक (अन्तरकों) बाँर संतरिती (बंदरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बबा प्रतिकल, निम्नितिश्वत उद्वरिय से उकत जम्तरण सिशित् बे बास्तविक क्य से कियत नहीं किया गया है द

- (क) बन्तरण सं हुई किसी साथ की शावतं, उक्त अधिनियम के अधीन कर पोने के जन्तरक वे शावित्य में कमी करने या उससे अधने में अधिका के किए; बॉए/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्म आस्तियों की किसी आदिता जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना थाहिए था, खिपाने में सुनिधा की निए।

बतः सव, उक्त सीमीनयम की धारा 269-व के अनुसरक में, मैं, उक्त सीमीनयम की धारा 269-व की उपभाषा (1) को अभीन, निकासिबात स्पीक्तकों. अभीत्:--- (1) भी अयंत्रीलाभ फ़ुलचन्द एकोडा

(धन्तरक)

(2) भी हराकचन्द्र रामभी वोधीया भौर भी नवीनचम्द्र फुलचन्द्र पैयोष

(घन्सरिती)

को यह तुमना पारी करके पूर्वोक्छ सन्पत्ति के अर्थन के छिए। कार्यनाहियां करता हुं।

जनक सन्तरित के अर्थन में सम्बन्ध में सोई भी गाओर :---

- (क) इस स्वना के राजभन को प्रशासन की सारीस संकं 45 दिन की क्वीच वा क्रस्टस्वभी व्यक्तिका पर संचना को बाबीस सं 36 दिन की अमीय, मं भी संबंधि बाद में संसद्ध होती हो, के भीवन प्रशिक्ष व्यक्तिकों में से किसी क्यीच्य क्याच:
- (क) इस सूचका के सावच्य में प्रकासन की तारीक के 45 दिन के भीएर इस्त स्थावर सम्मास्य में । द्वार बहुध । दसी काव अस्ति द्वारा अधार स्ताकार। पास सिचित में किए का सकीय।

स्वक्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त बन्धें बीह पद्यां का, वो उपल विष्टियम के मध्याम 20 क में परिप्राधित हैं। बही वर्ष होना थी। उस मध्याय में दिया नया — होति

ATTEN

शापनं ० 7, जो महिन प्रीमायसेस को० साप० सोसायडी सिमिटेड, प्लाटनं ० 8, काण्ती नगर, शामनपुरी रोड, मन्धेरी (पू), बन्बई 4000959 में स्थित है।

चनुसूची बैसा कि कि० सं० घई-2/37-ईई/19574/84-85 घौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 29-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्तम प्रधिकारी सङ्ग्रायक प्रावकर आयुक्त, निरीक्षण अनंग रंग-2, बस्बई

सारीक: 6-12-1965

अरूप आहु⁶. टी. एन. एस. -----

जायकर क्षितियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269 ए (1) के अधीन स्वना

भारत संस्कार

कायतिय, सहायक वायकर आस्वत (निरक्षिण)

मर्जन होंग-2. बस्बई

वस्त्री, वितां । १ वितस्वर, 1985

निर्देश सं । जई-2'ा निर्देश १८४-85-अतः मुझे प्रशांत राष.

वार्णका विधिष्णमा, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात (उदत विधिष्णमा) कहा गया है), की धारा 269 के संबंधित प्रसान वर्षिणकारी को , यह निवनास करने का कारण है कि क्यांगर राज्यीत जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- का से विधिष्ण हैं

मौर निडकी सं ० प्लाट नं ० 70/71 शेर-ए-पंजाव मंधेरी (पु) व गई-93 में स्थित है (भीर इसके ज्यावह मनुसूची में मौर पूर्ण का वे विधार है और निकार स्थारतामा जाग हर मंधिनियम की धार्च 269 के उन्हें अभीर स्थाप आधिकारी के कार्यालय, वस्त्रई में रिकिसी है, सारी = 20-4-1985

की पृथ्वित संपत्ति की जांदात स्वाप्त मुल्य से कम के ख्रमान अधिपात की निरं गाला दिन की नर्क हैं और मृत्ते यह विश्वास फरने का कारण हो कि समाध्योंकत संपत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसकी देशा ताब शीतका ने, धीन हवदमान शितफल का बुल्यह शिल्या से शीवक में और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्ति किसी (अन्तिरितिकों) के कीक एमें अन्तरण के लिए तय पामा गया शीतका निर्श्वितिकित जहार केय से उस्त अन्तरण निश्चित में बालांकिक क्या में कथित नहीं किया गया है

- िक) कासरका से हाइ किसी बाय को बावत सक्त विभ-विभन्न की बचीक कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उसमें अचने की मृतिया के लिए; और/मा
- (श) एसी किश्री आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय अग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 ला 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के नियोजना कर्लाहिल सुबारा अकट नहीं किया गया वा कर किस साल करिए था, क्रियाने में स्थिश के नियह

अत: अत, तक विधित्यम की धारा 269-व क अन्सरण में, मंं, तकत विधित्यम की धारा 269-व की उपधारा (1)। के विधित व्यक्तियों, अधीत ध— 27 —406 GI/85

- (1) श्री जसपालिसह उत्सारिसह भसीन श्रीर श्रीमती मनजीत कौर चरनजीत सिंह भसीन (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स धरकूल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हित- क्या किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकीन।

ल्क्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क बीधनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा कवा हैं।

ग्रन्स्ची

प्लाट नं ० 70/71, जो शेर-ए-पंजाब को० श्रॉप० सोसायटी लिमिटेड सी०टी०एंस० नं ० 368, महाकाली केव्हज रोड, ग्रन्धेरी (प्), बम्बई 400093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्र श्रई-2/37-ईई/19583/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्राप्तन रोज-2, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

प्रकृष आहु^र्टी. एन . **एस**्र-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के विधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० शई-2/37ईई/19589/84-85----- प्रतः मुझे प्रशांत राग्न

वायकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके बब्बात 'उक्त अधिगियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के बधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं शाप नं 10, बी/3, शाप खान नगर, श्रन्धेरी (पु) बम्बई-59 व स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिंग्ड्री है तारीख 23-4-85

को पूर्वेक्त तंत्रीत के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान अतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिकल से, एसे दूर्यमान प्रतिकल का नन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा जो सिए;

ਲਗਾ ਗਗ ਕਲਨ **ਕ**ਰਿਮੀਕਰਜ਼ ਨੀ ਪਤਰ ੨੦੦ ਸ਼ਾਲੀ ਕਰਕਤਨ

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण वें, वें, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) ए० एस० बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री श्रब्दुल करीम दाउद श्रलजी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तत्त्रज्ञान की व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर कम्पत्ति में किन वक्ष किसी बन्य व्यक्ति त्यारा, अभोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रिकरणः — इस्त्रें प्रयुक्त बन्दों और पद्यों का, को उनक्र अर्ट्डिमीनवम्, को अध्याद 20-क में परिकारिकर ही, वहीं कर्य होगा, यो उस अध्याध में दिवा गया ही।

मन्द्रका

शाँप नं० 10, जो बी/3, माप खान नगर, भरोल नाका। श्रन्धेरी (पू), बम्बई 400059 में स्थित है।

श्रनुसुकी जैसा कि फ्र॰ सं॰ श्रई-2/37~ईई/19589/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी; बम्बई हारा दिनांक 23-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रमांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9--12-85

मोहर ३

प्रकथ आहें हो हो पूर्व पुरुष-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-क (1) के भधीन सूचना

भारत संस्कर

कार्यालय. सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं ० ग्राई-2/37ईई/19591/84-85----ग्रतः मुझे, प्रशांतराय,

क्षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं भीर भिसकी सं० फ्लैंट नं० 14, अल-बूरहान, है, जो अधेरी बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 23-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे देह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का समित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क्क) अन्तरणः सं सुद्दं किसी जाय की बाबतः, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरका के दायित्व में कमी फ़रने या उससे अचने में सूकिया को लिए; और√या
- (क) ऐसे किसी आय वा किसी धन वा अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्यांकलाई अंतिरती हताना प्रकट नहीं किया गण कर या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविभा औं दिन्हः

जतः। अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की जन्तरण भों, भों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक् :—- 1. श्री शब्बी रमाई, ए० मारबी वाला

(भ्रप्तरः)

 श्रीपती नीसरीन अयेदीन तम्बुवाला श्रौर श्री ज्जर माईजी भाई तम्बुवाला ।

(भ्रन्सरिती)

को बहु स्वना वादी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपन सम्मरित ने भर्षन के कम्पन में कोई भी बाहरें :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि से तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हों।
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पथ्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, भी उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याम में दिया गया हैं।

अनुसुक्षी

फ्लंट नं ० 14, जो पहली मंजिल, श्रल-ब्रुस्हान को-श्राप० हाउसिंग सोक्षायटी, घरोज, विलेल, अन्धेरी,बम्बई में स्थित हैं

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37बईई/19591/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 23-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षन प्राधिनारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोज-2, बम्ब ई

दिनां ः 6-12-1985

मस्य जाइं.टी.एन.एस

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भाउत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

गम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं ० ग्राई-2/37ईई/19607/84-85—ग्रतः मुझे प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 279, जार-ए गंजाब, ग्रन्धेरी (प०'), बम्बई-93 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क्ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजर्स्टी है दिनांक 23-4-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार कून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) जन्मद्रण में हुई कि ही बाव की बावह, उसके महिपानवब के ज्योग कर हो के बन्धरक के बाबित के कमी करने का उसके जनमें में मुन्तिमा के निहा; महिर/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियान में महिधा के लिए;

अतः अब, उक्त आधानयम का धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- •

1. ववकोम बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(धन्तरक)

 श्री पनाटीयल, मेथ्यूज थोमस ग्रौर श्रीमती वेटी ऐन० थोमस ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके प्यानित सम्मिति के नर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता है।

उक्त कमिलि के क्षेत्र के सम्बन्ध में कोई भी बासप:--

- [क] इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारों से 45 दिन की अवधि या तरहं यंथी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामीन से 30 विन की नवधि, को भी नवधि वास में समाध्य होती हो , की भीतर प्रवासत व्यक्तियों में से किसी नवं नवदित
- (क) इस त्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर जनत स्थानर सम्यक्ति में हित-नद्दश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जनहरूसाक्षरी के पास जिल्लिस में किसी का नकी वा नकी व

राष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयूक्त सन्दों और पर्वो को, को उक्त विधिनियम के कथ्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं नवें होंगा को उन्होंस के दिया नवा हैं।

अन्स्ची

प्लाट न् 279, जोशेर-ए पंजाब, को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी महाकाली रोग, अधेरी, (पू०), बम्बई 400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० आई-2/37ईई/19607/84-85 और जो समक्ष प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 23-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-2, वम्बई

दिनां है 9-12-1985 मोहर: बायकर जीभीनयज्ञ, 1961 (1961 का 43) की बाउड 269-व (1) के बधीन सुवना

STOR HITCHIS

कार्यास्य , सहायक आयकर सायुक्त (निर्देशक) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/19620/84-85-अतः मुझे प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वस्तान 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 इस के अधान उपक्र शामिकारों को, यह विस्थान करने का कारण हैं कि स्थान जैसीता जिसका सचित वाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिन्ति। सं शाप नं 3, कमला टेरेस, बिले पार्ले, (पू०) बम्बई-57 में स्थित है (श्रौर इससे जपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विश्वत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 26 कख़ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 23-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरमान प्रिक्षण को लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्स, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और मन्तरक (मन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रवि-कल, निम्निजिस्त उद्देशिय से उस्त अंतरण लिसित में बास्त-विक रूप से मिथित नहीं किया गया है क

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की वायत, उक्त बीध-रिन्धम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए-बार/बा
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के जिस्हु;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में समिधा के लिए;

अतः अंत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, कें, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——
30—406 GI/85

1. डा॰ जोन देनीयल।

(ग्रन्तरक)

2. मैं तर्स मोती हीरा एण्ड कंपनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्थन के अर्थ कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन को ताराँख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जन्धि, जो भी जन्दि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समा है।

अस्स् क

शाप नं० 3, जो कमला टेरेप, सुभाष रोड, विल पार्ले (पु०), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि क०स० आई-2/37ईई/19620/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-85 को रजिस्टड किया गया है।

> प्रशांत राय चंदान प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज-2, **बम्बई**

(* : **(-12-1985**

मोहर 🖫

कहा अथ हाना जा उस अध्याय में दिया गया है।

गन्स्यी

फ्लेट नं० 13/सी, जो दौलत विहार सोसायटी , दादाभाई रोड़, विले पार्ने (प), बम्बई-56 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/18367/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्पई

दिनांक : 6-12-1985

प्रारूप आहं.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/19622/84-85-अतः मुझे प्रशांत राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उज़ित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० फ्लंट नं ० 17,18 भवानी तगर अंधेरा (पु) में स्थित है (और इससे जपायह अनुसुनी में भौर जा पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिस्सा करारनामा भायकर अधिनयम 1961 की धारा 268 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय बम्बई में रिवस्ट्री है दिनांक 24-4-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :---

1. दीपक बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड

(ग्रन्सरकः)

2 श्रीमती भ्रमीता देवी जे० शार्य।

(भ्रन्सिरसी)

को यह स्वना बारी करके प्रविक्त सम्पत्ति से वर्षन से निष्ध कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीस से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंड न० 17, 18 जो नौथा मंजिल, इमारत न० 3 फ्लाट न० 13, भवानी नगर, मरोहा मरोशी रोह धंधेरी बम्बई-400059 में स्थित है।

म्रनुसुची जैसा कि कि के सं आई-2/37ईई/19622/84-85 म्रोर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा, दिनांक 24-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्र₁धिकारी सहायक श्रायकर श्रायुव्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **बस्ब**र्फ

दिनांह : 5-12-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2. बम्बर्ड

बम्बई, दिनाँक 5 विसम्बर 1985

निदेश सं॰ श्राई 2/37ईई/19623/84-85—श्रतः मुझे प्रशांत राय

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम'क हा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आहुल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 18, भवानी नगर, ग्रंघेरी (पु०), बम्बई-59 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम की घारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनौंक 24-4-1985

की पूर्णेश्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के श्रूपेमान शितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके श्रूपेमान प्रतिफल से एसे श्रूपेमान प्रतिफल का पन्यह -श्रीतश्चत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योध्य से उस्त अन्वरण जिलिखत भी बास्वयिक रूप से किंचत नहीं किया गया है है—

- (क) बनारण से हुए किसी आज की शावता, उक्त वृधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक से वाजित्य में कभी करने मा उक्क वचने में सुविधा को निका; सीर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन भा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धन-कर अभिनियम या धन-कर अभिनियम या धन-कर अभिनियम या धन-कर अभिनियम या प्रकार अभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं बन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आवा चाहिए था, कियाने में सुनिशा औं सिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्मरण में, में उक्त प्रीधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिक्षत व्यक्तियों, अर्थात् :—— दीपक बिल्डर्स, प्राईवेट लिमिटेड

(मन्तरक)

2. श्रीमती मूरेखा जगराज पासे।

(ग्रन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके प्योंक्त सम्पोस्त के अर्थन के जिए कार्यपाहियां करता हो।

उक्स सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि मा तस्तेशियी स्मित्सिकों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध . यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्मिन्त्रों में से किसी करिन द्वारा;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब चे 45दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति हुवारा अधोहस्ताक्षरी के गरू जिसित में जिए जा सकेंचे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लेट नं० 18, जो चौथी मंजिल, इमारतः, नं० 3, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी, रोड, प्रधेरी (पु०), बम्बई 400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० आई-2/37ईई/19623/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बल्बर्ड द्वारा, दिनाँक 24-4-1885 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनाँक 5-12-1985 मोहर: प्ररूप बाइ'. टॉ. एन. एत. ----

भागकर शीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनाँक 6 दिसम्बर 1985

निदेश स० ग्राई-2/37ईई/19640/84-85—ग्रतः मुझे प्रशाँत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 301, शिरीन सोहराब पैलेस विले पार्वे (पु०), बम्बई-57 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा न्यायकर प्रधिनियम, की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनाँक 24-4-1985 की वृद्धें क्ल सम्पीत्त को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कम्में का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल का नेत्र है और बंतरक (बंतरका) और वंतरिती (अन्तरितका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा शितफल, निम्मबिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चित के बासरित कर से स्थान है किया गया है स्थान है स्थान से सिश्चत के बासरित कर से सिश्चत के बासरित कर से सिश्चत है से स्थान से सिश्चत के बासरितिका एसे किया गया है स्थान है स्थान कर से सिश्चत के बासरितिक है से स्थान से सिश्चत के बासरितिक है से स्थान से सिश्चत के सिश्चत हों किया गया है से स्थान कर से सिश्चत की स्थान से सिश्चत के स्थान से सिश्चत के स्थान से सिश्चत के स्थान से सिश्चत कर से सिश्चत कर से स्थान से सिश्चत कर से सिश्चत कर से सिश्चत कर से साम से स्थान स्थान से सिश्चत कर से स्थान से सिश्चत कर से सिश्चत कर से सिश्चत कर से स्थान से सिश्चत कर से सिश्चत कर से सिश्चत कर से स्थान से सिश्चत कर से सिश्चत कर से स्थान से सिश्चत कर से सिश्चत कर से सिश्चत स

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिय-नियम की अधीन कर दोने के खन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों क्यांब 1. सवानी फैमीली ट्रस्ट।

(ब्रन्तरक)

2. श्री मुकेश गुनवन्त लाल भेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के तिष्टु कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के क्यंन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की बवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी बविध वाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रकृतिका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवास:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है
 45 दिन के भीटर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकार्य।

 प्राप्त कर्ने और पहाँ का लो उन्स अधिनियम के अध्याप 20-क में परिशाधित है, वही कर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

बन्स्ची

फ्लैट न॰ 301, जो शिरीन सोहराब पैलेस, प्लाट न॰ 225, नारीमन, रोड, विले पार्ले (पु॰), बम्बई 400057 सें स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० स० ग्राई-2/37ईई/19640/85-84 ग्रौरजो सक्षम प्राधि कारी बम्बई, द्वारा, दिनाँक 24-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सझम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक 6-12-1985 मोहर: प्रकृष्ट वाह्री.टी.एक.क्ष्म

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

भारत तर्कार

कार्यास्य, सङ्गायक भाराकर नामुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, विनाँक 9 दिसम्बर 1985

निदेश स० आई 2/37ईई/19648/84 85—अतः मुझे मुझे प्रशांत राय

वाशकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किये इक्सों इसकों परकात् 'जनतः अधिनियम' कहा क्या ही, की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को कह विकास कालों का कारण ही कि स्थावर सम्बद्धिः, विक्रमा जीवतः बाक्सर मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट न ० 42, स्मृति, बेजपाल स्कीम, रोड, मं ० 5, विले पार्ले, (पु०), बम्बई-57 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) (श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्तम श्रीधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनौंक 26-4-1985

का पृत्रीयक्ष सम्मासि की अधित राजाम सस्य से काम के व्यवसास प्रतिकाल के सिए अंतरित की कई हैं। और सूमों अह विश्वसात कारमें का कारण है कि सक्तवृत्रीक्त सम्बक्ति का उनित्त साजार मूक्य, उनके प्रतामान प्रतिकाल को, एसे क्ष्मिमान प्रतिकाल का मन्द्रह प्रतिकात से स्विक हैं और संसरक (संसरका) और अंतरिसी (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे संसरक के जिए स्थ पाया नवा प्रतिक का निकासित उद्योग्य से सम्ब संसरक विश्वक में बास्यविक का से क्षित नहीं किया नवा है ध--

- (क) अन्तरण तंहुदै किसी लाय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसते अवने में स्ट्रॉक्श के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 28—406 GI/85 1. एस० ए० कोनट्रैक्टर, एण्ड को०,

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स सूरज डायमंड, इंडस्ट्रीज, लिमिटेड। (अन्तरिती)

कारे यह शुक्रमा आही काहके पूर्वोक्त कम्पर्टित के कर्पन के लिए कार्यनाहिकां सकत हो।

अवत सम्बद्धित के अर्थन के संबंध में कोई भी आयोग :---

- (क) इस तूचमा को राजपान में अकारधाम करी हारशिक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूच्या की कालीश के 30 विश्व की नवीथ, जो भी अवधि अवधि अवधि में स्थापन होती हो, के भीवार पूर्वीकर कालिक में स्थापन होती हो, के भीवार पूर्वीकर कालिक में स्थापन कालिक हमारा;
- (क) इस बुक्स के राजधन में प्रमाधन की बारींच से 45 किम के भीतर उक्त स्थावर तंत्रीत में किम्बिक्ध क्रिकी क्रक व्यक्ति क्वारा अधिहत्ताक्षरी के ग्रस विकिश में किस जा सकींगे।

स्वकाकरण क्रिक्स प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उनस नौभनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा हैं।

जनसंची

पलैट न० 42, जो संजीयी जिल, स्मृति, तेजपाल स्कीम, रोड, न० 5, विले पार्ले (पु०), बम्बई 400057 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्राई-2/37ईई/19648/84 85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनौंक 26-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख: 9**-12-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

भागस्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँ क 6 दिसम्बर 1985

निवेश सं० श्राई 2/37ईई/19650/84/85——अतः मुझे प्रशांत राय

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परतात् 'एक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्तावर संपत्ति जिसका उभित बाजार मृल्य 1,00,000/- उन्हों से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट नं० 201, नव संयुक्त, अंधेरी (पु०) बम्बई 59 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में ग्राजिस्ट्री है दिनाँक 24-4-1985

को पूर्विक्त संस्पिश के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और एको गई विश्वास करने का करार है कि यथाएबेंकित संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एगेसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंचा प्रतिफल का पंचा प्रतिफल का पंचा प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण नियनितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) जैतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिभियम के अधीन कर वेने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/वा
- (स) गंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिया के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित अस्तियों, अर्थात् :--- न्नी नरेश कुमार कुमारिया

(भ्रन्तरक)

2. स्वामी उमा भारती

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना को तासील से 30 दिन की उविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अथोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201; जो वूसरी मंजिल, नवसंयुक्त सी०टी० एस० नं० 141 चकाता आफ श्रंधेरो कुर्लरोड, ग्रंधेरी (पु०), अम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसां कि कि सं श्राई 2/37ईई/19650/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिश्रारी बम्बई, द्वारा, दिनौंक 24-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

िदिनाँक 6-12-1985 मोहर ः

प्रकार आहें : बी : प्रवाह प्रवाह ----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के वशीन अवा

भारत ब्रुकाड

कार्यानयः, सम्रायक आयक्तर जाय्कतः (निरीक्षणः) ग्राजन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनौक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ऋई 2/7ईई/19708/84-85—- स्रतः मुझे प्रशांत राय

भायकर भिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204, हावा अपार्टमेन्ट, वस्वई-93 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से र्रें विणित हैं) श्रीर जिसका के रारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कखा के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय बम्बई में एजिस्ट्री है दिनाँक 25-4-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंस्त प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रणिक्त निमान बाबत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है क्षे

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उपक अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य श्री क्यां करने या उससी अपने में अधिका के किन्ह कार/या
- (श्री) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा खे सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जम्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के जभीतः, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् ध—≕ जहाँगीर बिल्डर्स ।

(भन्तरक)

2. लोरेन्स डीसोजा।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुबना जारी करके प्यांक्त सम्मित्त के मुर्बन के जिले कार्यवाहियां धुरु करता हूं।

चन्द्र सम्पारत के वर्जन के सम्मान्ध में कोई भी जाशीय :----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की ताराँच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचत. की तामांक में 30 दिन की सर्वाध, जो भी अवधि साद में अमान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्तियां।
- (ख) इस सुचना की राजपत्र में प्रकाशन की शारीख के 45 किस की भीतर हाकर स्थानर संपरित में द्विस-बहुम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के याह स्थित से जिल्ह को जिल्ह का सकती।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनिक्षम के जायम्ब 20-क सो परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याव में दिया गया हों.

अनुसूची

फ्लैंट नं० 204, जो दूसरी मंजिल, वी विग, हाबा अपार्टमेन्ट, महाकाली, केंव्हज रोड, ग्रंधुरी, (पु०), वम्बई-93 में स्थित है ।

श्रमुसूची जैसा कि क० स० श्राई-2/37ईई/19708/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनौंक 25-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक 5-12-1985 मोहरः

वच्यः वाद्यं,क्षीः पृष् , पृष् _{अवस्थानसम्ब}

जावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भाइत चर्यात्

क्रमांशक, सहायक नायकर जायुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज 2,

बम्बई, दिनाँक 5 विसम्बर 1985

निदेश सं० श्रई 2/37ईई/19743/84 85---श्रतः मुझे प्रशांत राथ,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विस्वास कड़ने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 18, भवानी नगर, ग्रंधेरी (पु०) बम्बई 59 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाँक 26-4-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित नाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान् वितिष्ठ के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापुर्वाक्त सम्मित का उचित नाजार मूल्य, उशके रहयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और जंतरक (जंतरकों) और बंधि रिती (जंतरितियों) के बेंक्स ऐसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकृत निक्तिस्थित उद्योक्य से उपत जंतरक तिस्थित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मुभिनियम के सभीन कर दोने के सन्तरक के क्षित्र में कभी करने वा उससे वचने में सुन्धि। के सिए; बॉर/मा
- (ब) एसे किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया नया था या किया बाना पाहिए था, कियाने में सुविका के खिखा।

1. दीपक बिल्डर्स प्राद्ववेट लिमिटेड

'(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती रीतू राजकुमार बेरानी

(भन्तरिती)

को यह बुधना वार्त करको पूर्वोक्य क्ष्मित से धर्मन से दिस्य कार्यनाहियां बुक करता हुई ।

उनक बन्दरित के नुबंध के बस्यत्य में कोई भी नामोद है---

- (क) इन तुमना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के यवपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव विवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्किरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा हैं।

अमुस्ची

फ्लैंट नं 18, जो चौथी मंजिल, इमारत नं 1 नं 14, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड ग्रंधेरी (पु॰) बम्बई 400059में स्थित है।

भ्रनुसूर्च जैसा कि ऋ० सं० अई 2/37ईई/19743/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 26-4.1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी हैसहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजबम्2 ई ब

त्रतः अव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों अर्थात् है—

दिनौंक 5-12-1985 मोहर: HER AND IN THE STATE OF THE STA

बागकर विभिन्नभ , 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के वभीन बुचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज 2

बम्बई दिनांक 26 दिसम्बर 1985

निदेश सं० प्राई 2/37ईई/19744/84 85—-ग्रतः मु स्मर्शात राय

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन सभाम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित् वाजार मृत्वं 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 16 भवानी नगर अधेरी (पु०) बम्बई 59 में स्थित है (और इससे उपाबड़ श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कखके श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 26-4-1985

को पूर्वों कर सम्पत्ति को जीवत बाजार मूल्ब से कम के ध्रम्यान प्रतिफल को लिए जन्तरित को गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कर ध्रम्पति कम उर्वित बाजार कृत्वे उसके ध्रममान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और ंक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीमा) के बाच एसे अन्तरण को लिए तम पाया गया प्रतिफल िन्तितीस उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है ---

- ें क्रिक्स के सूर्य किया किया कि क्राय्य के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कि किए: कार/बा
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्वभा के निएक

श्रतः अव, उक्त अधिनियर ा धारा 2€ ुं के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

2. मुख्तया पडित

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के हैं किए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सभ्यत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नार्धण ⊱---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अविधि स्ट्रिस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से ुक दिए की अविधि, को भी बन्धि बाद में स्टब्स्ट इंट्रिती हो, के भीतर पृथीक्त व्यक्तियों में संं ी क्यिक्त हुवारा,
- (ख) इस स्थान के शहरूत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ुशहस्ताक्षरी के पाड़ सिचित में किए जा सकरें

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा, को उस अध्याय में दिया क्या है।

उनुसुची

फ्लैट नं० 16, जो चीथी मंजिल, इमारत, नं० 2, प्लाक नं० 9, भवानी नगर, मरोल मरीोशी, रोड, श्रंधेरी (पु०), बम्बई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्राई 2/37ईई/19744/84 85 ग्रीर जो समक्ष प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाँक 26-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज 2, बस्बई

दिनौंक 5+12-1985 मोहर: प्रकथ आहाँ . ट्री . एन . एस . -----

बायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत तरकार

कार्यासय, सहायक भागकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 2.

बम्बई, दिनाँक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० श्राई 2/37ईई/19745/84 85—स्रातः मुझे प्रशांत राय

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवाल् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श के अभीन तक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आवार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 1, धवानी नगर, ग्रंधेरी (पु०),
बम्बई 59 में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की घारा 269 कुख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिताँक 26-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान रितप्ल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो,

एसे इश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से स्वयंत अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करज या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी कर या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिर;

अतं अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-गा के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अधीन् सं—— 1. दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

2. लीयो जे० रेगीस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिष्

उक्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुवत शन्तें और पदों का, जो उनिते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुपूची

फ्लैट नं० 1 जो तल मंजिल, इमारत नं० 2, फ्लोर नं० 9, भवानी नगर, मरोल मरोशी, रोड, श्रंधेरी (पु०) बम्बई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राई 2/37ईई/19745/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि हारो, जन्मई प्रारा, दिनाँक 26-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत रागं सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-2, मद्रास

दिनांक: 5-12-1985

मोहर 🛭

अस्य बार्ड टी एन एस ------

आयकर क्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त <mark>(निरीक्षण)</mark> अर्जनरोंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 9 दित्तम्बर 1985

निदेश सं० श्राई 2/37ईई/19761/84 85—श्रतः मुझे, प्रणात राय, श्रापकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 263, शेर-ए-पंत्राब सोसायटी, श्रंधेरी (पु०), वस्वई 59 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु -स्ची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्राय रुर श्रिधितियम, की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 26-4-1985

प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है दिनौक 26-4-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित विश्वास करने का प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत गई किया गया है क

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— नी सूरजीत सिंह, चंधोक

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रनिल कुमार श्रग्रवाल

(ब्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती

(बहव्यक्ति जितके स्रधिभोगमें सप्पत्ति है)

अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्प्रीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (४) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ग्रनुस्ची

प्लाट नं० 263,जो शेर-ए-पंजाब सोमायटी, मोगा विलेज महानाली रोड, श्रंधेरी (पु०), बम्बई 400059में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई 2/37ईई/19761/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनौंक 26-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनाँक: 9-12-1985

अक्ट बाई है दी हमा। एदं तक कर क्रा

वायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाडा 289-द (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्याज्य, सङ्गयक आयकर वाव्यस (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई 2/37ईई/19786/84 85—-ग्रतः, मुझें प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, मापखान नगर, श्रंधेरी (पू०) बम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की बारा 269 के खे के श्रदीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाँक 26-4-1985

को प्वांक्स सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विद्यास का कारण है कि यथापूबोंकत सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्व, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ेसिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के सायित्व को कभी करचे या उक्को उससे थे अकिशा के किए। और/था
- (क) ऐसी िनती जाव वा किसी धन या जन्म जास्तियों को, विनहीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या उक्ट अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिएह:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. ए० एस० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. कलम श्रश्नाफ श्रंसारी।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कहि भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध कि मी अन्य अपिकत द्यारा अधिप्रताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

धनुसूची

पलाट नं० 404, जो चौथी मिजल, इमारत नं० बी/4 मापखान नगर, मरोल नाका, श्रंधेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई 2/37ईई/19786/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा, दिनांक 26-4-1985 को रजिस्टर्ड. किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्राजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

च्या बाइ".टी.एन.एस . --------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

नारत सरकार

कार्यांसय, सहायक नायक्त्र वाव्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/19803/84 35-- ग्रतः महो, प्रशांत राय,

नायकर सिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्तर्के पश्चात् 'उनत नािंपिनयम' कहा नया ही, की वारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित याजार स्

1,00,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं० शाप नं० 2, निर्मन बिहार, ए० विंग, पंप हाउस, श्रंधेरी (पु०) बम्बई-93 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनाँक 30-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान वितिकस के सिए वन्तरित की पर्द हैं बरि मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बालार मृत्य, असन्द्रे व्ययमान प्रतिकल से, एसे व्ययमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती '(बंक्रीरहियाँ) के बीच एंडे अंतरण के किए तब पाना जवा प्रति-भेत विम्मीतिषयं अपूर्वच्य वे स्वयं बन्तरम तिथित में नास्त-विकस्य के कवित नहीं किया गया 🗗 :----

- (क) बुक्तरण वे हुई किथी बाव की बावल उक्त विविद्यालय के अभीत कर दोने के जन्तरक दावित्व में क्यों करने वा उससे बचने में सुविधा के मिए; धर/या
- (श्व) एोसी किसी अगय या किसी भन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त विधिनियम, साहत कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) 🕏 प्रयोजनार्थं जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया करा नावाकिया याताचाहिए था, क्रियाने में त्रिया के लिए;

क्तः वन, उक्त किथिनियम की भारा 269-म के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---29-406 GI/85

श्री रामसाजीवन गजाधर प्रसाद गुप्ता।

(ग्रन्तरक)

श्री सतीदोन गजाधरप्रसाद गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त वंपत्ति और कर्वन को सिक कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में को**र्ड ही आक्षेप** :---

- (क) इस स्वया के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्चना की तामील से 30 दिन की नविभ, को और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्येंका व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति ववारा;
- (च) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की सारीच स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विसवबध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के शब सिरिश्त में किए वा सकेंगे।

त्पव्यक्तिरणः----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उ**क्छ** अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिष है, वहीं वर्ध होगा को उसे सभ्याव में दिवा नवाहुँ।

ग्रनुसूची

शाप नं० 2, जो तल मंजिल, निर्मन विहार, ए विंग, पंप हाउस, श्रंधे री (पु०), बम्बई 400093 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि ऋ० स० स्राई- 2_/ 3*7ईई*/ 19808/ 84- 85 श्रीरजो तक्षम प्राधि हारो वस्बई हारा, दिनाँक 30-4-1985 को रजिस्टर्डकियागयाहै।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज- 2, बम्बई

दिनाँक: 9-12-1985

प्रकृष् भार्षः, दी . एन . एसः . ------

बायकर विधितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्राई- 2/37ईई/19835/84-85--- प्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका किंदन बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं यूनिट नं 204, दूसरी मंजिल, जे ० विल्डिम श्रमा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी नाका, श्रंधेरी (पु०), बम्बई-69 सें स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 30-4-1985

को पूर्वों कर सम्परित के उपित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पर्ति का उपित नाकार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिथों) को बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्पित क्या में कार्यावक रूप में कृष्यत नहीं किया गया है।

- (क) अस्तरण से हार्च फिली जाय की वावछ, स्थल अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे उपने में स्विक्त के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियमः ऋषिधारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की पां 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :---- 1. मैसर्स ग्रंसा बिल्डर्स ।

(मन्तरक)

2. मैसर्स धुनिल इन्डस्ट्रीज ।

(मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के कर्जन के विष् कार्यवाहिकां करता हुई है।

उक्त सम्मत्ति के शर्मन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में उक्क अप स्काग ।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होना, जो उस मध्याय में दिवा वदा है।

धनुसूची

यूनिट नं 204, जो दूसरी मंजिल, जे बिस्डिंग, मंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी नाका, चान्दीवाली, अधेरी (पु॰), बम्बई-400069 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कल्सं श्राई-2/37ईई/19835/84-85 भीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनौंक 30-4-1985 को रजिस्टर्श किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बस्बई

दिनौंक 9-12-1985 मोहर: प्रसम् बाह् ् टी. एम ् एकं स्टब्स्ट

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के भाषीन सूखना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-2 बम्बर्घ

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

मिदेश सं० अई-2/37ईई/19836/84-85--अतः मुझे प्रशान्त राय,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धाय 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उच्चित गाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० युनिट नं० 103,, एफ० विलि ग, प्रंस इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी माका, श्रंधेरी (पु०), बम्बई-69 में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से बणित है श्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-4-1985 को पूर्वोक्त सम्पृत्त के उत्तित बाजार मूल्य से कम के देवयमाव प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कार्य है कि स्थापूर्वोक्त सम्पृत्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थापन प्रतिफल को पूर्व करवान प्रतिफल का पूर्व प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय निया गया प्रतिफल का विद्या के जिस्त करारण के निए तय जन्तरित की स्थापूर्व अन्तर के जन्त करारण कि निया प्रतिकात की स्थापन की स्थित से अन्तर करारण की स्थापन की स्थ

- हुकां, मुन्ताक्ष्य हो हुन्द किसी बाय की बाबदा, अवत अपितिकृत के अपीत क्षा रोगे के बुन्तारक के करित्त की क्षा करने वा क्षाचे बाज में अपित्रा के सिह्द की क्षा
- (क) पुरेश किया जान ना किया पण ना नम्न नास्तियां करें किया जारतीय नायकर निर्मानयम्, 1922 (1922 का 11) ना उनक निर्मानयम्, ना पण-श्रद्ध निर्मानयम्, 1957 (1957 का 27) के अवश्यनार्थ क्यारियम्, 1957 (1957 का 27) के अवश्यनार्थ क्यारियम्, विश्वा स्वास्त्र प्रकट नहीं किया प्या या विश्वा जाना साहिए पा, कियाने में सुरियमा के क्रिया है।

जतः जन, जनत अभिनियम की भारा 269-म के जनूसरण में, में, उनते अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलियिस व्यक्तियों, अभीत् :— (1) मेसर्स श्रंसा बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) केनोम कौटिंग कंपनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्विक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ान-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा जधाहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकींगे।

स्मब्दीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका नुमा हैं।

अनुसूची

युनिट नं० 103, जो पहली मंजिल, एफ० बिल्डिंग, प्रसा इंड्स्ट्रियल इस्टेट, साकी नाका, चान्दी वाली रोड़, श्रंधेरी (पु), बम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/19836/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विमांक 30-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांकः: 9-12-1905

श्रुक्त नाह^र्टी ृपन् प्रश्तु ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के सभीन स्वना

नाहर सहस्याह

धार्यासय, सञ्चयक शायकर भाग्यत (निर्माण)

म्रर्जन रेंज-2, त्रम्बई बम्बई, दिमांक 9 दिसम्बर, 1985

भिदेश सं० अई-2/37ईई/19837/84-85-3त: मुझे, प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का खरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुप्त से अधिक है

श्रीर जिसकी सं युनिट नं 215, 216, जे बिल्डिंग, श्रंस इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रंथेरी (पु), वस्बई-69 में स्थित है (श्रांर इसमें उपाध्रद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से बिणित है) श्रांर जिसका करारनामा आयष्ट्र अधिनियम 1961 की धारा 269क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-4-1985

को पूर्वोक्त सपित्स के उचित बाबार मून्य से कम के इस्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इद्यमान प्रितिफल से एसे इद्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्नलिखत उद्विष्य से उचत अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई कियी श्राय की बाबद, उक्त विभागम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व के कभी करने या उत्तसे बच्चने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, जिन्माने में सुविधा के लिए;

वर्षाः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) भौ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स भ्रंसा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) किरन टेक्सटायल्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🛭 💳

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक ब्रवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 215, 216, जो दूसरी मंजिल, जे० बिल्डिंग, ग्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी माका, मान्दी वसी ग्रंधेरी (पु), बम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/19837/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रमांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज-2, बम्बई

दिमांक : 9-12-1985

प्रकथ आहू". की. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 209-भ (1) के अभीन क्षमा

भारत संस्कार

वार्यालय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज,2, बम्बई बम्बई, दिमांक 6 दिसम्बर, 1985

मिंदेश सं० अई-2/37ईई/18821/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया है, की चारा 269-ख के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्व 1,00,000/- रु. से मिथक है

श्रौर जिसकी सं० शॉप नं० 7, गुरु अर्जन निवास, सान्ताकूज (प), बम्बई – 54 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारमामा आयकर अधिभियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्विन्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिकल का पंद्र प्रतिकल से विश्वास (अंतरक) और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिक (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के चिए सब चक्कर गंधा प्रतिकल, निम्निसित उच्चेय्य से उचत अन्तरण सिकिस में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गंधा है:---

- (क) अंतरण से हुन्द जिल्ली जाय की सकत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के बंकरफ के साबित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐंती किसी जान या किसी भन या अन्त आहिक्सओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भवः सवः, उक्त विभिनियमः, की धारा 269-ग के विश्वरूप मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तिमों, अधीत्:— (1) एम॰ बी॰ याब्द्वने एन्ड एसोसिएबस ।

(अन्तरक)

(2) नेबांज अहमद, अजज अहमद और इफतीकार अहमद।

(अन्तरिती)

को कह कुलता बादी करके पूर्वित्त संपत्ति से अर्थन से जिए कार्विवाहियां भारता हो।

सम्बद्ध ब्रह्मित्त के वर्षन के संबंध की कोई भी वासीय कि \cdots

- (क) इत सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनिज मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूजना की तामील से 30 दिन की जनिज, को जी जनिज बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) भित्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास निकित में किए का सकेंगे।

स्वक्टीकरण: -- इतने प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अभिनिजन के अध्याय 20-क में परिभावित हों, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया हो।

वन्त्वी

सॉप नं० 7, गुरु अर्जन निवास, प्लाट नं० 31, टी० पी० एस० 4, सान्ताकूज (प), बम्बई-54 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/18821/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज−2, बम्बई

दिनांक : 6--12--1985

प्रस्प काई. टी. एन. एस.-----

नामकर वीभानियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्य 269-म (1) के नभीन सुमना

प्रारत प्रदुक्तर

कार्यास्य त सहायक गायकर वायुक्त (निर्दाक्रण)

अर्जन रेंज--2, वस्वई बम्बई, दिमांक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18822/84-85--अतः मुझें, प्रशांत राय,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त जीधीनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से गोधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 2, सुपर बाजार, सान्ताकूज (प), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्न रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम शाधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1985

को पूर्विषक सम्मित्य के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते मह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त सम्मित्त साम्बद मृत्य, उनके स्वयमान प्रतिफल सं, एस क्यामान प्राक्तफल का बन्दह प्रांतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे संतर्ण के बिए वय पास्प प्या प्राध्यस्त, निम्निकित्य समुद्रिक से स्वत संतर्ण मिनिया में बास्तिय हम् से कथित नहीं किया गया है

- (क) नवरन वे दुर्श किसी नाम की बाब्स, सकर निविधितयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने ना उनके बन्तर में सुरिवध के किए; स्ट्रिंग
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या चन्कर अधिनियम या चन्कर अधिनियम विश्व किया विश्व के प्रकार अधिनियम विश्व के प्रकार अधिनियम विश्व का विश्व का विश्व का विश्व के स्वाय विश्व का किया का का का किया के स्वाय और स्वाय और सिम्हा

जित्र शव, उक्त व्योधिनवम की धारा 269-न के बनुबरक वी, मी, उक्त व्यक्षिपयम की धारा 269-च की जपभादा (1) के अधीन_{ा नि}क्तिविखित व्यक्तियाँ, व्यक्ति ध=ः

- (1) श्रीमती **६ श्वरी बाई** एस० ग्रङनानी श्रीमती राजकुमारी, एच० अङनानी श्रौर श्रीमती पुष्पाबाई एच० अडनानी। (अन्तरक)
 - (2) श्रीमती मफीसा सेफूबीन बूटनाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

सबत् बुन्दरित के बर्बन के बन्दन्थ में कोई भी बाधांप ह—

- (क) इव त्या के ट्रावपण में प्रकाशन की धारींच से 45 दिन की बदींच या तरसम्बन्धी व्यक्तिमां पड़ ब्या की तक्ष्मींच से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (व) इस सूचना के राज्यत्र को प्रकाशन की सारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी बन्न व्यक्ति ब्वाच, अभोहस्ताक्षरी के पाड विश्वच में किस था सकेंचे *

स्यक्षीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, भी उक्त अधि-तिवस को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

पनुसूची

शाप नं० 2, जो तल मंजिल, सुपर बाजार प्रीमायसेस को० ग्रोप० हार्जीसंगसोसायटी लिमिटेड,स्टेशन रोा, सान्ताकुंज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/18822/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 2-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, धम्बई

दिमांक: 6-12-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिमांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18831/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय,

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मतित, जिसका उन्चित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु से जिधक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 111, सान्ताकुंज (पू), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण छप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारमामा आयक्तर अधिमियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-4-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ख्रयमान प्रतिकल के लिए बन्हरित की गई है और मृक्षे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पण्डाइ प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरित (बन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए वर्ष पाया गया इतिफल, निम्निलिखत उद्योग्य से उक्त बन्तरण निम्नित के स्थान की भिर्म वर्ष का पण्डाइ की साराम की स

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियां का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती व्वारा प्रकट रहीं किया गमा था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

कत: क्रक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, डक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) की अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, बंबांत अस्स

- (1) मेसर्स जय डेवेल्पमेंट कारपोरेशन । (अन्तरक)
- (2) श्री अज्मतूल्ला एस० खान ।

(अन्तरिती)

(4) श्री एस० मलुभीय।

... (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के क्षिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उन्ह सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्ववा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 विन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ब) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्यारा, अधोहस्ताकारी के पास जिल्हित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उच्क अभिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषिक है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुषी

फ्लेट नं० 111, जो पहली मंजिल, फायमल प्लाट नं० 32, टी०पी० एस० 5, सी०टी० सर्वे नं० 108 से 108(12) सान्ताकूज (पु), बम्बई-54 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-2/37ईई/18831/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, **क्षम्बई**

दिनांक : 6-12-1985

प्रकम नाह टी पून व्य

नायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुवाना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रॉज-3, बम्बई

बम्बई, दिमांक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० **अई**-2/37ईई/18838/84-85--अतः **मुझे** प्रशांत राय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनतः अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० शाप नं० 11, एम० यु० कारमर, सान्ताकुंज (प), बम्बई-54 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269क, ख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 2-4-1985

को पृत्रोंक्स सम्पत्ति के उथित बाजार मुख्य से कम के अध्यमान प्रक्रिकाल के लिए अन्तरित की गई है और नुभो यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल के पुल्क प्रतिकत से मैथक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) से बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निक्ति उद्योग से उसत अन्तरण निविद्य में बास्तविक रूप से संवित किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी जाय की बाबता, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के याजिल्य में कमी करने या उससे वचने में ब्रुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जस्क बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर बाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर बाधिनियम, या भनकर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बत: सब, अक्त अधिनियम को धारा 269-न की अनुसरक को, मी, अक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निकासिक व्यक्तियों, अधीव ८—— (1) श्री मकबूल अहमद।

(अन्तरक)

(2) कृल ट्रेडर्स ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संवत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बक्त किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

क्याक्करण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वा उपत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

साप नं० 11, जो एम० यु० कारनर आफ तिलक रोड़, सान्ताकुंज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/18838/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-12-1985

मोहर 🤋

प्ररूप आई. टी. एन . एस . ----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक गायकर गायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/18867/84-85—अतः मुझे, प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 13/सी, दौलत विहार सोसायटी बम्बई-56 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप ने विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतर्क (जंकरूकों) और अंतर्क स्वा पाया ग्या प्रतिफल, निम्निक्ति उक्देश्य से उन्न कंकरण कि निम्निक्त में बालायिक रूप से की श्रेष्ठ नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अंतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 30—406 GI/85

(1) श्रीमती कुसूमबेन बालभद्र शाह श्रौर कुमारी गीता बालभद्र शाह ।

श्री संलेश बाब्रुभाई भूवा।

(अन्तरः) (2) श्री कमलेश बाबूभाई भूवा ग्रौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्बत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कस्ता हो।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के तंबंध में कोई भी आखेंब :--

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की लाया से 45 दिन की अवस्थि मा सरसम्बन्धने व्यक्तियाँ पर सूचना की लायांका से 30 दिन की अवस्थि, को भी अवस्थि बाद में सम्बन्ध होती हो, में भीतर पूर्विवत व्यक्तियाँ में से निक्ती व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (ब) इस सूचना के खजनाव में प्रमानान की तारीस से 45 दिन के भीचार स्थानर सम्बद्धि में हितनाव किसी क्या का स्वाप्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में बिल्ड जा सकरें।

समस्योकरण: -- इस्तमं प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नवस्य

फ्लेट नं० 13/सी, जो दौलत विहार सोसायटी , दादाभाई रोड़, विले पार्ने (प), बम्बई-56 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/18367/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जभ रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-12-1985

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, वस्वई

बम्बई, दिनांक 6 दिराम्बर 1985

मिवेश सं० अई--2/37ईई/18974/84--85---ः मुझें, प्रशांत राय

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 201, जुहु काप्री सोसायटी, बम्बई-49 में स्थित हैं (प्रौर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिएका करारतामा आयहर अधिभियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीभ बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के रायक्तिय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित शाजार मूल्य से कम के तश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा।।प्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकी) और अंतरिती लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के छिन्दि में कमी करने या छबसे स्वाम में स्किथा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किए गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः क्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) श्री वास्देव भाश्रमल गोर्यका ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शत्ती शर्मा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां खुरू करता हुं।

उक्त संवर्षि के अर्थ्यन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अभिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रबृक्त अन्दीं और पदों का, को उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनसची

फ्लेट नं० 201,जो जुहु कान्नी को० आप० हाउसिंग सोसायटी, जुहु बम्बई--49 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/18974/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

्रिशोत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बर्ष

दिमांक: 9-12-1985

प्रकल बार्ड . दी. एन . एस .-----

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के कभीन सुमना

नारत सरकार

भार्यालय, सहायक भारकर नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--2, वस्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/19004/84-85---श्रत: मुझे प्रशांत राय,

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० ए/11, श्राणा कालोनी को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, जुहु, बम्बई-49 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5--4-1985

का पूर्वोक्त संपंधि के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान, अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य सकते दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय् पाया प्रवा प्रतिफल, निश्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में शास्तिक रूप से क्षिण महीं किया गया है ह—

- (भ) ब्लाग्न सं हुई किसी बाय की वाबत अनत नीध-हिंदुमन के नधीन कर दीने के बल्दरक के वायित्व में कमी करने वा उन्नचे बचने में बुविधा को सिये; शहर का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ को, विन्हों भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) वै प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या वा सा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुनिभा वी किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती भागीरतीबाई दौलत बाग और कुमार मुरेश दौलत धाग।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्ररीफ हुसेन खान।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थन। जारी करके व्वॉक्त सम्यक्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप 🚁 –

- (क) इस सूचना के राजपंत्र से प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविधि या उत्संबंधी व्यक्तियों एक सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ अध्याय, को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

फ्नेट नं॰ ए/11, जो श्राशा कालोनी, को॰ आंप॰ हाउक्षिण सोसायटी लिमिटेड, जुहु तारा रोड जुहु, बम्बई 400049 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रर्ध-2/37ईई/19004/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9--12--1985

प्ररूप नाइ .टी. एन. एस. -----

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/19077/84-85--ग्रत: मुझे, प्रशांत राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिवसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 603, लवडेल प्रीमायसेस, जुहु, बम्बई-49 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की, बाबत, उक्त रुधिनियप के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए:

अबः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अशोक एच० जगतानी और राजकुमार एच० जगतानी।

(ग्रन्तरक)

(2) सुविक्षित कन्सट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लेट नं० 603, जो लवडेल प्रिमायसेस को० आप० सोसायटी लिमिटेड, 25 सीड जुहु तारा रोड, जुहु, बम्बई–49 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/19077/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 6-12-1985

प्रकथ बाइ"ः टी., एन. एस.---=

जायकर अधिक्यिम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुवत (निरामा)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० श्रई-2/37ईई/19158/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

कायकर अधिनियक, 1961 (1961 का 43) (िषते इसम् इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाद्यार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिह्नकी में जाप नं 12, अलोक अपार्टमेंट, खोटवानी, सालपकुंज (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुन्दी में और पूर्ण रूप से विपत है) और जिसका करारनामा अस्माद्ध अविनियम 1961 की धारा 269क, ख के अवीद बजाई स्थित सक्षम प्राधिकारी के काय लिय में रजिस्ट्री है, तरीस 10-4-1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति कं उचित बाजार मृत्य ते कम के स्थमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुकं यह विश्वास करने का कारण है कि प्रशाप्तीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं,, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिक के लिए तय शामा गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्वेष्य सं उस्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नतरण वे हुई कियों जान की बाबत्, उनते अभिनेतियम के अभीन कार दोने के अंतरक के समितियम के अभी कारने या जससे अभने मी सुविधा अभिनेत्र, आर/भा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन वा अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 ,1957 का 27) के अधिजनार्थ अन्तिरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत शब, उस्त बिधनियम की धारा 269-म के बनुसरण में, में, उस्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के क्ष्मी ।, निम्निचिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) संजय कन्सट्रवंशन एण्ड फायनेन्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स रूप रंग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कर्मवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मां कोर्ड भी लाक्ष्मप 🖫 🖚

- (क) एवं सूचना के द्रावपत्र में त्रकासन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तिहाँ में से कि विधान व्यक्ति होते.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किली अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के बात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्का अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुधुची

णाप नं० 12, जो अलोक अपार्टमेंट प्लाट नं० 104--105, टी०-पी० एस० 6, स्कीम खोटवाडी, सान्ताकुंज (प), बम्बई-54 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० प्रई-2/37ईई/19158/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज--2, बस्बई

दिनांक : 6-12-1985

पाएक अहर्ष , दर्श , शृक्ष , ------

सायकर लिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुमा

भारत सरकार

कार्यांत्र्य, सहायक जायकर कायुक्त (निरीक्षण)

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें इसमें ध्वजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 203, प्लाट नं० इ/7, ग्रायभाई गजदार प्राईवेट स्कीम, सान्ताकृंज में स्थित हैं) और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित हैं) और जिसका करारनामा त्रायकर अधिनियम 1961 की बारा 2695, ख के ग्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-4-1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिपक्त के लिए अंतरित की नद्र हैं और मुक्के यह निक्थास करते का कारण है कि संभापवेक्ति संपत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उनके ब्रह्ममान प्रतिपक्ष से, एसे ब्रह्ममान प्रतिपक्ष का पन्यह प्रतिशत अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण को लिए तथ पथा गया प्रतिपक्ष, निम्निमिसित उद्देष्य से उक्त बन्तरण नेविसित में बास्तिक कप से स्थित नहीं किया गया है:—

- (क) ज़न्तरक से हुए किसी कार की बावक, उत्तर ज़ीवज़ियम के सबीन कह बने के बन्तरक के समित्य में कमी कहने या उत्तर्थ क्षमें में बृष्यमा के लिए; शहि/भा
- (ण) एसी किसी बाव वा किसी धन या अन्य बास्तिवाँ की, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में शिवभा के निष्

श्रतः श्रम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की तरधारा (1) को अभीप किम्नितिसित व्यक्तियों, अभीत :---- (1) हेमंत एच० पटेल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतो मधु प्रकाम कपूर और श्री प्रकास चन्द्र कपूर ।

(भन्तरिती)

को यह सुभवा भारी करके पृत्रोंक्त सम्मृत्ति के मूर्वन के विष् कार्यवाहियां गुरु करता हो।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र भूवना की तामील से 30 दिन की सदिध, को भी वर्षा नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित स्थानता में से किसी स्थानत हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तहरीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए का सकींगे।

एक की करणः ----- प्रसमें प्रयुक्त कर्का और पर्वो का ओ उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया अथा हैं।

जन्स्ची

प्लेट नं० 203, जो पहली मंजिल, प्लाट नं० इ/7, प्रायभाई गजदार प्राइवेट स्कीम सर्वे नं० 408 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० जी-368 (पार्ट), और 408 ए, सान्ताक्षुज, बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूजी जैसा कि श्रम सं० ग्रई- $\cdot 2/37$ ईई/19200/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-4-1985को रजिस्ट**डं** किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज--2, बम्ब**र्ध**

दिनांक : 9--12--1985

प्ररूप बार्ष हो, धुन ुपुर ह सम्मानसम्बद्धाः

अपमकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीत सुचता

भारत मरकार

कार्यासन्, सहायक नायकर शायक (भिरीक्षण)

प्रार्जन रें:-- 2, बम्बई

बम्बई, दिलाँक 6 दितम्बर 1985

निदेश सं० ग्र**ई**-2/37ईई/19206/84--85---ग्रत: मुझे, प्रशांत राय.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा यया है । की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **ह**ै कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000 /- रत. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० फ्लट नं० ए-- 3, जुह श्रपार्टमेंट सान्ताकुज (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिस्ता ारारनामा प्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय में रिलस्ट्री है, तारीख 12-4-1985

को पूर्वीका सम्पत्ति के अचित बाधार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के सिए अंतरित की गई है और मभ्ने यह विक्वास करने **क्षत्र कारण है** कि **यथापूर्वोक्त** सम्पत्ति का उचित साजार मह्य. उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्रे) और अंतरिक्षी '(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ आया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उददोष्य से उक्त अन्तरण सिकित कें **गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है** ३----

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, मिनियम की जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उक्से बचने में सुविधा के लिए: बरि/धा
- '(च) एंसी किसी जाय या किसी भन या अल्य ब्रास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) वे** प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया भाषा विक्रा कानर काहिए था, दिल्याने से सुविधा के सिएः

व्यतः वयः, उक्त कथिनियमः जीकारा २६०-गको अनसरण में, मैं, उव अधिनितम की धार 269-घ करियधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) बेरा डी० डाक्टर।

(श्रन्तरङ)

(2) श्री िलीन जीव स्टबानी ।

(अन्धरिती)

(3) ঋন্বংভ ।

(वह व्यक्ति जिएके श्रधिभोग में सम्पति है)।

को यह सबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिष बाद को समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत न्यियतयों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे क

स्पट्टाँकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दी जार पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में भाषित है, वही अर्थ होना को उस अध्याप में वियागया है।

प्रनुसूची

फ्लेट नं० ए-- 3, जो जुहु अपार्टमेंट को० ऑप० सोसादटी लिमिटेड, तुह रोड, भान्त(ऋल (ए), बम्बई में स्थित है। भारुसुची जैंा ि कम सं० भ्रई-2/37ईई,19206/ 84-485 और जो सधम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-4-1985 को रिवस्टर्ड विया गया है।

प्रशांत राय ाक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनां **२ : 6-12-198**5

मोहर

प्रकृष भाइं. टी. एन. एस. -----

बायकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज--2, बम्बई बम्बई, दितार 6 दिशन्बर 1985 निदेण सं० अई--2/37ईई/19308/84--85-श्रत: मुझे, प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रणात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार स्म्थ 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भाष नं० 5, गुरू धर्जन निषास बम्बई-44 में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिल्हा करारनामा ध्रायार प्रधिनियम, 1961 की धारा 2695, ख के ध्रवीय बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रहिस्ट्री है, तारीख 16-4-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इस्यमान श्रोतफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्यास करने जा कारण है कि स्थापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके इञ्चमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- र्क) जॅबरण से हुई किसी नाव की बाबस, उसस बिश्तियम में अधीन कप दोने के अन्तरक में बावित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए: आर्/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या कन्य वास्तियां को, जिन्हों भारतीय बायकार बिर्णालका, १८० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संजीरती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निष्

अत: बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण कों. कों, तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीर, निस्तितिकट व्यक्तियों, अधित अल्ल (1) एम० बी० जान्हने एन्ड एप्रोसिएट ।

(छन्त्रप्रात्र)

(2) श्रीमती निकीदेवी ठाकुरजास रंगलानी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनका सुम्मरित् के अर्थन् के संबंध में कोई भी आक्षेप . ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींस ने 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-ब्वथ किसी अन्य व्यक्ति त्यारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, यो उसत अधिनियम, के शभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में विष्ण स्था है।

वनुसूची

शाप नं० 5, जो गुरू क्रिजेंन निषास, जंशन श्राफ एस० वी० रोड, और गुजर लेन, सान्ताकुंज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

ग्रमुस्वी जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई|19308|84-85 और तो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिन्तिक 16-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रकांत राय सक्षम भाषियारी सहायस ग्राय हर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-2. वस्त्रई

दिनांश : 6-·12-·1985

अक्रय बाध", ट. एस. एस. - - ---

बहरकर जीधनियम, 1901 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत मरकार

कार्यानय, सहायक अपल्यार पाणका (निरीक्षण) अभि रेज-2, वस्व

वस्त्र**ई**, दिलों र 6 दिलस्वर 1985 सि≷ण सं क**मी**..2135**स्टी**19355184..85

निदेश मं० अ**ई**--3/37ईई/19355/84-85--अत: मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात जिस्ति अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सङ्घ प्राधिकारों को . एहं प्रिकटाम कारने का कारण है कि स्थानल स्टापिक जिस्ति अधीन स्थानल स्टापिक विभाग स्टापिक स्थानल स्टापिक स्थानल स्टापिक है।

और जिसकी सं० पतेट नं० 41, जुहू शालीभार, इमारत नं० 5, विले पार्ले, (प), तक्ष्यई--49 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और एणं क्य ने विणत है) और जिसका करारतामा आपार अविन्यम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीन तक्ष्यई स्थित नक्षम प्राविशारी के नायनिय में रिजस्ट्री है, तारीख 17--4--1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उषित बाजार मुख्य से कम के खबमान इतिफल के लिए कन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यभापविका सम्मत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिकल से, एसे खबमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकात से अधिक ही और जन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय गमा गया प्रतिकल, निम्नितियत उद्देश्य से उच्छ अन्तरक लिखित में गास्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुइं किसी आय को बाबत उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मी किसी करने या उन्तर बाबते ये स्वत्र या के स्मिए। बीर/बा
- (क) शंकी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की विन्हों स्वरदीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जिल्लाम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ये प्रचीक्या अपर्देशियों कुराल अकट वर्षी दिल्ला गया था विक्रया जाना वाहिए था। विक्रपान में मुक्किश के लिए:

बार भव, अक्स मांभिन्नम १। ५१७ १६५० है । १५५० है । १५५० है । वे १५५० है । प्राप्त १६५० है । १५५० है । १५५०

(1) शो ालीभाई हिराचन्य शाह।

(भ्रन्तरक्)

(2) डॉ (श्रीमती) रेखा हरीत पटेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्द सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यांवितारों में में किसी व्यक्ति दवास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के यस लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थरटोकारण :--- इसमें प्रथन्त शक्यों और नदीं का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

प्रनसूची

फ्लेट नं (41, जो जुहू भालीमार इमारत नं (5, दसवां गुलमोहर रोड, जे वी० पी० डी० स्कीम, बिले पार्ले (प), बस्ब है-(400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंक्षा कि कम सं० श्र**ई**--2/3/ईई/19355/ 84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्कई द्वारा दिन्तक 17--4--1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> प्रभात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्ष श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2, बस्बई

दिनोंक : 6 ्12-1985

प्रसम् भाषाः ही एम , एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

्कार्याचय, सहायक कायकर जायुक्त (विक्रकेताण)

श्रर्जन रेंज्-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अ**ई** – 2/37**ईई**/19356/84~85---श्रतः मु**धे,** प्रशांत राय,

कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मून्य 1.00,000/-रा से अधिक हैं

अरेर जिसकी सं पलेट नं 601, मंगल मिलाप, बम्बई-49 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका अरारनामा आपकर अधिनियम 1961 की धारा 269%, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के लायलिय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 17-4-1985 को लुर्शक्त सम्बंध के उचित बाजार मूल्य से कम के रक्ष्यमाण बतिफल के लिए बंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर (अन्तरका) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफ लगीमनिस्त उद्विस्य से उन्तर अन्तरण विचित्र में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क्ष्) बन्धारण से हुइ किसी जाय की बाबत, उसत अधिनियम को अधीर यह धार्न को अन्यारक के दायित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; बार/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1 या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रोमती कुंदनबेन रामनीङलाल पटेल । (श्रन्तरक)
- (2) श्री एन० द्वारकानाथ।

(श्रन्तिरती)

(3) श्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :- ।

- (क) इस स्वना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी सक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयक्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त कृष्यों जीर पदों का, जो उपक अधिनियम के अध्यास 20-क में परिश्राधित ही, यही वर्ध होगा जो उस वध्याय में विका वसा ही !!

बग्धूची

प्लेट नं ६०१, जो मंगल मिलाप, बारहवा गुलमोहर कास रोड, जे वी० पी० डी० स्कीम, बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अहै--2/37ईई19356/84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17--4--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैत रेंज-2, बस्बर्ध

विनाक : 6-12-1985

प्रकृष बाह्य टी अपन प्रमूलन

नायकर अधि ितयम, 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के जभीन स्वना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीत रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनावः 6 दिसम्बर 1985 निदेश सं० श्रई-2/37/19457/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चित 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैंट सं० 4, प्लॉट नं० 5, विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है ग्रीर इसके उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारानामा श्रायकर श्राधिनियम, की धारा 269 रुख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय बम्चई में रिक्स्ट्री है, दिनांक 19-4-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विकास, निम्निशित उद्देश्य से उस्त अन्तरण मिनित में शास्त्रिक रूप से कवित नहीं किया नवा है है

- (क) जन्तरण सं हुपूर्व किसी जाय की बाबत, उक्त ग्रीभिनियम के अभीन कार सेने के अन्तरक के शावित्य को कमी करने या उत्तरे क्याने के सुविधा के शिष्ट, बीड/बा
- (स) एसी किसी साथ या किसी धन या अच्च जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणान क स्विधा वै विद्य;

बतः व्यव, उक्तं अधिनियम, की भारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपध्यय (1) वे मधीय, निस्तिविधित व्यक्तियों, वर्णात् क्ष---

- (1) श्री जनाब कूइद जोहर भाईसाहब बूरान्धीन (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रभो बी० सेथी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्म भी आक्रंप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस क्षं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श स्वावतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावत सम्बन्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के वाश सिक्ति में किए आ सकेंगे।

स्वय्दीकरण : — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्दों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में कीरशाबिक ही, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वस है।

धनुसूची

"फ्लैट सं० 4, जो पहली मंजिल, प्लॉट सं० 5, नोर्थ आफ़ इली नाला, जुहू, बिले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/19457/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज⊶2, बम्बई

दिनांक : 6-12-1985

प्ररूप नाइ .टी. एन. एस. -----

बायकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कत्यस्य , सहायक भायकर बायुक्त (निर्दोक्सक) 'अर्जन रेज-2, वस्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/19458/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

शादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 3, प्लोट सं० 5, श्रंधेरी (प), वस्बई में स्थित है (श्रोर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रोर जिस हा कराकरनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 रूख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिएस्ट्री है, दिनांक 19-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान श्रासफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रसिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुद्दं िकसी अध्य की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर बोने को अंतरक के बाधित्य में कसी करने का उससे अधने में सुविधा के सिए; आर्थ/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंबरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, जिपाने में सुनिधा के बिए;

बद्धः सम, उन्त सीमनियम की बारा 269-ग के ननुसरम को, को, उन्त सीमनियम की भारा 269-म की स्पभारा (1) को सभीन, पिम्मनिविध स्पन्तियों, सर्भाष् क्ष्म-

- (1) श्री जनाव क्इंद जोहर भाईशाहब बूरान्धीन (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बीजमोहन पी० सेथी (ग्रन्तरिती)

कां यह स्चना जारी करके त्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बासीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्यक्ष 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसुची

"फ्लैंट सं० 3, जो पहली मंजिल, प्लोट सं० 5, नोर्थ भ्राफ़ इली नाला, जुह, अंधेरी (ए), बम्बई में स्थित है।

श्रमुसूची जैसा ि कि सं श्रिक्ष 2/37–ईई/19458/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19–4–1985 को रिपस्टर्ड िया गया है ।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रोजे-2, बस्बई

दिनांक : 6-12-1985

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/19571/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- एं. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० डी० मोनामी ग्र्यार्टमेंट ए, जुहु, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण-रूप से वणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 20-4-1985,

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक े और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--

(1) श्री केवलमल मोतीलाल लालवानी

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रनिल रामलाल हन्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के अक्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सिष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

"फ्लैट सं०डी०, जो दूसरी मंजिल, मोनामी ग्रपार्टमेंट ए०, जुहु, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि से ग्रई-2/37–ईई/19571/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20–4–1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-12-1985

प्रक्ष बाई . वी . एत . एस . ------

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/19585/84~85—ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

जायकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/-राम अधिक है

म्रोर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 14/बी, जमतागर सोसायटी नोर्थ इली, बम्बई 58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबस ग्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से दिणत हैं), ग्रीर जिसना करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई है रिजस्ट्री है, दिनांक 20-4-1985,

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरफ (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व भे कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; आंद/या
- (ह) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः अर्थ, जन्म जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मो, अयह अभिभीनयम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६—-

- (1) श्रीमती नवलबाई मनेकजी पलानी
- (भ्रन्तरक)
 (2) श्रीमती इंदीराबेन नरेन्द्र दोशी
 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

"फ्लैंट सं० 14बी जो अमतागर को० स्ना० हाउसिंग सोक्षायटी लिमिटेड, प्लोट सं० 29, नोर्थ इर्ली, बम्बई 400058 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि फ्र॰ सई-2/37-ईई/19585/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 20-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-2, बस्बई

दिनांक : .6-12-1985

ब्रक्त बाइ^{*}, टी.. एन*् युवा,-----*

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) की अधीन स्चना

भारत सहस्कार कार्याक्य, सहायक अस्यकर वायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० म्रई-2/37-ईई/19838/84-85---भ्रतः मुझे, प्रशांत राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विष्णाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लैट सं 9, राम निवास, विले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीध-नियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 30-4-1985

की प्रांक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकास के लिए जन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मधाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिक्शें) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तय पाया गया प्रकृतकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) वन्तरण से हुई किसी बार की बावत, उक्त जिपनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के शीयरण में कभी करते के लग्ने में मुविधा जै निष्; जीद्र/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था कियाने में सुविधा के किए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री भगवानजी भीखामाई चीतोदा, श्री नरनभाई भीखामाई चीतोदा, श्री नटदरलाल भीखामाई चीतोदा ग्रीर मुकुंदभाई भीखाभाई चीतोदा (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हभूमती चंपकलाल वोरा ग्राँर श्री मुकेश चंपकलाल वोरा

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी कारके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ब्रक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🖫 🗕

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की ताबील से 30 दिन की बनीध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजवन में प्रकाशन की सारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकींगे।

सम्बद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, जो उपस अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, बंही अर्थ होका वो उस अध्यास में दिया गया है।

जन्स्ची

"फ्लैंट सं० 9, जो तीसरी राम निवास, साइथ पोण्ड रोड, विले पार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-2/37-ईई/19838/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज--2, बम्बई

दिनांक : 9-12-1985

प्रारूप आइ°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'इकत किथिनियक' कहा गया हैं), की धारा 269-क के वधीन क्याम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर कन्मील, जिसका उचित नावार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्राँर जिस्की सं पर्लंट सं 11, श्रमन प्लेंस् को श्रापि हाउसिंग सोसायटी, बम्बई 49 में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध श्रीन्सूची में श्राँर पूर्ण रूप से विणित है), श्राँर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 30-4-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ट्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि बधायू वोंक्त संस्पत्ति का उपित वाजार मूल्य उसके स्म्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिचत से अभिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एवे बन्तरण के लिए तथ् पाता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से काईचत बही दिवस गया है है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बावस, उक्त बिधिनियंस के बधीन कड़ दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें लिए:

जलः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती सीवीत हरीश मेहरा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वसरामभाई जीवराम चौहान ग्रौर जयेन्द्र वसरामभःई चौहान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिंध या तत्त्रं के व्यक्तियाँ पर के सूत्रना की तामीं से 30 दिन की वनिंध, जो की वक्ति नाय में समाया होती हो, के भीतार क्यों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दक्ता
- (ख) इह भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयक्तित्व : -- इसमें प्रमुक्त सब्दों और वर्दों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहरें अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट सं० 11, जो ग्रमन पलेस को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, जेवीपीडी स्कीम, वम्बई-400049 में स्थित है। ग्रनुसुची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/19853/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेजे--2, वुम्बई

दिनांक : 9-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/29147/84-85--- ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पलैट सं 10, विश्वधाम सोक्षायटी, सान्ताकुज (पु), बस्बई 55 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कुछ के ग्रधीन सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उत्त, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 32-406 GI/85

(1) श्रीनती सीमा ग्रार० शिवदासानी ग्रौर श्री रतन शिवदासानी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एफ० एम० टाकीवाला ग्रौर श्री एम० ए० टाकीवला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजंप्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में रिरभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

"फ्लैंट सं० 10, जो विश्वधाम को०न्नाप० हाउसिंग सोक्षायटी लिमिटेड, प्रभात कोलोनी, सान्ताकुज (पु०), बम्बई 400055 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/19147/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-12-1985

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निवेश सं० श्र2-2/37ईई/18801/84-85—श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'ल्ट्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000 / - रा. से अधिक हैं।

श्रीर जिल्लि सं ज फलैट सं ज 603, सी शेल, बी विंग, श्रंधेरी (प), वस्बई 58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीत पूर्णक्य से विणित है), श्रीर जिल्लिका करारतामा आयकर श्रितियम की श्रीरा 260 कहा के अधीत सक्षम प्राधिकारी के ग्रायित्य, वस्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985, की पूर्वियम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतिया के लिए अंतरित की गई है और मूझी यह विश्वाम अरने का कारण है कि यथापूर्वोस्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रभिन्न से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्दिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्ट्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क्क) अंतरण से हुई किसी माय कि बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (व) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भलक्तर अधिनियम, या भलक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) में सर्भ चेतन डेवली मेंट्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती माला रेलीयन देवेन्द्र

(ग्रन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-पित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁵।

अनुसुची

"फ्लैंट सं० 603, जो छठवीं मंजिल, बी विंग, सी भोल, सात नंगलोज रोड, नर्सीया, बम्बई-400058 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-2/37-ईई/18801/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई इ रादिनां रा-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

प्रथम् बाह् ्दी ्श्य , एह्------

बायकार अभिनियम् 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अभीन सुचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक)

श्चर्जन रेंच--2 वस्वड्ड वस्बर्ड, दिनांत 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आहे०--2/37 ईहे०/188889/84--85---अतः मुसे, प्रशाद साम

अप्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पर्यास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), औं भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मंठ फलेंट नंठ 602 ए, गुरु कृषा प्रधार्टमेंट, क्रांचेरों (प), बरुवई-58 में स्थित हैं (और इति उपादक क्रानुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिता काराराना क्रांच पर अधिनियम, 1961 की धारा ए ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिलस्ट्री है तारीख 2-4-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का डीवस नाक्षार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कम, निम्निलिखत उद्योग से उन्त कन्तरण निवित्त में वास्त-ध्यक रूप से क्रियन नहीं किया गया हैं:---

- (क) गलारक सं धुर्द किसी आम की बाबरा, उबक समितियम के बाधीन कर दोने के मन्तरक की बायित्व में कमी करने या उक्स बचने में सुविधा क निस्ट, भीर/भा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तिय! कार, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्ष: अब, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण के, मैं , उक्क अधिनियम की भाग 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंख व्यक्तियमें , वर्षात्र ा

(1) मैं० वैभव विल्ड सं।

(\$P\$((*))

(2) श्री देवचन्द उमरशी शाह ।

(ग्रन्मिरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरिश के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उपल संपरित को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निषित्त में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं,। वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा वया है।

भनुसूची

पत्नैट नं ० 602/ए, जो छऽवीं मंशिल, गुरुंापा श्रागटेमेंट, एव० नं ा9, बीरा देशई रोड श्रन्वरी (प), बस्दई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि श्राष्ट्री०-2/37 ईई०/18889/84-85---और जो क्षक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 2--4--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राव सक्षम प्राधिकारी सहाय : श्राव :र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रनैत रेंज-2, वस्बई

तारीखे : 5--12--1985

श्ररूप बाई .टी .एन .एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंग--2' बन्धई

बम्बई, दिनांक 5 विजन्बर 1985

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/18961/84 र85---श्रदः मुझे, प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव पलैट नंव 40%, कराउर हैं., अरुवेरी (प), बस्बई 58 में स्थित है और इतने उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिस्ता कराउतामा ग्रायार अधिनयम, 1961 की धारा 269 अब के अधिन सक्षम प्राधिकारी के धार्यावस्, बस्बई में स्थित है तारीख 4-4-1985

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में भूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य अतिस्त्यों को जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, रिज्याने में सुविधा के निए।

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरए में में, उभत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मै० जे० एत० कापारेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नसीम बान् नजीर।

(अन्तरितो)

को यह मुखना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना को तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद माँ समाप्त होती हो, को भीतर प्योक्त व्यक्तियों माँ से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सूची

पर्लंद नं 402, जो चौथी मंजिन, क्याटर डेंड जय प्राप्त रोष्ट, वसींवा, अन्धेरी (प), बम्ब्स् 400058 में स्थित है।

त्रनुसूची जैता ि क्रम सं० ग्राई०-2,37/ ईई०,18961/ 84-85 और जो सक्षम प्राधितारी, वस्तई द्वारा दिनांत 4-4-1985 को रिलस्टर्ड िया गया है ।

> प्रचांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायः स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

तारीख · 5-12-1985 मोहर · प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बस्तई

बम्बई, दिलांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई०--2/37 ईई०/18962/84--85----म्रत: मुझे, प्रशांत राय

कायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिएकी सं० फ्लैट नं० 401 क्वाटर हेए अन्धेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (और इसी उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न है), और विभाग उरारनामा आयकर अधिन्यम, 1961 की धारा 269 एख के अधीन अस्व स्थित सक्षम प्राविशारी के शायीनय में रिक्ट्रिट्टी है तारीख 4-4-1985

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्दें हैं और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निस्थित उद्देश्य से उन्त ब्न्बरण निस्ति में बास्त्रिक्द स्पूसे कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाह्य में कमी करने ना उससे स्वने में सुविधा के लिए; सुद्धिना
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियन , 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर द्विशीन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना वाहिए वा, जियाने में सुनिया के तिए;

कतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैं जें एस शारपोरेशन।

(अन्तरकः)

(2) श्री पी० नजीर स्रहमद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अमिश या तत्सावनधी व्यक्तिकों पर स्वना की मामील से 30 दिन की अमिर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्यक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, को उक्त जीभी नयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा बना हैं।

अनुसूची

पलैंट नं० 401, जो चैंग्या मंजिल, बघाटर रोड, डेक जय प्रशास रोड, वर्सोंका अन्धेरी (प), बम्ब९-400058 में स्थित है।

श्रतसूत्री जैसा कि कम सं० ग्राई०-2/37 ईई०/18962/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1985 को रजिस्टर्ड क्या गया है।

> प्रकांत राय सदाम प्राधिवारी सहायक स्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्वई

तारीख: 5-12-1985

मोडर ह

प्रस्प बार्ड, टी, एन<u>, एक अ</u>तान क

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

मार्त सर्कार्

कार्यासय, ब्रह्मस्य नामकर नाम्कत (निरक्षिक)

ग्रर्जन रेंच-12, बमद्र¶

बम्बद्दी, विनोत्त ५ वितम्बर 1985

निदेश सं० आई०--2/37 ईई०/19170/84--85 --अत: मुसे, प्रणीत राय

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके एडआत् 'उयस अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और विश्वकी संव पतिष्ठ नव 102/ए, गुरु अपा अपार्टमेंट, अन्बेरी (प), बक्क्ष्य-58 में स्थित है (और इतके उपायद्व अनुसूची में पूर्ण रूप से विश्वत है)

और जिस्सा करारनामा भायधर अधिनियम, 1961 की धारा 269 वृक्ष के अधीन सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय, बम्बई में रिनस्ट्री हैतारीख 12-4-1985

को प्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरित के चिए तब पाया द्या प्रतिफल, निम्मिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि से बास्त के बार से अभिन से अभिन से अभिन से अभिन से अभिन से अन्तरित अन्तरित से अभिन से

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं व वैभव विल्डर्स।

(धन्तर्क)

(2) जीत श्रवफान्सी और श्रीमती एमेल्डा अवफान्सी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वंह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

का यह स्वाना जारी करके पृथंक्ति सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई नाक्षेप :---

(क) इस स्थाना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो जनत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित एया है।

अमुसुधी

पर्लंड नं 102/ए, ओ सुरु गा प्रपार्टमेंट, एस० नं । 19, वीरा देशाई रोड, श्रन्धेरी (प), वस्बई-400058 में स्थित है।

शतुसूती जैसा ि कम सं० %।ई०-2/37 **६६**०/19170 84-35 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांश 12-4-1985 को रिकस्टिंड किया गया है ।

> प्रणीत राय सक्षम प्रविकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज-2, बम्बाई

तारीख : 5-12--1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई०-2/37 ईई०/19296/84-85—ग्रतः मुझे, प्रशाँत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, गुरु क्रुपा ग्रापार्टमेंट श्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 12-4-1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाधार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच श्रेस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृत्रिभा ओ सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आरितयों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिधा के लिए;

जतः जनः, उत्तर जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुदर्भ में, में, उत्तर अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्नितिका व्यक्तियों, संधीत ह—— (1) मै० वैभव बिल्डर्स।

(अन्तरः)

(2) श्री मधुकरके चौधरी और श्रीमती शशीकला एम० चौधरी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(अह व्यक्ति जिसके अधिभाग में रम्पत्ति हैं)

को बहु सूचना कारी कारके पूर्णिक्त सम्पत्ति के अर्थन के सि। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी अरक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 15 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि नाय में स्टाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिएों में से किशी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिनवद्रथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरों के पास विचित्र में किए जा सकने।

स्पाक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त एक्टों और पदों का जो उक्त किंपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु*, वहीं कर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया एक है।

मन्सूची

फ्लैट नं० 203, जो बी विल्डिंग गुरु कृपा श्रपार्टमेंट, एस० नं० 19, बीरा देपा^{ई ोड}, ग्रन्धेरी (प), बम्बई— 400058 में स्थित है ।

स्रनुस्ची जैसा कि कम सं० श्राई--2/37 ईई./19269/ 84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1 -4--1985 को रजीस्टर्ड किया गया है

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोज-2 बम्बई

तारीख: 5-12-1985

मोहरः

प्रस्ता आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्पालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2

बम्बई, दिनौं 5 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/19476/84-85---भतः पुझे, प्रकात राय,

आयकर मधिनियम, १०६१ (1961 का 43) (जिले इस भें इसके परधात् 'उकत अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थायर अध्यक्ति, दिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाम गं० 2, कोड़ोतूर, जोग्स्वरी (प०) बम्बई—102 में स्थित है (श्रोर इन्नते उनाबह अनुस्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विगत है), श्रीर जिनका करायनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रेमं ज बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रियह्री है, तारीख 19-4-1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के डिच्त बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तिक तो गई ही और सभी एहं कि नाम करने का कारण ही कि स्थाप्नीकत सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नितित उद्योग्य में उक्त अन्तरण जिन्ति में अम्तिबक रूप से कीचत नहीं जिया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किमी शाय की बाबत, उक्त किन्नियम के अभीए कर दोने के अंतरक के पाणिएड में कभी करने या उससे देखते में भृषिका के एएए; बार/पा
- (ह) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या स्वन अधितियम, शावन कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट पहीं कि अ गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विथा के रिश्ह;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण साँ, मीँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् हरूर

- मैं० होरायज्ञा कल्स्ट्रक्शात को० प्रा० लि॰ (यन्तरक)
- 2. मेसर्स सान्ताराम अदस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियाँ मों सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना की राजपण मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मां हितबद्ध किमी अन्य स्थानित द्वारा अधोहाताक्ष्यों के पास लिखित में से किए या सकीया।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ृं, तर्ी अर्थ होंग जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसर्चः

गाप नं० 2, जो कोशीत्र, बो बिहिंडग, वाँदीवली विलेज, जोगस्वरी (प०), यस्बी्र-400102 में स्थित है

यनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/19476 84-85 और जो मजन पाधिकारी, वस्पई हारा दिनाँक 19-4-1985 को रजिल्टई किया गया है।

> प्रयाँत राय समान प्राधिकारी सन्धार प्रायंक्र प्रायंक्त (निरीक्षण) सर्वन रेंग--2, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

प्रथम साह' टी एव एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-व (1) के बधीन स्थना

STORE BYEST

कार्यानय, सहायक जायकर बायक्त (निर्दाशक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 5 दि सम्बर 1985

निदेश सं ० ग्रई - 3/37-ईई/19730/84-85 - - प्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'लकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ह के अजीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

बम्बई-61 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा म्रायकर मधिनियस, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है. तारीख 25-4-1985

की पूर्वीवत संपीत के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि यथाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का - अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-करा, निम्नीलिशितु तब्देश्य से तक्त अन्तरण निवित में वास्त-अब्देश रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण ले हुई किसी जाय की बाक्त, उक्त शिवितियम के रावीन कर दर्भ के बनारक व रायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा े रेगाः स्वीर/शा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिला भारतीय काय-कर विधिनयम, 1922 रिक्तुन्तु एक दिल्ला का जिल्ला स्थितिसम्बन, **या यन-**कर जीतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में रविया के लिए;

वतः अतः, उत्तः क्षेत्रीनयम् की धारा 269-त क जन्सरण a", म", उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) क्षणीय विकासिस्**स् व्यक्तियों अर्थात् ।--**ः 33-406 GI/85

- 1. मेसर्स नहार सेथ एण्ड जोगानी एसोसियेटस (प्रन्तरक)
- 2 श्री ग्रताफ महएइग्रली सुलेमान ग्रौर श्रीमती मुसताज अल्ताफ सुलेमान !

(ग्रन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके व्यॉक्स गम्मीस्त के बर्चन के सिव् कार्यवाहियां करता है।

बक्त सम्मरित् के कर्चन की सम्बन्ध में ओई भी बार्स :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बबीध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए वा सकेंदे।

स्वकारियु:--इतमे प्रयुक्त सन्यों और बदों का, बो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बह्वी वर्ष होना जो उस बध्याय में दिया गया है।

भ्रमुख्ची

फ्लैट नं० 708, जो सातवीं मंजिल, एवरेस्ट बिल्डिंग जय प्रकाश रोड, वर्सीवा, अंधेरी (१०), बम्बई-400 061 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/19730/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 25-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

प्रकल बाह्नै, टी. एन . एस . -----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कामकर आयुक्त (निर्माभण) श्राजीन रोज-2, बाग्बई

वम्बई, दिनाँक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/19736/84-85---श्रतः म_ुसे प्रशाँत राथ.

अस्वसार किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इक्कों इसके परकात् 'उक्त निधीनयम' नहा गमा है), की धारा 269-ख के अभीन नक्षम अधिकारी को वह निध्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका बीचत नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 602, क्वार्टर डेक, वर्सोवा, बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावत ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-4-1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देण्यमान प्रतिकल के लिए अभ्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण हूं कि बथापूर्वोक्त तम्मित का उचित बाबार मूक्य, उत्तक देशमान प्रतिकल से ऐते देश्यमान प्रतिकल का पन्छ प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण शिवित में वास्तिक रूप से किथत नैक्षीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण मं हुइ किमी बाग की बाबत. उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया गा का जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः वस, उक्त अधिरियम की धारा 269-क की अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिनिय व्यक्तियों, क्याँद क्रम्म 1. मेसर्स जे० एस० कार्पोरेशन

(अन्तरक)

2. श्री दीपक जी० बक्षानी

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां स्क करता हूं।

उपन सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओब ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी म्यांचताओं कर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, को भी सबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वतिवारों में से किसी स्वीकत बुवारा;
- (ब) इब सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस्वद्युध किती बन्य विकाद्यारा अधोड्स्टरनकरी के वास निवित में किए वा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयूक्त सन्दों और वयों का, को सक्त अधिनिजन, को अध्यात 20-क को विस्तायिक हाँ, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याद को विद्या गया है।

अभुमुची

फ्लैंट नं० 602, जो, छठवी मंजिल, क्वार्टर डेक, जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37—ईई/19736/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 25-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बप्चई

तारीख: 5-12-1985

मोद्वर 🙏

इक्ष्म बार्च . दी . एव . एक . ------------

भागकर वाधानियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन स्वना

HING THE

कार्यांचय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं व प्रई-3/37-ईई/19739/84-85--- प्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतमें इसकें प्रवाद 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के के विभीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौष्ट जिसकी सं प्रणिट नं 601, क्वार्टर डेक, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-53 में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाद्धद्ध भ्रनु-धूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कर्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 25-4-1985

को वृत्तिक सम्मतित के उपित बाजार मृत्य से कम के अपमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पत्नह प्रतिचत से अभिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ बाबा नया प्रतिफाल, निम्नसिचित उद्वेदय से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है म

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बार की वारत, उत्तर विध-पियम के बभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में क्रमी कड़दे वा उत्तरे व्यक्त में सुविधा के चिए; बौर/वा
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्त्यों की, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट महीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था, किया विवास के लिए?

अक्षर अब, उन्हें अधिनियम की भारा 269-न में अनुसूरण में, में उन्हें अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीक, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् स—— 1. मेसर्स जे० एस० कोरपोरेशन

(भन्सरक)

2. श्रीमती श्रनीता जी० बक्षानी

(भ्रन्सरिती)

नो यह सूचना धारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यशिक्ष्यां करता हां।

बक्त बन्गरित के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई मी बाक्षेप्र--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की जबीं भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबीं भा, जो भी जबीं भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्मरित में हित-बद्ध किसी जन्य स्थावत ब्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पब्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और बदों का, को उक्स जिभिनयम के अध्याय 20-क में परिशादित है, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्लैंट नं० 601, जो छठवी मजिल, क्वार्टर डेट, जय प्रकास रोड़, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रभुज्ञी जैसा ि क० सं० ग्रई-3/37—ईई/19739/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंजे⊸2, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

प्ररूप बाईं.टी.इन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

प्रजन रेज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/18750/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० शाप नं० 2, राम श्याम निवास, माहीम (प०), बम्बई-16 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 2569क, ख के ग्राधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त दन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व को कभी करने या उससे दचने में सुविधा के निए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुरिवधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अध्य अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के लधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती सीताबाई ग्रार० भागवारी

(अन्तरक)

2. श्री लोकेश बी० ग्रमीन

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी कानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थातर सम्बन्धि में द्वित ब्रद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अओहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अञ्चाय 20-क में वरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

शाप नं० 3, जो राम श्वाम विवास, राम श्वाम को-श्राप० हाउसिंग सोक्षाबटी विक्रिटेड, सीत्वलादेवी टैम्पल रोड़, माहीम (प०), वस्बई--400016 हैं स्थित है। श्रनुसुची जैरा ि क० सं० श्रई--3/37-ईई/18750/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिवारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड विया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिनारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेजिन्2, वम्ब**ई**

तारीख: 10-12-1935

प्रका बाह् ं टों. पुर पुर ः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/18844/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् उत्तत अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर अपीत जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- ए से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी संज फ्लैंट नंज 502, नेक्टर 1 ग्रीर गैरेज नंज 1, नेक्टर-2, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), ग्रीर जिसका जरारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त क्यारित के लिखत बाजार कृत्य से कम के क्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और क्रुभे वह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकाों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय श्या गया विश्वल, निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण संहर्ष किसी बाय की बावत, उकत जिसीनयम के अधीन कर दने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी या कर्स धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ ा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था है। किया जगा चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे किए:

अतः अवः उक्त विधिनिषयं का धारा 269-न के बनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियमं की तारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मेसर्स कीति एन्टरप्राईजेस

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती लिला ग्रवतराय चीमनानी, श्री मनोहर ग्रवतराय चीम नानी ग्रीर श्रीमती रेश्मा मनोहर चीमनानी।

(ग्रन्तरिती)

4. नेक्टर को-म्राप्० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में म्रधो-हस्ताक्षरी जानता है किव ह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्व क्त सम्पत्ति के अर्जन के हिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सार्याधी त्यक्तित्यों पर सूचना की तामी? से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसि में किये बा सकरेंगे।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वह अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैंट नं० 502, जो, पांचवीं मंजिल, नेक्टर 1 ग्रौर गरेज नं० 1, जो तल मंजिल, नेक्टर-2, शररी राजन विलेज, सी० टी० एस० 1437, 1440, बान्द्रा, बम्बई— 400 050 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/18844/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-12-1985

प्रकम् मार्थे.डी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संधीन सुमा

ब्राइत इडकाड

कार्यासन, बहायक नायकर नामुक्त (निर्दाक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/18890/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकार सधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे हमर्स इमके परवात 'उक्त सिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को वह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी--8, श्रीस्टल जालोनी, माहीम, बम्बई--16 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री हैं, कारीख 2-4-1985

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह विक्वास मूखे यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शैच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उच्त अन्तरण लिखत में बास्तिबक रूप से कि जित नहीं किया गया है है—

- हैंक्र विश्वतः से हुई किसी मान की शरतः, उपक विश्वतिकत्र के वशीन कट दोने के अन्तरक के बादित्य में कती करने या उससे बचने में शृष्टिया से सिएं; बीट∕वा
- (क) एसी किन्छी नाव ना किसी भूत या नम्ब शास्तिनी को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उन्तर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के मुक्तिनार्थ क्यारिय क्यार्थ क्या नहीं किया पूर्वा पा राष्ट्रिका जाना नाहित् पा क्रिक्ट की सुविधा के सिए।

शत: वन, समत विभिन्नम की पास 269-म के अमृत्ररण मों, मीं, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, स्थित हुन्न

- 1. श्री बंसीलाल रैजदा ग्रांर श्रीमती स्वराज रैजदा (श्रन्तरक)
- 2. श्री याकूब गुलाम ग्रहमद काबली ग्रांर श्रीमती मेहरुश्रीसा व्हाय० काबली।

(भ्रन्तरितो)

अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्मक्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्तेप हु--

- (क) इस स्वता के राजधन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामीन से 30 दिन की अविध, को बी अविध नाव में सनाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसरा;
- (व) इस स्वना के राज्यन में प्रकाषित की तारीय के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए या नकों में ।

स्वकाषिकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या ही!

<u>सन्</u>पूर्च।

पलैंट नं० सी-8, जो पहली पंजिल, श्रीस्टल कोलोनी, 570 सोमाबाला श्रगीयारी मार्ग, माहीम, बम्बई-400 016 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37-ईई/18890/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रकांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंजे -2, बम्बई

तारीख: 6-12-1985

श्र**क्ष नाष्**्रदी <u>एष् पुष</u>्र ग्रहणसम्बद्धाः

भायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारत 269-म (1) के जभीन सूचना

नाइत बहुआर

कार्यासयः, सहायक सायकर बाब्क्त (निहुक्तिक)

श्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० **अई**--2/37-ईई/18926/84--85----मृतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से सिधक हैं

और जिसकी सं० फ्लंट नं० 702, तिद्धार्थ सोसायटी, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इतसे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा भायवार प्रधितियम, की धारा 2695, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-4-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दहयमान प्रतिफल से, ऐसे दहयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति कें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुद्दे किसी आय की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर जिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ जन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था., श्रियाने जें सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- प्रश्नी वितन नेनुमत मत्रानी

(अन्तरः)

2 श्री अतीयाल लिंग अलूका और श्रीमती सूरजीत कौए सलूका।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशक की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों वह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
 - (क) इस सूचना के ट्राज्यम में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण :--हरामें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उपक्ष अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाश्वित हैं, कही अर्थ होना को उस अध्यास में विया गया हैं।

जन्मुडी

फ्लैंट नं०. 702, जो, बेन्ड्रा सिद्धार्थ को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी, प्लाट नं० 414, सी० टी० एस० 3, पंदरचा गोड़, बान्द्रा, बम्दर्ध-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि कि के सं श्रई-2/37-ईई/18926/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 4-4-1985 को रजिस्टडं किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, **बस्बई**

नारीख: 6-12-1985 मोहर: इस्य बाइ' टी एन एव-

आयकर जीवित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बचीन स्पर्धा

भारत सरकार

कार्बालया, सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

वस्त्रई, दिलांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं व ग्राई--2/37-ईई/19025/84-85---ग्रत मुझे, प्रशांत राय,

बायकर विधिवयम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें परकात् 'उक्त विधिवसमें कहा गया हैं), की भारा 269-ख के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काएक हैं कि स्थावर सम्प्रीत जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं० धाफित नं० 41, रीजंसी बिल्डिंग, बान्द्रा, बम्बई-50 में रियउ है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका उरारतामा आयकर अधिनियम, की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 6-4-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करा का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्ध प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बनारण से हुई किसी बाय की बावड, उन्छ विश्व-नियम से अधीन कर बने के खन्तरक के वाबित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; शीड/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें धारतीय नायकर निधितया, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधितया, वा धनकर जिथितया, वा धनकर जिथितया, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बहा था हा किया जाना चाहिए था, कियाने वे हिक्सा के स्थित के सिक्स

बतः अव, उद्भाविधिनयमं की धारा 269-ग के वसुसर्व के वधीन, निम्नतिबित व्यक्तिकों, सुधीरु 1 मैं० कावेरी ारपोरेशन

(अन्तरक)

2 मैं० ई० एण्ड जेड० कन्सल्टैन्ट्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के दलपत्र में प्रकातन का तारोब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सक्ष्मीत में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति त्वारा वशोहस्तासकी के पास निवित में किए वा सक्षेत्रे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राफिस नं० 41, जो चौर्थ मंजिल, रीजंसी बिल्डिंग, एस० नं० 240, सी० टी० एस० नं० एफ० 1357, 1358, 1359, नेशनल लायब्रेरी रोड़, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37-ईई/19025/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्तई द्वारा दिनांक 6-4-1985 को रजिस्टर्ड हिया गया है।

प्रशांत राय शक्षम प्राधितारी सहायक ब्रायकर त्रायुक्त (तिरीक्षण) ब्रजेन रेंग-2, बम्बई

तारीख: 10-12-1985 मोहर: प्रत्य वाह् .टी . एन . एस . ----

आयकर अजिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, ए० विंग, जोर्जीना बिल्डिंग, बाल्द्रा, बस्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुस्ति में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका करारनामा आयार अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल के फंड् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बाला-विक रूप से किथात नहीं किया नवा है

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत । उसरे अधिनियम से अधीन कर दोने के अन्तरक से दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिस्, और/ना
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियान में सुनिधा औ निहा:

अतः अव, शक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तिवों, वर्णात् इ— 34—406 GI/85 1 मेसर्स रेश्मा कन्स्ट्रकशन्स

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती कुसुम नारायन कामत

(अन्तरि 1)

4 अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को बहु सूचना जारि करके पृथाँकत सम्पर्टित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो औं जनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड विविद्य में किए जा सकोंने।

स्वक्रिकरणः इसमें प्रयुक्त कटा और पृथीं का, हो उक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया तथा है।

बनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो, तीसरी मंजिल, ए० विंग, जोर्जीना बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं० सी०/1308, 1284, 1283, 1304, शेरली राजन विलेज, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37-ईई/19076/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज़-∴, बम्बई

तारीख: 10-12-1985 मोहर: प्ररूप आहुँ, ही एन एस . -----

बाबकर बीधीनवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-12, वस्बई

वमबई' दिनांक 6 विश्वस्वर 1985

निदेश सं० यई-2/37-ईई/19101/84-85---यत मुझ प्रणात राम,

शायक र अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10-बी०, ओम सोम तीथ सोसामटी, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयश्य अधिनियम, 1961 की धारा 2695, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृत्य से कस के क्ष्यमान प्रातिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उणिस बाजार भूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफात के पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्विष्य से उक्त अन्तरण जिसका में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया अथा है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, जम्म अधिनियम के अधीन कर वेले के असरक औ दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय अन्यक्त अधिनियम : 1922 (1922 का 11) या उपकृत विविनयम, या धन-कर विधिनयम, 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष दूशरा प्रकृत नहीं जिया गया या या या या विविद्या ज्ञान महिए था, ज्ञिनने में सुनिया की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की लपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

1 श्री गुरेण लक्ष्मन वहीषङ्कर

(अस्तरक)

2 श्री जोर्ज ग्रेसीयस और श्रीमती लीना प्रेसियस (श्रन्तिती)

भ्रन्तिरती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पूर्विक्त सम्मिति के अर्थन के लिय कार्यवाहियां शुरू करता हो।

ताबत सम्पत्ति की अर्थन की सम्बन्ध में कोई आसरेप रू-

- (क) इस स्चना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इसं सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उजत स्थानर संपत्ति में हित ब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाष्ट लिखिन में किए जा सकरें।

ह्याध्यीकरण: - भूसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उन्त आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित श्रृं, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका नवा हैं।

अम्स्ची

प्लैट नं 10-बी , जो तिसरी मंजिल, ओम सोम तीर्थ को -श्राप व्हाउभिग सोसायटी लिमिटेड, 35, शरही, दांडा, नानठ डिस्मेंतरी के सामने, माला राजन रोड़, बनन्द्रा वस्वई-400050 में स्थित है।

प्रनुसूची जैशा ि कि कि सं प्रार्थ 2|37-ईई|19101|84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रजिस्टई निया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राविशारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2. बम्बई

तारीख : 6--1.2-1985 मोहर: प्रथम बाह[®]् दी ् एम ् एस् - ० ० ×०००

शायकत अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्राभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यामयः, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां 9 दिसम्बर 1985

चिर्वेश सं० अई-2/37-ईई/19132/84-85--श्रत: मुझे, प्रशांत राय,

अध्यकर जिथिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वहनात 'उनस अभिनियम' कहा गमा है), की कार 259-5 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

प्रीर शिक्षित सं पलैट नं 8, गुल अपार्टमेन्ट, ए, ब्लाक शान्त्रा, बम्बई 50 में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), ब्रीर जिसका कराएनामा अध्यक्ष अधिरियम की धारा 269, क खु के अधीम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 11-4-1985

को पूर्विक्त सम्भित को उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि उथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1.922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अदः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीन :--

1. श्री दाउद खनीक पठान

(अन्तरक)

2. श्री बॅप्टीस्ट डीसोगा

(अन्तरिती)

3 श्रन्तरिती और उनके सदस्य

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में

सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विश की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जान व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये वा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---इसअं प्रशुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -ियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिशा गया हैं।

अनुसुची

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्त्रई

दिनाक: 9-12-1985

प्रक्य बाह", टी. एव. एस.

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के न्यीन सूचना

शारक कारकड

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निर्दासन) अर्जन रेंज-2, बम्बई०

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/19141/84-85--यत:

मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृन्य

1.,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० फ्लैंट नं० रिशिकेश (खार) सोसायटी बम्बई 52, में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 11 अप्रेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कार्ज़ है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पस्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के जीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कांबित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, स्थल अधिनियम से अधीन कर देने में सन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बजने से सुनिधा के तिस्; स्टीर/वा
- (व) एसी किसी बाव वा किसी पन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनयम, वा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरती द्वारा प्रकट वहीं किया बाबा या किया जाना वाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए?

वतः वतः जनतः निधिनियमं की धारा 269-गं के जनसरच कै. कै, धनत निधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, जुधीत् :---

- 1. श्री गर्शाबद नथेरमल मी रचन्दानी ग्रोर (अन्तरक)
- 2. श्री गौबिन्द नथेरमल मीचन्दानी और श्री अशोक नथेरमल मीरचन्दानी (जन्मरिती)
- अन्तरिती
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पति है)

को यह बुचना बारी करके पृद्धों क्त संपत्ति के वर्षन के विष कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त संपरित के बर्जन के संबंध में कोड़ भी बाक्षण

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील है 30 दिन की अविध अ और अविध प्रांचरा कार्या मार्थ में स्वाप्त होती हो। के शैतप्र प्रांचरा स्वित्यों में से किसी स्वाप्त होती है।
- (क) इस सूचना को राजपण में अव्याधन की तारीत पं 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्रब्द्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पान निवित में किए वा सकोंगे।

स्वाकरण:-इतमे प्रयुक्त कन्दों और एको का, को सक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-के को परिभाजित ही, वही सर्थ होगा, जो उस अध्याय अं विश्वा वक्षा

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1, जो, पहली मंजिल, रिशिकेश (खार) को० ग्राँप० हार्जीसग सोसायटी, 10/11 चोथा रोड खार (प), बम्बई 400052 में स्थित है।

अनुसूची जंसाकी कर सं अई -2/37-ईई/19141/ 84-85 श्रौर सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11 अप्रेंस 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-12-1985 मोहरू: प्ररूप आई.टी.एस.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भास्त सरकार

कार्यात्वय, सहायक आयकर बायुक्त (निरासिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 प्रतिसम्बर 1985,

मिर्देश सं०जई-2/37-ईई/19208/84-85-यत: मझे, प्रशांत राय,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- क से अधिक है

श्रौर जिल्की सं यूनिट सं नं 202 कनैया बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने विभिन्न है), श्रौर जिल्ला करारपामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई रजिस्ट्री है दिमांक 11 अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिपत्त की नई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके अवचान प्रतिपत्त से, ए हे द्वयमान प्रतिपत्त के पन्द्रह प्रतिस्तत ते निकति है और अंतरिक (अंतरिक) और अंतरिती (अंतरिति को की चिच एसे अन्तरण के हिए तय पाया गया प्रतिक्त, निक्ति बित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिवक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अज, उक्त जिथिनियम की धारा 269-न के बनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्मिलिसित व्यक्तियों, अधीन ह 1. डा॰ हरगोबिन्द के॰ बल्लानी

(अन्तरक)

2. वासूदेव डी० नवानी

(अन्तरिती)

को बहु सूचना वारी करके पूर्वोक्स सम्पत्त के वर्षन के सिए कार्ववाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्वम के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर बूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस इचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विलिख में किए जा संकोंगे।

स्पथ्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हान्नेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

युनिट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, कनैया टी०पी० एस०
3, लिंकींग रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है
अनुसूची जैसाकी क्र॰सं०अई-2/37-ईई/19208/
84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
11 अप्रेल 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दांक: 9 दिसम्बर 1985

मोहरः

त्रक्ष वाद्र[‡]्टीः एतः एसः-----

बावकाड जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-छ (1) के जधीन स्वाना

HITE TURE

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिशांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं॰ अई-2/37-ईई/19221/84-85--अत मुझे, प्रशांत राय,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (थिसे इतमें इसके परणात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार म्ह्या 1,00,000/-रा से अधिक है

भीर जिसक सं० फ्लैंट नं० 601, बी विंग, गेलेक्सी अपार्टमेंट माटूंगा (प०), बम्बई 16 में स्थित हैं (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींर पूर्ण रूप से विंगत हैं) ग्राँर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 264 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्टर्ड है, तारीख 12-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भित्त का उधित बाजार नृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, एसे प्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से बिथक ही कीर अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उदित अन्तरण लिचित में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विध-विधिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- को, जिसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिए;

भतः नग, उक्त जिथिनियस की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधित है—

(1) मैंसर्स गेलेक्सी बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्रेखा अनिल इंदूलकर श्रीर श्री अनिल सदाणिव **इंदू**लकर

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनल सम्पृतिक के अर्जन के अन्तरन में कोई भी नाधोपतः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति दुनारा;

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जी उस अध्यास में दिया गया हैं।

अनुसूद्धी

प्लंट नं० 601, जो बी जिंग, गेलेक्सी अपार्टमेंट, अवेरी हास्पीटल के पास, 102, टी० एव० कनारीया मार्ग माटुंगा (पश्चिम), बम्बई-400013 में स्थित है।

अनुसूची जैंश िक करु संक अई-2/37–ईई/19221/84–85 और जो सक्षम प्राधिकरी, बम्बई द्वारा दिलांक 12–4–1985 को रजिस्टई िया गया है।

प्रशांत राय जक्षम प्राधिकारी जहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2, बम्बई

तारीख: 10-12-1985

प्रकप आई.टी.एन.एस.----

जारकार क्षीयानियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर लागक्स (निराँक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बस्वर्ध

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37—ईई/19240/84-85—-श्रतः मुक्ते, प्रशांत राय,

आयकर आंधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

स्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 405, हिरेन लाइट इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-16 में स्थित है (स्रौर इससे उपावज्र स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) स्रौर जिसका करार-नामा जायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बः आर मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह् प्रतिकास से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरल के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्निसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्समिक क्य से कथित नहीं किया गया है द्

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिल्हा के अधीन कर दोने को अभारक के वायित्व में अभी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या उच्य ब्रास्तियों को, जिल्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था अकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

कतः जब, उक्तः जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मी. मी. उदत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर निक्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रोमती सावित्री बी० टीकचन्दानी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती संगीता एल० सैनी

(भ्रन्तरिती)

स्त्रे यह स्थाना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शि के अर्थन से विक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क्ल) श्य स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे ्रे विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिश बाद में सभाष्त हाती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर संपत्ति में हितवकुष किसी अन्य व्यवित इवारा अधीहस्ताक्षरी के पास किस में किए वा सकींगे।

क्याकरीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया ही।

वनस्य

इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 405, जो, **पौधी मंजिल, हिरेन** लाइट इंडल्ट्रीयल इस्टेट मोग**ल** लेन, **माहीम, बम्बई** 400016 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कि० सं० ग्राई-2/37-ईई/19240/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनौंक 12 श्रप्रैल 1985 को रजीस्टर्ड किया गाया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2; **बम्बई**

दिनाँक: 9-12-1985

मोहरः

प्रसम्य आहें , टी , एत : एत , जननरर हराजा

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

श्रार्थांसय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्शक्षण)

बम्बई, दिनाँक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं अर्ह-2/37-ईई/19274/84-85--- स्रतः मझे, प्रशांत राय,

शायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उल्ल विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 6, कनैया, कूटीर खार बम्बई 52 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिध-नियम की धारा 269 क. ख के ग्रिधीन, है सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है। दिनाँक 12 ग्रप्रेल 1985 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्रयणान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य के कम के स्त्रयणान प्रतिफल के पंत्र के स्त्रयणान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (ग्रंतरकों) और अंतरिकी (जितरितियों) के शैष एसे ग्रंतरच के विष् तब पावा ग्री प्रक कि प्रविद्ध के विष् तब पावा ग्री प्रक कि प्रविद्ध के विष् तब पावा ग्री प्रक के विष् तब प्रविद्ध के विष् तब पावा ग्री प्रक के विष ति विष के विष ति विष के विष ति विष विष के विष के

- (क्क) अन्तरण में हुई किसी नाय की वावत, इक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी क एने या उससे वृथने में सृविध, के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उक्क अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सनिया के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- डा. श्रेश आइशिराम लालवन्हार्गः

(T* (C.)

 श्रीमती मोहीनी कीशीतचन्द लालकाराती ग्रीर श्री विजय कीशीतचन्द्र लालकाराती

(अन्तरिती)

को यह कुन्ना आही करके पूर्वोक्स कम्परित के सकेंद्र के विष्णु कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बक्त सम्पृतित के कर्जन के सम्बन्ध हाँ क्लेड भी शाहीप:+०

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि सा अव्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जनकि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के के र प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में हजाएन ही तारीस से 45 दिन के भीतर सन्त काल स्वाहित स्वाहित हों। दिल इस्प्रेश किसी अन्य व्यक्ति स्वाहित अधाहरताक्षरी के जास निस्ति में किए जा सक्षी।

स्थळीकरणः - इसमें प्रयुक्त खन्दों कहि यदों कहि, कहे उसके विभिनियम, के अध्याय 20-क हों शिरभहीबत हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

प्रनुसूची

प्लॅंट नं० 6, जो कनैया कूटीर, प्लोट नं० 140 बोदवा रोड, खार, बम्बई 400052 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकी क० सं० प्रई-2/37-ईई/19274/ 84-85 प्रौर जो सक्षय प्राधिकारी बलाई हारा दिवाँ। 12 प्रप्रैल 1985 को रजीस्टर्ज किया जोग है।

> प्रशांत राय उत्तर एति इस्से सहायात प्रायाकर नायुक्त (विशिक्षण) सर्जन रेंज∼2. कन्दी

विमाँक : 9-12-1985

मोहरः

प्रकार गाइ'. टी. एत. एस.-----

क।यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 9 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/19274/84-85-ग्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस परकार 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ में अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह निक्यास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं फ्लैंट नं 1, फानसेसको, बान्द्रा (प) बम्बई 50 में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में, ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क. ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है दिनाँक 11 ग्रिशेल 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्याकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह किस्कार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का संबद्ध प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उसत अंतरण विविक्ष में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबस, उक्त अधिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दामिल को कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय वाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्त्रिलिखन व्यक्तियों, अर्थात — 35—406 GI/85

1 श्री शाहपूर जागीर जांबूसारवाला

(ग्रन्तरक)

2 प्रीमलॅक्स (इंडीया) प्रायन्हेट लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

को बहु गृथना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाजन ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विश् की बद्धि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लाजीक से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि वाद य बनाय होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 विश्व के बीचर उक्त स्थावर संप्रीस्त में हिता-क्ष्म किसी मन्य क्वीकत स्थारा नभोहस्ताक्षरी के शस निवित में किए सा क्कोंने।

स्पर्कांकरण: इसमें प्रवृत्त सब्दों और पदों का, को उत्तर विधानिका हो बच्चाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उत्तर बच्चाय में दिया प्रवाह होंग

अनुसूची

फ्लॅट नं० 1, जो तल मंजील, फानसेसको; 14-ए चिमनाई रोड, बान्द्रा (प), बम्बई 400050 में स्थित है। ग्रमुस्ची जैसाकी क० सं० ग्राई-2/37-ईई/19284/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनाँक 11 ग्राप्रेल 1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनाँक: 9 दिसम्बर 1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1 श्रीमती सावित थरूमल भेहता

(अन्तरक)

2 चन्द्रकान्त डी विसारीया

(ग्रन्तरिती)

श्रीयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई--2/37ईई/19313/84--85--- अतः मुझे प्रशांत राय,

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निभिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-ख के निभी सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाब करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से निभक हैं
श्रीर जिसकी सं शांप नं 25, नीवेदन सोसाईटी माहीम, बम्बई 16
में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णवर्णित और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269, क ख श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है दिनाँक 16 श्रश्रेल 1985 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंत्र श्रीफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना गवा प्रतिफल निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

वतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्मिष्टि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपंत्र में प्रकावन की तारीख के 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसुची

गांप नं 5, जो निवेदन को. ग्रांप हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, ग्राणिवींद प्लोट नं 214 (बी) टी०पी०एस 3 ग्रांफ एल० जे० रोड माहिम बम्बई 400016 में स्थित हैं

ग्रनुसूची जैसाकी क० स० ग्राई-2/37-ईई/19313/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई द्वारा दिनाक 16 ग्राप्रेल 1985 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राम) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2 बम्बई

दिनौंक: 9 दिसम्बर 1985

मक्य मार्थः हो। पुरुष पुरु

नायकर निधानियम्, 1961 (1961 का 43) काँ पाडा 269-क (1) के बचीर बुक्ता

कार्यालय, सहायक भारकर आयुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर- 1985

निद्रेश सं० श्रई-2/37-ईई/19323/84-85- श्रतः मुझे प्रशाँत राग.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 11 यूनिट श्रपार्टमेंट बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाँक 16-4-1985

को पूर्वोक्त सम्मति के उपित नामाड मृश्य से कम के स्वयमान
प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृल्य
उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिश्वल से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(जन्तरितियों) के नीम एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित
में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है

- (क) जन्मक्षण ही हुई कि की जाव की नावस समक अभिट्रियन के अभीत कर योगे के बन्धहरू के बायित्य में क्षमी अपने या उसने दशने में स्विचा के सिद्ध; धीर/या
- (क) एसी किसी जान ना किसी धन ना अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अनाजनार्थ जन्तिरसी ब्नारा प्रकट नहीं किना नना ना ना किया जाना धाहिए था, किसाने में सुनिधा में किसा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अशित क्ष-

(1) श्रीमती रोशन जीमी पंथकी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लोकेनाथ चित्रमंदिर ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथानित सम्परित के अञ्चन में शिक् कार्यगाहियां सूक करता हुं।

उनक कुम्सित के वर्षन के बम्मून्य में कोई ही बाधेय ह

- (क) हुन जूनना के राज्यक में प्रकार की साहीन हैं 48 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुद्धता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सब्द्धीय बाद में सम्प्रप्त क्लेती हो के भीतर पूर्णीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तक्किंक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित्त- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा, अभोहस्ताक्षरी में पास लिखित में किए जा सकतेंगे।

श्यव्यक्तिरण १ -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी जर्थ होंगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

नन्स्यो

फ्लैंट नं० 11, जो यूनिक अपार्टमेंट आफ टरनर रोड़ । बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि० सं० ग्रई 2/37-ईई/19323/84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौक 16-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) प्रजंन रेंज-2 **बम्बाई**

दिनौंक: 9-12-1985

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ के नधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/19342/84-85—श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संव फ्लैंट नंव 502, समीर बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम की धारा 269 ह, ख के प्रयोग तजन प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाँक 7-4-85

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती की एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उक्तिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कर बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रयो भा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः जबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भे, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्रीमती तेरेजा एफ० यडी हरन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मारीया मारगारेट राना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आपी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोह्स्ताक्षरों के शृक्ष लिखित में किश् जा सकींगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया हों।

बनुसूची

फ्लैंट नं 502, जो दूमरी मंजिल, समीर 180 पेरी रोड, बान्द्रा, बंबई-400050 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि का सं श्रई-2/37-ईई/19342/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी अन्तर्द द्वारा दिगाँक 17-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनौंक: 6-12-1985

मोहर 🖫

प्रकथ नाईं.टी. एन. एस. -----

ence lance may cal ma

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के वधीन स्वना

शास्त्र सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिलम्बर 1985

निद्रेश सं० अई-2/37-ईई/19343/84-85—अतः मुझे, प्रशाँत राय,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परचात् 'उकत विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/ र र प्रे विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 501, समीर, बान्द्रा, बम्बई .50 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम की धारा 269क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाँक 17-4-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई हैं और मृफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक्त क्य विश्वनिविद्य उद्वोच्य से उन्तर अन्तर्म विश्वनिविद्य विद्यास्त्र के विषय व्या

- (क) बन्तरण से हुई किसी मान का वानत, उक्त बीधीबयम के बधीन कर रंगे के बन्दरक के रास्तिक में कभी कड़ने या उसके व्यक्त में सुविधा क निह्य, मोडिंग
- (क) प्रेसी कार्य वा किसी अन र क्या जासितवां कां, विक्रू बारतीय वाय-कर वीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त किधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थित्:— 1 श्री बिमल एफ० डथीकरण

(ग्रन्तरक)

2 श्री संली इन्नेशियस राना।

(प्रन्तरिती)

को मह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सक्यित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह-

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो.
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितवहुर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किसीयत में किए का सकोर्य।

स्वका करण: -- एतमें प्रयूक्त बच्चों और पत्नों का, को डक्क सरिवित्यम, के बच्चाब 20-क में वृद्धिशावित्व हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस बच्चाय में विवा बना हैं।

अनस्यी

पर्लंट नं० 501, जो पाँचवीं मंजिल, समीर , 180 पेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37 ईई/19-433/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 17-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज 2, बम्बई

दिनाँक: 6-12-1985

प्रकल बाहै . टी .. एन .. एस . ------

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 9 दिसम्बर, 1985

निद्रेण सं० श्रई-2/37-ईई/19391/84-85—श्रतः मुझे, प्रणांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित भागर मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव पत्तैट नंव 10, ग्रहरती सोसायटी, खार बम्बई-52 में स्थित है (श्रीर इससे उपात्रद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीविषम की धारा 269क,ख के श्रीत स्थान प्रायकर के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, दिनाँक 17-4-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्वभान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्वयमान प्रतिफल से, एसे दर्वयमान प्रतिफल का उन्दर प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) कोर अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नालिंसित उद्वरेष से उच्त अन्तरण कि बिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नालिंसित उद्वरेष से उच्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर बने के संतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अपने में स्विधा के लिए; आहे./या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की ध्यभारा (1) को अधीन, निम्निसिस् व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्री भान्तीलाल धनपाल जन ।

(अन्तरक)

(2) लिलता सतीशकुमार जैन और तिप्ता धरमवीर जैन।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सृथवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लैट नं० 10, जो दूसरी मंजिल, ग्रहस्ती को० ग्राप० हार्डीसग सोसायटी लिमिटेड, 464, नवबाहर, बिल्डिंग, 15वाँ रोड, खार, बभ्बई 400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० श्रई-2/37-ईई/19391/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 17-4-85 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज →2, बस्ब**र्ध**

दिनाँक: 9-12-1985

मोहरः

प्रकार बार्ड , टी. एन. एत्, क्लान्ट

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाक्ष

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्षण) प्रजेन रेज-2, वस्बई बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/19395/84-85--श्रत: मुझे, प्रशांत राय आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै ग्राँर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जोडेले, बान्द्रा (प), बम्बई 50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), अरीर जिसका वारारनाया आयकार अधि-नियम की धारा 269क, कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्षालय, बम्बई में रिवस्ट्री है, दिनांक 17-4-1985 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंहरकों) और **मंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया** गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निगर; शीर/या
- (७) एंजी किसी आय गा किसी धन या अन्य आसित्यों नवे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अट-अर अधिजियम, 1957 (1957 का 27) के पर्वत अधिजियम, अपनियं अपनिय

जत: अय, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखता व्यक्तयों, अर्थात् ः— (1) भैसर्स, परेरा बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती यूनिस सारिया डीश्रविया **ग्रीर जश्री** कौनेथ कोबीन डीग्रिश्रीयो ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पृथीयत सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर ध्यों कत स्थानित थें में से किसी ल्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध ने की राज्य स्थानित वृत्ता अलाहरणाक्षणों की पाष्ट्र स्थितिया की विवाह का सकीयों।

स्यब्दीकरणः---एमझं प्रशास श्रासी और नहीं आहे, जो उन्हत अधिनियम के सान्त्राय ३०-७ की परिकाधिन ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया नथा हैं।

वनसूची

पलैंट नं० 1, जो तल मंजिल, जोडेलें, बिर्लिंडग प्लाट नं० 33ए सी॰ टी० एस० नं० 370, सेन्ट पाल रोड बान्द्रा, (प्र), बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/19395/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है

> प्रशःतं राय स्वाम प्राधिकारी यहायः श्रायरः शायुर्मेत (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, वम्बई

दिनांक: 6-12-1985

मोहरः

प्रस्प बाद है। एन एस .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर जायक (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/19398/84-85—ग्रतः मुझे प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 18, स्वायलार्क ग्रपार्टमेंट, खार, बम्बई-52 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिस्ता करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 , ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांचे 17-4-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिट दाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायनायत समारत का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण निक्कित में वास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोनें के सन्तरक के दायित्व में क्षमी करनें या उससे बचने में मविशा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियंस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंस या धनक र अधिनियंस 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दनारा प्रकर नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में जीवा के लिए।

बत: बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, विकासिक कि विकास की स्थान की स्था

- (1) डा० (श्रीनती) मरीयन हवीबभाई इत्राहीम नानजी और श्री ह्सैनली अनवरली हशीमभाई नानाजी (अन्तरक)
- (2) स्रोरसन इलैक्ट्रोनिक्स लिमिटेड । (स्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी अविधि नद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, थो उस अध्याय में दिया क्या है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 18, जो पांचवीं मंजिल, स्कायलार्क श्रपार्टमेंट 6/डी, चींग्र्म श्रॉफ यूनियन पार्क,खार बम्बई 40052 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि क० सं० स्रई/3/2/87-ईई/1939/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुर्मैत (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-2, बम्बई

दिनौत: 9-12-1985

अक्ष कार्², १९ . सूग , **एस** , कार्यकार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यांचयः सहायक नायकर भार्य्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिशम्बर, 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/19415/84-85---अतः मुझे प्रणांत राय अ अ असमित स्था अ अ (जिसे इसमें इसके प्रणांत 'उक्त किशीनएम' कहा गया ले), की धारा २६९-क के कभीन सकम प्राधिकारी को यह जिस्हास कार का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः किसका विज्ञा आजार महम्

1,00,000/- र_ा. से अ**धिया ह**ै

अौर जिसकी सं० फ्लैंट गं० 4, सी विंग, ान्ती श्रपार्ट-मेंट, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनु-सुर्वा में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिएका अरारनामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269ा, ख के श्रधीत सक्षम प्राधिकरी, के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्मास्त को उधिए बाजार मूख्य हो कम को क्यमान प्रतिफल को लिए बन्ति एए को गई है और एको यह विश्वास करने का कारण हो कि समाम्बीका अंग्रेसि का उधित बाजार मृन्य उसको देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बस्तिरितियों) को मीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पात्रा गया प्रतिक कस, निम्निविश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में अस्त-विक रूप के अधित नहीं किया गया है कि

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उमत बांचिजियम के अभीन कार की के जनतरक से शमित्य में कमी करों यह जससे बच्चों में सुविधा से लिए; और/मा
- (भ) एसी किसी बाय या किसी धर या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय आयकर लिधनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना शिष्ट्र था, छिपाने में नृष्यिभा छ निए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं मा, से, उक्त अधिनियमं की भारा 269 ते की उपलासः (1) के अधीन . निम्मलिखित व्यक्तियों , अर्थात :---- 36--406 GI/85

- (1) मैसर्स कान्ती बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ा (भन्तरक)
- (2) श्री के० एन० बिलिमोरिया श्रीर श्री के० के० बिलिमोरिया

(भ्रन्तरिती)

भागे अब स्वाना वादी करको पूर्वोकत संपत्ति के अर्थन की तिक् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त संगीर में नवींग के संबंध में कोई भी नाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की समित्र में तत्त्वेंची व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबित्र, को भी सबित बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में ते किसी स्थानत इवादा;
- (व) इस सूचना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संवित्त में हित्तव्यय किसी अन्य स्थित ब्वारा अथोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किस् वा सकोंने।

स्थलकिरणः इसमें प्रयुक्त सन्तों बीर पर्यों का, वा अवस अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाविश ही, वहीं अर्थ होगा वो जस अध्याय में दिया गया है।

करसची

फ्लैट नं० 4, जो पांचबी मंजिल, सी विंग, वान्ती अपार्टमेंट, माउण्ट मेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050में स्थित है।

अर्नेंसुची जैसा कि कि सं 2 ग्रई-2/37-ईई/19415/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-85 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारीः [सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, **यम्बई**

दिनांब: 6-12-1985

माहर :

क्रम कार्र ते एन एस .----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-ग (३) के नधीन शुचना

भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक लायकर नाम्यत (निद्राक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बरवई, दिनां दिसम्बर, 1985

निवेश सं० ऋई-2/37-ईई/19535/84-85—-ऋतः मुझे, प्रशांत राय

भायक र अभिरित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संग्णाप नंग् 3, रामकुटीर, खार, बम्बई-52 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम की धारा 269क, ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के खबमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिकल से एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त ेिति के अन्तरक के दाधित में कभी कार्य का उससे बचने में सृविश के जिए; और/का
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

् बतः स्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, बें. जनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्षिकों, अर्थास ह—

- (1) श्री राजा बिल्डर्स एण्ड इन्देस्टमेंट प्राईवेट लि० (अन्तरक)
- (2) श्री अतुल जयन्ती लाल शाह।

(अन्तरिती)

को बहु बुचना बादी करके पृष्टांचन सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के शास चिक्ति में किए जा सकीय।

स्वक्टीक हुन : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, जो उक्त जीभी नियम के अध्याय 20-क में विरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को अध्याय में दिवा यथा है।

अनुस्ची

शाप नं० 3, जो तल मंजिल, रामकुटीर, स्ट्रीट नं० 95, लिकिंग रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है

यनुसुची जैसा कि कम० सं० ग्रई-2/37-ईई/19535/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ट द्वारा दिनांक 19-4-1985 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

> प्रशांत राय ्रैसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण) यर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9-12-1985

्रक्ष्य शाह्र हो, एम, एस,-----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ं व्यास 269-व (1) के मधीन गुणना

भारत तरकार

कार्यातयः, महायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, वम्बर्ड

बम्बई, दिनांः १ दिसम्बर, 1985

नदेश सं० अई-2/37ईई/19616/84-85--- स्रतः मुझे, प्रशांत राय

भागभार जीविनियम, 1963 (1951 का 43) (विन्ने इसमें इसके परदात् 'उन्ता मिनियाम' बाहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण ही कि न्यान्य सम्मिक जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी लंग प्लैट नंग 3, राजलक्ष्मी सोसायटी, माहीम, वश्वर्ष-16 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ग श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से वर्णित है), श्रीर जिसला वरारनामा श्रायकर श्रीव्यत्यम की धारा 269क, खा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वश्वर्द में रिजस्ट्री है, तारीख 23-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए जनतीरत की यह है और मुम्हे यह विकास करने का बारणहे कि वयाप्यक्तित सम्यति का उचित्रंबाबार मूस् इसके बुख्यमानकालिका से, ेरे वृश्यमान् प्रतिकल का पन्त्रहुंप्रतिश से प्रविक्ति वौर अन्तरह (अन्तरहों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्यक के लिए उन पाया यया प्रतिकत्ता विम्वतिवित्यों उद्देश्य से अन्त अन्तर्य कि एन में बास्तिक क्ष्म से कवित नहीं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अदिक्षीलया के अधीन कर दीने की अन्तरक वो सहिम्ह में कमी अपने या समसे वचने में सुनिधा से सिक्षा धार/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथ अन्तर्रारती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा का या किया बरना चाहिए था, छिपाने में सविभा के सिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, रक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- () श्री ताल चन्द एव० छित्रया और श्रीमती कविता एल० छित्रया।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर के गेही।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वींक्त मन्यति के अर्चन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के श्वपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचमा की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के ठाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य रागिस प्रवास, लधीहस्ताक्षरी के शास लिखित में किस वा सकींगे।

स्वितिका अस्ति । स्वति । स्वत

MATERIAL PROPERTY.

पलैट नं० 3, जो पानलक्ष्मी की० स्राप० हाउसिंग सोसायटी, प्लाट नं० 74, िलीप गुप्ते मार्ग, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/19616/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 23-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रज-2, बम्बई

दिनांक: 9-12-1985

मोहर्

प्रकृष वाहै . ट्री . एन . एस . ------

हार्कार निर्धापयक, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-क (1) के निर्धाप मुक्ता

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, अस्वर्ह

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० ग्राई-2/37—ईई/19696/84—85—-श्रतः मुझे, प्रणांत राय

भावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवात् 'उनत निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से निभक हैं

म्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 15, पीटरसेन होम, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणित है), म्रीर जिसका करारनामा श्राय र प्रधिनियम की धारा 269क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-4-1985

को प्रोंधत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिष्ठ को गई है और मुक्ते यह विस्ताद करने का कारण है कि यथापूर्वोचत सम्पत्ति का उचित्त साजार बृल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे खर्यमान प्रतिफल का नन्तह प्रतिशत से विभक्त है और वंतरक (वंतरकों) कोर वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया बृतिफल निम्मसिवित अवृद्धि के बच्ठ ब्ल्टरच साधित में अस्तिवक स्पूष्ट के बच्च बृद्धी किया द्या है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाव का बावल, अव्यक्त निवय के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जान था किसी चन वा सन्य शास्तियाँ का, चिन्हाँ जारतीय जानवार निविध्यम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विश्वित्यम, या चन-कह अधिनिव्यम, 1957 (1957 का 27) के इसोक्नार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए वा, कियाने में भृतिका भी विवृद्ध

बतः अव उन्त विधिनियमं की भारा 269-म को जनसङ्ख्या में, में, उन्त विधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) हे अधीयः जन्मिकिकिक व्यक्तियों, वर्षात हुन्स

(1) श्री अन्दुल रशीद अन्दुल रजरू

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रौना ग्रब्द्ह सत्तार **और** ममोन महमद रहीम।

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना भारी करके पृथानित संपरित के वर्णन के किए कार्यभाहियां कारता हूं।

उपरा सम्परित के अर्थन के अञ्चल को काहे मी बावांच ८---

- (क) इस सूचना के राजपन भें प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को समीम, वो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त कारिकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना को राजधन मों प्रकाशन की तारीक स 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के न्या निसंदान को विकास का सकोंचे।

साक्टीकरण -- उस्ते प्रवृत्त जब्दों और प्रशं का, वो उक्त विधिनमम् के अध्याय 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूधी

पलैंट नं० 15, जो दूसरी मंजिल, पीटरसीन होम, 447, पीताम्बर, लेन, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/19696/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-4-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रोज-2, बम्बई

दिनांक: 6-12-1985

प्रकप् वाहें. ही वन स्थः ----

गायंकर जिमित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-म (1) के जभीन स्प**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाधुकत (निर्वाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1935

निदेश सं० ऋई-2/37 ईई/19732/84-85 अतः शुन्ने, प्रशांत राय

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित दावार सून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संजपलेट नंज 1, सोमएनेट वी, बन्द्र, बज्बई50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुपूर्ण में बीए पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका कराप्तामा आयकर अधितियम, की धारा 269क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय , बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांच 25-4-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से अन की स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास अरते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य असके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान किता के का नव्य प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया क्या प्रतिफल निम्मालिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए ते पाया क्या प्रतिफल निम्मालिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए ते पाया क्या प्रतिफल निम्मालिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए ते पाया क्या प्रतिफल निम्मालिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए ते पाया क्या प्रास्तिक रूप से किथत नहीं किमा गया है

- (क) बन्तरण से हुएं किसी जाय की बायह , उक्त अधिकियम को अधीन कर होने के त्रस्थल के श्रीयन्त में कमी करने या उससे बच्च में श्रीवरण के लिए; और/धा
- (क) एसी किसी आर या किसी पत्र वा अन्य वसीलायां को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनित्तम, 1922 (1922 का 11) या उक्त की विनयम, या अन- कर बिधिनयम, या अन- कर बिधिनयम, 1957 (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विवय प्रया था का किया जाना का लिए मा कियान में सर्विष्य वे सिक्ट।

बदा बन, उक्त विधितियन की भारा 269-त के बन्नारक में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपकाद (1) के बधीन, निम्नलिखित स्थितितयों, अकृति :--- (1) ग्रंबित कोरपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) डा॰ पी॰ सी॰ रिशी।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्जन के तिए धार्यवाहियां करता हो।

बनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नक्षोप ह-

- (क) इस स्मान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस है 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्मान की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी त्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस स्चना के युजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए सा सकींगे।

स्वाद्धीक्षरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 1, जो तीसरी मंजिल, सोमरसेट बी, पाली हिल, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37ईई/19732/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

विनांच: 6-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

अथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/19747/84-85—ऋतः मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-73, कोजी होम सोसायटी बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित (ग्रीर इसले उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय, बम्बई में रिक्ट्री है, दिनाक 26-4-1985

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री एखासारची जर्मा

(ग्रन्तरक्)

(2) श्री िशोर समनदास हेमनानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लट नं बी-73, जो सातनीं मंजिल, कोजीहोम को॰ श्राप॰ हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ज्लाट नं॰ 531, पाली हिल, बान्द्रा (प), बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसुची जैता कि कि के सं श्रई-2/37ईई/19747/84-85 श्रीर जो जलम शाधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 9 12-1985

मोहर ह

Commence of the state of the st

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक बादकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन-2, वस्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई --2/37ईई/19773/84--85---ग्रतर मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का दारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 203, प्लाट नं० ए/4, खार, बंबई 52 में स्थित हैं(और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विधित हैं), और जिल्ला स्वार्यकामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 26-4-1985 को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उिचत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ण्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) वंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिंध-नियम के वर्ग कर वने के अन्तरक के शियल में कभी करने या रमाने वचन के शियल है निरा शौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोल्नार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिया के निष्

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स इनास एन्टरप्रायसेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुम गजमेर और श्री रनजीत गजमेर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचनाःकादी करके पृत्रांबत शब्दितः के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्ह सन्परित के नर्चन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत ब्राम के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु ते 45 दिन की बनीय वा तत्त्र मन-धी व्यक्तियों पर स्पान की ताथी छ है 30 दिन की बनीय, का भी बनीय नाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता;
- (क) वस क्षान के समयन में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर बनद स्थापर समाति में हित्बह्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रमुक्त खब्दों और पृष्टों का, को उक्स जीवीनयम, के बध्याद 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होगा जो उस वध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

"फ्लैंट नं० 203, जो दूसरी मंजिल, प्लाट नं० ए/4, उन्नीसवां रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2 37-ईई/19773/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख, 9-12-1985 **मोहर**:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा. 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/19788/84-85---ग्रत मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिस कीं संख्या प्राफिस नं० 22, वीना बीना शाणिंग

सेन्टर, बंबई 50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 26-4-1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविकृत निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) कै अधीन, रिम्टिनिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) भौ र्या परवस एन्टरत्रायसेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दीपा कुमार खन्ना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिरों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त कट्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्राफिस नं० 22, जो पहली मंजिल, वीना बीना शापिंग सेन्टर, बान्द्रा रेलवे स्टेशन के सामने, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/19788/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनां । 9-12-1**985** मोहर

प्रकृत् सरहै, टी, एन , एस्., जनस्थान

शायकर गिंधिनगम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

सार्ए स्ट्रकाड

कार्यासय, बहाबक वायकर बाब्बत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बर्ध

बम्बई', दिनां ह . 10 दिशम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/19804/84-85---श्रतः मुझे, प्रशांत राय

नायकर जीवियन, 1961 (1964 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त जीवियम' कहा गया है), की धार 269-व के नवीन सकम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तन्यस्ति, जिलका तिवस बाधार मृश्य 1,00,000/- रु. से वस्थिक है

और जिनकी सं० फ्लैंट नं० 40% फांनडेल, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (और इत्तते उपाबद्ध प्रनूसूनी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जियशा उरारतामा प्रायण्य प्रधि-लियम 1961 की धारा 269क खाके स्थीन सक्षम प्राधिशारी के कार्यात्रय, बम्बई में रशिस्ट्री है, दिनां 30-4-1985

की पूर्वित सम्पन्ति के उचित गायार मूल्य से कम के ध्यामाय प्रितिक्त को गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विश्व सम्मित्त का उचित गायार मूल्य उसके क्यामान प्रतिकत्त सो, एसे क्यामान प्रतिकत का पन्द्रह प्रक्रियत से गिथक है और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरित्री (बन्ति-दिस्मा) के बीच एसे जन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिकत, निम्निवित्त उद्देश्यों से उन्त अन्तरण कि बिठ में वास्ति अक स्व स कि भिन नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण स हुइ' किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क निस्तु और/मा
- (६) ्रिसे किसी जाय दा किसी धन या जेन्य जास्तियों, की, विक्रें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भट-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जेतिहरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा यां किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विष्ट:

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, भी, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की अवधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---मोहर :

37-406 GI/85

(1) सुहैल चन्त्युक्तमान्त ।

(भन्तरक)

(2) श्रं केनेथ लुइस मधलारनेस और श्रीमती लिनेट ऐन मसकारेन।

(भ्रन्तरिती)

करें यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को समंभ मां काही भी माक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतह पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाहा;
- (स) इस लूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्र<u>न</u>ुसूची

फ्लैट नं० 402, जो चौथी मजिल, फ्रांसडेल, 115, हा० पीटर धायस, रोड, नान्द्रा, नस्बई-400050 में स्थित है।

प्रमुस्ते जैसा कि कर संर प्रई-2/37-ईई/19804/ 84-85 और जो सक्षम प्राधितारी वस्बई द्वारा दिनाँछ 30-4-1985 की रजिस्टई िया गया है।

> प्रणांत राय यक्षम प्राधितारी संहायक श्रायकर आयुक्त (निरंक्षण) शर्जन रेंज-2, वस्बई

दिनांक: 10-12-1985

मोद्धर '

शक्य बार्च् टी.एन.एस.,------

भायकार विभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के मुभीन सुमना

भारत करकार

कार्याक्षय , सहायक वायकर वायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं॰ ऋ**६-**2/37-**६६**/19810/84-85---- प्रतः मुझे, प्रमात राय

भावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कार्य है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित्र वाजार मूल्य 1,00,000/- राजसे बिधका है

और जिसकी संब प्राफित नंव 51, रीजसी बिल्डिंग, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा 269%, ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थारपूर्वोक्त सम्परित का उचित वाजार कृष्य . उसके व्ययमाप प्रतिकल से, एसे व्ययमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और शंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तब पासा गया प्रति-कल निभ्ननिष्ठित उद्वीद्य से उच्त संतरण निष्ठित में सास्त्रिक क्ष

- (क) बन्तरण में हुई फिल्में बाद की प्रकार एक्स बीरियक के बचींच कर दोने के सम्सरक की दारियक में कभी करने या उसके बचने में सुनिका के सिए; बीर/या
- (क) यूंबी किसी बाय या किसी यन वा अन्य आक्तिवाँ को जिन्हों भारतीय लाग-कार की शिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोणनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) की स्थीय निम्नविधित व्यक्तियों, अधीत १(1) मैसर्भ कावेरी कारपोरेशन।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती मारलीन पी० सेलवीन और श्री द्रेषर सेलवीन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के ित्र कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सभ्वन्थी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्विक्स व्ययितयों में से विकरी व्यक्ति द्वारा;
- . (क) इस स्थाना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पति में हिरवद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अश्वेदस्वाक्षरी के पास विश्वित के क्षिप जा सक्षेत्रे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जो उपल अधिनियम की अध्याय १० ल में परिभाषित है, बही अर्थ क्षोका, की उप अध्याय में दिवा गया ही,

अनुसूची

श्राफिस नं० 51, जो पांचवी मंतिल, रीजंसी बिल्डिंग, सीं॰टी॰एस॰ नं० 1357-1359, भोयवाडा रोड, बान्द्रा, बंम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैता ि फ० सं० छई-2/37-ईई/19810/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारी दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

दिनोंक: 10-12-1985

प्रकृष सार्थः ही. एव - एस क्रान्स्वरूप

बावकार बाँधनियस, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-थ (1) के बंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक भायकर कायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई--2/37--ईई/18744/84--85----प्रतः भुन्ने, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें इसमें प्रभात उक्त अधिनियम कहा गगा है). की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 101, अपना घर युनिट नं० 3, इमारत नं० ए-29, अटलांटिक अपार्टपेंट, अंजेरी (प), बस्बई-58 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राविकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, ता खि 1-4-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के राधित काजात गृन्य से कप जो क्रयमाध्य प्रतिकत के तिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कर कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति को उपित बाबार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दश्यमान प्रतिकत्त को वन्तर प्रतिकात से अधिक हो और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे बुन्तर के लिए तम पामा गया प्रतिकत, निम्मतिबित, उप्देश्य से उनत अंतरण सिवित से वास्तिक कम से कथिस गृहीं किया प्रमा है है—

- (क) बजरण सं शुद्ध सिक्षी दाद की बाजस, उपक्ष अधिनियम को अधीर कर बोर्ग को जल्तारक को दारिएस में कभी करने का उच्चे बजने में सुविधा की लिए; बॉर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, फिन्हों भारतीय अध्यक्षर अधिनियम मा धनकर (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम या धनकर अधिनियम मा धनकर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा अकट नहीं किया गया था मा किया जाना आहिए था छियाने में स्थिभा के लिए;

बतः वन अन्त निमिननम् की धारा 269-व के नव्यतः में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा /।) के नधीन, निम्मीसिश व्यक्तियों, ज्यांत :---

(1) वासूदेव केशव दास्ये ।

(भन्तरक)

(2) संग्राम केशारी खूंटीया ।

(अन्तरिती)

को यह सुख्या जारी करके पृथानिक सम्पृतित के अर्थन के विष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति से वर्षन से सम्बन्ध में कोई औं वासी हा---

- (क) इस सूचना में राज्यत में प्रकावन की रारीच हैं 45 रित की जयित या उत्सविधी व्यक्तियों पद सूचना की रामील से 30 दिन की अयोध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतड प्रविच्च व्यक्तियों में से किसी स्पृतिस बुवाडा;
- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबृष्ट् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए वा सकीने।

स्प्रध्वीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिप्रियम से अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया क्या हैं।

अनुसूची

पलैट नं० 101, जो पहली मंजिल, श्रपना घर यूनिट नं० 3, इमारत नं० ए-29, श्रटलांटिक श्रपार्टमेंट, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि ते स्रई-2/37—ईई/18744/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिका ी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-12-1985

त्रकर बाह्य हो_ं स्ट_ि स्ट_ि कुर्_{ं क्रिक्ट}

भागभन्त न्यिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-म (1) के न्यीन स्मृता

भारत स्टुकार

कार्यालय, बहाबक अधिकर जायुक्त (निर्द्वीक्षण)

श्रजीन रेंज--2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० थई-2/37-ईई/18745/84-85---अत: मुझे, प्रशांत राय,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उन्द्र मिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, सिसका स्थित सामार मुन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जिमन का हिस्सा, प्रांबीविशी विजेज. अंबेरी में स्थित है (और इससे उपायद अनुपूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियन की धारा 269 क, ख के प्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूओ यह जिश्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के के जिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्न (1) श्रीमती मेरी जोन फान्सीस पीन्टो ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स लोक कन्स्ट्रवशन्स ।

(ग्रन्तरिती)

(3) मन्तरक ।

(बह व्यक्ति जि**सके भ्रधिभोग में** सम्पत्ति है)।

का वह सूचना आरी करके प्याँक्य संपर्तित के सर्वन के किए कार्यवाहियां करता हु"।

उक्क संबन्धि के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक छ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्षाधि, आ भी क्षाधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवाया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पारित में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों. का, वो उसत् अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा, वो उस अध्याय में दिया पका है।

धनुसूची

जमीत का हिस्सा जिसका सी टी एस नं 421 (पार्ट), 428 (पार्ट), 420 (पार्ट), 438, 321, 421(2), 429(1), ग्रांबियली विलेज, अंधेरी, बम्बई है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/18745/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-2, बस्बाई

तारीख: 10-12-1985

मोह्रर :

प्रस्त नाइ' टी. एन. एड. ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-स (1) के स्थीन मुख्या

might armig

कार्यातय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्देक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/18766/84-85---प्रतः मुझे, प्रशांत राय,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उन्त अधिनियम' कहा गथा हैं), की भारा 269 स को गधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लैट नं ए/403, राहुल बपार्टमेंट, अंधेरी (प), वम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुजूची में और दूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आधकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्मई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य में कम को इत्यमान मितकत को लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने वह नियमान करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का राचित बाजार मृत्य, उसके इम्यनान प्रतियान से एके इम्बरान प्रतियान को स्वयं कर्ति को सन्द्रह प्रतिश्वत सं बाधक है और अंतरिकी (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरभ को लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्वर से उक्त वज्दरण विविद्य में गास्तियक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावय, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से शामिल्य में कमी करणे या उदसे दणक से स्टेस्सा अधिकए; और/सा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वर्ध भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया बया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के विष्

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुतरण वो, मो, दक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, हार्नित क्रि- (1) कीरीत सन्तीलान राधी।

(अन्तरक)

(2) भी चीनावाल प्रजुदास सोनी और शीमती कनकलता चीमनलाल सोनी।

(म्रन्तिरती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके स्रविभोग में सम्पत्ति है)।

का यह स्थारा जारी धारने गुनीनक सन्गोत्त से वर्जन के निम् कार्यमाहिया गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के जुर्वत को सम्बन्ध भें की हैं भी आक्षेप :--

- (क) इस सुभाग के राज्यात्र में प्रकारत की मारीख के 45 वित की अवित्य मा शुरुषंत्री का नितमों पर सूनन की राज्येत से 30 किन की अवित, जो भी खड़ित कर में कमान्य होती हो, के भीतर प्रोंका का करती में से से कि कि नित दशाया:
- (ए) इस स्वता के राज्यम में प्रमायन की तारीन है 45 दिन के भीतर जयत स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध जिली कल व्यक्ति ब्लास, मधां प्रस्ताकारों के पास जिलिस में किए या सकी है।

स्पष्टीक रण :---असर्थ अवस्त दावाँ और पर्दा का, को उन्त सिण-नियम की अध्याब 20-क में परिभाषित हैं। वहाँ अर्थ होता, को उस अध्याय में विया नवाः है।

मनुसुची

पत्नैट नं $\sqrt{403}$, जो जोबी गंजित, ए तिंग, राहुल अपार्टमेंट, अंबर और ओस्कर दो जीत के सामने, एसन भीन रोड, अंबेरी $\frac{5}{2}$ (प॰) बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि के० सं० सई-2/37-ईई/18766/84-85 और जो सज़म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सथम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-12-1985

प्रकृप आहर् की पून एस .-----

भायक रू शिंभितयम, 1961 (1961 का 43) को भाषा 269 प (1) के अभीन सुवज्ञ

भारत सरकार

कायलिय, सहायक शायकर वायक (निद्धिकण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० अई-2/37/18780/8485- भत: मुझे

प्रशान्त राय बायकर अभिनिद्दम, 1961 (1961 का 43) विवसे इसमें इसके वहनाव 'स्थल अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभिन स्थान प्राप्तिकारी की यह विश्वास करते का बारण हो कि स्थानर सम्पत्ति जिसका कीचत कावार सुरूष 1.00.000/- क. से अभ्यक्त हैं

घौर जिसकी सं ० फ्लंट नं ० 13, जोगेखरी यशोदन भवन को ० आप० हाउसिंग सोसावटी, जोगेखरी (प), अम्बई → 60 में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, संज्ञन प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

का पूर्वोक्स क्षमिति के स्थित वाकार मूक्य से क्षम के स्वयं क्ष प्रतिकाल को लिए अस्तिक्स की गई है और मूख्य मह विश्वतंत्र करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्थित कावार मृख्य, उसके दर्गमान प्रक्षिकत से एसे स्थानान प्रतिकास का पेश्वर प्रतिकास से अधिक है और अंश्वरक (अंतरका) और अंशरिती (अंसरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए एस पावा बना प्रतिका कन निम्नतिसित उप्रदेश से जन्त अन्तर्भ सिक्ति में बास्त-किस स्मृ से स्थित मही किया पदा है है—

- (क) अन्तरण है हुई फिसी साम की शायत प्रकत निर्मितियम की अभीन कर दोने की सन्तरक के वासिक में कमी करने या उससे बचन में सविधा के लिए; क्षीर/शः
- (वा) एंडी किसी जान वा किसी धन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत विधिनियम, 1927 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना भाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत्थः नव, सनत अधिनियम की भारा 269-ग के जन्युरच भी, मी, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपचारा (1) वे अधीन, निम्नित्वित स्वस्तियों अधीत ह—

- (1) श्री शंकर बाबूराव पवार।
- (भन्तरक)
- (2) श्रीमती प्राशा किरन वेदालकार।

(धन्तरिती)

को यह सुअना जारी करके पृत्रांचित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां सुक करता हो।

बक्त सम्परित के अर्थन को संस्थान में कोई भी बाक्षण ए--

- (क) इत सूचना के राजवन ने प्रकाशन की ताबीब बे 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों कर बूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी संविध याव में समाप्त होती हो, के भीतर क्वींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास मिरिया में किस का सकीचे।

स्पष्टीक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, वो उच्छ निपनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, नहीं सर्थ होगा वो उस अध्याय में विशा नमा है।

धन्स्ची

फ्लैंट नं० 13, जो जोगेश्वरी यशोधन भवन को० प्राप० हाउसिंग सोसायटी, नवतार नगर रोड़ नं० 4, जोगेश्वरो (पु), सम्बद्ध-400060 में स्थित हैं।

भनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/18780/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीय: 10-12-1985

मोहर ।

प्रकर्प आहे ती. एन एस ..----

बाध्कर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

धारक करमञ्जू

कार्यालय, बहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

धम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/18783/84-85:--यत: मुझे, प्रशांत राय,

कायकार कांधानियक. 1951 (1961 का 43) (जिसे कन्में इसके पहचात् 'इसते कांधिनियम' कहा एया हाँ). की भारा 269-व को अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, 102, 103, 201, पोलीस आफीसर्स प्रोग्नेसिय को आप० हाउनिंग सोधायटी लिमिटेड, बम्बई-61 में स्थित है (प्रोर इससे उपायद्ध अनुसूची में प्रार पूर्ण रूप से विणित है), प्रार जिसका करारमामा आयकर अधिपियम, की धारा 269 के खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, सारीख 1-4-1985

की प्रेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के दश्यमाभ श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित श्राजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से. एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- इस निम्निलित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कांचर महीं किया गया हैं है—

- (क) बन्दारण से हुई किसी काम की शमद एवड अधि-नियम के स्थीन कार बने के बन्दरक के ध्रांबल्ड में कभी करने या उन्हें बच्चे में बुनिका के शिए:
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग या अभ्य आस्तियों का, पिन्हें भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भन-कर की धीनमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया करा था या किया बाना चाहिए था, स्थितने से भ्रिभा ने लिए।

बतः वयः, सकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक भी, भी, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (६) भी अधीनः निम्निसितः अधितासों, अस्ति ३---- (1) श्री रामचन्द्र जे० मंगूरडेकर ।

(अन्तरक)

(2) युनिकेम लेबोरेंटरीज लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाडी करके पृथानस अम्परित को अर्थन के दिए कार्यनाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पार सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मनुसुची

पलैंट नं ० 101, 102, 103, 201 साम प्लोट नं ० 6, पोसीस आफीसर्स प्रोग्नेसियको--आप० हाए सिंग सोलायटी लिमिटेंक, वर्सीना, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400061 में रियल है।

अनुसूची जैसा कि करु सं० अई-2/37-ईई/18783/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ब किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सद्वायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जा रेंज-II, बस्बई

तारीख: 10-12-1985

प्रकृष साहा, टी. एस. एस.,----

(1) श्रीमती माया सी० मोटवानी।

कार्यवाहियां स्क करता हु 🗓

(अन्तरक)

(2) श्रीतृषार डी॰ उदानी श्रीर श्री जतीन डी॰ उदानी। (अन्तरिती)

कारकार विधियामा, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-य (1) के वर्धीय सुसरा

भारक सरकार

कार्यासय, बहायक कायकर बाज्यस (निरक्षिण)

अर्जं ए रेज-11 बम्बई

बम्बई, दिशांक 10 दिलम्बर 1985

निद्यम सं० अई-2/37~ईई/18790/84~85:--बतः मुझे, प्रमात राय,

भाषकर अभिनित्रम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें स्टब्से परवाद किया अधिविष्या व्यद्ध गरा हों), की भाष 269-त से अभीत कथन शरीककार को यह विश्वक करने का स्टब्स है कि स्थावर कमीत, विश्वका दिएन बाबार मूल्य 1,00,004/- रा. से स्थित है

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 11, मनीम एगर, यंतेरी (म), सम्पई— 58 में स्थित है (श्रीर इसने उपाध्य अनुसूची में थीर पूर्ण रूप से विज्ञा है), श्रीर जिसका सम्परमान आयार अधिनियम की धारा 269 के खें के अधीन, सक्षम आधिमारी के जायनिय, बम्बई में रिजर्स्ट्री है, तारीख !—4—1985

को पृष्ठींकत सम्पत्ति को उपिक्त बाजार मूच्य से कम को पश्चाम श्रीतफाल को लिए अम्परित को गई हाँ और मूझे यह विश्वास करने का कारण हाँ कि पथाप्वींकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूख, अवने अवस्थान श्रीक्का के, कृषे उथादा अशिक्ष कर बंबह प्रतिकास से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) को धीच एस जंतरण को लिए तम पामा प्रविक्षन कन, मिम्मलिखित उद्बर्ध से उनत अंतरण लिखित में बाखिनिक क्य में कथित महीं किया गया हो:--

- (क) अम्बरण से हुई किसी आय की बाबत, अकत गिथिनियम के अधीन कर गोमें के बच्छरक के गामिका में कमी करने या उससे बच्चे में सुविधा के सिह; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या फिली धन या कर्य आस्तिक की, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) या उत्तर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ संस्थिति इंडाप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितन में सविधा के लिए:

म्बर मन, समेर अभिविद्यम की भारा 269-ण को बनुसरम मा, मा, तक्त सिधिविद्यम की भारा 269-च को जनभारा (;) को नभीन जिल्लीसित व्यक्तियों, सम्बद्ध :---

उक्त सम्पति के अर्थन के संबंध में कार्य भी अव्योप :---

को यह सूचना बारी करनी पूर्वोंनत सम्पत्ति के वर्षन को लिए

- (क) इस तुराना के राजपन में प्रकाशन की तारीज सं
 45 दिन की नमीभ या तरतम्बन्धी व्यक्तिसर्वो पर
 सूनता की तामील से 30 दिन की अनिभ, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की बारील से 45 दिए के भीतर उपन स्थावर सम्पत्ति में हितमब्भ किसी अन्य स्थावर स्थाहरतालारी के पास तिरिक्त में किए आ सकोंगे।

स्यक्षीकरणः इसमें प्रयूक्त कर्कों मीर पर्वों का, को वक्त धरिषयम, के कथ्याव 20-क में गरिकापिक ही, वहीं कर्ष होगा को उस कथ्याय में विद्या गया ही ते

अनुबुची

पर्लंट नं 11, जो तल मंजिल, प्लोट नं 25/26, मनीण नगर, जे पी रोड, प्रंघेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ सं अई-2/37-ईई/18790/84-85 प्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िारीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

तारीख: 10-12-1985

HOT AND ALL THE PROPERTY.

बायफार मधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाग्न 269-म (1) के बभीय सूचना

कार्याजय, सहायक जायकार अस्यूचक् (विरोध्य)

अर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनां रु 10 दिसम्बर, 1985

निदेशि सं० अई—2/37—ईई/18797/84—85:—⊶क्तः मुद्धे, प्रशांत राय.

सम्बद्ध विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (विषये इसमें इसमें परनात् 'स्वतः निर्मियन' कहा क्या ही, की भारा 269-क के बधीय इक्षण शिकारी के वह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्मित, जिक्का अधिक वाणार मृत्य 1,00000/- क. वे सिक्क हैं

षोर जिसकी सं० पलैट नं० 103/ए, इमारत नं० 6, वैशाली नगर, जोगेक्वरी (प), बम्बई-60 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है. तारीख 1-4-1985

का पूर्वोक्त सम्मित्त के उक्ति बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह्र प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्व से किशा नहीं किया गया है:---

- (क) सम्बद्ध से हुई किसी नाम की नानत, उक्क विधिनियम के नभीन कर दोने के अन्तरक के दाविश्य में कभी करने या उससे स्थान में सुविधा के सिए; मोत्र/या
- (क) एवी किसी जाल वा किसी भन या अन्य आस्तियों को बिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए:

बलक नव, उसत विभिनियम की धारा 269-ग की बनुसरण ने, में, उसत विभिनियम की धारा 269-थ की स्वधारा (1) के अधीन; निज्ञतिक्का व्यक्तिवार, अधीत :--- (1) श्री प्यारली सी० सूरानी।

(अन्सरक)

(2) श्रीमजी सुल्तानी पी • सूरानी।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना चाडी करके प्यानित संपरित के नर्जन के लिए कार्यनाहियां कड़ता हों।

बक्द सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी आसीर्:---

- (क) इस त्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की स्वर्धित का सरकाम्युर्थी ज्यानितकों इस स्वर्था की ताबीत से 30 दिन की नवीत, को औ समीध बाद में समाप्त होती हो, के मीटर वृत्यों कर व्यक्तिकारों में से किसी ज्यानित द्वारक
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की वारीस से 45 दिस से वीतर उक्त स्थानर सम्बद्धि में हितबहुध किसी मन्य व्यक्ति हुतारा नथाहस्ताखड़ी से पास निवास में निवास का सकेंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उन्कर विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस जध्याय में दिका गया है।

भनुसूचो

क्लैट नं • 103/ए जो इमारत नं • 8, वैशाली नगर, राम भीर स्थाम टोकीज के पीछे, एस० वी० रोड, जोगेंस्वरी (प), बस्बई-400060 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-2/37-ईई/18797/84-85 श्रीर जो सक्तन आधिकारी चम्बई द्वारा दिसांच 1-4-1985 को रजिस्टई किया भमा है।

प्रशांत राव सक्षम प्राधिकारी सहाबक आयकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—[[, बम्बर्ष

बारीय: 10-12-1985

अक्य नार्ं हो एवं एवं , व्यवनायक

भावकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा भाग्र 269-म (1) के अभीव सूचना

गारत करकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, धम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० अई-2/37-ईई/18829/84-85:--यतः मुझे प्रशांत रायः,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व हस्त्री इस्त्री पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर कम्पीत्त, विश्वसका जीवत आजार मृज्य 1,00,000/-रा से वधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं०34,ए विंग, श्री अक्षय कृपा सोसायटी श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1985

को पूर्वेक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान शितफन के सिए बन्दरित की नहीं है और मृत्यें यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिखत से निभक्त है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरम के लिए तब पाना वसा अविश्वन, निम्मीविद्यु अवृत्येक्ष से अवत सन्तरम किल्लिंग में बास्तविक रूप से किथत नहीं सिया गया है :---

- (क्क्ट्री कच्चाइम वं हुन्द्री किसी बाय की बावस, सकत अस्थितिवास के वाचीन कड़ वाचे के बन्दारक कें समित्य में कमी करने मा प्रवर्ध मण्डी में मृतिका को निष्; बार/मा

बतः नव, उक्त विभिनियम की धार्य 269-ग के अनुमरण कें, में, धक्त विभिनियम की धार्य 269-व की उपभारत (1) वे वधीन, निम्नसिक्षित्र स्वित्वयों संबंधि क्र--- (1) श्री एल ० डी ० सेथा।

(अहारक)

(2) श्री हेजरी चार्ल्स गोविस।

(अन्तरिती)

महें मह शुक्ता भारी करके पृथा कर सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

क्षवाद सम्पत्ति को बार्चन को सम्बन्ध को कोडी की बार्बाद:--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समिश्र मा तत्स्य मन्त्री स्वतिस्यों कर स्वता की तामील से 30 दिन की समिश्र भी भी क्षिप वाद में समान्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्तिस्य पुनाराः
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवर्ष किसी बन्ध व्यक्ति स्वारा व्यक्तिसरी के पाल निश्चत में विद्य का दक्षी।

श्वाकांकरण:---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो अक्ष् विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, बही नर्भ मुदेश को उस विध्याय में विवा स्या है क्ष

अनुसूची

फ्लैंट नं० 34, जो तीसरी मंजिल, ए० विंग, प्लोट नं० 36, श्री अक्षय कृपा को-आप० हाउपिंग सोसायटी लिमि टेड मनीण नगर, चार बंगलोज, जे० पी० रोड़, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37 -ईई/18829/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय यक्षम प्राधिकारी यहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, **बम्बर्ष**

तारीख: 10-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभ्य सचना

भारत सम्बार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,II बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 विसम्बर, 1985

निदम सं श्रर्ध-2/37-ईई/18861/84-85:---धराः मृसे, प्रशांस राय,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जित्ति ति पर्तेष्ट नं ० 701, इसारत नं ० 19, जोगेक्वरी (प), बम्बई - 58 में स्थिद्ध है (और इत्ते) उत्तवद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), और िक्ष ति क्षिता श्रास्तामा श्राय र श्रीधनियम 269 के, ख के श्रिजीन, सक्षम श्रिधितारी के कार्यालय, बम्बई में रिलस्ट्री है, तारीख 2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से दाम के स्थमाग प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वास्ति मंकमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था या दिया जाना श्राहिए था, खिपाने में सविभा के मिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उपधारार (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु—

(1) श्री झीयाउद्दीन बुखारी।

(मन्तरक)

(2) श्री सलेह मह्मद इस्माइल मीर्चीडवाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ्---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रााचन की तारीच से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और भवों का, जो उपतः अधिनियम, के अध्याय 20-5 में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यों

पलैट नं २०१, जो सासवीं मंजिल, इमारत नं 19, सर्वे नं 41 (पार्ट), श्रोणिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगम्बरी (प), बस्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कष्ट सं० अई-2/37-ईई/18861/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 5-12-1985

प्ररूप बाह् दी पुरु एस ह वनस्यनस्यस्यस्य

भाषकर मीर्पनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के मधीन सूचना

HIGO ASSAULT

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्ण)

प्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/18862/84-85:---यतः मुझे, प्रधात राम,

कामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की नारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैंट नं० 702, इमारत नं० 19, जोगेण्वरी (प), बम्बई - 58 में स्थित हैं (भीर इससे उपावद अनुसूची में भार पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की आरा 269 क, ख के अधीन, सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 2→4—1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धों यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बस्स्तिक रूप से किया गवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बामित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (b) होती किसी बाव वा किसी भन या अन्य आस्तियों की, विन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वस-कर अधिनियम, या वस-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाग साहिए था, छिपाने में सुविधा की विद्य;

बत्तः भव उक्त विधिनियमं की भारा 269-मं के वनुबरण वी, वी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभाग (1) के बभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) भी झीयाउदीन बुखारी।

(धरतरक)

(2) भी सलेह महमद इस्माइल मीर्चीखवासा । (श्रन्तरिती)

स्क्री सह सुमना जारी करको पृथोंमत संपत्ति के अर्जन की सिम् निए कार्यवाहियां कपता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तंबंध में केंग्र्स भी वाक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की लारीस वें 45 दिन को भीतर उस्क स्थावर सम्पत्ति में हितवकुष किसी अन्य स्थाक्त द्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास लिखन में विकार जा सन्मेंगे।

स्वक्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्ट अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

क्लैंट सं• 702, जो सातवीं मंजिल, इमारत सं• 19, सर्वे तं• 41 (पार्ट), स्रोधिवरा विलेज, बेह्रराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

भ्रमसूची जैसा कि कर सं क्र ग्रह-2/37-ईई/18862/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रिजस्टड निवा गया है।

प्रशांच राव संसम् प्राधिकारी बहानक भानकर मायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रोज-2, बस्बई

वारीब : 5-12-1985.

मोद्दरः

इंक्प नार्द्ध ह**ी. एवं. एत**्-----

बायकर वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासको, सङ्घायक भाषकः: सायुक्त (निरीक्षण)

भजन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निवेंश सं॰ मर्ड-2/37-ईई/18899/84-85:--मर्जः, मुझे, प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकाणी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिक बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 28, जो पिकनिक भ्रपाटेमें टे, वसोंवा, बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुधुची में भार पूर्ण छप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान बितिफल के लिए बन्तरित की गए हैं और भुम्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार एसे क्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिकात से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अम्तरण के किए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्योचम से सक्त अन्तरण निवित में बास्तिबक रूप से किंगत महीं किया न्या हैं 1—

- (क) अभ्यापण से हुई फिली बाय की बावच, उपत नियम के अभीन कर दोने के संतरक के बावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियी की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विश्वा जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिय;

(1) श्री रोकी केस्टेसीनो ।

(मन्तरक)

(2) भी मलराम भारपर वरमणी।

(बन्दरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 4.5 दिन की जबिंध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चन की तामील से 30 दिन की अविध, को भी बर्ध काद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रक्रित स्थितिस्थों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के गास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्था अधिनियम, को अध्याद 20-क में परिभाषिक हैं, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया हैं।

धनस्यो

पर्लंट नं ० 28, जो पिकनिक प्रशार्टमट को-प्राप० हार्जीसम सोसायटी लिमिटेड, जे०पी० रोड, जीत नगर, वसीवा, बम्बई— 400061 में स्थित है।

अतृतुची जैसा ि कर संर अई-2/37-ईई/18839/84-85 और जो जिल्ला प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

यशीस राम, उन्नम प्राधि हारी सङ्ग्यन माय हर ग्रापुत्रः (निरीक्षण) मर्जन रॉज-II, बस्बर्ध

सतः सम, उनत सीधीनयम काँ धारा 269-ए के बन्धरण में, मीं, उनत सीधीनयम की बादा 269-ए की उपधारा (1) के संधीन, निम्नीजियित साधिसपी, संधीत :—

तारींच : 10-12-1985

मोहर 🗈

प्रारूप आई.टी. एन. एस. -----

बावकर विधिनियत । 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) की वधीन सुष्ता भारत सरकार

कार्यासय, शहायक जामकर शानुकत (निद्धासन)

ग्रर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, विनांक 6 दिसम्बर, 1985

निद्धा सं० **ध**ई-2/37-ईई/18903/84-85:----**य**तः **मुक्षे**, प्रशांत राय,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जनत अधिनियम कहा गया है), की भाग 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाबार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं ० फ्लंट नं ० ए/७, एवरशाइन नं ० 2, मंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (मौर इसरो उपाबद्ध मनुसूची में मौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा भ्रायकर मधिनियम की धारा 269 ए ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिक्स्ट्री है, तारीख 4-4-1985

के पूर्वोक्त सम्परित के उर्वित वाकार मूम्य ते कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है जॉर मूम्से नह विश्वाल करने का कारण है कि सभाम्योंकत स्वयस्ति का उपित वाचार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का निस्द श्रीत्रयों। के बीच इसे बन्तरण से बिह तय गांग नया प्रति-क्षा निश्वक्रियात स सुवित्र से उन्य बंदरण जिथित में वास्तिकक स्था निश्वक्रियात समुद्रिक्ष से उन्य बंदरण जिथित में वास्तिकक स्था से स्थित वहीं किया द्या है है---

- (क) अन्तरण स कृष्ट जिल्ली लाव कर्र व्यवह, उत्तरध नरीतिन्यस के अधीन कर बोने के बंदारक के वासित्य में कमी करने या उसके बचने के सुविधा के निष्ट, बारि/वा
- (व) ऐसी किसी बाय वा किसी वन वा बन्य शास्त्रकों को, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियस, या भन-कार ल्फिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए ना, जिपान वे सुविधा के लिए:

अक्षः ज्व, उक्त विभिनियम की भाष 269-ए की असूतरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भार 269-वं की उक्थारा (१) से अधीन, निम्मीसिधित व्यक्तियों, बर्बाट ह---- (1) म्रारचीबाल्ड विन्सेन्ट डीकसन मौर श्रीमती जोन भेरी डीकसन ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती दिपा गगन मृटवानी ।

(मन्तरिती)

को वह सुचना आही करके पूर्वोक्य सम्पत्ति से वर्षन से विष् कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पन्ति के कर्वन के सम्बन्ध में कोई भी जालेंप अ---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के बी 45 दिन की समित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर्न सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, धों भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्याय;
- (क) इस स्थान के एकपण में अकावन की तारींच से 45 दिन के भीतर उनक स्थान सम्पत्ति में हितनपूर्व किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, वभोहरताक्षर के पाव विविक में किए या सकेंगे।

स्वाक्षिप्रम् :--- इसमें प्रमुक्त छल्यों बोड पर्यों का, को उपत् शीधीन्यम्, के अध्याय 20 क में परिभाविद ही, पहीं कर्ष होता को उस स्थाय में दिवस वस्त ही।

बन्स्थी

पलट नं ० ए/७, जो एवरशाइन नं ० २, जे० पी० रोड, प्रसाप सोसायटी के सामने, ग्रंधेरी (प); बम्बई-400058 में स्थित है।

म्रनसुची जैसा कि फ॰ सं॰ मई-2/37-ईई/18903/84-85 भोर जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सारीख: 6-12-1985

मोहर 🧯

प्रकार बार्य है हैं। पुरुष पूर्व के कार्य

भायकर वीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यसम् सहायक बायकर बायका (विरक्षिण) अर्जन रेज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 विसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/18916/84~85:--यतः ,मुझै, प्रशांत राय,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्बंध, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. ते अधिक है

धार जिसकी सं ० पर्लंट नं ० के - 105, मने च मोती, धर्सीवा, सम्बर्ध - 61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपा बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 5-4-1985

का प्रोंक्स सम्मित्त के जीवत बालार मन्त्र से कम के बच्चकान श्रीतफल के निए संतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का बारल है कि स्थाप्नोंक्त सम्मित्त का उपित बाजार मुस्य, इसके बच्चभान प्रतिफल से, एसे ब्द्यमान प्रतिफल के पंड्य प्रतिकात से स्थिक है और संतरक (अंतरकों) और संतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्लीसित्त उत्वोग्य से उक्त बंतरण सिविया में वास्तविक क्य से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाम की बायत, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्य में कमी करने या उससे बचाने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी निसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय जांवफर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, हिस्साने में सजिका के लिए:

कतः जव, उक्त विधिनियम की भाग 269-क के वनुसरक में, में, बक्त अधिनियम की भाग 269-क की अपभाग (1) को वभीन, निक्निजित स्थितियम, स्वाह्य (1) श्रीमती शोभना वानेकर ।

(अन्तरक)

(2) श्री महमद खान।

(अन्तरियी) 😘

क्यों यह सूचया जादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवादिकां करका हुई।

रक्त संगीत के वर्षन के संबंध में कोई भी वासीय :---

- (क) इस सूचना से राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की सर्वीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की सामील से 30 विन की अत्रीय, जो भी क्वीय वाप में समाप्त होती हो, से शीतर प्रवेकित क्वीयसी;
- (क) इस ब्रांचा को समापत्र में त्रकाशन की तारीचा है 45 विन को भीतर उत्तय स्थावर सम्पत्ति में दिवयद्वर विन्दी वन्य व्यक्ति व्यास क्षाहरताकारी को पास विश्वित में विक्रम पा सकींगे।

वन्स्यी

पर्लंड मं० के-105, जो तल मंजिल, मनेक मोती, धररी रोड़, वर्सोवा, प्रंधेरी (प), वस्प्रई-400031 में क्रियत है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई--2/37-ईई/18916/84--85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय उक्षम प्राधिकारी **रहायक** आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज-11, बम्बाई

सारीख: 10-12-1985

मोहरः

प्रकम बार्च ु दौ ु एमं ू एस ु-----

बाबका बाजिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) में नवीन म्पना

भारत सहस्रह

कार्याक्षय , सहायक वायकर बाव्यक (विश्वीक्षण) अर्जन रेज-II. धम्बई

बम्बई, दिलांक 6 दिसम्बर 1985

भिर्देश सं० अई--2/37--ईई/18928/34--85:----यत:, मुझे, अशांत राय,

बावकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इतमें इसके परवाद 'उक्त सिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बचीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृष्य 1,00,000/- रहे से सिधक हैं

मौर जिसकी सं० पसैट नं० 22, अनुकूल, वसींवा, बंधेरी (प), मम्बई—58 में स्थित है (बीर इसरी उपायद्ध अनुसूची में बीर पूर्ण कप से विणित है), बीर जिल्हा अरायनामा आयश्य अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीत, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 4-4-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यभाव प्रक्रिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार पून्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा प्रया प्रतिकत निम्निविचित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिचित में बास्त्रिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है है—

- [का बन्तरक्षे इ.इ. किसी बाय की वावत , सकत मिनियम के अधीत कहा दोने के मृन्तरक थी यामिरव मों कभी करने या उससे राजने भी मृतिया भी लिए; और/मः
- (च) एँसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों नारे, जिन्हों भारतीय आपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्का निधिनयम, धा धनकार अधिनियम, धा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया चना था विश्वा काना चाहिए था, छिपानी भी सर्थियों के लिए।

क्यः वस, अक्त अधिनियम की भाख 269-ग के अनुभारक को, मी, कक्ष अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को जभीन, जिल्लीलिया व्यक्तियों, अर्थात ;--- (1) श्रीमती जीत उदैवार।

्धरसर्क)

(2) श्रीके०सी०शर्मा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोगं में सम्पत्ति है)

को सह सूचना चार्टी करुको पूर्वोक्य स्थ्यक्ति के सर्वत के जिए कार्यपाहिमां कारता हो।

क्या सम्पृति के सर्पन के संबंध में कोई भी बाखेर 2----

- (क) इस स्थान के राजपम में प्रकाशन की तारीज से 45 दिश की बर्बीय या तत्त्वस्थानी व्यक्तियों, पर स्थान की तामीस से 30 दिन की सर्वाय, यो भी अविष नाद में तमान्य होती हो, के भीतर प्रवेतित व्यक्तियों में से किसी स्थानत इपाए;
- (ज) इस सूचना के ट्रावपन में प्रकाश्वन की तार्टीक के 45 दिन के भीतार उनत स्थावर तत्र्याता में दित-बहुव किसी सन्य स्थावत ब्वारा सभोश्वताकरी के पास निकित में किए का सकेंचे।

स्वकारण :---इतमें प्रयुक्त कर्न्यों और पर्यों का, वो उपत अभिनियम के अध्याद 20-क में परिश्रापित है, वहीं वर्ष होता को उह सध्याद में दिया देवा हैं आ

बनुसूची

प्लैष्ट मं• 22, जो छडवीं मंजिल, अनुकूल, जें॰ पी॰ रोह; वसींवा, सर्वे नं॰ 48, हिस्सा नं॰ 1, अंधेरी (प), 'बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/18928/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, सम्बद्ध द्वारा दिमांक 4-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रचांत राय सक्षम प्राप्तिकारी सहायक बावकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्गन रेंज-ा, बस्बई

तारीबा: 6-13-198≴

प्रस्प बाह". टी. एवं. एवं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

धारत गरकार

कार्यातयः, महायक शायकर मायक (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/18931/84-85:--यतः मुझे, प्रशांत राय.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- राज्य से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 21, अनुकूल, वर्सोवा, ग्रंधेंरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-4-1985

को प्वाँक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बृत्य सके द्रश्यमान प्रतिफल हो एसे द्रश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से प्रीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित शिक्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पावा बया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित के बाक्तिक रूप से किंबत नहीं किया बया है है

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की वावत उपत अधिनयम के बंधीन कर दोने के बन्तरक में दावित्व में कमी करने वा उत्तते वचने में सुविवा से लिए: बाँड/वा
- (अ) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने के सरिधा के लिक:

बत: बब, उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 39-406 GI/85

(1) श्रीमती नीलम उदैवार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मल एस० शर्मा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह स्थान जारी करके पूर्वोक्त स्थालि के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बनत सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई मी बाक्षेप --

- (क) इस ब्रुचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
 वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकें ने।

स्पब्दीश्वहुण: ---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के जन्माय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अभाय में दिया गया है है।

अनुस्ची

पलैट नं० 21, जो छठवी मंजिल, अनुकूल, जें० पी० रोड, वर्सोबा, ग्रंधेंरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/18931/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

तारीख: 10-12-1985

मोहर 🛚

प्रकृत बार्च, दी प्रच हुन , स्टब्स्ट

(1) श्रीवालजी नयाभाई साह।

(अन्तर ह)

(2) श्री बीरजी आशर शाह।

(अन्परिती)

आवश्य मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा १९८० (१) के व्यक्षित स्थान

बाहुए सरकार

कारधाज्य, सम्भाषक अल्लाकर जायाका (प्रितीक्षा) अर्जन रेज-2, वस्मद

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/18932/84-85:—अतः मुझें, प्रशांत राय,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतमें इसके परवास् किस मधिनियम कहा परा ही, की प्रका 269-व के वंधीन बराम प्राविकारों को, यह विस्थास करने का सरस्य ही कि स्वावर सम्बद्ध, विस्थास स्वीवत बासार मृज्य 1,00,000/~ का से निश्च ही

श्रीर जिसकी सं णाप नं 2, सीम्लीम्पस, श्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णीत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-4-1985

को पूर्वोकत तंपरित में उपित माकार मून्य में कम में कामान प्रतिक्रम से सिए अन्तरित की नहीं है बॉर मुझे नह किस्ताध करने का बारण है कि नजाप्जेंबत संपरित का अधिक नामार मूम्ब, उपाधी कामान प्रतिक्तम् से, एस्से कामान प्रविक्ता का पंत्रह् प्रतिकृत से निपक ही नीर मन्तरक (नन्तरकों) नीत कन्छिती (बन्तरिक्ति) में बीच एसे मन्तरण में सिए सम पादा पता प्रतिकृत्व कम दिन्निकालिय क्यूबेन्ट से स्वयं कन्तरण किंकिक में पादश्विक कम से क्षिक मार्गि विकार कमा है है——

- (क्क) बन्तरण सं शुरू कियों नाम की वावक; क्यर अधिनियंत्र के ज्यान कर योगे के बनारण के शांवरण में क्की करने वा बन्नचे वथने में बुद्धिया के फिए; बरि/मः
- (क) होती किसी अस्य या किसी धन वा खेला बोस्सियों को, जिन्ही आएतीय जामकर समितियम, 1922 (1922 का ११) या उसत समितियम, मा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) क्षे प्रकोबन्तायां क्षान्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एसा या किया जाना बाहिए था, क्रियाने में समिता को किसी:

क्षतः अथ उक्त अभिनियम की भारा 269-म वौ सनुसूत्रक हो, ही, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उनभाग (1) है अभीन, निस्नितिकिक व्यक्तियों, वर्षात है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिसे कार्यवाहियां करता हुं।

सम्बद्ध सम्बद्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचपा की तामीन से 30 दिन की अविधि, वे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, ते भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थाप्त:
- (क) इक सुकता के सजयत्र में प्रकाशन की तारीब ते किशी अन्य व्यक्ति त्यारा जभोहत्साक्षरी के पास 45 दिन के मौतर उत्तत स्थावर सामित में हितमकृष निर्मित में किए या सकरेंगे।

स्वक्रीकरण:---ध्रतकं प्रवृक्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्वाय 20-क में यथा परिभावित हो, नहीं अर्थ होगा को उस वध्याव में दिला राज हो।

वन्यूपी

"शांप नं० 2, जो तल मंजिल, सीग्लीम्पस, जें० पी० रोड, सात बंगलोज श्रंधेंरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क० सं० अई-2/37-ईई/18932/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां रू 4-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयङ्गर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, बम्बई

तारीख: 10-12-1985

मोहर 🛭

अक्न आहें हे ही है एक है एक र प्राप्त

नायकार वॉथनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वजीन सूचना

BIEG SEVEN

कार्याकप्, सहायक जावकर जाव्यत (निर्देशिया) श्रजीत रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिलांक 5 दिसम्बंर 1985

निर्देश सं० **श्रद्धै** - 2/3 7--**६६**/18955/84-85:---श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जि : जि सं० फ्लैंट नं० 602, इमारत नं० 15, जोगेष्यरी (प), बम्बई-60 में स्थित है (जीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में जीर पूर्ण रूप के विश्वत है), और जिसका करारनामा श्रामकर अधिनियम की धारा 269 ः, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्रय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 4-4-1985

को पूर्वेकित सम्पति के उचित बाबार मून्य से कम के दश्यमान शितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह किवास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह धितात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिक्का, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण चिकित में बाल्य-

- (श) अन्तरण ही हुई सिश्वी बाव की बस्तक । अवस अभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के अभिन्य में कमी करने या उत्तर्व अपने में स्विधा अभिन्य; मॉर/सा
- (क) एसा किसी जाव मा किसी धन वा नच्य जास्तिकों कां, जिन्हों भारतीय नाम-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्स जिभिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के निष्

कतः नवा अन्य अधिनियम् की धारा 269-ग वी अनुकरण् मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) है वर्धीण, निम्नितिविद अनुविद्यामी अभाव हुन्स (1) श्री झियाउद्दीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

(2) शौकतमली एच० चौधरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुत्रोंक्त सम्पत्ति के सर्थन के तिष् कार्यत्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाखेद ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों बह तूचना की तामील से 30 दिन की अविध, भी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ध स्थितत्यों में संकिसी स्थितत बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोगें।

स्वक्तीकरणः इसमें प्रयूवत शब्दों और पदा का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजिक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

श्रनुसूची

पलैट नं० 602, जो छठवीं मंजिल, इमारत नं० 15, सर्वे नं० 41 (पार्ट), ओशिवरा चिलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेशवरी (प) बम्ब $$2-400060\,\hat{\mu}$$ स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/18955/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज∽2, बम्बई

तारीख **: 5**-12-1985 मोहर:

प्रकार बार्डी, डी., प्रना, एक, उन्नानन

वायकद्र अभिनियम, 196 / (196) व 43) की भारत

नारक वरकार

कार्यालय, सहायक भागकर शायुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० **शई**-2/37-ईई/18969/84-85'---श्रत मुझे, प्रणांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रविकारों को यह विश्वास करमें का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संज युनिट गंज 34/एफ, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित है), और जिएका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 %, ज के अबीज, लक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, धारीख 5-4-1985

को पूर्वीपत सम्मस्ति के अभिक काजार मूल्य से कम के असमान प्रतिक्षत के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथान्तिक कंपित का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकृत से, एसे अस्यमान प्रतिकृत का पंत्र प्रतिकृत के कारण है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निसित उद्देश्य से उसत अन्तरण कि लिए तय

- (क) बन्तरण से शुर्द किसी लाय कि बाबल, उक्त गीधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ख़िक्स के कमी करने या उक्क अबने में सृत्यिधा की सिए; और/वा
- [क] एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों सभे जिन्हीं आरतीय ालकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वर्ष ाध्या अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरक्षी क्या गाम अकट नहीं किया गया था या किया जाना आरिष्ट् था, खिलाने में सुविधा के लिए।

अकः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, जैं, उक्त अधिनियम की भारा-269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तिस्थां, अधीत् :--- (1) में सर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट ।

(भ्रन्तरक)

(2) पंजाबी विहारी भगवानदास और पिकी बिहारी पंजाबी।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उम्ल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त क्यादार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्रारा अजाहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मन्स्ची

"युनिट नं० 34/एफ, जो तल पंचित्र, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड़ अक्र उटेन्मल, अंबेरी (प), वस्वई--400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा ि ऋ० सं० श्रई -2/37-ईई/18969/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांग 5--4--1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> प्रशांत राय, संक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 6--12--1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/18978/84-85---ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० पलैट नं० बी - 3, अंबरी प्रतीमा अनार्टमेंट, अंबेरी है (प), बम्बई-59 में स्थित है (और इत्ते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिस्ता करारतामा बायकर अबिनियम की धारा 269 क, ख के अबीन, तक्षम प्राविकारी के कार्याक्य, बम्बई में रस्जिटी हत है, तारीख 6-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरगबान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसते अंतरण जिल्लिस में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण चं हुई किसी आय की बालत, उकर बिधिनयम के अधीन कर दन के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी काय या किसी भन या अन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में जुविधा सुविधा के सिद्धा,

बार: बारा: अवत अधिनियम की भारा 269-व के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री सहदेव ग्रार० सकपाल कृ

(अन्तरक)

) मिलिद के० नाईक ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्कना बारी करके प्रवीवत सम्मृति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां बुरू करता हुं।

उक्त राम्नित के वर्षन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस स्थाना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवस्त में किए वा सकर्ष।

अनुसूची

फ्लैंट नं बी-3, जो पहली मंजिल, अंधेरी प्रतीमा को ब्रॉप हाउसिंग सोसायटी ग्राँबोली, अंधेरी (प), बम्बई-400059 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा क० कि सं० मई- 2/37-ईई/18978/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज- 2, बम्बई

तारीख: 6-12-1985

प्रकल्प कार्यो हो हो पुन ह पुस्त व्यवस्थान

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-४ (1) के नभीन सुभूता

भारत वरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वस्वर्ष

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/18991/84-85 -- ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं 3 403, सर्मार घजिल, जोगेश्वरी (प), बम्बई-102 में स्थित है (और इन्ने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिन्न जा उरारनामा आय कर अधिनियम की धारा 269 क, राव के अधीन, नक्षम अधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6--4--1985

को प्रवेकित सम्पत्ति के उनित आजार भ्रूष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंत्रत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और बंदरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया बवा प्रतिकत निम्नतिखित उद्वेष्य से उन्त अंवरण जिल्हित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन भीनिमिलिखत स्पक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं उर्व हर्क जी एन्टरशाय केत ।

(भ्रन्तरक)

(2) नन्दोलिया ए० महबूबभाई।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप 🐯 ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्पना के एजपत्र भे प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर ज़बत स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्विकेरण:—इसमं अयुवा शब्दो होन् पदी होन् जो उत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

धनुसूची

पलैट नं २ 403, जो चोबी मंजिल, यहमद मंजिल, बेहराम बाग, एस० बी० रोष्ठ, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400102 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/18991/84-85 और जो सजम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 6-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत रांघ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 5-12-1985

म्क्रण आहे दे एत्.**एत**. स्वत्राप्तराज्य

साथकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ग्राचीन मुखना

धारक संदुक्तर

कार्बांसय, सहायक आयकर वायुक्त (विरक्षिक) अर्जन रेंज-2, वस्वई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985 निर्देश सं० अई--2/37-ईई/18992/84-85:---अतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर जीवनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसवे इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा नदा हैं), की भारा 269-स के अधीन कक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- स. से जिधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 , गङ्गद मंजिल, जोगेश्वरी (प), बम्बई—102 में स्थित हैं (श्रौर इतने उपायत अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित हैं), श्रौर जिनका करारतामा आपकर अधि-नियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 6-4-1985

को वृद्धीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से आम के देवसाल हिंदा सुन के लिए जन्तरित की गई हैं क्षेत्र मुख्ये यह निकास करने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का जिल्ला कारण मृत्य उनके दश्यमान प्रतिकत का कारण के कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का जिल्ला का व्यवस्थ उनके दश्यमान प्रतिकत का वास्त हैं और वंतरक (जंतरका) और वंतरक (जंतरका) और वंतरक के जिए स्व पाना मंगा प्रतिकत, निकासिद्ध क्ष्यक्ष वे उनके वंतरण विश्वस्थ विश्वस्थ के वास्त वंतरण के दिवस वंतरण वंतरण के दिवस वंतरण वंतरण के दिवस वंतरण वंतरण का प्रतिकत का वंतरण वहीं विश्वा परा है है—

- (कि अन्यक्षण वे हुन्। किसी शाय की वासराज्य उत्तरा वीधिणवनः के अधीन कह दोने की बन्तरक की क्षावित्य में कमी कहने या उसरो वचने में जुनिधा वी सिद्ध∷ वीड∕वा
- (क) एसी किसी बाद या किसी बद वा अव्य कारिकरी को विनहीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवस अधिनियम, या भग-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना शाहिए था, कियाने में सुविधर के किए।

अतः जन, उन्त जभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जे, जे, अन्त जभितियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के जभीन, निकासिक्षक जनिवाँ, वार्क्स क्रान्स् (1) मेयर्स हफीजी एन्टरप्रायजेव ।

(अन्तरक)

(2) मेहंदी अली भीमानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना ब्रारी धरके पूर्वोक्त एव्यक्ति के अर्थन के ब्रिट्ड कार्यवाहियां करता हूं।

रुक्त सम्मीत के कर्जन के संबंध में कोई भी बार्चाय हु---

- (क) इस प्यान के राजपण में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिस की अविध, जो औं वविध नाव में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वीचक व्यक्तियों में से दिस्सी कानित ब्यारा;
- '(ब) इस चुक्ता में राज्यक वें अन्याप की सारीय से 45 बिग के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबंद्ध नित्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के राख विस्ति में किए का सकते।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्तः सन्यों और पद्यों का, जो उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में विरक्षात्रिक है, वहीं वर्ध होगा को उस सम्बाद के किस गया है।

धनुसूची

फ्लैंट नं० 1, जो तल मंजिल, महमद मंजिल, बेहरम भाग, एस० बी० रोड़, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400012 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्रम०सं० अई-2/37-ईई/18992/84--85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारादिनांक 6-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 5-12-1985.

नायकर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) की बाब 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

धार्यातव. सप्तायक जायकर कायकर (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/18993/84-85-अत: मुझे, प्रशांत राय,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, महमद मंजिल, जोगेंश्वरी (प), बम्बई-102 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है. तारीख 6-4-1985

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि स्थाप्यों के संपत्ति का उचित नाजार गृत्य, उसके ध्यमान प्रतिकास से, एसे अध्यमान प्रतिकात का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और जंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) के नीच एसे वन्तरण के सिंह तब गांवा नया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की वाक्स, उक्स अधिनियस की अधीन कर दोने के जन्तरण की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बरि/या
- श्रेमी किसी वास वा किसी पन या अन्य वास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारकार्य अन्तरिक्षी दुवारा इक्ट नहीं किया मदा या दा किया स्तवा वाहिए या, जियाने में लविषा के बिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) हफीजी एन्टरप्रायसेस ।

(अन्तरक)

(2) अमीन रहीम नन्दोलिया।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाधियां ज्यातः ह

तकत प्रयास्ति के खर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येष:--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जयभि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्वाँकः व्यक्तियों में से किसी वर्जनत दुवारा:
- (स) इस सचना की राजपत्र में प्रकाशन की वारीस से 45 विन के शांतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष कि सी बन्द व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाह ति एत में दिए या एकोंगे।

लक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त बन्दों और पक्षे का, औ विधित्यम्, के बध्याव 20-क वे परिवादित हैं, वही अर्थ होगा जो उस क्याब मे दिवा THE PARTY

अन्सूची

फ्लैट नं 0 104, जो पहली मंजिल, महमद मंजिल, बेंहराम बाग, एस० वी० रोड़, जोगेंग्वरी (प), बम्बई-400102 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/18993/84-85 ग्रौर जो यक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

भोहर 🛭

प्ररूपः बार्दः दीः एवः एवः - - - -

जायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण),

अर्जम रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 दिसम्बर 1985

मिर्देश सं ० अई-2/37-ईई/18999/84-85---अत: मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'अक्त निधिनियन' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जितका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रतः से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 37, विशाल नगर, वर्सीवा, बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीत, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य वे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाबार मृल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अभिक है और बन्तरक (अन्तरकरें) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब नावा गया प्रतिकास निम्ननिष्ठित उत्युक्तिक के **उत्यु**क्तिकारण ैनिहिष्ठ में वास्तविक स्थ ये कविष्ठ नहीं 'किया वया हू' ह—

- (क) अन्तरण संहुर्दं किसी आय की बाबत उक्तः अधिनियम के नभीन कर दोने के वन्तरक के दावित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बार/गा
- (का) एंसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, हा धन-कर अधिरियमः, 1957 (1957 का *27)* के प्रयोजनाथ अन्छ।रतो दुनारा प्रकट नहाः किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान मा साधना क निवर्

कतः भयः, उकतः अधिनियमं की धारा 269-न के अनुसर्ज मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-मुकी उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----406 G1/85

(।) श्रीमती भारती पी० अवतरसानी ।

(अन्सपक)

(2) श्री जहीर तेइनुरस्य बाडोशा ग्रीर श्रीमती हिल्ला तेहम्रस्प वाडीया ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को। यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिर कार्यवाहियां करता हो ।

बबस सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं २० दिन की बदिध, जो भी अविभ बाद में रूपाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त ब्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा:
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भी पर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :---इरापें प्रयुक्त सन्दों और पदों का. यो उक्त मिभाग्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु सर्थ होगा को उस अध्याय में दिया न्सा है।

धन सूची

फ्लैट नं० 37, जॉ विशाल भगर, सात बंगलाज, वर्सीवा, बम्बई-400061 में स्थित है।

अन्मची जैसां कि क्र० सं० अई--2/37-**ई**ई/18999/84--85 फ्रांर जो सक्षय प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिवांक -6-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-2, बम्बई

तिरीख : 10-12-1985.

मोहर 🖫

प्रकाप आहें . टी. एन. एस. -----

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/19048/84-35:--अत मुझें, प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, इमारत नं० 16, ग्रंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है). ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई में रजिस्टी है, तारीख 9-4-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाण प्रया प्रतिकृत, निम्मतिचित उच्चरेय से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्धरण वे हुई किलीं जाय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाधित्य में कामी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के किए; और∕मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य बारितानों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

मतः अय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) हमीदा जान महमद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जवा हैं

अनुसूची

पलैट नं० 104, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 16, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज श्रोणिवरा, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/19048/84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय **सक्षम** प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 5-12-198**5**

मोहर ५

प्रकम आहें. टी. एनः एसः 🕝 - •

नावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री भारा 269-न (1) के वभीन सुन्ता

भारतं सरकाड

कार्यासन, सहायक नायकर नायक्य (निडीसन) धर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 10 सिदसम्बर, 1985

निर्देश सं० **घई**-2/3**7/ईई/19**075/84-85—श्रतः सुझे, प्रशांत राय

बायक र बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त बिधिनयम' क्रहा गया हैं), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्व 1,00,000/- रु. से बधिक है

भौर जिसकी सं गाला नं 1, एच०, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेंट, भंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और जिससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा भायकर भ्रधिनियम की धारा 269क, ख के भ्रधीनसक्षम प्राधिकारी के कार्यास्य वम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनाँक 10-4-1985

को पूर्विक्स संपर्दित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिकास के जिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाजार अक्य, उसके क्यमान प्रतिकास से एसे क्यमान प्रतिकास के बन्दह प्रशिषक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच एसे अन्तरक के सिए स्थ पावा गया प्रतिकास, निम्मितिक क्यू से कृतिस्य सुद्दित से उसत अन्तरम मिनित में बास्तविक क्य से कृतिस्य नहीं किया गया है:—

- (क)) अन्तर्रुण वे हुई कियी नाय की बाबता, उक्त श्रीपितवा के अभीत कर दोने के बन्तर्यः के श्रीपत्य में कमी कुटने वा उससे बज़ने में सुविधा से जिल्ला निर्माण
- (स) प्रेसी किसी आग या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गरा भा या किया जाना पाहिए था छिपाने में स्विधा ने निए;

अतः अव, उक्त अर्टेंधनियम की धारा 269-ग. को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निक्निणिविस व्यक्तियों, अधीत्:— (1) मैसर्स इंडिया इलैक्ट्रीक पोल्स मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती सीताबाई खोदीवास पाँचाल । (श्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरण

(बहु व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पृथींक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित को सर्जन के सम्बन्न में कीव्हें ही नाओन हररर

- (क) इस सूचना से तासना में प्रकारन की ताड़ीय से 45 दिन की नवीन या तत्सन्त्राणी व्यक्तियों पृष्ठ सूचना की ताबीय से 30 दिन की नवीन, को नी जबीन कार्य में समान्त होती हो, के नीतर पूर्वनिक कार्यिकारों को से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना को राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ किसी अन्य को किशा अप सकेंगे।

स्थव्यां करणः -- इसमें प्रयास कालों और पर्यो का, थी कालों वरिश्रीमयभ के अध्याद 20-क में परिवाहिक हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिक गया हैं।

गाला नं० 1, एच, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्राफ वीरा देसाई रोड, ग्रंधरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-2/37-ईई/19075/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 10-12-1985

HET TIE . 2] . ET . ET . .----

आंग्रंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बस्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/19078/84-85---ग्रतः मुझे, प्रशांत राय

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त विधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-ह के नधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, इमारत नं० 21, स्रधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम की धारा 269क, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का नृत्य प्रतिस्त से विश्व है और बंदरक (बंदरका) और बंदरिती (बंदि (दिस्त) के बीच एसे बन्दरम के लिए सब पावा पवा प्रति-स्व प्रिक्तिस्ति उद्दर्भ से उच्छ बंदरम मिनियत में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए
- (ण) होती विकता बाव वा विकता वंद वा वंद्य वास्तिकों को, विक्ह बारतीय वावकर विधित्यम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर व्यथितियम, शा वर्व- कर विधित्यम, शा वर्व- कर विधित्यम, 1957 (1957 का 27) के श्वोचनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया बावा वाहिए वा, कियाने में बृद्यिया के निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

(2) डॉ॰ फैंज ग्रहमद शौलत ग्रली बारडे। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के बर्जन .के तिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपर्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्बीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बीध, जो भी वर्बीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होना को उस बध्याय में दिया सवा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 304, जो तीसरी मंजिल, इमारत नं 21, सर्वे सं० 41, ग्रोशिवरा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37 ईई/19078/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक जग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक: 5-12-1985

रक्य कार्ड टी.एव.एर

वाबकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुध्या

बारट संस्कार

कार्यानव, सहायक नायकर नायुक्त (निर्यक्तिक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 5 दिसम्बर 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37 ईई/19084/84 85—-ग्रतः मुझे; प्रशांत राय,

भावकर बिधानेयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात जियान अधिनियम कहा गया है), की भास 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० रूम नं० 85, रोशनलाल स्रगरवाल शापिंग सेंटर स्रारकेड, बंबई-58 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रौर जिसका करार-नामा स्रायकर स्रधिनियम की धारा 269क, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 10 4-1985

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि वशापृष्टींक सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, जिम्निलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिबिक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी शाध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तर्क के दासित्व में कथी करने या उसके बचाने में सुविधा के सिष्टु; और/मा
- (थं) इंबी किसी आग या किसी जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अंगब्दर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (19// का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

बार बा, उनत विभिन्नियम की धम्म 266-न के बन्दरण भं, दें तकत अधिनियम की भाष 269-भ की उपवाद (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधित्ः— (1) भार एन ए० बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती माला मधोक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपन्ति के कर्षन के संबंध में लोई भी नाक्षेप ह

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में अक्शान की तारींच से 45 घन की बनींच या अत्यासन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तासील से 30 दिन की अनिंच, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविचा व्यक्ति होता हो, के भीतर प्रविचा व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितकक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अ गहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस जा सकें

स्यक्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों मी पदों का, जो उक्क अधिनियम, के का स्य 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होंगे, जो उस अध्याय हैं डिका गया है।

अनुसूची

रूम नं० 85, जो पहली मंजिल, रोशनलाल, अगरवाल शापिंग आरकेड, एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा, वर्सीवा अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-2/37-ईई/19084/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

अ**च्य आर्थ**्य द्वी. एत*्* एस*्न------*

कामकड वॉथनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के बचीन स्वाना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ब्रम्बई

बम्बई, दिनौंक 6 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० भई-2/37-ईई/19085/84-85—भ्रतः मुझे, प्रशाँत राय.

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का काडुन है कि स्थापर सम्पत्ति, विसका उचित वाश्वार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० रूम नं० 49, रोशनलाख श्रगरवाल शापिंग श्रारकेड, अम्बई-58 में स्थित है(ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाँक 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्पत बाबार मुख्य हो कम की अवमान लिए बन्तरित की गौर प्रतिफल के गद् विक्यास करन का कारण पुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृस्य, उसके करयमान प्रतिफल हो, एसे क्यमान प्रतिकास के पन्त्रह प्रतिकात से विभिक्त है और बन्तरक (बन्तरकां) और अन्तरिती (बन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसित उपरोध वे अनत नन्तरण निविद्य में नास्त्विक रूप से कृष्यित नहीं किया गवा 🖺 ए---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए और/वा
- (ध) एसी किसी बाम या किसी धन या क्रम्य वास्तियाँ को, बिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिनयम, या धन कर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, क्रियान में बुविधा को खिल्ला

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्रीमती विश्नी एन० ग्रडवानी।

(श्रन्तरक)

(2) श्री गरयार भ्रन्सारी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मरित के वर्षन की सम्बन्ध को कोई सी वाक्षेप हः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सुचरा के राज्यत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका क्या हैं।

धनुसूची

रूम तं० 49, जो पहली मंजिल, रोशनलाल श्रगरवाल शार्षिग श्रारकेड, एस० नं० 41 (पार्ट), वर्सीवा, ग्रंधेरी (प), ग्रपना घर के पास, बम्बई-400058 में स्थित है।

प्रमुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-2/37-ईह/19085/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनौक: 5-12-1985

अवस्य नाह[ै], दी. एवं. , श्रम्य व्यवस्थात

(1) श्रार० एन० ए० बिल्डर्स।

(ग्रन्तरह)

भाषकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ) भारा 269-म (1) के सुधीन सुचना (2) श्री अर्जन डी० लालवानी।

(भ्रन्तरिती)

मारत उड़कार

कार्यास्त्र, सहाथक आयकर जायुक्त (निर्धासक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांः 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/19086/84-85 — श्रत: मुझे, प्रणांत राय,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 46, रोणनलात ग्रग्नरवाल शापिंग आदकेड, बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 10-4-1985

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाधार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिपक्त के लिए अंतरिक की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतिरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रशिक्त निम्नलितित उद्देष्य से उपल अंतरण लिकित में बास्तिबक स्न से काज़ित नृहीं किया यथा है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (ख) ऐसी किसी अस्य ए। किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा खे सिए।

कतः अब उन्नत अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के बचीन, निस्तियिक्त व्यक्तित्वाँ, बचीन क्षान्त को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सुव्यक्ति के वृर्वन् के सुव्यन्ध में कोई भी वासीप् ः--

- (क) इस स्वना के उपयम में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वा की तामीस से 30 दिन की सविध, को भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कृषिनियम के कथ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं कर्ष होगा था उस कथ्याय में विका मुखा है कि

अनु**त्**ची

फ्लैंट नं० 46, जो पहली मंजिल, रोशनलाल श्रगरवाल शापिंग श्रारकेड, एस० नं० 41 (पार्ट), श्रपना घर, के पास, असींवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-2/37-ईई/19086/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांका 10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांः: 5-12-1985

प्रकृतः भार्तः हो . एक्. एक् - १०१८१११००

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोकाण) अर्जभ रेंज-2, अम्बर्द

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985 निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/19092/84-85---श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूस्य 1.00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 504, इमारत नं० 17, जोगेश्वरी, (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में वश्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितकत के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरका) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण मिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (फ) अन्तरण से हुई जिसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक की शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (म) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों करें, जिन्हीं भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भगकर अधिनियम, या भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ कन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में जक्त जीधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निश्मीसिखित व्यक्तियों, अधीतः (1)श्री भीयाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री रिडया ग्रब्दुल ग्रजीज बुखारी। 🔭 🥻 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के बर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाओंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविध या स्टर्सबंधी स्थावितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, वो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्थावितयों में से किसी स्थावित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविधात में किए जा सकींगे।

रच्यां करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों कैर पर्यों का, को अक्त अधिणियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ झोगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 504, जो पांचवों मंजिल, इमारत नं० 17, सर्वें नं० 41 (पार्ट), श्रोशियरा, बिलेज, बेहिराम बाग के पीछे, जोगेष्वरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/7त्ईई/19092/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रोज-2, बस्सई

दिनांक: 5-12-1985

प्रकल नाहाँ दी एन एस . -----

वासकर विधितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन सुचना

नार्ट तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिलांश 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/19102/84-85--- अतः मुझे, प्रशांत राय,

अस्थानर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें व्यक्त व्यक्त जिस्ते इसमें इसमें इसमें इसमें व्यक्त व्यक्त जिस्ते का स्वाप्त करने का शिरण है कि स्थावर अस्थित, जिसका उचित वाजार पूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

यूनिट नं० 4 और 5 प्रांबीवली विलेख, ग्रंधेरी (प) वस्वई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिस्ता रारारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269%, ख के श्रधीत सक्षम प्राधिवारी के वायिलय, यम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 10-4-1985

को पूर्विका तल्यीत के उचित बाजार मृत्य ते कम के ध्यमान प्रिष्ठिक के लिए अन्तरिशी की सर्व कीर मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि स्वान्यों का सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, असमें दहरमान प्रतिपन्न से, इसे ध्रम्यमान प्रतिपन्न का जन्मह प्रिपन्त ये मिषक है बीर अन्यरक (अन्तरकों) और अन्यरिती (अन्तरिशिक्ष) से बीच एचे बन्तरक है सिए तब जन्म प्रतिपन्न परिपन्न निम्मिक स्वान्य परिपन्न के लिए तब जन्म परिपन्न विपन्न निम्मिक स्वान्य से उन्ह बन्तरकों लिखा स्वान्य के सिए तब जन्म परिपन्न विपन्न निम्मिक स्वान्य से उन्ह बन्नरक्ष लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (५) जासारण संदुर्घ भिक्षी बाग की दावत, उपन जीविदियम के मधीन कर धोर्च के अन्तरक के बारियत्व में कमी करके मा उससे जचने में सुजिया का श्वित, और/मा
- 'भ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया आहिए या छिपाने में सुविधा के किए:
- न्दाः अव, दक्षः विधिनियम की भारा 269-व के वर्षरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अविद्यास्त्र 41 --466 GI/85

(1) कैंदर्स हिंद की। लेवोरेंद्रीण।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमिकी पक्तिना नकोज गोराखिया। (अस्तरिती)
- (3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपति है) को यह क्ष्या चारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के कर्षन के क्षिप कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वीच या तत्त्वस्थानी स्वीकतयों पर सूचना की दानीक से 30 दिन की स्वीच, जो भी स्वीच याद में इजन्त होती हो, के नीसर पर्वोचक स्वीचतयों में वे किसी व्यक्ति स्वाया;
- (च) इस ब्रामना के खजरन में त्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तक्यूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पाव मिलिस में किए का सकींगे।

ह्यकारेकरण .- - दशमी अपूजन याज्यों और पर्यों का, जा उच्च अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभावित ही, अही अर्थ होंगा, को उस अध्याय में विया गया ही।

अन<u>ु</u>स्ची

यूनिट नं० 4 श्रौर 5 जो सर्वे सं० 111-डी, श्रांबीवली विलेज, श्रंक्षेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैमा ि क० सं० अई-2/37-ईई/191022 84-85 और जो नक्षम प्राधिारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधि ारी सहायक आयकर शायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2. बम्बई

दिनांक: 10-12-1985

मोहरः

प्ररूप आइ⁵. टी. एन. एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

काजांसक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/19104/84-85—- ग्रतः नुन्ने, प्रशांत राय

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट तं० 102, इमारत नं० 2, जोगेश्वरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका काररनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269ं, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में किस्ट्री है. दिनांक 10-ह्नर1985

को पूर्णोक्स सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस्को दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुई किसी साम्य की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीर व्ययकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भर-कर अधिनियम, या भर-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री झीयाउद्दीन बुखारी।

(श्रन्तरकः)

(2) श्री ग्रली ग्रल्तर ग्रमनुपला।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

मम्स्ची

पलैंट नें० 102, जो पहली मंजिल, इमारत, नं० 21 सर्वे नं० 41 (पार्ट), ग्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पांछे, जोगेश्वरी (प) िंबम्बई-400058 में $\frac{1}{4}$ स्थित हैं।

ध्रनुसूची जैसा कि कि से ध्रई-2/37-ईई/19104/ 84-85 श्रीर जो वसक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधि जरी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, वस्वई

दिनांदा: 5-12-1985

प्रकृ बाह् ही, युद् , युद् , ----

बार्कार व्यितियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के व्योत सुबुवा

बार्य ब्रुक्टर

कार्याक्य, सहायक कायकर शायुक्त (निराक्षिक)

अर्जम रेंज-2, जम्बई वम्बई, दिमांक 6 दिसम्बर, 1985

मिवेश सं॰ अई-2/37ईई/19105/84-85--अतः मुझे, प्रशांत राय,

भागकर अभितियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसमें इसके नश्यात 'उनके अभितियम' कहा नया हैं), की बाह्य 269-थ के अभीन सक्षम शाधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका जीवत बाबार नृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० डी/84, जीत नगर, श्रंधेरी (प०), अम्बई-61 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिमांक 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम से कम स्वयमान जातकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने आरण है यह पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नुझिचित उच्चेश्व से उक्त बंतरण विचित् में शास्तिकह रूप से क्रियल नहीं किया गया हैं—

(क) व्यवस्था ने हार्य विश्वति साम की सम्बद्ध, उनक वरिपतित्त्व के व्यविष्य कार बोने के बन्दारक के बादिएक वी कनी कार्य का कहते कहने में ब्रुपिया के व्यवस्था

(क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 श्री 1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्रित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :---

ा कुमारी भावना मधम

(अन्तरक)

2. मैसर्स प्लान्टर्स एरयवेज, लिमिटेड।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उनत सम्बक्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष ::--

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विधी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किए था सकतें।

स्पष्टिंगिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयक्त विधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स् ची

फ्लैट नं० डी/84, जो तीसरी मंजिल, जीत नगर, मछलीमार वर्सोधा, रोष, अंधेरी (प), बम्बई-40061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-2/37ईई/19105/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा, दिमांक 10-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिगांक: 6-12-1985

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) में अभीन सुचन

भारत सरकार

कार्यासयः सहायक भागकर भाग्वतः । (नर्यकान)

अर्जन रेंज-2, वम्बई वम्बई, दिनांछ 6 दिसम्बर 1985 निदेश सं० अई-2/37ईई/19110/85-85--अतः मुझै, प्रशंति राय,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट तं० 203, इमारत तं० 11, सेक्टर ए, वैशाखी नगर जोगेरवरी, धम्बई-40 में स्थित है (श्रीर इसते उपाबड अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिकियम, की धारा 269 एक के अधीत सक्षम प्राधिकारी के अज्योलिय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिलांक 10-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय प्रमा गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत अयुवंश्य से उच्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक स्प से क्थित नहीं किया गया हैं :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाम की बाबत, उपस अधिनियम की अधीन कर देने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1927 का 27) के प्रयाचनार्थ अन्तिरती वृक्षार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने भे खे सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री रामभवाली हुसैन. विरानी ।

(अन्तरक)

2. श्री ननरूला मददली हमीद।

(अन्तरिती)

का गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निष् कार्यनाहियां करता हो।

उक्स संपरित के बजन संबंध में कोड भी बार्क्स :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पष्टितयाँ में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ए) इत् सूचना के राज्यूत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध् किसी जन्य व्यक्ति युवारा अभोहस्ताक्षरी के पाइ विविध्त में किए वा सकरेंगे।

भनुसूची

फ्लैंट नं० 203, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 11, सेक्टर ए, वैंशाली नगर, राम भ्रौर श्याम टाकीज के पीछे, आफ एस० वी० रोड, जोगेश्वरी, बम्बई-400060 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के आई-2/37ईई/19110/84-85 जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा, दिनांक 10-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, बस्बर्ष

दिमां ः 6-12-1985

मोहःः

प्रकृत हार्ह् छ हो. हुन् पुर्व -------

बाधकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत चरकार

कार्यासय, सहायक सायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जभ रेंज-2, बम्बई बम्बई,दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/19156/84-85—अतः मुझे,

₽प्रशांत राय

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसकें इसकें परचात् 'उनत निर्धानयम' कहा गया हैं), की भाष 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्ताट नं० 4, एस० नं० 143 (पार्ट), श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची ﴿ में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जित्र हा करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधि तरी के कार्यलय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 11-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्में यह विद्यास दृष्ट्रिंग का कारण है कि सथापूर्वोक्त सर्पात का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंवरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण के किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण के बिया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण के बिया में बास्तीयक क्य सं किथा महीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी शाम की वावत , उक्त जीभीनगण के वंभीन कर दोने की जन्तरक के श्रावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धव-कर अधिनियम, मा धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए।
- अत: जब, उक्त जिंधिनियम की धारा 269-ग कै अजुबरण में, में, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री दवासकायम दाउम ।

(अन्तरक)

2. श्री किणभवन्द तिकमदात जावा, श्री प्रेमचन्द किशन चन्द जावा, श्री अशोक किशमचन्द, जावा और श्री राजेन्द्र किशनचन्द जावा।

(अन्तरिती)

को यह सृष्ता जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारी हैं ते 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थिक्तयों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- [क] इस स्वना नै हाजुन्न में प्रकारन की तारीय ने
 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर संपत्ति में हिस्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकती।

स्पर्ध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याक में विया गया है।

अमृस्ची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० 4, एस० नं० 143 (पार्ट), 5-बी, वर्सोवा, और चार बंगलोज, वर्सोवा विलेज, अधिरी (प०), वम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं प्राई-2/37ईई/19156/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिमांक 11-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिभाक : 6-10-1985

प्रारूप बाह् .टी.एन.एस्.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मानकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० अई-2/37ईई/19159/84-85--अत: मुझे प्रशांत राय

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

सौर जिसकी सं० सर्वे नं० 12, (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 1226 (पार्ट), विलेज, वसीवा, बम्बई में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर जो पूर्ण रूप ने विणात है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-4-1985

को पूर्वेक्ति सम्मक्ति को उचित्र क्षाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफ्ते यह विद्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनसरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिस्त उत्देश्य से उस्त अन्तरण दिल्लित में नास्तिक रूप से किथत नदी किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे वचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा को किए;

अतः अद्यः, उत्पत्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) बै अधीन, निम्नतिबिक स्पेक्तियों, अधीत :——

- श्रीमती पौवलोत लोरेन्स, टिक्सेरिया ग्रौर अन्य (अन्तरक)
- 2. श्री यसीन आय० बगदादी।

(अन्तारती)

3. अन्तरक

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह । सुचना जारी करके पृथींकत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्यिक्तयों में से किसी स्थिक्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियों गया है।

अमृस्पी

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 12 (पार्ट), सी०टी. एस० नं० 1226 (पार्ट), वसोवा, विलेज, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37ईई/19159/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 11-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जंप रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-12-1985

प्रकथ आइ टी एन एस . -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मंभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आप्वत (निरक्षिण) ग्रजनरोज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० श्राई-2/37-ईई/19160/84-85—-श्रतः मुझे, प्रशांत राय

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद जिस्त अधिनियम' कहा गमा ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्यत गढ़ार मृत्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 311, श्रक्ष को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी, जोगश्वरी (प०), बम्बई-102 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस श्रमुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कुछ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 11-4-1985

की पूर्वोक्स कम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकास के निए बन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने की कारक है कि बभाक्नेंक्च सम्बद्धित का उचित बाजार मृत्य, उचके ४६वमान प्रतिकास से एसे ४वयमान प्रतिकास के ४न्छ प्रतिकात से अभिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिकास, निम्मतिबित उद्देश्य से उचल अन्तरण किबित में बास्तविक रूप से किथा बड़ी किया मेंबा है अन्तरण किबित में बास्तविक रूप से किथा बड़ी किया मेंबा है अन्तरण

- (क) अन्तरण ने हुई किसी नाम की नानत, उच्च विधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में अभी करने वा उच्च वपने में सुविधा के निष्; और/वा
- (स) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिथिनियम, या धन-कर जीधनियम, या धन-कर जीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धर या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के मिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री श्रक्ष्वर ली, रजावली मोमीन, श्री रजावली पीरोज मोमीन श्रीर श्री हसनली पीरोज, मोमीन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रफ़ीक जलालुद्दीन चारोलिया।

(श्रन्दरिती)

3. भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह तुमना बारी कारके पूर्वोक्त सम्परिष्ट के वर्षन के तिहर कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के तम्बन्ध में कोई भी जाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तहरीय के 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यान की तानील से 30 दिन की अवीच, को भी जनभि नाद में समाप्त होती हते, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवाह ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन भी तारीश ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभाहत्वाक्षरी के वास् सिवित में किये वा सके वे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रवृक्त प्रस्तों और वहाँ का, जो उनते निधिनियम के नध्याद 20-क में परिभविक्त हैं, सही अर्थ होगा, जो उक्त संध्याय में दिवा प्रसा हैं।

प्रमृत्ची

पसौट नं० 311, जो तीसली मंजिल, श्रक्षं को-श्रौंप० हाउ-सिंग सोसायटी, श्रोशिवरा, मेहर बाग, जोगेश्वरी (प०), अम्बई-102 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि के सं श्रई-2/37ईई/19160/84-845 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत नय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 10-12-1985 मोहर : इसम् बाइ. टी. एत. एस. -----

नारकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन क्ष्मा

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक वायकार जावृक्त (निरक्तिज़)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई०-2/37ईई/19171/84-85—ग्रतः मुझे, प्रशांत राय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,000/-रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 123/124, ब्लाक नं० एफ़०, गीतांजली, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 12-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित वाकार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकाल के लिए जन्तरित के गई है और मुक्ते यह विक्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाकार जुल्य, उसके क्षयमान प्रतिकास से, एसे क्ष्यमान प्रतिकास का उन्द्रह प्रतिकात से विभक्त है और वंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे जंतरम के लिए तब पाया नवा प्रतिक क्ल निक्नसिचित उद्योख से उक्त बन्तरम निचित में वास्तविक क्य से क्षित नहीं किया कवा है है—

- (क) अन्तरण से हुद्दे जिल्ली नाव की बाधत करक वर्षिक नियम के बचीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य वें क्षत्री करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; सौर/सा
- (च) एती किसी आव वा किसी थन वा बन्ध बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ बौधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रवादनार्व अन्तरिती त्वारा प्रकट वहीं किया वया था वा किया जाना चाहिए था, डिपाने वे सुविधा वे शिए:

कताः वदाः उकतः विभिनियमं की भारा 269-व के वनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीत, निम्निविद्या व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. बाम्बे हाउसिंग कोरपोरेशन।

(ग्रन्तरङ्)

2. श्रीमती रेणुता एचं० बाह्यवानी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिर्व कार्यमाहियां कारता हुए।

दक्त सम्पत्ति के कर्षन के दश्यन्थ में कीई भी बाक्षोप:---

- (क) इस सूचना के बूचपन में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन की जनींग या तस्त्रान्तभी व्यक्तियों पर सूचना की वासील से 30 दिन की जनिए, यो भी जनींग नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रतिकट व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) क्स सूक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 किन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिखन विषय क्षित्र स्थावर संपत्ति में दिखन विषय क्षित्र स्थावर द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकागः

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, को उन्तर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया कवा है।

अन्स्ची

पर्लंड नं 123/124, जो सातवीं, मंजिल, एफ ब्लाक, गीतांजली, प्लाट नं 3, एत नं 121, सात बंगलोज, वसींवा, विलेज, अंधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/19171/84-85 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 12-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रमात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2. वम्बर्ड

दिनांक 10-12-1985

हेक्स नाही_{के} ही . एम . **एम** . अन्यक्तानास

नाममाह मीपरियम, 1961 (1961 मा 43) मा भारा 269-म (1) में बभीक स्थान

STATE STATES

कार्यक्ष, क्यान कारक प्रान्थ (दिल्लीक्र्य)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं श्र श्रई-2/37ईई/19174/84-85---- प्रतः मुझे; प्रणात राय

बारकर निविद्यम, 1961 (1961 का 43) (विके रक्कों इसको पश्चाल् 'छनल मधिषियम' कहा नया 🜓 , की धाळा 269-व के वर्षान, बक्षम प्राधिकारी को, वह निस्पाद करने का कार्य है कि ल्यावर ब्यासि, विकका उन्हि वायक गरब 1,00,000/- फ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 701, इमारत, नं० 2, जोगे^{श्वरी} (प०), वम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भी मूचीमें भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जितला लगारनामा श्रायकर र्याधनियम, की धारा 269 के खरे अधीन जक्षम प्राधिहारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-4-1985

का पूर्वोक्त अभ्यक्ति के सचित्र वापाद मूच्य से कन के कार्याप त्रविकास के सिव् वन्तिहरू की नहीं ही बीर वृत्ते वह विकास करने का कारण ही कि वजानुकोंका संपरित का अधिक अध्यास अस्य, राज्ये पर्यमान प्रतिकास से, एसे सम्यान प्रतिकास का पंचा वरिषत से मधिक है और मन्तर्क (अन्तरकार) और मन्तरिक्षी (बन्दरिशिकों) के बीच एसि बन्दरण के जिल् तम पापा स्था इटिक्स, निम्मीना सत उपुरांत्रम से उन्त व्यापन विविद्य वे बास्तविक रूप से कविक नहीं किया गया है ---

- ्रिक्तों क्ष्याप्रस्त् हे हुइ' निवर्त काम की सावक काथ विधिनियस की गुंभीय कार योगे के वस्तारका थी कामित्य में कभी करने या उससे अपने में सविभा खे निया **जोर/या**
- (क्ष) एंसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आरितयों को, विक्रो भारतीय अध्यानकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्या व्यक्तियंग, श्रा लन-कर कथिमियम, 1957 (1957 कर 27) के प्रक्रोकनार्व करतिरती वृषाचा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया आना लाहिए था क्याने में द्विता के सिक्:

अक्ष: तथ, उक्त संधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में संकत विधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) क्षे प्राक्तिक , विकासीविक्तित स्परितको, क्यांक् देव 🕬 42-406 GI/85

श्री जियाउद्दीन, बखारी।

(भन्धरक)

भीमती नुरजहान भजीज बुखारे।

(मन्सरिकी)

को यह स्थान बारी करले प्रॉक्ट हमान्ति से अन्न से जिल् क्षानीनाहिकां कृष्ट करका 🚮

क्यत सम्बन्धि के अपनि के क्यान्य में क्षेत्र की बार्वि ८---

- (क) इस सुक्ता की राक्रम् में प्रकाशक की लाड़ीन है 45 फिन करी अवस्थिता सरकच्चरणी व्यक्तियाँ वर मुच्चका की द्राप्तीस से 30 विम की अवधि, यो भी अकृषि अस्य में समस्या होती हो, के बीत्र पृश्वित व्यक्तिक में है कियी मानिक क्याना;
- (क) इंस बाजना के सावपन में बाबाबन की तार्रीत से 45 दिन् के भीखर उपल स्थावर सम्मत्ति हो ेब्रुतवद्य किसी अन्य अर्थाल ब्वाय अभोहरहाकरों के वास लिकित में किए जा सकरें।

स्पन्नीकरणः---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पत्तों का, थी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित 📢, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया स्याह ।

भन्सुची

फ्बट नं० 701, जो सातवीं मंजिल, इमारत नं० 2, सर्वे नं ० 41, भ्रोशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगध्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि क० सं० मई-2/37ईई/19174/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनां 12-4-1985 को रिजस्टर्ड (क्या गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

मोहरः

प्रारूप आई टी.एन.एस.

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के क्थीन स्वना

भारत प्रस्कार

कार्यालय, सहायक भावकर जायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० भई-2/37ईई/19184/84-85—अतः मुझे, प्रशांत रायः

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से श्रीधिक हैं

मोर जिसकी सं व्यक्ति नं 11, नन्द धाम बी, बिल्डिंग, मंघेरी (पू०), बम्बई-59 में स्थित हैं (मोर इससे उपाबद मनुसूची में मोर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) मोर जिसका करारनामा भायकर मधिनियम की धारा 269 कख के मधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 12-4-1985

को पूर्विक्त संस्थित के उचित बाजार मूल्य से कम के त्रुगमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और भूको यह विक्थास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संस्थित का उचित बाजार मूल्य, उसके उरुगमान प्रति-

पूर्वेक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मृत्य, उसके उत्पमान प्रति-कल से एसे अत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकार) और अंतरिती (अंतरितयार) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बंतरण निचित में बाम्बिक रूप से कथित नहीं किया अया है कि-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; अरि/अप
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या जन्य आस्तियाँ की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित व्वारा प्रकट नहीं किया या था बिन्ना जाना चाहिए था किया में कविषा के जिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तिसयों, अर्थात् :—--

1: श्री कानजी घरमशी शाह ।

(ग्रन्तरक)

2. टूल रूम एमोसिएटस, मेक्स ।

(भन्तरिती)

3. भन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके प्राॅमित सम्पंतित के वर्षन के निष्
कार्यवाद्यिम शुरू करता हो ।

उपत सम्मिन के अर्धन के सम्मन्य में कार्डि भी जार्सि :---

- (क) रस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बनी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों बर प्रक्रियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में १ काशन की तारीय . इं 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हिद्यब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्तक्षरी के गह सिक्ति में फिए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और एका का, जो जक्त सिंधिएयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं जर्थ र ऐसा की उस अध्याय में विया

धन्स्क्

यूनिट नं 11, जो तल मंजिल, बी बिडिंग, नन्व धाम इंडस्ट्रियल, इस्टेट, मरोहा, मरोषी, रोड, प्रधेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित हैं।

धनुसूची जैसाणि कि० सं० आई-2/37ईई/19!84/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 12-4-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजी रेंज-2, बम्बई

दिनांक 10-12-1985 मोहर: प्रक्षपुः कार्यः, टी, ध्राः एकः सम्मानम्

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांनय , तहायक नायकर नायुक्त (निद्रौक्रण)

श्चर्णन रॉज-2, बम्बई बम्बई, दिनोक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० %ई-2/37-ईई/19186/84-85----श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर निभिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसद भिनियम' रहा गरा है), की भाग 269 स के बभीन सदाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी संव पर्जंट तंव 32, यी विस्डिंग, साई श्रपार्टमेन्ट, अंबेरी (प्रव), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप के विकार हैं), और जिसका करारनामा क्रिया हर श्रिधिन्यम की बारा 269 ं ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजिस्ही हैं, दिनांक 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कन्त्रमाण प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकर संगतित का तिर्मित हाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिकल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गड़ा प्रतिकल, निम्निजिस्त उद्योग्य से उस्त अन्तरण किहिन में बाला किक रूप से किया नहीं किया बचा है है—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी शाय की बानसा, सबस वीधीनयम के वधीन कर संगे के बन्तरक बी सामित्य में कृती करने या उससे बच्चे में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (क) एसेंंं, किसी बाय या किसी भन या बन्य ब्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनायें बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था रा किया जाता काहिए था, विश्वा स्वीकार के लिए;

बत्ध वयः, अवत विधिनयम की धारा 269-ग के बनुबरण वो, बी, उनत अधिनिक्षण की भारत 269 व की समझ्या (११ वो वाधीक किलासिकित व्यक्तियों, अधीत् क्षान (1) श्रीमती बिल्की ए बेगम जीनू मास्टर सैयद।

(भन्तरक)

(2) श्री क्याम के० रामनानी औरः श्रीमती श्राक्षा एस० रामनानी ।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्चरित के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहिया करता हो।

इन्य रामित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई सी बाली ह---

- (क) इस तुलता के राजपन को प्रकाशन की वार्रीय से 45 दिन की ज़बीध मा तरकम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि,, जो औं अधिभ वाद में समान्त होती हो, को भीतत पूर्वीक्रय अधिनता में से दिसारी अधिनत दूवादा;
- (च) इस स्वता के रायपण को प्रकाशन की तारीबा वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को विक्रावपुध कियों कम्य व्यक्ति कुषारा अक्षेत्रस्ताकारी को
 पास सिवित को किए का सकति।

स्यक्टोकश्य : ---इसमें प्रयुक्त खब्दों आहे. पदों आहे. दो उपक विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, यो उस बध्याव में दिया भवा ही !

अन्त्यो

पलैंट नं० 32, जो तीसरी मंजिल, बी बिल्डिंग, साई श्रपार्टमेन्ट, एस० नं० 136, वर्सीवा, सात बंगलोज, जे० पी० रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि के सं श्रिष्ट-2/37-ईई/19186/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा, दिनोक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

·दिनांकः 10-12-1985 मोहरः

प्रसन् वार्षः, ह्यः, प्रसः, न न न ननन

क्षातकार वृष्टितम्स्, 1961 (1961 का 43) सर्वे भारा 269-म (1) के स्थीन स्वका

ACC COURS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
श्चर्जन रेंज-2, बस्बई
बस्बई, दिनां ह 6 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० श्रई-2/37-ईई/19239/84-85---**य**तः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क ने अधीन इक्षन प्राधिकारी को यह विश्वास करने क कार्य हैं कि स्वाधर सम्पत्ति , विश्वक उपित वाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, बी विल्डिंग, चोवा चंदन, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 12-4-1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मुक्त ते कम के करमान अधिक के लिए अन्तरित की नर्ष है जीर बक्ते यह निर्माण कार्य का कारण है कि स्थापक के स्थापक है कि स्थापक संपत्ति का उपित अधार मुख्य, उपके स्थमान प्रतिकत का कृत्य स्थापक प्रतिकत के कृत्य प्रतिकत से अधिक है और समारक (बन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के दीय एते अन्तरण के सिद्ध ह्य वाया क्या प्रतिकत, निम्नतिकत उन्नरका के सिद्ध ह्य वाया क्या प्रतिकत, निम्नतिकत उन्नरका के सिद्ध ह्य

- (क) व्यन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा अंकिए:

केंद्र व्या, समत विभिन्निक की धारा 269-स के अनुस्रास की, की, उकत विभिन्निक की धारा 269-च की स्प्रकार (1) वे क्योर, विभविकात व्यक्तियों, स्वर्धा क्रिक (1) श्री फारू महमद दुर्वेश ।

(भन्तरक)

(2) श्री सुलतानली हमनली कलकत्तावाला और इमार्तीयात्रली सुल्सानली कलकत्तावाला ।

(भन्तरिसी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सन्ति के वर्षन् वो सम्बन्ध यो कोई भी धार्मक र----

- (क) इब ब्युवा के हाजपप में प्रकारत की वार्यांच से 45 दिन की बनीय मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्युवा की वामील से 30 दिन की बनीध, वो भी अधीध माद में समाप्त होती हो, से नीतप प्योजवा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाहा;
- (क) इस स्वमा के स्वयंत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में द्वितवष्ट्रय किसी यन्य व्यक्ति प्राय अभोहस्ताकारी के पाक सिवित में किस् वा सकीं ने ।

रुव्याखरण:---प्रतये प्रवृत्य वश्यों शीर परी का, को उत्तर शीपीनवस के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास से विश्वा यथा हैं।

सन्यक्ष

फ्लंट नं० 4, जो एल मंजिल, वी बिल्डिंग चोदा चंदन, श्राम्बोली, जिलेज, अधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० से० अई-2/37-ईई/19239/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 12-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, बस्बर्ध

विनोब 6-12-1985 मो**इर**् प्रकल नार्द_् टी_ट एन_ी एक_ी लक्ष्म

बावकर विधिनिययः 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के वर्धान भारत

भारत तरकार

कार्याच्य, त्रक्षवक वाववाड वाव्यत (निद्धक्रिय)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं ॰ 'मई-2/37ईई/19306/84-85—- ग्रत: मुझे, प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

बीर जिसकी सं० पलैट नं० 202, इमारत नं० 19, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावस प्रतृसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करारनामा श्रीयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अश्रीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनोक 16-4-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृष्य से कम के इस्प्रमान प्रसिक्त के लिए जंदरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्रवेंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृश्य, उसके इस्प्रमान प्रतिकत्त से, एसे इस्प्रमान प्रतिकत्त का पंद्रह प्रतिशत से विश्वक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निक्नितिस्त उन्दर्भय से उस्त मंगरण निवित में बास्तिक इस्म से कथिश नहीं किया नवा है अन्त

- (क) अव्यापन में हुई कियों जान की वांबर , उकत अधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्रियरन में कमी करने या उससे बचने में पृथिधा के निष्; बॉद/या

कवः सकः, उक्तं श्रीवीवयं की वारा 269-ग के वनुबरण के, की, उत्तर वीधनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के वधीतः, विकासिक्य करियस्योहः अर्थाद्य हुन्स्स प्रश्री झियाउद्दीन बुखारी

(भ्रन्तरक)

2 श्री मंजूरी महमद सलीम ए० रजन

(भ्रन्तरिती)

की सह सुचना जाएी करको पूर्वाक्त सम्मरित के वर्जन के निष् फार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को तारी ह है 45 दिन की जनिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वार अमाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियन के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्थार की ।

क्षमाल सी

पर्लंड तं० 202, जो दूसरी मंजिल, इमारत, नं० 19, सर्वे तं० 41 (पार्ट), ओशिषरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जीगश्वरी, (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ श्रई-2/37ईई/19306/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा, विनीक 16-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज-2, बस्बर्ष

विलीस 5-12-1985 मोहर:

क्ष्म् वाही,दी,प्रव,प्रव, क्रान्त्रकान्य

बायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (१) भी नुधीन सुबना

तारत सरकार

कार्यासय, 'सहायक बायुकर बायुक्त ([नरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** बम्बई, दिनोंचे 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं॰ अई-2/37ईई/19307/84-85---- मृत्ते, प्रशांत राय,

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

आर जिसकी सं० फ्लैट नं० 204, इमारत नं० 20, जोगेशवरी (प०), वम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णका से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रवितियम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 17-4-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुन्दे जिल्ली बाव की बावत , सबस जिल्लीनयम को संशीत कर बोने के जन्तरक की वायरण में कुमी कुरने या उससे बुज़ने में सुविधा भी ज़िल्; जोड़/बा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी व्यादा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

अतः वबः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसर्व मो, मी, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—— ा श्री क्षियाउद्दीन बुखारी ।

(मन्टर्क)

2 मंसूरी महमद, इस्माइस, ए० रजक ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

इपत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच छैं 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रका सूचना की तामील से 30 दिन की वचिष, जो औं वविभ याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्थ्रियों में से किसी स्थ्रिय ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबकुष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्थ होंगा जो उस बध्याय में विका स्या हैं।

मनसूर्यी

पलैट नं 204, जो दूसरी मंजिल इमारत नं 20, सर्वे नं 41 (पार्ट), ओशिवरा विलेश, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी, (प०), वस्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/19307/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के ढारा, दिनांक 17-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भजेंन रेंज-2, बम्बई

विनोक: 5-12-1985

मोहर 🛭

क्षम बाइ o दौरु पुरु पुरु पुरु

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) में विभीत मुख्या

भारत सरकार

कार्यान्य, बहायक नायकार भायनतः (निराधन)

प्रजंन रेंज-2, धम्बई

बम्बई, दिनौंक 6 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं ० माई 2/37ईई/19310/84-85—अतः मुझे, भगौत राय,

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह (उक्त विधिनयम कहा गया है), की बादा 269-वा के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाषार बुक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं माला नं 3, जी, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, मंधेरी (प॰), बस्बई 58 में स्थित हैं (मीर इससे उपायद्ध मनुस्थी में भौर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) भौर जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम, की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनौंक 16-4-198 द्धे पृथाकत संपत्ति को उचित बाजार मृन्य से कम के व्ययमान प्रिक्त के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कको का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृन्य, उबके दृश्यमान प्रतिकास से प्रसे बश्यमान प्रतिकास के प्रमे वश्यमान प्रतिकास के प्रसे बश्यमान प्रतिकास के प्रमे अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास क्या से कारण के निए तय पाया गया प्रतिकास क्या से कारण से कारण की लिए तय पाया गया प्रतिकास क्या से कारण से कारण से कारण निम्नित्तित उध्यदेष से उक्त अन्तरण जिल्हा में बास्तविक क्या से कारण से कारण नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से श्रुषं किसी बाव की वावत काल सहिन-दिवस से मुचीन कर बीने के अन्तर्क के बादिएस से अभी करणे थे। उससे बनारे में सुविषा के दिल्ली; अपि/का
- (क) एंसी किसी नाय वा किसी, धन वा अन्य शास्तियों की, चिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ नन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया प्रांत प्रतित् था, कियाने में अशिक्षा भी किया;

काश थयः, उत्तर अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण की, भी उत्तर अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निजियित स्पविसर्वों, अर्थात् —

1. मैसर्से हुमी इंडस्ट्रीज ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विश्वनाय मेहरा :

(मन्तरिती)

3. ग्रन्सरक ।

(यह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

की यह बूचवा बारी करके पूर्वोक्त सम्मतित के वर्षन के विश् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बच्छ बच्छीता के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी साम्रोद ह----

- (क) इस सूच्या के रायपत्र में प्रकाशन की तार्धिक के 45 दिन की नवीं का तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की नविध, को भी अविध बाद में बनाप्त होती हो, के भीतर पूनों कह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (व) इव ब्रुवना के श्रव्यंत्र में प्रकारन की शार्शन ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में द्वित-ब्रुव्य किसी जन्म स्थानत द्वारा नथोहस्ताशरी के शक्ष निवित्त में किए वा कर्केंगे।

स्वक्रिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो अवस अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभागित हीं, बहुरि सर्थ होगा के उस अध्याय में दिया क्या ही।

धनुसूची

गाला नं 3 जी, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल, इस्टेट, प्राफ बीरा बेसाई रोड, पंधेरी (प०), बम्बई-400058 सें स्थित है। धनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ घाई-2/37ईई/19310/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई दारा, दिनाँक 16-4-1985 को रजिस्टबं किया गया है।

> प्रशांत राव सक्षम प्राधिकारी सक्षायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंज-2, बस्बर्ध

विनास 1 6-12-1985 मोहर: . प्रप्य आर्^ड-ही-एग-**एस**.-----

. कायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सचना

भारत सरकार

कार्यांनय, गहाबक जायकर भागुक्त (निरक्षिक)

श्रजैन रॉज,-2, बम्बई बम्जई, दिनौंक 6 दिसम्बर 1985 निर्वेग सं० श्रई-2/37ईई/19878/84 85—म्प्रतः मुझे, प्रगौत राम,

आयकर निधितियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, बी, बिल्डिंग, मीरा ग्रगटेमैंग्ट, घंधेरी (प०), बम्बई, में स्थित है (श्रीर इससे उगाबद पनुसूची में घौर जो पूर्ण रूप से बीणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर ग्रीविनयम की धारा 269 कला के श्रधीन सक्षम प्राधिकारा के कार्यास्थ बम्बई में रिजस्ट्री है दिनौंक 17-4-1985

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंतरू प्रतिफल के विश्वास अंतरित से अधिक है और अंतरिक (अंतरितों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बालाविक रूप से किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कै वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जन्य या किसी भन या जन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति तो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विकास वाना वाहिए था, कियाने में सृषिधा के सिए;

जल: पत्र, उत्तर अि एक्स की धारा ३६०-स के जेन्हरण में,, में, उत्तर विधिनियम की भारा 269-में की उपभारा (1) के अधीन, सिम्नारितियक व्यक्तिकों, अधीद :— 1. मीरा बिल्डर्स !

(भन्तरक)

2- श्रीमती सावित्री बाई राषामोहन तुलसन भौर श्री शशीकौत भार० तुलसन।

(धन्तरिसी)-

को यह सूचना जार्री करके पूर्वोक्य सम्बक्ति में अप्रीम के जिल्ला कार्यमाहियां करता हूँ।

उक्त अपित के वर्णन के संबंध में सबेई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अनिध या तत्वंबंधी स्मक्तियों चर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि के नाद में समाध्य होती हो, को भीतर पूर्वोंक्य स्थितियों में से किसी स्थितित दूवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति स्वारा अवोहस्ताक्षरी के पाप निक्ति में किए जा सकीचे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों मोर पदों का, को अक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

वर्युवी

पर्लंट नं० 1, जो पहली मंजिल, इमारत बी, मीरा भ्रापार्टमेग्ट, वर्सीवा विलेज, अंबेरी (प०), बम्बई 4000में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं कई 2/37ईई/19378/84-86 भौर जो सक्तम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनौंक 17-4-1985 को रजिस्टब किया गया है।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहावन भागकर मामुक्त (निरीक्षण) धर्यन रेंज 2ह बस्बई

विनौक : 6-12-1985

मोहर 🖫

प्राप्तन बाह्", टी. एन., एक.,-------

बायकर विधित्तमन, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अभीत कुफा

भारत बरकार

कार्याक्य, सङ्घयक जायकर वास्क्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 6 दिसम्बर 1985

निर्वेश तं • मई-2/37ईई/19379/84-85----त्रतः नुने प्रकृति राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलट नं० 5, इमारत बी, सीजर रोड, मंदीर जिसकी सं० पलट नं० 5, इमारत बी, सीजर रोड, मंदीरी (प०), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबळ भनुसुकी में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा बायकर अधिनियम, की धारा 269 कव के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्बालय, बम्बई में रिजस्ट्री है दिनौंक 17--485 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकत को गई है और मुम्में यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकत से एसे क्यमान प्रतिकत का प्रमुख, उसके क्यमान प्रतिकत से एसे क्यमान प्रतिकत का प्रमुख, उसके क्यमान प्रतिकत से एसे क्यमान प्रतिकत का प्रमुख, उसके क्यमान प्रतिकत से एसे कन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तथ पाया पाया प्रतिकत, निम्नितिवित उच्चेश्य से उक्त अन्तरक किया गया है :---

- (म) कलारण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त बरियानियम के बधीन कार दोने के जलारक के शाक्तिय में कामी करने या उससे तथने में मुनिधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्च बास्तियों को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्चा लिखितास, या भज-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुन्यधा के लिए।

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उम्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) हो अपीटर, हिस्सलिखिए चिन्तवों, अम्बंब म्यान 43-466 GI/85 ा. मीसर्थ साजन्त एक को ।

(जन्बरक)

2. विकास वर्णल मोड्ये।

(जन्बरिची)

को यह सुभवा बारी क्रांचे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक् कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त अभ्यत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ब्रिजानों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (७) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तराच सं 45 दिन के भीतर उच्यत स्थावर संपत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरों के पात लिए से सिंह जा सकरेंगे।

स्पष्टकेन्द्रकाः --- इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का का अवस्त अधिनिधान, को अध्याय 20-क मी परिभाषिण हो, कही अर्थ होता जो साम अध्याय मी दिवाग प्रथा हो।

अनुसूची

क्खंद नं• • 6, को दूसरी मंगिल इनारत, बी, सर्वे नं• 67 सीकर रोड, जाम्बिननी निलेज, अंधरी (प०), बम्बई 400058, में स्थित है।

जनुस्की जैशा कि क॰ कं॰ कई 2/37-ईई/19379/84-85 जोर को तक्षक प्राणिकारी बम्बई द्वारा, दिनाँ ह 17-4-1985 को रिकस्टिं किया गया है।

त्रवांत राव सङ्गम प्राविकारो सङ्गमक प्राविकर प्रावृक्त (निरोद्यम) भ्राजन रेंज-2, वस्वई

दिनाँक : 6-12-1985

मोद्वर:

प्रारूप बाह्रै, टी. एन. एस.

बायकार जीभीनयम. 1981 (1961 का 43 की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय । बहायक मामकर नामृत्य (निर्दाशक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई क्यार्ज क्रिकेट के क्यार्ज 10

वम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निवेश सं॰ मई-2/37ईई/19392/84-85---म्रतः मुक्ते, प्रशांत राय,

बायकर लिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (किन्ते इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-व के मुभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका छीवत वाजार मुस्य 1,00,000/- रा. से लिधक हैं

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 604, इमारत नं० 18, जोगेश्वरी (प०), बम्बई 58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनापा श्रायकर प्रधिनियम, की धारा 269 क.ख, के ग्रधीन सक्षम श्राधिकार के कार्यालय अम्बई में रिजस्ट्री है दिनौंक 17-4-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से क्रम के दश्यमान वितक्षम के निए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके अवमान प्रतिकत से एसे स्थमान प्रतिकत का पन्नाइ प्रतिवित से विभक्त है और बन्तरक (अन्तरका) और अंदिरती (बंतरितवा) के बीच एसे बन्तरक के लिए तम पाया बना प्रतिकत, निम्नतिवित उद्देश्य से उसत बन्तरल विवित के बन्तरिक का प्राथम प्रतिकत, निम्नतिवित उद्देश्य से उसत बन्तरल विवित के बन्तरिक का विवास का प्रतिकत, निम्नतिवित उद्देश्य से उसत बन्तरल विवित के बन्तरिक का विवास का प्रतिकत, निम्नतिवित उद्देश्य से उसत बन्तरल विवित के बन्तरिक का विवास का से स्थापत व्यवहाँ किया नवा है कि

- (क) कन्यरण सं हुइर किसी जान को नामत उन्त अभि-नियम को सभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्ध वास्तियाँ की, विन्हुं भारतीय वासकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाधिनियम, वा पन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बार बन, उक्त गीर्धनियम की धारा 269-त के अनुकार को, में, उक्त गिर्धनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की बचीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, जर्थात्:---

श्री सिथाप्रद्द न बुखारः ।

(भन्तरक)

2. श्री बी० ताल शह्मद ए० गफ्र।

(ब्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्थन के सिए कार्यगिहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्मरित के बर्बन के सम्बन्ध में कोई नी आसोप ह---

- (क) इस स्थान के रावपत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वतः की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवार;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण:---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, को अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

प्लैट नं० 604, जो छठवीं मंजिल, इमारत नं० 18, सर्वे नं० 41 सपार्ट), श्रोधिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे जोंगेश्वरी (प०), बम्बई 400058में स्थित है।

अनुसूची जैता कि क० सं० अई- 2/37ईई/19392/84-85 श्रीरजो जक्षम अधिकारो वस्बई द्वारा दिनोक 17-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (नि.रीक्षण) श्रजेन र्रेज- 2, बम्बई

दिनौंक 5-12-1985 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-2,बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर् 1985 निदेश सं० ग्राई - 2/37 -ईई/19448/84 - 85 ----ग्रवः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त लिबनियम,' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं पर्लोट सं 602-ए, धूप छात्र इमारत, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर हुइसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधितियम की धारा 269 इस के एधांत संक्षम प्राधिकारी के जायिलय, वम्बई में रिजस्ट्री है, दिलां । 18-4-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से एसे स्वयमान प्रतिकल का पर्के प्रतिक्रत से अधिक ही और अंतरित (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतिकल निम्निलिखत उद्धरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकल में किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत, अक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाजित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

मतः दवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण वी, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269 व की उपधारा (1) को बंधीन,, निम्निनिध्विद्ध व्यक्तियों, अर्थात् ८से(1) मेसर्स वासुदेव एण्ड को०

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती इंदीराबेन दौलतराय देसाई, श्री राज दौलतराय देखाई श्रीर श्री संजीव दौलतराय देसाई ।

(ग्रन्सरिती)

(3) ग्रन्सरिती
(वह व्यक्ति जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यश्रहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ू--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ही 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विधियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गमा है।

भ्रनुसूची

"फ्लैंट सं० 602-ए, जो धूप छाब इमारत, भार बंगलोज, वर्सोदा, अंधेरी (प०), बम्बई-400058 हू स्थित है। अनुसुची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/19448 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिश्लोक 18/184-1985 को रजिस्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांदः : 10-12-1985

मोहर ः

प्रकल कार्ये और एक प्रकार प्रकार

बावकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 268-म (1) के प्रधीन सुचना

नारत सहकार

कार्यासव, सहायक जावकर वागुक्त (निहासक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांत 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं• मई-2/37ईई/19459/84~85~~अतः मुझै, अशांत राय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाय 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्मित्त, जिसका उचित बाबार सूक्ष्म 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिस्तकी संव्यलेट संव 104, इमारत संव 29, जोनेष्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इसके उपाबद अनुसुनी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और िश्वका हरारतामा अध्यक्षर भिष्टितम्म की धारा 269 रुख के अधीत सक्षप अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 19-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित नाजार मूल्य सं कम के दश्यमान श्रीत्कल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास किने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित आधार शृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतिक्र शिवास अपिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिती को सीप एसे अंतरण के लिए तब पामा गमा प्रशिक्त निम्मीतिबंध उद्योध्य से उसस अंतरण जिल्ला में श्रीवास की स्थाप के सिर्ण के सिर्ण के सिर्ण मिनीविक से श्रीवास की स्थाप की स्थाप की सिर्ण की सिर्ण मिनीविक से श्रीवास की स्थाप की स्थाप की सिर्ण गया है स्थाप की स्थाप की सिर्ण गया है स्थाप की स्थाप की सिर्ण गया है स्थाप से स्थापन की सिर्ण गया है स्थापन स्थापन सिर्ण की सिर्ण गया है स्थापन सिर्ण सिर्ण सिर्ण सिर्ण स्थापन स्थापन सिर्ण सिर्ण सिर्ण सिर्ण स्थापन सिर्ण सिर्ण सिर्ण सिर्ण सिर्ण स्थापन सिर्ण सिर

- [कां) बच्चरण से हुएं निक्षी बाव की बावत कवत अधिन निव्या के सुधीन कर बांगे के बन्तरक की व्यक्तित्व में क्रमी कराने था उससे बचने में सुविधा की सिए; क्रिक्तिया
- (वा) एंबी किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्थिय। की जिन्हीं भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्न कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जा कर था, कियाने में सुनिक्त में किया;

अक्ष: अव उक्त निधिनियम की धारा 269-त के जनसरन वी, वी, जक्त निधिनियम की धारा 269-व की उपवास (1) के निधन, निकालियन व्यक्तिकों, नवान क्षाना (1) भी भीय उद्दीन नुवारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भमीरभद्दान मस्दल रौक

(श्रन्बरिसं ।)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के फिर्फ कार्यवाहियां करता हूं ।

सन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी कार्यप ह--

- (क) इब स्थल के राज्यत में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थला की ताशील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस सुम्मा के ग्रम्पन में प्रकाशन की तारीश थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के शत निविध में किए वा धकेंगे।

स्यब्दोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत स्थि-नियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, यही सर्थ होगा, यो उन्न स्थाय में दिया गवा है।

मनुबूची

'ंक्तैट सं • 1 • 4, को पहली मंचिल, इम.रत सं • 3 • क्वें सं • 41 (पार्ट), घोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पिछे कोगेम्बरी (प) वस्वई-4 • 6 • 5 में स्थित है ।

भनुसूची जैसा कि कि सं शई-2/37-ईई/19459/ \$4-\$इऔर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिलांक 19-4-19\$5 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> त्रज्ञांत राय स्थान त्राधिकारी सहामक जानकर आसुनत (निरीक्षण) धर्जन रेज-2, बस्बई

दिनांक : 5-12-1985

भोडर :

भागमञ्जू बहैपरिवयम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के गर्योग कृषण

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रें**ज-**बम्बई,

नम्बई, विनाक 10 दिसम्बर 1985 निदेश सं• घई--2/37ईई/19474/84-85---प्रतः स्क्रे प्रशांत राय,

नायकर अधिकियन, 1961 (1961 का 42) (विसे इक्सें इक्के परवाव् 'उक्क अधिमिनन' कहा गया हो), की भारा 269-व के नयीन तकम प्राधिकारी को वह विक्सास करने का नारण है कि स्थानर सम्पत्ति, चिनका स्रोध्य नानार भूग्य 1,00,009/- रहे. वे स्रोधक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 203, विषय शान्तीको० श्राप० हार्जिश सोतायटी लिमिटेड अंग्रेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है) और इससे उशबद्ध प्रमुखी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा आयहर श्रीधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-4-1985

का पूर्वीक्त सम्बंधि के उष्यत बाजार कुरू से कम के दरममार प्रतिकत के लिए क्लास्ति की गएं हैं कीर मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण हैं कि वथा पूर्वीक्त सम्बद्धि का स्थित कावार कृष्य, उसके समस्ति प्रतिकल ते, होने सम्बद्धि के प्रमुद्ध प्रतिकास से अधिक हैं

मीर अंतरकः (बंधकको), मांद्र अंशरिकी (बंधमियीययों) के कीय एकि अंशरण के किए तथ पाया नया प्रतिक्रकः, निरम्भितिक्रक अक्षतिक से उसत क्लारण विशिष्ठ में नासक्रिकः क्ला के किस्ति कृति विश्वम सम्बद्धी :----

- (क) जन्मरण से हुई किसी बाय की नाकर, उपत अधिक्रिक्ष के जभीन बार को के क्याहर के सरीयरण में कुली आएले या उससे अपने में सूर्विका के लिस्; और्यु-भा

शत: जब, उपेट जिथिनियम की धारा 289-न के जनूसरण में, में, उपेस ऑफिनियम की धारा 269-म की स्वमाना (1) में जबीन, निकालिधिक व्यक्तिस्थानें मुख्यास् हरू (1) श्राः बृसुफ सहसद निवास ।

(भ्रस्तर¥)

(2) भामती नंजू चेनजीं ।

(भग्वरितः)

न्यं यह सुन्तर प्राप्ती करके पुर्वोत्तर सन्दर्भ के कवन के जिल् कार्यवादियां भूक करता हूं।

जनतः संपत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी आकार :---

- (क) इंड सुकान के राजवन के प्रथमधन की तारीस हैं 45 दिन की अवीन ना तत्संबंधी व्यक्तिकों पर तुकान की तामील से 30 दिन की नदीन, जी भी नदीन वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तिकों में से किसी व्यक्तिस बुनास;
- (क) इस तुल्डा के राज्यका के प्रकासन की कारीय सं 45 दिन के शीलर उक्त स्थादर संपत्ति को दिक्क्यूप किसी अन्त व्यक्तिय द्वारा सभोद्दन्याखारी की कार सिकिय को किल् का सकींगी।

स्पाचीकरण: -- इसर्ग अनुका कर्ना नाँउ पदी का, को उनका अधिनियन, को अध्यास 20-क में परिशामित है, यही अर्थ होगा भी उस अध्यास में दिया गया है।

SAMO ALL

"फ्लैंट सं० 203 वो दूसरी मंजिल. विषय शान्ती को • भाष द्वाउलिए सोशाउटी जिमिटेड, सात बंगलीज अंबोरी (प), सम्बद्ध 400061 में स्थित हैं।

अनुसुची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/19474/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 19 4-1985 को रिजस्टर्ट किमा गमा है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राथकर झायुक्त (निराक्षण), भूजन रेंज-2, बस्बई

दिनांनः : 1**0**-1**2**--1985

नोहर :

प्रकम नाइ. टी. एन. एस. ------

भायकर कभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-क (1) के अभीम पूचमा

पारत सहस्रा

कार्यवन, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देखिक)

ग्रर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० प्रई-2/2/37-ईई/19475/84-85---भतः मुक्के, प्रशांत राय,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 260 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा सं अधिक है

मीर जिसकी सं शाप सं 1, कोहीनूर बील्डिंग, जोगेश्वरी (प), बम्बई 102 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम की धारा 269 कुछ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-4-1985

करं पृथांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खामान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गहाँ हाँ और मुक्तें यह निश्वास करने का कारण हाँ

कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उषित बाजार बूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल सं, एते क्रयमान प्रतिफल के प्रमुद्ध प्रतिकत से विश्व हैं और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिशों (अंतरितवों) के बीच एसे सन्तरण के लिए तथ पाना प्रतिफल, निष्विधिक उक्केंच्य से उक्त अन्तरण निस्तिक में वास्त्रीकृत कर से क्रिकेंच क्कों किया गया है हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वावत , अकः अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उठके व्यन्ते में बृतिधा के लिए; शरि/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किली धन मा जन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाला चाहिए था, कियाने में बृतिधा के लिए;

अक्षः अव, उपने अधितियम की भाग 269-ग के अक्सूनरण में, में, सबत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) मेवर्स हो अया ता अस्ट्रक्यात को० प्राइवेट लिमिट के (अस्तरक)
- (2) श्री मती रुकमनीबाई पी० चोगले। (श्रन्तरिती) को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सूर्यंग के सिए कार्यवाहियां करता हो।

क्षणक संपत्ति नो नक्षणि को संबंध में कोई भी आक्षणे हैं---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृज्ञीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

क्ष्स्य

शाप सं० 1, जो कोहीनूर बी० बिलिंडग, बांबीवली क्लिज जोगेश्वरी (प), बम्बई 400102 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/19475/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सलम प्राधिकारी स**हा**यक **याय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण), शर्जन रेंज-2, **यस्वर्ध**

विमॉक 1 10-12-85

मांडर

प्रकृप नार्षः, द्री. एन , एस.,-----

बायकर सभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सुचना

भारत तरकार

कार्याजयः, सहायक नायकर वायक्त (निरीक्षण)

ध्राजीन रें फ-2, बमबाई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० प्र**ई** - 2/37ईई/1947 7/84 - 85 - - - ग्रतः मृझे, प्रशांत राम,

आग्रकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00000/रुपये से अधिक हैं

और शिक्षकी सं शाला सं 3-ई, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इजसे उपाबस अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिल ा करारनामा भायकर अधिनियम की घारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधि ारी के लायलिय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनां र 19-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मृत्य, असके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए प्य पाया गया अतिफल, निम्नतिक्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तर्भ सिक्ति वास्तिक रूप से अधिक रूप से किया गया है हैं

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त विध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बावित्व में कमी करने या उससे ब्रुवने में सुविधा के किए। और/या
- (क) एंसी किसी काय या भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना अप्रिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

श्रदः सब, उक्त अभिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण सँ, पँ, उबत अधिनियम की भाग 269-म की उपधाय (1) के अभीन, निक्तिविक्त व्यक्तियों, वर्षात क्— (1) मेनर्स हमी इण्डस्ट्रिज ।

(धन्तरकः)

(2) श्री हरेग भगवानदास ध्रुत ।

(श्रन्तरि**द्धी**)

(3) भ्रन्तरक

(षष्ठ व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह तृषमा बारी करके पृशांकत सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 वित की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाक में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शि में हिसबव्ध किसी जन्म क्यांक्त कुवार क्यांहस्ताक्षरी के पास किसिक्त में किए या सकींगे!

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वो का, वो उज्ज्ञ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया वया हाँ।

अमृत्यी

गाला सं० 3-ई, जो लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट; ग्राफ वीरा देगाई रोड. अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि सिं भी अई-2/37ईई/19477/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनार 19-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज--2, बम्बई

विनोड : 10--12--1985

मोहर ;

प्रकार कार्याः, की., पुत्रः, पुत्रः, अस्त्राध्यास्यास्य

नावकर मधिनियन, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-- व (1) के संधीत स्थान

भारत सरकार

कार्यांकर, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निवेण सं० घई--2/37-ईई/19479/84--85--- घतः म्, प्रेंगत राय,

प्राथमार मधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके व्यवाद 'उनत मधिनियम' कहा गया ही, की भारत १६9-त के मधीन सक्षम राधिकारी को, यह विकास कार्य कर्न का कार्य है कि स्थापर भारति, जिल्लाका उचित वाजार मूल्ल 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं पलैट सं 104. ठाक्स भ्रापार्टमेंट, अंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित हैं (और इसमें उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), और जिसना क्राप्तामा श्रायकर मिधिनियम की धारा 269 ज़ ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के क्रायालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 20-4-1985

ना पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफरा के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उच्चे क्यमान प्रतिफल से, एवे क्रथमान प्रतिफल क्य क्ष्में क्यमान प्रतिफल से, एवे क्रथमान प्रतिफल क्य क्ष्में प्रतिचत से विश्व है बीर वन्तरक (मन्तरकों) बीर वन्तरितीं (अन्तरितियों) से बीच एरे अन्तरण के सिए वन गया ग्रा प्रतिफल निम्नितियत उच्चे क्य व व्यवस्थ क्ष्में क्षिप क्षमें क्षा प्रतिकार के विश्व क्ष्में क्षमें क्षिमें क्ष्में क्ष्में क्ष्में क्ष्में क्ष्में क्ष्में क्षमें क्ष्में क्षिमें क्षिमें क्ष्में क्षिमें क्ष्में क्षिमें क्षिमें क्षिमें क्षिमें क्षिमें क्षिमें क्षिमें क्ष्

- (क) मलारण से हुई किसी भाग की बाबस उपल अधि-निवास की मधीन कर दोने के अभ्यापक के वाधित्य मी क्यी करने या चसंखे. नयसे यें शृतिचा के सिए; भीद्र/या
- (क) एंसी किसी बाब या व्यक्ती धन या अन्त् आस्तियी की, जिल्ही बारतीय सायकर निधिनयम, 1922 (1922 कर 11) वा उच्छ विधितयम वा धन कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- वार्च क्यारिती कुराई प्रकट नहीं किया विधा वर्ध वा किया वाना वालिए था क्याने में उधिका के जिल्हा

बत: बब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरन में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीरक दिप्पाक्रिकित व्यक्तिका अधीरक क्रांत

- (1) श्री नवलकिशोर जुगलकिसोर मेहरा (प्रश्वरक)
- (2) श्री विकेश एल शाह और श्रीमती अगश्री वी० साह । (धन्तरिती)

को यह पृथाना बारी करके पूर्वोक्त कम्परित के वर्षन के सिक् कार्यवाहियाँ करता हों:

जक्त तन्त्रित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीय ए----

- (क) इस ब्यान से स्थापन में प्रकार की तारीय ने 45 दिश की समीव का तत्वकारणी व्यक्तियों पर सूचना की तानीय से 30 दिन की नवीय, जो भी नवीय बाद में धनान्त होती हों., के बीकर पूर्णेक्स व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति कुग्रह;
- (क) इस प्यान के समयन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उनके स्वावर बन्नीता में शिक्षप्रप्र किसी नन्न व्यक्ति स्वास नक्तिस्वाध्यरी के शक्ष विक्रित में विक्र का सकीने।

रमधीकरणः----इतमें प्रमुख्य बच्चों बीड्र नयों का, यो क्य± धीमित्रक में सम्माद 20-म में परिकारिक हाँ, यहाँ वर्ष होता, थी उस नभ्याय में दिवा पत्रा हाँ हो

यम नु आ

पलैंट सं • 104, जो पहली संित, ठाक्स प्रपार्टमेंट, जुहु कोस लेन, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है। सनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-2/37ईई/19479/84-85और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दि तं ह 20-4-1985 को रिकस्ट किया गया है।

त्रशांत राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंग-2; वस्पर्ध

विमांचा : 6-12-1985

नोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भावकार तिविधियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक शायकर वायक्त (निर्याजन) ग्रजीन रेज-2, वस्ट्

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई ·2/37ईई/19490/84-85---ग्रतः मुझे, । प्रशांत रायः

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिले इसमें इसके गरमार 'उनत विधिनियम' कहा गया ही, की पाछ 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 303, कोहिन्स ए, जोगेश्वरी (प) बम्बई-102 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 के खे के अधीन तक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिक्स्ट्री है, दिनांक 19-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मुख्य से क्रम के स्वत्रकाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि स्वाध्य पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दश्यमान प्रति-फल से, एले दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीसियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) गन्तरण से हुई किती बाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के अधिनयम के अधीन कर देने के जन्तरक के अधिनयम के अधी करने या उससे बचने में विश्वा के सिक्ष: और/या
- िए एमी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, नियह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अफरिसी इवारा प्रकट नहीं किया नवा भा का किया जाना दाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्निलिखित व्यक्तियों . अर्थात :— 44—406 GI/85

(1) श्री मोहनलाल डी० जोशी

(अन्तरक)

(2) श्री ए० अब्दुल अहमद

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सुन्ता नारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिये कार्यमहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के सजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बीध, को भी वर्बीध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस क्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्वक्षीकरण :--इतमें प्रयुक्त खन्यों और पदों का, को उन्त बहुभीन्यक्_ं के कृष्याद 20-क में परिणाचित्र ही, वही वर्ष होना को उट सम्बाद में विधा नदा ही।

चन्प्तो

"पर्लेट सं० 303, जो तीसरी मंजिल, कोहिनूर ए, बादीवली विलेज, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400102 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/19490/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 19-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-12-1985

प्ररूप बार्द .टी. एन .एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनाः 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/19491/84-85---अतः मुझे, प्रशांत राय.

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं व्यक्ति सं जी/30, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अंधरी (प), बम्बई 58 में ल्यित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिस्हा करारनामा स्नायकर अधिनियम की धारा 269 कुछ के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 19-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्छे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया की

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की वायत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखन व्यक्तिस्यों, अर्थात (1) मैतर्स लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट

(ग्रन्तरक)

(2) मैं सर्भ हंसराज कन्स्ट्रक्शन को०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अवत सम्बद्धि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारत;
- (ख) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरों के सक्त बिश्वस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिक्षिक्षणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत काँधिकितम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया

अम्सू स्

यूनिट सं० पी०/30, जो तल मंजिल, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ओशिवरा, ग्राफ वीरा देताई रोड, अंधरी (प), बम्बई— 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि क० सं० श्रई-2/37-ईई/19491/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनों 19-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनाक : 10-12-1985

प्रकृष् **बाह्**रेटी. एन_ः एस_ः-----

क्षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सुम्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनौंक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/19492/84-85--श्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यास्य 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26% ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० जें/32, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ग्रंधेरी (प), वम्बई 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन अक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाँक 20-4-1985 को पुर्केदिक सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के स्टयमान प्रक्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल उस्मजान प्र**तिफल के पन्द्रह**् प्रतिशतः से अक्षेत्रक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर की के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्थिए।

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपवारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेलर्स शमीत मेटल कनदेनर्स

(श्रन्तरक)

(2) मैंसर्स 'लक्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वारा;
- (ख) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाक्षन की तारीस से 45 बिन के भीतर उन्तर स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ विभिन्न में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त कन्द्रां और पदां का, जो जन्ध प्राथितियम, हो अध्याय 20-क में विरमापित ही, हाले हाले होन्द्र को उक्ष अध्याम में दिया गया है।

श्रनुसूची

"यूनिट नं \circ जे/32, जो लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, तल मंजिल, न्यू लिंक रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि का सार्व ग्रई 2/37/ईई/19492 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 20-4 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायरु आयक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2. बम्बई

दिनाँक : 6-12-1985

प्रक्ष आई . ही . एन . एस . ------

नायकर निधानवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन त्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (किरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/19497/84-85-अतः मुझे, प्रशाँत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट सं० 30/111, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाँक 19-4-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्बस अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिषाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिब व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट

(अन्तरक)

(2 मेसर्स लीयो के नीकल्स ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उकत स्थापर कर्यांक के हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहन्साक्षरी के पास लिखित में किए जा उक्षेत्री।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ी हा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-के में बन्न परिसाधित है, यही अर्थ होगा जो उन्त कच्छाल में दिया गया है।

अन्स्ची

"यूनिट सं० 30/111, जो पहली मंजिल लक्ष्मी इण्ड-स्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिक रोड, ग्रंधेरी (प), वम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/19497 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 19-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणाँत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक : 10-12-1985

प्ररूप बाइ^ब.ठी<u>. एन. एस . ------</u>

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, अम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई--2/37--ईई/19561/84--85---श्रतः मुझे, प्रशांत-राय.

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण हो कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य के 60,000/- रु. से अधिक हो

स्रोर जिल्ही सं शाप सं 3/ए, किवता स्रपार्टमेंट, संधेरी (प), उम्बई 61 में स्थित है (शौर इत्तते उपाबद स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण कर ले विजत है), और जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधितस्य को नारा 269 कब के स्रवीत सम्म प्राधिकारी के कार्यालय, दण्यई में रिजिस्ट्री है, दिनाँक 20-4-1985,

का प्रतिया सम्बीत के उचित बाजार मृल्य से कन के रहममान प्रशिक्षण्याः । िलए अन्तिरत की गद्द ही मौर ્લો मक्ते यह िश्वास करने का कारण कि यथा प्यान्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान भारिकार स., पुरा प्रयासन प्रतिकल को पन्द्रह प्रतिशत से विधिक हैं कार अंतरक (बत्तरवर्ते) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एम बाइर्थ के । सए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्याद्य सं उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कश्यित नहीं विधा गया है :---

- ्क) अन्तरण संहार्ध किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सम्बद्ध भ कार्य अस्ति या असर्व वस्ते मां स्विधः के लिए; और/या
- (स) एसा किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का. जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाना आहिए था, खिपाने में सूविभा के लिए:

अतः अवं, उसतः अधिनियम की भारा 269-ग के अगुनरण भें, भें, उसत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीत, उत्तरकाकी का व्यक्तियों, अभितः :---

- (1) श्रीमती पुष्पा हकी उत्तराय लखनानी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री इब्राहीम ग्रहमद मिस्त्री। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रकृति व्यक्तियों में किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राष्प्रत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में दिए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सभी

"शाप नं 3/ए, जो कविता अपार्टमेंट, सी० टी० एस० सं 1030, यारी रोड, वर्सीवा, अधेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37-ईई/19561/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाँ र 20-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-2, बम्बई-

दिनाँक : 10-12-1985

प्रस्य नाइं दी.एन. एस.-----

गायकर गिंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के गंभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर भागुनत (निर्शिक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/19573/84-85-- अतः मुझे, प्रशांत राय,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थक पश्चात् 'उक्त जिधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-स के जिथिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं प्लंट सं 303, महमद मंजिल, जोगण्वरी (प), बम्बई-102 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ती में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर प्रधितियम की धारा 269 हु ख के श्रधोन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिल्ट्री है, दिनौंक 20-4-1985 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्दर्शित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्ट संपति का उचित गामर मूल्य, उसके दृश्यान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितिया) के भीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिस अव्योध्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिवक रूप से किया गया है है-

- (क) अन्तरण संहुद्दं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय आयक्टर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

क्तः जब, उक्ट अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, उक्त अधिरियक भी धारा 269-भावती उपधारा (1) के अभीन निम्नीलेखत स्थल्तियों, अर्थात् हन्न (1) मैसर्स हफीजी एण्टरशायसेस

(म्रस्तरक)

(2) श्री भन्दुल रजल महमद शरीफ बलवा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्टना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास निज्ञित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त याज्यों कौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

"फ्लैंट सं० 303, जो, तीतरो मंजिल, महमद मंजिल, बहराम बाग, एस० वी० रोड, जोगण्वरी (प), बम्बई— 400102 सें स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/19573/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनाँक 20-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राम संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक : 5-12-1985

प्रकथ आहाँ टी. एन. एस.

बायकह विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाहा भारा 269-च (1) के कथीन सुधाना

THE RESTRE

श्रामांबर, तहायक भायकर नायक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 5 दिसम्बर 1985

निवेश सं० ऋई-2/3.7ईई/19582/84-85---गतः मुझे प्रशांत राय,

वायंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अवीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ए कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00-000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 11, सीलवर सेण्डम श्रपार्टमेंट, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर श्रुं पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम की धारा 269 कक्ष के श्रधीन जनन पाधि कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 20-4-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि वभा प्रतिभा सम्पत्ति का उचित वाजार मृज्य, उसके स्थमान प्रतिफल सो, एसे स्थमान प्रतिफल का एन्द्रहें प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्न-निवित्त उप्रयोग से उस्त अंतरण लिखित ये वास्तविक रूप से किया गया है है——

- (का वासरण वे हुए किसी काम की वासत, उपस वाचित्रका में वाभीन कर दोने के अस्तरक में चावित्य में कमी करने का उससे वचने में सुविधा के निष्टु: बाहर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए:

शतः शव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण माँ, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निःश्वीनशित व्यक्तियों, अश्वति :---

- (1) श्री गोबिंद चान्यनानो ग्रोर रनेश डी॰ देवानी (ग्रन्तरक)
- (2) श्री अञ्चल हफीज अन्सारो

(अन्तरिती)

(3) मेसर्स हिरानन्दानी कन्स्ट्रकशन प्राइवेट लिमिटेड (वह व्यक्ति जितके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थान जारी करके पृयोंक्स सरमित के अर्थन के दिवर कार्यशाहियां करता हूं

बक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कार्द बाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीन सं
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, को भी
 अवधि जाद में सजाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुबना के राजपक में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मुकीये।

स्वक्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त इक्सों और पर्वों का, वो सक्ट अधिनिद्यम के अध्याम 20-क में विशाबिक हाँ, बही अर्थ होगा को उस अध्यास में विका वस हाँ ।

मन्स् धी

"शाप नं 11, जो सीलवर है सेण्डम् श्रपार्टमेंटस, हिरा-मन्दानी पार्क, यारी रोड, श्रोशिवरा, श्रंधेरी (प), **बम्बई में** स्थित है।

श्रनुराची जैसा कि क० सं० ऋई 2/37-ईई/19582/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाँक 20~4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-2, बम्बर्ष

दिनांक : 5-12-1985

अरूप मार्चः हो। एमः एवः, प्रान्त्रमण्डा

बायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की गाल 269-४ (१) के बचीन सकता

HINH HAMM

कार्यास्य, सहायक आरक्त आर्म्स (निर्देशिका) अर्जन रेज-2, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० ग्रई-2/37-ईई/19586/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आराकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० पलैट नं० 58, बी विंग, इमारत नं० 14, ग्रंधेरी मनीश विजय की० आण० हाउसिंग सोसायटी, बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूबी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है). श्रीर जिसका करारतामा आयक्तर ग्रंधिनियम की धारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनाँक 20-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बश्यमान श्रीतफम को लिए श्रीतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि श्रथाप्रवेशित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रसिक्त को एसे द्रश्यमान प्रसिक्त का पत्यह प्रतिशत से अधिक ही जार अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकत, निम्नीविश्वत उद्देश्य से उन्तर अन्यरण निम्नित के बारतिक एम से का पत्र कही किया पत्र ही हिन्स

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीप-पियम की अभीन कर देने के अन्तरक के दायिएक में किसी करने या उससे रचने में स्विधा के लिए; कीर/मा
- (क) एरेसे किसी आयं या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 हो 927 को १४ १४ ४४ उद्युत अधिनियम, या धन-अन्य १८५७ १८५७ व्या २७) की एक्केंबरार व्याप्तिया प्रकट रही किया प्रयास्त से किया गांव प्रतिस्था के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री मूदद् के० मेट्टी

(भन्तरक)

(2) श्रीमती सुन्दरी गूलराजाती

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके प्रवेक्ति सम्मित्त के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की तासीख में 30 किन की अवधि को में उनकि वार्य में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रीकत ध्यक्तियों में से जिन्नी मार्थ (त्रमः)
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रश्नाशन की नारीस सं 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस-बद्ध किसी अन्य स्थावस स्वाग अधोहरूसाशारी के वास किसिस में किस्य का मुक्तिन ।

स्वक्षीकरण ह—इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर गर्यों हत, को उपकर विवित्यव की बन्दाय 20-क शो परिभाषिः ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याप मों दिया व्यो ही ही

मन्स्यी

"फ्लैट नं० 58, जो वी विंग, इमारत नं० 14, श्रंत्रेरी मनीम विजय को० अल० हाउँ गि भोता हो, वर्गा नार, जे० पी० रोड, शंबेरो (भ), बम्बई-400058 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/19586/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बश्बई हारा दिनाँ ह20-4-1985 को जिस्टर्ड किया गया है।

प्रसौत राय नक्षम राजिकारो सहायक श्रायकर ग्रायका (विविधान) श्रतीन रेंज-2, बांबई

दिनौंक : 10-12-1985

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.-----

नायकश्च निभित्रियम्, 1961 (1961 का 43) की पाय 269-भ (1) के नुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां तथ, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिक्

ग्रर्जन रेंज-2, बमबई

बम्बई, दिनाँक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० स्रई-2/37ईई/19610/84-85--स्रतः मृझे, प्रशाँत राय,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिमकी सं० पलैट सं० 202, ठाकर्स श्रपार्टमेंट, श्रंधेरी (प), इम्बई 58 में स्थित है (ग्रंप इससे उपादद श्रनुसूची में श्रंप पूर्ण रूप से विणित है), ग्रांर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 तख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिन्हों है, दिनाँक 23-4-1985,

कां पूनांचत संपर्तित के सणित वाबाद मूल्य स कम के बच्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथा पूनोंचत सस्मिति का उचित बाजार मूल्य, उसके उच्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेष्य से उसत अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

- (क्स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

श्तः प्रभा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधेरग (1) के यधीर - रिस्टिसि**स व्यक्तियों, वर्षात**्—

45-406 GI/85

(1) श्री विरेन्द्र सींग

(अन्तरक)

(2) श्रो अनिल ए० जित्रेद्री और श्रापती हंसा ए० तिबेदी

(भ्रन्तारती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सुचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां १-क करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की समिथ या तत्संबंधी स्थानतयाँ पर स्थान की दासील से 30 दिन की सबीध, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त पर पराया में से किसी स्थापत दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य स्थावत द्वार, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर् पदों का, वा उनक विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 202, जो दूसरी मंजिलं, ठाकते अमार्टमेंट को० श्राप० हार्डिंग मोलायटो लिनिटेड, गृह लेत, श्रंबेरी (४) वस्वर्ष 400058 में स्थित है ।

श्रतुसूत्री जैस कि कर्षार श्रह्म-2'37हिं/19610/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, स्विद्ध हास हेस्स है 23-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रयांत राम राजम प्राधिकारी सहायक ऋषिकर ऋष्युक्त (निरीक्षण) ऋर्गन रेंज-2, बल्बई

दिनाँस : 10-12-1985

प्रकृत आर्च होते. एवं एक् , ******

नामकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन मुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 6.दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/19627/84-85--ग्रतः मुसे, प्रणांत राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 104, हबीब पार्क को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, जोगेण्वरी (प), वम्बई-102 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की धारा 269 कला के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाँक 24-4-1985,

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ६ स्थमान प्रतिफल से एसे ६ स्थमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या ब्रितिफल निम्हितिबत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिविक में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण वंह्यं किती भाव की शावत, सक्त सिमित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी कारने या उससे वचने में सुनिधः के बिए; बांड/पा
- (ण) ऐसी किसी आल या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय लायकार आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या लंकत लिधिनियम, पा धन-कार अधिमिलम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाता काहिए था, कियाने में लुकिशा विद्या;

(1) नौबल कन्स्ट्रक्शन को०

(ग्रन्तरक)

(2) डा॰ महमद इकबाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस क्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की बविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपर्तित मों हितकद्व कि की बन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताकरी के वाल विश्वित मों किए आ सकनें।

स्मव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त संस्थी और पर्यो का, जो उत्कल निधीनसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं अर्थ होगा को उस सम्बाद के विका समाही।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 104, जो हबीब पार्क को० भाप० हाउसिंग सोसायटी, जोगेश्वरी (प), बम्बई 400102 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/19627/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 24-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ट

ं क्षेत्रं अब्त अभिनियमं की भारा 269-**ग कै अनुसरण** की, की, जक्त अभिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) क वर्तन निक्तिविक्त व्यक्तियों, व्यक्ति क्र—

दिनौंक 🛘 6-12-1985

पुरुषक्क बाष्ट्र^क द्रौक पुरुक पुरुक्क व व व व व

बावकर नीमनियम ा 1961 (1969 का 43) की पारा 269-म (1) में सभीप स्वान

THE THUS

कार्याजनः, वहायकः नायकर नाय्तः (निर्दाक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० प्रई- 2/37-ईई/19**6**37/84-85—प्रतः मुझे, प्रशाँत राय

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० पलैट नं० 11, विबलाइन (2), ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप स वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय, ब बई में रजिस्ट्री है, दिनौंक 24-4-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकाल से एसे इश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) जन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त को, जिन्हों भारतीय र यकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्क अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाजनार्ध अध्यासित इंडारा प्रकट नहीं किया बदा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अभ, उक्त जीभनियम की भारः 269-ग की जन्दर्श मो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् :--- (1) श्रीमती गुलबानू ऋार० मिस्त्री।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रहमद रजक एच० मर्चेट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वेक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहिया करतः हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुकत के राजपत्र में पकाशन को तारीस से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में गाप्त होती हो, के भीतर प्रशंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरा के पाछ लिसित में किए का सकाँगे।

मन्स्यी

फ्लैंट नं० 11, जो विबलाडन (2), प्लाट न० 10ए, बार बंगलीज रोड, श्रंधेरी, (प), वम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-2/37-ईई/19637/ 84-85 श्रौर जो सक्षम श्राधितारी बम्बई बारा दिनौंक 24-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनाँक: 10-12-1985

प्रथम बाद् हो पुन पुन . -----

साशकर गाँविभियम, 1961 (1961 का 43) की थादा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्वर्ड

बम्बई, दिनाँक 10 दिसम्बर 1985

निद्रेश सं० ग्रई- 2/37-ईई/19711/84-85-- ग्रत: मु हो, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श को अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्रलैट न० 204, निर्मन कुटीर, वसीवा बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायतर श्रिधिनियम की धारा 269क, ख के बधीन सक्षम प्राधिकारों के पार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनौंक 25-4-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तके हश्यमान प्रतिफल है, एसे हश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गमा प्रतिफल, निम्निलितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बात को नास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी झात की, नामत, स्वक्त विधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के निए; और/वा
- (का) एसी किली भाग या किसी भन या अन्य आसिलयों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनिजय, 1922 (1922 का 11) या उन्तं अधिनिजय, या धन-कर अधिनिजय, या धन-कर अधिनिजय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया भागा चाहिए था, छिपाने में तुविधा सेतिल्य;

सत: सब, उक्त श्रीविनियम की भारा 269ला के क्रम्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की शरा 269ला की उपधारा (1) के सधीर, रिम्तिसिक्टि व्यक्तिस्क्ष, प्रश्नित ल्ल- (1) श्री दोपच कुमार ग्रडवानी।

(अन्तरह)

(2) श्री प्रदोप गोपाल।

(अन्तरिती)

(3) प्रन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अचीन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप :--

- (क) इस स्चना के राजवन में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति सुवास;
- (ख) इसस्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्यारा वाधोहस्ताक्षरी के यांच सिसित में किए जा सकारी।

स्पन्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त करदों और पदौं का, भी उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ झोन जो उस अध्याय में दिया पदा है।

बग् संची

पर्लंट नं० 204, जो दूतरो मंजिल, निर्मन कुटीर, यारी रोड, वसोंबा, बस्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/19711 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 25-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय मझम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक: 10-12-1985

प्रकप बार् दो एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ(1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्याजयः, सहायक जायकार बायुक्त (निद्राजन)

ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई 2/37 ईई/19712/84-85 — ग्रतः मुझ , प्रशांत राय

शयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-संके अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्न्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं कलैट नं 201, निर्मन कुटीर, वर्सीवा, बम्बई-61 में स्थिन है (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप ह वर्णित है), श्रीर क्षेजिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बन्बई में ट.जप्ट्री है, दिनाँक 25-

4 1985
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्थमान
प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसको स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
भंतरिती (अन्तरितियां) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया
पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित
में बास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर विने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स्) एजी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१९०० को ११) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) से अयोजनार्थ कन्सरिती द्वारा प्रकट नही किया गया या किया वाना आहिए था, जिपाने के सुनिया के जिन्हें;

अत: क्ष्म, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्री विक्रम तलवार।

(अन् रक)

(2) श्री प्रीथम गोपाल।

(ग्रन्तरिती)

(3) भन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग सम्पत्ति है)

की यह सुमना जारी कर्डके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन करी अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वास्त;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरा-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

व नगरकी

फ्लैंट न० 201, जो दूसरी मंजिल, निर्नेत कुटीर,यारी रोड, वर्सोंवा, बम्बई-400051 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि सिंध प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 25-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, वस्वर्ष

दिनमा: 10-12-1985

मोहरः

प्ररूप आईं टी. एन. एस.----

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० म्रई 2/737 ईई/19715/84 85—म्प्रतः मुझे, प्रशान्त राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204; इमारत तं० 17, जोगेम्बरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राग्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 25 ग्रप्नैल 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निल्डित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अब्दुल हमीद उस्मान ठाकुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ५रिभाषित हौं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 204, जो दूसरी **मॅ**जिल, इमारत नं० 17 सर्वे० नं० 41(पार्ट), श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई 2/37 ईई $_{1}$ 1971 5_{1} 84 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 25-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक: 5-12-1985

प्रकृष कार्ड .टी . इन . एस------

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिवांक 10 दिसम्बर, 1985

िदेश सं० अई-2/37-ईई/19722/84-85---अतः, मुझें, प्रशांत राय

भावकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं). की भाख 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उचित बाजार कृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 61, सी विंग. साई अपार्टमेंट, श्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारतामा अवकर अधिभियम की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिमांक 25-4-85

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यह पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल

- पंत्रह प्रतिकात से अधिक है जॉर बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिता (अन्तरिता) के बीच एसे अन्तरका के लिए तब पाया जवा प्रतिकास, निम्निसित उद्योख से उक्त अन्तरक जिल्हित में बास्तिक क्या से किया है :----
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (य) एसी किसी बाय का किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, खिपाने में सूबिधा के किए:

करा. जब, उक्स अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उपस विधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1): के अधीम, निक्किपिविक स्वक्रियों, अर्थात :--- (1) श्री मनिर्तिग एस० गियान सिंग ग्रींग श्री परमजीत सिंग इन्दर सिंघ भाटिया।

(अन्तरक)

(2) श्री मोरिस बी० नजारेथ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पृशेंक्स सम्मित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थानितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा-वड्डभ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त कर्क्यों और पर्यो का, जो उक्स अधिनियम के अध्याव 20-क में परिश्राचित है, बढ़ी कर्य होगा, को उस अध्याव में दिवा नवा है।।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 61, जो छटबीं मंजिल सी विंग साई, अपार्ट मेंट को० श्राए० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड परताप सोसायटी के सामने सात बंगलोज जे० पी० रोड, श्रंधेरी (प), बस्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/19722/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिमांक: 10-12-1985

भारत तरकार

कार्यांनय, सहायक भायकर भायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

भिदेश सं० अई-2/37-ईई/19734/84-85—अतः मुझें, प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, ए विंग, टिवन टाँबर, ग्रंधेरी बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-4-1985 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,,ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्बह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितवाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (म्म्), बन्तद्रम सं धूर्व किसी भाव की बावत , उसत ब्राधिक नियम में अभीन कर दोने के बन्दरक के द्याबित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के किए; बार/या
- (वर्ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तिवी की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, जिपाने में स्विभा के किए;

जबश्च जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् क्र- (1) श्रीमती पुष्ता एस० दंड ग्रीर श्रामती रेखा एम० भाटिया

∄(अन्तरक)

(2) श्रीमती शोभा अमिल तलवार।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्ववाहियां सुरू करता हुं।

इक्त सम्पत्ति औं वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्तवंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबव्ध किसी मन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्वक्रीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

ग्रनु**स्**ची

फ्लैंट नं० 2. जो तिसरी मंजिल, टिवन टावर्स ए विंग प्लाट नं० 8ए, एस० नं० 48, चार बंगलोज, वर्सीवा, ग्रंधेरी, (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-23/7-ईई/19734/ 84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक दिनांक 25-4-1985 को रजिस्टर्न किया गया है।

> प्रणांत राय यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिमांक: 10-12-1985

शब्द कार . हो. ६२. १४.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बभीन सुनना

मार्व तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अर्थ-2/37-ईई/19757/84-85---अतः मुझे प्रशांत राय

ज्ञामकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्प्रें इसके पदवात 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की भाष 269-च के ज्ञीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विकास करने का आरण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-6, आवर होम को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की बारा 2695, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्या लय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिलांक 26-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य संकम के एस्यजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और गुभे यह विक्वास

करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्भित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और कस्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य भाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—--

- (क) लक्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्दरक की वायित्व में क्यों करने या उक्स दचने में सुविधा नेलए; सौर/मा
- (थ) एसी किसी आव या किसी थन या अन्य आस्तियों की विनहीं भारतीय जाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धराजिनार्थ अन्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में श्रीवभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण हो, मों, इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :——
46—406GI/85

(1) श्रीमती आणा आत्माराम भवलकर श्रीर श्री सुगील चन्द्रसेम भवलकर।

(अन्तरक)

(2) श्री भिखिल अमृतलाल घ्रूव श्रीर श्रीमती युशिशा निखिल घ्रूव।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वॉक्त शम्परित के वर्चन के सिक कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

दस्त सम्मरित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीं सें 45 दिन की अविध या तत्संम्बन्धी स्पित्तयों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट स्पित्तयों में से किसी स्पित बुवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख में 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्मक्ति में दिस्य बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए आ सकेंगे।

स्ववद्योकरण — इसने प्रयुक्त सन्दों और पद्यों का, को उपक अभिनियम के अध्याय 20-क में परिश्राणित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

भ्रनुसूची

फ्लैंट नं० ए-6, जो आवर होम को० आप० हाउसिंग सोस(यटी, ढाके कालोनी, जे० पी०, रोड, सड्हार नगर, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रर्थ-2/37-ईध्19757/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

दिमांक: 10-12-1985

प्रारूप आर्द्य.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिमांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/19794/84-85---अतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िणसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित ब्राजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 606, मनीण नगर, श्रंधेरी (प)
। बई-58 में स्थित (श्रीर इससे उपावड अनसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से विणा है), श्रीर जिसका करारतामा अध्यक्त अधितियम की धारा 269क, ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 29-4-85

को पूर्योक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तश्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है है क्या

- (क) जंतरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: व्यौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर, धना था वा विकास वाता वाहिए था, किया में स्विमा के सिए;

नतः ज्ञान, उक्त अधिनियम की धारा 269-न को जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री दूलारे एन० पारिख ग्रॉप्ट जितेन्द्र एल पारिख।

(अन्तरक)

(2) श्री मंगेश मंगल जी खारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जासीय

- (क) इस सूचना के राजपंत्र म प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यावस्था पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

ाक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विद्या गर्थ, हैं।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 606, जो छठवीं, मंजिल, मनीण नगर, प्लाट नं० 25/26, चार बंगलोज, अधेरी (प), बम्बई-400058में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/19794/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा दिनांक 29-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राविकारी सहायक आयकर ग्रायक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-12-1985

अक्स **बाह**ें. **ट**ी, एव*ू* एक क्रान्टन करना

भागकर विभिन्नन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वभीन सूचना

भारत सम्बार

कार्यास्य , सास्यक अध्यक्त आयुक्त (विद्रीक्तिक) भ्राजन रेज-2, वस्वई

बम्बई दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० म्राई-2 /37-ईई/19803/84-85—-म्राटः मझे, प्रशांत राय

काथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वं इत्तमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, विसका उचित् वाकार मृज्य 1,00,000/- रा. सं सिधक हैं

और िएकी संव फ्लैंट नंव वी-5, लिलाराम भवन, खार, बम्बई-52 में िएथत हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसना करारनामा आयेकर अधिनियम की धारा 2697, ख के अधीन सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 9-4-85

को पूर्वोबर सम्परित को उचित बाबार मून्य से कम के व्यथमान अतिकन के निए अन्तरित की नई है और बुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोबर वम्परित का उचित बाबार करने का कारण है कि यथापूर्वोबर वम्परित का उचित बाबार करने का करवा वस्पकान प्रतिक्रम ते, ए ते वस्पबुत प्रतिक्रम का नवह प्रतिक्रत से जिथक हो और अंतरक (अंतरका) और अंधरिशे (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिद्ध क्षय पाया गया प्रतिक्रम, निम्मनिवित उद्देश्य से वस्त्य बंतरण विविद्ध में बास्तरिक कम से कवित्र नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण संबुद्धं किसी नाम की बाबसा, उपन वाभिनियम के अधीन कार दोने को अन्तरक के वासित्य में कारी कारने या उससे वचन में सुविधा के प्रसार, अटि/या
- (क) ऐसी किर्छः साम या किसी धन या जन्म आस्तियों की, जिन्हें स्पर्धीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ कर्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्हा जाना चाहिए था, कियान में मृतिथा में विद्या

नतः नव, उक्त निर्धानिक की भारा 289-म के नमूतरण में, में, उक्त निर्धानिक की भारा 269-व की उपवारा (1) के नभीन, निम्मविक्ति व्यक्तिकों स्व क्यांक क्या (1) श्री गोपाल दास पेरुमल देंबला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रन्थुत भट।

. (ग्रन्तरिती)

को मह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सध्यक्ति के अर्धन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त रंपति के अर्चन के संबंध में कोई भी बाक्रेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि मा तस्संबंधी त्यांतितयों पर स्वात की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त अविदयों में से किसी व्यक्ति इनाए;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में । हत-त्रक्थ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकते।

स्वक्रीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

नगर्

फ्लैट नं० बी-5, जो लिलाराम भवन, ग्रम्बेडकर रोड, दांडा, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/19803/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोंज-2, बम्बई

दिनांक: 10 -12-1985

भोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांः 6 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/19635/84-85--- ग्रतः, मुझे,

निदश स० श्राह-2/37-इड/19635/84-85——श्रातः, मुझा, प्रशांक राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सदाम प्रतिथकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 1/3 जमीन ा हिस्सा, सर्वे नं 283 बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण 'रूप से विजत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायक्तर अधिनयम की धारा 269क ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजरेट्री हैं, दिनां 24-4-85 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह पिस्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, ऐसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से शियक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रकित्तल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचने में स्विधा के लिए: ऑर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यांक्तयों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती क्लेमी डीमेलो ग्रौर श्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स सरकार बिल्डर्स।
- (3) श्रीमती जोन मही निकोलब फर्नाडीस

(अन्तरिती)

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति, में हित- बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसंख्यी

1/3, जमीन का हिस्सा जो सर्वे तं० 283, हिस्सा तं० 11, सीटीएव० तं०सी-13●9 दांडा विलेग, घरली राजन, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रातुसुची जैसा ि कल संव ग्राई-2/37-ईई/189635/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-4-1985 को रिजस्टई किया गया है।

प्रभात राय सक्षमप्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, बम्बई

दिनां ह : 6-12-1985

प्ररूप आर्घ .टी . एन . एस . -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक ८ दिशम्बर 1985

निदोग सं० श्रई-2/37-ईई/19636/84-85→-श्रतः, मझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

प्रांर जिसकी सं 1/3 जमीन दा हिस्सा, सर्वे नं 283, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) प्रीर जिसका लरारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिकस्ट्री है, दिनांक 24-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित, बाजार मृल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मॅं, मॅं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिस्ति व्यक्तियों, अधीत् :—

- (1) श्री सीलवेस्टर रीचर्ड डीसिलवा ग्राँप ग्रन्य। (ग्रन्शरक)
- (2) मसर्स सरकार बिल्डर्स।

(भ्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इससों प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-है, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गवा है।

अनु सूची

1/3 जमीन का हिस्सा जो सर्वे नं० 283, सी०टी० एस० नं० सी/1309, बांडा बिलेंग, शरली, राजन, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के ग्रई-2/37-ईई/19636/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-4-85 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक: 6-12-1985

यक्ष्म भारते , हो , एस , एक ,

भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

कार्यालय सहायक बायकर जायक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेज-2, बम्बई बम्बई,दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/18743/84-85——अतः, मुझे, प्रशांत रायः

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें ६सके परमात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित शाखार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, साई दर्शन, विले पार्ले (पू), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसला तरारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269%, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनाक 1-4-1985

को पूर्वीक्स सम्पत्सि के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मूक्ते यह विक्यास करने का कारण ही कि यथापूर्वों क्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एमें क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निम्निस्थित उद्योग्य से स्थल अन्तरक निम्निस्थित उद्योग्य से स्थल अन्तरक निम्नित में बास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया थया है क्षम

- (क) कम्नरण के हुई फिली कार की यावता, उपस किक्षिनियान के अधीन कर दाने के अन्तरक को टासिटन के कमी करने साउक्की वजन के स्वित्वधा के सिंह; करि/मा
- ्क) ऐसी निक्सी जाय था किसी भन या कत्य आस्तियाँ कर्ते, जिन्हें भारतीय वाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या बनकर अभिनियम, या बनकर अभिनियम, या बनकर अभिनियम, 1957 (1957 रुप 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था कि वा बाना बाहिए था, क्रियाने एं ब्रिया व विकास

क्षतः वज, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ए की वनुवारण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ः—- (1) श्रीमती रसीला अन्तीलाल दोशी श्रीर श्री कान्तीलाल डी० दोषी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रजीत बी० चव्हान।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त राम्परित के बर्चम के जिय कार्यवाहियां करता हुए।

उपन सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में आहे। भी आहोए :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख धं 45 दिन की अंविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविध व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहरताकरी के पास जिला में किए जा सर्जेंगे।

ज्यव्यक्तिरण: — इसमें प्रयास शब्दों और पदों का, जो उक्स अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मनुसूची

पर्लंड नं० 6, जो तीसरी मंजिल, साई दर्णन, परांजपे स्कीम बी, रोड, नं० 3, आफ हनुमान रोड, विले पार्ले (पू), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कल सं श्रई-2/37-ईई/18743/84-85 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक **बा**यकर श्रायुक्त निरीक्ष**क्**य) ग्रजंन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 6-12-1985

प्रकृष बाह्"्टी. एन. एस. ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के संभीत स्थान

शास्त्र परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्श बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/19288/84-85---ग्रत: मुझे, प्रशांत राय,

वायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफें परुषात् 'उक्त' विभिन्नम' कहा गया हैं), की भारा 269-भ के अभीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्स 1,00,000/- रह. से विभिक्त हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-45, सुनील निवास, अंग्रेरी (प), बस्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम की धारा 269क, ख के अप्रीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-4-1985

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ट से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, असके इत्यमान प्रतिकस से, एसे इत्यमान प्रतिकल के शन्द्रह प्रतिकात से क्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए द्राय गमा प्रतिकल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्द अन्तरण निम्नलिखत उद्देश्य से उक्द अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त वहिंच-नियम के ज्ञीन कर दोने के बंतरक के बायित्व में कभी कार्न वा उससे वचने में समिवा के लिए, क्षीहर/या
- (ब) इंकी किसी जाब या किसी धन या धन्य जास्तियों की, धिन्हीं भारतीय बावकर जिधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त किमिनियम, या धन कर जिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिक्;

कतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-न से बनुवर्क मं, मं, अवत अधिनियम की धारा 269-च कर लपधारा (1) को अधीन, जिम्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) श्री ग्रजीत कुमार लच्छमनतास मला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता रामचन्द्र लुल्ला।

(ग्रन्तरिती)

को नह नुषना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन को प्रकाशन की तारींस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वास को सामान होती हो, को भीवर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशास:
- (क) इस सूचना के रायवत्र के प्रकाशन की शारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बसुध किसी अन्य स्थावर बुवारा अधोहस्ताक्षरी के बाह जिल्ला में लिए था सक्ष्में।

क्ष्यक्रिक्ष्य :-- इसमे अमुक्त अन्दों और पदों का, बां सकत अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषिक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में क्रिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० बी-45, जो सुनील निवास, चार बंगलोज, अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/19288/84-85 और जो सक्षम प्राप्रिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 12-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनांक: 6-12-1985

मोहर 🖫

प्ररूप थाई.टी.एन.एस्. ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्धालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रह-2/37-हर्द्द19300/84-85—-प्रतः मुझे, प्रशांत राय.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 106, इमारत नं० बी-3, साई नगर, अंबेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-4—1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पात्त का उचित वाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिकल से, एसे द्रायमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिकत उद्वर्षिय से उक्त अन्तरण कि लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (वा) ऐसी किसी बाथ या किसी थन या जन्य आस्तिकों को, चिन्ही भारतीय बाब-कर अधिनियस, 1922 व्या 11) या उक्क अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यका था या फिया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविचा में क्रिया

चंद्रश्च अब उपत निर्धानसमा की बारा 269-न में बन्दरम बी, मी, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) जे अधीत, मिस्नीसिसित स्पन्तिसों, असति म— (1) श्री बब्बू अहमद श्रब्दुल हमीद

(ग्रन्तरक)

(2) शेख परवेज नाइमुद्दीन और शेख नाइमुद्दीन श्रब्दुल रजन

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिमोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप "---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक शे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

पंलैट नं० 106, जो इमारत नं० बी-3, साई नगर, आफ वर्सोवा रोड, अधेरी (प), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37-ईई/19300/484-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 6-12-1985

प्ररूप प्रार्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन ेंज-2, बम्बई

यम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिट बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जित्तकी संव फ्लैट नंव 12, बाबा सामुक णरन कोव ग्रापव हाउसिंग सोसामधी, बान्द्रा, बाबई-50 में विश्वत हैं (और इससे उपावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) और जिसाल जदावतामा शायकर अधिनियम की धारा 269क, खू के श्राधीन राजमां प्राधिकारी के बार्याक्य, बम्बई में रजिस्ट्री हैं. दिनांक 16-4-1985

की पूर्व क्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल से लिए बन्तरित बती गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिस्ति उर्द्दश्य से उक्स अन्तरण लिस्ति में सास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया हैं.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करके या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निरिटीलत व्यवितयों, अर्थात् :---47--406 @1/85.

(1) श्री जी० भुरलीधर मेनन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय पंजाबी और श्रीमती प्रीया पंजाबी (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं 12, जो तीसरी मंजिल, वाबा सतगुरू शरन को आप हाउसिंग सोसायशी, श्रठाईसवा रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से ग्रई-2/37-ईई/19311/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-4-85 को रजिस्-ई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरेज-2, बम्बई

दिनांक: 6-12-1985

मोहर।

प्ररूप आई. टी. एन. एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बर्ह, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश मं० श्रर्थ-2/37-ईई/19414/84-85---श्रतः मुझे, प्रणांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

अरि जिसभी संवे पलैट नंव 10, भत्ते सदन कोव श्रापव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, खार, बम्बई-52 में स्थित हैं (और इससे उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न हैं), और जिसका करारनामा श्रारकर श्रिकियम की धारा 269न, ख के श्रिधीन संअम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-4-1985

को पृशंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल निम्निक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में भास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: उब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अशीत् :-- (1) श्री लालचन्द डी०, मिरचन्दानी और श्रीमती मीरा लालचन्द मिरचन्दानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० संकरानारायण

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खारी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पच्छीकरणं:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो!

अनुसूधी

फ्लैट नं० 10, जो तीसरी मंजिल, भन्ने सदन फी० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लट नं० 421, 15वां रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि मं श्रई-2/87-ईई/19414/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में द्वारा दिनांक 18-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-12-1985

मोहर

प्रकार कार्य हो हुन एस :------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) को अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर नाम्बद (निर्धिक)

ग्रर्जन रेंज-2, गम्बई

बम्बई, विनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अर्द-2/37-हैई/19543/84-85---अन: मुझें, प्रमात राय,

कायकर गिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदनात् 'उक्त जिधिनयमं कहा गया हुं), की वारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

आर ज्याकी सं पलैट नं 202/बी, निणान्त इमारत, विले पार्ले (पू), बम्बई-57 में स्थित है (और इससे ज्ञपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर प्रधिनियम की धारा 269क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्ट्री है, दिनांक 20-4-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते रह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण विचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- [क) श्रेतरण से हुइ किसी बाय की बावल, प्रथम अधिनियम के अधीन ठार दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने मूं सुविधा क िए; औद्व√या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तिकों का, जिन्हों भारतीय आध्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विजया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के विद्या।

अतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, की, अक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रतनशी ग्रसदीर शाह।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती पुष्पावेन शान्तीलाल शाह । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती

(धहु व्यक्ति, जिसके अधिशांग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, को और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी स्विति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उपना स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याप्त, अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए आ सकेंगे।

स्यच्छीकरणः -- इसमें प्रयुवत शस्त्री और पर्दा का, जो उक्स अधिनियमं, के अध्याय 20 क मा पारभाषित है, बही क्षे द्वांगा ज्ये अस अध्याय में विमा म्या है।

प्रनुपुची

20-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

फ्लैंट नं० 202/बी, जो िशान्त इमारत, सलाबिया रोड, त्रिले पार्ले (पू०) बम्बई-400057 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० बई-2/37-ईई/19543/ 84-85 ऑर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसांक

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, वस्बई

ंदिनांक: 6-12-1985

प्ररूप नार्दा, टी., एन., एस<u>.</u>------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/19544/84-85--- ग्रतः मुझे, प्रशांत राय

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक्टे पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह से अधिक हो

और जिसकी संव प्लैट नंव 150, इमारत नंव 8 ए, साई धाम, अंधेरी (प), बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रानुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-: नामा प्रायकर अधिनियम की धारा 269क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 20-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृद्धे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे इंग्रमान प्रतिफल का पन्द्रह शितकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में ।स्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की याबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना शा किया जाना चाहिए चा, छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः बज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

(1) श्री पीताकीतडी देसाई ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लीना सी० मिस्कीटा और श्री चार्लस बी० मिस्कीटा।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इशारा ;
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकी।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा पया है हैं

अनुंसूची

फ्लैंट नं० 160 जो इमारत नं० 8-ए, साई धाम, न्यू डी० एन० नगर, हाउसिंग बोर्ड की० धाप० सोसायटी जिसिटेड, लिक रोड. अंधेरी (प), बम्बर्ड-400058 में स्थित है।

ग्रतुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/19544/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-4-85 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-12-1985

भाषकर विश्वतिसर्ग, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-क (1) के अभीन सुचना

आरत सरकार

कार्यालय, सहाजक बायकर वायुक्त (निरीक्क)

आर्थन रेज-2, बमबई

बस्बई, दिनांक 11 दिसस्बर, 1985

निदेश मं० एक्रार 2/37-जी-3769/मई, 85---अत। मसे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मध्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिसकी मं० जमीन का हिस्सा एस० नं० 2. हिस्सा नं० 14, एच० नं० 22. 23, मरील बिलेज, बंबई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण क्ष से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 21-5-85

भो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख को अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विदेवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिकों (अंतरितियों) के बीच एसे अतरक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्ते अंतरण लिखित में वास्तिक कप में किया नहीं किया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बाबत, उकत अपि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यारे में सविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाग या कसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों शारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा चैं शिए:

शत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम: गिरुपिनिवित व्यक्तियों अधीत म— (1) श्री ग्रह्मास एच० स्नान

(ग्रन्तरकः)

(2) मैंसर्त क्वालिटी फूड ए॰ड मगाला प्रोडक्टस। (अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्मत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हरू

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या सका है।

अन्स्ची

मनुसूची जैंशा कि धिलेख नंद एसद-167/84 और जो उपरक्रिस्ट्रार सम्बई द्वारा 21-5-1985 को रजिस्ट्रंड किया गमा है।

> प्रशांत राज्ञ सथम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, वस्बई

दिनांक: 11-12-1985

मोहरः।

प्रकल नाइरें हैं हैं पुन है ऐसे हैं है है है है

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुबना

भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, वस्वर्ह बस्वर्ड, दिनांक 11 दिसम्बर, 1985 निदेश सं० ए०ग्रार०-2/47-जी-1784/मई, 85---ग्रन: मुझे, प्रशांत राय

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भाय 269-जा के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 98/5, और 98/6, सर्वे नं० 157-158, को डीबीटा बिलेज, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिंस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-करण श्रविनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-5-85

कां पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्तें यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अप्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के श्रीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तिशत अद्वर्शय से उक्त अन्तरण निम्तिशत अद्वर्शय से उक्त अन्तरण निम्तिशत अद्वर्शय से उक्त अन्तरण निम्तिशत

- (क) अन्तरण से हुइ किसी शाय की पाल्त, उथत अधिपियम के अधीन कर दी के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए अडि/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के किया

बतः वन, उन्त विभिन्नियमं की भारा 269-न के बनुसरक वा, मी, अक्त विभिन्नियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के वर्धार, निम्ननिधित व्यक्तियाँ संधादि ह——

- (1) श्री एस० के० हरून एच० के० ग्रजीम (ग्रन्तरङ)
- (2) श्री पाण्डूरंग माइति पाटिल। (म्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उस्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काहे भी काक्षेप हान्न

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख थे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वाय;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी से पास निवित्त में किए का सकेंगे।

स्यक्ष्तीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या पंथा है।

अनुसुधी

ग्रनुसूची जैसा कि बिलेख सं० 949/1981 और जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 24-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I^I, बम्बई

दिनांक: 1-12-1985

-∵हर ः

प्रकृष जाएँ स्ट दौ _य पुरु तु हुन स्ट व्यवस्था

आयक र ज्ञितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सुमना

प्रारत् सुरकाड

कार्यालयः सहायक मायकर वायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर, क़985

निदेण सं० एश्रार-2/37-जी-3**79**9/मई, 85→-श्रतः मुझे, प्रणात राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी का,, यह निकास करने का कारण हैं कि स्थानर संपर्ति निसका उचित बाबाद मुख्य ;

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
और जिसकी संव सर्वे नंव 98, सी टी सर्वे नंव 168, कांध्रडी
बीटा विले ते, बम्बई-400059 में स्थित हैं (और इससे उपामद्ध प्रमुस्ती में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रिकस्ट्रीकर्ता
प्रक्षिकारी के कांपातिय, बम्बई म रिकस्ट्रीकरण प्रक्षित्यम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-5-क985
को पूर्योंकत सम्मत्ति के बिचत बाजार मून्य से कम के क्यमान
प्रतिकास के निए बन्तरित की गई हैं, और मुझे यह विकास
करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त संप्रति का उचित्र बाजार
मृत्य, उसके स्थान प्रतिकल से एसे स्थमान प्रतिकल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकाँ) और बंतरिती
(बन्तरिक्यों) औ बीच एसे बन्तरण के लिए तब पावा नमा
प्रक्रिक्स, विम्मिसिस स्पूर्वक्य से स्वस्त बन्सरण कितिस
प्राप्तिक रूप से किपल नहीं किया गया है हि—

- (क) अभ्ययम वं हुइ किसी माय की नावत उक्त अधि-विश्वयम के अधीन कर देने के नम्बरक के शामितम हो कामी कारने या उससे अधने में त्रनिधा के लिए: बीर/वा
- (क) ऐसी किसी बान या किसी धन या बन्य बास्तियों की, विनहीं भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किमिनियम या धनकार विभिनियम या धनकार विभिनियम में 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किसा बाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, बन्सरण भ्रें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) व्ये अधीन, निम्निसि**ल्ड व्यक्तियों, वर्धात ड**— (1) श्रीमती लतिका तानाजी छादव।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गजासन बी० शिदे।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

बक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- एक त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की वर्दींथ या तर्धवंथी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ल व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास निस्ति में किए का सकेंगे ;

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैंसा कि विलेख सं० 1235/1981 और जो उपरिक्रिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनौंक 30-5-1985 की रिक्स्टिई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज-II, बस्बई

दिनां क : 11-12-1985

प्ररूप आई. दी. एनं, एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्य 269-व (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज-∏, बम्बई

बम्बई, दिनां । ६ दिसम्बर, 1985

निदेश सं ० ए०श्रार०-।।) 37-जी-3784) 84-85---श्रतः मुझे प्रशांत राय

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६9- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.36,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी यं 15ए जिखर हाउप नार्थ घेलूसकर रोड, गी एस नं मा 1619 माहीम डिवीयन, शिवाजी पार्क वस्वई-400028 में स्थित है (और इ.से उपावत अनुभूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिवस्ट्रीयती अधिशारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीयरण अधिश्यम 1908 (1908 हा 16) के अधीर दिनार 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यांस करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और (अंदरकों) और अंदरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजितित उद्देश्य से अवत अंतरण निर्माण मा

- (क) बन्धरत्र संहूद किसी भाग की गायत तथत अधि-निवस के अभीत कर वेने के जन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; सोड-/का
- [क] एंडी किसी ताप या किनी धन बन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती उवारा प्रकट नहीं किया गया वा सा किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिधा औं लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण बो, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन, निम्नीनिवित व्यक्तिया, वर्षात् का (1) श्री मल्लू राजाराम जीवशर

(श्रन्तर्ह)

(2) श्री राजेन्द्र मल्लू जीलकर और श्रीमती भारती राजेन्द्र जीलकर

(ग्रन्तरिती)

को सह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी

बग्स्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बी०ओं० एम०/2639 और जो उपरिक्ट्रिंग बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-1935 1985 को रिकटर्ड किया गया है।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सङ्ग्रांक भाषकर जन्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें-II, बस्बई

दिनोद्धाः 6-12-1985

warmer in the property of the

क्रम्क मार्च का दोक स्पन्न स्पन्न स्थान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

अर्जेट रेंट-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश स० ए०आर०2/37 -जी-3778/म्रप० 85---- महा मुझो प्रणांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उन्दर्भ किथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संयक्ति, जिसका उभिष्ण बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उण्णिल बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी संज जमीन स्ट्रक्चर के साथ जो चैपल रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजंस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यात्य, बम्बई में रिजिस्ट्रीएरण अधिनियम 1908 (1908 रा 16) के अधीन, दिनांक 16-4-1985 को पूर्वोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोंकर संपित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान अतिफल से, एसे स्थमान अतिफल का पन्द्रह अतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरक के निए स्थ वावा नया प्रतिफल , मिम्निवित उद्योग से उचित अन्तरक किए सं

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोन के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थितने में सुविधा के सिए;

बता बन, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत हि——
48—406GI/85

(1) श्री डोनाल्ड ाजेसन बेरोटो

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेसी बेरेटी, श्री केबूस जोसेफ बेरोटी, श्रीमती बिबियाना बेरेटी और कुमारी डोना बेरोटो

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यनाहियां सूक करता हैं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाश्रेप हन्न

- (क) इब ब्रंचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीब थें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बर्गीश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच की 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपटित में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अभोहस्ताक्षरी के पार निवित में किए जा सकते।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया ही।

वनुसूची

श्रनुसूबी जैसा कि चिलेख सं० 16/4/1984 और जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 16-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत जराय सक्षम प्राधि गरी सहाय ५ श्रायक्षर श्रायिक्ष (निरीक्षण) श्रजीन रोज- , बम्बई

दिनांक: 6-12-1985

मोहरः

प्ररूप बाईं.टींएन.एस. -----

नावकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (।) के वधीन सुपना

असल सरकार

कार्याक्षर, सहायक आयकार तायक्त (चिरीकाक)

श्रर्यंत रेंक-2, बम्बर्ध

बम्बर्ध, दिलां ४ 6 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ए०आर०-2/77-जी-3779/श्रपरैत, 85---श्रतः मझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारले का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिस्ती सं० अंत्रिष्ठ सीटी क्षर्वे नं० 66, पाली, न्यू सीटी पर्वे नं० एफ-330, बिलेग पाली गाम्थन, बाल्डा, गंगई में स्थित है (और इस्ते उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्म से पंजित है), रिजस्ट्री की अधितारी के पार्यात्य बम्बई में रिजस्ट्री एण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, दिनां है 12-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के क्यांचनाय तन्सरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सविका छै लिए:

जतः अव, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) है जधील मिस्तिसिक्त व्यक्तियों, वर्षात् ्—

(1) श्री निकोलास जे० परेरा, श्रीमती श्रार० सी० परेरा, श्रीमती बीद्रिस थोमस और कुमारी रोज परेरा।

(अन्तरक्)

(2) श्री के व्हानजी भेदा और जेव धनजी छेड़ा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति के किस वा सकेंचे :

स्पष्टीकरणः -- इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो उक्त अधिनियम, की अध्यास 20-क मां परिभाषित हाँ, बही जर्च होगा को उस अध्यास में दिया प्या हाँ।

बन्स्ची

्यनुसूची जैसा कि विलेख सं० 529/83 और जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई ब्रारा दिनांक 12-4-1985 की रजिस्टर्ड िया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (किरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-2, वस्वई

दिनांक: 6-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

भार्मासय, तमापक जायकर जायुक्स (निर्दाणण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० एग्रार०-2/37-जी०-3780/ग्रप० 85---ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 केन 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्भिल, विसका उचित बाधार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं म्यूनिक्षिपल हाउस नं एचं 775, सीं टीं एसं नं बी—44, वरोदा रोड़, बान्द्रा, बम्बई—400050 है तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उनाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधिारी के वार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री-इरण श्रिधिन्तरी के वार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री-इरण श्रिधिन्तरा, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-4-1985

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत है जनस अभिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक भे दायित्व से कमी बुरने या उन्ने बाबने में सुहिन्दा के सिह्ह सीह/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जम्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ये प्रयोजनार्थ अन्तरिको स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, जियाने में स्विभा के निह:

अतः अबं, उनते अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्ण मं, मं, उसते अधिनियम की भारा 269-च की अपधारा (1) के मधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्रीमती जेबी गोन्सालवीस उर्फ़ जेब परेरा
- (ग्रन्तर रः)
 2. श्री साजीद यू० बाटलीवाला, शोय यू० बाटलीवाला
 साकीर यू० बाटलीवाला, मुस्ताक यू० बाटलीवाला और शाकल यू० बाटलीवाला।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कांई भी बाधांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीम से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी कन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताकारी के पास हिससित में किया का सकोंगे।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याहै।

ग्रनुभूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 5083/84, धौर जो उप र्राजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 12-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख: 6-12-1985

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० एम्रार०--2/37-जी०--3785/म्रप्र० 85----म्रतः मुझे, प्रशांत राथ,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 89, प्लाट नं० 12, सान्तामुज, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे ज्याबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिवस्ट्री र्ता अधिए। री के ार्यालय, बम्बई में रिवस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1985

भी पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित् वाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए कल्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिकात से अधिक हो बीर अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पामा क्ष्म प्रतिकान, निम्निस्ति उद्देश्य से उच्च बन्तरण जिचित के बास्त्रिक कप से बाधित नहीं किया गवा है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (†) के अधोत, निम्निलोक्त व्यक्तियों, अर्थात् १--- 1. श्री दराबशां दिनशां भसानिया

(भ्रन्तरक्)

2. श्री ग्रस्तर हसन रीजवी

(श्रन्तिरती)

4. भन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्का संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1758/83 और जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-2, बम्बई

तारीख: 11-12-1985

अक्य मार्च.टी.एन.एत.------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सधीन स्वना

भारत सरकार

कायालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीकाण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० एश्रार०--2/37--जी०--3788/ग्रप्र०--85-----86 श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेशन् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित नाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 840, जुहु विलेल, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मों श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिध-कारी के कार्यालय, बम्बई मों रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-4-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित साजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरकर्त (अंतरकर्ते) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर वचने में तृतिभा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य क्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाशः (1) के कथींग, निम्मुलियित व्यक्तियों, अभितं क्रिक्न 1. श्री विक्टोरिया एफ बीसोजा, जोसेफ पी० डीसोजा सेवेस्टीयन जेवियर डिसोजा ग्रींर श्रव्वर्ट एफ ब्रिसोजा।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० सी० फोत बिल्डसे प्रायवेट लिमिटे। (ग्रन्तरिती)

3. भाडोस्री

(वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उथ्य सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (का) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविध गा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिन नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

यमगर्गा

ग्रन्सूची जैसा थि विलेख सं० एस० 2297/79 ग्रौर जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांः 12--4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रकांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 11-12-1985

शक्त आहे . की . एक . प्राप्त - ------

बायकह अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की पाछ 269-थ (1) वो अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जाजकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० एम्रार०-2/37-जी-3763/म्रद० 85-86स्रतः मुझे, प्रशांस राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मग्पीत, जिसका उचित नाणार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ला सं० प्लाट नं० 46, श्रांबोली विलेज, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीयर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-4-1985

कार पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का धारण है कि यथायुर्वोचत तयित का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एरी धश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत , उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक से दामित्य में कमी करने या उससे ब्यमे में सुन्धि। से किस्; क्षीर/या
- (क) एसी किसी अन्य वा हिस्सी पद वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उससे अधिनियम, मा अनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करणीरती व्यास अवट महीं किया क्या वा वा वा वा विध्या के वि

नतः तय, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (१) को अधीन निम्मतिष्ति व्यक्तिस्यों स्थात ॥—— श्री पी रोजा मीनोचर देब, श्री फ़ारुख मीनोचर देब श्रीर श्री नारीमन मीनोचर देब

(अन्तरक)

 श्री जावेर केखाबू जोखी, श्री क्स्तम कैखाश्रू जोखी श्रीर श्री वर्गीस कैखाश्रू जोखी।

(ग्रन्त(रती)

3. श्रन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यनाहियां गुरू करता हो।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येय अ--

- (क) इस स्था। के राजपन में प्रकाशन की शारांस हैं
 45 दिन की जनभिया तुरसम्बन्धी व्यक्तियों धर स्थान की समीन से 30 दिन की अदिश, जो भी समीन बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त स्वतियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (वा) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीब स 45 दिनं को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुस किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त श्रुक्त और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० विलेख सं० एस०-2712/ 82 श्रोर जो उप रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 8-4-85 को रिजस्टड किया गया है।

प्रशांत राय अक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायु त (निरीक्षण) श्रजन रोज- 2, बम्बई

तारीख: 11-12-1985

प्रकृप बाइ दी. एत. एसं . ------

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

शास्त्र सहस्रा

कार्यालय . सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिमांक 11 दिसम्बर 1985

भिदेश सं० एआर०-2/37-जी०-3800/**मई**-85---अतः मुझे, प्रशांत राय,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इक्के इसके पण्यात् 'उत्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का अपरण ह² कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाकार मुख 1,00,000/- रतः **से अधिक ह**ै

श्रीर जिसकी स० जमीन का हिस्सा ,सी० टी० एस० नं० 593, 593/1, से 6, सर्वे सं० 15, हिस्सा नं० 2 (पार्ट), एस० वी० रोष्ट, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री क्रि अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख जूम 1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उष्यित बाजार मृत्य ते कम के उरवज्ञान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गद्दे हैं। और अफ़्रें वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त **सम्पत्ति का अवित बाका**ई मुख्य, उसके रस्ममान प्रतिकत्त सी, होते रस्मनान प्रतिकतः सा पन्द्रहप्रतिकात से अभिक इं और अन्तरक (अन्वरका) और अम्बरिती (अंतोरितियों) के बीच एोडे बंतरण के जिए तय पाना बना प्रति-कस, निम्हीसिन्ति सबुद देव से उपन अम्बरण सिन्ति में बास्तविक भवा से कथिए न**हीं किया स्था है स**न-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की **बाबत**, उक्त अधिनियम भी वभीन कर दोने के वस्तरक से वरितरम में क्रमी करने ना उपने नमने में स्विधा के सिंह; मीह/वा
- (क) ध्रेती किसी जाम वा किसी भन मा अन्य वास्तिवी को जिन्हा भारतीय साम-कार सीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्तिय या विभक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकायनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने सें वृषिया के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती एामजी देवजी, तलश्री देवजी श्रीर नेमी-चन्द्र देवजी।

(अन्तरक)

2 श्री वाली महमद उहीय चूनावाली, कासीम बी० चुनावाला, अबदरेहमान वी० चुनावाला, इकबाल बी० चुमावाला श्रौर हनीफ बी० चुमाबाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुए।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्क्ष ह--

- (क) इस सम्पना के राज्यक में प्रकारन की तारीचा से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर लूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (#) इस स्थना के राज्यत्र में त्रकाशन की तारीचा से 45 दिश को शीतर उक्त स्थावर संस्परित मो हितबहध बिस्ती जन्म व्यक्ति बुवारा जभोहस्साक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकों।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कथिनियम, के बध्याय 20-क में बरिभावित है, एही कर्थ होता, जो उस कथाय में विका वया

अवस्ती

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 5018/84 ग्रीर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई बारा दिनांक जून 1985 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

> प्रशांत राय अजम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जुन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-12-1985

मोहरः

तरूव आहाँ. टर्गे. एस . एस . ०००

कायकर অधिनियम, 1961 (1961 का 43) करीं भार 269-च (1) के अधीन क्षा

भारत सरकार

कार्यालय, उहायक आधकार बायकत (निरक्षिण)

अर्जन (:-- 2, बम्बई

बम्बई, दिशांक 13 दिसम्बर 1985

भिदेश सं० एअ१२०-2/37-जी-3765/अप०-85--अतः मुझे, प्रशांत राय.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें हरको परवास 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, कह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उजित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्रील्ड सर्वे नं० 7609, न्यू सर्वे नं० बी-1678, फानाल फाट नं० 1251, टी० पी० एस० 4, माहीम, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिमयम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 18-4-1985

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का गंबह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेशिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक अप से कांचत नहीं किया गया है रूप

- (क) क्रुट्ण वे इ्चू कियी काक की वावच, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शांवित्थ में कमी करने या उक्क ब्चने में सुविधा के लिए; बाँग्रिया
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्सियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था था किया बागा चाहिए था छिपाने में सुधिभा के नित्

नत: वब उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ∷— 1. मै० केम्प एन्ड को० लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री मोरारजी गोकुलदास स्पीनिंग एण्ड वीविंग को० लि०

(अन्तरिती)

3. मैं० व्लो प्लास्ट लिमिटेड भ्रौर नूरोस वेलकर्म एण्ड को० (इंडिया) प्रा० लिमिटेड। (बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को सह स्थना कारी करके प्रॉक्ट सम्पत्ति को सर्थन को बिश कार्यदाष्ट्रियों क्ष्र करता हो।

उबत सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वस्तीकरवा:--हसमें प्रयुक्त सम्बां और पर्वां का, जो अक्त विधिनयम के सम्बाय 20-क में परिभाविष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

भ्रनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बी० श्रो० एम०/1193/ 77, श्रीर जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-12-1985

मक्ष भाषां, टी.एन्.एस .-====

आयकर अधिनियम् : 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन क्वना

मारत सरकार

कार्याजन, सहायक भायकर आधुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985 निदेश सं०आई-2/37-ईई/19717/84-85-अतः मुझे, प्रशांत रम,

नायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् ं 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राणिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्या 1.00,000/-रू. में अधिक हैं

जिसकी सं० सर्वे नं० 24, हिस्सा नं० 1 श्रौर 3, आंदियली विलेज, श्रंबेरी है तथा जो बम्बई में स्थित हैं (श्राँर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), श्रौर जिसका कर रामामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-4-1985 का पूर्वे का सम्मास्त के जिस्त नाजार मुख्य से कम के ज्यामान एतिएक के निया क्ष्मित को जिस्त नाजार मुख्य से कम के ज्यामान एतिएक के निया क्ष्मित को प्राथित के प्राथित के जिस्त के प्राथित को प्राथित के प्राथित के प्राथित के प्राथित के प्राथित के प्राथित के प्राथित अधिक स्थान अधिक स्थान के प्राथित के प्राथित के प्राथित के प्राथित के प्राथित के प्राथित से विषय के प्राथित के प्राथित

- (क) जंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त बिसियम के अधीन कार योगे के बन्दात्र क शामिलक वी बागी अपने का खनके क्षा के विदा के लिए; और/या

1.श्री भीमा ज्योति यस्ने

(अन्तरक)

2. श्री रजनीकांत एम० शेथ, मधूभाई डी० शेथ श्रीर श्री कल्यामजी जे० शाह।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में अकाशन की सारी से तैं 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ने 45 जिन के शीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हितनकुष किसी जन्य व्यक्ति हुलारा अधोहरताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो खक्त जिथिनियम, के लक्ष्याय 20-क में परिआपिष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया वहां हैं।

अन्सूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 24, हिस्सा नं० 1 श्रीर 3, आंधिवली विलेज, तालुका अंधेरी, बम्बई है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/19717/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई डारा दिलांक 25-4-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख: 12-12-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्ब**ई** बम्ब**ई**, दिशांक 12 दिसम्बर 1985 मिदेश सं० अर्द्ध-2/37-ईई/19718/84-85—अतः <mark>मुर्से,</mark> गांत राय,

बावकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) हिंग्यों इसमें इसमें

प्रारं जिसकी सं जमीन का हिस्सा आंबोली विलेज, प्रधेरी (प०), बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (प्रार इससे उपाबद अनुसूची में प्रार पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-4-1985

को पूर्वित्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान इतिकास के जिए अन्तरित की गई है और मुम्में वह विकास सर्वे का कारण है कि मधापूर्विक संपत्ति को जिसका माण्यर मूख, उसके स्वयमान प्रतिकत से, एते ज्यमाय प्रतिकत का मुद्ध प्रतिकत् से अधिक है भीर एन्त्रक (बंदरकों) और बंबिस्की (अस्त्रितिकों) के बीच होने असरण के सिन् का नाम कम प्रतिक क्षा विकासित्व उप्योक्त से उसत अन्तरण सिचित में बाल्द-

- (क) करारण मंत्रुव कियी गाम की बावक त उपक अभिनियम के अभीन कर दोने के असरक के वाजिरण में कभी करने वा अवसे कृतने में स्वीतका कें बाह; और/या

अंगः अभ, उभते विधिनियम की भारा 269-त की अनुसरण अंग, भीं उक्त विधिनियम की भारा 269-त की उपधाय (।) की अभीन भिजनितिकित व्यक्तियों वर्षांत क्षे-- 1. श्रीमती मेगी डिमेलो

(अन्तरक)

2. श्री रजनीकांत एम० शेथ, मधुभाई डी० शाह श्रीर कल्यामजी जे० शाह।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना **जारी करके पूर्वोक्ट सम्परित के अर्जन के सिए** कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जन्म सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (b) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बच्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

जन्स्थी

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 8, हिस्सा नं० 1 सर्वे नं० 22, हिस्सा नं० 3, 6, 9, सर्वे नं० 24, हिस्सा नं० 2, सर्वे नं० 25, हिस्सा नं० 6; 7; सर्वे नं० 40 हिस्सा नं० 8, सर्वे नं० 42, हिस्सा नं० 2, 8सर्वे नं० 43, हिस्सा नं० 1, 3, आंबोली विलेज, आफ वीरा देसाई रोड़, ग्रंधेरी (प०), बम्बई है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई/37-ईई/19718[84--85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक/25-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−2, बम्बई

ता**रीख:** 12-12-1985

प्ररूप आहें.टी.एव.एस.-----

आधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

करमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त (चिनियम' कहा गया हैं) की धरुप 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, ग्राँबिवली विलेज, ग्रंधेरी (प०), बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रंधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-4-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुदू किसी आय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्छे में सुरियभा के लिए? और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारबीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा के निष्क्ष

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

1. श्री देवजी दासमा

(अन्तरक)

 श्री रजनीकांत एम० शख, मधुभाई डी० शाह और कल्यानजी जे० शाह।

(भ्रन्तरितो)

3 श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग सें सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (हा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

श्रन्यूची

श्रनुसूची जैसा कि कि कि सं श्राह्म 2/37 = ईहै/19719 25-4-85 श्रौर जो प्रक्षम श्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 25 4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 12-12-1985

प्रकृपः जाही, टी, प्रमः वृत्ता स्वामनामना

भागभर नाजित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासयः, तहायक भागकर मामुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज, मब्रास

. मद्रास, दिनाँक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 12/ब्रप्रैल 85—ब्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाध् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2, रामस्वामि नायकर स्ट्रीट, श्रालवार पेठ है, जो मद्रास-18 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मैलापुर, लेख सं० 476/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनोंक श्रप्रैल 1985

का पृथा करा सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिया च्याचेय से उसत् अन्तरण तिवत में बास्तविक रूप से क्रिया नहीं किया पंचा है है—

- [क) असररण वे इंद्र्य किसी साम कर्त बाबतः, रावत अधिरियस के अभीय कर दोने के अध्यक्त के बायित्य में कही करने या अबचे बहार्ग में बुविया के स्मिप्; अर्दर/वा
- (क) होती किसी जान या किसी वन वा जन्म कास्तिकों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर कार्यितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया बाना आहिए जा, क्रियाने में सुविधा के जिए;

अतः जव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुबरण मों, मीं, उदल अधिनियम की धारा 269-घ की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् न— 1. श्रीमती धन क्ष्मी ग्रम्माल

(ग्रन्तरक)

2. श्री विष्मुगम चेट्टियार श्रौर 2 दूसरे। (अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सञ्यक्ति के अर्थन के हैंसछू कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के सेबंध में कोई भी बाक्षेप हैं---

- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्ट स्थिक्सों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस तुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाचीकरणः - इतमे प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उनत निधः निमम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस निध्याय में दिया गया हैं।

अमुसुची

भूमि ग्रौर मकान: 2 रामस्वामि नायकन स्ट्रोट, ग्रालवारपेठ, मद्रास-18 मैलापुर लेख सं० 476/85।

> एम० सा**मुवेल** सक्षम प्रांधिकारी [†] सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज-2, मद्रास

तारीख: 9-12-1985

मक्त नार्वा हो हो स्वतः हुई का का नार रू

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाख 269-व (1) में बुन्देश सुन्देश

भारत सरकार

कार्याचन, ब्रह्मक भागकर आधुरुध (निर्देशको

श्रर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 18/म्रप्रैल 85---म्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

बादकर व्यथितिकम्, 1961 (1961 का 43) (विश्वे ध्वामें इसके परणात् 'उक्त भौजितक' कहा गया हैं), की पारा 269-ए के जधीन समान प्राणिकारों को यह निरुवास सहने का कारण हैं कि स्थापर तम्पत्ति, जिसका उपित बाधार नुस्व 1,00,000/~ रा. सं जीधक हैं

- (क) मन्त्राप संबद्धां क्रिको साम् को बाबस, उपहा क्रीचिमिनम् के नपीन क्षत्र योगे के नन्त्रस्थ के विकास में क्षती क्षाणे ना स्वत्र वसने में क्रीचना ही दिवस; श्रीस/ना
- (क) ऐकी किसी भाग या किसी धन या अपन आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयक्त अधिनेश्वभ , 1922 (1922 का 11) वा उपन अधिनेश्वभ, वा पण- कर क्षिणियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासमार्थ अन्तिरिसी क्षाण प्रकृष्ट मुहा किया व्या वा वा किया हाना साहित्य परंग किया में सुविया के विका का

नद्यः तव, उक्त विधितियम की धारा 269-न के अनुक्षरक , मीं, उक्त विधियम की धारा 269-थ की उनवार ﴿1﴾ नुधीन्, निस्नीसिवत व्यक्तियों, अधीत् क्ष्म-

- 1. श्रीमती एम० शानुण्डी स्वरि श्रम्माल (ग्रन्तरक)
- श्री फान्सिस्कान ग्राफ ग्रवर लेडो ग्राफ बाँवकरूर, जैनरलेठ।

(अन्तरिती)

का बहु धुणना बारी फरके पृष्टेक्त सम्यक्ति यह अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त कुम्मित के मर्कन के सम्बन्ध में होएं भी आक्षप अ-

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन की जनभि मा सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभना की सामील से 30 दिन की जनिध, जो ही अनिध नाद में समाप्त होती हो, के शीसर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसाए।
- (ख) इस त्यना के राष्पत्र में प्रकादन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबब्ध सिवित में किए जा सकोंगे।

अन्स्ची

भूमि स्रोर मकान -38, माधा चर्च रोड़, साँतोम भैलापुर, लेख सं० 516/85।

> ्त० सामुवेल गंजन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (तिरोक्षण) ग्रजन रज-2, मद्रास

त्रीख: 9-12-1985

प्रस्य बाह्य हो । एन , एक ---

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बास 265 अ (1) के अधीन सुबना

भारत सरकात

कर्मात्रक, सस्रक्षक बावकर बावकर (निर्कार) श्रर्जन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 158/ग्रप्नेंल 85--मतः मुझे, श्रीमती एम० साम् बेल,

बाक्कर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (विश्व इक्सें इसके परपात् 'उक्त अभिनियस' कहा गया है), की बारा 269-इस की अभीत १००० राभिकारी को यह विश्वास करने का आएग है कि स्थानर अस्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृश्य 1,00,000/-का से अधिक है

श्रौर जितकी सं० लेख सं० 814/85 की शेंडूल में दी हुई संपत्ति है तथा जो गमन्नरगुड़ी में दे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मन्नरगुड़ि लेख सं० 814/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख श्रील 1985

का पूर्वास्त सर्पास के अभित बाबार मून्य सं कम के दश्यमान्
प्रतिफल के लिए अंतरित की ग्रह है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण ही कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
अविश्व बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से,
एसे पश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक
है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच
अंतरण के लिए अथ पाया गथा प्रतिफल निम्नितित उद्विषय
से उन्त बंतरण लिखित में बाक्षिक रूप से कथित नहीं किया
गया है:——

- (क) सन्दाहक है हिन्दें दिस्तों जान की वास्ता, जन्म समितियम के निर्मात कर दोने के संतरक के दायिए में कर्मा अपन या प्रश्न क्याचे में स्वित्या के लिए। श्रीर/या
- (७) इसी जिसी वाम वा किसी भड़ वा बुम्ब आफ्रिक्ट्रें को, जिन्हें भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिविनम, वा चप-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अधालतान अन्तिंत्रती वृधाय प्रकट नहीं किया नया मा या किटा जाना जाहिए था, जिपान में मुविभा के चिद्रः

बता अब, उपत विधिनियम की भारा 269-म के अनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के स्थीन, निम्नसिचित स्थेनियमों, वर्षीत क्ष-- 1. श्री भार० मल्लिगश्वेरन

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती शारदा प्रिया, शारदा वार्द समिति। (ग्रन्तरिती)

कार्र वह सुप्ता जारी करके पूर्वोक्क स्थापित के वर्धन के रिक्ष कार्यवाहियां करता हुए श्र

बच्च धन्मीत के बर्जन के ब्रम्मन्य के कोई औं बाक्षप 🚈

- (क) इस सूचना के प्रजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि ना तरसंजंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नगिम, को और नगिम नाम में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवानु;
- (व) इस सुमना के राजपन में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकीवे।

अनसूची

लेखा सं० 814/85 की सड्: में दी हुई संग्रति मन्नरगुडी, लेखा सं० 814/85।

> एम० सामुबेल अज्ञेन गाविकारी सहायक श्रायकर प्राप्तुस्त (ीरोजग) श्राजन रेंज 2, मद्रान

तारीख: 9-121985

प्रकृप आहुँ हो पुरा पुरा । व - -

नायकर निधितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व्(1) के नुधीन सुचना

मारत बरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 161ग्रप्रैल 85—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. सै अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० डोर सं० 3, ब्लाक 21, वार्ड 3 (टी० एस० सं० 1821) नीला दक्षिण स्ट्रीट है, जो नागै में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नागपट्टिनम लेख सं० 586/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रप्रैल 85

का पूर्विक्य सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित का उचित बाजार बृज्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में जास्तिक लग क्य से किश्त नहीं किया क्या है

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथानियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; जॉर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य व्यक्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, विश्व विष्य विश्व विश्व

सदः क्व, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के, के, उक्त निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्रिकेट, निकालिखिल व्यक्तियों, अर्थात् ह——

1. श्रो एस० चन्द्रशेकरत और अन्यों

(ग्रन्तरक)

2 श्री ग्रब्दुल रहीम

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिखु कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य काल्ति र्वाच अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दोकरण :---६शामें प्रश्वत सम्बद्धे और व्यों का, जो उक्त विधिनयम, के वध्याय 20-क में परिशाणित है, वहीं वर्ष होता, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनु सूची

भूमि ग्रौर मकान डोर सं० 8, वार्ड 3, ब्लाक 21, नीला दक्षिण स्ट्रीट (टी० एस० सं 182) नागपट्टिनम एस० ग्रार० ग्रो० नागपट्टिनम, लेख सं० 586/85 ।

> एप ैसामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 3-12-1985

मोइर :

प्रकृत साइ. दी. एतः स्ता, न्यानन्य

1. श्रीजी० जानन्

(ग्रन्तरक)

भग्नका क्रीप्रिक्तमा. 1981 (19**61 का 43) की भारा** १८००ण (1) के अधीन संभना श्रीमती सरस्वती

(अन्तरिती)

मारह सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमृक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 165/श्रप्रैल-85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकान नियम निर्मिष्यमें कहा गया है), की भारा 269-स के ल्पीन प्रकार पाजिकारी की, यह निरंतिम करने का कारण है जि. ३४४ ए निर्मित जिसका अधित वाजार मृन्य 1.00,000/- रा. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं महात्मा गांधी रोड़, पांडिचेरी है, जो पांडिचेरी में स्थित है ऋग्नीर इसके उपाबद ग्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप के वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पांडिवेरी, लेड सं 761/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रिपीन 1985

को पूर्जीवत सम्पन्ति के उन्तित बाजार मूला से कम के इश्यमान प्रतिकल के जिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्जीवत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य अल्ड इश्यमान प्रतिकल से, एसे श्रम्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से विश्वक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरिति प्रते) के उन्ति एसे अन्तरण के निष् तय पाया जया प्रतिकत, रिम्निजियित उद्दरिय से उक्त अन्तरण विश्वित प्रें भारतिक का भी किश्व को से किशा गया है उन्न

- (क) जन्तरण से हुन्हें किसी बाय की बाबत उक्त जीय-मिनम के जभीन कर दोने की अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा में सिए, स्टेप्/यह
- (य) ऐसि विश्वती अन्य या फिली भन वा कम्य विस्तियों भी , भिन्न मानताय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उत्तर अधिनियम या अन्त का अधिनियम या अन्त का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजकार्थ अन्तरियो द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा की लिए:

जरा अब, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त सिशिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीत, निर्मानियित व्यक्तिकों, स्पर्तत म को यह स्थमा जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता है!

जनत सम्परित के अर्थन के सम्भन्ध में कोई भी बालेप 4----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से क 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शह जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा जका है।

भन्स्ची

भूमि भ्रौर मकान—महात्मा गांधी रोड़, पांडिचेरी मुलियालपेठ, पांडिचेरी, लेख सं० 1761/85।

> एम० सामुवेल ाक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरेज-2, मद्रास

तारीख: 9-12-1985

प्रकृत वार्ड हो . एन . एवं ..------

भायाकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भारीन सुमना

नारत परका

कार्यासय, तहायक वायकर वायुक्त (निर्माण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 167/प्रप्रैल→85~--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्परित, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 26/1, 26/2, 26/3, 26/4, ग्रीर 90/1 है तथा जो मद्दास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रीधारी के आर्यालय, तालवाडि, लेख सं० 200/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषोंकत संपौरत का उचित् बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उच्चेष्ट्य से उक्त बन्दरक सिविद में वास्तिवक कप से किया नहीं किया वया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बावतः, उक्त नांधनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में क्सी करने वा उसवे वसने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (व) ऐसी किसी आग या किसी धन या अभ्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवस, या धनकर अधिनिवस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया धारा या किया जाना काहिए था, खियाने यो स्थिभ के सिक्;

यकः अव ाज्य अभिनियम की धारा 269-म के बन्सरण के की ज्ञान अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) विज्ञानिक विज्ञानिक व्यक्तियों, अर्थात् :— 50—406 GI/85 1. श्री शिवरुद्रम्माल श्रीर श्रन्यों

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० वी० बालसूत्रामणियन

(श्रन्तरिती)

को नह भूषना बारी करके पृत्रों नत सम्पत्ति की वर्षण को जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इब सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी समिथ बाद में समाग्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त स्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधांहण्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकोंगे।

स्वच्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उनक प्रीकिनयम के वध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं ॥

प्रसद्भा

भूमि और मक्रांग सं० 26/1, 6/2, 26/3, 26/4, और 90/1, तालवाडि, लेख सं० 200/851

एम० सामुवे जन्म श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, मद्रास

तारीख: 9-12-1985

प्रकप आई.टी.एन, एस. -----

काबकर अधिरित्रयम, 1961 (1961 का 43) की विश्व १८९१-मा (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 168/ग्रप्रैल/5--ग्रतः मुझे श्री मती एम० साम्बेल,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं लेख सं 201/85 की शेंडुल में दी हुई सम्पत्ति है, जो मद्राप में स्थित है (और इससे उपाबंध श्रमुस्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिगस्ट्राती अधि-कारी के प्रयालय तालवाडि लेख सं 201/85 में भारतीय रिजस्ट्रीएरण श्रीवित्यम 1908, (1908 का 16) है श्रीन दिनां अप्रैल 1985,

को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंकत सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रहिलत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सृविधा के किए: और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, चिन्हों भारतीय अस-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धरफर विधिनियम, या धरफर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, कियाने में तुर्विधा के लिए;

श्रदः अव, उपत अभिनियम की भारा 269-न के अभूकरण वी, भी उस्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभाग (१) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अभीत :— (1) श्री णिवरूझम्मा ग्रीर ग्रन्यों

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डाँ० एस० वी० कन्द स्वामि ग्रीर दूसरे

(श्रन्तरिती)

को यह सूचका बारी कारके पृथींकत सम्परित के अर्थन के हिंगा कार्यवाहियों सूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन ही संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जविध या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बचिष बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवास:
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य स्पवित द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पान निस्ति में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयूक्त करूवों और पवों का, जो उक्त विधिनियम के कथ्याम 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ क्षेपा, जो उस जंभ्याम में दिया सवा है।

अन्स्ची

भूमि लेख सं० 201/85 की शेंडुल में दी हुई सम्पत्ति तालवाडि लेख सं० 201/85

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, मद्रास

दिनांक : दिसम्बर 1985

मोह्र 😗

प्रक्रम कार्त . टां. एन्. एस. ----

(1) बीव ठीव रामालान्,

(भ्रन्तरह)

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ए (1) के सुभीत सुचता (2) श्रार० सधानन्दम्

(अन्तरिती)

गारत बाज्यार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, मदास

मद्रास, दिनांकः 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 173/श्रलप्रै 85-श्रतः मझे, श्रीमती एम० सामवेल,

नायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात 'उक्त विधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डब्लयू 3 बी 20 टी॰ एसं॰ 732/7749 है, जो दरवाजा सं० 7 सी /1-तागै तिरूवारूर मद्रास में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है), रिद्री ति श्रीधरारी के वार्यालय, तिरूवारूर लेख सं० 659/85 में भारतीय रिजस्ट्री रण श्रीधित्यम 1908, (1908 जा 16) के श्रीधीन श्रील 85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मून्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तर्भ के निए तय पाया गया प्रतिफल, निस्मतिक उद्देश्यों से उसके अन्तरण निविध में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दरुष् चे हुइ किसी बाग की शावता, उक्त अभिनित्य के अभीन कर दोने के बन्दरक के दायित्य में कमी करने या उससे अथने में सुविधा के लिए; श्रीतः/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियां का जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, क्रियान में सुविधा के लिए;

कत्तः अस्त , उक्त जीभनियमं की भारत 269-ग के जनुसरण मीं, मीं, उक्त मधिनियमं की धारा 269-च की उण्भारा (1) के कभीत्र, निभ्नतिक्षित्र व्यक्तियों के वर्षात्र ६को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकि व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबब्ध किसी जन्म स्थिति द्वारा अधांहरूताक्षरी के पान लिखित में किस का सकेंगं

स्पाकाकरण: ----इसमें प्रयास्त सन्धों और पर्यों का, जो उसस विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में जिल्ला नया है।

वन्स्ची

ानि पो: $1 \odot 1$ ी॰ 71। तं॰ 732/7749/10लयू 3 में $3 \odot 1$ । $7 \odot 1$ /1: 29, तिक्तारूर-नामपट्टिनम --तिक्वारूर-लेख सं॰ 659/85

एम० आमयेल सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजा रोंग, मद्राज

दिनांक : 9-1ह-1985 क्रोहर :–

प्रकप बाइ.टी.एन.एत.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० 182/श्रश्रैल/85—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० रामुबेल,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- र.. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 317 ए वार्ड ढी ब्लाक 19 ठी० एस० सं० 104, श्रार० एस० सं० 239 है, जो महात्मा गांधी रोड, पाडिच्चेरी मद्रारा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रार्ता ग्रिधिनारी के एनर्यालय, पाडिच्चेरी लेख सं० 895/8 में स्थित है भारतीय रिजस्ट्री रण श्रिधिनियम 1908, (1908 व्या 16) के ग्रिधीन श्रीक 85

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के श्रवमान वितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से एसे श्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्नलिश्वित उद्देश्य से उनत अन्तरण निश्वत के सास्तिबक क्ष्य से किथा नहीं किया गया है:---

- (का) अल्यरण से हुक किसी बाय की बाबता, उक्त की भ-नियम के जभीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व तें कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/स्क
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियीं कहे. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कि.। 1) या उचन कविधीनग्रम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) औं अधीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट जहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, राष्ट्रपाने में सूजिध्ध सौ कवा:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निटिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) देलील मो सोप निकोलस

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रजिया बीबी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिम्य में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, आहे उपका अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया यजा हैं।

जन्स ची

भूमि फ्राँर मशान 317 ए प्वाड डी० ब्लाक 19, (ठी० एस० सं० 104, श्रार० एस० सं० 239) महात्मा गांधी रोड, लेख सं० 895/85 पांडिच्चेरी

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी; सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, मद्रास

दिनांक : 9 दिसम्बर 1985 मोहर:-- प्रकप बाह्र हो, एन, एस, जननसम्ब

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43**) की** धारा 269-ज (1) के अभीन स्**चना**

माइत तडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर बाब्क्स (निर्दाक्क)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 184/प्रप्रैल/85---प्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलाल 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधिन सक्षम प्रतिथकारों को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/~ रु. से अधिक है

अीर जिसकी संव कुम्बकीणम्-पारंगपाणि मंदिर पूरब है, जो कुम्बकीणम् मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुम्बकीणम् लेख संव 621/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अधीन अधीन अधीन 85

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान - प्रृतिफल के लिए बंतरित की गई है और मूक्ते यह जिष्वास करने का 'कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अन्तरण निकित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तर्क असे बायित्व में कभी अरने या उससे बचने में सुविधा में किए। और/सा
- (क) इसी सिक्की बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों करे, चिक्की भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उसत जिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जातिरती इवारा प्रथट नहीं किया गया था या किया बाना काहिए था, छिपान में बुविधा के सिए;

कत: अब, उनत विभिनियन की भारा 269-म के वनुसूरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (2) श्री पंगजबल्ली और शन्यों

(धन्तरक)

(2) ग्रार० जयरामन् और ग्रन्यों

(अन्तरिती)

को यह सूचना आहरी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबस सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ्---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्विक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र भें प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास सिविद्ध में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ंन्स्पी

मकात पूरव शारंगपाणि सन्नाधि स्ट्रीट, कुम्बकोणम् कुम्बकोणम् लेख सं० 671/85

> एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 9 दिसम्बर 1985

प्ररूप बाह्र . टी., एन. एवं---

आयकार आधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1985,

निर्देश सं० 187/ अप्रैल 85-अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (किंदे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त विभिनियम' कहा क्या ही, की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकान्ती को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापत गर्मात् , जिसका उत्तित वाकार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० हैं, जो कुन्बकोणम् मद्रास में स्थित हैं (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कुन्बकोणम् लेख सं० 857/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीज, श्रप्रल 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से उधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसके बन्तरण कि निति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बंतरण ते हुइ किली साय की बाबत , अबच विधिनियम के नधीन कुदु बोने के बंतर्क के शीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर√मा
- (क) एंडी किसी नाय या किसी थन वा अन्य कारित्यों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार बोधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जैतरिता ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निह्

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुहरण भो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) अधिन: निम्नसिद्धित अधिकारीं स्थीत क— (1) श्री वत्सला बाय,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी० श्रार० स्वामिनाथन्

(श्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त सम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की बनिष, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में दिशे वा हकारें।

स्वक्यकिरण:---इसर्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय का दिया दवा है।

अनुसूची

भूमि और मकान-कुम्बकोणम् लेख सं० 857/85

एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 9 दिसम्बर 1985

मोहर :-

प्ररूप शाइ°. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

ि निर्देश सं० 190/नप्रैल/85---श्रतः मुझे, श्रीमती॰ एम० इसवेल.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० श्रारं एस० सं० 289/8-290/ 3-बी पुधुर गांव ईरोड, है, जो मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपावड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय ईरोड सं० लेख सं० 1840 एण्ड 1798/85 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908, (198 का 16) के श्रधीन, श्रव्रल 85

का पूर्णिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफरा के तिए जन्दरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एरे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तृह प्रतिशत से बिधक है और अंतरित (अंतरिश्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

- (1) ए० वी॰ बाल सुकामनिणिधम चेहियार (श्रन्तरक)
- (2) रूपमणि ग्रम्माल और श्री वी॰ एम रामस्वामि (श्रन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्र द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- ६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान — श्रार० एस० सं० 289/84 ——290/ 3 बी पुदुर गांव ईरोड टाउन ईरोड लेख सं० 1798 एण्ड 1840—85

> श्रीमतो एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण), श्रर्जन रेंज, मद्रात

दिनांक . 9 विसम्बर 1985 मोहर :

ाक्य बाह⁴.टी.**एन_एड**⊘ ==####*********

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्राक्ष

मद्रास, दिनां । १ दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 160/श्रश्रेल 85---श्रतः मुझे, श्री मती एम० सामुबेल,

मायकर मधिनिवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिस्की संज ायी खेती 15-10 एउस अरच्चलुर गांव है, जो ईरोड मदात में स्थित है (और इतसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिरी के बार्याजय, शिवगिरी लेख संज 406/85 में भारतीय रजिस्ट्रीलरण प्रधितियम 1908, (1908 का 16) के प्रधीन, प्रप्रेल 85

कर पूर्वीका सम्मिता के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विक्तास कारने का कारण ही कि अभागिक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरक के जिल्ल एव पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण चिकित में गल्लिक कुछ से किथा नहीं किया नवा है:—

- (प) गणन्यण में हुए फिल्मी आय की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाकित्व में कमी करने या उस्से क्चने में सर्विधा के निए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया जवा था या विका जाना चाँउए था, खिपाने में सुविधा अं लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री नाय्यम्मात और अन्यों

(श्रन्तर≭)

(2) पर्वत्रमाल और श्रन्यों

(श्रन्तरिती)

को वह सूचना चारौँ करके पूर्वोवत संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हैं।

उन्त संपरित के धर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सु 45 दिन की अमिश या तत्संबंभी व्यक्तिनों करें स्वाम की तामीस से 30 दिन की अमिश, को औं अविश बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से कि ती व्यक्ति स्थारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के श्रमू लिक्सिय में किए जा सकरेंग।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उब्बद्ध जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विदा गया है।

वन्स्ची

कृषी खेती:-- श्ररच्चलूर गांष, ईरोड टाउन (शिवगिरि लेख सं० 406/85)

श्रीमती एम सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज् मद्रास

दिनांक : 9 दिसम्बर 1985

प्ररूप बार्षः टी. एन. एस_{. *******}

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हेन्डलुम हाउस, प्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1985

निर्देश सं० पी० प्रार० नं० 3899/2--- अतः, मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमी। और मकान बेजलपुर, नवसारी है। तथा जो नवसारी में स्थित हैं (और इतसे उपावद अनुमूची में और पूर्ण रूप से चिंगत हैं), रिजस्ट्री र्ता शिव्हारी के कार्यावय नवसारी में रिजस्ट्री रूप शिवित्यम, 1908 (1908 टा 16 श्रिधीन 18 अप्रैल 1985)

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्कित में सुरत्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्र) सन्तरण सं हुई किसी नाय की वावत, उत्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक क्षे दामित्व में कमी करने या उससे बच्च में ज्यिका के लिए; मीर/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अतिस्तर्यां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चै सिए।

बन: जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग की रूपधारा (1) के अधीन, "नम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् "--- (1) श्री महेन्द्र कुमार रासी हलात **सावेरी और श्रन्य** सी/भी पे० रसी उलान एण्ड कं० चार**ी रोड,** स्टेगा वस्त्रई-400004 ।

(अन्तरक)

 श्रीपती सावीता बेन रसीकवाल शाह 64 भिलान बी-7वीं मंजिल अपोगेट एयर कन्डीशनल चार्केट 87, तारडीओ रोड, बम्बद्धी।

(अन्तरिती)

का यह स्थान जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस स्वाप के राज्यव में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तम्बील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यधि हा, या स्पराप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त कावित में कि नी व्यक्ति द्वारा,
- (सं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के एक निर्मादत में किए जा मकोंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रमुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिशियम को अध्याद 20-क में परिभाषित है, यहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल हत जो विजलपुर मवतारी में स्थित है जिसका कुल मूल्य 2,70,000/एउथे है। जनव रजिस्ट्रार नवसारी में दिनांक 18-4-85 को 1026 नंबर पर रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अहमबाबाद

दिनों ह : 19-11-1985

प्रकृप बार्च . बी . एन . एक . ------

बायकर श्रीप्रियम, 1961 (1961 का 43) की धरए 269-च (1) के बधीम सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 19**8**5

निर्देश सं० जी आर० नं० 3900/II/85-86--अतः महो, जी० के० पंडया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य

1,00:000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० जमीन 27/1/1 ए/1/2/ए मांगरापाड़ी
है। तथा जो सलसाड में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वॉणत है), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय सलसाड में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन अप्रैल 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (उन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित वहीं किया गया है :---

- (क) सन्तरण से हाई किसी साथ की नावत, अकल श्रीधनियम से अधीन कर दोने के बंतरक के दाबित्व में कभी करने या अससे वचने में सुविशा के लिए; गीर/या
- (क) एंसी किसी बाय का किसी वन या अन्य धास्तियों कों, विन्हें भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रयमलाल छगनलाल गोडारी जुनाथापम सामे, बलसाड (अन्तरक)
- (2) श्री बी० जी० बिल्डर्स में इन्डियन पार्टनरशीप श्रेफ्ट निथल रोड, सलसाड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी ब/र्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाक्ष्मियां करता हुं ।

राज्य सम्मणि के लगीन के सञ्जनध में कोई भी बाक्षीए :---

- (का) इस सुचवा के राजपण में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन की अवित या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि जो भी
 नवित्र बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्ति
 च्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी अप 45 विवृक्ष भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किस् वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ाया है।

अनुसुची

मिलकत जो गांव मांगरापाङज सलसाङ में स्थित है जिसका कुल मूल्य 477450 रुपये हैं सब रजिस्ट्रार बलसाङ में 211 नंबर पर दिनांक अप्रैल 85 में रजिस्टर्ड कि गई है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक : 18 मवम्बर 1985

म्हण मार्च दौ प्रमान प्रमान

आयुक्त अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुवना

बाइच प्रश्नमध

कार्याभय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० जी० आर० नं० 3901/85-86--आः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रू से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जलेलपूर 7 ए श्री नगर सोसाईटी है। तथा जो बड़ीया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ीया में रजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन 124 अप्रेल 1985

का पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मून्य से कुम के इश्यमान शितफ श के लिए अन्तरित को गई है और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफ ल से एसे इश्यमान प्रतिफ ल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ न, निम्निश्वित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक एम से किंगित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिमिनियम के ज्भीन कुद को के जन्तरक के बाबिस्य में केमी कुदन वा उसके वसने के सुदिशा के निए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या कर्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, कियाने में स्थिमा के जिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण कों, मीं, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) की अधीन⊛ निम्नुलिखित कम्ित्यों, अधारि का

- (1) श्री ममीषटन मूलमीभाग्री पटेल श्री दिनुभाई तुलसीदास गुलभाई टेक्स अहमदाबाद (अन्तरक)
- (2) विमलासरन पुरूषोतमदास पटेल सलारवाडा वढीदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना <u>बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन</u> को शिखू कार्यवाहियां करता हु-।

डक्त सम्पत्ति को अर्थान को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तासील से 30 दिन की अविध , जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिता-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्वीकरण :----इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पद्यों का को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत, जो जेतलपूर बडौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 25,2,000 रूपिये है सब रजिस्ट्रार बडौदा में 24/4/85 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अहमदाबण्द

विभांक 18 नवम्बर 1985 मो**हर** 3

प्रस्थ बाह् , टी. एन : एक्.

बामकर विभिन्तियस, 1961 (1961 की 43) की बार 269 व (1) के बारीन स्वाना

धारवं बडकाड

श्वार्याजय, सङ्घायक बायकर बायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिलांक 18 अप्रेल 1985

मिर्देश सं० जी० अiर० नं० 3902/2/85-86--अं:::मुझे जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' व्हा गया हु'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मोगराबाड निधल रोड, बलसाड है तथा जो बलसाड में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व अपुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से बर्णित है), रजिस्ट्री हती अधिकारी के कार्यालय, बलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिकियम 1908, (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1985

को श्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान बितपास के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसक करवमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितफ से निम्मसिवित इश्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बित् में सस्तिवत कर से कियत नहीं किया गया है द्

- (क) अन्तरक से हुइ किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 को 11) या उत्तर विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना बाहिए था, छिपान को स्थिभा के सिए;

अतः वयं, उक्त अधिनियमं, कौ भारा 269-तं भें अन्सरणं कौ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की लग्गरा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) यमवंतलाल छगनलाल कोठारी से फातिय । (अन्तरक)
- (2) बी॰ पी॰ बिल्डसं, निथल रोड, बलताड । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त संप्रांत के नर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उपन स्मारित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर श्रूचना की सामीस से 30 दिन की अवधि को भी श्रूचित का में समान्त होती हो, के जीतर पूर्वों का व्यक्ति को से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजवन में प्रकाशन की आरीब से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थानर संपर्ति में हित्यक्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निविध में किए वा सकोंगे।

स्पच्डीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पया है।

अनुसूची

जमील जो मोवरावाड, बलसाड में अप्रैल 85 में 4,21,000 रुपये मूल्य का 211 नंबर पर रिजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिभाक : 18 नवम्बर 1985

मोहर

प्रकार कार्य 😅 🛂 .. १२० प्रस्

नायकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० पी० आर० न० 3903/2/85-86—अतः, मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ह"

ग्रार जिसकी सं० 179/180 किल्ला—पारडी है तथा जो पारडी में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10 अप्रैल 1985

न्त्रं पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विकास करने का कारण है कि संभापवाँक्त संपत्ति का उचित बाजार भूक्य,, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का उन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिपीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिविद्य उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-धिक रूप शंकियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी बन वा बन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय वायकर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्तियम, वा धनकर विभिन्नयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विधा जाना था हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

कतः अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह

- (1) श्री मनसुखलाल खुणालदास पटेल श्री अशोक कुमार खुणाल दास पटेल किल्ला पारडी जिं० बलसाड (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती **डॉ॰ पूणिमा** किशोर नाडकर्मी श्री किशोर मटिन नाडकर्मी किल्ला पारडी (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोच् हे—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारी कु वं 45 दिन की अविभि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य क्यक्तियों में से किसी व्यक्तित् हुवारा;
- (च) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंहल बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी वे पास निवित में किए था स्कोंगे।

स्प्राधिक रणः — इसमें प्रयुक्त कव्वों और पदों का, वां स्वव्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्षं होगा को उस कथ्याय में दिया प्राहै।

थनगुची

मिलकत जो किल्ले पारडी में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 2,20,000 रुपये है। सब रजिस्ट्रार, पारडी में 10 अप्रैल 1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-Iा, अहमदाबाद

षिमांक : 18-11-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुधना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक गायकर अ। प्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1985

भिर्देश सं० जी० आर० नं० 3904/2/85-86-अतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोंर जिसकी सं० गोगी रोड, बड़ौदा 676 है। तथा जो बड़ौदा में स्थित हैं (म्रोंर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजी-स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908) का 16) के अधीत दिनांक अमेल 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बत: वथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिंख व्यक्तियों, अधीत :--- (1) उमिलाबेन विषया विद्वत भाई जो० पटेन महादयस रोल रउपुरा रो७, बड़ौदा

(अन्तरक)

(2) ग्रीन्डवेल नार्दन लि० 148 महात्मा गांधी रोड, बस्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन को तिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

मिलफत जो सबपुरा रोड, बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 480000/ रुपयें हैं। सब रजिस्ट्रार बड़ोदा में अप्रैल 85 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, प्रहमदाबाद

विभांक 18-11-1985 मोहर:

प्रकार सार[्]ं हों _य एक्ट <u>एक्ट</u>------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्मना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहङ्शाबाद, दिनांक 18 नवम्बर 1985 निर्देश सं० नं पी० यार० 3905/11/85-86:---श्रतः, मुझे, जी० के० पंड्या.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की पारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 500, 1298, छ० नं० 359 है तथा जो बड़ौदा में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से पाणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरच से हुई किसी बाय की बाबल, उक्त जीवितयभ के जवीन कर दोने के जन्तरक अं दायित्व में कमी करने या उससे वर्षने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों क्यों जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया विभा था वा किया जाना भाहिए था, क्रियाने में स्थिश को निह:

कतः भव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की मन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) डा॰ गुणदतभाई भूषणभाई शाह, 42, नूतन को॰ ओ॰ हा॰ सोसायटी बड़ौदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती उमिलाबहन पीरभाई डामी, बड़ौदा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी आक्षोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित- स्वभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मिलकत जो फतेहरांज, बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 2,50,000/- रुपये है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में भ्रप्रैल, 1985 में रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,⊸ शहमदाबाद

तारीख: 18--11-1985

प्ररूप आर्ड . टी . एन . एस . -----

बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निजीक्षण)

भ्रजीन रेज- 1, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 25 नवम्बर, 1985

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3906/II/85--86:---भ्रतः मुझे, पी० के० पंड्या,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1081, सूरत टेक्सटाईल मार्केट, है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपायक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनिय, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-4-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्सरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नसिखत उद्देश्य से उक्त अन्सरण निवित भें धास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयण्ड-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभः के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्बरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, रिक्निलिखित व्यक्तिस्ता, अर्थात् हु—

(1) श्री पंकज अंबालाल पटेल, सरदार नगर, सोसायटी, सूरत ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री विजय एण्टरप्राईसेज, सूरत टेक्सटाईल मार्केट, रिंग रोड, सुरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप रू--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यीं

दुकान जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रोर, सूरत में 3614 नम्बर पर दिनाक 22-4-1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंड्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रह्मदाबाद

तारीख: 25--11--1985

्रक्रण कार्ष[्], ही, ह्स , **ए**स , क्रान्त्रकार

भागकर व्याधानिकम, 1961 (1961 का 43) की अपना १६५-व (1) की अपनी सकता

धारतः सरकार

कार्जनमः, सहायक भागकर आथकर (निर्वाधिक)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिन्।क 25 नवस्वर, 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3907/II/85-86---श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवार 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 263-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आवण हैं कि स्थायर कम्परित, विस्का उचित वाकार मुस्स् 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिस रे सं० दुकान नं० एल-।, बोम्बे मार्केंट, है तथा जो उमखड़ा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारीके कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-4-1985

करें पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम है बहुयमान पित्रफस के लिए कन्तरित की नई है और मूक्ते यह विद्यास करने के कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित सालार मूल्य क्रमके द्वारमान प्रतिफान से एसे दार्थमान प्रतिफान का पान्त्रह अतिहात से अधिक हैं और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तिरित्रकों) के बीच दोसे कुन्तरण के विद्युत्रम्य एका प्रतिफास शिम्मिविश्त उद्योध से उक्त कान्त्रण शिक्तिया में बास्त्रिक स्था के अधिक नहीं किंका क्या है है

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्ष जिल्लामिय के अधीन कर दोने को अल्लाइक के दायित्य में कभी करने मा उससं बचने की सुविधाः के जिल्ला; और/मा
- (क) हाएँ किसी जाम मा किसी अन वा जन माहिसकी कते. जिन्ही जारतीय नाम-मार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम वा भाकार अधिनियम वा भाकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ जनतिरही दुवारा प्रकट बहीं किया नमा मा या जिला जान नाहिस का, उत्ता मुगा में रिसप्त,

पहा **अब**, अ**क्त अधितियम की भाग १९०** व हा उत्पादक माँ, माँ उत्ता अधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीत : निम्निकिक्ति व्यक्तियों , अर्थात :----52--406 G1/85 (1) श्री किशनादा जी गर्ग, माधवन , मथुरागेट, सुरत ।

gallon of the garage grant of the state of t

(अन्तक)

(2) श्रवनिय क्षिल्क फेब्रिक्स, बोन्बे मार्केट, उमखणडां सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के जिए आर्थशिशियां करता हो।

समाप सम्महित के क्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से 45 विन की अयधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की जबधि, जो औ अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर प्रविध्य अविश्वयों में किसी स्ववित हवारा
- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकासन की शारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिल्हिल्ल किसी अन्य व्यक्ति व्वारा जभोहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए या कर्षेत्री।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दर्भ और पदों का, जो उनत जिल्लियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहां क्ष्में होगा, जो उस अध्याम में दिया नवा है।

दुकान जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत 3539 नंबर मर दिनांक 19-4-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रज-1 श्रहमदाबाद

तारीख । 25-11-1985. मोहर।

डांक्न बाइ' टी . एन . एक -----

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन सुन्ता

भारत सरका

कार्यांतव, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 नवम्बर, 1985

निदेश नं **पी॰** ग्रार० नं 3908/II/85-86---ग्रत: मुझे, जी॰ के पंडया,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं० 415 बाम्बे मार्केट, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12 ग्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित काचार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजा मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित के बास्तिक रूप से किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिधिनियम के बजीन कर दोने के अंतरक के दाबित्व में कभी करने वा इससे बचने में सुविधा के निष्ठ; बरि/वा
- (क) एती किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बगीन निम्नीलिखत व्यक्तियों, बुर्बात 🖫

(1) श्री नगीनचन्द चमनलाल शाह, 415, बोम्बे मार्केट, उमखाडा, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) शैलेष ट्रेडर्स, प्रोप॰ रमेशकुमार, उमखाडा, सूरत। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत आविकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित ही बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया रहा है

अनुसूची

दुकान नं० 4-15 जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 3518 नंबर पर दिनांक 15-4-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद

तारीख: 25-11-1985.

प्रस्य बाह". टी. एन. एवं :-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 369-थ (1) के वर्धीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीत रेंज-11, ग्रहमदाबाद

श्रहमहाबाद, दिनांक 25 नवम्बर 1985

निर्देण सं०पी० ग्रार० नं० 3909/II/85--86:---यतः, मुझे, जी० के० पंडया,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं पलैट नं 6-बी, अठवा लाईन्स है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसने उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई के अधीन, 4-3-85

प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हुए किसी बाद की बादत, उक्त जीपितियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्तं अधिनियम, या धन-कर लिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के विज्ञानिय सन्तियम प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

अरः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं ० रचि एण्टरप्राईस, सुरंत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शशिकान्तभाई छोटालाल पटेल, द्वारा भानुभाई पटेल, नानपुरा, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाओव :---

- (कं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिनकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया नया है।

वन्स्ची

37 ईई का फोर्म पर कार्यालय में दिनांक 4-3-85 को पेश किया गया है।

> जी० के० पं**ड्या** सक्षम प्राधिकारी; सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज I^I, स्रहमदाबाद

तारीख: 25-11-1985

प्ररूप आहाँ .टी .एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

म्रहहदाबाद, दिनांक 25 नवभ्वर 1985

निर्देग सं०पी० ग्रार० नं० 3910/11/85→86ः→-यतः ,मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्प्री, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रह. सं अधिक हैं
और जिसकी संव दुकान नंव 103, डायमंड हाउस, स्टेण्ड रोड़,
है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसने उपावड अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकती अधिकारी के कार्यालय, अहमदापाद में जिल्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई के अजीन, 1-3-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्ते बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह बिख्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में किथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ. भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) पुज्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--- (1) श्री जे० एम० सी० मेधानी विल्डर्स (सूरत प्रोजेष्ट) 223/225, झावेरी वाजार, बम्बई-2।

(अन्तरक)

(2) श्री भरत श्रनंतराय माधानी, मलाड (डब्ल्यू०), वस्बई-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पर्शि के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षंध :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल्ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

3.7 ईई को फार्म इस कार्यालय में 1--3--85 को पेश किया गया है।

> जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण**)**, श्रर्जन रेंज⊶, श्रहमदाबाद

तारीख: 25-11-1**98**5

त्रका बाह् ही एन एस -----

बाब्धार व्यथिनिक्क, 1961 (1961 का 43) की बास 269-व (1) के अधीन स्थता

WALL AREA

कार्कालक, ब्रह्मकक आयक्तर जाबुक्त (निहक्किय) अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1985

निर्देश सं०पी० ग्रार० नं० 3911/II/85-86:---यतः मुझे, जी०के० पंडया,

बावचर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इला पर्यात (जिले इसमें इला पर्यात (जिले इसमें इला पर्यात (जिले इसमें इला पर्यात (जिले इसमें अपित करा के सारा 260-स के सभीन सकान प्राधिकारी के, यह विकास करने का राजरण है कि स्थानर संउपीता, जिएका उीन्स कामार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं व्याफिस नं 0706, बोम्बे मार्केट, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 37 ईई के अधीन, मार्च, 1985

- (क) अन्तरच मंहुइं फिसी काय और बाबता, अक्स अधिनयुक्त क अधित्र कर दाने के अन्तरक के प्रक्रिय मं कती करने या उससे बचन मं मुन्तिथा के । लिए; भीर/या
- (क) एसी किया बान वा कियी धन था धन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बानकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय जन्तरिशी इतारा प्रकट नहीं किया गया का या किया बाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के तिह;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाट :--- (1) बोम्बे मार्केट श्रार्ट सिल्क को० आ० **हाउसिंग** सोसायटी, उमरवाडा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबूलाल जगदीशचन्द्र द्वारा योगेश सिल्क मिल्स, कालबादेवी, बम्बई ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बवीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीत्र प्रविका बार में किसी व्यक्ति इसात;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितववृष किसी जन्म व्यक्ति क्वाय वभाद्यस्ताकारी के पाव निवित्त में किस् जा सकतें।

स्थाकशीकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और वयों का, थी उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस सध्याम में विया भवा है।

जन्स् ची

37 ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 2-3-85 पेश को किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-**II**, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-सी. श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 भन्नध्वर 1985

निर्देश सं० जी० आर० मं० 3912/II/85-86:---यतः मुद्दीः जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परेजात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ओफिस नं० 707, उमरवाड़ा, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्निणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 37 ईई के कार्यालय, राहमादाब के श्रिधीन तारीख 2-3-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 260-म के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 260-म की उपलारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात --

(1) बोर्ष्ये मार्केट, धार्ट सिल्क पिल्म को. ओ० मोमायटी, उमरवाड़ा, सूरता।

(अन्तरक)

(2) श्रधालदास. बी०, 72, गोल्डन स्ट्रीट, मूलचन्द मार्केट, मद्रास ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह रूपना आर्रा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्माना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राज्यत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारण अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37 ईई का फोर्म इस कार्यालय में दिनांक 2-3-85 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडमा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), प्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

नारीख: 26-11-19**8**5

मोह्य 🛭

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के वधीन सुचना

THE STATE

कार्यावय, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-1; महमदाबाद अहमदाबाद, दिनाँक 26 नवम्बर 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3913/॥/84-85:--- यतः मुझे, जी० के० पंडया,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विकं इसके इसके वश्वात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के बभीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मन्स्र 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं ओफिस नं 1106, बोम्बे मार्केट, है तथा जो सूरत में स्थित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में 37ईई के अधीन दिनॉक 2-3-85

- (क) अन्तरण से हुई किशे आय की बाबत, उक्त बधिनियम ने अधीन कर डॉन के अन्तरक जे दायित्व में श्री करने या उससे उच्चे में मिश्रधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी का या जन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भवकर अधिनियम, का भवकर अधिनियम, का भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकार नहीं किया भवा का वा किया जाना सहिए। भा, कियान को जिल्ला के विद्या

बत: बज, उक्त बिधिनियम का धारा 269-ग के अनुमार मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) बां ने मार्केट आर्ट सिल्क कों ओं सोसायटी उमरवाड़ा, सुरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) दाजी टेक्सटाईल एजेन्सी, माया बाजार, ग्वालियर (एम० पी०) ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए चा सर्कोंगे।

स्वच्छीकरणः -- इश्वमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं ार्थ होगा को उस अध्याय में दिया यहा हैं।

अनुसूची

37 ईई का फोर्म इस कार्यालय में मार्च, 1985 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंड्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-11-1985

The second secon

प्ररूप बाइं. टी, एन, एस.

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सुखना

भारत सरकार

वार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 26 नवस्बर 1985

निदेश सं० जी० ग्रार० नं० 3914/॥/85-86:---मतः मुझे, जी० के० पंडया,

उर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० ग्रोफिस नं ० 808, बोम्ब, मार्केट, है तथा जो सूरत में स्थित है रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में 37 ईई के ग्रधीन, 2-3-1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्म्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके स्म्यमान प्रतिफल से एसे स्म्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निच्छित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर बिधिनयम, 195/(1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से अधिवधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुहरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) बोन्य सार्केट ग्राट जिल्क को० ग्रो० सीसायटी, उमरवाड़ा, सुरत ।
 - (अन्तरकः)
- (2) भै० अभवकुमार एण्ड कं०, पटेल मार्केट, साहर बाजार, ऋहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी ता सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई नी आअरे -

- (क) इस ह्याना के राजपन में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यीक्तयों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास् विज्ञित में किये जा सकेंगे

स्पष्टोफरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनस्यो

37 ईई का कार्म इस जार्याजय में दिनांक 2-3-85 को पेश किया रक्षा है।

> जी० के० पंडमा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ज्ञाुक्त (निरीक्षण), कर्जन रेज-।, श्रहमदाबाद

ारीख: 26-11-1985.

मोह्रर :

THE SE ST. QT. US.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

वारत सरकार

कार्यानय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-।, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3915/॥/85-86:—ग्रतः मुझ, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

सौर जिसकी सं ० दुकान नं ० सी-2005, सूरत टेक्सटाईल मार्केट, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में सौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के स्रधीन, तारीख 2-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर क्षेत्र के अन्तरक के दिख्ल में कभी करने मा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी वन या जन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनिष्क, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, दा वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा एकट नहीं किया गया हा या किया जाना बाहिए कि छिपाने भी मिकिशा के लिए:

अतः अब उनत आशानसम् का भारा 269-म क अन्सरण में, मैं, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीयः निम्तिनिमित स्वितियों, अर्थातः :— 53—406 GI/85

- (1) गायत्री टेक्सटाईल प्रो० रितलाल पनमालीदास रामपुरा, मृख्य मार्ग, सूरत ।
 - (अन्तरक)
- (2) विजय सिल्क मिल्स कपिलासर प्रकाशचन्द्र ग्रौर ग्रन्य नानपुरा, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कारकाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस स्वमा के राजपन में प्रकासन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्व व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकामे।

स्पष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसुची

दुकान नं० सी-2005, जो सूरत टेक्सटाईल माकट, सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 2915नवम्बर पर दिनांक 2-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज्-1, स्रहमदाबाद

तारीख: 26-11-1985

मोहर:

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त आधानयम का धारा 269-ग क अनुसरण भैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख: 28-11-1985

मोहरः

शक्य बाह". टी एव. एश. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के बचीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानव, सहायक आयकर बाय्क्ट (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 निवम्बर 1985

निदेश सं० पी० म्रार०न० 3916/॥/85–86:—म्रतः मुझे, जी० के**० प**डया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हनके वश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० डब्ल्यू-3207, सुरत टेक्सटाईल मार्केट, है तथा जो सुरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण क्षेत्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22-4-85

की पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूल्य से कम के व्यवमान विकास के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि बचाप्योंक्त सम्मित का उचित बाबार मूल्य, उसके कावमान प्रतिकाल से, एसे कावमान प्रतिकाल का क्ष्मूह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) गाँउ जंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया बवा प्रतिकास निम्नसिवत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त शीधनियम के अधीन कर देने के बंतरक के तियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा हे सिए; बरि/वा
- श्रिती किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छियाने में सविधा के निए;

अत: उच्च, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) सूरत डायकेम ट्रेडर्स, 4, रेलीलान, आदर्श नगर, सूरत।

The second secon

(भ्रन्तरक)

(2) **ग्रा**मित सिन्थेटिक्स, **सु**रत टेक्स्टाईल मार्केट, **सु**रत।

(ग्रन्तरिती)

को वह बुखना पारी करके दर्घांच्या अन्तरित को अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जो सुरत टेक्सटाईल मार्केट में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सुरत में 2450 नंबर पर दिनांक 22-4-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया, जञ्जम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण), ग्रर्जन रोजना, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-11-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज -II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निदेश स० पी० श्रार० नं० 3917/II/85—86:—श्रत: मुझे, जी० के० पंड्या,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसुने इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं उ दुनान नं 0-19, बोम्बे मार्केट है तथा जो सुरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 8 ग्रप्रैल, 1985

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कर्पन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (ख) एरे गि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री दयालाल नानजी, छापारिया शेरी, सुरत । (ग्रन्तरक)
 - 2) श्रीमित शांताबहन कान्तीलाल मेहता, बोम्बे मार्केट, उमरवाड़ा, सुरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के रक्जपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हितााद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किये जा सकीं।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

दुकान नं 0.10 जो सूरत में सि सूरत में 1285 नम्बर पर दिनांक 8 की गई है।

> जी० क० प**ड**या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज—II,ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-11-1985

मोहरः

प्रकप आई. दी. एन. एस .-----

जायकार मोजनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 नवस्वर 1985

ानदया सं० पी० स्नार० नं० 3918/II/85-86: —स्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्राँर जिस्की सं हुनान नं एम-29, बोम्बे मार्केट है तथा जो उमरबाग, पुरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री इर्ता ग्रविकारी के कार्यालय, सुरत में रिकस्ट्री इरण ग्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रवीन, तारीख 8 4 1985

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक) के बीच एसे अतरिक के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नालिखित उद्देश्य से इक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से किथित मही किया गया है:—

- (क) जन्तपण से हुइ किसी आय की बाबत, बक्त किंपिनियम के अधीन कर दोने के लगारण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के शिष्; और/या
- (ध) ऐसी किसी बाय या किसी धन या सन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1.922 का 11) या उनत अधिनियम, या बनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया की या किया जाना चाहिए था, छिपाने वें सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीक :---- (1) श्री ग्रारक के० जवर्स, सुरत टेक्सटाईल मार्केट; सुरत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वान्तीलाल भाईलालजी महता, उमरवाड़ा, सूरत।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोकत अमरीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उबत संगत्ति के वर्जन के संबंध के कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस एचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि का तत्संबंधी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (७) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य स्थानत इनारा अधोहस्ताक्षरी के पार स्थिकत में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इनमें प्रयुक्त राज्यों और पर्यों का, जो उक्त निधानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी वर्ध होंगा जो उस अध्याय में शिका सका है।

अनुसूची

मिलकत जो सुरत वें स्थित है। तंत्र रजिस्ट्रार, सुरत में 1286 नंबर पर दिनांक 8-4- 85 की रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पं**ड**या, उक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-11-1985

मोहर : ।

प्ररूप बाइं.टी. एन. एस-----

भारत विभाग्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० जी० स्नार० नं० 3919/II/85-86:—यतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 5.7 बोम्ब मार्केट, है तथा जो उमरवाड़ा, सुरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूणं रूप से विणत है), रिष्ट्रिक्ती श्रिष्ठकारी के कार्याहरू, सुरत में रिजस्ट्रीकर श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख 24-4-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान । तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत उदत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्छ आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तों अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में संविधां के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों वर्धात :-- (1) श्री घनश्याम पेन्सीमल तुलसीदास, सादलीवाला मार्केट, सूरत।

(अन्तरक)

(2) बी० के० एण्टरप्रा**इ**स, कंचन लाल नटवरलाल, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नार्क्षण :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाचर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

मिलकत जो सुरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सुरत में 3714 नम्बर पर दिनांक 24-4-85 को रिजस्टर्ड किया गया है)।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-11-1985.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० जी० श्रार० नं० $3920/\Pi/85-85$ —सत् मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भरकाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से सिधक है

भीर जिसकी संस्था दृशान संद 48 और 49, डायमंड हाउस: है तथा जो सरत में स्थित है रजिस्ट्रीवर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में 37ईई ग्रधीन के 4~2~85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान श्रीतफल के लिए अंदिरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिश्वास सं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) क बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि मिम्नोलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्थित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के तिए; और/सा
- (च) एंसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्दरिती व्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चािहए था, िछपाने में सुिषधा के स्तिए।

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, जिन्निसिक्क काव्सियों, अर्थात् :--- (1) भैं० जे० एम० सी० मेघानी बिल्डर्स (सुरत प्रोजक्ट) झवेरी बाजार, बम्बई

(ग्रन्तरक्)

(2) श्री चंद्रप्रभा बाबुतात सपालिया, विले पार्ले, बम्बर्ड

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करकें पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (ख) इस स्वाता की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्होकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रसुप्ती

37ईई का फार्म इस कायलिय में दिनांक 4-2-85 को पेश िया गया है।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख 28--11--1985 **बाह्र** 3 प्ररूप बाइं. दी. एन. एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्थापत

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्धिक) श्चर्जन रेंज, II श्वहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 नहभ्बर, 1985

निवश सं०-**1**0-ग्रार० नं० 3921/11/85-86---यत: मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क्षा 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च वो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाणर मृल्य 1,00,000 ∕- रतः से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० जेड 3174 सूरत टेक्सटाईल मार्विट है तथा जो रिगरोड सुरत में स्थित है (क्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिबस्ट्री-कर्ता ग्रधिवारी के वार्यालय, सुरत में रिवस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-4-85 को पर्नोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अझ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्त्रींक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली (अंतरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तथ गाया गया बतिफल, निम्नीलीचत उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरूप से हुई किसी जाव की बाबत, जक्द अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वामित्य में कारी करने या जसने अवशे हैं सुविधा से निए: और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हां भारतीय आयक्तर अधितिसम, 1222 /1922 का 11) भा अक अमिनियम, या ५७-**कर अधिनियम**, 1957 (1957 की 27) अहे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, भिष्याने वर्ग सविधा वह दिसा

क्षत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269 म के अन्सरण मों, मों, उक्स अधिनियम की धारा 269-छ , की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात 🖫 🛶

(1) श्री बरान रालदुराम पृष्पकृष सोनायटी, भूमुल डेरी रोड, भूरत

(श्रन्तरक)

(2) श्री शिवकुमार भ्रार० मित्तल, सरदारनगर सोलावटी, सूरत ।

(ग्रडुतरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

तक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाणन की तारी**व से** 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचमा की तामील से 30 दिन की अनिध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति बुवारा;
- '(वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पांड तिसित यों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गबा हिं∗

मन्स्पी

मिलकत जो सुरत म स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सुरत में 3594 नंबर पर दिनांक 22-4-85 को रजिस्टर्ड की गई हैं ।

> जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-II, श्रह्मदाबाद

तारीख: 28-11-1985

शक्त बाहं .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

मार्व सरकार

काविषय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज,-II, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० पी० म्रार० नं० 3922/11/85-86—यतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पलेंट, दिक्षीत ग्रपार्टमेंट, वार्ड ग्रठवा है तथा जो 2550 से 2552, सूरत में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के नार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 23-4-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाबार मृन्य से कम के दृश्यमान ग्रीकाल के लिए जन्तीका की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास

बारने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्प्रीति का उचित बाजार वृष्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का विच्छ प्रतिस्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के चिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिस से वास्तिक रूप से कामित नहीं किया गया है है

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-निवन के स्थीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सर्विश्वा
- (च) शैंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कार्य, किसी कार्य आस्तियां कार्य, किसी भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अने अधीकार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया थाना चाहिए था, छिपाले यो स्थिता विकास की किया थाना चाहिए था, छिपाले यो स्थिता विकास की किया

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) श्री जितेन्द्र शतुष्त दीक्षित, श्रठवा लाईन्स, सूरत ।

(स्रन्तरक)

(2) श्री ग्रंजनाबहन चंपकभाई पटेल, दीक्षित ग्रंपार्टमेंट, ग्रंठवा लाईन्स, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सुपना जारी करक प्रशंकत अन्यास्त के अर्जन की सिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस मुखना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्याक्तयों पन सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (का) इस सुवता के राज्यन में प्रकाशन की वारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्यंच किसी करू व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाध्योक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिभाषिण हैं, बही वर्थ होगा को उस अध्याय में विका रणा हैं।

अनुसूची

मिलकत जो ग्रठवा लाईन्स, सुरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सुरत में 3678 नंबर पर दिनांक 23-4-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदावाद

तारीख: 28-11-1985

प्रका नाहाँ, टी., एन. एड. -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

नारत सरकार

कार्यालय, सहारक कार्यकर आयुक्त (निरक्षिण)

ं श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 नवंम्बर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3923/II/85~86—-यतः, मझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त जिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या श्रोपन लैन्ड, उमरवाडा, धूरत है तथा जो एस० नं० 1547, टी० पी० नं० 7, सूरत में स्थित है (स्रौर इस उशाबद्ध स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनायम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 17-4-85 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दावित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिष्; चौर/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिस्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-त्राप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं अधीनार्थी जे पीर नि-इंबरग प्रसाद करों किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा वै लिए:

अत: अब, उक्त शिधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 54—406 GI/85 (1) भै० 'रतीलाल जैनिकतवास श्रीर श्रन्य तड्याली केरी शलवापुता, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिवानचन्द्र भवानीदास पुन्थानी ग्रीर ग्रन्य जलदर्शन सोसायटी, ग्रठवा लाईन्स, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के निम्न कार्यवाहियां करता हो :

उक्त सम्पत्ति के वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बालने उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि था तत्सेवधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविधि पत्र में प्रमान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुवारा;
- (क) इस स्वता के राज्यत में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबकुष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निवित्त में किस का सकी ।

श्राष्ट्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त क्षत्रों सौर पदों का, को उक्क अधिनियम - के अध्याय 20-क में परिभाषिट हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया हैं!

अनुस्ची

जमीन जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 3468 नंबर पर दिनांक 17-4-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंजया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज–II, श्रहमदाबाद

तारीख: 28-11-1985

प्र**रूप अहर्_{क, दिने, पुन**्न **पुन**्न न नन}

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्थना

STATE OF THE PARTY.

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्तण)

ग्रर्जन रेंज-ाृI, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 नवम्बर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3924/II/85–86:---श्रतः मुद्दी, जी० के० पंड्या,

भायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है कि चारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका जिल्ला नाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० स० नं० 42/22, गोंप प्रणाली है तथा जो ता० अंकलेण्यर, जिला भरुच में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-14-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की वहूँ हैं बौर मुम्में, यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे दृश्यमान प्रतिकास से पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से भीच एसे अंतरक के लिए दृश पामा गया प्रतिकास निम्नतिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण निवित्त में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है %——

- (क) जंतरण से हुए किसी नाय की वाबत, उक्त विभिन्नम के ब्रोन कर्य योगे को वंतरक को वामित्व में कमी करने था उससे वथने में सुविधा के सिए; वॉर√या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इकारा प्रकार नहीं किया गय. था या किया बाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा से किए:

जतः जवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो, मीं: संक्त तिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के क्षीत, निम्नसिचित व्यक्तियों, वर्षात् स— (1) श्री मर्रावद कुमार रमेशचन्द्र और ग्रन्य, मीनीली, ता० अंकलेश्वर, जि० भरुच।

(ग्रन्तरक)

(2) नर्मदा लैण्ड डेचलपमेंट प्रा० लि०, प्रितम सोसायटी, भरुच।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इन् क्षाना के हाज्यम के प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की वाजीन से 30 दिन की बज्यि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के रावस्थ में प्रकावन की तारीवा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में दिव-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किस् का सकेंगे।

स्वाचित्रकाः—इसमें प्रयूक्त शब्दों बीर पर्यों का, झो उनक अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिजाबित है, वही जबी होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

सर्व प्राप्त

जमीन जो मोताली में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, अंकरेंलेश्वर में 914 नंबर पर दिनांक 4-4-85 में रिजस्टर्ड की गई है।

> ्रृजी० के० पं**ड**या, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~II, श्रहमदाबाद

दिनांक: 29-11-1985

मोहर 🖫

प्रक्रम आई.टी.एन.एस.-----

कायकार काँभिणकान,: 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यातय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-II, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 29 नघम्बर 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं०3945/I^I/84-85:—ग्रतः मुझे, जी० के० पंड्या.

जायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका जिनत् बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. ते अभिक हैं और जिसकी सं भोताली गोप, ता॰ अंकलेश्वर हैं तथा जो स॰ नं ॰ 42/31और 42/22, भरुच में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में औ र पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अंकलेश्वर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-4-1985

वा पूर्विक्य संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अतिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विक्त संपर्तित का उचित बाजार मूख्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंच्य प्रतिक्त के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निलिचित उद्दर्शिय से उचत अन्तरण सिचित में वास्तियक द्रम से स्थित नहीं किया गया है हम्म

- (क) अंतरण से हुन्हें किसी बाय की बाबत, उक्त जिस्तियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कभी करने वा उक्करों वचने में सुविधा के लिए; अन्दि/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए।

अंदः अध, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री मोतीभाई विठ्ठलभाई, मोताली, ता० अंकलेख्वर जि॰ भरुच ।

(म्रन्तरक)

(2) नर्मदा लैण्ड डेबलपमेंट प्रा० लि०, भरच। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो : अविधि बाद मों समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीव व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल् बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक गया है।

वन्स्ची

जमीन जो गोंप मोताली, ता० अंकलेश्वर में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, अंकलेश्वर में 917 और 918 नंबर पर, दिनांक 4-4-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, श्रहमदाबाट

वारीख: 29-11-1985

प्रक्ष बाह^र् टी_ट पुन_ः पुन_{ः वननः}

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

ज़ारत बरकार

कार्याजनः, रहाव्य नावकार नाव्यतः (निर्धानक)

श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 29 लबम्बर, 1985.

निदेण सं० पी० श्रार० नं० 3926/II/85--86:---श्रतः मुझे, पी० के० पंडया,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें पर्वात् 'उसत विधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित्र वाजार मृज्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नं० 1, प्रिमय को० ओ० सोसायटी है तथा जो भरुच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरुच में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-11-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल से इश्वमान प्रतिफल से लिए तय आया गया प्रतिफल, जिम्मलिखित उद्धश्य से उक्त अन्तर्भ निश्चमा यो द्वारा विश्वमा गया है :---

- (क) बंदरण वे हुई किसी जाय की वावरा, उक्त वीर्थानयम के वधीन कर दोने के बन्तरक हैं वादित्य में कमी करने या उच्चते बज़ने में सुविधा के सिए; बॉर्ट/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य मास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियस, या भनकर अधिनियस, या भनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपारे में सविधा के विषः

कतः वयः, उपत विधितियमं की भारा 269-ग के अनुसरम में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वर्णान, विम्निसिक्षित व्यक्तियों, वर्धातः (1) श्री किशोरचन्द्र डी० कोटिया, लुभाई, चावला, भरुच।

(श्रन्तरक)

(2) श्री डी० श्रार० सिन्थेटिश्स टेश्सटाईल 707, पी० श्राई० डी० सी०, अंकलेखर ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यनाहिया करता हो।

इक्ट संपत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बृदिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्वितयों में से किसी स्वक्त बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेक हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए बा सकरें।

हपष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में धरिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वनुसूची

प्लोट जो प्रितम को० ओ० सोसायटी में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 702 नंबर पर 23-4-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

पी० के० पंड्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, श्रहमदाबाद

तारीख: 29-11-1985

प्रकथ बाद्दी, टी. पुन, पुन,

(1) नसीमवानु ए॰ शेख, सैयदपुरा, धूरत ।

(ब्रन्तरक)

(श्रन्तरिसी)

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के वधीन सूचना

(2) श्री ए०ए० शेख सैयदपुरा, सुरत ।

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायकत (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज--[I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर, 1985

निदेश सं० पी० श्रार्० नं० 3927/II/86-86:--- श्रतः म्से, पी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकोपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धास 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नितः बाबार कृष्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं मिलकत बोर्ड नं ।, नानपुरा है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्याणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-4-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए'से दश्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिरुक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए द्वय पाया गणा प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेश्य से उत्त बन्तस्य सिक्ति में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है हु-

- (क) बन्तरण से इन्हें किसी काय की नवत , उच्छ थि-नियम के अभीन कर वोने के अंतरक के बाध्यरण में कभी करने या उससे नचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (क) ए'सी (कसी अाय या किसी भन या अन्य बास्तिक] का जिन्हें भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

क्षण अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्क अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के वर्धीन, निक्मलिकित, व्यक्तियाँ, वर्कात् 🏗---

को बहु बूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के बर्चन के लिए कार्यकारियां करता हुं।

सक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाह्यप :---

- (क) इस ल्यामा के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख थे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिव्धिक में संकिए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बरि पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

मकान जो सुरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 3624 नंबर पर ता० 23-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> पी० के० प**ड**या. सक्षम प्राधिकारी मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) सहायक श्रर्जन रेंज $-\mathrm{I}^{\mathrm{I}}$, ग्रहमादाबाद

तार**क**: 29-11-1985

मोहर 🖫

मान मार्च द्रवी तुन तुन तुन्तर वार्य वार्य

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्यकः सहायक जायकर जायुक्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज⊸ , महमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर, 1985

निदेश सं० पी० म्रार० नं०/3928/ /85→86ः——म्रतः मुझे, पी० के० पंडया,

काबकर विश्वित्रवन, 1961 (1961 का 43) (जित इसमें इसके प्रकार (उन्हें विश्वित्रम्) कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्रतिभूकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बावार कृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं उधना, उद्योग नगर, प्लोट नं 18, 19, 20 है, तथा जो ब्लाक नं 18, उधना, जिला-सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 15 प्रप्रैल, 1985

- (क) लंतरण वे हुई हिकती लाग की शब्दका क्वा क्व लिपिनियम के नधीन कर दोने के लंतरक के दादित्य में कमी क्यने या उससे क्वने में सुविधा के बिहु। होद/वा
- (व) हुनी किन्नी बाय वा किन्नी पन वा अन्य जास्तिन्।
 को; जिन्हें पारतीय सामकर समितिवयः 1922
 (1922 का 11) या उत्तर समितिवयः वा कनकर विधित्तयमः, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थं, जन्तिर्देशी हुनाहा प्रकृट नहीं विका ग्रेश या या किया काना चाहिए या, कियाने में हुनिहा के जिन्न।

बत्त नव, तनत विभिन्नियम की भारा 269-म की बनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अपभास (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री गृणवतराय बी० भट्ट, श्रादर्श हाउसिंग सोसायटी, श्रम्पा लाईन्स, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० एस० सी० लेमिनेटर्स, धनसुखलाल ढाकुरलाल, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🖫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर्ष स्वना की ताबीज से 30 दिन की सविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाहा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्तर जीभीनयम, के जभ्याय 20-क में यथा परिशावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उन्त जभ्याय में किया, व्याहै।

समृज्यी

मिलकत जो उधना में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 3318 नंबर पर दिनांक 15-4-1985 को रिजस्टर्ड की गई है।

पी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 29-11-1985

मोक्टर 🏻

प्रकप मार्चे, टी. एन . एस .,--====

नायफर नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुन्ता

भारत सरकार

कार्यासवः, सहामक नामकर नामुक्त (निर्द्धान)

अर्जन रेंज-।!- अहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिनांक 29 तवम्बर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3929/II/85-86:—अतः मुझे, पी० के० पंडया,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० संग्रामपुरा, मुख्य मार्ग, वार्ड नं० 2, है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 22-4-1985

मां श्वीवत संपरित के उड़िका बाजार मुख्य है काम के अनगाम भीतकत के तिन् मुखारिक की नह है ज़र मुखे वह दिल्लात करने का कारण है कि व्यापनींका कम्मिल का दिल्ला मानार अनुस्य, उसके अनगाम प्रतिकास के होने अनवाम प्रतिकास के बस्सह प्रविचत है जीपक है और बंबरफ (अंकरका) और बंबरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तिविक रूप से काथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विष-नियम के बधीन कर बोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में बुक्थि। के सिष्ट; और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी थम वा वस्त जास्तियों की जिल्हा भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना भाहिए था, डिपार्म में सुविधा के विद्या

- (1) श्री निणसदन जिवालाल संग्रामपुरा, सूरत । (अन्सरक)
- (2) श्री ईश्वर लाल छोटालाल गांधी, राजी तलाब, सूरत।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की मजीधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, ओ उक्त भावकर अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है:

अम्स्ची

मकान जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 3625 नंबर पर दिनांक 28-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभास (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् हे—

तारीख: 29-11-1985.

अक्ट बाई _ट टौ_ं एन . एस_ं------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वै वधीन व्यवा

STATE STATES

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्त)

अर्जम रेंज-II, अहमवाबाद अहमदाबाद, दिमांक 29 मवम्बर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० $3930/\Pi/85-86$:—अतः मुर्झे, पी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित नावार मून्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं कान, गोपीपुरा, सूरत वार्ड नं व 10 है। तथा जो जो नोंद नं व 1290, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणम है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 17-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) में बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाना चना प्रति-क्य निम्मितियां क्ष्यों से वे उन्त बन्दरण के लिए तम पाना चना प्रति-क्य निम्मितियां क्ष्यों से वे उन्त बन्दरण कि विश्व में बास्तिक क्य ने क्षित्व वहाँ किया पना है कि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जात्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग औ अनुसरण भ", म", उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाग (1) डे अभीन, निम्ननिविध स्थानियों, वर्षात डे— श्री पुष्पवसेम् चुनीभाई, अन्नपूर्णा सदन, बी० पी० रोड़, बम्बई-4.

(अन्तरक)

(2) श्री श्री चन्द सूरजमल, गोपीपुरा, सूरत । (अन्तरिती)

को बहु कुषना चा<u>री करके पुन्तित्व सम्मितित के नुर्वतः</u> के निक् कार्यनाहियां गुरू करता हुं।

चक्त सम्बद्धि भी वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भारते —

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकावन की तारीज से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की वन्धि, को भी तन्धि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुनाइक्ष
- (व) इस स्वा के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उन्द स्थावर सम्पत्ति में दिन-वृद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए जा सकागे।

ल्ल्ब्बिएल्ड---इसमें प्रयुक्त कर्जा औड एसों का, जो उपस् अभिनयम के अध्याय 20-क में परिशायित हीं, वहीं अर्थ होता को उस बुध्याम में दिया प्रया ही।

अपृष्यी

मकाम जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 3469 नंबर पर दिनांक 17-4-85 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, अहमदाबाद

तारीब : 29-11-1985.

एकर काई डी एन एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अभीन सचना

भारत मरकार

कार्यालय सहायक आयकर शायक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3931//H 35-86:--अतः मुझे, जी० के० पंडया.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिर्की सं० 1791, बारेसूद है। तथा जो जिल खेडा में स्थित है (श्री इससे उपाबढ़ अनुपूत्री में श्रीर पूर्ण रूप के विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोरसद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 17 अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त संपित्त के उिवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह पद्धह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक संबुद्ध किली जात की शबस, जक्स जिल्लिक के अभीन कर दोने के जन्मरक के राजिल्ल के कनी करने या उससे उसने में स्विधा के लिए; और/या
- एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य शिस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 55—406 GI/85

- (1) श्रो देउाई कनुभाई पी०, देशाई दगी, नडीयाद। (अन्तरक)
- (2) श्री वसंत टोकीस, एम० आर० पटेल, बोरसद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तर्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की बर्वीध, जो भी जविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के बैं . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्पटिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा मुद्या है।

अनसची

मिलकत जो बोसरद में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बोरसद में 975 नंबर पर दिनांक 17-4-1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, अहमदादाद

तारीख: 2-12-1985.

मोहर ः

and the man and the same

बायकर निपितिश्वत 1961 (1961 का 43) की धारा २६९-म (1) के अभीन समस्य

भारत सहकाह

कार्याच्या, महायस कामकार नायुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1985 🕟

निदेश सं० पी० आर० न० 3932/II/85-86:—अत: मुझें. जी० के० पंडया.

आगाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गत्रा हो), कौ आरा 269-च के अधीन सक्षम गाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भंगित जिल्ला जीवत काजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 328/1, सी० नं० 194, नडीयाद है तथा जो नडीयाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, म्डीयाद में रजिस्ट्रोकरण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23~4~1985

को पूर्विक्त संपंतित के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास काली का उल्लाह हैं कि उल्लाह कि संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्तिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१००० का १) या उठत अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोक्तियम अस्मिनियम, वादारा प्रकर नहीं किया व्याप्त या किया जाए कान्निया या किया वाद्या या किया वाद्या या किया वाद्या वाद्या या किया वाद्या या किया वाद्या वाद्या या किया वाद्या वाद्या वाद्या या किया वाद्या वाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विलोचनदास. सामजीभाई भिल्ही, रोबल ट्रेडर्स, मडीयाद।

(अन्तर क)

(2) श्री राजहंस मनुभाई पटेल, कुलनाथ रोड़, नडीयाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्स सम्मति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हित-बत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी, के पास मिचित में किए वा सकोंगे।

स्पर्वतिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रयों का, जो उन्नत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहां अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया बया हैं।

अनुसूची

मिलकत जो मड़ीयाद में स्थित है। सब राजस्ट्रार, नड़ीयाद 1216 नंबर पर दिनांक 23-4-1985 को राजस्टर्ड की गई है।

> जो० **के० पंडया,** यक्षण प्राधिकारी, यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जेण रैंज-II, अहमदाबाद

तारी**ख**: 2-12-1985.

प्ररूप आह .टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, जहमदा ग्राद

अहमदाबाद, दिसाँ र 2 स्थिम्बर 1985 विद्यासं० पी० आर० नं० 3933/॥/85-86:--अतः **मुझे,** जी० के० पंड्या.

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/~ रहा. सं अधिक हो

आंर जिसकी सं ाप्ताट—58, श्रीभगर सोसायटी, बड़ाँदा है तथा जो, बड़ादा में प्रिया है (और इस्ता उपाबद अनुसूची में और पूर्ण का राजींगा ह), संबद्धों जो जोब गरी के प्रायस्थिय, बड़ाँदा में रजिस्ट्री करण अधिक्षिम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, ∰तारीख 15—4—1985

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हूं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिकात से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण विशित में बास्तिक रूप में किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायिस्य में कमी क्रने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

बतः। अब, अमल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, जनस अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, चिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीनिती जसुमिति बहुन के० । ईल, किरीट आर० अ**मीन** बडीदा ।

(अन्तरक)

(2) श्रो परिवार कुमार विजुलकास कह, स्वामी विकेकानेद रोड़, श्रिके पार्जे, बमबई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यपाहिम्स खुद्धा हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरणः -- इसका प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुपुची

प्लोट नं० 58 जो पटेंगपुर, बड़ीया में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बड़ीया में 3015 नंबर पर दिनों छ 15-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के 0 पंडया, जनम आधि हारी, सह्यिक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारी**ज**: 2—12—1985.

प्ररूप नाइ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारत रहिंदार

कार्याक्य, सहामक भाषकर आयुक्त (निद्वीक्रण)

म्रज्ञन रेंज⊸।।, म्रहमाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 2 दिसम्बर 1985

निदेश स० पो० ग्रार० यं० 39 3 4/11/85 – 86 – – ग्रतः पुर्से, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं अमासलपुर, सं जिं 389 है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है (स्रीरइस से उपायद स्नुसूची में स्रीरपूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता स्रिक्षिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजिस्ट्री-करण स्रिधितयम, 1908 (1908 का 18) के स्रिधेन, दिनौंक स्रिपेट 1985,

को पुत्रों कर सम्मति के उरित बाजा मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और ृते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोंकत अम्मिर का उषित काजार मूल्य, उपके श्वाम प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिभात है अधिक है जार श्वारक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरिकिकों) को बीच एसे अंतर १ की निए तय पाया गया प्रतिक्कल निम्नति बित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में पास्ति कि में किया गया है:—

- (क) अन्तरण संधूष विक्री आय की बायम, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; अपर/ए
- (क) ऐसी किसी जाय या किली धन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उरा अधिनियम, या धन-कर राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के हवाप गर्थ अन्तिरती बुवा प्रकट हों किया नया था के किया जाना चाहिए था, िराने में अधिवधा के किए।

जतः जन उन्त निर्मानम की भारा 269-म की जन्तरण मों, मों, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन: भन्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डी० के० गोस्वानी (बगीखाना रोड) एस० पी० रोड, (बड़ीदा), बस्बई-6

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनुभायी एच 0 पाटिल बगीखाना रोड, बडौदा

(ग्रन्तरिती)

का बहु नृथना बारी करके प्वेक्ति सम्बक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन कि तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पाद्धोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्बनी

मिलकत जो बड़ाँदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार बड़ाँदा में 2800 नम्बर पर श्रप्रैल 85 को रजिस्टर्ड की गयी है।

> जी० के० पंडया नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनौंक: 2-12-85

प्ररूप बाह्न, टी. एस. एस. -----

नाथकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के नभीन सुचना

नारत सरकार

कार्यातय, सहायक भायकर नायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 2 दिसम्बर 1985

निदेश स० पी० श्रार० सं० 3935/॥/85-86--श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

सायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (वित इसमें सिक परवात् 'उक्त अभिनियस' कहा वया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निस्तास करने का कारण हैं कि स्थापर स्मासि, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जितकी मं० प्लाट, श्रश्नामा, ता० वत्रसाड, है। तथा जो बलसाड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची से ग्रीर पूर्ण स्प से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बलसाड में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 26-4-85,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के निए अन्तिरत की गई है और मुग्ठें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिखत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण सं हुर्च किसी साथ की बाबत, उक्त जीवित्यत्र के संशीत कार दोगें को अंतरक के दर्शियाल की एक्सी कारते का उससे कराते की लाजिका के सिए; जीर/का
- (च) होती किसी बाव वा किसी भून या बाव आसित्या का, बिन्ही भारतीय आसकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-भाग अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ मंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया भाना भाहिए था, खिपाने में सुविधा औ शिक्ष;

अतः नवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुबरण भाँ, भाँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की छवभारा (1) के अभीर,निम्नसिवित व्यक्तियाँ, वर्षात् क्र— (1) त्री भुमन्तराय नाजाभाई देसाई प्रजामा, ता० यलसाड

(भन्तरक)

(2) धिरुपरागजी देसाई स्रौर श्रन्य स्रज्ञामा वलसाड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

हरत सम्पत्ति के लवंग के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षण 🏗 —

- (क) इस स्चना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबद्दव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के वासं लिखन में किए जा सकेंगे।

स्यक्षिरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दें और पर्यों का, जो उन्दें अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिआवित् है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुमुची

प्लाट जो अन्नामा, बलसाड में स्थित है'। सब रिजस्ट्रार, बलसाड में 26-4-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-II, श्रह्मदाबाद

दिनांक : 2-12-85

माहर :

प्रस्य बार्षः दी एन । एस्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनाँक 2 दिसम्बर 1985

निदेश स० पो० आर० स० 3936/II/85-86--- प्रतः महो, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० 568, कुंडाल है। तथा जो ता० कड़ी से स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची से श्रीर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कर्ड़। से रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक 10-4-85

को पूर्वीक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के के लिए;

अतं अब, उक्त मधिनियमं की धारा 269-म के अन्सरण की, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, वर्षात के

(1) श्री नारणमायी केशवसायी पटेल कुँडाल ता० कडी

(उन्होरेत)

(2) डम-डम केमिकल्स प्रा० लि० हरिशकुमार केशवलाल नवजीवन कलोल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियें पर अवधि बाद में समाप्त हालेती हो, के भीतर पूर्वीक्त त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राष्ट्रभग में प्रकाशन की तारीख से 45 दिया के भीतर पूर्वों क्त उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त में अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में विभाग्या है।

वय सन्दर्भ

मिलकत जो कड़ी सें स्थित है। सब रिजस्ट्रार कड़ी में 439 नम्बर पर अप्रल 85 में रिजस्टर्ड की गयी है जिसकी कीमत 40,000 - रुपए है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायकत (निरोक्षण) श्रजैन रेंज-11; श्रहमदाबाद

विनौक : 2-12-1985

प्रस्प आर्थः टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारद सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रर्जन रेंज-॥, ग्रहमदाबाद
ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० 3937 II/85-86—-श्रतः, मुझै, जो० के० पंड्या,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके एकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुत से अधिक है

धौर जिसकी सं० 270, 388, 389, 390 सवाद है तथा जो खड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन दिनौंक धर्म 85,

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उष्णित बाजार मूल्य ते कन के क्षयणाम प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्तिलिखत उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) लंतरण से हुं किसी आय की बाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूबिधा के लिए; अरि/या
- श्रेषी किसी शाय या किसी धन या अल्य आस्तिथां का, जिन्हें भारतीय आयकर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उस्त अधिनियम, का जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अस्तिरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किका बाती हुए था, कियाने में अधिया के लिए.

बत: अब, उक्त अधिजियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उदत अधिजियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री परसोत्तमभाई बुशालभाई वटेल याकृतपुरा, यड़ौदा

(ग्रन्तरम)

(2) श्रो परसोतमनगर को०-श्रो० हा० सोपायटो लि० बडौदा गारेवा

(ग्रन्नरिती)

कां मह मुचना जारी करके पूनोंकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स तम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशः की तारीस से 45 दिन को अवाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि , जी भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथहिसाअरी के पाम रिनेश्न में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

मितकत जो सवाद, बड़ौदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 2432 नम्बर पर अप्रैल 85 में रिजिस्टर्ड की गयी है। जिसका कुल मुख्य 2,92,160/-रुपए है।

जी० के० पंडया
ाक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनाँधः : 2-12-1985

माहर :

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.-----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेजे-।।, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनौंक 2 दिसम्बर 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पड़चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 271-397/2, 386-398, 397/1, 391है तथा जो सवाद, बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इसके उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक श्रश्रैल 1985,

को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पंद्रह प्रतिणत स अधिक है और अंतरित (अंतरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्थानक है से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या निजी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, ल्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिपों, वर्धात :--

(1) श्री झवेरभाई खुशालभाई पटेल याकृतपुरा, बड़ौदा,

(ऋन्तरक)

(2) झवेरनगर को० श्रो० हा० सोसायटी हरजी रोड, बडौदा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करा हां।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्टस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त आधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सवाद, बड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 2436 नम्बर पर श्रप्रैल 85 में रजिस्टर्ड की गयी है।

> जी० के० पंडया पक्षम प्राधिकारी पहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीतरेंज∼मा,स्रहमदाबाद

दिनौंक : 2-12-1985

पुरुष कार्य ही एक एक न

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारः । । विकास सुभनः

भारत सरकात

कार्यालयः महायक आयाज्य आयुक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज-11, श्चर्मदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 2 दिसम्बर 1985 निदेश स०पी० श्चार० स० 3939/⊞85 86—श्वतः मुझे, जी०के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वाप्त संस्थित, जिल्ला उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० 150, स्राकोटा, है : तथा को बड़ौदा सें स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण स्प से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनाँक 17— 4~1985,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिख्वास कहने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का बल्क्ड् प्रतिखत से अभिक है और अन्तरक (जन्तरकार्ट) खड़ेड अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तम पामा बमा प्रतिफल निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त बंतरण सिविक्त में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुई किसी नाम की नानत, उक्क विधिनियम के बधीन कार दोने के जन्तरक के सामित्य में कामी कारने मा उससे अधने में सुनिधा के निष्ठ; बाफ्र/मा
- (स) एली किसी जाय या किसी भग या बत्य बास्तियों की, जिल्हों भारतीय बाय-कर सिंधीनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकेट नहीं किया स्था भा या किया अना बाहिए था, छिपाने में सुविका के बिए।

बत: बब, उक्त बीभीनयम की धारा 269-ग के जनसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 56—406 GI/85

(1) श्री गुत्रमणियम संगमेश्वरत वासवा रोड, बडोदा ।

(प्रसारिक)

(2) श्रोमती जानको संघमेण्यरन वासवा रोड, बडौदा ।

(प्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करकं पृथोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां घुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से कर्म की कर्मांथ या तत्यांपंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की बंबीय, को भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितियों में से किसी स्थित द्वादा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वाद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों कीट पदों का, जो खल्क विभिन्नियम के अध्याय 20-क में पिछ्डिंचक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया औ

अनुसूची

मिलकत जो बड़ौदा सें स्थित है। सब रिजस्ट्रार बड़ौदा में 582 नम्बर पर श्रप्रैल 85 में रिजस्टर्ड की गयी है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

दिनाँक : 2-12-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 2 दिसंम्बर 1985

निधेश सं० पी० ग्रार० सं० 3940/॥/85-86---- श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लोट सं० 334, 335; टालोल है। तथा जो जि० बड़ौदा सें स्थित हैं (ग्रीर इसके उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कालोल सें रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौक 23-4-85.

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रिक्षित के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तविक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) रीन्की हाईड्रोबार्बन्स प्रा० लि० डायरेक्टर, श्री चन्द्रशन्त के० गाँधी बडौदा --->

(अस्टर्ह)

(2) विपुलम एण्डरप्राइज प्रा० लि० --नरेन्द्र कान्तीलाल मरिडा, बस्बई ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

म्लोट जो हालोल सें स्थित है। अब राजिस्ट्रार, हालोल में 601 नम्बर मर दिनांव 23-4-85 को राजिस्टर्ड किया गया है।

र्जा० के० पंडधा नक्षम प्राधि गरी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (मिरीजण) ग्रजैन रेज-11, ग्रहमदाबाद

दिनाँक : 2-12-85

मोहर ह

प्ररूप बाहैं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्णलय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 2 दिसम्बर 1985

निवेश नं0 पी० श्रार० सं० 3941/॥/85-85- श्रतः मुझं, जी० के० पंड्या.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० 86, नूरपुरा, ता० हालील है। तथा जो में स्थित है (श्रौर इतके उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधनारी के कार्यालय, कालोल में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौक 23-4-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिपत्न के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्रस्तिवक । से कथित नहीं किया गया है:--

- ैंक) अन्तरण से हुई किसी आए की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) रीन्कीः हाईड्रोकार्बन्स प्रा० लि० चन्द्रपाँत के० बाँध बड़ोदा-~3 ।

(प्रन्तरक)

(2) विपुलम एण्डरप्राइज प्रा० लि० नरीमात पोईण्ड, सम्बर्घ ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चिता के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हुएंगा जो उस अध्याय में वियस गया है।

<u>अनुभूची</u>

मिलकत जो न्रपुरा गाँव में स्थित है । अब-रिजस्ट्रार; कालोल सें 602 नम्बर पर दिनौंक 23-4-85 को रिजस्टर्ड की गयी है ।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज–।।, स्रहमदाबाद

दिनाँक : 2-12-1985

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालयं , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

त्रजन रेंज-।।, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनौंक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० ग्रार $^{\circ}$ सं० 3942/11/85-86-- श्रतः मुझ, जी० के० पडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं प्लोट अनन्तपुर जि पंचमहल है तथा जो पंचमहल में स्थित है (श्रौर इसके उपात्रद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कालोल में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 9-4-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अंतारित की रहें हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ गूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूथमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री बालकृषना भ्ररमलाल दवे टालोल जि०---यंचमहाल ।

(मन्दर)

(2) के० के० ईण्टरनाईनींग मैन्यु कं० प्रा० लि० हालोल । जि०—पंचमहाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लोट जो ग्रनन्तपुर,जि० पंचमहाल में स्थित है। सब रिज-स्ट्रार,कालोल में 493 नम्बर पर दिनाँक 9-4-85 में रिजस्ट**ड** किया गया है। जिसका कुल मूल्य 1,85,500/- रुपए है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–।।, श्रहमदाबाद

दिनाँक : 2-12-1985

प्रकप भार्ड टी. एत. एस. - - -

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत १६०-५ (1) की अभीन सुवना

मार्व बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-॥, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 3943/॥/85-86--ग्रतः [सुसे, जी० के० पंडया,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसमें प्रकार 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति. विश्वका उपित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 686, सी० एस० 35, नौंद सं० 5913 है। तथा जो प्रभात टाकिज, राबनपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राघनपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन, दिनाँक 15-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तर से विश्वास करने का कि कि स्थापान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकत से विश्व है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नम्बह्य से हुन्दं किसी बाग की बावत उच्छ अधिक्रिय से बचीय क्यु दोने के बच्चरक झे श्रीमत्त्र में केसी करूने वा उससे दलने में सुविधा के लिए; बोर्ट/बा
- (क) शुंध रेक को अस्य ना कि की बन् का अस्य वास्तियों

 का रेक्ट्र कारतीय राम-कर विधानियम, 1922

 रे१927 की ११) का बन्ध योधनियम, जा बन-कर विधानियम, जा विकास कार्यक्रियम (1957 की 37)

 क प्रकार विधानियम (1957 की 36) किया कर।

 का प्रकार नाम कार्यक्रिय का रिक्याम की विद्याप की निर्देश

बत: ब्रंब, उक्त ऑधीनयम की धारा 269-१ के बनुबरण वी, बी, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के ब्राधीन, मिस्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ातसमभायी हसनमायी सिम शिहोरी तो० कोकरोज ।

(अन्तरक)

(2) श्री दयाराम लेखामल परा मधनपुर बनासकाँडा ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उपल प्रकारिक के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्च भी नामाप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविष्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष्य, वो भी जबिध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस ब्याना के राजपण के प्रकाशन की तारीय के 45 वित्र के ब्रीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितब्बंध कियी जन्म व्यक्तित ब्वारा बधोइस्ताझरी के बास सिवित में किए वा मुक्तेंगे ।

स्वकातिकरणः ----इसमें प्रयुक्ष वन्तों और पर्वो का, वो उक् विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक ही, वहीं अर्थ होता को उस अध्याय में विधा नया ही।

नन्स् 🕏

मिलकत जो राघनपुर में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, राधन-पुर में 15-4-85 को रजिस्टर्ड की गयी है जिसका कुल मूल्य 160000/- रुपए है।

> जी० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-।।,श्रहमबाबाद

दिनाँक: 3-12-1985

माहर:

भारूम **गार्थ : श्री : एड् : स्ट** : स्ट :

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यात्तय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रण-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनार 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० पी० स्नार० नं० $3944/H/85{\sim}86{\sim}{\sim}$ स्रत: मुझे, जी० के० पंष्टया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-क के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम अस्त का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं ० 472 ची ० मी ०, सी ० एस० नं ० 2155 है तथा जो बल प्रांड में स्थित हैं (श्राँर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री श्रीधकारी के कार्यालय, बलसाड में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, दिनांस 17-4-85

का पूर्वीयत उम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के रिष्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पामा गया प्रतिफल, निम्निलिश उद्देश्य में उभत अन्तरण तिवत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीराज्यम के अधीन कर की में कन्सरक के कार में सभी अदनेया उम्में नचने भी सर्वायका वै सिष; क्षीर/या
- (वा) ऐसी किसी नाम या किसी धन या जन्य नास्तियों को चिन्हों धारतीय नामकर निधिन्यक, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ अधिजनार्थ मन्तरिती व्यारा प्रकट नहां किया गर्य था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सुविधा 4 निष्;

जतः वजः जक्त जिथिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण भे में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) कं अधीन, निम्मनिवित व्यक्तियों, अधित ह (1) श्रीमती जमलाबहन नाथुभाई देसाई प्रकामा,

जि॰-वलसाङ ।

(म्रन्सरक)

(2) गुलक्षन श्रयार्टमेंट प्रेसी० भावनाबहन टी० देसाई मोगरावनाडी जि०---खलसाड ।

(अन्तरिती)

स्त्री स्यु स्थाना चारी करके प्रतिकत सम्परित से वर्जन के क्रिय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की सविध या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विका गया हैं।

अन्सुभी

मिलकृत जो ईलसाड में स्थित हैं। सब रिजस्ट्रार वलसाड में 17-4-85 को रिजस्टर्ड की गई है, जिसका कुल मूल्य 80000/- रुपये हैं।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 2--12--85

प्रक्रम आहें.टी.एग.एस ------

भागकर जांभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

कार्य संग्रहार

कार्यात्रय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-11, ग्रह्मदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 दिशम्बर 1985

निदेश सं० पी० ग्राप्त नं० 3945/I1/85--86---यतः, मुझे, जी० के० पंड्या,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिधम' कहा गया हैं), जी धारा 269-अ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर संपरित जिल्ला जीवत बाजार मृज्य है,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं जिमीन ज्ञयान ता श्रीलडपाड है। तथा जो जिं सूरत में स्थित है (श्रीर इतसे उपावड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिपस्ट्री क्रां श्रीव कारी के कार्यालय, श्रीलपाड में जिस्ट्रीकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 जा 16) के श्रीवीन, दिनांक 12-4-85

कां पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिकल, जिम्मिसित उच्चेष्य से उसत अन्तरण निकित में अस्तिकल रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संधुद्ध किसी आयं की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर, दोने के अन्तरक के वाधित्व को अभी करने या उससे यजने को सुविधा के लिए, कोच/का
- (%) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या प्रनाप्त अधिनियम, या प्रनाप्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपोक्तार्थ पानिरासी द्वार प्रकार सही किया गण था पार विकार कार्य सहिए था। छिणाने में सविधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्कीलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) श्री िषोरकुमार प्रभुदा∵ कोटेका आयण ता०---श्रोलपाड ।

(ग्रन्तरक)

(2) मुमताज खोज्जा रेलवेशाला और श्रन्थ सांया बाजार, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

प्रकार सम्पोटरा को अर्थन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क्षं) इस मुचना के राज्यक में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संयोप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी को की 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितक के पास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये का सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बं और धर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होरा को उस अध्याय में विया गमा

ग्रनुस्ची

जमीन जो स्थान में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, श्रोलपांड में 3782 नम्बर पर दिनांक 12 - 4 - 85 को रिजस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंडया सक्षम प्रःधिकारी सहायक श्रायक्य श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन िजः 11, शहमदाबाद

दिनोंक : 3--12--1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-II, श्रहमदाबाद प्रहमदाबाद, दिनाव 3 दिसम्बर 1985

निवेश सं० पी० श्रार० सं० $3946/I^{I}/85-86$ —-प्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन श्रलथान, ता० कामरेज है। तथा जो कामरेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रू० से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कामरेज में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, दिनांक 6-4-1985

को प्रेंक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्ण्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात में अस्पिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अस्तरितियों) के कच्च एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखिन उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाह्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भागत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चािहए था, िछपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्री भशीकान्त जयन्तीलाल बखारीमा नथापुरा सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भगुमायी नारणमायी पटेल पुणा, ता० चोर्यासी जि०--सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याराः
- (ख) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंग। जो उस अध्याय में विया गया है।

-

जमीन जो श्रक्षपदान में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, कामरेज में 171 नम्बर पर दिनांक 6~4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जनरेंज-II,ग्रहमदाबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चै अधोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 3-12-85

प्रकथ नार्च , टी . एन . एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यासय, तहायक आयर वाय्यत (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-II, ग्रहमदाबाद प्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 19865

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 3947/U/85~86--- ग्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

जायकार अधिकान, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहराक्ष उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० नडीयाद बोर्ड सं० 8, टीका नं 7/735 हैं। तथा जो नडीयाद में स्थित हैं (और इसके उपावद ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री कर्ता ग्रिश्वकारी के वार्यालय, नडीयाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिश्वित्यम , 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 2~4~85 को

को प्रांक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथण्योंकत सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उचत अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप में काथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

(1) श्री चुनीभाई घटुभाई श्री भुजाभाई पटेल नडीवाद

(भ्रन्तरक)

(2) जीतुभाई एमश्तदास काषीया श्री गोरोभाई चमतलाल **क्रापिडीया** नडीयाद

(ग्रन्तिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीवर संपरित के अर्जन के रिन् कार्यवाहियां करता। हु।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूच्या की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस कृता के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

दस्तावेज 970 तम्बर पर दिनां रु 2-4-85 को सब-रजिस्ट्रार, नडीबाद में एजिस्टर्ड िया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ।

दिनांक : 6-12-1985

प्रकृष् वार्षे .टी . एन् . एस् . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यानय, सहायक जायकर जायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रोज-11, श्रहमदाक्षाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० स० 3948/॥/85--86--- **ग्र**तः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० नडीवाद बोर्ड सं० 8, टीका सं० 7/733 है। तथा जो नडीवाद में स्थित हैं (ग्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नडीवाद में रिक्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 19-3-85,

को प्रांचित संपरित के उचित बाजार मृस्य भे कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विष्वास कारने का कारण है कि स्थाप्में कित सम्पत्ति का उचित माधार बून्ध, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का प्रतिकृत प्रतिमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया भया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से किथत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियक, को क्षीन कर धीने को जन्तरक को दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्त्यों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर ब्रिधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त क्रिधिनयम या धन-कर ब्रिधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था हो किया चाना चाहिए था, छिपाने में ब्रिशा चे लिए:

बृतः भव, उक्त विधिनियम करी घारा 269-न के वस्तरण की, में उक्त विधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिंखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्री टामी भ्रली श्रनेजा श्रस्झारन हुसेन महारथायीकी पुत्री नश्रीयाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जयन्तीलाला श्री चीमनलाला हरजिवनदास कापडीया नडीयाद ।

(मन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके प्वॉक्स प्रम्यत्ति के अर्थन के सिर्ध कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सक्त संपृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राज्यत में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध मा तस्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की नामीस से 30 विन की स्वधि, को भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से सिसी व्यक्ति द्वारा:
- (व) इस स्थना के राष्प्र वे अकावन की तारील से 45 दिन के शित्र करत स्थान्त सम्पत्ति में हितवस्थ किसी कृत्य कारित इंगास व्याहस्ताकारी में गास सिवित में किस जा सर्वेने ॥

स्पाक्षीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिमाणित है, वहीं वर्ष होगा, जो तस अध्याद में दिका पसा है !

मनुसूची

दस्तावेज जो सम्बन्धिन्द्रार नडीपाद में 830 नम्बर पर दिनांक 19-3-85 को रिजस्टर्ड विदा गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, प्रह्मदाद्याव

दिनांक : 6-12-1985

माहर 🖫

प्ररूप आहे. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां नयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-॥, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 3917--- श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

असमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित धाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिल्ला सं व दरीयापर नाजीपुर सी टी ं तालुका टी ं बी ं एल-4 एफ ं पी ं 49 है। तथा जो खब प्लोट सं ं 2-बी-3 जमीन क्षेत्रफल 1862 वर्ग यार्ड में स्थित है (प्रीरं ग्रीर इसके उपाबद अनुसनी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री ति ग्रिधिवारी के नार्यालय, श्रहमदाबाद में रिलस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक 30-4-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरित (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया भया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

श्रतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् ः— (1) श्री राजजीमाई चीनुभाई शाहीबाग, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) रानकपूर को० भ्रो० हा० सोक्षायटी लिमिटड ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होता हो, को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध / किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगे। जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रमुसुची

दरियापुर काजीपुर सीटी शालुका टी०पी० एस० सं० 8 एफ० पी० सं० 49 सब प्लोट सं० 2-बी-3 जभीत क्षेत्रफल 1862 वर्ग पार्क ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-॥, स्रहमदाबाद

दिनांक : 8-11-1985

म्बन् कार् ही पुर एस .----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्काङ्क

कार्यालय, महायक जायकर जायुक्त (शिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

श्रहमदानाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं०पी० भ्राप्त सं० 3918 -- श्राः मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारों वर्षे, यह जिक्कास करने का कारण हैं कि स्थायर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहत से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं विध्यापुर वार्जापुर सीटी तालुका टीं पो एस कर्ष 8 है। तथा जो एफ पीं तं 49 सब प्लोड सं 2-बी-2 जमीन क्षेत्रफत 1100 वर्ग बार्ड में स्थित हैं (ब्रार इससे उनाबद अनुसची में ब्रांट पूर्ण इन ने वर्णित हैं), रिस्ट्री-क्ली अधिरारी के वार्यालय, श्रहमदाबाद में रिकर्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीज, दिनांक 8-4-1985,

का प्रविक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के रूपमान लिए अन्तरित વતે गर्इ कारण है मुभने यह विश्वास करने का यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबुद्र रेग से उक्त जंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:--

- (क) अन्तरण के हुए किसी आद का बावड़, टक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- श्या) एकी किसी बाध मा किसी धन या अन्य जास्तियां का, जिन्हों भारतीय जाय-कर शिकीनयम, 1922 (1922 का ११) या उद्दर्ध लीधनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जस्ति श्वाण प्रकट नहीं किया गया बा वा किया बाना काक्षिय था, क्रियान में सुविधा के लिए;

मतः मन, उनत अधिनियम को याए 269-म की उन्हरण या, भी, उनत अधिनियम की भाष 269-म की अपधार (1) के अधीन, निम्नोलिखत व्यक्तियों, अधीतः :---- श्री रावजीभाई चीनुभाई णोले प्रोप्राइटर-नीयती ट्रेडिंग वास्पोरेशन शाहीबाग, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) रानकपुर को० भ्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्पिक्टियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (ध) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सर्कांगे।

स्पव्यक्तिरण: - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

दिर्यापुर-काजीपुर सीटी सासुका टी० पी० एस० सं० 8 एफ० पी० सं० 49 सब प्लोट सं० 2-बी-2 जमीन क्षेत्रफ़ल 1100 वर्ग मार्क ।

जी० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सह्ययक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, श्रहमदाबाद

दिनांक : 8-11-85

प्रकृष बार्ष हो हो । एष ु एष् ुसन्दरनननन

भावकर मीमनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के स्थीन क्षत्रा

धारत सरकार

कार्याप्तय, सहायक नायकार नायुक्त (विद्रांशाण)

फर्जन रेज-11, ग्रहमदाबाद

ब्रह्मताबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश संज पी० ग्राप्य संज 3919---- श्रातः मुझे, जी० के० पंडाया,

भावकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त किथिनियम' कहा गया है, की भाख 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृक्य 1,00,000/-क से अधिक है

ग्री एजिसकी सं० एच० पी० राजकोट रेया में सर्वे सं० 91 सौ राष्ट्र कला केन्द्र है तथा जो सोसायटी प्लोट सं० बी-103 जमीन क्षेत्रफल 300 वर्ग यार्ड--मनान में स्थित है (ग्री ए इससे उगबद्ध ग्रनसूची में ग्री ए पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 11-4-1985,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मून्ने यह विश्यास करने का कारण है कि सभापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उद्धे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह भृतिकत से क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह भृतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्वरकों) और अन्तरिती अन्तरितिकों) के भीज एसे अन्तरण के निष् तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ष्य अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण ते **शुद्ध किसी आव की आवत, उच्छ** वीभिनयम के **अभीन कर दोने के अन्तरक के** दायित्य में कमी करने या उससे वजने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) इंसी किसी नाम या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, विन्हुं भारतीय नाम-कर विभिन्नियम, 1922 ﴿१९22 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए भार कियाने में स्विधा के विद्य;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, जर्मात् क्रिस्स (1) श्री ,हेमन्तकुमार राघवजीभाई पटेस् क्षपोवन सोसायटी, पंचवटी मागं, राजकोट ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री सागरकुमार अशराजभाई जबीया
प्लोट संब्बी-103, गोरी सब 2,
सौराष्ट्र कला केन्द्र सोसायटी,
रैया राजकोट ।

(मन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्धन के सिष् कार्यवाहियां करता हु।

उबत संपरित के भवन के संबंध मां काहि भी काक्षंप :---

- (क) इस भूवना में राज्यक में प्रकाशन की हारीज से 45 दिन की अमिथिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दूर भूवना की तामील से 30 दिन की अवधि, वां भी अवधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोच्छ स्थितियों में से किसी स्वस्ति दुवाया;
- (व) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इतार वृशोहस्ताकारी के शाव विविद्य में किए वा व्यक्ति।

वर्ष्य

एच० पी० राजकोट में रैया सर्वे सं० 91 एस० पी० सं० बी-103 जमीन क्षेत्रफल 300 वर्ग यार्ड +मकान सौराष्ट्र कला केन्द्र सोसायटी रिजस्ट्रेशन सं० 1811/11-4-85 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज⊸I^I, श्रहमदाबाद

दिनोक : 18-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमभाबाद

धहमदाबाद, दिनांक 28 नवस्बर 1985

निर्देश सं० पी० ग्रा० सं० 3920--- ग्रतः मक्रे, जी० के० पंडयाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट सं० 1, स्त्रण लोग अगईमेंट है तथा जो राजकोट में स्थित है (श्रीर इस्ते उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रधितारी के त्रार्थालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 26-4-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) महाबीर कन्स्ट्रवसन कम्पनी भागीदार श्री गुनपंतराय रतीलाल और अन्य 2, रामकिणननगर, राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हितेन्द्र मनसुखलाल देशाई कुसुमबेन मनसुखलाल देशाई ब्लोक सं० 1 स्वय्नलेख श्रपारंमेट पलावड रोड, राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट स्थप्न लोक प्रपार्टमेंट में ब्लोक सं० 1 रिजिस्ट्रेशन सं० 3006/26-4-85 ।

जी० ने० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर स्त्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेजाा-, स्रहमदाबाद

दिनांक : 28-11-85

प्रकृष **भा<u>इ ै.</u>टी <u>.एन .</u>एस <u>.</u>. -----**

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (निर्देशिक)

श्चर्जन रेज-<u>ा,</u> अहमदाबाद

ब्रहमशाबाद, दिलांक 28 प्रवस्वर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3921 -- अतः मुझे, जी० के० क्रिया

कायकर लिपनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परकाल 'उक्त लिपनियम' कहा नया हैं), की भार 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का छारण है कि स्थातर सम्मति, जिसका उचित भाषार मूख्य 1,00,000/~ रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं जिसीन जुनागढ़ में श्रार एस नं 221/2, 223/1-2, 224 राई, हैं, तथा जो क्षेत्रफल 743.22 वर्ग मीटर 892 वर्ग राई, प्लाट नं 9 और 1.0 में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्रा प्रधाकारी के कार्यालय जूनागढ़ में रिजिस्ट्रीकरण श्रितिराम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूस्य से कन के स्थमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम असे का कारण है कि यभापवेक्ति सम्पत्ति का उषित बाजार जून्य उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए क्ष्य पाया गया बतिफल, निम्नीलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सस्विवक रूप से कियत नहीं किया प्रवा है के—

- प्रक) सन्तरम से सुद्ध किसी बाय की बायत, उक्त जिल्लीनयम के लभीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कभी करने वा उससे बचने में स्विका के सिए; बॉर∕या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी का है, अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आएए अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निभिन्नम, या अन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधेजनार्थ अन्यरिधी युनारा प्रकट नहीं किया नया आ किया जाता अहिए था, छिनाने में सुविधा के सिए;

अन्द्र: जब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-च के जनुसरण खें, में उक्त जीभीनयम की भारा 269-च की उपभारा (1). बे जभीन, निम्नीविचित व्यक्तियों, क्रमीब् म— श्री मोहन लाल जगजीवप फोटेचा, (एच० यू० एम०), श्रशोक नगर सोसायटी, जुनागढ़।

(अन्तरक)

2 श्री मूलबन्त राय जगजीवत बसानी, वेयरमैन, ऊषा फारन अवार्टमेन्ट, को-भ्रापरेटिव, हाउसिंग सोसडायटी, नागर रोड, जुलागढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संजंभ में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के शायपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में छे किसी स्थावत ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शह तिस्ति में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

जमीत जुनागढ़ में श्रार० एस० नं० 221/2, 223/1-2 224 याई प्लाट नं० 9 और 10 क्षेत्र फल 743.22 चर्ग मीटर, \sim 892 वर्श याई रजिस्ट्रेशन नं० 979/22-4-85 ।

ती० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , श्रहमदाबाद

怪術術: 28-11-1985

में दि:

प्ररूप आर्डं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I,श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनाक 28 नधम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3922---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारि को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

भीर जिसकी सं जमीन सर्वे नं 69/1, तीलोरी दिवार के नजदीक है, तथा जो क्षेत्र फल, 14569 वर्ग मीटर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण का ने चिंगत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फेशोद, में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौक 20-4-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के उद्ययमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे उत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाम् द्रमान शी देवजी नाथु और धन्य (खेती की वाडी में) महादेव नगर के पीछे, फेशोद, जिला जुनागढ़।

(भन्तरक)

2 श्री पटेल विद्यार्थी आश्रम फेगोड, नेयरमैन, श्री देवजी भाई मगपानभाई, फांबावाडी रोड, फेगोद, जिला जनागढ़।

(श्रन्तरिती)

- 3 (1) श्री पटवती वेन देवजी,
 - (2) श्री प्रकाण देवजी और मन्य (खेती की जमीन) महादेव नगर के पीछे, फेणोद ।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

जमीन सर्वे नं० 69/1 तीलं(री दीघार के नजदीक, क्षेत्रफल 14569 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन, नं० 609/20-4-85

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 28-11-1985

प्ररूप बाई .टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

प्रकृत रेज-11 ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 त्यम्बर, 1985

निदेश सं० पी० ग्राप्त नं० 3923 - ग्रंतः मुझे जी० के० इंड्या

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िंघसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा '269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का संभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन संपत्ति जिसका उच्चित काजार मुख्य

1,00,000/- रइ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ए रें० ए० जमीर जुनागढ़ में घार० एस० नं० 270, है, तथा जो क्षेत्रफल 8275.1 वर्ग मीटर 7934 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इसने उपावह अनुसूची में और जो पूर्ण रूप ने पांजत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रह्मिकरारी के कार्यावर जुनागढ़ में रिजस्ट्रीक ाग्रह्मिकराम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन दिनांक 20-4-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के िए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसं अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-का अधिनिशेष, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिशेष, या धनकर अधिनिशेष, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्लिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——
58—406 GI/85

श्री चद्रकान्त पान्टलाल लखानी के० पी० लखानी-एडपोकेट, श्रीमती सरयुवेन चद्रकान्त लखानी, पाच हाटडी चौक, जुनागढ़,।

(अन्तरक)

2 श्री प्रमीरभाई रानाभाई मार, नेयरमैन,-सुभाष नगर को-ओ० हा० सोसायटी लि० प्राम्प्रपाली स्कूल के पीछे, गांबीग्राम, जुनागढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

जमीन जुनागढ़ में ग्रार० एस० नं० 270 चैंकी 8275.51 वर्ग मीटर--9930 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेगन, नं० 954/ 20-4-1985

> जी० ते० पंडया सक्षप्रप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज-,[] अहमदाबाद

दिनांक: 28-11-1985

प्रकृष काह्नो, द्वा, द्वा, एस. वनगव्यनगण्यन

बायकार अधिनियम. 1961 (1951 का 43) की भारा 269-य (1) की अधीन सुमना

बारत सरकार

कार्याक्षक, सहायक लायकर लाबुकत (निरीक्सण)

प्रजन रेंज--2, प्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 29 व्यवस्वर, 1985

निदेश सं० यो० ब्राए० नं० 3924 - अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिवर्स इसर्वें इसर

और जिपकी सं 0,14-6 लाजकोट में जुडावारी जेरी नं 0,18/16 है नथा जो क्षेत्र फल 125 वर्ग लार्ड में विश्वत है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और जो पूर्ण रूप है विश्वत है) राजिएट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लाजकोट में लिएट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधील दिनांक 1-4-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित माजार मृत्य ते सम खे दक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितिशों) के गीम एके मन्तरिश के तिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के स्विध्य में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के किए; सौर/या
- (च) ऐसी किसी जाम गा किसी भन गा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय शायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर स्पितियम, या धनकर स्पितियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तिरिती धूनारा अकर नहीं दिला स्वा था या विका द्वारा स्पितिय का स्वा का स्व का स्वा का स्वा का स्व का स्वा का स्व का

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण चैं. मैंं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिक्तित व्यक्तियाँ, ज्याँद .—— .(1) धनजीभाई, के० पटेल, श्रीम पार्क, पंचायत नगर के पीछे, फलायड रोड, राजकोट ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती चेतनाबेन, श्रमृतलाल फिचाडिया, श्रीमती मीनाबेन, सुरेश कुमार, 20, फेबाडाजाडी, राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के न्या कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

बन्स्ची

एच० पी० राजकोट में गुंडाबाडी शेरी नं० 18/16, क्षेत्रफल, 125 वर्ग यार्ड, रिजस्ट्रेशन, नं० 2258/ दिनाक 1-4-1985 ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधितारी, सहायक द्रायकर द्रायुक्त निरीक्षण), सर्जन रेंज-2, महमदाबाद

तारीख: 29-11-1985

मोहर

प्ररूप आहुँ टी. एन. एस.-----

नाथकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं के नधीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनौंक 2 दिसम्बर 1985 निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 3925— श्रतः मुझे, जी० के० डया.

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए रहाउस नं० 77, श्यामलरो हाउस स्कीम नं० 3 है, तथा जो क्षेत्रफल 154 वर्ग यार्ड, श्रोहड मानेकबाग, रोल में, श्रोबवाडी, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु सूची में श्रीरजो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, 37ईई फाइल किया रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 28-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दूरयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरवमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंच्छ प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तिरित्वी) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पादा गया श्रीकृत्व निन्निविस उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में बारविका स्व से कथित महीं जिला गया है :--

- (क) अध्यारण से हुए किसी आय की बायत, उक्त अधि-निषय के अधीन कर देने के अंतरक के दाबित्व में कसी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए। और/वा
- (था) एंती किसी आव या किसी भन या अन्य आस्तियों को किन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 थ करी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थाजित्यों, अर्थात् :—— मैसर्स हंतमुख श्रार० शाह, एड कंपनी फर्स्ट फ्लोर, चीनुभाई सेन्टर, श्राश्रम रोड, श्रहमदावाद-9

(प्रन्तरह)

2. श्री मनुभाई जीवनलाल पटेल, केंगर ग्राफ: ग्रनुभाई टी० देशाई, बी-16, पूर्नेचर फ्लैट्स, गुलबाई टेकरा, श्रहमदाबाद-15

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप र्-

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, वो अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया ही।

ग्रन्सूची

रो हाउस नं 77 प्यामल रो हाउस स्कीम नं 3 में योगाश्रम सोसायटी के नजदीक स्रोल्ड मानेकबाग हाल, ग्राबाबाडी श्रहमचाबाद क्षेत्रफल 154 वर्ग यार्ड 37ईई दिनांक 28/3/85 को फाईल किया।

> ^{गु}जी० **के० पंडया** सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1_४ श्र**हमदाबाट**

दिनाँक: 2-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बायकर सिर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1, ग्रह्मदाब।द

ग्रहमदाबाद, दिलाँछ 29 नवस्त्रर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3926—श्रतः तुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फीच्स सर्वे नं० 42/1, टी०पी० एउ० 3 एफ० पी० नं० 819/पैकी, हिस्सा नं० 1, चेलानं० 15, 16 श्रीर 17, 15921 वर्ग यार्ड, पैकी 1/4 पोर जमी। श्रील्ड मकान, साथ 400 वर्ग यार्ड में स्थित हैं (श्रीर इससे उशाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रकर्ण श्रीधि हारी के कार्यालय, श्रहमदावाद में रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनौंक 4-4-1985

की पूर्विकत सम्पित की उपित बाजार मान्य से कम के स्वयमान शितफल के लिए कारित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं प्रशास विश्वास सम्पत्ति की उपित बाजार मूस्य, उसके दृष्ट्यमान जीतफल से ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रीतिश्वत से कांधक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण किसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिक्

अतः अभा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—-

1 त्ंत्रमुख बेत अयन्तो लाल आह, ब्हाइट हाउत, भोतभ नगर, एली तिव स, अत्मदाबाद ।

(प्रस्तरह)

2 विभुजित बिल्डर्स, 14, फस्ट फ्लोर, रबी चेम्बर्स, अहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूषनः आरी करको पृष्ठीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियाँ १८९७ हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का स 45 दिन को अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 हिन में भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनरूग, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक गया है:

श्रन्भूची

फोसरप्र अर्थे मं० 42/1, टो० ए० एए० 3, एफ०पी० मं० 819, पंकी दिस्ता संज्ञा, बैला संज्ञा 15, 16 और 17 जेलफल, 1594 वर्ग पार्ड, पैको 1/4 शेर लाग्न फल, 400 वर्ग वार्ड, जमीन मकान के साथ।

जी०के० **पंडया** ाक्षम[े] प्रतिधालरी सहायक **ब्रा**यक**र ब्रा**यकः (निरीक्षण) श्रर्जन रेल-१, **ब्रहमदाबाद**

दिनाँक : 29-11-1985

प्ररूप जाड्ड . टी . एम . एस . ------

कारकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर कायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंत रेंज-11 श्र**हमदावाद**

ग्रहमदाबाद, तिनाँक 28 नवस्वर, 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3927—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

फ्राँर जिल्की सं एफ पा नं 299, सर्वे नं 262 ए और 262 बी, टी पा ए एक पा नं 299, सर्वे नं 207 और 207 और 262 बी, टी पा ए एक 14 बालिंग, न्यु नं 207 और 207 और 207 207 207 207 207 सही वाग, स्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित्त है) रिजस्ट्रोक्त स्रिक्ष करों के जार्यालय स्रहमदाबाद में रिजस्ट्राकरण स्रिवियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिवीन दिनाँक 1-4-1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के खोचत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की ग**र्द है और मुफे यह विश्वास** किरने का कारण **ह**ै

कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमं स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य सं उक्त उन्तरण लिखित भें वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उंक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के जिए; और/या
- (प) एसा विकास कीय या किसी वन या अन्य आस्तिया की, जिन्हें अरतीय भायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

भन: भम, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण मो, औ, उपन अधिनियम की धारा 269-च की उपभार (1) क अक्षेत्र, त्रामिक्षित व्योवस्था, सभीण क्ष्य- श्री दिव्यभानु निहजी एत० वाडा, सज्जन विलास पैलेस, मानपा तानुका, विजापुर, जिला महेनाता (उ० प्र०),

(अन्तर्ह)

 भहान्द्र एन्ड,, महोन्द्र लिमिटेड, रिजस्टर्ड श्राफिस: गेट वे विल्डिंग, एपोले बंदर, वस्वदे ।

(प्रन्त्रांस्ती)

का यह सूचना जारी करके पुत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की शारी हैं के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति अवश्य;
- (स) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अप्य अभिन्न द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रमुक्त राज्यों और पदों का, जो जकत किंदिया, के अध्याप 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होशा को उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

एफ पी ् नं 299, उर्बे नं 252 ए और 262 बो, टी पी ् एउ 14, बिल्डिंग स्थितियल नं 207-ए/12, 207-ए/12, $|1\rangle$, 257/ए/12/१२ और 207/ए/12/2, वरीतेटस बंगला के सामने जय जीनेश्वर सौ के नजबीक शाही बाग, श्रहमदाबाद ।

जी० के० पंडया, सक्षम प्रक्रितारी, सहायक ग्राय १८ श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

दिनाँक: 28-11-1985

प्रकार बाह्य दी एत् प्रवास्त्र

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के कपीन सुचना

मारद ब्रुकार

कार्याभय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद-1, श्रहमदाबाद, दिनौंक 26 नवस्वर 1985

निदेश स० पी० श्रार० न० 3928—— अतः मझे, जी० के० ---

पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् जिला विधिनियम कहा नवा हैं), की भाषा 269-स के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मूला 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० 20, एफ० पी० 291, एस० पी० न० 2, पुण्यश्री एपार्टमेन्ट्स, यूनिट न० भ्रार० एच० 4, फर्स्ट सेन्ड एँड, ग्राउन्ड फ्लोर, 280 वर्ग यार्ड अहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 6-4-1985

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे उपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत अधिक है और संतरक (बन्तरकों) बार बन्तरिती (बन्तरित्यों) के भीच एसे बन्तरण के बिए द्य पाया गया प्रतिफला, निम्मिष्टित स्वार्थिक पं क्या बंधाय बिह्न में बाक्तिक का सं कांद्रत स्वार्थिक प्रवादका है है—

- (क) करारण ये हुए किसी बाव की सकता, उपक किम्दिनम के वर्षीय कहा दोने को कराइक को दावित्स वे कुकी कहाई वा कहाई वचने में श्विया के मिए। ब्रॉडि/वा
- (य) एसी किसी नाय या किसी धन या बन्य नास्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया समाधा या विकास जाना जातिहर था, कियाने में स्विचा के सिहरी

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री गैलिय बसीलाख,
 कुल मुख्तयार: श्री बसीलाल हीरालाल परीख,
 जल दर्णन सोसायटी,
 नटराज सिनेमा के सामने,
 श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

श्री योगेम कान्तीलाल देशाई,
 श्रार० एच० 4, पुण्य श्री अपार्टमेन्ट्स,
 डा० राधां कृष्णं मार्गं,
 प्रहमवाबाद 15 ।

(भ्रन्तरिती)

की वह भूषना जारी करके पूर्वोषत सम्मस्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

<u>ब्रह्मसु स्प्यत्ति, की अर्थन को संबंध में कोई</u> भी बाक्रोप हान्त्र

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों १२ सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीभ, जो भी अवधि नाम में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारील से 45 विष के श्रीहर उच्कत स्थावर संस्पत्ति में हित- क्षुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के राज्य विक्रित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रिक्रम : इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उचक अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है !

घनुसूची

टी०पी० एस० 20 एफ० पी० नं० 291, एस० पी० नं० 2 पुष्पश्री श्रपार्टमेन्ट्स, यूनिट नं० श्रार० एच० 4, फर्स्ट संकन्ड भौर शाउन्ड, पलोर, क्षेरफल 270 वर्ग यार्ड, डा० राधा कृष्ण मार्ग, श्रहमदाबाद-15 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

दिन क : 26-11-1985

प्ररूप वार्ड दी. एन . एव . ------

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यांत्रम्, सहायक भागकर वायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद
अहमराबाद, दिनाक 28 नवम्बर 1985
निर्देश सं० पी०,आर० न० 3929—अतः मुझें, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269 स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निर्मास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

श्रीर जिसकी सं० नूतमनगर, योजना नं० 2, ए प्लाट नं० 7, शीट नं० 8/सी० एस० नं० 6361 क्षेत्र फल 273.75 वर्ग मीटर श्रीर कॅस्ट्रक्शन एरिया 140 वर्ग मीटर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महुधा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ें, दिनांक 23-4-1985

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के काममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं। और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का अधित बाजार मून्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकास से अधिक हैं और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के जिए सब पाया पथा अतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य के उक्त अन्तरक विविध को बास्तिक रूप में कथिस नहीं किया पदा है हु—

- (क्की जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इ्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

करा: अब. उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. (1) श्री रामजी भाई, शामजी भाई मिस्त्री
 - (2) श्री जगदीशभाई शामजी भाई मिस्त्री
 - (3) श्री गिरधरभाई शामजी भाई मिस्त्री लाटी बाजार, महुवा, जिला भाव नगर (गुजरात)

(अन्तर्क)

 श्री खोजा हुसैन अली, रमजानअली साबुवाला, नुरा मावाफा, खांचा, भाई रोड, दरवाजा, महुआ, जिला भाव नगर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए का सकेंगे।

स्थानिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

श्र**न्धुची**

नूतमनगर, योजमा नं० 2, ए, प्लाट नं० 7, सकाम शीट नं० 81, सी० एस० नं० 6361, क्षेत्र फल 273.75 वर्ग मीटर जमीन का श्रोर 140 वर्ग मीटर कंस्ट्रक्शन एरिया का।

> जी० के० पंडया यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-1, अहमदाबाद

दिमांक: 28-11-1985

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1985

ि पि**र्दे**श सं० पी० आर० नं० 3930——এন: मुझे, जी० के० पं<mark>ड</mark>या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० राजपुर ही एपुर टी० पी० एस० नं० 4, एफ० पी० नं० 54-55, पैकी. एस० पी० नं० 23, जमीस, 300 वर्ग यार्ड, कंस्ट्रक्शन के साथ में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिरारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के के अधीन दिश्तं : 30-4-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धार, 59-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाब् :--

श्री कुनजाराम मोतीराम धारदा,
 महेश्वरी, पार्क,
 बटपा रोड,
 अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री पोपटलाल बेखतमल राठी, की श्रोर पे कुल मुख्तवार: श्रीमती सुशोला डा॰ प्रकाश की पत्नी, भाई जात नगर, अहयदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकर्यों।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजपुर होरपुर सीम टी०पी० एस० नं०ा४,एफ० पी० नं० 54-55 पैंकी, एस० पी० नं० 23, जमीन 200 वर्ग वार्ड कन्स्ट्रमणा एरिया के साथ है।

> ेती हैं शिवा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, अहमदाबाद

दिलांक : 29-11-1985

मोहर 🖫

प्रकथ आहें हु दी , एन हु एस हुननन्तर

बायकर बीधनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यासय, तष्टायक बायकर बायक्त (निरीक्क)

अर्जंग रेंज-1, अहमदाबाद

भद्रमदाबाद, दिनांक 29 नवस्वर, 1985 मिदेश सं० पी० आर०नं० 3931—अतः मुझे जी• के•

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अभिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-व के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उत्तित वाकार धुन्य** 1,00,000/- रह. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 265/3, पैकी 1/2, हिस्सा टी॰ पी॰ एस॰ 2, घाटलोडीया एफ॰ पी॰ नं॰ 88/2 + 88/4. +105/1,/बी+89/1, 2ए, 23 गुड़ां, 6232 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 15-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पश्यमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने ्का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मृत्य, बसको एरयभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यश्र पिरात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गदा शिवफल, निम्निसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिस्ति 🕏 शस्द्रविक रूप से कथिए नहीं किया गया है :---

- (क) **बन्दरम संहार**े किछी साथ अही वाषकः, उक्क अधिविष्यम के वाशीन कर बीने के अंन्कर्य के वायित्व में कमी करने या उन्हर्श अवने में सुविधा **थै डिस्ट**; श्रीद्र/वा
- (ए) एसं किसी अध का किसी धन वा अन्य वास्तियों करें, विद्वार आध्योक कामक क्रिक्ट पर १५५५ (1922 ET 11) ET THE PROPERTY. वन-नदं मी मी नवन , 1957 (१३४८ - ८८ ५२) स बयोजनार्भ बसारिती व्वरशः बकार कर्षे । वेकार संवा गण वा वा विकास कारण करीवार का विकास से क्षीबरा के सिए:

अतः जब, उनते अधिनियम की भारा 269-ग के. अनुसरक भी. भी, उक्त अधिनियम की भारा 269 च की उपभारा (1) क कभीयः निम्हानिकिता व्यक्तियाँ, **अथित**ः— 59 --- 406 G1/85

1. श्री चन्द्र शन्त छोटालाल पटेल, इच० यु० एफ० के कर्ता घौर मैनेजर, **घार कुलमु≇तवा**र सगीर पुत्र के पाटनोडिया, अद्भादाबाद।

- (अन्तरक)
- 2. श्री मनुभाई रामभाई पटेल चेयरमैत, जिलोक को-आप० हा० सोसायटी लि**मिटेड** षाटलोडिया, अहमदाबाद । केयरआफ पोपुलर विल्डर्स, **जी-8,** जल बिहार व्लाक, न्य रीजर्व बैंक बिल्डिंग के मजदीक, अहमदाबाद ।

(अन्तरिकी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनका सम्पतिः के वर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक् किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किये था सकति।

स्माधीक रः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्यान में दिवा गया है।

बन्स् धी

चमीन सर्वे नं० 265/3, पैकी 1/2, हिस्सा टी०पी० एस मं• 2, षाटलोडिया में एफ० पी० नं० 88/2+88/4+105/1 /बी + 89/1, क्षेंत फल 2 एकर, 23 गुडा, पैकी, 1/2 शेर-1 एकर, 1 ● 1/2 गुड़ा, == 6332 वर्ग यार्ट।

> जी० के० पंडवा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आस्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाध

दिसांक: 29-11-1985

मोद्दर:

भायकाड विधिनियम : 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वना

भारत चहुकाई

कार्यातम, संहायक नायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिमांक 26 मवम्बर, 1985

निदेश सं पी जार नं 3932 - अतः, मुझे, जी के वे पंडया,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त मिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शेखपुर-खानपुर टी० पी० एस० 3, एफ० पी०
1.69 एस० पी० नं० 16, क्षेत्रफल 302 वर्ग यार्ड, कन्स्ट्रम्थान से साथ, 16 सावरकुंज, सोसायटी, अहमदाबाद में स्थित है
(भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक 4-4-85 की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाध्य प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का जायित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए कम्तरित की गई है और वन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्वदेश से उचल बन्तरण सिवित में बास्तरिक रूप से किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त जिथानियम के अभीन कर दोने के अप्तरक को वायित्व में कभी करने या तससे अभिने में सुविधा में सिष्ट्र बॉड/बा
- (ण) एसी किसी जाब या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्स अधिनियम, दा भन-कर अधिनियम, दा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया भया वा या किया आना जाहिए था, कियाने में मृतिभा के विका

अवन अव, उच्च अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री रमनलाल मनाजाल परीख, विश्वाल एपार्टमेन्ट्स, महाराजा फ्लेंट के सामने और प्रतीमा सौंधायटी के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मैं० प्रेमीयर, चेम्बर्स इस ट्रेडिंग, एसोशिएएस, प्रमोटर, ए० वी० शाह, 16, साबरकुंज, सोसपटी हाईकोट के सामने, इन्कमटैक्स आफीसर स्टाफ क्यार्टर्स के सम्बद्धित, सबरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करंके पूर्वीक्श सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां अस्ता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🏣

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबीक्त व्यक्तिसमें में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना हो राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपरित मों हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा असोहस्ताक्षरी के पास निर्धित मों किस जा सकीन।

स्पाचीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त विधिनियस, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को जन्म अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शेखपुर-खानपुर टी०पी० एस० 3, एफ० सी०पी० 169, एस० पी० नं० 16, क्षेत्रकल, 302, वर्ग यार्ड, कंस्ट्रक्शन, एरिया के साथ, 16 सायरकुंज, सोसायटी में हाईकोर्ट, अहमदाबाद ।

जी० के० पंजया सक्षम प्राविकारी सहायक श्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 26-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रॉज-1, श्रह्मदाबाद

अहमदाबाद, दिलाक 29 वयम्बर 1985

निदेश सं ० की ० शार्० तं० 3933~--श्रतः, मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियस' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन उक्षण आिदकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं पाजपुर ही एपुर, सर्वे तं 413, एफ पी नं 36, टी पी एस -4, दिसा नं 36, पावता सोसायटी में बंगला, 400 पर्य घाडें जमीत, 133 वन्स्ट्रक्तिय, एरिया में स्थित है (और इसते उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण का से विविद्ध है) प्रजिल्ह्रीकर्ता अविकारी के कार्यालय अहमदावाद में प्रजिल्ह्रीकरण अविविद्ध, 1903 (1908 का 16) के अधीन दिनों 30-4-35

को पूर्वोक्त सम्पत्ति हो उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का करण ही कि अथानुबंक्ति सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भाररतीय जान-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 1.1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :-- अी बंसी लाल मोहन लाल णाह, 36, भावना सोसायटी, भूलाभाई पार्क, यनी नगर, श्रहमदाबाद।

(मन्तरक)

2 श्री सुरेश भाई बाबू भाई गर्मा 42, हंसमुख कालोनी, संघवी हाई स्कूल के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ु---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकैं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषया गया है।

अनुसूची

राजपुर, हीरपुर, सर्वे नं० 413, एफ० पी० नं० 36, टी०पी० एस० 4, हिस्सा नं० 36, भावना सोसायटी में बंगला, क्षेत्रफल, 400 वर्ग यार्ड जमीन और 133 वर्ग यार्ड कंस्ट्रकशन एरिया।

जी० के० पं**ड**या सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जैन रेंज-I, सहमदाबाद

दिनांक 29-11-1985 मोहर 🛭 प्रकृषः आइ.टी.एन.एस------

बायकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक कारकार आधुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज- , सह्मदाबाद धहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1985

निदेश सं० पी० मार० नं० 3934--मातः, मुझे, नी• क• नंबमा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मोर जिसकी सं शेखपुर-खानपुर, एफ पी नं 180, फ्लैट नं बी-2, एफ एफ क्षेत्रफल 70 वर्ग यार्ड, टी पी ॰ एस ॰ नं 19, अपिन शैड्स और पनैट्स, ओनर्स, एसोशिएमन, महमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 18) के स्थीन दिनांक 10-4-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्टित बाजार भूज्य से कम के दश्यमान् गर् हैं लिए मन्तिरत की प्रतिफल मभ्रे यह विश्वास करने জা कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही नार वंतरक (बंतरका) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंखस उन्दर्भय से उक्त अन्तर्ण सिचित में नास्त्रीयक सम हो कर्रीथर नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन था अन्य बारिस्तमों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना बाहिए था, कियाचे में बुविधा के शिए;

अबः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग को अनुसरण बं, बं, जक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अभीस् :--- शाह उमेशकुमार कान्तीलाज
 27, सुजान कालोनी,
 स्टेडियम शैंड, नवरंगपुरा,
 महमदाबाद।

(ग्रम्बरक)

2 श्री कौशिक एत० साइ, भागीदार: अमरलाला इसँक्ट्रानिक, शामलेला चेम्बर्स, टेलीफोन, एक्सचेंज के नजदीक, नवरंगपूरा, अहमदाबाद।

(भन्धरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्ध के अर्थन के जिस् कर्यवाहियां करता हो।

जन्द संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उच्च विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अम्स्ची

सेखपुर-सानपुर एफ० पी० नं 180, क्लैट नं नी-2, करंटे क्लोर, क्लेट नं 70 वर्ग यार्ड, टी॰ पी॰ एस० नं 19, महिस शैंड्स एंड क्लैट्स, ओनर्स एसोणिएशन।

जी० के० पंद्रया सक्षम श्राधिकारी सहाजन भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-I, भनुमदानाव

दिनांन : 29-11-1935

प्रस्प नाहाँ हो । एन , प्राप्त-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म के नधीन सुनना

धारत सरकार

कार्यालक, तहायक जायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, महमदानाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3935—-अतः, मुझे, मी० के० पंड्रपा

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अभिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान श्रीतफल के लिए कन्तरित की गई है और मूझे यह बिरवास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंथ्रह प्रतिक्षत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिक्ति सब्बेच्य से उक्त अन्तरण सिवित में बारसिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जायः की बाबतः, उक्त मियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व के कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय था किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा वे बिएन

बतः सक्ता उक्त विधानियमं की भारा 269-मं के समुंतरण की, भी, उक्त विधानियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) की सभाना, निम्निकिटिक्क स्थानिकस्थितः स्थादि क्ष्म श्री फमीलाबेन, डासामाई रनछोड्दास.
 निवेक अपार्टमेन्ट,
 पायल के नजदीक, अंजली टेलीफीन के नजदीक,
 बवाहर नगर, अहमदाबाद ।

(घन्यस्यः)

अमन्त बेन, धर्माजी मालाजी, 1700/1, शेहीलाबाड, पापागंठ, चीक रायखड, घहमदाबाद।

(अंडरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्ववाहिणं करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कीए भी नाक्षेप उ---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध जाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन के भीएर उक्त स्थावर सम्पर्धित में हितबस्थ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी की पास सिसिस में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, बो उसत अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्यो

विलिंडन खाडीया, वोर्ड-2, में सी० एस० नं० 2646, क्षेत्रफल, 76,08-78 वर्ग मीटर नी० एफ० और एफ० एफ०।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी मुहागक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, शहसदाबाद

विनोक: 29-11-1905

प्रकृष बार्या की हुन्_य ए**य**्धनन्त्रनात्रन

कामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के मुपीन कुपना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायुक्य (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, **धहमदाबाद**

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर, 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3936→-श्रत, मुझे. जी० के० पंड्या,

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 262-ख के अधीर सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थानर सम्मन्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव भफरवा सीम सर्वे नंव 822-2, खेती की जमीन 4 एकड़, 6 गुंठा, 20086 वर्ग यार्ड हैं, जो अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसुची में और जो पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजर्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिवाक 1-4-1985

का पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूम्में यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का उन्हरू प्रतिकात स अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और जंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीतिसत उद्वर्षय से उक्त जंतरण सिविद से बास्तिस रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) क्लाइल वे हुई हिन्दी बाव की बाबता, उक्त भाषित्यम के क्षीन कड़ दोने के बन्दारक के बादिएल में कमी कड़ने या बच्चे क्षाये के सुविधा के बिए; ब्रोडिंगी
- (च) एसी किसी नाथ ना किसी भन या नत्य धास्तियों, को, जिन्ही भारतीय नायकार निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत निभिनयम, या भनकर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियाने में सुनिभा के निह्मा;

कतः वदः, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री बाब भाई चतुरमाई पटेल, 'पटेल वास' चालडी, फोचरब, श्रहमदाबाद ।

(मन्दरक)

2 श्री महेन्द्र भाई मनीभाई, स्थामीनारायन, भंडार गंभी, चालंडी, फोचरब, धंडमवाबाद।

(भन्तरिती)

का यह सूचना कारा करक प्राक्त संपत्ति के सर्वत के जिए कार्यचाहियां करता हूं।

बक्त सम्परित के बर्गन के सम्बन्ध में कोई भी जानोप 🐒

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर्ष सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, वां भी वर्षी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ण) इस स्थना के राजपण में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिट्यब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिशित में किए या सकरेंगे।

स्वक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त थव्यों मीह पथीं का, को उक्छ विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हीं न वहीं वर्ष होगा, को उस वध्याय में दिया वस हैं।

धनुसूची

मफरवा सीम सर्वे नं ० 822-2, खेती की जमीन, क्षेत्रफल 4 एकड़, 6 गुंठा, 20086 वर्ग पार्ड।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, प्रहमदाबाद

विनोक: 29-11-1985

मोहर ं

प्रस्प नार्षं ती एत एस राज्याना समाना भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बंधीन स्थाना

PIST STREET

कार्यालयः, सहायक बायकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, धहमदाबाद

अहमदाबाद, दिलांक 29 गदम्बर 1985

मिदेश सं० पी० आए० नं० 3937---अतः, मुझें, जी० के० पंड्या,

नायकर निर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के सभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दो हाउस नं० 32, ध्यामल नं० 3 में, योगाश्रम सोतायटी के मजदीक, मानेकबाग, अम्बरबाडी, अहमदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबत अनुसूची में भ्रोर जो पूर्ण रूप से विणा है), रजिल्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिल्ट्रीकरण अधिभयम, 1908 (1908 का 16) के अधीभ दिगंक 13-2-1985

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित जाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वायार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कस निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्व-विश्व क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मैसर्स हंसमुख गाह, एंड कंपनी, फ्स्ट फ्लोर, चीनुभाई सेन्टर, आधम रोड, अहमदाबाद-380009।

(अन्तरक)

2. श्री चारल आर॰ देशाई (सगीर), पी-14, मिशन से॰ अ॰ बान्उसर हाउस, फोर्य फ्लोर, कलकत्ता-700001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं॥

सकत संपरित के अर्थन के सम्बन्ध भी कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

र्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ हारेगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

दो हाउस नं० 32, श्यामल नं० 3 में योगाश्रम, सोसायटी के मंजदीक, मानेकवाग आंवरवाडी, अहमदाबाद।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी **सहायक भ्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) **भ**र्जन रेंज-^I, अ**ह**मदाबाद

दिनांक: 29-11-1985

मोहर 🖫

प्रकृत साह^र दी: एवं. एसं

मामकर भिगतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमता

माउद संस्काल

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिसांक 29 नवम्बर 1985

निदेश सं० पी.० आर.० नं० 3938---अतः, मुझे, जी० के० पंडया,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,90,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दो हाउस नं० 30, श्यामल नं० 3 में योगाश्रम सोसायटी के भजदीक मानेकबाग, आंबाबाडी, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37ईई फाईल किया रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-2-1985

को प्रशेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और बंतरफ (अंतरकों) और बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेश्य से उच्यत अन्तरण किसित के बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है —

- (क्ष) कराइन दे हुइ किसी गाम की बावत, बास्त बीध-रियम भी बधीन कर दोने के बनाउक की दादित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीद/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भण या अन्य नास्तियाँ को जिन्हों भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितो द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, खियाने के हिष्या के सिंग्

बत:, बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ के बनुसर्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को सधीन, निम्नमिविस स्थितियों, वर्धात् क्र--- मैसर्स हंसमुख शाह एंड कंपनी फर्स्ट फ्लोर, चीनुभाई सेन्टर, आश्रम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 मैसर्स ललीत चन्द्र मनीलास देशाई, (एच० ४० एफ०)
 5/1, फलीव रो, कलकत्ता-700001 !

(अस्तरिती)

का बहु सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षक के तिक् कार्यवाहियां पुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मुचना की ग्रावपण में प्रकावन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जब्धि, को भी वृद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तिक व्यक्तियों में से क्रिसी व्यक्ति इंबाह्य;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा व्योहस्ताक्षरी के पात निवित में किए का सकींगे।

स्वक्यीकरुण हम्मा प्रयुक्त शब्दों बाँड पदों का, वो अवस्य व्यथिनियम, के सभ्याय 20-क में पहिसायित ह्या बही सर्व होया वो उस सभ्याय में दिया नवा हैं।

जनसूची

रोड हाउस नं 30 श्यामल नं 3 में योगाश्रम सोसायटी के नजदीक, मानेकवाग, शम्बावाडी, अहमदाबाद ॥

> नी० के० पंड्या स्थाम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

विनास 29-11-1985 मोहर: प्ररूप आइ^६.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिभांक 29 भवस्बर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3939—अतः, मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्लाकी सं० रोड हाउस नं० 31 श्यामल नं० 3 में योगाश्रम सोसायटी के नजदीक मानेक्बाग आंबाबाडी, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 37ईई. (फाईल किया) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम दिलांक 13-2-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिथों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, नेनन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

 मैं उर्स हंसमुख शाह एन्ड कंपनी फर्स्ट फ्लोर, चीनुभाई सेन्टर, अश्रम रोड, अहमदाबाद-380009 ।

(अन्तर्क)

 कुमारी यावुल आर० देशाई (संगीर), पी-14, मिशास रो, रेट, बीन्डसर हाउस, फोर्थ क्लोर, कलकत्ता-700001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

दो हाउस नं० 31, श्यामल नं० 3 में योगाश्रम सोक्षायटी के नजदीर माने त्रवाग ,श्यावादां ही, अहमदाबाद ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-, अहमदाबाद

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 29-11-1**985**

प्रकृष बार्च , टी. एन , एस . -----

बायकार बीभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यक्रव, सङ्गवक वावकार वाय्क्त (निरामण) अर्जेम रेंज-2, मई दिल्ली

नई दिल्ली, विमांक 28 मयम्बर 1985

मिर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यु/2/एस-आर-/4-85/ 1---दतः मुझे, के० वासुदेवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिले इसमें स्वकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की बाद 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारज है कि स्थावर तस्पत्ति, विसका उपित बाबार मूख 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जितकी 5-हाउस-नं० 5-सी-51, है लथा जो रोहतक रोड दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजिट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिमियम 1908 का (1908 का 16) के ग्रधीम दिमांक अप्रेल 85 को पूर्वाक्त संपत्ति के अधित बाबार मृज्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बभाप्बोंक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्व, उसके देश्यमान प्रतिफल ते एके स्थमान प्रतिफल का पन्तह शितकत से अधिक है और यह कि बंदरक (बंतरकाँ) और बंदरिती रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्विदेश से उक्त अन्तरण किवित में वास्तविक रूप से कार्यन नहीं किया गया है कुन्तरण भिवित

- (क) अन्तरक से हुई किथी जान की बाबवा, उन्तर अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने वा अवसे बचने जो सुविधा के किए: बारि/वा
- (व) एसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य बारिसवाँ कों, जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किय। बाना चाहिए था क्रियाने में सुविधा के लिए;

बत्र क्य, उस्त व्यथिनियम की भारा 269-ण के बनुसरण में, में, उस्त विभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) है सभीत, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री विरेन्द्र कुमार, निवासी--5-सी--51, रोह्तक रोड, दिल्ली, (अन्तरक)
- (2) श्री यश पाल गुप्ता, निवासी-सी-2/68, अशोक विहार-2, दिल्ली, (अन्सरिती)

को यह क्ष्मना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्पन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्तं सम्मरित के वर्षन के सम्बन्धामें कोई भी सम्बन्ध :---

- (क) इस स्वार के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की नविच या तत्सन्तरथी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामीन से 30 दिन की नविच, वो भी
 अविच बाद में बनाया हुईती हो, के भीतर पूर्वीकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित्बेष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किस्ति में किए वा सकेंगे।

स्थलकिरण: इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया। नवा हाँ।

बम्सूची

हाउस-नं ०-5-सी/51, रोहतक रोष, दिल्ली ।

के० वासुदे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेज़-2, विल्ली, भई दिल्ली-110002

विशोक 28-11-1985 मोहर: त्रक्य बार्_स टी. एत्. एस.-----

भागकर विधितिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मभीन सूचना

धारत ब्रुकार

कार्यास्त्र, सहायक मत्यकर नास्क्त (निरीक्त्र) अर्जन रेंज-2, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 28 भवम्बर 1985

जिर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यु/2/एस-आए-1/4-85/ 2---यत: मुझे, के० वास्टेबन,

भावकर मिथीनवम, 1961 (1961 मा 43) (जिसे इंडर्ज इंडर्ज पश्चात उनत मिथिनियम कहा गवा ही की भारा 269-च में मधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाबार नम्म 1,00,00,0 रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 62, ब्लाक ६० है, तथा जो मानसरोवर गार्डभ एरीया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावस अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री क्रित अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिशांक अप्रेल 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (भा) बन्त्रक ते हुई किती पाय की बायक, अकत स्थितियम् के प्रभीत क्षेत्र को के बन्त्रक के वास्ति में कती करते वा उसके प्रजे में वृषिधा के किए; मोड/शा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन गा बन्ध आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अभिनियम, या अभ-का अभिनिज्य, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया क्या वा वा किसा नाना पाहिए था, जिन्नों से सुविवा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क वर्षीय, जिम्बिसिस व्यक्तिकों, अर्थात् :---

- (1) श्री पृथीपाल सिंह पुत्र स्व० श्री ठाकर सिंह, (अन्तरक) निवासी-एफ-147, मानसरोवर गार्डम भई दिल्ली.
- (2) श्री विलोनम सिंह पुत्र श्री छत्तर सिंह, निवासी-ई-57, मामसरोवर गार्डम सई दिल्ली, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कुम्म करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूकी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

प्लाट नं० 62 ब्लाक 'इं' तादादी—300ई, वर्ग गज, मानसरोवर गार्बन एरीया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली स्टेंट, दिल्ली,

> के वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दल्ली-110002

दिमांक: 28-11-1985

प्ररूप भार् टी.एन.एस. -----

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर बायकर (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए सी०-एक्यू/2/एस-श्रार-1/-4/ 85/3—पतः मुझे, के० वासुदेवन,

नायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधितियम' कहा गया है), की भाष 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव प्लाट नंव 15, है तथा जो असु मल कालोनी चमोलियन रोड, दिल्ली, में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908, (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक धर्मेल 1985

को पृतांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्वायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप बॉक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरक के सिए तब पात्रा यवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित्त में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-वाधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे वचने में बुविधा के किए; वार/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी थन या बन्य वास्तियों का, जिन्हां भारतीय बाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वर निरुप्त।

अशः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिक्ति व्यक्तियों, अभीत् ः—

(1) सरदार श्री मुदर्शन लाल सहारन निवासी— ए-65, वजिरपूर, इन्डस्ट्रोयल एरीया दिल्ली, और श्री गुरदेव साहरन निवासी—डेसु कालोनी, शालीमार बाग दिल्ली, श्री सोमदत सहारा निवासी—चमेलियन रोड, दिल्ली, हरीश चन्द्र सहारन सभी पुत श्री शिव राम, ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मै० के० के० एसोसीयेट, 7226, कुतूब रोड, दिल्ली, द्वारा श्री सुरेश कुमार छाबड़ा एक पार्टनर पुत्र गुरूनदितिया मल, निवासी ए-डी-2डी, शालीमार बाग, दिल्ली,

(भ्रन्तरिती)

का वह स्वमा वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, आप भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवादा;
- (क) इक सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी भून्य स्थावत वृवार्ग अभोहस्ताक्षरी के पाव निकित में किस जा सकरेंगे।

प्रनुसूची

प्लाट नं0-15, तादादी-237-1/2, वर्ग गज, झबु मल कालोनी, चमेलियन रोड, दिल्ली ।

> के० वासुदेवन सदाम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-¹¹, दिल्ली, नई मदल्ली 110002

तारीखा: 28-11-1985

प्रथम बार्स : हो , एस , एस , -------

बायकर कीपनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के बचीन सुबना

मारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु/2/एस-भ्रार-1/4-85/4---पतः मुझे, के० वासूदेवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूक्ष्म 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० हाउस नं० के-35 है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रप्रैल-85,

को प्रभीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) ज्ञारण सं हुइ किसी आय वही वावतः, जवव अधिनियम के अधीन कर योगे में सन्तर्क के बायित्व में कमी करने मा उत्तवे स्वाने में सुविका से बिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को बिन्ही भारतीय वाय-कार वाधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था सिदाने में अधिनम् विस्तु

आत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग को उपधारा (1)** की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिरयों, अर्थात् :---

- (1) श्री किशोरी लाल वर्मा पुत श्री स्व० श्री येली राम निवासी-के-35, ऋती, नगर नई दिल्ली, (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पाल एण्ड सन्स (एच० यू० एफ० व्वारा कर्ता (2) कमलेश गुलाटी पत्नी सी० पी० गुलाटी पुत्र सी० के० श्रार० गुलाटी, निवासी-5-एच-16, श्रिती नगर, नई दिल्ली,

की वेह सूचना कारो करक पृत्राकत गुपाल के सजन का क्लिश् कार्यजाहियां करता हुं।

बन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मां कोष भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों स्थितियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थितस द्वादा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक इं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांस मिकित में किए का सकोंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्स्पी

हाउस नं०-के-35, त्रिसी नगर, नई दिल्ली, तादादी-220 वर्ग गज.

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , दिल्ली, नर्ष दिल्ली

दिनांक: 28-11-85

प्रकथ मार्च. टी. एव. एव.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक बावकर बायुक्त (निरक्षिक)

म्रर्जन रेंज 2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1985

सं आई० ए० सी० एक्यू/2/एस-आर-1/4-85/5:---धत: मृझे, के० वासुदेवन,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ह"), की जारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार स्म्य 1,00,000/- रा. से अभिक ह"

और जिसकी संख्या प्रो० नं० 40, ब्लाक 'एफ०, है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधियनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतृक्षत के लिए अन्द्रित की गई है और मुझे यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के चन्त्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय बाबा गया प्रतिकृत्व कम निम्नितिस्त उत्वोच्य से उच्छ अन्तर्ण निस्ति में वास्तिक्ष इन्य से क्षिण मही किया बुवा है हिन्स

- (क) वंतरण सं हुई किसी नाम की नामत्, उनत शिंधिनयम क बभीन घर बोने के नस्तरक के दासित्य में आभी कारने ना उन्हों वचने में बृद्धिश के विष्
 ं वारि/ना
- (च) येती किसी बाज या किसी धण वा जुम्म जारितानी को जिन्हों भाउतीय बायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनक वृधिनियम, वा धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ जन्मद्विती ब्वाडा जुक्द नहीं किया ग्वा वा विवा जाना वाहिए जा, कियाने में सुविवा के लिए;

बत: नव, उक्त निभिन्यम की भारा 269-न के ननुसरण जो, मृँ, उक्त जिभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (१) के बभीन, निम्मसिखित व्यक्तियाँ, नभाँत स्ट- 1 श्री सुन्दर दास सचदेवा पुत्र स्व० श्री हरिकशन दास सचदेवा, निवासी एफ०-40, किर्ती नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती रन्जाना मालिक पत्नी श्री घातन्य स्वरूप मालिक, निषासी बीं--31, मोती नगर, नई चिल्ली।

(मन्तरिती)

का वह सूचमा बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्धन के विद् कार्यपातिकों करता हूं।

उक्त समिति के वर्षन के समाम् में कोई भी बाक्रेय:--

- (क) इस तुचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 जिन की संबंधि वा तत्संगंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 जिन की अपरित्त, को बी जनधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर वृत्यांच्या व्यक्तियों में से निस्ती क्विता हुनारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- फिली सम्य क्वमित इवारा स्थोइस्ताकारी के शक्त सिक्ति में किए वा स्थोंन।

स्वक्योक्स्न:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पत्ती का, जो उनत अधिनियम, के स्थाय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस प्रश्याय में दिशा गया है [1]

मन्सूची

प्रौ० बेरिंग नं 40, ब्लाक 'एफ०' तादादी 396.2/3, वर्ग गज, किसी नगर, नई दिल्ली।

के० थासुदेवन सक्षम प्रधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 दिल्ली

तारीख: 28-11-1985

मोहर 🕄

वस्य वार्षं.सी.स्म.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के ब्योद स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवस्वर, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस ग्रार-5·1/85-7:--श्रत: मुझे, के० वासुदेवन'

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं 20, है तथा जो बाली नगर, एरिया नगर, ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रप्रैल, 1985।

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्वामें कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के बभीन, निस्त्रसिखित श्विक्तिओं स्वर्शित् में— श्री म्रार० पी० शर्मा पुत्र पंडित राम चन्द, निवासी-36,श्री नगर, दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2 श्री सुशील कुमार चौहान पुत श्री चन्दा सिंह, निघासी--86, ग्राम ढाका, किंगस्वे कैम्प, दिल्छी!

(मन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यगाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाद्योकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

ण्लाट नं० 20, ब्लाक 'एच' तादादी 150 वर्ग गज, बाली नगर, एरिया ग्राम दसई तारापुर, दिल्ली।

> के० वासुदेवन, सक्षम भ्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2 दिल्ली

तारीख: 28-11-1985

प्रस्य बाह् दी. एन . एस .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जुधीन सूचना

भारत तरकार

कायालय, सहायक जायकर जायकत (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस आर-1/4-85/10,—अत मुझे, के० वासुदेवन,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या बिल्डिंग नं० टी०-945, है तथा जो बाग राओजी आर्य नगर, मानकपुरा, नई दिल्ली में स्थित स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया स्था प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बार्यक्रिक क्रय में कथित नहीं किया एका वै

- िष्ठ) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के क्यीन कर दर्ज के जेतरक के दाबित्य में कमी करने या उसमें न्यमें में सुविधा के निए; बौर∕या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया उत्ता चाहिए था, छियाने हों स्विभा के सिए;

बत: वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

सरवन कान्ता कपूर
पत्नी जगदीश कुमार कपूर,
निवासी 6 ए/24, डब्ल्यू० ई० ए,
करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री इन्दरलाल मेहता अलाईज इन्दर लाल मेहता पुत्र गुरदित्ता मल मेहता,
 निवासी भोला निवास गली नं० 8, रैगरपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्दोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गढ़ा है।

वन्स्यी

डबल स्टोरी बिल्डिंग नं० टी 945, बाग राम्रोजी, आर्या नगर, मानकपुरा, नई दिल्ली, तादादी 89 वर्ग गज।

> के. वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहाय रु आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख: 28-11-1985

प्ररूप बार्ब . टी. एन . एस . -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1985

स० आई० ए० ती०/एक्यू/2/एस आर-1/4-85/11,— अतः मुझे के० वासुदेवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या कोटि नं० 30 रोड नं० 73, है तथा जो पंजाबी बाग, भई दिल्ली में प्रियत है (स्रौर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की भई है और मुभ्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उतित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी वार्य की यावत, उक्त बिषितयम के जभीन कर वोते के अन्तरक के दायित्य में कमी करने मा उत्तरों व्यन में द्विशा के सिए; अरि/बा
- (भ) एसी किसी जाय या किसी वन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिन्हें भारतीय जाय-कर जिन्हें मारतीय जाय-कर जिन्हें मारतीय जाय-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अधीन करा श्री नन्द सिंह, जसविन्दर सिंह कुमार ग्रौर गुरबिर सिंह कुमार, निवासी 30/73, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन गुलाटी, नन्द गुलाटी, शशि श्रीर आशा गुलाटी, निवासी जे०-3/135, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशण की तारीस सं 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सन्भि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णों कर व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिदबब्ध जिसी कृत्य व्यक्ति ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास विश्वत में किए जा सकरेंगे।

स्पत्त्वीकरणः—इसमें प्रयुक्त बब्दों और वहाँ का, को उचक अभिनियम दे बध्याय 20-क में वीरभाविष्ठ है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

अन्स्यी

कोशी नं० 30, रोड नं० 73, पंजाबी बाग, नई दिल्ली,

के० वासुदेवन सक्षम अधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख: 28-11-1985

प्ररूप बाइ टी.एन.एस. ------- 1. सरदार सरदार सिंह

नायकर अधिनियम, 1961। (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्धना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस आर-1/4-85/ 12,--अत, मुझे. के० वासुदेवन,

बायक है जिस्तियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्में इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या हाउदा नं 9, ब्लाव 'जी' है तथा जो बाली नगर, ग्राम बन्नई दारापुर, दिल्ली स्टेंट, दिल्ली में स्थित है (भौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण कप से बींगत है), रिजस्ट्री उत्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अप्रैल, 1985।

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम के व्यवनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह धिरवास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार ब्ल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइं किसी नाय की वावसः, उनसः जिल्हा किसीन कर दोने के संतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, अरि/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, कियाने जें स्विभा के जिए;

क्त: अध्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधन्स (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधींत्ं--- सरदार सरदार सिंह पुत्र हरनाम सिंह ; निवासी जी/9, बाली अगर, नई दिल्ली।

(अन्दरक)

श्री सुन्दर दास सचदेवा
पुत्र हर किशन लाल सचदेवा,
(2) श्रीमती कमला सचदेवा
पत्नी श्री सुन्दर दास सचदेवा
निवासी एफ-40, कीर्ती नगर.
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का वह सूचना चारी कारके पूर्वनित सम्पत्ति के बचन के सिक् कार्यमाहियां कारता हुं।

उनक् बन्मील के न्यान के बंबंध में कोई भी आक्षेप् हिल्ल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिंध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किंगी कन्म स्पवित इवारा, अभोहस्ताकरी के पाइ जिला में कियों जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पतों का, भां उक्र वर्डिशिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा पता है।

वनसूची

बना हुआ घर नं० 9, ब्लाङ 'र्जा' तादादी 233 वर्ग गज, बाली नगर, एरिया ग्राम बसई, दारापुर, दिल्ली, स्टेट, दिल्ली।

> के० वासुदेवन, सक्षम अधिकारी सहायक आवक्तर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेज-2, दिल्ली

तारीख: 28-11-1985

मोहरः

To differ the control of the companion of the control of the contr

प्रकार कार्युः दीः एतः एकः नननननमनन

नायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचला

मर्ग्य सरकारिक

काशसिय, नहायक जावकर नायुक्त (निर्दाक्षण).

अर्जन रेंज 2 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस आर-1/4-85/13,--अत मुझे, बे० बासुदेवन,

शायकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन संभाग प्राधिकारी को, यह िक्सास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपिष्ठ नाधार मृत्य 1,00,000/- रा. ते अधिक हैं

भार जिसकी संख्या फ्लैंट नंव जी-3, वि नंव 4378/4 वी है तथा जो मुरारीलाल गली, अन्धारी रोड, दिखा गंव, नई दिल्ली में स्थित है (और इस्ते अवक्रितारी के प्रयोगित में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री उसी अधिकारी के प्रयोगित, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्री एरण अधिकियम, 1983 (1988 था 16) के अधीन, हारील अर्थल, 1985 ।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, एसे दश्यमान प्रतिफल का मुल्य, प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ माया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई फिसी आय की बायत, उक्त अभिनित्रम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या भन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 वर्ष 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती सुवारा प्रथम नहीं किया याना साहिए था, डिम्पाने जे सुनिया के लिए;

अतः भवा, धाक्त निभिनियम की भारा 269-म के निमुप्तरक भी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) भी निभिन्न निभन्निया स्थानियम, निभन्निया

- श्रीनती एत्य शाखी देवी पत्नी श्री एग० गी० यंत्रत
 - (३) अमित जुनार बस्तव भोर
 - (७) ाणिश कुमाण बन्धल पुत श्री एन० सी० बंदाल, गिवासी 7/28, अंसारी रोड, दरिया गंज, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती भोहिनी गांधी पत्नी श्री राजेन्द्र गांधी, निवासी (88, इशाइन्द्र नगर, गानियाबादा (उत्तर प्रदेल)।

(अन्तरिती)

र्थे पहुँ सूत्रक करा, का के पूर्वकार सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवर्गिका के राज्य

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस कुमना के सरूपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जन्मि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्वाप्त को तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अनिध शहर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिसों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस भवना की राजपन मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीड़ाए उद्यन स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध थिली जन्म व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताकरी के पास निस्तान मो किए जा सकीये :

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त श्रीधीनयम, खें अध्यात 20 क में परिशाबित है, वही अर्थ होगा, जो उस वश्याय में विधा गुमा है।

अनुसुची

पलैट नं० जी-3, प्राउण्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 4378/4 बी, पार्ट ~;, ४, मुधारी लाल गली, प्रंकारी रोड, दरिया गंज, मई दिल्ली, तधादी 363 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 दिल्ली

नारीख: 28~:1-1985

प्ररूप वार्षं .टी. एन .एस .------ 1. श्री णकिल ग्रहमद

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ (1) के नधीन सुमना

भारत सरकार

शार्यालय, सहायक बायकर बावक्य (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज 2 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्य्/2/एस आर-1/4-85/ 14,--अत: मुझे, के० वासुदेवन,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धार 269-अ के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्रो॰ नं॰ 1597, 1646,से 1652, है तथा जो बाजार लाल कुमा, वार्ड नं॰ 6, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिल्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख म्रप्रैल, 1985।

को पूजोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि संभापनेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उक्के दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंडरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल का जिल्ली जिल्ली उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिहक हम से को को पर के लिए नम्मान के स्वारतिक का कार्यों के की स्वारतिक का कार्यों का स्वारतिक स्वारतिक का स्वारतिक स्वारतिक

- [क] अन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, जबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उत्तरों बखने में खुनिया को लिए; बार्/या
- (क) इन्सी किसी भाष या किसी धन वा बन्ध नास्त्रियों की, जिन्हों भारतीय नायकर स्थितियम, 1922 (1922 का 11) या संबंद अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गण धा या किया आना वाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुकरण मी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- श्री गक्तिल ग्रहमद
 पुत्न श्री गहयद ग्रहमद,
 निवासी 1121, मोहल्ला, किशन गंज.
 तेलीवाड़ा, दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

 श्री मजुद श्रहमद पुत्र श्री खलील श्रहमद, निवासी 846, कटरा हिन्दु फराश खान, दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

का शह सूचना जारी करके पृथींबत सम्पृत्ति के वर्जन के निष्

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ⊱

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गढ़ में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ट स्वक्तिसकों में से किसी व्यक्तिय दूराग,
- [क] इस सुन्त के राज्यन में तकावन की तारीक के 45 दिन के शीलर क्कल स्वान्त सम्माति में हितनक्ष किसी नम्ब न्यानित हवारा न्याहस्ताकड़ी में वास सिक्ति में किस वा सकीचे ॥

ल्क्सीकरणः --इसमें प्रयुक्त वन्दी बीर वर्धी का, वी उक्स वीधिनयम के बध्याय 20-क में परिभावित हैं... रही वर्ध होता को उन बध्याय में दिशा नगा है।

वनवर्षा

1/2, भाग, प्रो॰ नं॰ 1597, 1646 से 1652 तादादी 335 वर्ग गण, बाजार लाल कुम्रां, वार्ड--6, दिल्ली,

> के ० वासुदेवन, संभम ग्रिषकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज 2 दिल्ली

तारीख । 28-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज-2 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस प्रार-2/4-85/15,—प्रतः मुक्ते, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके श्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

बौर जिसकी संख्या प्रो॰ नं॰ 1597, 1646 से 1652, है तथा जो बाजार लाल कुन्नां, वार्ड नं॰ 6, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ब्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन, तारीख अप्रैल, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री शाहिद ग्रहमद पुत्र श्री सैयद ग्रहमद, निवासी 1121, मोहल्ला किशन गंज, तेलीवाड़ा, दिल्ली।

(धन्तरक)

2. श्री मसूद ग्रहमद पुत श्री खलील ग्रहमद, निवासी 846, कटरा हिन्दू फराण खान, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भें विशा गया है।

अनुसूची

1/2, प्रो॰ नं॰ 1597, 1646 से 1652, तावादी 335 वर्ग गण, बाजार लाल कुमां, वार्ड नं॰ 8, दिल्ली।

> के० वासुदेवन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख: 28-11-1985

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

बकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

धारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2 दिल्ली ग्रर्जन रेंज 28 नवम्बर, 1985

निदेश सं ० श्राई ए० सी० /एवय्/2/एस श्रार-1/4-85/16,— भतः मुझे, के० वासुदेवन,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचास 'उक्त अधिनियम' कहा प्या है), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भोर जिसकी संख्या 8/143, है तथा जो रमेण नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिल्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कीं गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से विधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्रमा

- (क) बंतरण वे हुई किसी बाब की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) होती किसी बाब या किसी धन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर लिपिनियम, 1922 की 1922 का 11) या उत्तत लिपिनियम, या धन-कर जीधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविभा के किए:

बत्त बद. उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण बें, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्योन, जिस्सित व्यक्तियों, बवार के श्री श्रमर दास,
 निवासी 8/143 रमेश नगर,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री सुभाष चन्दर भाटिया, निवासी 8150, चिमनी मिल, बाड़ा, हिन्दू राव, दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की जबिध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितेबद्देश किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गाड़ लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं॥

अनुसूची

नबार्टर नं० 8/143, रमेश नगर, नई दिल्ली।

के वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रजन रेंज-2, दिल्ली

तारीख: 28-11-1985

प्ररूप बाई टी. एन. एस. -----

शिष्टकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

राम्य महायन आयकर अम्मक्त (निरीप्तण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं अग्नई ए० सी ०/एक्यू / 2/एस ग्रार-1/4-85/19,-ग्रत: मुझे, के व्वासूदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाब 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन अक्षम प्रतिधकारों को, यह विक्वाल करने का कारण है कि स्थायर सन्योत्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्रो० नं० 3931 से 3937 है तथा जो गली गुसान, बिहाईन्ड जी० वी० रोड, ग्रजमेरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिचस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्नैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रचिक्तल से, एसे इस्यमान प्रतिकल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंबरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- को एसी किसी नाय या किसी धन या बन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा को निक्या

श्रीमती सरोज लता
पुत्र स्व० श्री प्रेम नारायण और
और श्री ग्ररूण कुमार मितल,
3896, सड़क प्रेम नारायन,
बाजार सीता राम, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री कांशी नाथ, 3896, सड़क प्रेम नारायण बाजार सीता राम, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता है।

ब बत संपत्ति के अर्जन के मंत्रंथ में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकारों कर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाक्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासभ की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्स स्थावर सम्मिति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेह्रस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्वाक 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याहें।

ग्रन्स्ची

युनडिवाईडिड ग्राधा भाग प्रो० नं० 3931 से 3937, वार्ड नं० 8 तादादी 590, बर्ग गज, गली, बिहाईन्ड जी० बी० रोड, ग्रजमेरी गेट, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजः2, दिल्ली

तारीख: 28-11-1985

प्ररूप आइं. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 28 नवस्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-न्नार-1/4-85/20---ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाऊस नं० एफ-33, है तथा जो मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

असः अबः, उबस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री बिज मोहन सयाल पुत श्री हरप्रसाद सयाल, निवासी⊸एफ~33, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) चायन रूप बनसाली पुत्र श्री फतेहचन्द अनसाली, निवासी—-डी-17, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्धी

नूनिश्विविष्टि 1/3 भाग, हाऊस न० एफ-33, तादादी 246 वर्ग गज, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली।

> के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रें**ज-** 2, नई दिल्ली

तारीख : 28-11-1985.

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली. दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए० सी० ग्राई/एक्यू०/2/एस-ग्रार/-I/4-85/21—ग्रातः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुंसे अधिक है

और जिसकी सं० हाऊस नं० एफ-33 है तथा जो मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नंई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन। तारीख अप्रैल: 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की झाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री उमेश सयाल पुत्र श्री क्रिज मोहन संयाल, निवासी—–एफ -33, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) चायत रूप बनसाली पुत श्री सतेह चन्द बनसाली, निवासी—-डी--17, मानसरीवर गार्डन, नई दिल्ली --58, साऊथ रन एवेन्यु, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अग्निय यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अग्निथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तांरीख से 45 दिन के जीतर उक्त स्थादर सम्मत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षर् के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मों परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय मों दिया गया है।

अनुसूची

यु० एत० डिवाईडिङ 1/3, भाग, हाऊस नं० एफ-33, तादावी 246 वर्ग गज, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली ।

> के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख: 2-11-1985.

तामक क्षांत्र करें. स्ट प्राप्त प्राप्त प्राप्त कर क

मायक र ्रिशिटियस, 1961 (1961 का 43) मही भारत 269-म (1) के अभीत सुचना

अव्यक्ति श्रीस्कार

कायालय, क्षायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2-एस० श्रार-1/4-85/ 22--श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके, ५४६ हा अधिनियम कहा गया है), की भाग 269-८ के अधि स्थान प्रतिस्थान की स्वार के कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहर 1,00,000/- क से अधिक है.

और जिसकी सं० हाऊस नं० एफ-33 है तथा जो मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

का प्विंकित सम्भास के जायत बाजार मृत्य स कम के दिश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दिश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अभिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निष्ति में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त काणा अमा के अधिक कर अभे के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा हा ग्रिप्ट, अप्रिर्ण
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करी, जिन्ही भारताय जायकार जानान्यम, 1922 (1922 की 11) का जन्म मुस्तिनयम, या भनकर सिमिनयम, या भनकर सिमिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया थी या किया आना चात्रिए था किया में सुविधा के लिए।

अत: अपः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीर निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती शकुन्तला सायल पत्नी श्री क्रिज मोहन सायल, निवासी—-एफ-33, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नायन रूप बनसाली पुत्र श्री फतेह नन्द बन-साली, डी-17, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

क्षा रह मुजन। पार्श करन्ते प्राधित सक्षांत के वर्जन के लिए कार्यपतिस्यों करता हो।

स्थल सम्बालि के अर्थन के तम्बन्ध के । अर्थ भी मार्थित .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजध्य में प्रशासन को हार्राख सं 45 दिन के भीतर अवत संथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षदी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पन्धीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों आए गयों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा यो अस अध्याय में दिया

अनुसुची

यू० एन० डिवाईडिड 1/3, हाऊस नं० एफ-33, तादादी-246 वर्ग गज, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली ।

> के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 28-12-1985

मोहर 🗧

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/4-85/ 24—ग्रत: मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रौ० नं०-34, है तथा जो कीर्ती नगर, नजफ-गढ़ रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जय भगवान केडिया पुत्र स्व० श्री एन० के० केडिया, निवासी—-97, गोडाडिया मार्किट, दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री जय राम पुत्र श्री कर्म चन्द निवासी-55, बस्ती हरफुल सिंह, दिल्ली-6, श्री सोम नाथ पुत्र श्री कर्म चन्द, निवासी--57, बस्ती हरफुल सिंह, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रौ० नं ०--34, तादादी--3750, वर्ग फीट, पहली मंजिल, डी-एल-एफ इन्डस्ट्रीयल एरीया, कीर्ती नगर, नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

वारीख: 2-12-1985.

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस. -----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयमर आयुक्त (निर्काण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात (उक्त अधिनियम कहा गया है). की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-5/1, (1/2) है तथा जो राना प्रताप बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

के पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देशों से उनत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उच्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :--

- (1) श्री तिलक राज पुत्न छातरु मल, निवासी → 26/27, गली नं०-11, विश्वास नगर, शाहदश, दिल्ली। (स्रान्तरक)
- (2) 1 श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री रिशी पाल, 2 श्रीमती रेखा पत्नी श्री सुरिन्दर कुमार गुप्ता, निवासी- 2280, मेढगंज बहादुरगढ़ रोड, दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शंरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 नि की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक .से दिस के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची]

बी-5/1 $\left(1/2\right)$ राना प्रताप बाग, दिल्ली, तादादी---- 130.2 वर्ग गज।

के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज्-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (१) के अभीन नचना

बारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिशांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/2/एस० आए०-1/4-85/ 26:---अतः मुझे, वे ० वासुदेवग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है।, की 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने **का कारफ है कि स्था**यर संपीत्त जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० एम-104 है तथा जो कीर्ती मगर, सई दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इससे उपावड अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जोयलिय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1985

को पर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मृत्य से कम के प्रायमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्ववास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार बस्य, उसके ध्रथमान प्रतिकल से, एसे वश्यमान प्रतिकल का पंचा प्रतिचात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिकी (**अन्तरितियाँ) के बी**च एसे अन्तरण के ऐलए तय पाथा गया प्रतिर कम निम्नीलिखित उददोष्य स उक्त बन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से काथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरनं से हुई किसी नाम की शायत, तकः अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औ दावित्व में कमी अपने या उत्तर बचने में सकिय: के किए; बोह/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का**, जिन्ह**ें **भारतीय आयक्तर** अधितियसः १५०० (1922 का ।1) या टक्त अधिनियम यह धिरकार **मीपीनयम, 1957 (195**7 का 27) के प्रयाजनार्थ **अन्तरिती द्वारा प्र**कट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था क्रियाने में सविधा के जिए;

अत: अव, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग की अन्यरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, रिम्नलि**सिक्ष व्यक्तियों, अर्थात 🟎** 🕟

(া) मै० शिक्लोच एपाउँपेट इन्डिया (प्रा०) लि० 410, नई दिल्ली हाऊस, 27, बाराखम्बा रोड, नई विल्ली ।

(अन्तर्क)

(2) माल्यर अधित कुमार गोयल (माइनर) पुन्न श्री राज कुमार गोयल, द्वारा पिता, एन/जी श्री राज कुमार गोथल, निवासी-एम-285, ग्रॅंटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(अन्त(रती)

को यह सचना जारी करको पर्योक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस स्थानः क राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिव की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी वविध बाद में समान्त होती हुं, के भीतर पूर्वीका अक्षित्रमाँ यों से किसी व्यक्ति उमाराः
- ^{/हा}) इस स्विना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रिसबद्ध किसी अन्य स्वरीक्त हुनारा प्रधोतुमनाकरी के पान िलील असे किए **का सकोंगे**।

त्पच्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त राज्**दों और पदों का, जो उस्त** अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं., है, वहीं वर्ष द्वारेग, जो उस अध्याय में दिया

अन्स्यो

1/2 भाग रीयर ग्राउण्ड फ्लोर, एन-104, कीर्ती नगर, नई दिल्ली, तादादी-775 वर्ग फिट ।

> के० बासुदेवन जनम प्राधिकारी, सहाय*ं* आयङ् आयु**म्ह (भिरीक्षण)** अर्जन रेज-2., मई दिल्ली

नारीख: 2—11--(985.

माहार :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-2, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिशांक 2 दिसम्बर 1985

भिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-I/4-85:-27:—अतः मुझे, के० वासुदेवन ,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एन-104 है तथा जो किर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की वाबस, उक्त जिमितियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ज्ञतः उत्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन निक्रमोलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (।) मैं० शिवलोक एपार्टमेंट इन्डिया (प्रा०) लि०, 410, न**ई** दिल्ली, हाऊस 27, वाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती निर्मल पुत्री श्री गिरधारी लाल, एम-285, ग्रैटर कैलाश-2, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे,हस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्यिकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, आते जब्ब अधिनियमः, के उध्याय 20-क में परिजाणित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग (रीयर) पहनी पंजिल, एक-104, कीर्ती नगर, मई दिल्ली, तादादी-1663, 5 वर्ग फीट।

> के० वासुदेवत, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारी**ख**ं 2-12-1985.

त्रकथ् भार्ष्यः, टी., एव . एक ,-------

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-2, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिमांक 2 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/2/एस०आर०-1/4-85/ 28:—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

नायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके प्रवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एन—104 है तथा जो कीर्ती नगर, मई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिस्ट्री कर्ता अधिक री के कार्याखप, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्लाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ला, मिक्निविश्व उद्देश्य से अच्छ कन्तरण शिविद में वास्त-अंक रूप से कथिस नहीं किया नया है हु--

- (क) अलारण ने शुक् कियी काम की वायत वसद श्रिक-नियम के बचीन कर वार्च के सम्बद्ध के दाशित्य की कसी करने का उसके क्याने में द्विमा के किये; मरिवा/
- (क) एंती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कार ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के हथेकनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया बना भा ना किया बाना चाहिए था, कियाने में वृत्तिभा है सिए;

बतः वय, उक्त विभिन्तियमं की भारा 269-ण की, ननुसरम सी, जीवा विधिनयमं की भारा 269-च की उपभारा (1) में अभीता जिल्लीकर कविकायों, बर्मांस हन्त्र 63—406 GI/85

- (1) मैं० शिवलो ह एपार्टमेंट इन्डिया (प्रा०) लि०, 410 नई दिल्ली हाऊस, 27, बाराखम्बा रोड़, मई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री राज कुमार गोयल पुत्र श्री साधु राम, निवासी— एम-285, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष :---

- (क) इस स्वता की राजपन में प्रकाशन की तारीच तैं 45 दिन की अमिष्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविष्य, वो भी विषय यद में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशरा:
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- क्यूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रमृत्त शब्दों बीर पदों का, को जनत जिभिनियम के जध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, यहीं वर्ष होगा को उन्न अध्याय में दिया गवा है।

जन्सूची

1/2 **पिछला भाग** पहली मंजिल, एन~104, कीर्ती नगर, नई **दिल्ली** तादादी—1663. 5 वर्ग फीट ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी। सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

ता**रीख** : 2—12—1985

प्रसम्, भार्', टी. एक्. एक. -----

आरकार अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (जिरीक्षण)

अर्जम रेंज-2 मई दिल्ली

नई दिल्ली. दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/4-85/ 29:--अत: मुझे, के० वासुदेवम,

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) विका इसमें इसको पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हुँ, को बादा 269-च वो अधीन नकान परिकारों को, यह विश्वास सरने का कारण है कि स्थानर नस्पत्ति, जिसका उचित वाचाद सुरव 1,00,000/- उ.से अधिक है

स्रोर जित्रकी सं० बैसमेन्ट नं० 1498 है तथा जो एम-104, कीर्ती मगर, दिल्ली में स्थित है (स्रोर इस उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप ते बींगा है), एजि क्षी कितारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री उरण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) के अधीभ, तारीख अप्रैल, 1985

की प्रविभिन्न सम्पत्ति को लीधित वाकार मृत्य में अध्य की श्रममान प्रतिफाल को सिए बंतरित की नहीं हैं और मृत्री यह निह्यास कारमें कहने का कारण है कि सभापूर्विकत सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का वंद्रह प्रतिकात से निधिक हैं और जंतरिक (नंतरफा) और जंतिकित का सिक हैं और जंतरिक ति एस गया गया प्रतिफाल, निम्निसित उद्देश्य से उच्त मन्तरण निधित में वास्तिक का से कियत नहीं किया नया हैं:---

- (क) वनरायम से हुए फिल्टी दाय सी बाबत क्यार अधिक नियम से अधीम का प्रोते के अस्तरक के दायिक्य में अभी कारने वा समुद्धे क्या में सृदिक्य के किया नीर/या
- (व) एसी किसी बाग वा किसी भन या अन्य आफ्तियों की जिन्हें शास्तीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा के सिए।

अतः शबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, धक्त अधिनियम की धारा 269 व की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैं शिवलोक एथार्टमेन्टस इन्डिया (प्रा०) लि०, 410, नई दिल्ली, हाऊस नं० 27, बाराखम्बारोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अध्वनी कुमार गोयल पुत श्री राज कुमार गोयल, निवासी-एम-285, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करको पृत्रोंकत सम्परित के जर्जन के तिए कार्यवाहिकां करता हुं।

बक्त सम्परित को नर्जन को सम्बन्ध में कोड' भी बासीय :---

- (क) इस स्वना के राज्यम में प्रकाशक की तारीज वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृषमा की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी क्षयधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुपारा:
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिल् क्षा किसी कर्षेय व्यक्ति इवास अभोहस्साक्षरी के पास विविद्य मा किए जा सकीगे।

स्वक्यक्रिक्यः---असमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्निमा, मो लध्याय 20-क में परिभाषित ही, क्ष्री अर्थ होना, जो उक्र अध्याय में विका सका ही।

अनुसूची

रीयर बेंसमैन्ट 1498 वर्ग फुट, नं० एन-104, कीर्ती मगर, नर्ह दिल्ली।

> के० वासुदेवन, सक्षम प्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जम रेंज-2, दिल्ली, मई दिल्ली-110002

तारीख: 2-12-1985

प्रस्य पार्ड .टी. एन. एस.

नामकर अधिनियम, 14961 (1961 का 43) की वाय 269 व (1) के वभीन सुवया

भारत सरकार

कार्याच्या, सहायक अवयार कान्का (रिवरीक्स)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अरई० ए० सी०/एस्यू०/2/एस-आर-1/4--85/30:---अतः मुसे, के० वासुदेवम,

काश्रफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स अधिनियम' कहा क्या हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उपास सम्बार मृत्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एन—104, है हथा जो कीली गगर, नई दिल्ली में स्थार है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण उप ो विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

की प्रवीवत सम्पत्ति के उभित काथार मृस्य से कम के दश्यमान श्रीत्रफल के लिए जन्दिरित की गई है और मुफे यह विद्वाध करणे का कारण है कि यथापृष्टींवत संपत्ति का उभित वाथार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरक के सिए तय पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक हम से किथत नहीं किया गया है है--

- (क) सन्तरण से हुइ सिक्तो बाब की बाबस, जबक अधिकिया की कशील कुछ को के सम्बद्ध के धारित्द में किनी धारने या उद्दर्श से स्वृति में स्विधा से सिए। मरिर्धा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को विक्रण भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस जिम्मिनमा, या धन-कर जिम्मिनमा, या धन-कर जिम्मिनमा, 1957 (1957 का 27) के प्रश्लिजार्थ ब्रास्टिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आसा भारति है। हिए।

अर: अर. उस्त अधिनियम की भारा 269-स की बन्सरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) मैं० शिवलो रू एपार्टमेन्ट इन्डिया (प्रा०) लि०, 410, मई दिल्ली हाऊस, 27, बाराखम्बा रोड़, मई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मास्टर अमन कुमार गोयल (माइनर) पुत्र श्री राज कुमार गोयल द्वारा पिता श्रोर ने बुरल ग्राडियम श्री राज कुमार गोयल, निवासी-एम-285, ग्रैटर कैलाश-2, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कर यह सूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के चिन्न कार्यगिहियां शुरू करता हूं।

उन्दं संपरित के अर्थन के सबेध में काए,' भी नाकप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भोगर प्रवेशिक स्थावसरों में से किसी स्थावित बुदारह,
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीदर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकत्ये।

स्पृक्किरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किथि-नियम के बध्याय 20 के में परिभाषित हो, वहाँ वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

1/2 भाग रीयर ग्राउन्ड फ्लोर, 775 वर्ग फुट एन+104, कीर्ती मगर, मई दिल्ली।

> के० वासुदेवम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जम रेंज-2, नई किल्ली

तारीख : 28--11-1985.

प्रकार बाह् .टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

आरत सरकार

कार्यापन, सहानक नानकरु नानुक्त (निर्दाक्त)

श्चर्जन रोंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनगंक 2 दिसम्बर 1985 निर्देश सं∘श्चाई०ए०सी०/ए क्यू०/2/एस०ब्चार०-1/4-85/ 31:-श्चतःम्झे,के०वासुदेवन,

नायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उत्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाटन ० डी-13 है तथा जो कीर्ती नगर, एरीया, ग्राम-बाई, दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधि-कारी के ार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिस्ट्री हरण श्रधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन, नारीख श्रप्रैंल, 1985

को पूर्णों मत रास्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के द्रायमान प्रात्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्णों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थोत् :— (1) श्री गनेश दास म्राहुजा भ्रौर श्री हरबन्स लाल म्राहुजा पुत्र जोदा सम म्राहुजा, निवासी-डी-13, कीर्ती नग नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगत कुमार सेतिया पुत्र श्री चम्पा लाल सेतिया, और श्रीमती प्रेम देवी सेतिया पत्नी श्री अगत कुमार सेतिया, निवासी—इी-40, कीर्ती नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई।

जनत संपर्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी खबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण: --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त विधानियम के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

प्रमुनो

एस० एस० हाऊस प्लाट न० डी-13, तादादी-280 वर्ग गज, कीर्ती नगर, एरीया ग्राम बसई दाराप्र, दिल्ली स्टेट, दिल्ली। के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायण श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

तारीख : 2-12-1985.

-- 5:51 2 <u>, 1122 (222) 222</u>2

प्ररूप भार', टी. एन. एस: -----

नागकर नीभीनमम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के नभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यांत्रम, सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज--2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निर्देश संव प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-प्रार/2/4-85/ 32:---अतः मुझे, के० वासुदेवन,

भायकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियस' कहा गवा हैं), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार कुरूब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रीर जिसकी संव प्लाट नंव 180, ब्लाल-सी, है तथा जो मान सरोबर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्या में पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्रीणर्ता श्रीधनारी के नार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीनरण श्रीधनियम, 1908 (1908 ना 16) के श्रधीन, क्षारीख श्रप्रैंक, 1985

को पूर्वोवत संपत्ति के उचित वाकार शुरूष है कम के स्वयंत्रव प्रक्रिक्त के लिए कस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आधार मूक्त उत्तर्भ स्वयंत्रात प्रतिस्था से, एसे स्वयंत्रात प्रतिस्था का गन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और जंतरक (अन्दारकों) और कस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे कस्तर्भ के शिए तम प्रमा नया मृतिस्था दिन्तिशिवित स्वयंत्रके स्थित संवर्ष वंदरण विश्वत में कस्तरिक्त दिन्तिशिवित स्वयंत्रके स्था है —

- (क) यन्तरण वे हुई किती जान की जानत, अक्त निवित्तव की नशीन कर दोने के नृत्तरक के वादित्य में कमी करने वा उत्तवे वच्ने में सुविधा में निष्; नहिं/या
- (क) एंती कि वी बान वा कि ती धन वा अन्य आस्तियों को, विन्हीं भारतीय वावकर वीधनियम, 1922 (1932 का 11) या उक्त विधिनयम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिक्ती द्वारा प्रकट नहीं कि जा गया था या कि या श्रीका चाहिए था कि जा भी की स्मीक्ष्य के लिए,

- (1) श्री एच० एल० भाटिया पुत्र श्री सन्त राम भाटिया, निवासी—- 1/68, पंजाबी बाग, दिल्ली—26.
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री कैलाश रानी खुराना पत्नी श्री बी० डी० खुराना, श्रार-एल-210, माडल टाऊन, रिवाड़ी, हरियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्ववाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्ट बाम्परित के नर्जात के भन्नात्म में कांग्रेड भी काग्राम के--

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या ठत्संबंधी क्यिन्तमों पर क्यान की तामीन से 30 दिन की अवधि, को बी अवधि बाद में खमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी स्वदित कुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकायन की शारीय है 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्बंत के हिल-वर्ष किसी जन्य स्थित द्यारा, अकः स्ताकरी के गाव निर्वेदत में किए वा सकत्वे।

स्थाकिरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्मा और पर्वः ता, को जायक अभिनियम के अध्याय 20-कः / परिभाषित ही, यही अर्थ होंगा को अस अध्यार में दिका गया ही।

अनुसूची

्ताट नं 180, ब्लाइ-सी, तादादी-280 वर्ग गज, म.नजरोवर गार्डन, नई दिल्ली।

> के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रोज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, अवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 2-12-1985.

मोहर 🖫

प्रका श्राह्म . ही . एव . एस . ------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सहस्रार

कार्यात थ, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रोज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985 विर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ए क्यू०/2/एस०भार०-1/4-85/ 33⊶-श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संव भीव नव 4291 है तथा जो खली पंजाबाईन, दरिया गंज, श्रन्सारी रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रश्नेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अभित बाबार मूल्य से का के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि ग्रंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और बंतरिस्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्निलियत उज्जेक्य से उक्त बंतरण जिल्हा में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरक से हुई किसी आय की वाबत, उनत क्षीय-पियम में जबीन कर घेने के बंतरक के दायित्य में कभी करने वा उसले क्याने में सुविशा के लिए; और/का
- ं(ब) होती किसी धाव वा किसी धन वा अन्य जास्तियों को जिल्हा अरसीय वावकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदरियों द्वाध्य प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के चित्र;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के बनुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--- (1) 1. जयमाला देती जैन पत्नी स्व० श्री रघुबीर सिंह जैन, 2. नेम चन्द जैन, 3. सतीश चन्द जैन, 4. भुषन कुमार जन पुत्र श्री लामता प्रसाद जन, निजासी— 4300/3, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(श्रन्तर⊕)

(2) श्री स, ज्जन कुमार पुत्र श्री जगदीश चन्द, निवासी—683, कर्ता हरदयाल, जांदनी चौक, दिल्ली।
(श्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यानत ब्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो उसत अधि-नियम, के बध्याम 20-क में परिभावित हैं, बही वर्ष होगा जो उस कथ्याम में दिया नगा हैं।

क्यक्षी

प्रो० न० 4291, तादादी-290 वर्ग गर्ज, गली पन्जाबाईन, दिखा गज, अन्सारी रोड़, वार्ड नं०-11, नई दिल्ली खसरा नं०-59.

के० बासुदेवन, सक्षम प्राधि शरी, सह्रायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज~2, नई दिल्ली

ता**रीख** : 2-12-1985

मोहर 🕻

प्रकम हार्षः, दौ. एन , एव :-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बाधीन सूत्रना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्णनरेंज-2,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-श्रार-1/4-85/34:--श्रत: मझे, के० वासुदेवन,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काला है कि रूलावर संपत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर नियकी सं० हाऊस न० 8/26 है तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिवस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रभातीय रिवस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्तित उद्देश्य से उक्त अंतरण मिस्ति में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से इन्द्रं किसी जाय की वाचरा, सक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के बिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिल्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था. खिथाने के स्विभा के निए।

अत: अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरक के. में, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभाग (१) के अभीत: निम्नलिश्वित व्यक्तियों अभीत:— ् (1) श्रॅो सुरिन्दर मोन्गा, निदासी-12/236, लोधी जालोनी, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजरानी, निवासी-8/26, रसेश नगर नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सन्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🚎

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील कें 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वह सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर जस्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

प्रनसुची

एस/एस हाऊस 8/26, रमेश नगर, नई दिल्ली, वादादी---

कै० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

ता**री ख**: 2-12-1985.

मोहरः

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवस्वर 1985 निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस श्रार-1/4-85/9,—श्रत मुझे, के० बासुदेवन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 ∕-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या हाउस नं० 40/12, है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रग्रैल 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निलिखत में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सहुई किसी आय की बाबत., उक्त बाँधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाँधत्व में कनी करने या उससे अपने में स्वीतभा के सिष्ट; बाँड/बा
- (क) एसां किसी जाय या किसी धन जन्य बास्तियां की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुश्का के लिए;

लतः अव उक्त मिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त आधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात् ा— 61—406GI 35 1 श्री सुन्दर सिंह, निवासी 40/12, ईहट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरंक)

2 श्री हरीज खुराना और श्री मुनीप खुराना, निमासी 26/18, ईस्ट पटेलनगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नथा हैं।

बन्स्पी

हाउस नं॰ 40/12, ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली। के० वासुदेवन. सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

बारीख: 28-11-1985

मोह्य 🖫

प्ररूप बाइं. टी. एन. एक.,-----

भागभार आंधानिसम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सर्कार

भार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्धालक) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निर्दोश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०- 1/4-85/ 35:--श्रतः मुझे, के० वासूदेवन ,

नाथकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें अन्ति पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह निष्वाच करने का आरंक है कि स्थानर संपित्त, विश्वका उचित वाचार मृज्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

पौर जिसकी संव बेरिंग न० 5, ब्लाक 'एम०', है तथा जो कालोनी सत्यावती नगर, ग्राम—खारोदा बलां, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के लायालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीजरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल, 1985

को प्रतिकत सम्मत्ति के उचित साजार मृत्य से कम के स्थमान गित्रफल के लिए अन्तरित को गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनाँक्त समपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके स्थमान प्रतिकत सो, एसे स्थमान प्रतिकत का पन्तह भित्रका से निभक्त हो और जन्तरका (जन्तरका) और जंतरिती (कन्तरितीं) को बीच एते जन्तरका बे लिए तम पाना गया प्रतिकत्ति का पन्तिक संबंधिक स्थापना के लिए तम पाना गया प्रतिकत्ति से कार्यक्रिक स्थापना के लिए तम पाना गया है :---

- (क) बन्तरूभ सं हुइं किसी बाब की वावत, उचत विधिविक के वचीन कर दोने के बन्दरफ में खरिस्त में कबी करने वा उससे बचने में स्विधा के विक्: बीट्/बा
- (ब) ध्रेस किसी नाथ या किसी भन वा अन्य आस्तिकों का, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया ना या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधे। के लिए;

भवः अब स्वतः विभिनियमः की भाषः 269-भ की अवस्थितः हं, वं, उभतः विभिनियमः की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एस/श्री कालु राम श्राहुजा श्रीर श्रशोक कुमार श्राहुजा पुत्र स्व० श्री मेला राम निवासी-8/164, रमेश नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती निमला खातर पत्नी श्री महिन्दर खातर, निवासी-2ए/7, गीता कालोनी, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य**नाहियां करता ह**ै।

बंबत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की स्वीच ना दश्यन्त्रनी व्यक्ति दृष्ट स्थान की शामीस से 30 दिन की स्वीच, को भी विषय में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्विका के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है. 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितदब्ध किशी कन्य म्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास सिधित में किए का सकतें ।

रमजीकरम्:—इक्नो प्रमुख्य कर्या बीड कर्य का हो क्या विधिवन्त्र, के बध्याव 20-क में परिभावित हैं, वही वर्ष होगा को उस बध्याय में विधा गया है।

प्रनुसुची

प्लाट भूमि बरिंग नं०-5, ब्लाक 'एम' तादादी-150 वर्ग गज, कालोनी सत्यावती नगर, एरिया ग्राम-सांदौरा कर्ली, दिल्ली, ग्राउट ग्राफ़ खसरा नं० 86, 88, 89,92 से 96 ग्रीर 98 से 107

> के० वासुदेवन सक्षम अधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई 110002

तारीख 2~12-1985.

त्ररूप आर्थ . टॉ . एन . एस . -----

জ্পান্ধন এটিলিঅম, 1961 (1961 **का 4**3) की থাৰা ০69-ছ (1) **के अभीन सुपना**

भारत सरवार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रोज~2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-श्रार०-1/4-85/ 86--श्रतः मुझे, के० बासुदेवन,

अप्रकार शिक्षितिसम् 1961 (1961 का 43) किसे इसमें इसके पद्भाद (उत्तर अधितिसमें कहा गया है), की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित यापार मृत्य 1,00 000/- रा से अधिक है

भ्रोर जिल्ला मं० प्लाट नं० जे-153 है तथा जो राजोरी गार्डन, एरिया, ग्राम-बसर्ज, वारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबढ़ श्रन्सची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गड़ है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथा पर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरित (बंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्क, निम्नी बिक्ष दृष्ट्रीय से उक्त अन्तरण लिक्ति में वार्डिक्क, निम्नी बिक्ष दृष्ट्रीय से उक्त अन्तरण लिक्ति में वार्डिक्क का वे व्यक्तिय नहीं किया गया है:—

- (का) सन्तरण ने हुड़ी किसी आब की बाबता, उक्क आधिनियब के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सविभा के लिए; और/बा
- (क) इसी जिसी आब का किसी धम था अन्य आस्तिबाँ को, जिन्हाँ भारतीय लाघ-अर अधिनियम, 1900 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धमकर वाँधिटियम, 1957 (1957 का 27) की पटोजनार्थ अप्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया भा पा जिल्ला नगा जिल्ला है। किया में सबिधा की किहा

अत: अब, उक्न अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी. उक्त शीधिनियश की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :— 64—406 G1/85 (1) श्री दलीप सिंह मोरकरिया पुत्र श्री बच्चन सिंह मारकरिया, द्वारा श्रटारनी श्री स्वतन्त्र सिंह पुत्र दलीप सिंह, निवासी-एस-391, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरङ)

(2) श्रीमती क्रुना लाम्बा पत्नी श्री ए० वाई० लाम्बा, निवासी—ए-16, जगपुरा एक्टटेन्प्रन, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के से फिसी व्यक्ति द्वाराः;
- (स) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में डिउड्ड के किसी अन्य व्यक्ति इंगरा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविक में किए का सकेंगे।

स्पृथ्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, थो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं ० ज--353, तादादी-300 वर्ग गज, राजौरी गार्डन, एरिया ग्राम-बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली ।

> के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जनरेंज- 2,नई दिल्ली

तारीख : 12-12-1985.

म हिरः

बरूप बार्च . टी . एव . एस . : ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के निधीन सुधना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकार जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/2/एस० आर०-2/4-85/37—अतः मुसें, के० वासुदेवन,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृल्य 1.00,000/- का से अधिक है

प्रौर जिसकी सं प्लाट र्नू जे जे जे जे हैं तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिबत बाजार मूल्य से कम के दूरवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरवमान प्रतिफल से, एसे दूरवमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरका अन्तरका बार मन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरका अन्तरका बार मन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरका अन्तरका बार मन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब सवा गवा प्रतिफल, निम्निकित उद्वदेश से उन्त नन्तरण किकत में वाम्तविक कप से किथत महीं किया गया है ध—

- (क) जन्तरम ये हुई किसी बाद की बादत, अवत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या फिसी भन्न पा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थः, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन नियमितिस व्यक्तियों, अर्था कि

- 1. श्री प्रजाप चन्दार सिमाल पुत्त स्व० श्री दीना नाय, भिवासी—-ए०-125, राजारी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सी० देः० भुटानी पत्नी श्री जे० सी० भुटानी श्रांर श्रीमती रजनी भुटानी पत्नी श्री वीरेन्द्र कुमार भुटानी, निवासी—बी-7, राजौरी गार्डस, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिष् कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में फोर्ड भी काक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास निवास में किये जा सकरेंगे।

स्वब्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्म्यों और पदों का, जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं के

भनुसूची

ाट नं॰ जें-125, तादादी-261 वर्ग गज, राजौरी गार्डन, मई दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रोंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

ारीख: 2−12−1985

प्रकृष आहें. टी., एवं., एवं. ल्यान्टर-र-

भायकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के अभीन स्थाना

भारत संदुक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 4-85/38---अत: मुझे, के० बासुदेवन,

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिथिनियम', कहा गया है, की भारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका अधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्रो० नं० 4530, है तथा जो 7/26, अन्तारी रोड़, दश्या गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),

रिजस्ट्री इर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्णेक्त सम्पान को टांचत शापार मृत्य से कम के प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्योध्य से उसके अन्तरण कि बित में शस्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) अनसरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त कथि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; वरि/वा
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजाबनाओं जंतरिकी व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा किया आता आहिए वा, जियाने में सुधिधा औं किया;

नतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के समृतरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--

- . 1. श्री दलजीत सिंह पुत्र श्री सन्मुख सिंह, 7/26, अन्सारी रोड़, दरिया गंज, मई दिल्ली। (अन्तरक)
 - 2. श्रीमती मधु भटनागर पत्नी श्री विद्या भूषण भटनागर, 7/26, अन्तारी रोड़, दरिया गंज, मई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन भी जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के शायपण में प्रकाशन की ताड़ीय है 45 दिन की अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ एर सूचना की तामील से 30 दिन की क्यि का भी जबिन बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (थ) इस सूचना की राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अकोहल्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सके ।

स्पन्नीकरण: ---इतमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, नहीं नर्भ होगा े उस सध्याय में दिया

अनुसूची

दूसरी और तीसरी फ्लोर, प्रौ० नं०-4530, 7/26, अन्सारी रोष्ट्र, वरिया गंज, नई विल्ली, तावावी—50 वर्ग गज।

> के**० बासुदेवन** गुक्ष**म अधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज-2 दिल्ली, न**ई दिल्**ली

तारीख: 2-12-1985

प्रक्य बाइं. धी. पुन. एत. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यासय. सहायक आधकर आवृत्तक (निहासिक) अर्जन रेंज-II, नई विल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 2 विसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-I/4-85/40—यतः, मुझे, के० बासुदेवन,

क्ष्मयकर सिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा भवा है'), की भारा 269-त के बर्णान अक्षम शर्भकारी को यह विक्रास शरने का कारण है कि स्थायर सम्मित्त, विक्रका उचित बाजार भून्व 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्रो० नं 4472 है तथा जो 7/15, गुप्ता लेन, अन्सारी रोड, दिरया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1985

का पूर्वीक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्थ है जरि मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि मथापूर्विक्स संपरित का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरम् बं कूर ंकिसी बाग की बावत उकत् बाधिनियत्र के क्षीय कर दोने के बन्तरक के स्वीयत्य में कभी करने वा उससे जजने में सूरिक्श के स्विष्कु बाद/या
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गर जिस्सा केना साहिए था, क्रियान में वृत्तिका को विष्यः:

बतः वंदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुबारन हों, हों, इक्त अधिनियम की धारा 269-ते की उपधारा (1) के अधीर, निस्तिवित स्पव्यिमें, अधीक्षः श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री एम० के० जैन, निवासी---वी/5-37, राजपुर रोष्ट, सिविल लाईन्स, दिल्ली।

(अन्तर्ङ)

2. श्रीमती सरोज अग्रवाल परनी श्री श्रीकिशन अग्रवाल, निवासी—7/15, गुप्ता लेन, अन्सारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वाक्त सम्प्रांत के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त सम्परित के क्षर्यन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ्र-

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 विन की अविभि या तरणवन्धी व्यक्तियों पढ़ सुजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से कियी व्यक्ति हथाएं.
- (का) ६स सूचना को राजपान में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन को भीतार उक्त स्थावन संपत्ति में हितशक्ष्य किसी बन्य व्यक्ति त्वार अधोहस्ताक्षरी के पाड़ जिसीत में किए जा सकींगे।

स्वय्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, श्रो उक्त अधिनियम, के बच्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को एवं सम्बाध के दिवस गवा ही।

अनुसुची

दक्षिणी भाग, पहली मंजिल, प्रो० नं० 4472, 7/15, गुप्ता लेन, अन्सारी रोड, दरिया गंज, मई दिल्ली।

के० **वासुदेवम** ज़ज़म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अंजीन रोंज-^{II}, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-12-1985

安·攻 柳原 2 - 次子 (7哥) =====

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भागा 260 के किया किया का

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आय्था (निरीक्षण), अर्जन रॉज-म, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकपू०-2/एस० आए०-I/4-85/41—-ग्यतः, मुझे, से० आधुदेशः.

कायकर लीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् (उक्त प्रधिनियम) लहा पया हाँ), की भारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थालर सम्पत्ति, जिल्ला जिल्लार मन्य 1,00,000/- रहा से अधिक हाँ

श्रीर जिस्की सं० प्लाष्ट गं० 83, ब्या उ हिं है तथा जो मानदरोबर गार्डम, ग्राम-वसई बाएए , हेरली स्टेट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इश्रांच उपादण रावुस्पी में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), एजिस्ट्री प्रांच जिल्ला के कार्यालय, मई दिल्ली में रजिस्ट्री हुए गार्थिय, 1908 (1908 का 16) के अधीम, अप्रैल, 1065

- (क) अन्तरण में हुए किया । १० कर बालल, खन्त के मिनियम के अधीर रा एन के मन्तरक जे वासिस्य में कभी करने या उसस बनने मी सुनिया के मिए; बीड/या
- (क) एमी किसी आय या विश्वी वन या अन्य लास्तियों को, जिल्ही भारतीय आग छर अधि एक, 1922 (1922 का 11) के अपने के डी के पर अपने या अनकर अधिनियम, 195, 1953 के अधिन के उन्हें किया गया भारतिस्ति व्यास अपने अपने अपने किया गया था या किया जाना साहिए था, स्थिमन में सुविश्वा में सिए:

बद: अब, उक्त अभिनियम मी धारा 269ना के बनसरण में, भैं, उक्त अभिनियम की भाग ⊞69 र की उपचारा (1) के बुधीन, निम्निधिधिध व्यक्तित्तर्यों, अपित् :----

- (1) श्री सोहाइल शिह पुत श्री भगत सिंह, मिवासी---24/27, शक्ति नगर, दिल्ली
 - (2) श्रीमती लाज कौर पुती श्री बलवन्त सिंह पुत बी-3, फतेह नगर, नई दिल्ली।
- 2. श्री सुखदेव राज बोहरा पुत्त श्री चमन लाल बोहरा, निवासी—33-ए, पाकेट ए, डी० डी० ए०, एल० आई० जी० फ्लैट, विपरीत हरी नगर बस डिपो, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

औं यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

नवल सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई' भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर गूर्वोक्स व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितप्रवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्थाद्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं वहीं कर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया सभा हैं।

श्रनुषूषी

प्लाट नं० 81, ब्लाक 'ई', तादादी—200 वर्ग गज, मामसरोव< गार्डम, ग्राम—बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

> के॰ नासुदेनम सक्षम प्राधिकारी सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज Π , दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-12-1985

हमोर:

प्ररूप आह².टी.एन.एस.-----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 क्य 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर झागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-11, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०—I/4-85/42—यसः, मुझे, के० वासुदेवन,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 3, ग्राउण्ड फ्लोर, एच-3/12, है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद मनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिक्तारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित जाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिव ही और अंतर के (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जरि/या
- (ब) होती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री ओम प्रकाश भसीन, तिलक राज भसीन और जगवीश लाल भसीन, निवासी——सी—1/3 बी-3, माडल टाऊन, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती धीरज कौर सेठी पत्नी सरवार उजागर सिंह सेठी निवासी--विमापुर-797112, (नागालैण्ड) (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

प्रोगन मार्क नं० 3, ग्राउण्ड फ्लोर, एच-3/12, माडल टाऊन दिल्ली, सादादी—107 वर्ग गण।

> के॰ वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

जतः भव उन्तर मधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्तर मधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के सथीन, निकासियत काकित्यों, सथीत् :---

तारीख: 2-12-19\$5

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भाषकार अधिकिश्वः 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० प्रार०-1/4-85/39---थतः, मुझे, के० वासुदेवन,

अयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,06,000/- रा. से अधिक हैं अपेर जिसकी सं० ए-20/1, है तथा जो राना प्रताप बाग,

विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन भ्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य से क्या के द्रायमान शितफास के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह किदयमास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृज्य असको द्रायमान प्रतिकृत से, ए वे ध्रममान प्रतिकृत का पन्दह्र प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ए से अन्तर्श के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्मनिष्ठित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण कि विविध में शास्त्रिक रूप से कवित नहीं द्रिका गया है किन्तर

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबस उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की शायित्व में कमी करने या उससे कवने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया सा वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थीन क्र-

- 1. श्री गोपाल दास मल्होता पुत्र श्री श्रय दयाल मलहोता, सी-5/11 राना प्रताप जाग, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमती उषा जैन पत्नी श्री मदन लाल जैन, ए-20/1, राना प्रताप बाग, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

क भी स्वा बारी करके पृत्तीकः सम्मिति के वृत्ति के विस् कार्यवर्तिहाँ करता हो।

जन्म सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधीष:---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की संवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वविध, जो जी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व), इस तुषना के राधपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उपन स्थापर सम्पन्ति में हित्रक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वार नभोहस्ताक्षरों के पाव चित्रिका में किस्य वा सक्षेत्रे ह

प्रमुख्य

एक मंजिलो बिल्डिंग नं॰ ए-20/1, रामा प्रताप बाम, दिल्ली।

> कै॰ बासुपेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीव: 2-12-1965

मोहर 🛭

शक्य नार्वः सीत्र एश्. ध्रवः - - = =---

भाषणारु विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के प्रधीन सूचना

eise eseis

श्वायसिय, सहायक नायकर नायकर (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-11, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-/ 4-85/44--थतः, मुझे, के० वासुदेवन,

अगयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात उक्त अभिनयम अहुए गया हैं), की अध्य 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ओबराय काटेंज नं० 5 है तथा जो ओबराय एपार्टमेंट 2, शामनाथ मार्ग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के सणित बाबार मूक्य से कम के स्वयमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का स्वित बायार मूक्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (जंतरकों) और अंतिरुती (अन्तरिश्वा) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए स्य स्था क्या स्रतिकृत निम्मान्यित स्वयंत्र से स्वत् अन्तरण मिश्वा वे बायस्थिक स्थ में क्यित नहीं स्था क्या है है—

- हैक) विचारण से हुई किसी भाग की शतसा, स्वयं कार्यानयम के सभीन कर दोने के बन्दारक के अस्त्राच्या में कभी करने वा सतसे बल्ला में प्रिविधा के तिया और/बा
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया भा या जिल्ला जाना जाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

नतः अब उन्त अधिन्यमं की धाय 269-ए के अनुसर्ध अं, भी, उन्त अधिनयमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिविद्य अधीनतम्हें। अधीन क्रिक्त

1. मैं० ईस्ट इंडिया होटल्स लि०, 7, शाम नाथ मार्ग, बिल्ली~54।

(ग्रन्तरक)

 श्री बिरेन्द्र कुमार सिन्हा और श्रीमती विजय कुमारी सिन्हा, ओकराय काटेज नं० 5, ओकराय ग्रपार्टमेंट,
 शामनाथ मार्ग, दिल्ली-54।

(अन्तरिती)

को बहु सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के कर्जन के सिह्

उपत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कार्द भी बास्ने :---

- (क), इस स्थान के राजपत्र में प्रकशन की तारीय में 45 हिंदा को उपित या तत्सम्बन्धी स्थिनतयों पद् सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट स्थानत्यकां में से किसी स्थिकत द्वादा:
- (क) इस सुभना के राजपत्र में शकाशन की तारीच वं 4.5 दिन के भार उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध फिसी भन्य व्यक्ति च्नारा अभोहस्ताकरी के परंख . निचित्रा में किए जा सकों।

स्वब्दीकरण :— इसमा प्रमुक्त जब्दी और पदौ का, को उक्त अधिनिश्य के अध्याय 20-क में परिभावित ही, यही अर्थ होगा को नस अध्याय में विका यथा है।

जन्स्यी

एपार्टमेंट बेयरिंग नं० ओबराय काटेज नं० 5, ब्लाक बी-1, ओबराय श्रपार्टमेंट 2, शामनाथ मार्ग, सिविल लाईन, दिल्ली, भूमि तादादी-10,837.4 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-12-1985

मोहरः

प्ररूप आहूर, टी. एस. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सचना

भारत मरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्क (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज—II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०--4-85/45---थतः, मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर मधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिस्का उचित बाजार मृस्व 1.,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० बेयरिंग नं० 9, रोड नं० 25, है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्तिक के निए अन्तरिक की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत अम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्ती (अन्तरितियों) के बीए। एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: वस, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थीत् :---- श्री वेद प्रकाश कपूर पुत्र श्री चरन दास, निबासी,
 533, गांधी नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शिला जिन्दल पत्नी श्री ग्रार० के० जिन्दल और श्रीमती बीना जिन्दल पत्नी श्री जी पी० जिन्दल, निवासी--14/27, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि<mark>ए</mark> कार्यवाहियां करता हुए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पण्टोकरणं:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गण्डा स्वर्थ

प्रो० बेयरिंग नं० 9, रोड नं० 25, तादादी-272.91 वर्ग गज, पंजाबी बाग ईस्ट, एरिया ग्राम-बसई दारापुर, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 2-12-1985

प्ररूप बाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ख के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

. थर्जन रेंज-12, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०--1/ 4-85/46---आतः मुझे, के० कामुदेवन,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ब्रजात 'बक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 1,,00 000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं० जैड/75-76 है तथा जो बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायलिय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्दीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का '6) के अधीन, तारीख अप्रैल, 85 को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचिए बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्कियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अभिनियम, या अनकर अभिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः गवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नतिसित व्यक्तियों, अधीत् :—-

- 1 श्री पांतरवर मर्मा पुत्र भी नोता पांत, विभानी-एषसः / 94, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हर्राजदर सिंह पुत्र जसवना सिंह, निवासी---180, शक्र बस्ती, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगसूची

म्बार्टर नं० जेड/75-76, वेस्ट पटेल नगर, न**ई** दिल्ली ।

के० बासुदेवन सक्षमं प्राधिकारी सहायक श्रायंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2. हिल्ली, नई दिल्ली--110002

तारीखं: 2-12-1985}

मोहर≝ः

प्रकृष बाह[े]. टी. **एत. एस.----**-

भाषकर स्थितियम, 1961 (1961 क। 43) की वारा 269-घ (1) के संभीत सुमना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक अायकर आयुक्त (निर्दाक्ति)

शर्जन रेंज-12, नई दिल्ली

नई िल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं अाई० ए० सी०/एक्सू०/2/एस० आर०-1/4~85/47--अतः मुझे, के० घारुदेशन,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी पंज पैक्ति कंज 17. प्राम बसई दारापुर है।
तथा जो इण्डस्ट्रियल एतिमा, जिमगढ़ रोड़, नई दिल्ली
में स्थित है (ऑए इसने उपायद धनुसूची में और पूर्ण
रूप ने विभिन्न हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकार, 1908
(1908 का 16) के अधीर, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के द्रव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्य-मान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से जाधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (७) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना शाहिए था छिपाने में श्रीजधा के लिए?

कता अब, अवत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अवत अधिनियम की धारा 209-व की उपधारा (1) के सर्थार, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथिब ध-- श्री प्रेमताथ मारवाह, श्री सुभाष चन्दर मरवाह, श्री लाजपत राग मरवाह, पुत्र स्व० श्री ग्रमर नाथ मरवाह, निवासी---एफ०--56, क्रीति नगर, नई दिल्ली और 8, दिवान हाल, चांदनौ चौक, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्री राकेण कुमार श्ररोड़ा पुत्र श्री लक्ष्मण दास श्ररोड़ा, निलासी----जे०---5/41, राजीरी गार्डेन, नर्षे दिल्ली।

(भन्तरिती)

को मह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की नर्बंप के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

समत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीच है 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथवित व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति हुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड

स्थाकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम को प्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होंगा, को उस अध्याय में विद्या गया है।

मभूत्यी

प्री० नं० 17, (पार्ट) डी० एल० एफ० इण्डस्ट्रियल एरिया, तादादी---200 वर्ग गज, एरिया ग्राम---बसई दारापुर दिल्ली, डी० एल० एफ०, इण्डस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली।

कें० चामुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जर्न रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**ः 2~12~1**985**

११व शाद् ही दुव ्या ्राम्यानामान

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के बधीन स्चना

भारत सर्धन्य

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्रण)

- श्रर्जन रेंज-•2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेग सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार०~1/ 4~85/48~~म्राः मुझे, के० वासुदेवन,

कामकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् ंत्रका अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ज हैं अधीन सक्षम श्रीमकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर कम्परित, जिसका स्वित्त बाजार मस्य

1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी संव बैरिंग नंव 17, ग्राम बसई दारापुर, है तथा जो इण्डस्ट्रियल एरिया मजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसने जणाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवीन, तारीख श्रीक, 1985

को पूर्वा कि सम्पत्ति को उचित बाबार मून्य से कम के देश्यमान
्तिका को लिए अन्तरित की नहीं हैं और मूक्ते यह विश्वास
अपने का कारण हो कि यथापूर्वाया सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, असके दरबमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरक कि बिए तय पाया
भया प्रतिफल, निम्निलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
अस्तिविक स्थ से किश्त नहीं कियां गया हैं:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उल्ला बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे ब्लाने में सृष्टिभा के किए; आर्थिश्या
- श्री किसी जाम वा किसी धर ४८ ज्ञा श्रीक्षयो छ। , जिल्ला कारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 १1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-जुर अधिनियम, वा धन-जुर अधिनियम प्राप्त वा प्राप्त वा धनिया प्राप्त वा धा किया जाना धाहिए था, छिवाने में सुविधा के लिए;

लए. २व, २०७ अभिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण वं, भी. अनल अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क लबीट जिस्सिश्चित व्यक्तिकों. अधित :--- श्री प्रेम नाथ माखाह, श्री नुभाष चन्दर मजाह, श्री लाजपत राय मंरवाह पुत्र स्व० श्री ग्रामर नाथ मारवाह, निवासी--एफ, -- 56, कीर्ति नगर, नई दिल्ली, और 8 दिवान हाल, चांदनी चौक, दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2 श्री राजेश कुमार ग्ररोड़ा, पुत श्री लक्षमन दास श्ररोड़ा, जे०-5/41, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

का यह सुषमा जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्घन के जिए कार्यवाहियां कारता हुए।

जयत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कार्ड भी कार्जप :---

- (क) इस सूचवा के राज्यभ में अकासन की राहीय क 45 ज़िल् की स्वृत्ति वा करवामन्त्री व्यक्तिकार पर सूचना की सामीत से 30 बिन की अविधि, को भी जबिध बाद में सकान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर अविभावों में से लिसी करित्त हुआरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितब्ष्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाय अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

त्पच्टीकरणः - इसमा श्रम्बत शब्दा और वर्षों का जो उच्च अभिनियम के संभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु वर्ष होगा, को उस अभ्याय में विका गया है।

अम्सूषी

प्रो० नं० 17 (पार्ट), डी० एल० एफ० इण्डस्ट्रियल एरिया तादादी—-200 वर्ग गज, एरिया ग्राम बसई दारापुर नजफगढ़ रोड़, नई दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-11000

तारीख: 2-12-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एसं. -----

बाबकार समिनियम, 1961 (1961 मा 43) करें भारत 269-व (1) के बंगील सुरूपा

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक धारकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज~2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/4-85/48-ए०----श्रतः मुझे, के० जासुदेजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 46/16, है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, तारीख ग्रग्नैल, 1985

को प्रविक्य सम्पत्ति के उष्यत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की मह है और मुक्त यह निश्वकाण का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उष्यत बाबार मूल्य उसके नश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकत से विक्क है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्त कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कण से कथित नहीं किया गया है !---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कृतित्य वें क्यी कृत्य या अवसे वचवं यें सृविधा से विष्: क्षेत्र/वा
- (व) इसी निक्की काव वा कियी वन वा अन्य वास्तियों को, जिल्ही भारतीय सायकर विधिनियम, 1922 (1922 को 17) या उत्तत सिपिनियम, या धनकड सिपिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्षेजनार्थ अन्तरियों व्यादा प्रकट नहीं किया यहा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में नृतिका के किए;

जतः बन, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग को अनुवरण को, जो, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) व को अलोज ाजकानियम क्येचितमां अधीव क्रिक् 1 श्री शाजेश कुमार कटयाल, पुत्र श्री एयाम लाल कटयाल, नियासी 4-ए०,/19, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 (1) श्रीमती सन्तोष कपूर पत्नी स्व० श्री रमेश कपूर और, (2) श्री राकेश शर्मा पुत्र श्री किमल कुमार शर्मा, निवासी—-ए०--2, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीय क 45 दिन की अवधि का तरसम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्रथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकारणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का. वा. उथ्य संधितियम, के अभ्याम 20-क में परिभाविता ही, वहीं नर्थ होगा को उस सभ्याय में दिवा गवा है।

प्रमुख्यी

क्वार्टर नं \circ 46/16, तादादी--200 बर्ग गज, **६स्ट** पटेल नगर, न**ई** दिल्ली।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी ॑ें सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-12-1985

भाक्षण आहे . टी . एन . एन . ------

बायकर ब्राभिनियम 1961 (1961 का 43) की कं धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक वायकः वाय्यत (निरक्षिण)

प्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी'०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/ 4-85/48-बी'०--ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें का कारण है कि यथाप्केंक्त संपत्ति का उण्वित वाजार करूब, इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का

और जिसकी सं० 5555 से 5558 है तथा जो प्लाट नं० 28, बस्सी हरपूर सिंह थाना रोड़, दिरली में स्थित है (और इससे छपाइड फ्रुइची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्टकारी के कार्यालय, नई दिस्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टित्यम, 1908 (1908 का

1,00,000/- रा. से अधिक **है**

16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985
को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान
प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास
करने को कारण है कि स्थाप्वेंक्ति संपत्ति को उचित कालार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल के
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफाल, निम्निचित उद्वेक्षों से उक्क अन्तरण जिनिति
भे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वं हुंद्र किसी यात्र की वाल्कः, सकत मधिनियुत्र को वर्षान कर को ले वल्क्ष्ट्रक को कृष्टिल मों कमी कर्षत्र वा अब्देश बचने में सुविवा के लिए; बार/वा
- (ख) लेखी किसी जाम या किसी धन या जन्म वास्तियों की जिन्ही भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या सक्त विभिनियम, या अय-कर विभिनियम, या अय-कर विभिनियम, या अय-कर विभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्यार प्रकट नहीं किया गया या वा किया काना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- शीमती गुनमाला जैन पत्नी श्री राजेन्द्रा प्रसाद जैन, (2) श्रीमती शिला जैन पत्नी श्री नरेन्द्रा कुमार जैन और श्रीमती सरोज गर्ग पत्नी श्री सुरिन्द्रा कुमार गर्ग, निवासी—3840, मन्दिर स्ट्रीट, पहाड़ी धीरज, सदर बाजार, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मदन मोहन शर्मा, (2) श्री क्रिज मोहन शर्मा, (3) श्री हरी मोहन शर्मा, पुत्र श्री मुन्ना लाल शर्मा, निवासी—60/5797—98, बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड़, दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डनत सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में मकाशन की सार्योख के 45 दिन की अवधि या लस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अवधि , को भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्वित्यों में से किसी क्यक्ति इवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शस सिशित में किए या सकेंगे।

प्रनुसूची

दूसरी मंजिल, प्रो० बैरिंग नं० 5555 से 5558, प्लाट नं० 28, वार्ड नं० 14, बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड, दिल्ली, तादादी---222.2 वर्ग गज ।

> के॰ वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 2-12-1985

मोहर 🙄

हे अधिक हैं

प्रका बाद . ही. एन. एस.

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के आडीन प्राया

भारत मुस्काह

कार्बालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) श्रुर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई० ए० सी०/एक्यू०/2/4-85/एस०ग्रार० 1-4-85/48-सी०--ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन, वायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उन्तित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूपये

और जिसकी सं० प्लाट नं० 28, वस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना, रोड, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक अप्रैल, 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हैं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए अकि/बा
- (क) एंडी किसी आय या किसी धन या अन्य बारितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने के मुल्लिश भे किया

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण जे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों अर्थात् :--- शीसती गुन्माला पत्नी स्व० श्री राजेन्द्रा प्रसाद जैन, (2) श्रीमती शीला जैन, पत्नी श्री नरेन्द्रा कुमार जैन, (3) श्रीमती सरोज गर्ग पत्नी श्री सुरिन्द्रा कुमार गर्ग, निवासी—3840, मन्दिर स्ट्रीट, पहाड़ी धीरज, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मदन मोहन शर्मा (2) ब्रिज मोहन शर्मा (3) श्री हरि मोहन शर्मा, पुत्र श्री मुना शर्मा, निवासी—-60/5797-98, बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड़, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुने।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाकाप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की सारीच हैं 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उसर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

चलकारी

ग्राउण्ड फ्लोर, प्रो० नं०ए 5555 से 5558, प्लाट नं० .28, वार्ड नं० 14,तादादी--222.2 वर्ग गज, बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना, रोड़, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली- 110002

तारीख: 2-12-1985

मोहर 🖁

प्ररूप आ**६**ं.टी.एन.**एस.-----**

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1985,
निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु/2/एस-ग्रार1/4-85/48 डी--ग्रद: मुझे के० वासुदेवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ग्रह्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाकर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० प्रौ० नं० 5555-558 है तथा जो प्लाट नं० 28, साउथरन हालफ, बार्ड नं० 14, सदर थाना रोड, दिल्ली है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्पालय नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908, (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक ग्रील 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का कृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल का कृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल का कृत्य, उसके से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सृषिधा के लिए।

- (1) श्रीमती गुनमाला जैन पत्नी श्री राजेन्द्रा प्रसाद जैन, (2) श्रीमती शिला जैन पत्नी श्री नरिन्द्र कुमार जैन (3) श्रीमती सरोज गर्ग पत्नी श्री सुरेन्द्रा कुमार गर्ग निवासी 3840 मंदिर स्ट्रीट, पहाड़ी श्रीरज सदर वाजार दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री मदन मोहन शर्मा (2) त्रिज मोहन शर्मा (3) श्री हरि मोहन शर्ना पुत श्री मुन्नालाल शर्मा निवासी-60/5797-98,बस्ती हरफुल सिंह सदर थाना रोड, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

प्रौ० बेरिंग नं० 5555-5558 प्लाट नं० 28, संज्यरन हालक, बस्ती हरफूल सिंह सदर थाना रोड़ दिल्ली । के वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 2-22-1985,

मोहर:

अतः अबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) ह अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— आरू आई.टी.एन.एस.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य/एस-ग्रार-1/4-85/ 48 ई---श्रत: मुझे, कें० बासुदेवन भायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) ्(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.009/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 12/2567 है तथा जो पंजाबियन बस्ती सब्जी मन्डी दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 का (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक प्रप्रेल 85 को प्रतिक्त सम्पत्ति के उचित जाजार मल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्प्रहुप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उददेश्य से उ**क्त अन्तरण** लिखित में तास्तविक रूप से किशत नहीं क्या गया है है---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बाबता, उक्त यधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के दिल: सरि/म
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

शतः अब, ातत अधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्भात्:---66-406 G1/85

(1) श्री ग्रनिल मोन्गा पुत्र स्व० श्री रोशन ला मोला निवासी-2567 पंजाबियन बस्ती, सब्जी मन्डी, दिन्ल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज बाला पत्नी श्री विजय कुमार ग्रग्रवाल श्रीमती मन्जु गुप्ता पत्नी श्री अजय कुमार अग्रवाल निवासी-12/2567 पंजाबियन बस्ती, सब्जी मन्डी, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ शरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में अकाशन की तारीय ते 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ब) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी जन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

लक्कोकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु वर्ध होगा, जो उस अभ्याय में दिया भवा 🗗 🛈

मन्स्ची

प्रौ० नं०-12/2567 तदादी-60 वर्ग गज पंजाबियन बस्ती, सञ्जी भन्डी दिल्ली ।

> के॰ वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 2-12-1985

मोहर 🖫

THE WIND CO. LAND CO.

बार्कर कींपीनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अथीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभव . बहायक वायकर बाय्क (निरुक्षिक)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/ 4-85/48एफ०--श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके परचार 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राण्टि री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पंजाबीन बस्ती, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इप्तसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक श्रप्रेल, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती /(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आरू की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए: बारा/कर
- (क) एसी किसी बाय या किसी वन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (१०57 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धार 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---- (1) श्री श्रानील मोन्गा पुत्र स्व० श्री रोशान लाल मोन्गा, निवासी-2567, पंजाबोधन पस्ती, सब्जी मण्डी, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतो मरोज बाला पित श्री विजय कुमार ग्रग्नवाल, श्रीमती मन्जु गुप्ता पित्न श्री ग्रज्य कुमार ग्रग्नवाल, निवासी, 12₁2567, पंजाबीयन बस्ती, सब्जी मण्डी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त बिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

ध्रन<u>ु</u>सूची

प्रौ० नं० 12_l 2567, तादादी 60 वर्ग गज, पंजाबीयन बस्ती, सब्जी मण्डी, दिल्ली ।

के० त्रामुदेवन गक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनाँक: 2-12-1985

मोहरः

प्रकृत नाहाँ, टी. एन. एस. ----

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 28 नवम्बर 1985

निर्देण सं ० आई० ए० सी ०/एक्यू ०/2/37 ईई/4-85/628— श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

नायकर गाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं। के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० गाप नं० 1337 है तथा जो न्यू सब्जी मण्डी ग्राजादपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इंससे उपाबढ़ प्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन दिनौंक ग्रप्रैंल 85

करे पूर्वोक्त संपंक्ति के संचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिचल से जिलक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया चितिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिक्ति में बास्तिकल लिम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिक्ति में बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्थ से हुर्दाभिक्ती आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दैने के अन्तरक के बाक्तिय में क्रमी करने या उससे बच्चने में स्विधा क्षंतिप्; अद्भिया
- (स) एसी किसी नाथ या किसी धन या जन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, स्थिनने में सुविधा के सिए;

कतः। अव, उन्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिविवतं व्यक्तियों, अर्थात् अ— (1) श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री लाल राम, निवासी 335, मिलका गंग दिल्ली, (2) श्री लिलता प्रसाद, पुत्र श्री मोती लाल, निवासी 102, मल्का गंग, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री गुरैनदिया मल, निवासी सी 8,6, सी, लारोंस रोड, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सुभना बारी करके पृथिक सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्सेप 🖝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जबिध या सत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंचे।

स्थव्यक्रिरण: ---इसमाँ प्रयुक्त सन्धीं और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नेसा है।

अनुसूची

सोप नं॰ डी 1337, न्यू सब्जी मण्डी, श्राजादपुर दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंज-2, नई विल्ली

दिनाँक: 28-11-1985

मोहरः

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आवकर आयुक्त (निर्देशिण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई/4-85/629— श्रतः मझे, के० वास्देवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० रूम नं० 301, वी/2389, है तथा जी छाता शाहन्जी चावडी, बाजार, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961, के श्रिधीन, तारीख श्रप्रैल 1985

को पूर्वेक्ति सम्पित्ति के उचित् बाजार मूल्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योद्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) उन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे यजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) एसी फिसी आय या किसी धन वा बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, ख्रिपाने में सूविधा के निए;

बंदिक अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बंद, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिवित व्यक्तिकों, अधीत है— (1) एलपाइन प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०, वी/2389, छाता शाहन्जी, चावड़ी बाजार, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) प्रेम सुहबाम वाणिज्य लि०, 7 कोनिसल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता, लाकल पता, वी/2389, ृष्टाता शाहरजी, चावड़ी बाजार, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पशें का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० बैरिंग रूम नं० 301, तादादी 145 वर्ग फुट, दूसरी मंजिल, प्रों० नं० वी/2389, छाता षावड़ी बाजार, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनाँक: 28-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नास 269-क (1) के बचीन स्वका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निहरीक्राक)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली,दिनौंक 28 नवस्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एवयू०/2/37 ईई/4-85/7630---श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं , की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिसका उचित याचार मृत्य 1,09,000/- रह. से स्थिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 302, दूसरी मंजिल, वी/2389, है तथा जो छाता शाहन्जी, चावड़ी वाजार, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनाँक श्रिप्रल, 85

को प्रतिकल सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के वन्सदृ प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिक्यों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया कल दिल्लिखिब उच्चरेश से उकत अन्तरण जिखित में बास्तिबक में बास्तिबक रूप से कीशत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई फिली बाव की बावस्त, उक्स विधिनियस के अभीन कर दोने के अक्सरक के दायित्न में कसी करने या उससे व्याने में सुविधा के लिए; बॉट√सा
- (ख) एसे किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या काय अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट कहीं किया क्या या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

नतः नभः, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त जिभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के बाधीम, निभ्लोकियन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एलपाइन प्रोपर्टीज प्रा० लि०, वी/2389, छाता शाहरूजी, चायड़ी, बाजार, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) पाराम सुबाम वानिजया लि०, 7, कोन्सिल हाँउस स्ट्रीट, कललता, लोकल पता बी/2389, छाता शाहन्जी, चावड़ी बाजार, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

ची। यह सूचना चारी करके पूर्वीच्या सम्मीता ने अर्थन के सिक् आर्थवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपल में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५६ स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य स्थित इसरा जधीहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरी।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त जिथ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ण होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

मन्सूची

प्रौ० बैरिंग रूम न० 302, तादादी 148 वर्ग फिट, दूसरी मंजिल, प्रौ० नं० वी/2389, छाता शाहन्जी, चावड़ी बाजार, दिल्ली ।

> कें० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 2, नई दिल्ली

दिनाँक: 28-11-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनांक 28 नवस्थर, 1985

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/4-85/631— यत:, मुझे, के० वासुदेवन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000 ∕- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं फ्लैंट नं 23 है तथा जो 6/16, रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रजन रेज-II, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिध-नियम, 1961 के ग्रजीन, ग्रग्रैंल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के द्वीयत्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नायु वा किसी भूत वा वस्तु वाहिस्त्यां का, जिल्हां भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भनकत्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिया के निए;

- (1) (1) श्रीमती सावित्री देवी सारोगी,
 - (2) श्री गोपाल प्रसाद सारोगी,
 - (3) श्री स्रशोक कुमार सारोगी, निवासी--पी-1 भ्रशोक विहार-I, दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री अजय गोम्बर भौर श्रीमती सुधा गोम्बर, 30-बी/यू-ए, जवाहर नगर, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की बनिष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस- बव्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृथ्वीकरण : इसमें प्रयुक्त सुन्दों बौद पदों का, यो अवह विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बाही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं∘ 23, सादादी--835 क 6/16, रूप नगर, दिल्ली-7

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहामक झायकर झामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I^I, नई दिल्ली

अतः अब, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निक्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

बिनांक: 28-11-1985

प्ररूप माईं,टी.एन्.एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 नथंबर 1985

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/4-85/632— यतः, मुझे, के० वासुदेवनं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पर्यात जिस्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000 ∕- रत. से अरिधक ह^{*}

श्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 22, 6/16 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय, श्रर्जन रेज-II, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 के श्रधीन, श्रर्पंल, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिषत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिषत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पास गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से शुद्ध किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अधीक्तयों, अर्थात् ु—

- (1) (1) श्रीमती जावित्री स रोगी,
 - (2) श्री गोपाल प्रासाद हारोगी,
 - (3) श्री अशोह कुमार तारोगी निवासी---12-पू-बी, श्रशोक विहार-1,विस्ली । (अन्तरक्)
- (2) श्री धीरज पाल ग्रांर श्रीमती नरूता, निवासी→ 12-यू-बी, बंगलो रोड, जवाहर नगर, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लियू कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिल की अविधि, जो भी अनिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस . सूचना के राजपत्र ं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा वकाँगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

तादादी---880 वर्ग फिट, पहली मंजिल, फ्लैंट नं \circ 22, 6/16, रूप नगर, दिल्ली।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज-II, नई दिल्ली

दिनांक: 28-11-1985

प्रकप बाह्र .टी.एन.एस. -----

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) **की पारा**

269-म (1) के बधीन सुमना

पारत करका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० स्नाई० ए०सी० /एक्यू०/2/37-ईई/4-85/633---यतः, मुझे, के० वासुदेवन,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) तिका इसपे इसके परकाल 'उक्त विभिन्न समि कहा गया ही, की भाषा 269-स के अभीन सक्षम प्रतिभक्तारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० स्पेस नं० 201 ग्रौर 210 है तथा जो 3, ग्रोल्ड रोह्त ह रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेज-II, नई दिल्ली, में भारतीय श्रायकर ग्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन ग्राप्रैल, 1985

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य वे क्य के द्रायमान प्रितिक के लिए अन्तरित की पद्द हैं और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यापपूर्वेक्त सम्पत्ति का उनेक्त कारण शृंध्य, इसके द्रायमान प्रतिक सं थे, एवे व्यवसान प्रतिक सं व्यवसान प्रतिक सं वंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- हिंशी बन्तरण ये हुन्द किसी बाव की बानता, तरब बिचित्रपर में क्योंच कर दोने में संसरक में प्रावित्य में कभी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा में निए; बोर्ट/का
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी भन या कन्य आस्तियाँ को. जिन्हाँ भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में सुदिक्षा के लिए;

भतः वस, उक्त विभिनियम की भारा 269-व के अनुस्रक को, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के विभीन, निम्निविधिता व्यक्तियों हो वर्षायु क्र-

(1) म० एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, बिल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स, यू-बी-1, अन्सल भवन, 16, ःस्तूरचा गांधी माग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विमलेश जाजु पुत्र श्री राम निवास जाजु, 7, श्रीराम रोड, दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह स्वका जारी कारके प्रतिकत सम्मत्ति के कर्नन के किए कार्यसाहित्यां कारका हुई।

उच्छ संपरिता के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाम्लेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , को धी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकारण:--इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो उक्त अर्थिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगम्ब

इण्डस्ट्रियल स्पस नं० 201 और 210, दूसरी मंजिल, ग्रोबर विल्डिंग, सिन्डीकेट हाऊस, प्लाट नं० 3, ग्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली, तादावी-1310 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^{II}, दिल्ली

दिनांक: 28-11-1985

मोहरः

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर अवयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/37-ईई/4-85/634— भ्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

कायकर बाधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० स्पेस नं० जी-19, है तथा जो प्लाट नं० 3, श्रोल्ड रोहनक रोड, जिल्ली में स्थित है (ग्रोर इस्से उपा-बद्ध श्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिकस्ट्री-जर्ता श्रीधकारी के अर्थालय, श्रर्जन रेज-2, हे । जा व श्रा ययर श्रीधिनयम 1961 के श्रीधीन, दिलांक श्रीप्रल, 1985

को प्रविक्त सम्पण्ति के उलिए बालार पृत्य से कम में स्ट्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज्यर मृत्य उसके दरयणान प्रतिपान से, एमें रत्यमान प्रतिपात का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वार्मिक कम से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरम् से शुक्र किसी भाव की काव्य, उपल अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वादित्य में कमी करने मा उससे क्यने में कृषिधा भे सिरा; अरि/शा
- (थ) एन्सी जिल्ही आय था किसी धन या अन्य कास्सिकों अरे, जिल्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता विधिनियम, 1972 का प्रतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अवः, उवल विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मं, मं, उवल अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधिकः नियमितिकत व्यक्तियों अधिकः

67-406 GI/85

(1) म० एस० बी० सैंलभ प्रा० लि०, बिल्डर्स एण्ड प्रोमोटसं, यू-बी -1, अन्तल भवन, 16, कस्तूरका गाँधी पार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विमलेस जाज पुत्र श्री रामनिवास जाजु 7, श्रीराम रोड़, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त आयकर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० जी-19, ग्राउण्ड फ्लो? प्रापोज्जब बिर्लिंडग, सिन्डीकेंट हाउस, प्लाट नं०-3, भ्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली तादादी-235 वग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, दिल्ली

दिनॉक: 28-11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली. दिनांक 28 नवम्बर, 1985

निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/4-85/635—अत: मुझे, के० वासुदेवन,

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) हिंबते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 209-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० स्पेस नं० जी-20, है तथा जो प्लाट नं० 3, श्रोल्ड, रोहतक रोड. दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्याला, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक अप्रैल, 85 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाबार मून्य सं क्रम के स्थमान शितफा के किए अन्तरित को गई है बीर मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार पूर्य, उसके अधान प्रतिफल में, ऐसे स्थमान शितफल का पंत्रह शितकत से स्थिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिताों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितावां) के बीच ऐसे अन्तरक के किए तम बाबा हाति-कर्ता निम्नतिष्ठित उद्देश्य से उक्त सन्तरण निनिद्वत में बास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित में कमी करने वा उसते बचने में सुविधा के तिए; बहु/बा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या कन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने वे द्विया के स्वर;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मै॰ एस० बी० सैल्स प्रा० लि॰, बिल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स, यू०-बी 1, अन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री डी॰ एस॰ आनन्द पुत्र श्री आई॰ एस॰ आनन्द, 3/3, सिंह सभा रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त कमिति के अर्थन के सम्बन्ध में खोड़ें भी नाकेष्:-

- (क) इस स्थान के उपयम में प्रकाशन की राष्ट्रीय से 45 दिन की जयिए या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यना की तामील से 30 दिन की जविए, को भी जबिए बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के मीतर उक्त स्वावद सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जवाहस्ताक्षरी के पास निकित में किए वा हकी ।

स्वक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब् और पदों का को उक्त विभिन्यिय, के बध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया क्या है।

अनुसुची

इंडस्ट्रियल स्पेंस नं० जे-20, ग्राउण्ड फ्लोर, प्रोपोजिड बिल्डिंग सिन्डीकेट हाउस, प्लाट नं० 3, ग्रोल्ड रोहतक रोड-दिल्ली, तादादी-235 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिः तंक: 28-11-1985

बक्त नार्ह् दौ_र एन्<u>स पुर स्वरूपना</u>

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

भागालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाधक)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1985

निदेश सं० आई ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई/4-85/636---अतः मुझे, के० वासुदेव

नावकर अधिनियम, 1961 (1964) का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० स्पेस नं० 212-ए० (213) है तथा जो प्लाट नं० 3, ग्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिमियम 1961 के अधीन दिनांक अप्रैल,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिस्था से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया चना प्रतिफल निम्निति उन्हों किया गया है हिन्स के बिक्त के बिक्त के बारित नहीं किया गया है हिन्स का से कुष्टित नहीं किया गया है हिन्स

- (कां) बंतरण ते हुई किती जाब की वावत , उक्त वीधीनयम के अभीन कार दोने के बंतरक के शायित्व में कभी कड़ने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) होबी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाउतीय नायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रक्तेशनार्थ, जन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए भा, कियारे में सूर्तिया से जिन्हें

कत्त अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात क्र-- (1) मैं० एस० बी० सेन्स प्रा० लि०, बिल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स, यू०-बी-1, अन्सल भवन, 16, कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एप्त० चावला पुत्र श्री मोहत सिंह चावला, फ्लैंट नं० 99-सी, पाकेट ए-14, कालका जी, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सूरू करता हुं।

उन्त सन्परिए के अजन के सम्बन्ध में के। इं भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (क) ६७ धृचन। के राजनश्मा प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीजर उपन स्थाप्त सक्यों ते में दियाया। किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हों, वहां अधे होंग के प्रश्न शब्दाय में दिया वया है।

जन्सची

इंडस्ट्रियल स्पेस नं० 212-ए (213) दूसरी मंजिल प्रोपोजिड बिल्डिंग, सिन्डीकेंट हाउस, प्लाट नं० 3, भ्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली, तादादी-320 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, **नर्ष दिल्ली**

दिमांक: 28-11-1985

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस/.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मई दिल्ली नई दिल्ली, दिमांक 28 नवम्बर, 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एवयू०/2/4-88/607-- अत: मुझे, के० वासुदेवन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी संव भाष नंव 108, सर्राफ भवग, है तथा जो बी-2/3, नैनीवाला, वाग, आतजादपुर, दिल्ली, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीण पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-2 नई दिल्ली, भारतीय आयकार जिधिक्यम, 1961, के अर्थाम, दिनांक अर्जन, 1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और:/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चूं अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात् ६(1) मैं० सर्राफ जन्स्ट्रन्थान हम्पनी प्रा० लि० बी-88, जी० टी० करमाल रोड. इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० ईस्टबैन इण्डल्ट्रीज, 469, इंडस्ट्रियल एरिया-बी, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारों करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुख बच्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंग। जो उस अध्याय में दिया गया हो।

भनुसूची

शाप नं० 108, सर्राफ भवन बी-2/3, नैनीवाला बाग आजादपुर, दिल्ली तादादी 261 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-2 **नर्ड** दिल्ली

दिनां ह: 28-11-1985

प्ररूप . आई . टी . एन . एस . ---- -

आंक्रिकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत बहुन्त

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नहीं दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/4-85/-639--श्रतः मुझे, के० वासुदेशन,

भगकर श्रांतियम, 1961 (1901 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्ता प्राधिकारी की यह विक्यास कर्षों का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित गाजार मुख्य 1,00,000/- स. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं 3, प्लाट नं 2, है तथा जो ध्रणोंक चिहार-1, दिल्ली, ब्लाक एच के स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रकृत रेज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर प्रविचित्तम 1961 के प्रवीच तारीब ग्रावेल-85

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाबार मृस्य से कम के सम्यान शिवफल के लिए बंसरित की गई है और मुम्में यह विश्वाल करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का सणित बाजार मृस्य, उसके स्थामान शिंतफरा से एंसे उप्याप्तान शिंतफल का पन्नाई प्रतिकृत से विभिन्न है और अंतरक (बंतरकार्ने) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एंसे अन्तर्भ के लिए तय पावा ब्या प्रतिकृत, निम्निसित्त स्वयंक से उक्त बन्दारण सिरीक्स में बातरिक्ष स्य से कांचिन नहीं किया पका है कि

- (क) बंतरण से हुए किसी बाद की वाक्क, उच्छ अधि-विवस के अभीत कर दोने के बंतरक के विधित्व में कमी करने या उसते वचने में सुविका के जिस्ह, बॉर/शा
- (क) एसी किसी भाव वा किसी भव या अभ्य वास्तियों को विन्द्वें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त विभिन्निय, या भन-वार अधिनियम, 1967 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ वंतिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या विश्वा बाना वाहिए था, कियाचे के ब्रिका से लिए।

वतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, जिस्दलिमित व्यक्तियों, सर्वात् द⊶ (1) मैं हकुमत राय एन्ड एसोसिएटस (प्रा०) लि॰, 5228/2, श्रद्धानन्द मार्ग ,दिल्ली 1

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राज शशी राम, 8-बी, नर्द्वमालचा मार्ग, नर्द्द दिल्ली।

(ग्रन्तिरती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के द्राचपत्र में प्रकाबन की तारीच हैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्व
 व्यक्तिकों में किसी क्यीयन वनारा
- (व) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विक्रित में किए का दुवें वे ।

त्वकाकित्यः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जीट पर्यों का, को अक्त विभिन्निम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं कर्ष होंगा को उस अध्याय में दिवा वया है।

नग्स्ची

पलैट नं ० 3, पहली मंजिल, प्लाट नं ० 2, ब्लाक 'एच' शापिंग सेन्टर, श्रशोक शिहार-1, दिल्ली ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-11-85

मोसर:

प्रारूप बाई .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अभीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय,, सङ्घायक आवक्कर आव्यक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/4-185/640

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 102, ज्लाक 'एच' है तथा जो प्लाट नं० 102 प्रशोक विद्यार-1, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावत श्रानुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिध-कारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन तारीख श्रप्जैल 1985

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाबार मूम्य ते कम के क्यमान प्रतिफल को लिए कन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमालिसित उद्योध्य से उकत अन्तरण लिसित में वास्तिकि क्या से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जैतरक कें बादित्व में कमी करने या उसने बचने में सुर्विधा खेलिए; बौर्ट/मा
- (का) एंसी किसी जाय वा किसी धन या बन्य ब्रास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्तियध के निए;

बतः कब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं ॰ ह्रबुमत राय एन्ड एसे:धियेटस, 5228/2, श्रद्धानन्द मार्ग, दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मानु लाल जैन और श्रीमती सत्यावती जैन, निवासी-एफ/15, ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन, उई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

वी वृद्ध सूचना चारी करके पूर्वोक्त अर्थास्त के कर्चण के निष् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जुन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यम में अकाशन की दारीय थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरों के वार लिखित में किए जा सकेगे।

स्थळाकरणः — इसमें प्रयुक्त उच्छों कीर पदी का, जो सकर अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाणित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिल यहा ही ब

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, ब्लाक 'एच' पहली मंजिल, प्लाट नं० 2 भशोक विहार-1, दिल्ली।

> कें० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, न**ई** दिल्ली-110002

तारीखं: 28-11-85

प्रस्य बार्ड, डी. १वं. एसं. नानाना

बायकड़ विभिनित्त, 1961 (1961 का 43) धी शास 269-व (1) के स्थीन स्वता

STATE SALES

कार्यक्रव, सहायक नावकार नायुक्त (निरीक्शक)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 तबम्बर 1985

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/4-85/641 ---यतः मुझे के० वासुदेवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चीत् 'उनत् अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं 101, प्लाट नं 2, है तथा जो ब्लाक 'एच' श्रशोक थिहार-1, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर प्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख श्रप्रैल-85

को प्वॉक्त संपरित के उपित वाजार मृश्य से कम के स्थानाइ प्रतिकास को लिए जन्तरित की गई है और मुको नह विश्वास करने का कारण है सि अभाप्वॉक्त सम्परित का उपित वाजार मृश्य उसके क्ष्यमान प्रविक्त से, एंचे क्ष्यमान प्रतिक्त का गण्डह प्रतिकृत से विभक्ष हैं और अन्तरक (बन्तरकों) नीर अभारिती (अन्तरितिसों) के बीच एंसे अन्तरक में किए यब पासा नवा प्रतिकृत, निम्मीनिवृत उद्वोच्य से उक्त बन्तर्भ कि कि विश्वा

- (क) बन्तरण से हुई किटी शाव की शावता जनता अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की खिराल में कमी करने या उससे ज्याने में द्विता के लिए; मीत/या
- (क) एंसी किसी बाध या धिस्ती वन वा अस्य आरिस्तयों की, सिन्हें भारतीय अप अन्य अन्य सिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रकत मिनियम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरित एवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

ब्हः वय, उसर अधिनियम की पारा 269-व की समुद्दार में, में, जनत अधिनियम की पार 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिकित व्यक्तिकों कर्यात् ः

(1) नै॰ हकुमत राथ एन्ड एसासियेटस (प्रा॰) लि॰, 5228/2, श्रद्धानन्द मार्ग, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मै॰ सुभाष चिटफन्ड एन्ड फाइनेन्स लिन्कारी (प्रा॰) लि॰, 3820-22, सराश्य पुण, तीस हजारी, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह बुचना चारी करके प्राप्तित संपत्ति के नर्घन के जिल्ल कार्वशाहियां भूक करता हो।

वक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में काहाँ भी नासंप :----

- (क) इस बुचना के राज्यपत्र में मकासन की तारील बं 4.5 विन की जबभियर तत्स्य स्वन्धी स्थानतारों पह बुचना की तासील से 30 बिन की अन्धि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत स्थानतारों में से किसी स्थानत ब्याना.
- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन के भीतर उथन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अनुकित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास किसीब में किह वा सकोंगे।

क्यव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो चक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस भ्याय में दिवा गया ही।

भनुसूची

फ्लैट नं० 101, पहली मंजिल, प्लाट नं० 2, ब्लाक 'एच' शापिंग सेन्टर, म्रशोक घिहार, दिल्लीुं।

> के० वासुदेवन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 28-11-85

प्रकार कार्य हो। द्वा , ६४ -----

बायकर अधिनित्सं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुजना

A CONTRACT OF THE CONTRACT OF

भारत सरकार

कार्यालय, ग्रहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीत रेंज-2, न**ई** दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

बायकर रुधिनियम, 1961 (1961 मा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ए के अभीत समान प्रतिकारी को यह जिल्लाह अपने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित काचार भृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या पलैट नं० एल० जी०-4, है तथा जो प्लाट नं० 2. ब्लाक 'एच' श्रशोक विहार-1, दिल्ली में स्थित है (और इसने उपायद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विल्ली, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्राय-कर श्रीविष्यम, 1961, के श्रवीन तारीख श्रग्रैल-85

की प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथायविक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिसंत से बिधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पागा गया प्रतिकत्त, निम्नीलिशत उद्देश्य से उक्त शान्तरण विश्वस से अस्सिक्ड क्य से काथित नहीं किया गया है

- िक) अन्यापण में हुन्हों किका बाग को सामग्रा, सामग्रा मिनियम को समीन कार बोने को कन्तरक को वाजित्स मों काबी कारने ा उपमें नचले में सुविधा के लिख; बीट्र/बा
- (ए) ऐसी किमी भाग या किसी धन या किसी बास्तियों कों, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अप-कार अधिनियम, या अप-कार अधिनियम, रा अप-कार अधिनियम, रा अप-कार अधिनियम, रा अप-कार अधिनियम, रा अपिकार कार्या कारा विकास आपना वाहिए भाग किसाने हो। अधिका अधिका भाग विकास कार्या अधिका आपना वाहिए। भाग किसाने हो। अधिका अ

अत: अब, जबत अधिनियम की धारा 269-म के अम्सरण मी, मी, उन्नत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीय, नियमिलिसित व्यक्तियों, क्षश्रीत 68-406 GI/85 (1) मै॰ ह्युमत राय एन्ड एसोसियेटस (प्रा•) लि॰ \$228/2, श्रद्धानन्द मार्ग, दिल्ली ।

(अन्सरक)

(2) श्री कुलजित रावल, जे-143, श्रशीक विहार-1, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां करता हो।

च अब संपत्ति के अर्घन के संबंध में नाई भी बातिए ए--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 15 दिन की त्रविष या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की दासीन में 30 दिन की अविष, जो भी अविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ब अविलयों में के किसी व्यक्ति वनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उचन स्थावर मंपीस में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरताकारी के पास निकृति में किए आ सकत्ये।

स्वद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त करूरी और पदों का, वो छव अधिनियम के अक्षाय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरे कर्य होगा. को उस अध्याय में दिवा नवा है।

नलैस तं • एल • नी-4. वैसमेन्ट फ्लोर, फ्लटा तं ० २, •लाक 'एच' शाधिम सेन्टर, अशोक बिहार-1, दिल्ली।

के० वागुदेवन सक्षम प्रश्लिकारी सहायक ग्रायकर पागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोंज-2, दिल्ली, स्ट्री दिल्ली-1100021

वारीख: 28-11-1**98**5

सोहर :

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजैम रेज-2, भई दिल्ली

मई दिल्ली, दिमांक 28 चनम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सू०/२/37ईई/4-25/643 —-अत: मुझे, के० वासुदेवम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक ही और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० एल० जी०-3 है कथा जो प्ताट नं० 2 ब्लाक 'एव' अशोक विहार-1, दिल्ली में स्थिट है (ग्रॉए

नं० 2 ब्लाक 'एच' अगोक विहास-1, विह्ली में स्थित है (ब्रॉट इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण क्य ने व्यक्ति है) रिजन्द्री ती अधिकारी के कार्यालय वर्जन रेप-2, वह तिल्ली, जान्तीय आयकर अधिनियम 1961 के अवीज राजिल अब्रैन 85

कों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य है कहा है व्हरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूछे हु विज्ञान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, असके बश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दा प्रतिष्ठत से अधिक ही और गन्तरित (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल, निज्यों विचित उद्योध्य से उक्त अन्तरण दिश्वत में वास्तविक क्या ने अधिक लहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधि-निवम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य की कभी करने या उससे बचने की स्विधा के लिए: और/या
- ए) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं दिला गया न या किया जन्त चिहिए था, दिल्पने में सुविधा है लिए;

कदः जयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं., उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह

- (1) भैव हकुमल राय एल्ड एसोशियेटस (प्रा०) लि० 5228/2 श्रद्धाधन्य मार्ग, दिल्ली । (अन्हरक)
- (2) श्री मोहम्मद खुर्शीद 7627-पी, दरोगा स्ट्रीट, खुरेश नगर, सदर बाजार, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्ष करता हों।

उपन राष्ट्रीत हो अर्जन को सर्वन्य में बोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) एक भ्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन के भीतर जबल स्थाधर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास विशिष्ट में किए जा सकेंगे।

रपष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हाँ।

अनुस्प्री

फ्लैट नं एल शिल्वा की विसमेन्ट फ्लोर, प्लाटनं 2, इलाक 'एच' शापिंग सेन्टर, अशोक विहार-1, दिस्ली।

> कें वासुदेवम च अस प्राधिकारी चहायण आयाजर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-11-85

लोहर उ

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

नायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्बानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/4-85/644 ---अत: मुझे, के० वासुदेवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बस्चात् 'उथल अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट एल० जी-1, प्लाट नं० 2 है तथा जो ब्लाक 'एच' अशोक विहार-1, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधि-नियम 1961 के अधीन तारीख अप्रैल 85

को प्रांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफक्ष निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधितियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै॰ हकुमत राय एन्ड एसोसिएटस (प्रा॰) लि॰ के 5228/2, श्रद्धानन्द मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिन्दर कौर पावल, श्रीमती हरविन्दर कौर मदान, जे-143, अशोक विहार-1, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० एल० जी-1, बैसमेन्ट फ्लोर, प्लाट नं० 2, क्लाक 'एच' शापिंग सेन्टर अशोक विहार-1 दिल्ली

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, भई दिल्ली-110002

तारीख: 28-11-1985

स्टन बार्ड सी. एन , श्रम

बारकार वाभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सुधना

नारत सर्कार

कार्वालय , सहामक आयकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 भवम्बर 1985 निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/4-85/645 --अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रेसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्व 1,90,690/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 104 प्लाट नं० 2 क्या के 'एचे' है तथा जो अशोक विहार-1, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजस्ट्री हर्ता अधिकारी के क्रायालय मई दिल्ली भारतीय आयकर अधिकियम 1961 भर्जन रेंज-2 के अधीन तारीख अर्थन 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक्त स्प से कथित नहीं किया गया है "——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्च अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धाबित्य मों कमी करने वा उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी काय या फिसी धन या करव कास्तियों की, जिन्हों भारतीय काय-कर किशिनयम, 1922 (1922 का 11) भा उन्नत किशिनयम, या भन-कर जिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकाट नहीं किया क्या था या किया कना किहिए था, स्थित अर स्थित और विद्या

करा वन उक्त निधिनियम की भारा 269-त के नन्तरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) में नभी।, निम्नकिद्यित व्यक्तियों, नर्मात् प्र— (1) मैं ० हकुमत राय एन्ड एसोसियेटस (प्रा०) लि० 5228, श्रद्धानन्य मार्ग, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश गुष्ता पुत्रश्री एच० सी० गुष्ता, 705/बी, बार्ड नं० 6, महरोली, नई दिल्ली-30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का स्पाक्तियों में से किसी स्पानत स्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकाँगे।

स्थव्यक्रिरणः -- इसमें प्रयूक्त शन्दों जौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं कर्य शोगा जो उस अध्याय में विका यसा हुँ।

अनुसूची

क्लैंटनं • 104, ब्लाटनं • 2, ब्लाक 'एच' अणोक बिहार-1 दिल्ली

> के० बासुदेवम सक्षम प्राधिकारी सङ्गावक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अजीन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

तारी**य**: 28-11-85

भोद्यरः

प्रक्रम बाह्र'.टी.एन.एस.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सुमना

कार्यानन, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/37ईई/4-85/646 --अह: मुझे, के० वासुदेवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या पत्रैट नं० एल० जी०-2, प्लाट नं० 2, ब्लाक 'एच' है तथा जो अशोक विहार-1, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्यालय अर्जन रेज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनयम, 1961 के अधीन तारीख अप्रैल 85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान मित्रफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजाल ब्रुट्स, उसके द्रायमान प्रतिफल का ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतियात ने अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे बन्तरण के बिए द्राय सम्प्राप्त मिन्निक का स्वीच एसे बन्तरण के बिए द्राय सम्प्राप्त मिन्निक कप से किथा नहीं किया व्या है अन्तरित में वास्तिक कप से किथा नहीं किया व्या है अन्तरित में वास्तिक कप से किथा नहीं किया व्या है अन्तरिक कम से किथा नहीं किया व्या है अन्तरित कर्म से किथा नहीं किया व्या है अन्तरिक कर्म से क्षा क्षा से क्षा स्वा स्वा स्व स्व

- (ह) बन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बाधिनियम के बधीन कर होने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बोर/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य वास्तिकों की जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

वतः वयः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है वर्धान, निक्किविया व्यक्तियों क्या वर्षात् है— (1) मैं ० हकुमत राय एन्ड एसोसियेटस (प्रा०) लि॰ 5228/2, श्रद्धानन्द मार्ग, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद खर्शीद 7627, दरोगा स्ट्रीट, खुरेक नगर, सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

सी यह सुखना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

हकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इत स्वना क राजपत्र म प्रकाशन की तारोद सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के पास निर्मित में किंग जा सर्वोत्तर

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, को उन्हें विधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

नग्स ची

पन्नैटनं • एन • जी-2, वेसमें स्टप्नोर, प्लाटनं • 2, ब्लाक 'एच' आर्पिंग सेन्टर, अशोक विहार-1, दिल्ली, तादादी।

> के० बासुदेबन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

तारीच: 28-11-85

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मई दिल्ली

मई दिल्ली दिनांक 28 नवम्बर 1985

निदेश सं अाई० ए० सी ० / एक्यू ० / 2 / 37ईई / 4-85 / 647 --- अतः मुझे, के० वासुदेवम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुक्त से बिधिक हैं

भीर जिल्लिकी संख्या पलैट नं० 2 है तथा जो 6/16 रूप मगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिम है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली, भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1961 के अधीन तारीख अप्रैल 85

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उपकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (19>2) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूविधा के लिए;

जतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मॅ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती साविती देवी सारोगी (2) श्री गोपाल प्रसाद सारोगी (3) श्री अशोक कुमार सारोगी, निवासी-बी-10, अशोक विहार-1, दिल्ली-52 ।

(अन्हारका)

(2) श्रीमती निलम कौशिक, निवासी—-ही-6/9, रामा प्रताप बाग, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके प्रवेषित सम्पत्ति के जर्जन के सिए कार्यशाहियां कारता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबव्धू किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वक्वीकरण: - इसमें प्रयुक्त कथा गौर पर्धों का, थो जबस वीधीनयंत्र के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिया वया है।

अनसकी

पर्लंड नं ० 2, सादादी-880 वर्ग फिट, प्राउन्ड फ्लोर 6/16 रूप नगर दिल्ली

> के० वासुदेवनं स**क्षम प्राधिकारी** स**हा**यक आयकर आ**युक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

सारीख: 28-11-85

प्रकल बाह्य दी पुरु एस । -----

कांगकर अधिनिया। 1961 (196) का 43) की धारा 269-म (1) के कभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातव, सहायक आयकर वाय्यत (निरोक्कण) प्रजीत रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०2/37ईई/4-85/648 ----ग्रत: मुझे, के० वास्रदेवन,

कारक र अधिनियम, 1951 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त कीर्थियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारक है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उभिन्न बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भोर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 102 और 103 है तथा जो 2, ओल्ड रोहतक रोड, विपरीत शहजादा वाग, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय भायकर ग्रधिनियम 1961, के ग्रधीन तारीख श्रप्रैस 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का मं निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नतिवित अंतरण के लिए तम प्रतिक

- (क) वस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, किपाने में सुनिधा के लिए;

अत: अथ, जन्त अधिनियम की भारा 269-च के, बनुसरण की, मी, उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) की अधील, निम्मिलिचित व्यक्तिसमी, अर्थात् १००० (1) मै॰ एलाईड कन्ट्रक्शन कम्पनी, 5/92, दिपाली नेडरू पलेस, नई दिल्ली

(मन्तरक)

(2) मैं ॰ एनसपो एपलाईनसिज प्रा० लि॰, ए-131 भगोक विहार-3, दिल्ली-52

(श्रन्तरिती)

की नह त्थमा बारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के सिए कार्यनामिकां करता हो।

तक्त सम्मन्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी को पान निकास में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शस्तों और पर्यो का, जो उक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं कर्म होगा, जो उस अध्याय में दिवा नमा है।

अनुसूची

पलैट नं । 103 और 103, एलाईड झाउस, 2, मोस्य रोह्तक रोब, निपरीत महमादा माग, बिल्ली-35, ताबादी 850 वर्ग फिट ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

वारीच । 28-11-85

म!हर:

प्रकम् बार्द्यः, स्वैद्धः पुन्, प्रय्यानम् ।

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269 में (1) के क्षीन मृत्रता

ALTO ALTON

कार्यालय, सहायक जानकार जायकत (निर्धिक)

मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 28 नवम्बर_{ें} 1985

निर्वेश सं० ग्राई० ए• सी०/एक्यू०2/37ईई/4-85/649 ---अत: मुझे, के० बासुदेवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

बौर जिसकी संख्या शाप नं० जी० एफ० 6, प्लाट नं० ए-37— 38-39 है तथा जो छा० मुकर्जी नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता पिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली भारतीय भायकर संधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख श्रप्रैंल 85

की पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमाने प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृम्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालाविक क्यं से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तक्ता ते हुई किसी जाब की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) एसी किसी आब या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

णाहः णाव, उस्त अधिनियम की धारा 269-गाली, अनुसरण रा. भी. अवत अधिनियम की प्राया पार्य कर प्रायास (1) को अभीन, निक्निचित्रित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्रीमती सतवन्त रानी सन्धु और श्री इरमीत विद सन्दु यी-3/61 जनक पुरी नई दिल्ली

(ग्रन्सरक)

2. (1) श्री संजय गुप्ता पुत्र श्री प्रकाश चन्दर गुप्ता निवासी बी-2/16 माडल टाउन दिल्ली (2) श्री दिपक गुप्ता पुत्र श्री प्रकाण चन्दर गुप्ता निवासी बी-2/16 माडल टाउन, दिल्ली (ग्रन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के कर्जन की निष्
कार्यजाहिया करता हुं।

उन्त सुम्बरित के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षीए :---

- (क) इस स्वन् । को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की ताशील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 जिन को भीतर जकत स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस् का मकोन।

स्पश्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ्िधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो सत अध्याय में विका गवा है।

मनुसूची

शोप नं• जी० एफ०- 6, प्लाट नं• ए-37-38-39, इा० मुकर्जी नगर, कनशियस कम्पलैक्स, दिल्की ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर मायुक्त (तिरीक्षण) प्रजेन रेंज-2: दिल्ली, तर्ई दिल्ली→110002 ।

नारीच : 28-11-85

मोइर:

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुचना

क्षापुर्व **सर्कार**

अध्याज्य अध्यायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/4-85/650 --अत: मुझे, के० वासुदेवन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्वेस नं० 9 ए-9, है तथा जो रनजीत नगर, कम्युनिट सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख अप्रैल 1985

को भूवोंकर। सम्मिन के लिजल बाजार भूक्य से कम के द्रस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि स्थापृषोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अविक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नितिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक का प्रतिकल का प्रतिकल का स्वीधन नहीं किया गया है म्—

- (क) बन्तरण ने हुई किसी बाब की बाबत इक्त बिध-नियम के जभीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसक क्रचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१३७२ का ११) या उक्त अधिनियम, या अय-कर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोधनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या वितार कता राहिए था कियाने में युक्रिया के निए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन जिम्मिलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् :——69—406 GI/85

(1) मैं श्राप्त सी सूद एन्ड कम्पनी लिंक, ईरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेशन, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री णिय लाल पुत स्व० श्री बुध राम और श्रीमती सोमवती पत्नी श्री शिव लाल, 27/बी, कुन्दन नगर, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

की वह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस मुखना के राजपक में पकाशन की तारी हैं 45 दिन की अवधि या तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर मुख्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ल व्यक्तियों भी के किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- अर्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के गत्य विचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ड़ी, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गंधा है।

क्षनुस्ची

स्पेस नं० 9, ग्राउन्ड फ्लोर, सम्प्राट भवन, ए-9, रनजीत नगर, कम्यनिटी सेन्टर, नई दिल्ली, तादादी -342 वर्ग फिट ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 ।

तारीख : 28-11-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेस नं 4, प्लाट नं बी-3 और 4 है तथा जो रनजीत नगर, कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1961 के प्रधीन तारीख प्रप्रैल 85

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्ह अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

- (1) मैं० प्रजय इन्टरप्राईजेस लि०, ईरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेशन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री क्षान प्रकाश ग्रग्नवाल पुत्र श्री प्रेम प्रकाश ग्रग्नवाल, निवासी—-बी-1/605, जनकपुरी, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षयी के पास लिसित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

स्पेस नं० 4, प्लाट नं० बी-3, और बी-4, रनजित नगर कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली, तावादी 452 वर्ग फिट।

> कें वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

गतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्ययिद्यां, अर्थात् ——

तारीख: 28-11-85

मोहर 🖫

प्रकृत कार्त .. स्त्री .. एन ... एकं... ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) से अधीन सूचना

गारत सरकार .

कार्यां तय , 'सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई० ई०/4-85/ 652---म्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित सामार 100,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० स्पेस नं०-11 (जी-II) है तथा जो प्लाट नं०-3, ग्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, श्रजन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायक्र ग्राधिनयम, 1961 के ग्रधीन, दिनांक श्राप्रैल 85

को पूर्वोक्त सम्परित के उजित बाजार मूक्य से कम के स्वयमान अतिफल के दिवए बंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का बन्धह प्रतिकार जिथक है जोड़ जन्तड़क (बंतरकों) और बंतरिती (बन्तिडितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल जिम्मिलिक उच्चरेय से उक्त बन्तरण निवित में बास्तिक स्प से कथिस नहीं किया गया है क्रिक्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के अधिन्य में क्वी करने वा उसके वयने में सुविधा के सिक्त अर्थने वा
- (क) पुँची किसी जान ना निस्ती धून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), सा उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंवा भा ना किया जाना आहिए था, कियाने में तृतिभा के तिस्तु

(1) एस० बी० तेल्स (प्रा०) लि०, (बिल्डिसं एड प्रोमोटर्स) यू० बी०-1, प्रनसल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमवती पत्नी श्री स्व० केशो राम खन्ना, ए-1/130, सफदरजंग इनक्लेव, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जनता सम्मत्ति को अर्थान की सम्बन्ध में कांद्र' भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के त्राबपक में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पद सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुत्रीका स्थितियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हिस्सबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसिष्ठ में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण:---इसमं प्रथुक्त शब्दा और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया हैं!

ग्रनु**सू** ची

स्पेस नं०-11, (जी-11) जी० एफ, प्लाट नं० 3, ग्रोल्ड रोष्ट्रसक रोड, दिल्ली, सादादी-125 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

बतः अवः, उक्त विधिनियम की धारा 269-न की बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिचित्त व्यक्तियों,, अर्थात् :---

दिनां इ : 28-11-1985

मोहर:

प्रकृप आई.डी.एन.एस.-----

जायकत सीधीतयम, 1961 (1961 का 43) जी भारा 269-भ (1) के संधीत सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांश 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई ई/4-85/653—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० स्पेस नं० 310-ए, है तथा जो 3, श्रोल्ड रोहतक रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज--2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961, के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल 1985

का पृथांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दृश्यमान प्रतिपत्त के पदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त , निम्निकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाक्स जिसका सकता अधीन कर दोने के अस्तरक के दागित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; बर्तूर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए?

भतः जन, उक्ट जिथिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरणी मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेतर्स एउ० बी० सेल्स (प्रा०) लि०, बिल्डर्स एंड प्रोमोटर्स, यू० बी०→1, अन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरप्रीत सिंह, 104-सी, गोविन्द नगर, देहरादून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिरियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समय ची

स्पेस नं० 310-ए, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग सिंडीकेट हाऊस, 3, श्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली, तादादी-256 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 28-11-1985

मोडर **व**

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई $\frac{$}{4-85}/654-$

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार (उन्ते अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० स्पेस नं ० 310, है तथा जो 3, श्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्री कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961, के श्रधीन, दिनां अर्थेल 1985

को पृष्कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकत के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिक स से, एते दश्यमान प्रतिक स का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितीं) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिक का कि, किमलिस दहरोप में उपत बन्तरण विविद्य में वास्तु- किक कुक से कृष्यत नहीं किया पना है क---

- (क) सन्तहक के हुन्द किसी बाद की वावता, धनत विधानियम के मुधीन कर दोने के मन्तुरक के वासित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; मुद्रि/या
- (थ) एसी किसी नाय या किसी थन का जन्म जास्तियों को, चिन्हों भारतीय भाग-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभेजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकृष नहीं किया भवा था वा किया जाना वाहिए 3 कियाने में सुधिधा के सिद्धा

अतः अवः, अवत अधिनियम की धारा 269-भं की अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स एस० बी० सेल्स (प्रा०) लि०, यू० बी-1, ग्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्सरक)
- (2) श्री मनमोहन पाल सिंह बजाज पुत्र श्री गुरबक्श सिंह बजाज, 72/2, लायटोन रोड़, देहरादून । (श्रन्सरिती)

को यह सुचना चारी करके पुर्चीयक सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यमाहियां अपरता हूं।

बच्चा बम्परित के वर्षण के सम्बन्ध में कोई" भी वास्त्रेष 🖦

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की स्वर्धि का सरकारनानी व्यक्तियों वर स्वात की तासींस से 30 दिन की अवधि, यो औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस त्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुध किसी क्ला व्यक्तित द्वारा अभोहस्ताकाडी वो वाब रिजीवत में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

स्पेस नं० 310, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग सिडीकेट हाऊस, प्लाट नं० 3, भ्रोल्ड रोहतक रोड़ दिल्ली, तादादी 256 वर्ग फिट ।

> के० वासुदेवन मक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनॉङ: 28-11-1985

मोहर:

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्चर 1985

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई/4→85/ 655→-म्रतः मुझे, के० वासुदेव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भाडा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का करने का करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० स्पेस नं० एफ-3, है तथा जो 5, रूप नगर, शक्ति नगर चौक, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिध नियम 1961, के श्रधीन, दिनांक श्रश्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम् के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिग्रत से मूचिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-मूज निक्नील वित स्वृद्धेस्य में स्कर्ध मंतर्क निर्मित में वास्तविक इस से कृषित नहीं किया वसा है क्ष्म

- (क) बन्तरभ में शुर्ह किसी बाय की बावक, उपछ अभिनियम के सभीन खाँद को से अन्तरक में बायरण में करने या उससे बुखने मी स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों का जिन्हीं भारतीय आयकतु अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया स्विधा के लिए;

नतः भवः, उत्ततः अधिनियमं की भारा 269-ग के जनुसरण कों, में , उत्तत विधिनयमं की भारा 269-व को उपभारा (1) को अधीन⊕ मिसन[स्रीचक व्यक्तियमें का अर्थात् क्रम्म

- (1) मेसर्स एस० बी० सेल्स (प्रा०) लि०, यू० बी०-1, श्रन्सल भवन, 16, इस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शान्ता कौशिः पत्नी श्री महेश चन्द्र कौशिक सी०/ग्री० श्री जे० एम० शर्मा, बी→45, सोमी नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना आड़ी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के विष कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

हरू कुम्पृतिक के मुर्जाद के सम्मुम्य में कोई भी आकार:---

- (क) हुन स्वभा में राज्यक में प्रकारक की राजीं है दें 45 विक की जबकि मा तरक्ष्यकों स्पृतिस्कों पूर स्वभा की तामील से 30 दिन की जबिंग, जो भी संबंधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तिस्कों में से किसी स्पन्ति बुवाया।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 विन के भीतर जनत स्थान्य सम्मास्त में हितनकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित्र में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

नन्स्ची

स्पेस नं ० एफ - 3, 5 रूप नगर, गक्ति नगर, चौक, दिल्ली, सादादी 200 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक: 28-11-1985

मोहर:

प्रकार साह¹् की अपूर्ण पुरा क्षा का वा वा वा

भाषकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **थाँ** शहर 269-म (1) को ब**मीन क्यल**

साउठ उस्पान

कार्बासय, सहायक मानकर बायुक्त (निरीक्तण) श्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई ई/4-85/656—ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

शानकर सिंशियम, 1961 (1961 स्त 43) (जिले इसके इसके वस्तात् उस्त अधिनियम सिंहा मना ही, अधि भारा 269-ख से वधीन सभान शामिकारी को यह विकास कारने का अल्लाहा ही कि स्थान सम्बद्धि किया उसका उसका नामार मुख्य 1,00,000/-उ. से अधिक ही

श्रोर जिसकी सं ० स्पेस न ० जी-10, है तथा जो प्लाट नं० 3, श्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबब श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961, के श्रधीन, दिनाँक श्रप्रैल 1985

को पूर्वोषत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रश्यान प्रतिपन्न को निन्ता अन्तरित को यहाँ ही और मुन्ते यह विद्रशास करने का द्रप्राण है कि यथाप्वेंदित सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य, शक्को द्रश्यानान प्रतिपन्न से एको द्रश्यानान प्रतिपन्न को पंदह प्रतिपन्न अधिक ही और अन्तरिती (जन्तरिती) और अन्तरिती (जन्तरितीक्यों) के बीच एमें बन्तरिण के सिए त्र्य पाया गया प्रतिपन्न, निम्नानिक्ति प्रविपन में सकत सम्तर्ण कि सिक्त में नाल्यों के स्थाप में जिथा गया है है ----

- (का) अन्। क्या ते हुंद कि ती जाव की बार सा, उक्स अधिनियन के अधीन क्या योगे के अस्परक के स्वियस्थ में कामी धारने में असमें जान में मृधिशा के जिल् अपिश्री वा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मेसर्स एस० बी० सेल्प (प्रा०) लि०, यू० बी--1, ग्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रेमवती पत्नी स्व० श्री केशी राम खन्ना, ए-1/130, सफदरजंग इनक्लेब, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता। हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्री में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्ष्य

स्पेस नं जी~10, ग्राऊंड फ्लोर, बिल्डिंग सिडीकेट हाऊस, फ्लाट नं 3, श्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली, तादादी-125 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 28-11-1985

मोहरः

प्रकप मार्च . टी . एम . एस . -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 28 नवम्बर 1985

निर्द्रोग सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई ई/4-85/657—श्रतः मुझे, के० वासुदेवन

नायकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का काड़िंग हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० स्पेस नं० 202, है तथा जो प्लाट नं० 3, श्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विष्तु है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिध-नियम 1961 के श्रधीन, दिनाँक श्रर्शंख 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मून्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल से नित्त का अचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल से नित्त प्रतिकात से अधिक ही और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के जिए तय गया गतिफल, निम्मलिवित उद्विस्य से उक्त बन्तरण कि बित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया नया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आफ्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैससं एस० बो० सेत्स (प्रा०) लि०, (बिल्डिसं एंड प्रोमोटर्स) यू० बी~1, प्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० सी० गुप्ता श्रीर श्री जय कृष्ण, निवासी सी-1/13, डी० डी० ए० फ्लैट, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के वर्षन के जिए कार्यवाही शुरू करता हो।

उक्त सम्मत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस त्यां के रायपत्त में प्रकाशन की तारीं है ते 45 दिन की संदिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीब से 30 दिन की संवधि, जो भी संवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति दवारा?
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबहुध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा मभोइस्ताक्षरी के
 वाव निविद्य में किए था सकेंगे।

• विश्वासिक्य स्वयं प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उनके सिमित्य के अध्याय 20-के में परिभाषिक की, कही अर्थ होगा, को उस मध्याय में दिया गया है।

वनस्वी

स्पेस नं० 202, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग सिंडीकेट हाऊस, प्लाट नं० 3, ग्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली तादादी 670 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∼2 विल्ली, नई दिल्ली∼110002

दिनाँक: 28-11-1985

मोहर:

प्रस्य अर्घः ती एत . एव . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्षी भारा 269-व (1) के विभीत संचना

नारत प्रश्चार

कार्बासय, सहायक वायकर वायक (मिर्याक्षक) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू ०/2/37 ई ई/4--\$ 5/658---श्रतः मूझे, के० वासुदेशन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार जन्म 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० एफ-एफ-4, प्लाट नं ०-2, है तथा जो ब्लाक 'एच' श्रशोक विहार-1, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ली मधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय मायकर ग्रीधिनियम 1961, के श्रशीन, दिनौक ग्रंभैस 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान व्यक्तिपत्त के लिए जन्तिस्त की गई है जीर मृत्ते यह विद्यात करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का अधिक बाजार कृत्य. उद्यक्ते दश्यमान प्रतिपत्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और संतरक (अंतरका) और बन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए तब पाथा गया प्रतिपत्त . निम्निनितित उद्यक्तिय के उपकारण किथित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- हेंका, जनारण में हाई कि.सी बाम की नायण, उण्या अभिनियम के अभीन कर देवें के कमापक की दायिएत में कमी कावने ए समसे क्यारे में शिक्सा के लिए; और यह ें
- (क) होसी किसी जाब या किसी धन या अन्य बास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थर. जिल्लों हो सविधा के लिए;

अत्र अष, उध्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्तरण तौ. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) े अ⊅त. जिल्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----70---486 €1/85

- (1) श्री मुकेश गुप्ता, प्लाट नं 2, फ्लैंट नं 14, ब्लाक 'इच' श्रक्षोक विहार, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स हंकुमत राय एसोसियेट (प्रा०) लि०, 5228/2, श्रदानन्द मार्ग, दिल्ली ।

(श्रन्सरिबी)

को वह सूचना बारी कारके प्रॉक्स संपरित के अर्थन के जिल्ह कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाबोब उन्न

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी जबिंच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्मिन्तों में से किसी स्मिन्त द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष रिविश्व में किए जा सकति।

स्पर्काकरण:--इसमी प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उपत अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस सध्याय में दिया समा है।

मगचर्च

एफ-एफ-4, पहली मंजिल, प्लाट नं० 2, ब्लाक 'एच' फ्रापिंग रोस्टर, जागोक बिहार-1. दिल्ली, तादादी 218 वर्ग किट।

के० **वासुदेवन** ग**शम** प्राधि ारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (विरोधण) ग्रजन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 28-11-19\$ 5

मोहर :

प्रस्प बाइ' हो, एत. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 28 नवम्बर 1985

निर्द्रोश सं अर्डि० ए० सी 0 एक्यू 0 2 | 37 ई ई | 4-85 | 659—ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्त्ररण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ-एफ-4, प्लाट नं० 2, है तथा जो ब्लाक, 'एच' ग्रशोक विहार-1, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम 1961, के ग्रधीन, दिनाँक ग्रप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्तिल को लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपाति का उचित बाजार मूक्य उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अम्बर्शिसयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिकल, निम्मी अखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्विक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अवस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1:) या उनत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया पथा था वा किया जाना जातिए था, दिल्पाने में अनिवय बी सिए:

(1) मेजर्स हकुनज राय एंड एतोजियेट (प्रा०) लि०, 5228/2, श्रदान्त्द मार्ग, दिल्ली । (ग्रन्तरक)

(2) नारंग ट्रेवल्स, श्री गरिश नारंग सील, प्रौ० एच-187, ग्रशोक विहार-1, दिल्लो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहितां करते हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना क राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यम्स्यो

एफ-एफ-4, प्लाट नं० 2, ब्लाक 'एच' स्रशोक विहार-1, विल्ली, शापिंग सेन्टर, तादादी 218 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

कतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनाँक: 28-11-1985

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

असम्बद्ध वापनियम, १७०१ (1951 हा 43) की षार 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 28 नवम्बर 1985

निर्द्रोग सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई ई/4-85/ 660---श्रतः मुझे, के० वासुदेवन

नामकर जिल्लाम, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इसमी मिक पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास अस्त का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिलको सं० फ्लैट नं० 314 है तथा जो 3, श्रील्ड रोहलक . रोड़, दिल्ली में स्थित है (फ्रीर इसी उपायद अनुसूची में पूर्य और रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधारी के जायीलया, ग्रर्जन रेंग-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर भधिनियस 1961 के प्रधीन, दिनौंक प्रप्रैल 1985।

अये पुनोक्त सम्पत्ति को उचित दाजार मृल्य 🐔 कर की रश्यमान *म*ितफल के लिए। अन्तरित की गई है और यह **१ एवं का कारण है** कि यथा। चेंक्त सम्पत्ति का उत्जित बामार म्ब्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयभान प्रतिकल का क्याह प्रशिवात ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अस्तरितयाँ) के बंध एसं अन्तरण के लिए तय धामा गया **प्रक्रिक्ट, निम्म**लिखिस उन्नुष्टेस्यों से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कथिश नहीं किया क्या है :---

- (क) जनसङ्ख्या से हुन्द्र' किसी आध को बावरा उनता सीध-विषय के अभीन कर दर्ज के सम्हरक के दायित्य में कामी कहाओं या उत्तर भाषा में सुविधा के लिए। बीर/गा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियस, 1922 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयाजनार्थ अन्तरिती क्तारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं समिधा के लिए;

बाराः बुध्, रामस वरिपीनयम वर्ते पास् 269-५ वर्षे अमृत्ररा में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिका अर्थात् :---

(1) भास्टर अभिषेक जैन, के-120, हौज खास, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मे॰ गुलमोहर इस्टेट (प्रा॰) लि॰, 2ई/16, अन्सारी रोड़, दरिया गंज, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्वाधित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायपाहिका बारतः हो।

इवस सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में फोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपन में प्रकाशन की **तारीय थे** 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनिष, भी भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के नौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (स) इस स्थना को राजपत्र में प्रकाचन की तारीच वे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विष-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकते।

स्पष्टिकारण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों. भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होना, जो उत्तर मध्याय में विका 1,771 B

वनसूची

फ्लैट नं० 314,प्लाट नं० 3, घोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली, तादादी 320 वर्ग फिट।

> के० वासूदेवन सक्षम प्राधिकारी त्तरायक आयकर आयक्त (तिरीक्षण) स्रजंत रेंज~2 दिल्लो, नई दिल्ली~110002

दिनाँक: 28-11-1985

मोहरः

प्रकृष काई. टी. एन. एन. ------

भाषभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक गायकर भागुमत (निरीसण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 28 नवम्बर 1985

निर्द्रोग सं श्राई० ए० सी ० एक्यू ० | 2 | 37 ई ई | 4~85 | 661 — मत: मुझे के० वासुदेवन,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, विज्ञा विश्वत वाकार मृज्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं ० स्पेस नं ० एफ-19, है तथा जो 3, श्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप से विलित है), रजिल्ट्रोकर्ता, श्रीधकारो के कार्यालय, मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रीयकर श्रीधनियम 1961. के श्रधीन दिनौंक अप्रैल 1985

- (क) मन्तरण से हुए किसी आय की वाबत उकत बिध-धिवल में मुनीन कर बोचे के बन्तरक से शामित के नकी करने का सकते बचने में मुस्सिमा के जिल्ह; क्षर/या
- (क) वृत्ती किसी बाग या किसी थन या जन्य जातिकारों की, जिम्हें भारतीय काच-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर जीवनियम, या भन कर अविभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गता था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के किए:

नतः स्थ उन्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं एस० भी० सेल्स (प्रा०) लि०, यू० बी-1, मंस ल भवन, 16, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मैं उमा कैरिवशन, डी-71, साकेत नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को शह सूचना चारी करुके पूर्वीक्त संपरित में वर्षन के जिल्ला कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त तम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी वालीर अ----

- (क) इंड सूचमा के राज्यक में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जगिंध मा तत्संबंधी स्वित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेंक्ट स्वित्तयों में से किसी स्वित्त ब्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वार कथाहस्ताक्षरी के गांव सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को संवद अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बड़ी अर्थ होगा का उस मध्याट में दिया स्या है।

मनुषूची

स्थेत नं एक-19 प्लाट नं 3, झोल्ड रोहतक पोड़ विल्ली तादादी 320 वर्ग फिट।

> के० वानुदेवन पश्चम प्राधि कारी स**हागन** ज्ञागकर जायुनत (निरोक्षण) ज्ञाजन रेंज-2 दिल्ली नई दिल्ली~110002

दिनाँक : 2 8-- 11-1\$\$5

नोहरः

प्ररूप आइ^च.टी.एस.एस.-----

भागकर अभिगियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आगकार आय्क्त निरीक्षण)
प्रमाणल हाउस, 4/14ए, श्रांसफ श्रली रोड
प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनौक 28 नवम्बर 1985

निद्रीय सं ० आई० ए० सी ० एक्यू ० / 2 / 37 ई० ई / 4--85/662---श्रतः मुझे, के० वास्टेवन,

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे एउमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को यह विश्वास करके का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जिसका वालार यून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं 7ए/2 (फ्लैंट नं जिं।) है तथा जो राजपुर रोड़, दिल्ली में स्थित है (और इन्ते उनावद्ध श्रनुयूचे में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री क्ली श्रधिकारी के कार्यालय भजेंन रेंज-2 नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के भधीन दिनौंक श्रप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास किरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त स्वयतित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एते दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निविखित उच्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नदी किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाम की बावत सकत अधीन कर देने के अलारक के वास्तिक में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों की, जिन्हें भारतीय आय-किर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारार (1) के अधीन, निम्निविधित न्यक्तियों, अधीत :——

(1) प्रताप विरुद्ध स्रोट कन्तद्रक्शन (प्रा०) लि०, 7ए राजपुर रोड, दिल्ली ।

(मन्तरक)

(2) श्रोमतो पुण्पा देवी कोशरी सी॰/श्रो॰ श्री श्री शास्ति लाल कीशरी, 40, कोशरी इन्टरशाइसेस 5506 मोतो कटरा, नई सड़क, दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां कारता हो।

जयत सम्बद्धि के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस ल्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिल की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ल्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विव के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पर्धाक्षरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का जो उक्त सिण-चियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रोपोधिक विलिधंग पए/2, राजपुर रोड, दिल्ली।

के० वासुदेवन नक्षम प्राधिकारी सहायक प्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

बिनाँक: 28-11-1985

मोहार 🖁

श्रुष वार्ष. टी. प्र. प्रा. ग्रामानगण्डामा भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना भारत परकार

कार्यांस्य, शहायक शायकर वायुक्त (निर्दाक्त) ग्रवाल हाउस, 4/14-ए, भासफ भ्रली रोड भर्जनरेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निव्रेंश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ई ई/4-85/ 663--- ग्रतः मुझे के० वासुदेवन

कामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स से अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जितकी सं० फ्लंट सी पहली मंजिल 7ए/2 है तथा जो राजपुर रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961 के अधीन दिनाँक अर्थेल 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार शृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिकित से बास्तिक रूप से कथित वहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरभ संबुध किनी नाम की नामतः, अन्त अधिनियतं के अधीन कर दोने के अन्तरकः के राष्ट्रिय में कानी करने ना उन्नये क्यमे ये स्थिशः के निए; बॉर/मा
- (व) एंसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियां खें , जिन्हें भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाने वाहिए या छिपाने में स्थित के सिंह;

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, ज्वात अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्नजिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) प्रताप विलंहर्स एंड कन्सदूक्यान (प्रा०) लि०, एए राजपुर रोड , दिल्ली ।

(सन्तरक)

(2) श्री जुनित गाँति लाल कोठारी सी०/भ्रो० मै० कोठारी इन्टरशाइसेंग, 5506, मोती कटरा, नई तड़क, दिल्ली।

(मन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्परित के जर्बन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हो।

उनत सम्मत्ति के जर्जन के सम्बर्भ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां वर स्चना की तामील से 30 दिन की वविध, को बी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त म्यविसारों में से किसी स्थवित बुवारा;
- (क) इस मृत्रना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितककृष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा मश्रोहस्ताकारी की शक्त लिखित में किए का सर्कों में।

स्वयोकरणः -----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यवा है !!

वन्युकी

पलैट सी, पहली मंजिल, प्रोपोजिड बिल्डिंग, प्लाट नं० 7ए/2, राजपुर रोड, विल्ली, तावादी 1500 वर्ग फिट।

के० वासुदेवत सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2,दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनौंक: 28--11-1985

माष्ट्र ३

संब कोश सेवा मामीन

नोटिस

मार्फ्यान वर्ष केया/मारतीय सांव्यिकी सेवा वरीका, 1986

वं • भा • 12/3/85 प Î (वा)

नर्वे विल्बी, विलोक 13 भनवरी 1986

बारत के राजवस विशास 11 वनवरी, 1986 में वित्त मंद्रालय (वार्षिक कार्य विशास) हारा काश्रित नियमों के धनुसार नीवे पैरा के चे चित्रवित्र सेवाओं के के मीर में मार्थी के चित्र वंव भीक सेवा मार्थीय हारा वगरतवा, वहनवाक्त, देवल, इनाहाबाद, वंव्यीर, भीपाल, वन्तर्य, कालकता, चंद्रीनक कोचीब, काक, दिल्मी, दिसपुर (गीहाटी) विरामाद, कम्फाल, इंटाजगर, वयपुर, जम्मू, जीरहाट, कोहिमा, लवनऊ, वहास, मागपुर, पणत्री (गोवा), पटना, पोर्ट कीयर, रायपुर, शिलांग, विमाया, बीनगर, तिरुपति, विवेद्यन, उदयपुर भीर विशासायक्तम में 24 जून, 1986 से सन्मिलत प्रतिशोगता परीका ली जाएगी:—

पायोग यदि चाहे उक्त परीक्षा के उपर्युक्त कंन्द्रों तथा तारीकों विकास करता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के किए उनकी पसंद के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी भायो। विरिक्षितकम किसी उम्मीवकार को प्रपत्ती विवक्षा पर भ्रलग केन्द्र दे ककता है। जिन उम्मीवकारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे विमा पाता है उन्हें ममय भारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दो वाक्यो। (अनुशंध I पैरा 11 देखिए)।

- 2 इस परीक्षा के परिणाम के माधार पर जिन सेवाभों के लिए भर्ती की भाषी है उनके साम तथा इन दोनों सेवाभों के ग्रेड-1V में रिक्तिओं की मनुमानित संख्या इस प्रकार है :--
 - (i) भारतीय मर्थ सेवा 30
 - (ii) मारतीय सांक्यिकी सेवा 20

एमधुँकत रिक्ति संक्या में परिवर्तनं हो सकता है।

इस रिक्सियों में मनुपूर्णित जातियों मोर असनुधित जनजातियों प्रमिद्यारों के लिए धारक्षण भारत सरकार द्वारा निष्टिन्त संक्सा प्रमुखार किया जा गा।

3. जम्मीवनार उपयुक्त पैरा 2 में जील्लाखत सेवा ों में से किसी पूक प्रकार वोमों के लिए परीक्षा में प्रवेश जाने के लिए प्रावेदन कर सकता है। एक बार प्रापेदन-पक्ष मज जाने के बाद सामास्पतः किसी प्रकार के पारवर्तन की प्रानुमति नहीं दी आएगी।

सिंद कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना वाहता है तो भी उसे एक ही माबेदन-पक्ष मेजने की मावश्यकता है। शीच पैरा 6 में उस्लिखित शुल्क भी उसे शेवस एक ही बार देना होगा। उसे मस्येक सेवा के लिए मलग-मलग नहीं जिसके लिए वह धावेदन कर रहा है।

शिशेष ध्यान : उसे केवल उसी सेवा/उन्हों सेवाओं के लिए उम्मीववार माना जाएगा जिसके/जिनके लिए वह झावेदन करेगा, दोनों चैबाओं के लिए झावेदन करने वाले उम्मीदवार को अपने झावेदन-पत्त चै खेबाओं के संबंध में अपना वरीयता-कम स्पष्ट कप से बताना चाहिए शांक बोस्पता कम से उसके स्थान को ब्यान में रखते हुए नियुक्ति करवे समय उसकी वरीयता पर भली-भांति विचार किया जा सके।

जिन सेवामों के लिए उम्मीदवार विचार किए जाने के इच्छुक है इस सेवामों के लए उनके द्वारा दर्गा गए परोपताकम में परिवतन से संबद्ध किसी भी मंगुरोध को छब तक रविकार नहीं किया, जाएगा चंद्र तक ऐसा मंगुरोध लिकिन परीता के परिणामों की "रीजगार सनावार" में प्रकाशित होने की तारीय से 30 दिन के मीनर नंच लोग सेवा मार्थांग के कार्योक्षय में प्राप्त नहीं के जाता।

4. परीजा में प्रवेश चाहने धांसे उच्चीदवारों को निर्श्वारित धावेधनप्रवश्च पर सचिव, संघ लोक नेवा बायोग, धीलपुर हाउस, नई दिल्ली—
110011 को धावेदन करना न हैं। जि.हिंदित धावेदन प्रपन्न तथा परीका से संबद्ध पूर्ण विवरण ही कार्य (ए० 2/-) देकर धायोग में हाक द्वारा आप्ता किए जा मकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा प्राणीग.
बीलपुर हाउस, नई दिल्ली--110011 को मनीआईर द्वारा या सचिव.
संघ लोक सेवा घायोग को नई दिल्ली जनरन डाकघर पर देय पारतीय पोस्टल धावेर द्वारा मेजी जागी चाहिए। मनीआईर/पोस्टल धावेर हैं।
स्वान पर बैक या करेंसी मोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये यावेदनप्रपन्न धायोग के काउण्डर पर नकद भुगतान हारा प्राप्त किए जा सकते हैं। दो धपये (६० 2/-) की यह राशि किसो भी द्वानत में वापम नहीं की जाएगी।

हिष्पणी:— उम्मोदवारों को चेनावती हो जाता है कि वे गरो अंतर्यक्त पत्न मारतीय धर्म सेवा/भारतीय सांविवकी सेवा परोजा. 1986 के लिए निर्धारित मुद्दित अनव में ही प्रस्कृत करे। भारतीय धर्म सेवा/भारतीय सांविवकी सेवा परीक्षा, 1986 के लिए निर्धारित मावेवन-पश्ली से इतर अपन्नों पर प्रस्तुत भावेबन-पन्नों पर विवार नहीं किया चाएगा।

5. बरा हुआ प्रावेदन पत्न धावस्थल प्रलेखों के साथ यवित्र, सव सेवा धायोग, धौलपुर हाउस, नई विस्ती—110011 को 10 मार्च, 1986 (10 मार्च, 1986) से पहने की जिसी तारीख से विदेशों में तथा धंडमान एवं निकोबार द्वीप समृह, लजहींप, प्रसम, मेघालप, धरुणावल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, लिपुरा, सिक्किम, जम्मू धौर कश्मीर के सहाख विवीजन, हिमाचल प्रदेश के लाहील भौर त्यीति जिले तथा चम्बा जिले के पांधी उपमंडल में रहने वाले धौर जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी इलाके से बाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उन उम्मीदवारों के मामले में 24 मार्च, 1986 सक या उससे पहले बाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उन उम्मीदवारों के मामले में 24 मार्च, 1986 सक या उससे पहले बाक द्वारा प्रयुप मिजजा दिया जाए या स्वयं घायोग के काउंटर पर धाकर जमा करा दिया जाए। मिछारित तारीख के बाद प्राप्त होते वाले किसी भी घावेदन-पत्र पर विवार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या भंडमान एवं निकास द्वीरममूह, लक्षद्वीर, भन्न-मेषालय, प्रक्लाचल प्रदेश, निकारन मिल्तुर, नाउँड, जिडुश, लिकिए भीर जम्मू एवं कश्मीर राज्य के लहाब दियोजन, हिमाचल प्रदेश के लाहील और स्पिति जिले तथा बंदा जिले के पांगी उनमंडल में रहने गाले उम्मीदवारों से भायोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि बहु 10 मार्च, 1986 ते पहले की किसी तारीख से विदेशों में या भंडमान निकाबर द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, प्रसम, मेणालय, घरणाचल प्रदेश, निजारम, नागालैंड, विज्ञुरा, सिकिएम भीर जम्मू एवं कण्यीर राज्य के लहाबा विदीजन, हिमाचल प्रदेश के आहील भीर स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल में रहे रहा था।

टिप्पणी (1)—जो उम्मीदवार ऐसे संबों के हैं जहां के रहते वाले प्रावेदन की प्रस्तुती हेतु प्रतिरिक्त समय के इकदार हैं उन्हें प्रावेदन पक्ष के संगत कालम में भानने पता में प्रतिरिक्त समय के हकदार हलाके या क्षेत्र का नाम (प्रयीत प्रसार, मेमालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लहाब क्षेत्र) समय के हकदार हला का वाहए प्रन्यया हो सकदा है कि उन्हें प्रतिरिक्त समय का साम न मिले।

िष्पणी (2) - उम्मीदकारों को सलाह दी जाती है कि अपने वे आवेदन-पा को स्वर्म सं० लो० से० प्रा० के काउंटर पर जमा कराएं अभवा रजिस्टर्फ डाक द्वारा भेजें। आयोग के निशी अन्य कर्मकारी को दिए गए आवेदेन-पत्नों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

6 परीक्षा में प्रवेश चाहने बाल उम्मीदवारों को भरे हुए आयेदव-पक्ष के साथ आयोग को द० 48 (रुपये प्रदत्तालीस) का गुरुक भेजना होगा जो कि सचित्र, संघ लोक सेत्रा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान काकघर पर देय रेखांकिस भारतीय पोस्टल ग्राईर या सचित्र, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक भाफ इंडिया की नई दिल्ली स्थित मुख्य गाखा पर देय स्टेट बैंक माफ इंडिया की किसी भी गाखा से जारी किए गए रेखांकित शुपट के रूप में हो।

मनुसूचित जातियों/धनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को कोई शुल्क नहीं देना है।

निदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को तिर्घारित शुल्क भारत के उच्च प्रायुक्त, राज्यूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैही भी स्थिति हो के कार्यालय में इस धनुरोध के साथ जमा करना होना ताकि वह "051' लोक सेवा भायोग परीक्षा शुल्क" के लेखाशीय में जमा हो जाए और उसे धायेवन-पत्न के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी धादिए।

जिन भावेदन-पत्नों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होनी उन्हें एक दम प्रस्थीकार कर दिया जाएगा। यह उन उन्मीदशारों पर लागू नहीं होता को नीचे के पैरावाफ 7 के भन्तर्गत निर्धारित गुल्क से छुट बाहुने हैं।

7. मायोग यवि चाहे तो, उस स्थिति में निर्शारित गृहक ने छूट दे सकता है जस वह इस बात से संगुन्ट हो कि आवेबल या थी 1 जनकरी, 1984 मीर 25 मार्च, 1971 के यान को सदिद में भूति पूर्वी पाकिस्तान (धव बंगला वेश) से भारत आवा हुआ नहतिक जिस्सापित व्यक्ति है, या बमी से वास्तविक रूप में प्रत्यावित मृतत: भारतीय व्यक्ति है भौर 1 जून, 1963 को बा उसके बाद भारत आवा वा या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावित गूनत: भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को बा उसके बाद भारत आवा वा या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावित गूनत: भारतीय व्यक्ति है जो भक्त्वार 1964 के भारत-श्रीलंका समझीते के भन्तर्यत 1 मवस्वर 1964 की या उसके बाद भारत प्राया था या श्रीलंका से भारत मूल का भावी प्रत्या वितित व्यक्ति है या मृत-पूर्व पश्चिम पाकिस्तान है एसा वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो 1 जनवरी, 1971 प्रीर मार्च, 1973 के बीच की भविध के दौरान भारत प्रवजन कर चूका था भौर निर्मारित गुरुक दे सकने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित गुल्क का भुगतान कर दिया हो किस्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गना हो उसे द० 30.00 (रूपपे तीस) की राणि वापिस कर वी जाएगी। किन्तु यदि निवम 6 के मीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश पाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पन्न यह सूचना प्राप्त होने पर अस्त्रीकार कर दिया जाता है कि वह अहंक परीक्षा में असफल रहा है अनवा वह उपयुंक्त टिप्पणी के उपबंधों की अपेक्षाओं का अन्वया पालन नहीं कर उकेगा तो वह गुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

वर्ण्युंक्त भीर नी वे पैरा 9 की ज्यासम्या को छोड़ कर प्रान्य किसी की स्थिति में भागोग को भूगतान किए गए शुरुक की वापसी के किसी श्रांबे पर न सो विचार किया जाएगा भीर न ही शुरुक को किसी प्रान्य वरीक्षा या चयभ के लिए प्रारक्षित रखा जा सकेगा।

9. यदि कोई उम्मीदवार जिसने 1985 में घायोजित भा० मधं धैवा/भा० सां० सेवा परीक्षा दी हो इस परीक्षा में प्रवेश का इज्जुक हों तो उसे परीक्षा परिणाम या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतिक्षा किए दिना अपना पावेदन-पत्र इस प्रकार धवश्य प्रस्तुत कर देना चाहिए कि वह नायोग के कार्यालय में निर्धारित तारीख तक पर्तुच जाए। यदि वह 1985 की परीक्षा के परिणाम के घाघार पर नियुक्ति हेतू धनुशंक्ति कर दिया जाता है तो 1986 की परीक्षा हेतु उसकी उम्मीरवारी उसके बनुरोक पर रह कर दी आहगी योर उसका शुल्क लीज दिवा आएगा

वणर्ते कि उम्मीववारी रह करने और गुल्क लौटाने का धनुरोब धाबीग
 के कार्यालय में 1985 की फाइनल परीक्षा के परिणाम रोजगार समावार
 में प्रकाशन की तारीश के 30 दिन के भीतर प्राप्त हो जाए।

10. उम्मीदयार को अपना धावेवन-पत्न प्रस्तुत, कर देने के बाद उम्मीदवारी वापय वेने से संत्रत उसके किसी भी प्रनृरोध को किसी भी परिस्थिति मैं स्वीकार गढ़ीं किया जाएगा।

11. जैसा कि परीजा विजयायनी के परिविष्ट -में उतिलखित परीका योजना में निदिन्द किया गया है, कुछ विषयों के प्रश्न पत्नों में वस्तुरस्य प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्न सहित वस्तुपरक परीक्षण संबंधी क्यीर के लिए छुपया "उम्मीववार सुचना-विवरणिका" के भनुषन्य का अवलोकन करें।

र्म० बालाइस्म, उप समिव

प्रन्बन्ध-I

उम्मीदवारों को अनुदेश

 उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-अपक्ष भरने से पहले नोटिस और नियमावली को छात से पहकर यह देख तें कि वे परीक्षा में बैठने के पास है या नहीं। निर्धारित शर्ती में छूट नहीं दी जा सकती।

धावेदन-पत्न भेजने से पहले उम्मीववार को नोटिन के पैरा । में दिए गए केन्द्रों में से जिसी एक को जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो अंतिम रूप से चुन लेना नाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रजना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध धनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्दु जब कोई उम्मीदवार ध्रपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीका हेता प्रपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सबिन, संघ लोच सेवा धायोग को इत बान का पूरा शौजित्य बतते हुए एक पत्र रिषदाई काम् से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवता के आधार पर विचार किया जाएगा विद्यु 26 मई, 1986 के बाद प्राप्त अनुराधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया गएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पात्रती कार्ड अपने हाप से स्थाष्ट्री से या बाल पैन से ही भरने चीहिएं। सभी प्रतिष्टियां/उत्तर शक्दों में होना/होने चीहिएं, रेखा या बिन्दु धादि के द्वारा नहीं। अधूरा या गजत सरा हुआ धावेदन-पत्र रह किया जाएगा।

उस्मीवयार यह ध्यान रखें कि ध्रावेदन पत्र भरते समय उन्हें भारतीय प्रंकों के केवल प्रंतर्राष्ट्रीय रूपों का ही प्रयोग करना है वाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्न या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीब हिन्दी के अंकों में वर्ज है तो भी उम्मीक्यार यह मुनिषिचत कर तें कि प्रावेदन पत्र में प्रविद्धि करने अभग इसकी भारतीय ग्रंकों के, धा केअस ग्रंतर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस वारे में विशय सामधानी करता कि प्रावेदन-पत्र में की गई प्रविद्धियां स्पष्ट धीर सुवाद्ग हों। यदि वे प्रविद्धियां ग्राव्य ग्रा ध्रामक है तो उनके निर्वेदन में हीने कालो भावि या संदेह के लिए उम्मीक्यार जिम्मेशार होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना वाहिए कि भाषोग द्वारा आधेवन-पत्न में उनके द्वारा का गई प्रवित्यों को बदनों के निए होई पत्र भाषि स्थीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें भावेवन-पत्र मही क्य में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी बाहिए।

सभी उन्हींदवीरों को बाहे 4 पहुंत के सरकारों नी हरों में सरकारों जीधोगिक उनकेनों में या रचना प्रधार के अब्द संख्वामें हों या गैर नरकारी संस्थामों में नियुक्त हो. अनते आवेदन-पत्र आयोग की सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उज्मीदशर ने आता आवेदन-पत्र अपने नियोग के काल गैजा हो थीर वह तेब लोक सेवा आयोग में देर से पहुँति ही तो उत अवेदन-पत्र पर जिन्हर नहीं किया आएगा, सले ही वह नियोगना को आयियी नारीख से पहुँति ही सिया आएगा, सले ही वह नियोगना को आयियी नारीख से पहुँति अस्तुत निया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में भाकरिमक या दैनिक दर कमें जारी से इतर स्थायी या भस्यायी हैं सियत से या कार्य प्रभारित कमें जारियों की हैं सियत से या लोक उधामों में सेवा करने वाजों के रूप में काम कर रहे हैं उन्हें यह परिवचन (मंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप में भपने कार्यालय/विमाग के प्रध्यक्ष को सुनित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए धानेवन किया है!

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि धायोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए धावेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध धनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका धावेदन-पद्म अस्बिहत/उनकी उम्मीदवारी रह कर दी आएगी।

- उम्मीदवार को प्रपने आवेदन-पक्ष के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवस्य मैंजने जाहिएं:-
 - (1) निर्धारित शुरुक के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल पार्बर या बैंक श्राफ्ट प्रयंश गुरुक में छूट के वाले के समर्पन में प्रभाणपत्नों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस का पैरा 6 ग्रीर 7 तथा नीचे परा 5 ग्रीर 6)।
 - (2) मायु के प्रमाण-पन्न की मनुप्रमाणिति/प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (3) पैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की भनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिसिपि ।
 - (4) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट माकार (लगमग 5 सें० मी०× 7 से० मी०) के फोटो की वो एक जैसी प्रतिया।
 - (5) जहां लागू हो वहां धनुसुचित जाति/धनुसुचित जन जाति का होने के दावें के समर्थन में प्रमाण-पन की धनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि (वेक्सिए नीचे परा 4)।
 - (6) जहां लागू हो वहां भायु में छूट के वाने के समर्थन में प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिये नीचे परा 5)।
 - (7) उपस्थिति पत्रक (भाषेदन-पत्र के साथ संलग्न) जी विधिवत् भरा हुमा हो।
 - (8) लगमग 11.5 सें॰ मी॰ × 27.5 सें॰ मी॰ भाकार के वो बिना टिकट लगे लिफाफे, जिस पर मापका पता लिखा हो।
- टिप्पणी (1) :-- उम्मीदवारों को भपने भावेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त म्ब (2), (3), (5) मीर (6) में प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी है जो सरकार के किसी राजपन्नित मधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित हों धथना स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के **पाधार** पर अपन्तिगत परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतू आईता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पक्त मूल में प्रस्तुत करने होंगें। लिखित परीक्षा के सम्भवत: घनदूबर, 1986 में घोषित किए उन्हें अपने मूल प्रमाण-पत्र साकात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीवबार उस समय प्रपेक्षित प्रमाण-पक्ष मूल रूप से प्रस्तुत करेंगे उनकी उम्भीदवारी रह कर दी जाएगी उनका बागे विचार किए जाने का बाबा स्वीकार नहीं होगा ।

टिप्पणी (2):— मावेबन पत्नों के साथ भजी गई सभी प्रमाण-पत्नों की मनुप्रमाणिल/प्रमाणित प्रति पर उम्मीबवार की हस्ताक्षर करने होंगे भौर वारीख भी देनी होगी।

- (1) से (6) मव में उल्लिखित प्रलेखों के वित्ररण परा 4, 5 भीर 6 में बिए गए हैं:---
- (1) (क) निर्धारित गरक के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल गार्थर:---

प्रत्येक पोस्टल भाईर भनिवार्यंत: रेखांकित किया जाए तथा उस पर "सिचय संघ लोक सेवा भायोग" को नई विल्ली के प्रधान डाकघर पर वेय लिखा जाना चाहिए।

किसी प्रत्य डाकचर पर देय पौस्टल प्रार्डर किसो भी स्थिति भें स्वीकार नहीं किए जायेंग, विरूपति, या कटे-कटे पोस्टल प्रार्डर भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

सभी पोस्टल भार्डरों पर, जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर भीर जारी करने वाले डाकथर की स्वश्ट] मोहूर, होसी चाहिए।

जम्मीववार को प्रवस्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल प्राचर न तो रेखांकित किए गए हों, धौर न ही सचित्र, संघ लोक सेवा भागोग को नई विस्ली जनरल शक्यर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना भुरक्षित नहीं है।

(बा) निर्धारित शुरुक के लिय रेखांकिन वेंस इस्ट

वैंक ब्राफ्ट स्टेट बक घाफ इंडिया की किसी शाबा से लिया जाना चाहिए भीर सचिव, संघ लोक सेवा भायोग को स्टेट बक्क भाफ इंफिया, मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय होता चाहिए तथा विश्ववत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी भाग्य बैंक के नाम देय किए गए बन क्राफ्ट किसी भी हालत में स्वोकार नहीं किए जाएंगे, विकपित या कटे-फटे, क्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

- टिप्पणी: -- उम्मीदवारों को प्रपने भावेदन-पन्न प्रस्तुत करते समय

 वैक कुम्मट की पिछली भीर सिरे पर भवना नाम तथा

 पता लिखना चाहिए। पोस्टल मार्डरों के मामते में

 उम्मीदवारों को पोस्टल मार्डर के पिछली भोर इस

 प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर प्रशन नाम तथा

 पता लिखें।
- (2) सायु का प्रमाण-पत्न :— प्रायोग जन्म की वह नारीख स्वीकार करता है जो मद्रिकुलेशन, या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय छारा, मद्रिकुलान के अन्त न माने गए प्रमाण-पत्न या किसी विश्वविद्यालय हारा प्रतृर्शकन मद्रिकुलेटरों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो भीर वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समृचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। उम्मोदशाद उध्वर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तोग कर वृक्ष है, वर् उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न की धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

प्रायुके सम्बन्ध में कोई प्रय्य दस्तावेज जसे जन्मकंडली, शवय-पन्न , नगर निगम से सेवा प्रमिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धो उद्गरण तथा प्रत्य ऐसे ही प्रमाणस्वीकार नहीं किए आर्थेंगे।

भनुवेशों के इस भाग में भाए हुए, "मट्टिकुलेशन/ उच्चतर माध्य-मिक परीक्षा प्रमाण-पद्ध" वाक्योश के धन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पित प्रमाणपद्ध सम्मलित हैं।

कभी-कभी मैद्रिकुलेशन/उण्यतर माध्यमिश परोता । प्रमाण-पक्ष में अग्म तारीक नहीं होती या भायु के केवल पूरे वर्ष या वर भौर महीने ही दिये होते हैं। एखे मामलों में उप्मीवनारों को मद्रिकुलेशन/उण्यतर माध्यमिक परीका प्रमाण-पक्ष की भनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति-िक्तिक अतिरिक्त उस संस्था के हैंड-मास्टर/प्रितिश्त से लिए गए प्रमाण-पक्ष की एक भनुप्रमाणित प्रतिलिपि केजनी चाहिए

जहां से उसने मिट्रकुलशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीण की हो। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के वाखिल रिजस्टर में वज की गई उसकी जन्म की तारीख, या वास्तिक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को खेतावनी दी जाती है कि यदि प्रावेदन-पत्न के साथ दन भनुदेशों में यथा निर्धारित भ्राय का पूरा प्रमाण नहीं भजा गया तो प्रावेदन-पत्न धरीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1:--जिस उम्भीववार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त
माध्यमिक विद्यालय, प्रमाण-पन्न हो, उसे केवल ग्रायु से
सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ट, की प्रनुप्रमाणित/ प्रमाणित
प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी — उम्मीदबार यह ज्यान म रका कि भायोग उम्मीदबार की जन्म की तारीख उसी तारीख को स्वीकार करेगा जोकि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को महिकुलेशन/ उक्तर मारुपिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या सनकन्न के प्रमाण-पत्न में दर्ज है भीर इसके बाद इसमें परिवर्तन के किसी भन्दरोध पर न तो विचार किया जायेगा भीर न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3:— जम्मीववार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा, किसी
परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित
कर देने घौर मायोग द्वारा, उसे भ्रपने भ्रमिलका में
यज कर लने के बाद उसम बाद में या किसी परीक्षा में
परिवतन करने की भ्रमुमित नहीं दी जायगी।

(3) गक्षक्षिक योग्यता का प्रमाण:— उम्मीवनार को एक एसे प्रमाण-पन्न की प्रनुप्रमाणित/प्रमाणित तिलिप अवश्य मजनी नाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सक कि निम्न 6 में से निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक ोग्यता उस के पास है। भजा गया प्रमाण-पन्न उस प्राधिकारी (भर्यात विश्वविद्यालय, या किसी भ्रम्य परीक्षा निकाय का होता वाहिए जिसमें उसे योग्यता विशेष प्रवान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पन्न की भनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भजी जाए तो उम्मीववार को उसे न भेजने का कारण भवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के समर्थन में किसी भ्रम्य प्रमाण-पन्न की प्रतिलिपि भजनी चाहिए। भ्रायोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के प्राधार पर विचार करना। किन्तु वह उसे प्रयप्ति, मानने के लिए बाव्य नहीं होंगा।

यवि किसी उम्मीदवार द्वारा प्रपनी शक्षिक योग्यनाओं के समर्थन में प्रस्तुत विग्नी परीक्षा उत्तीर्ण कर ने से सम्बद्ध विग्नविद्यालय के प्रमाण-पत्र की प्रनुप्रमाणित /प्रमाणित प्रतिक्षिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, को उसे विश्वविद्यालय प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिक्षिपि के प्रतिरिक्त, प्रिसिपल/विभागाञ्चक से लिए गए इस प्रशाय के प्रमाण-पत्न की एक प्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रवश्य में जनी वाहिए कि उसने नियम 6 में निर्धारित किसी एक विषय या एक से प्रधिक विषयों में प्रहुक परीक्षा उत्तीर्ण की है।

टिप्पणी:—यदि कोई उम्मीदवार किसी एसी परीका में कर किसी हो जिसे उसीणं कर लेने पर वह इस परीक्षा में करने का पान हो जाता है पर प्रमी उसे परीक्षा के परिणाम की सुकता न मिली हो तो अह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए धावेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की घहंक परीक्षा में बठना बाहता है वह भी धावेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार धन्य मतं पूरी करते हों, तो उन्ह परीक्षा में बैठने किया जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने की यह प्रमात अंतिम मानी जाएगी भीर यदि वे धाईक परीक्षा में उसीणं होने का प्रमाण जलदी से जलदी भीर हर हालत में 30 सिनम्बर, 1986 तक प्रस्तुन नहीं करता हो यह अनुमति रहे की जा सकती है।

(4) फोटो की दो प्रतियां:—उम्मीदवार के अपने हाल ही पास पोर्ट माकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्न के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक में निर्धारित स्यान पर विषका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्यक प्रति पर उम्मीदवार को सामने की और स्याही से हस्ताकार करने चाहिए।

विशव प्रयान:---जम्मीदवार को वेतावशी वी जाती है कि यदि भावेवन-पत्न के साथ ऊपर पैरा 3 (ii) 3(iii) धौर (iv) में उल्लिखित प्रलेखों में से कोई एक संलक्त है न होगा घौर उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो भावेदन-पत्न अस्वीकार किया जाएगा धौर इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अभोज नहीं मुनो नाएगो।

4. यांव कोई उम्मीववार किसी अनुसूचित जाति अनुसूचित जन जाति अनुसूचित जन जाति का धोने का दाना करे तो उसे अनने दाने के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता या जीनित माता या पिता ग्रामतीर से रहते हों, जिला अधिकारी या उन मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम अधिकार के रूप में पद नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्न लेकर उसकी एक अनु-अमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदनार के माता-पिता और वोनों की मत्यु हो गई हो, तो यह प्रमाण-पत्न उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदनार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर पर रहता है।

भारत सरकार के प्रधीन पर्वो पर नियुक्ति के लिए पावेदन करने वाले धनुसूचित जाति धौर धनुसूचित जन जातियों के उम्मोदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म ।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री	——– श्रोमतो/कृमारी [≉]
	सुपुत्त/सुपुत्ती *श्री
जो गांव/	कस्वा [‡]
जिला/मण्डल*	राज्य∤संघ* राज्य क्षेत्र
कः/की	🗘 निवासी . हैं
	त/जन* जाति के/को * हैं जिसे निम्न~
जिल्लित के प्रधीन प्रनुसूचित जाति/ज गई है:	न जाति के रूप में मानाता दी

संविधान (प्रनुसुचित जाति) प्रावेश, 1950@

संविधान (अनुसूचित जनजातियां) भादेश, 1950 @ । संविधान (भनुसूचित जातियां) (संघराज्य क्षेत्र) श्रादेश, 1951 @ । सीवधान (बावरा और नागर हवेली) भनुसूचित जातियां भावेश, 1951 @ ।

मनुसूचित जातियां घीर धनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) धावेश 1956, बम्बई पुनर्गेठन प्रधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गेठन प्रधिनियम, 1966, हिमाचल प्रवेश राज्य प्रधिनियम, 1970, भीर उत्तर-पूर्व क्षेत्र (पुनर्गेठन) प्रधिनियम, 1971 भीर धनुसूचित जातियां तथा धनुसूचित जन जातियां भावेश संशोधन प्रधिनियम, 1976 हारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू भीर काश्मीर) धनुसूचित जातियां घावेश, 1956, संविधान (भण्डमान भीर निकोबार द्वीप समृह) भनुसूचित जन जातियां भादेश, 1959@ भीर धनुसूचित जातियां भीर धनुसूचित जन जातियां भादेश (संशोधन), भ्रषिनियम 1976, द्वारा यथा संशोधित ।@

संविधान (दावरा भौर नागर हवेली) धनुसूचित जातियां भावेश 1982 (क्रु संविधान (दावरा भौर नागर हवेली) धनुसूचित जन जातियां भावेस,

- संविकस्य (पश्चिमेरी) अनुसूचित जातियां अध्येश 1964@ । संविधान (मनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रवेश) मादेश 1967 @। संविधान (गोबा, धमन और दियू) अनुबूचित जातियां जादेश, 1968 🔁 । संविद्यान (गोत्रा दमन भौर विस्) भनुसूचित जन जासियां भादेश, 1997@1 तंबिधान (नागालेन्ड) प्रनुसूचित जन जातियां प्रावेश, 1970@। संविधान (सिक्किम) धनुसूचित जाति प्रावेश 1978 🕢 । संविद्यान (सिविकम) अनुसूचित जन-जाति भादेश, 1978@। 42. अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के जो व्यक्ति एक राज्य/ संभ राज्य क्षेत्र प्रशासन से प्रवजन कर चुके हैं उनके मामले में लागू। यह प्रमाण-पत्न श्री/श्रीमती/कुमारी* ... निवासी ग्राम/कस्वा* ... जिला/मण्डल * राज्य/संव राज्य क्षेत्र* जाति/जनकाति* जिसे राज्य/संव राज्य क्षेत्र क्षारा विनांक . को जारी मादेशों के मधीन मनुसूचित जाति/मनुसूचित जन जाति* के रूप में मान्यता प्राप्त है, के पिता /माता श्री/श्रीमती* को जारी प्रनुसूचित जाति/ जनुष्कृतित जन जाति* प्रमाण-पत्न के आधार पर जारी किया जाता है। श्री/श्रीमती %कुमारी* **धीर/वा*** उनका परिचार ग्रामतीर से गांव/कस्वा* तंब राज्य क्षेत्र * में रहते/रहती* है। हस्ताक्षर **पवसाम^{*} (कार्यालय की मोहर सहित) स्यान तारीच राज्य /तंत्र राज्य क्षेत्र* ***जो शब्द ला**गून हों, उन्हें कृपया काट दें। @क्षपया राष्ट्रपति का विशिष्ट भावश उदद्वधुत करें। 🏸 जो पैरा लागून हो उसे काट दें। टिप्पणी:--यहां प्रयुक्त "भाम तौर से रहते/रहती हैं शब्दों का प्रयं वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन प्राफ दि पीपुल एक्ट, 1950' की घारा 20 में है।
- **जाति/जनजाति प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारियों **ठी सूची**
 - (1) जिला मैजिस्ट्रेट/असिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/अलक्टर/किस्टी कमिश्नर/एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टो कलेक्टर/ प्रथम श्रेणी का स्टाईरेंड री मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब्दिश्वोजनल कैजिस्ट्रेट —ताल्लुक मजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिंव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा-असिस्टेंट कमिश्नर।

ү (प्रथम श्रेणी के स्टाईपेंडरी मैजिस्ट्रेंट से कम भौहदे का नहीं)

- (2) चौफ प्रेतीबेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/ प्रेतीबेंसी मैजिस्ट्रेट।
- (3) रेकेल्यू मफलर जिसका भौहदा तहसील वार से कम न हो।
- (4) उत इलांके का सब-डिकीजनल प्रफसर जहां उम्मीववार प्रौर/ या उसका परिवार प्राम तौर से रहता हो। ऐडिमिनिस्ट्रेटर/एड-मिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेबलपमेंट प्रफसर, (लक्षद्वीव)।
- 5. (1) नियम 5 (ख) (2) या 5 (ख) (3) के अन्तर्गत निर्धारित आबु सीमा में छूट का वावा करने या उक्त नोटित के पैराग्राफ 7 के ध्रधीन गुरूक से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ध्रब बंगला वैश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसीएक के लिए किए प्रमाण-पत्न की ध्रभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यहं विखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी धाकिस्तान (ध्रब बंगला वेश) से ध्राया हुआ बास्तविक विस्थापित व्यक्ति है धौर 1 जनवरी, 1964 धौर 25 मार्च, 1971 के बीच की ध्रवधि के वौरान जबजन कर भारत ग्राया है:—
 - वृष्टकारण्य परियोजना के ठ्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के शिविर कमोडेंट।
 - (2) उस तोज का जिला मैजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) भ्रपने-भ्रपमे जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी भ्रतिरिक्त ज़िला मैजिस्ट्रेट।
 - (4) स्वयं प्रभारित सब-किवीजन का सब-किवीजनल अफछर।
 - (5) उप-सरणार्थी पुनर्नास-प्रायुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकता।
- (2) नियम 5 (ख) (4) मथवा 5 (ख) (5) के अस्तर्गत निर्धारित मायु में छूट का दवा करने वाले भीर/या उकत नोटिस के पैराग्राफ 7 के मधीन शुरूक से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्या-वर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च भायुक्त के कार्यांलय से लिए गए इस भाशय के प्रमाण-पन्न की एक भनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी बाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो भक्तूबर, 1964, के मारत-श्रीलंका समझौते के भधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत भ्राया है या माने वाला है।
- (3) नियम 5 (ख) 6 या 5 (ख) 7 के भन्तर्गत भाय में भूट का दावा करने वाले निवतनाम से अत्यावित्त भारत मूलक व्यक्ति को फिलहाचा निव क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पन्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विद्याने के लिए प्रस्तुत करनी नाहिए कि वह विद्यतनाम संभाया हुंदुआ वास्तविक प्रत्यावित्त व्यक्ति भौर विद्यतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं भाषा है।
- (4) नियम 5 (ख) 8 प्रथमा 5 (ख) 9 के प्रन्तर्गत निर्धारित मायुसीमा में छूट का वावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के वैराप्राफ 7 के अधीन गुल्क से छूट का दावा करने वाले अमी से प्रत्यावितत मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूताशास, रंगून द्वारा विए गए विविद्यान प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाव भारत आया है प्रथमा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासो है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वर्मा से आया क्षमा वास्तविक प्रत्यावितित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 का ना उत्तक बाद भारत आया है।

स्यान :

तारीव :

1304 मार्स नेत राज्यम् अस्तर दार
(5) तियम 5 (ख) 10 अथवा 5 (ख) 11 के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहले वाले ऐसे उम्मीदवार को जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिवेशक, पुन:स्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्मलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पन्न लेकर उसकी एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशो शत्रु देश के साप्र संपर्ध में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम- स्वक्रप निर्मुक्त हुआ।
उम्मीदनार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म:
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिटके रैंक नं॰शी रक्षा सेवामों में कार्य करते हुए जिवेशो शजु देश के साथ संवर्ष/प्रशांतिप्रस्त सेव में फोजी कार्यवर्ष के दौरान जिकलांगे हुए भौर उस जिकलांगता के परिणामस्वरूप निर्भुक्त हुए।
ह स्ताक्षर
पदनाम
वित्तीक
[®] जो ग्राब्द लागून हो उसे ऋपया काट दें।
6. नियम 5 (ख) 7 या 5 (ख) 8 के प्रत्यांत भागु में बर चाही वाले की निया, उगांबा तथा संयुक्त गणराज्य तंत्रानिया (भ्तुर्वं टंगानिका भीर जंजीबार) से प्रवजन कर भाए हुए या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा विक्योपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार की उस क्षेत्र के जिना मैं किस्ट्रेट से जहां बहु इस समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण-तंत्र को एक प्रनृप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिए प्रस्तुत करनो चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त वेशों में प्रवजन कर भाया है।
जो भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त ग्रधिकारी (भाषातकालोन सेवा कमीशन प्राप्त भविकारियों/अल्पकालीन सेवा कभीवा प्राप्त भवि- कारियों सहित) नियम 5 (ख) (14) भयता 5 (ख) (15) को को के मधीन भायु सीमाओं म छूट का बाबा करते हैं उन्हें सन्वत्र अधिकारियों से निम्मलिखित निर्धारित प्रपन्न में उन पर लागू होने वाले प्रनाग-नत्र को, एक प्रमाणिस/अनुप्रमाणिस प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए।
(क) कार्य मुक्त/सेवा निवृत्त कार्मिको पर लागू
प्रमाणित किया जाता है कि सं. रैंक. नाम में, जिनकी जन्म की तारीख से तक ते तक से तक से तक से से से से से तक से से से से तक से से से तक से से से से से तक से .
(क) उन्होंने पांच या पौच से अधिक वर्षों तक सैनिक सेवा की है ग्रीर कार्यकाल के समापन परकशवार या अक्षमता के कारण सर्वास्त या कार्यमुक्त होने के अलावा ग्रस्थ आधार पर कार्य- मुक्त हुए हैं।
(का) में सैनिक सेवाकेकारण हुई गारीरिक प्रयंगता या प्रक्रमसता कु कारणको कार्यमुक्त हुए हैं।
संख्या प्रश्चिकारियो का
नाम तथा पवनाम
•
मोहर

(वा) सेवारतकार्मिक परलाग प्रमाणित किया जाता है कि सं०................. जिनकी जन्म तिथिहैसे से ग/नीसेना/वायु सेना में सेवाकर रहे हैं। **2**. **जन्हें....**..से कार्यमुक्त/सेवा समाप्त होने की सम्भावना है। सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम . . ; मोहर स्थान : तारीच : प्रमाण-पन्न जारी करने वाल सक्षम प्राधिकारी निस्नलिखित है:---(क) कभीशन प्राप्त अधिकारियों (भ्रापातकालीन कभीशन प्राप्त मधिकारियों/भ्रल्पकालिक सेवा कमीशन मधिकारियों सहित) के मामले में:---सेना---मिलिट्री सचिव की शाखा, सेना मुख्यालय, नई दिल्ली। नौसेना-कार्मिक निवेणालय, नौसेना मुख्यालय, नई विल्ली। वायुसेना --कार्निक निदेशालय, प्रधिकारी वायु सेना मुख्यालय, नई विल्ली । (ख) नौसेना तथा वायुसेना के जूनियर कमीरान प्राप्त प्रक्षिकारियों/ भन्य रैंकों तथा समकप्त अधिकारियों के मानाले में:--सेना—विभिन्न रेजिमॅटल रिकार्ड कार्यातयों द्वारा। मौसेना-- बी० ए० बी० एस० सम्बई। वायुसेना--वायुसेना रिकार्ड एन० ई० झार० डब्ल्यू० नई दिल्ली। 8. नियम 5 (ख) 16 या नियम 5 (ख) 17 के झन्तर्गत झायु में **छूट भौर/या नो**टिस के पैरा 7 के भ्रन्तर्गत शुरूक में माकी चाहने वाले भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्तिको निम्नलिखित में से किसी प्राधिकारी सेक्स माग्रय के प्रमाण-पन्न की एक श्रनुप्रमाणिक/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये कि नह भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का बास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो 1 जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की भविधि के दौरान भारत प्रव्रजन कर चुका था:---(1) विभिन्न राज्यों में ट्रांजिट केन्द्रों या राहत मिविरीं के शिविर कमांडेंट; (2) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जिसमें वह फिलहाल रहता (3) भपने भपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी भ्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट;

- (4) ग्रापने प्रभारान्तर्गत सब विवीजन के ग्रस्टर सब विवीजन मकसर;
- (5) शरणार्थी पुनवसि का उपायुक्त।

9 मसम में रहने वासे व्यक्ति को जो नियम 5 (ख) (18) **बंग्या 5 (ख) (19)** के भन्तर्गत भागु सीमा में छूट चाहता 🛊 छसको उस जिला मजिस्ट्रेट से जिसके क्षेत्रााधकार में सःघारणतः उसका निवास रहा हो भयवा भसम सरकार द्वारा इसके लिये प्राधिकृत किय गये किसी भन्य प्राधिकारी सेइस भ्राणय के प्रमाण-पन्न की एक अभिप्रमाणित/सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी वाहिये कि यह 1 जनवरी 1980 से 15 धगस्त 1985 की भवित्र के **दौरा**न असम राज्य का प्रवासी रहा है।

- (6) जो उम्मीववार अपर पैरा 5(1), (2) (4) भौर 8 में से किसी भी वर्ग से सम्बद्ध है तथा मोटिस के पैरा 7 के भनुसार शुरूक में छूट का दावा करता है उसकी किसी जिला प्रधिकारी या सरकार के राजपन्नित प्रधिकारी या संसद सबस्य या राज्य विधान मण्डल के सबस्य से, यह विख्वलाने के लिये कि यह निर्धारित शुरूक देने की स्थिति में नहीं है, इस ग्रामय का एक प्रमाण पत्न लेकर उसकी ग्रामिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।
- (7) जिस व्यक्ति के लिएपाकता प्रमाण-पत ब्रावश्यक हो उसे प्रपने लिये धभीष्ट पालता प्रमाण पत्न आरी करने के लिए भारत स्रकार के बित मंत्रालय, (ध्राधिक कार्य वाग्य) को ब्रावेदन करना वाहिये।
- (8) उम्मीदवारों ो चेताबनी दी जाती है कि वे झावेदन पक्ष भरते समय कोई झूठ। स्यौरान दें झथव किसी महरवपूर्ण सूचना कोन छिपार्थे।

उच्मादबारों को यह भी चेतावनी दा जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसको प्रति को किसी प्रांवध्टि को किसी भी स्थिति में न ती ठीक करें न उनमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदस करें और न ही कोई फेरबदस किए गए/झूठ प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या इससे अधिक प्रलेखों या उनको प्रतियों में कोई असुद्धि अथवा विसंगति है तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रश्तुत किया जाये।

- (9) चायेदन पत्न वेर से प्रस्तुत किए जाने पर देरों के करण के रूप में यह तर्कस्वीकार नहीं किया जाएगा कि धायेदन-प्रपत्न ही धमुक तारीख को मेजागयाथा। घायेदन-पत्न का मेजाजाना ही स्वतः इस शात का सूचक न होंगा कि घायेदन प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पान हो गया है।
- (10) झायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रश्येक झावेदन-पन्न जिसमें देर से प्राप्त झावेदन पन्न भी सिम्मिलत है, की पानती वी जाती है तथा झावेदन-पन्न की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को झावेदन पंजीकरण संख्या सुखित कर दी जाती है यदि किसी उम्मीदवार को उन्त परीक्षा के झावेदन-पन्न प्राप्त करने के लिये निर्धारित मन्तिम तारीख से एक मास के झन्दर पानती नहीं मिलती है तो उसे तस्काल झायोग से पानती हेतु सम्पन्न करना चाहिए।

इस तक्य का कि उम्मीदनारी को आवेदन पंजीकरण संस्था सूचित कर वी गई हैं अपने आप यह अर्थ नहीं हैं कि आवेचन-वक्ष सभी प्रकार पूर्ण हैं भीर आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- (11) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके मावेदन पत्न के परिणाम की भूचना यथाशीध्र दे वी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के मुक होने की तारीख से एक महीने पहले सक उम्मीदवार को अपने सावेदन पत्न के परिणाम के बारे में 'ब लोक सेवा धायोग से कोई सूचना न मिले हो परिणाम की जानकारी के लिये उसे सायोग से तत्काल सम्मर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो बहु धपने मामले में विचार किये जाने के दावे से विचत हो जायेगा।
- (12) संब लोक सेवा आयोग में "संब लोक सेवा आयोग की बस्तुपरक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक संयक्त समूल्य पुस्तिका छापी है। इसका खिलाइन ऐसा है, जिससे संव्लोवनेव आव को परीक्षाओं या चयमों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

यह पुस्तिका भीर पिछली पांच परीकाभों की नियमां बली तथा पारम्परिक प्रकार के प्रमन-पन्नों का उस्लेख करने वाले पैम्पलेटों की प्रतियां प्रकाशन नियंत्रक, सिविल-लाइम्स, दिल्ली 110054 के पास बिकी के लिये सुलभ है भीर इन्हें उनसे सीधे मेल भांचर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें के बल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिघोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग "सी" ब्लाक, बाबा ख इगिसह मार्ग, नई विल्ली 110001, (2) उद्योग भवन, नई दिल्ली 110011 स्थित प्रकाशन शाखा का बिकी काउण्टर और (3) गवर्नमेंट भाफ इन्बिया युक किपो, 8 के एस राग रोड कमकतान । से भी लिया जा सकता है। मैनु अल/पैम्पलेट भारत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न मुकसिल शहरों में स्थित एजें टों से भी उपलब्ध है।

- (13) भावेन-पत्नों से सम्बद्ध पत्न व्यवहार: भावेदन पत्नों से सम्बद्ध सभीपत्न भावि सन्वित, संघ लोक सेवा भायोग, धौलपुर हाउस भातृजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे आएं तथा उसमें नीचे लिखा क्यौरा भनिवार्य रूप से विया जाये :--
 - (1) परीक्षाका नाम
 - (2) परीक्षा का महीना भौर वर्ष
 - (3) उम्मीदवार की ग्रावेदन पंजीकरण सं०/रोल तस्बर श्रमका जन्म की तारीख, यदि श्रावेदन किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े मक्षरों में)
- (5) मानेदन-पत्नों में विया गया पत्न-व्यवहार का पता

विशेष क्यान:--(1) जिन पत्नों में यह क्ष्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर क्यान नहीं दिया जाएगा ।

- विशेष व्यान:---(2) यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्न/प्रेषण परीक्षा हो जुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व धनुकर्माक नहीं है तो इस पर व्यान न देते हुए कोई कार्यवाही नहीं की जाएसी।
 - (14) पते में परिवर्तन : उम्मीववार को इस बात की क्यवस्था कर लेनी नाहिए कि उसके प्रावेवन-पन्न से उल्लिखित पत्ते पर भेजे गए पन्न प्रावि प्रावश्यक होने पर, उसको बवले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर प्रावेग को उसकी सूचना उर्ग्यन पैरा 13 में उल्लिखित क्योरे के साथ, यथाशोद्ध की जानी चाहिए। यथि भाषोग ऐसे परिवर्तनों पर भ्यान देने का पूरापूरा प्रयस्न करता है, किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

ग्रनुबन्ध-2

उम्मीक्बारों के सूचनार्थ विवरणिका (केवल वस्तुपरक प्रधन-पत्नों पर लागु है। देखिए परिशिष्ट-के पैरा 2 के मीचे टिप्पणी 1, 2, घौर 3

(क) बस्तुपरक परीक्षण :

झाप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह "बस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में भापको उत्तर लिखने नहीं होंग। प्रस्तेक प्रश्न (जिसको भागे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिनको भागे प्रस्मुत्तर कहा जाएगा) विए जाते है। उनमें से प्रस्तेक प्रश्नाम के सिए भापको एक उत्तर पुन लेना है। इस विवरणिका का उद्देश्य भापको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिकित न होने के कारण भापको कोई हानि न हो।

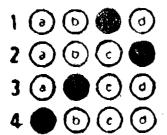
(ख) परीक्षण का स्वरूप:

प्रश्न-पक्ष "प्रश्न पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3—पादि के कम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे ए, बी०, सी, ही चिन्ह के साथ सुकाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। प्रापका काम एक सही या यि प्रापका एक से प्रश्निक प्रत्युत्तर सिंही लों तो उनमें से सर्गेतन उत्तर का चुनाव करना होगा। (श्रंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश वेख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए श्रापको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि प्राप एक से प्रश्निक चुन लेते हैं तो श्रापका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विक्रिः

परीक्षा भवन में भागको भ्रलग एक उत्तर पत्रक (जिसकी एक नमून। प्रति भागको प्रवेश-पत्र के साथ भेजी जाएगी) दिया जाएगा। भागको भ्रपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। प्रश्न पुरितका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर भन्य किसी कागज परिलखी गए उत्तर नहीं जीचे जाग्रेंगे।

उत्तर पत्नक में प्रश्नामों की संबयाएं 1 से 160 तक बार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांण के सामने ए, बी, सी, बी बिह्न बाले यूलाकार स्थान छपे हीते हैं। प्रश्न, पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाम की पढ़ लेने घीर यह निर्णय करने के बाद कि कीन सा प्रश्युलर सही या सर्घोत्तम है झापको उस प्रश्युलर के घलर बाले वृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बन। कर उसे झंकत कर देना है, जैसा कि (झापका उत्तर वसनि के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के वृत्तों को काला बनाने के लिए स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यहजरूरी है कि:--

- प्रश्नामों के उत्तरों के लिए केवल प्रक्रिंग किस्म की एक बीक पेंसिश (पेंसिलें) ही लाएं भीर उन्हीं का प्रवोग करें।
- 2. गजत निमान को बदलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निमान लगा दें। इसके लिए ग्राप ग्रपने साथ एक रंबड़ सी लाएं।
- 3. उत्तर पत्रक का प्रयोग करते समय कोई ऐसी प्रसायकाती न करतें जिससे वह फट जाये या उसमें मोड़ व सिलवट ग्रांवि पड़ जाए या वह कराव हो जाए ।

(भ) कुछ महत्वपूर्ण विनियमः

- भाषको परीक्षा भारम्म करने के लिये निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा मचन में पहुंचना होगा भीर पहुंचते ही भपना स्थान भहण करना होगा।
- 2 परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को] परीक्षण में प्रवेश वहीं दिका जायेगा।

- परीक्षा गुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ ने की घनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर प्रांक, निरीक्षक पर्यवेक्षक को सौंप वें। प्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर से जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंबन करने पर कड़ा वज्य दिया जाएगा।
- 5. श्रापको उत्तरपत्नक परकुछ विवरण परीक्षा भवन में भरता होगा। श्रापको कुछ विवरण उत्तर पक्षक पर कृटब्रुख भी करने होंगे। इसके बारे में श्राप के नाम अनुदेश प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेजे आएंगे।
- 6. प्रथम पुस्तिका में दिए गए सभी मनुदेश मापको सावधानी से पढ़में हैं। इन मनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से भापके नम्बर कम हो सकते हैं। भगर उत्तर पत्नक पर कोई प्रविष्टि संविश्व है, तो उस प्रथमीश के प्रत्युत्तर के लिए भापको कोई नम्बर महीं मिलेगा। पर्य-वैक्षक के मनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण वा उसके किसी भाग को भारम्भया समाप्त करने को कहें, तो उनके मनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. साप सपना प्रवेश प्रमाण-पन साथ लायें, प्रापको प्रवेते साथ एक एजि बी० पेंसिल, एक रबक, एक पेंसिल गार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। भापको सलाह वो जाती है कि प्राप प्रपेने साथ एक क्लिप बोर्ड या कार्ड बोर्ड या हार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखान हो। भापको परीक्षा भवन में कोई खाली कानज या कानज का दुकड़ा या पैमाना या प्रारोखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए प्रापको एक प्रवंग कराज विया जाएगा। प्राप कच्चा काम गुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, प्रपंता रोल नंबर और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समान्त होने के बाब उसे प्रपने उत्तर प्रकार के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर वें।

(ड) विशेष प्रनुदेश:

परीक्षा भवन में प्रपने स्थान पर औठ जाने के बाद निरीक्षक प्रापको उत्तर पद्मक देंगे। उत्तर पद्मक पर प्रपेक्षित सुचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक भाषको प्रश्न पुस्तिका देंगे। प्रश्न पुस्तिका मिलने पर भाष यह भवश्य देखालें कि उस पर पुस्तिका को संख्या लिखी हुई है अन्यया, उसे बदलवा लें। प्रश्न पुस्तिका को खोलने से पहले उसके प्रथम पृष्ठ पर प्रपना भनुक्रमांक लिखा दें। भाषको प्रश्न पुस्तिका तब तक खोलने की अनुभिति नहीं है। जब तक पर्यवेद्यक ऐसा करने के लिए मकहें।

(च) भुष्ठ उपयोगी सुभावः

सद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अनेका शुद्धता की जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का ययासंभव दक्षता से उपयोग करें, पर क्षापरवाही नहीं। आप सभी प्रक्तों का उत्तर नहीं वे पाते हों तो जिन्ता न करें। आपको जो प्रक्रन अप्टब्स कठिन मालूम पढ़े उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रक्त की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रक्रों पर आद में विचार करें।

सभी प्रथमीयों के श्रंक समान होंगे। उन सभी के उत्तश्र हैं। श्रापके द्वारा श्रंकित सही प्रस्पृत्तरों की संख्या के श्राधार परही श्रापको श्रंक दिए आयेंगे। गसस उत्तरों के सिए श्रंक नहीं काटे जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समापनः

जैसे ही पर्यवेक्षक प्रापको लिखना बन्द करने को कहें, प्राप लिखना बन्द कर दें। ग्राप प्रपने स्थान पर तब तक बैंडे रहें जब तक निरीक्षक प्रापके प्राप ग्राकर प्रापसे सभी प्रावश्यक वस्तुएं कें जाएं भीर प्रापको हाल छोड़ने को प्रमुमित प्रापको परीका पुस्तिका भीर उत्तर पक्षक तथा कुक्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर से आने की प्रसमित नहीं है।

नमूने के प्रश्नांस (प्रश्न)

(नोद-- *सही/सर्वोत्तम उत्तर-विकस्प को निर्विष्ट करता है)।

सामान्य स्रव्ययन :

बहुत अंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नसिक्षित में के किस कारण से रक्त काव होता है:--

- (a) रनत का वाब वायुमण्डल के वाब से कम होता है।
- *(b) रनतका वाय वायुमण्यकाके दाव से प्रधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाओं की मन्द्रकनी तथा बाहरी शिराओं पर्ववाब समान होता है।
- (d) रक्तका दाव वायुभण्डल के दाव के अनुरूप घटता-बढ़ता है।
- 2. (English)

(Vocabulary—Synonyma)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (কুপি)

भरहर से फुलों का झड़नानिश्तिविक्त में से किसी एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- (a) वृद्धि नियमक द्वारा किवकार्युः।
 - (b) दूर-दूर पौचे लगाना।
- (C) सही ऋखुमें पौध लगाना}।
- (d) योक्-योके फासले पर पौधे लगाना।

4. (रसायन विज्ञान)

H3VO4 का एनहाबुद्ध निम्नशिक्ति में से क्या होता है?

- (a) VO₃
- (b) **VO**₄
- (c) ₹2O3
- *(d) V2O5

(प्रयंशास्त्र)

असंका एक विकारी वीवच निम्नकि बित में से किस स्थिति में होता है?

- *(a) शीमान्त राजस्य उत्पाद से मजदूरी कम हो]।
 - (b) मजबूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पाद दोनों बराबर हाँ।
 - (c) मणदूरी सीमान्त र।जस्य छत्पाव से धाधिश हो।
- (d) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

(वध्त इंजीनियरी)

एक समाना रेखा प्रयोक्षित परावैश्वतीक 9 के पैरावैश्वत से सम्बन्धपूरित किया गया है। यवि C मुक्त अन्तराल में संबरण वग वर्णाता हो तो लाइन में संबरण का येग क्या होगां}?

- (a) 3/C
- (b) C
- * (c) C/3
- (d) C/9

7. (मू-विकान)

बेसास्ट में प्लेजियानलेस नया होता है]?

- (a) मालिगोक्लेज
- *(b) सैब्रोबोराइट
- (८) एल्बाइट
- (d) एकाचाहर

8. (গণিব)

संगत रखने वाला वक-परिवार निस्तिलिखित में से किस से निविध्य है ?

- (a) y = ax + b
- (b) y**=**ax
- (c) $y=ae^x+be^x$
- *(d) y=ae—a

भौतिकी

एक भावन अवना इंजन 400° के और 300° के तापक्रम के सहस्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. सास्मिकी

यदि क्षिपद विचार का माध्यु 5 है तो इसका प्रसर्थ निम्नसिक्कित में से क्या होगा।?

- (a) 4²
- *(b) 3
- (c) ∝
- (d) —5

11. <u>(भूगोत्र)</u>

वसी के विक्षणी भाग की घरेयधिक समृद्धि का कारण निस्नलिखित से से क्या हैं।

- (a) यहापर कालज साधनों का विपूल मंबार है]।
- *(b) बर्माकी प्रधिकांश नवियों का उल्टाई वाग है।
- (c) यहां केंध्ठ वस सम्पदा है]।
- (d) देख के प्रधिकांत्र तेल क्षेत्र इसी माग में हैं।

12. भारतीय इतिहास

बाह्यणवाद के संबंध में निम्निशिवित में से क्या सत्य नहीं है।?

- (a) बीद्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी वाह्यणवाद के सन्यायियों की संक्या बहुत समित वीं।
- (b) बाह्यणबाद बहुत प्रधिक कुर्नेकांड और ग्राडम्बर से पूर्ण धर्म या।
 - (c) श्राह्मणवाद के सम्युद्ध के साथ, विश्व संबंधी यज्ञ कर्य का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विधिश्र वशाओं को अकट करने के लिए स्नामिक संस्कार निर्धारित थे।

13. (वर्शन)

निस्त्रिक्ति में से निरीश्वरवादी दर्शन समृह कीन-सा है?

- (a) बौद्ध, न्याय, चावकि, भीमांसा
- (b) स्याय, वैशेषिक, जैन भीर शौद्ध, वार्वाक
- (c) प्रदेत, वैदान्त, संख्य, चार्शक, योग
- *(d) श्रीद्ध, सांच्य, मीमांसा, चार्वाक

14. (राजनीति विज्ञान)

वृक्तिगत प्रतिनिधिका प्रथं निम्नलिखिन में से क्या है?

- (a) व्यवसाय के झाधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियों का निर्धाचनां।
- *(b) किसी समृह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्त का समर्थन ।
- (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाय।
- (d) धमिको संघों द्वारा सप्रत्यक प्रतिविधित्व।

15. (मनोविज्ञान)

लक्य की प्राप्ति निस्मलिखित्र में से किस को निर्देशित करती है ?

- (a) लक्ष्य संबंधी धावश्यकता में वृद्धि
- *(b) भावात्मक भवस्या में स्यूनता
- (c) व्यावहारिक मधिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण प्रक्षिणम

16. समाजशास

मारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से भीन सी उपलक्षिय है?

*(a) प्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को भीपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।

- (b) कूमाध्त कम हुई है।
- (c) वंचित वर्गीके लोगों को भूस्वामिश्व का लाम मिलाहै।
- (d) जनसाधारण में शिका का प्रसार हुन्ना है।

हिष्पणी: -- उम्मीधवारों को यह ध्यान रखना वाहिए कि उपर्युक्त नमृते के प्रश्नांग (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए विए गए हैं । और यह अकरी नहीं है कि वे इस परीक्षा की पाठ्यवर्षों के अनुसार हों।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 17th December 1985

No. D.I.-27/85-Estt-I-Vol.II.—The services of Shri D. D. Sharma, Assistant Commandant, 30 Bn, CRPF are placed at the disposal of N.S.G. on deputation basis with effect from the forenoon of 28th November, 1985.

> M. ASHOK RAJ Assistant Director (Estt)

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

DEPTT. OF LABOUR (LABOUR BUREAU)

Junuary 1986 Simia-4, the

No. 23/3/85-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by Five points to reach 630 (Six Hundred thirty) for the month of November, 1985. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of November, 1985 works out to 166 (Seven Hundred sixtysix).

A, K. MALHOTRA Deputy Director, Labour Bureau, Shimla-4.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-II: BIHAR

(LOCAL FUND AUDIT)

Ranchi-2, the 16th December 1985

No. L.A. Admn.IEstt, I-Prom-A.A.O (Prom)-2951.—The Actcountant General (Audit) II, Bihar, Rauchi has been pleased to promote the following Section Officers of Local Addit Wing to officiate as Assistant Audit Officer with effect from the dates noted against their names until further orders in scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040.

- Shri Uma Shankar Jha—8-11-85 (F.N.)
 Shri Awdhesh Kumar Singh—7-11-85 (F.N.)
- 3. Shri Shri Narain Lal-8-11-85 (F.N.)
 4. Shri Marcus Bhengra—1-11-85 (F.N.)

D. MUKHERJEE Examiner of Local Accounts, Bihar.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (O/CS) I, BIHAR

Ranchi, the 18th December 1985

O.O. No. Admn-Confirmation-538.—The Accountant General (A/CS) I, Bihar, Ranchi is pleased to appoint the following Officiating Accounts Officers in substantive capacity in the mame cadre with effect from the dates notes against each :-

\$1. No.. Name and Date

5/3bri

- 1. Mridul Kumar Dutta-1-8-85
- 2. Dilip Kumar Dutta-1-9-85

P. SENGUPTA Sr. Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) :I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 6th August 1985

No. Admn. XI/Gr.I/Retirement/AO/156|1146.--In terms of Rule-48(i) of C.C.S. (Pension) Rules, 1972, the Accountant General (Audit): I Madhya Pradesh, Gwalior is pleased to permit Shri B. D. Risbud (01/181), a permanent Audit Officer of the Office of the Accountant General (Audit): 1. M. P. 72-406 GI/85

Bhopal to retire voluntarily from Central Government service with effect from 30th April, 1986 Afternoon.

[Authority: Orders' of A.G. (Audit): 1 Dated 2-8-1985]

M. DEENA DAYALAN Dy. Accountant General/(Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

FFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 17th December 1985

No. AN-I/1579/5/1.—Shri N. K. Malhotra, IDAS has attained the age of 58 years on 18-07-1985 (his date of birth being 19-07-1927) was struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 31-07-85 and has been accordingly transferred to the Pension Establishment with effect from the forenoon of 01-08-1985.

No. AN-I/1853/5/1.—Shri E. R. Balasubramenyam, IDAS has attained the age of 58 years on 11-03-1985 (his date of birth being 12-03-1927) was atruck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 31-03-1985 and has been accordingly transferred to the Pension Establishment with effect from the forenoon of 01-04-1985.

No. AN-I/1904/5/L-Shri S. Bhageerathan. IDAS has attained the age of 58 years on 18-09-1985 this date of birth being 19-09-1927) was struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 30-09-1985 and has been accordingly transferred to the Pension Establishment with effect from the forenoon of 01-10-1985.

> A. K. GHOSE Adl. Controller General of Defence Accounts (Admin)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 11th December 1985

IMPORT AND EXPORT CONTROL (ESTABLISHMENT)

Uo. 6/1492/84-ADMN(G)-2182.—On attaining the age of superannuation, Shri A. D. Anand, Controller of Imports and Exports in this office retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th November, 1985.

> SHANKAR CHAND Dv. Chief Controller of Imports & Exports For Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 12th November 1985

No. 12(170)/61-A(G).—The President is pleased to appoint Shri K. V. Satyanarayana, Deputy Director (Mechanical), Small Industries Service Institute, Bangalore as Director (Gr. II) (Mechanical at the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi with effect from the forencon of 18-11-1985 until further orders.

No. 12(753)/62.-Admn. (G)Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Seth. Deputy Director (Leather/Fcotwear) in Small Industry Development Organisation. on his reversion from deputation with the Bharat Leather Corporation Ltd., Agra, as Director (Gr.II) (Leather/Footwear)

at Small Industries Service Institute, Kanpur on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 30th August 1985.

The 18th December 1985

No. A-19018(600)/82-Admn.(G).—Consequent on her appointment as Assistant Director in the Union Public Service Commission, Smt. Mohini Hingorani, relinquished charge of the post of Hindi Officer at Small Industries Service Institute, New Delhi on the afternoon of 30th October, 1985.

Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110001, the 19th November 1985

No. A-6/247(597).—The President is pleased to appoint Shri R. B. Debnath, Assistant Inspecting Officer (Fngg.) to officiate as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group, 'A' Engineering Branch) with effect from 18-10-1985 in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular arrangement is made, whichytr is earlier.

2. Shri R, B. Debnath, relinquished the charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) on the forenoon of 18th October, 1985 in the office of Director of Inspection. Calctta and assumed the charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the same office on the same date.

No. A-17011/98/76/A.6.—The President is pleased to appoint Shri J. K. Ghosh, Assistant Inspecting Officer (Textiles) to officiate as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Textiles) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Textile Branch) with effect from 4-11-85 in the pay scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 on ad hoc basis till 31-1-1986 or till regular arrangement is made, whichever is earlier.

2. Shri J. K. Ghosh relinquished the charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Textiles) on the forenoon of 4th November, 1985 in the office of the Director of Inspection. NI Circle New Delhi and assumed the charge of the post of Inspecting Officer (Textiles) in the same office on the same day.

R. P. SHAHII
Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 13th December 1985

No. 11067B/A-19012(5-KCD)/85-19B.—Shri K. C. Dey, Foreman (Senior), GSI has been annointed on promotion to the post of Asstt. Mech. Engineer in the Geological Survey of India by the Director General: GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB-35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary canacity with effect from the forenoon of the 29th November, 1985, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
Geological Survey of India

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 17th December 1985

No. C-6282/587.—Shri B. P. Chakraborty, Engraver, Division I is appointed to officiate as Assistant Head Engraver, Survey of India in General Central Service, Group 'B' (Non-Gazetted) post in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 4th November 1985 on regular basis.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India (Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 21st November 1985

No. 10/22/64-S.H.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Joginder Singh Jogi, Administrative Officer, All India Radio, Julandhar to the post of Senior Administrative Officer on a regular basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—BB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the 24th October, 1985 until further orders.

2. Shri Joginder Singh Jogi assumed charge as Senior Administrative Officer at AIR, Jalandhar on the same date.

The 26th November 1985

No. 1(9)/85-S.II.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri M. P. Keshvan Nambisan, Accountant, All India Radio, Calleut to the post of Administrative Officer, on a resulter basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-950 with effect from the 11th October, 1985 until further orders.

2. Shri M. P. Kesayan Nambisan assumed charge as Administrative Officer, AIR, Dharwar on the same date.

MOHAN FRANCIS

Dy. Director of Administration

For Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (M.H. SECTION)

New Delhi, the 16th December 1985

No. A.12026/6/84-WH.—The President is pleased to appoint Sh. K. L. Ramesh working as Asst. Biochemist at Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi to the post of Jr. Biochemist in the scale of pay of Rs. 700—1300 at Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi with effect from 31-7-1985 (F.N.) on an ad-hoc basis for a period of six months or till the pist is filled up on regular basis, whichever is earlier.

P. N. THAKUR
Deputy Director Administration (RR)

MINISTRY OF AGRICULTURE & R. D. (DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPN.) DIRECTORATE OF EXTENSION

- c-source car a contract of the contract of t

New Delhi, the 29th November 1985

No. 2-3/85-Estt.I.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee Group 'B' of the Directorate of Extension, Shri N. Sivarama Krishnan Assistant Exhibition Officer (Gr. II) and officiating as Assistant Exhibition Officer (Grade I) on an ad-hoc basis vide this Directorate notification No. 2-4-/S4-Est*I dated 6-8-1984 is appointed on a regular basis to the said post with effect from the 25th October, 1985 and until further orders.

R. G. BANERIEE Director of Administration

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION.

Bombay-85, the 18th December 1985

No. PA/73(18)/85-R-IV/1424.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Ajay Kesay Gawhalc as Resident Medical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of December 13, 1985 for a period of three years.

T. S. PARAMESWARAN Dy. Establishment Officer

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY

(INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 18th December 1985

No. A.32013(DDGM)/2/83-E.I.—The President has been pleased to approve the proforma promotion of Shri C. E. J. Daniel, Director, India Meteorological Department, presently on deputation as Regional Officer, W.M.O., Geneva, Switzerland, to the post of Deputy Director General of Meteorology in the same Department, with effect from 1-11-1985 (FN) and until further orders.

S. D. S. ABBI
Dy. Director General of Meteorology
(Administration & Stores)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 20th November 1985

No. A.19011/18/80-D.I.—On attaining the age of superannuation, Shri S. Venkaswamy, Deputy Director General in this Office retired from Government Service on the afternoon of 31-10-85.

Joint Director of Administration for Director General of Civil Aviation

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION (CUSTOMS & CENTRAL EXCISE)

New Delhi, the 17th December 1985

No. 27/85.—On his retirement on superannuation, Shri I. S. Oberoi, relinquished charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the Directorate General of Inspection (C&CE), North Regional Unit at Ghaziabad w.e.f. 30/11/1985 (AN).

A. C. SALDANHA Director General of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066,the 12th December 1985

No. A-19012/1155/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Sri Medidi Venkata Rao, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-luoc basis in the scale of pay of Rs. 650-70-710-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on reglar basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 21-9-1985.

The 16th December 1985

No. A-19012/1089/85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman Central Water Commission appoints Shri Dwarika Nath Sahu, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 29-4-1985 until further orders.

2. The above-mentioned officer will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

The 18th December 1985

No. A-19012/1113/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Yogendra Kumar, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-ED 40-3200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 21/6/1985.

MEENAKSHI ARORA Under Secy. (C) Central Water Commission

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, and of Chaya Chitra Parishad Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 24066/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956. That at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chaya Chitra Parisad Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, and of East India Roadways Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 24686/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956. That at the expiration of three months from the date hereof the name of the East India Roadways Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, and of Kaybee Iron & Steel Co., Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 25294/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 That at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kaybee Iron & Steel Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary wil lbe struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act. and of Kaushal Distributors Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 26036/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956. That at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kaushal Distributors Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, and of Zenith Card Board Box Mfg. Co. Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 26481/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956. That at the expiration of three months from the date hereof the name of the Zenith Card Board Box Mfg. Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, and of I. S. Film Production Private Limited.

Calcutta-20, the 6th December 1985

No. 27459/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956. That at the expiration of three months from the date hereof the name of the J.S. Film Production Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL Addl. Registrar of Companies West Bengal

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the

November 1985

Ref. No. NOTICE No. 1147/85-86.—Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 104, situated at Paji Phond Murgov Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salcete Goa under document No. 586/dt. 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent ensideration and that the consideration for such transfer on agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalues of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is asspect of any income arising from the transfertial/or
- (b) facilitating the concealment of any bicome or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursua, seemely ---

 Ignatius Fernandes and Mrs. Maria Luiza N. Fernandes, c/o. Sri B. F. D'Souza, B.A., LLB., Advocate Phaji Pond, Margov Gea. Advocate Phaji Pond, Margov Gea.

(Transferor)

(2) Joseph Borges, Bevenda Apartments, c/o. Sri B, F. D'Souza, Advocate, Phaji Pond Margov Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 586 Dated 23-4-85]
Its a Shop bearing No. 104 situated at Paji Pond Margov
Goa and ground floor measuring 26 sq. mts. with Electrical
installation and one shutters.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : -11-1985

Seal :

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 5th December 1985

Ref. No. IAC/ACQ/37/24/85-86.— Whereas I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having

Ray reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House No. 6/69, ½ share Nuzal Plot No. 14/1, Sheet No. 41, Amrawati Camp, Amravati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 29-4-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee .for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri V. D. Bramha, Kharrerde Garden, Amravati.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Shivnarayan Jaiswal, Mal Tekdi Road, Amravati.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used bere-In as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6/69, & share Nuzal Plot No. 14/1 Sheet Nor 41 situated at Amravati Camp, Amravati.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269Ds of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 5-12-1985

Scal:

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHEMBERS SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 5th December 1985

Ref. No. IAC.ACQ/36/24/85-86.-Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 6/69, 4 share Nuzal Plot No. 14/1, Sheet No. 41, at Am avaii on 29-4-1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 29-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following percent manuely :-

(1) Shri V. D. Bramha, Khamerde Garden, Amravati,

(Transferor)

(2) Smt. Gangabai Shaligram Bajinath, Lala Building, Avadhutwadi, Yavatmal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6/69, & share Nuzal Plot No. 14/1, Sheet No. 41 situated at Amravati Camp, Amravati.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagor

Date : 5-12-1985

Scal:

FORM ITNS-

(1) Shri Govindan Nair & Smt. Rajamma Pillai, Jagathi, Trivandrum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri G. Sahadeva Panicker, Managing partner: M/s. South Indian Finance, Pazhavangadi, Trivandrum.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
"NARAYANI NILAYAM"
WARRIAM ROAD
COCHIN-662 016

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamete.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the vaid Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Cochin-662 016, the 11th December 1985

Ref. No. L. C. 786/85-86.—Whereas I, B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Chengazhassery (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Trivandrum Addl. on 6-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

20.5 cents of land in Sy. No. 639/2 of Chengaghassery village as per document No. 1016 Dt. 6-4-1985 of SRQ. Chalai. Trivandrum.

THE SCHEDU

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakular

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 11-12-1985

Seal:

FORM No. ITNS

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
"NARAYANI NILAYAM"
WARRIAM ROAD
COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 11th December 1985

Ref. No. L. C. 787/85-86.—
Whereas I, B. RAVIBALAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
as rer schedule
situated at Chengazhassery
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the cflice of the registering officer at
Trivandrum Addl. Chala on 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the solid instrument of quanties with the object of in-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eald Act, is respect of any income arising from the transfer-and/er.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby inline proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follownersons name:

72—406 47/85

(1) Shri Govindon Nair & Smi. Rajamma Pillai, Jagathi, Trivandrum,

(Transferor)

(2) Smi. Thamaraskhy, D/o. Bhagawathi, W/o. G. Sahadeva Panicker, South Indian Finance, Trivandrum.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquirement of the said property may be made in writing to the unsersigned:---

- (a) by any of the afore-aid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

26.5 cents of land in Sy. No. 639/2 of Chengezhassery Village as per document No. 1015 Dt. 6-4-1985, of SRO. Chala. Trivandrum.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Ernukulam

Date : 11-12-1585

Beal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Sarassamma & Smt. Rajamma Pillai, Jagathi, Trivandrum.

(Transferor)

(2) Shri G. Sahadeva Panicker,
Managing partner: M/s. South Indian Finance,
Pazhavangadi,
Trivandrum.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE "NARAYANI NILAYAM" WARRIAM ROAD COCHIN-662 016

Cochin-662 016, thre: 11th December 1985

Ref. No. L. C. 788/85-86.—
Whereas I, B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at Chengazhassery (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Trivandrum Addl. Chala on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons withis a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20.5 cents of land in Sy. No. 649, 647, 648 in Changa-zhassery Village, as per document No. 988 Dt. 1-4-1985 of SRO, ChaIai, Trivandrum.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Detc : 11-12-1985

Soal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE "NARAYANI NILAYAM" WARRIAM ROAD COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 11th December 1985

Ref. No. L. C. 789/85-86.--

Whereas I, B. RAVIBALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

as per schedule

as per schedule situated at Chengazhassery (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Trivandrum Addl, Chala on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : of manufer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Sarassamma and Smt. Rajamma Pillai, Jagathi, Trivandrum.

(Transferor)

(2) Shri G. Sahadeva Panicker, Managing partner: M/s. South Indian Finance, Pazhavangadi, Trivandrum.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

20.5 cents of land in Sy. No. 649, 647, 648 in Chenga-zhassery Village, as per document No. 989 Dt. 1-4-1985 of SRO, Chalai, Trivandrum.

B, RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 11-12-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 Patna-800 001, the 11th December 1985

Ref. No. III-1080/Acq/85-86.— Whereas I, DILIP KUMAR GHOSH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 147 of 1961) (hereinafter referred to be the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. touzi No. 5854 khata No. 138, thana No. 17, khesra No. 461 situated at mouza Sikendrapur, P. S. Danapur, Dist. Fatna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

Danapur in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay lax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be dislossed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Banshi Mahte.
 Iagdish Mahte.
 5/0. Sri Bhagwan Mahte & others of Nasriganj, P. S. Danapur.
 Dist. Patua.

(Transferor)

(2) M/s. Modi Plastic Ltd., through Shri Suresh Chandra Srivastave, 107, Patliputra, P. S. Patliputra, Dist. Patno.

(Transferos)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undessigned:---

- (a) by any of the aforesant statement where a period of 45 days from the date of tublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person into said in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EMPLANATION:—The terms and expressions used berein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLS

Land measuring 3 katha bearing touri No. 5854, khata No. 138, thans No. 17, Khesra No. 461 of mouza Sikendrapur, P. S. Danapur, Dist. Patna and more fully described in deed No. 1603 dated April, 1985 registered with S. R. Dananur.

DILIP KUMAR GHOSH
Competent Authority
Impresting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patra

Date : 11-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th December 1985

Ref. No. III-1081/Acq/85-86.— Whereas I, DlLIP KUMAR GHOSH, being the Component Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ward No. 3 Holding No. 24 (New) situated at K. P. Road,

Gaya (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gaya on 15-4-1985

for an apparent consideration which is less than the farmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the preparer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid processid procession processid proces

(1) Shri Bakuuth Bihari Prasad S/o, Jayrandan Prasad, Umesh Bihari Prasad S/o, Late Jay Nandan Prasad, Ramesh Prasad S/o, Jay Nondan Prasad, K. P. Road, Gaya.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Devi W/o. Shri Shrendta Prasad, Umesh Pra.ad, Remesh Prasad S/o. Madusudan Ram R/o. Anugrah Norayan Road, Gaya.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inumerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

4 Annas 8 dams share in a land with building situated at K. P. Road, Caya and more fully described in deed No. 5931 dt. 15-4-1985 registeredwith D. S. R. Gaya.

DILIP KUMAR GHOSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 11-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Banshi Mahto & Others s/o. Bhagwan Mahto of Vill. Nasriganj, P. S. Danapur, Dist. Patna.

(Transtero:)
(2) M/s. Modi Plastic Ltd. through Sri Suresh Chandia Srivastava S/o. Durga Pd. Srivastava, Road No. 13, Rajendra Nagar, Patna.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th December 1985

Ref. No. III-1077/Acq/85-86.—
Whereas I, DILIP KUMAR GHOSH, being the Competent Authority under Section 269B of the theories tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fuir market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. touze No. 5854 Khata No. 131, plot No. 461, thana No. 17 situated at mouza Sikendriapur, P. S. Dunapur, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Danapur on 22-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 katha bearing touzi No. 5834, khata No. 131, plot No. 461, thana No. 17 of mouza Sikendrapur, P. S. Danapur, Dist. Patna and more fully described in deed No. 2037 dated 22-4-1985 registered with S. R. Danapur.

DILIP KUMAR GHOSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patus

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-12-1985

FORM TOTT

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th December 1985

Ref. No. III-1082/Acq/85-86.—
Whereas I, DILIP KUMAR GHOSH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ward No. 3, Holding No. 24 (New) situated at K. P. Road.

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Gaya on 15-4-1985

Gaya on 13-4-1763 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect on the property of the property of the property of the parties of the pa consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferon
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said. Act to the following persons, namely the said in the

(1) Shri Shankar Umeshwari Nath S/o. Ram Kinkar, Most Dropdi Devi W/o. Basudeo Narayan, Kumar Akhileshwari Nath S/o. Basudeo Narayan, Kumar Baleshwari Nath S/o. Basudeo Narayan, Basant Kumar Anant Kumar S/o Basudeo Narayan, Most. Indu Narayan W/o. Sukhdeo Narayan, Bijay Narayan. Mirtunjay Narayan, S/o. Sukhdeo Narayan, Krishna Prasod Road,

(Transferor)

(2) Smt. Usha Devi W/o. Shri Surendra Prasad. Umesh Prasad, Mahesh Prasad. S/o. Madusudan Ram R/o. Anugrah Narayan Road. Gaya.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afteresaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a region of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Absence

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

3 Annas 12 dam share in a land with building situated at K. P. Road, Gaya and more fully described in deed No. 5932 dt. 15-4-85 registered with D. S. R. Gaya.

> DILIP KUMAR GHOSH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 11-12-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th December 1985

Ref. No. III/1074/Acq/85-86.— Whereas I, DILIP KUMAR GHOSH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereignafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No. khata No. 357, khesra No. 202, ward No. 32 situated at mouza Nurullahpur, P. S. & Dist. Muzaffarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Muzaffarpur on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Westland. Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following parsons, namely: —

(1) Shri Harbhajan Singh s/o. Sr. Sardar Singh and Smt. Harbansh Kaur w/o Sri Harbhajan Singh of Rawana, Muzaffarpur

(2) Smt. Krishna Devi Kejriwal W/o. Sri Shyam Sunder Kejriwal of Rawana, Muzaffarpur.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective network, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

HEPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 1 katha 3 dhur 10 kanwa bearing khata no. 357, khesra No. 202, word No. 32 of mouza Nurullatpur. P. S. & Dist. Muzaffarpur and more fully described in dec. No. 5997 dated 2-4-1985 registered with D. S.R. Muzaffarpur.

DILIP KUMAR GHOSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 11-12-1985

Soal

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patua-800 001, the 11th December 1985

Ref. No. III-1076/Acq/85-86.—
Whereas I, DILIP KUMAR GHOSH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/— and bearing No. khata No. 357 khesra No. 202 situated at mouza Nurullahour, P. S. & Dist Muzuffarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer Muzaffarpur on 2-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the selfect of the consideration of the said instrument of transfer with the selfect of the consideration of the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the selfect of the consideration of the consideration therefor the consideration of the consi

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any moome arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Inst Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—74—406 (1)/86

(1) Shri Harbhajan Singh S/o, Late Sr. Sardar Singh and Smt. Harbansh Kour, Rawana, Muzaffarpur

(Transferor)

(2) Shri Vikash Kejriwal S/o. Shri Shyam Sunder Kejriwal of Rawana, Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 katha 5 dhur 2 kanwa bearing khata No. 357, kheera No. 202 of mouza Nurullahpur, P. S. & Diat. Muzaffarpur and more fully described in deed No. 5995 dated 2-4-1985 repiatered with D. S. R. Muzaffarpur.

DILIP KUMAR OHOSII.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Pains

Date : 11-12-1985

Scall

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD. PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th December 1985

Ref. No. III-1079/Acq/85-86.—
Whereas I, DILIP KUMAR GHOSH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
touzi No. 5854 thana No. 17, khata No. 138, khesra No. 461
situated at mouza Sikendrapur, P. S. Danapur, Dist. Patna
(and more fully described in the Schedule anacked hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Danapur on 15-4-1985
for an unparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
inferen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Banshi Mahto & Others S/c. Late Bhagwan Mahto of Nasrigani, P. S. Danapur, Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Modi Plastic Ltd. through Shri Suresh Chandre Srivastava, Road No. 13, Rajendra Nagar. Patna,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

E/PLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 katha bearing touzi No. 5854, thana No. 17, khata No. 138, khesra No. 461 of mouza Sikendrapura. P. S. Danapur Dist Patna and more fully described in deed No. 1841 dated 15-4-1985 registered with S. R. Danapur.

DILIP KUMAR GHOSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar. Patna

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th December 1985

Ref. No. III-1075/Acq/85-86.—
Whereas I, DILIP KUMAR GHOSH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, laving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. khata No. 357, khesra No. 202, ward No. 32 situated at mouza Nurrullahpur, P. S. & Dist. Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 2-4-1985 for an apporent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that, fiftee, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) incititating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C) of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harbhajan Singh S/o. late Sr. Sardar Singh and Smt. Barbansh Kaur, w/o. Sri Harbhajan Singh, Rawana, Muzaffarpur.

(2) Shri Rajesh Kejriwal S/o. Shri Shyam Sunder Kejriwal of Rawana, Muzaffarpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid porsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—"The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring about 2 kaths 5 dhur bearing khata No. 357, khesra No. 202, ward No. 32 of mouza Nurullahpur, P. S. & Muzaffarpur and more fully described in deed. No. 5996 dated 2-4-1985 registered with D. S. R. Muzaffarpur.

DILIP KUMAR GHOSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 11-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BIHAR, BORING CANAL ROAD PATNA

Patru-809 001, the 11th December 1985

Ref. No. AR-III/1083. Acp/85-86.---Whereas, I, D. K. GHOSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ward No. 3. Holding No. 24 (New) situated at K. P. Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Gaya on 15-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may facilitating the concealment of any income moneys or other resids which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for which ought to be disclosed by the transferre for which ought to be disclosed by the transferre for which income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Mohan Murari Prasad S/o Shri Bindeshwari Prasad, Most. Lila Devi S/o Sh. Madan Mohan, Sh. Bishwanath Prasad S/o Sh. Kauleshwari Prasad, Sh. Parash Nath S/o Sh. K. Prasad, Sh. Arbind Kumar S/o Sh. Madan Gopal. K. P. Road, Gaya.

(Transferor)

(2) Smt. Dulari Devi W/o Sh. Madhusudan Ram, Sh. Lalan Prasad. Sh. Kailash Prasad 8/o Sh. Madusushan Rain, R/o Anugrah Narayan Road.

(Transferos)

Objection, if may, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immonovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCORE U.S.

4 Ames 8 dam share is a land with building situated K. P. Road, Gays and morefully described in deed No. 5933 in 15-4-85 registered with D.S.R., Gays.

> D. K. OHOSE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Biker, Patron.

Date: 11-12-1985

Scal -

FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE BIHAR, BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 11th December 1985

Ref. No. AR-III/1078/Acp/85-86.---Whereas, 1, D. K. GHOSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Locume-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing touzi No. 5854 P.S. No. 17, Khata No. 138, khesta No. 461 (part) situated at Mouza Sikendrapur, P. S. Danapur, Dust.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Danapur on April, 1985

for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; ned/or
- (b) facilitating the concentrant of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

, Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Banshi Mahto and Jagdish Muhto, S/o Late Sh. Bhagwan Mahto and others of Nasriganj, P. S. Danapur, Dist. Patna.

(Transferer)

(2) M/s Modi Plastic Ltd., through Shri Suresh Chandra Srivastava, Road No. 13, Rajendra Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 katha bearing touzi No. 5854, F. S. No. 17, khata No. 138, khesra No. 461 (part) of Mouza Sikendrapur, Dist Patna and morefully described in deed No. 1946 dated April, 85 registered with S.R. Danapur,

D. K. GHOSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patas

Date: 11-12-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMUSSIONER OF INCOME-TAX

ACCUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsav, the 5th December 1985

Ref. No. ASR/85-86/43.—Whereas, I. J. PARSAD, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. plot of land situated at Vili. Anandpur, Teh. Pathankot (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Pathankot, in April, 1985

at S. R. Pathankot, in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Mehar Singh, S/o Sh. Totu Ram, Viil. Baranda, Teh : Nurpur, (H.P.). (Transferor)
- (2) Shri Suraj Parkash Gupta, S/o Shri Shiv Charan Dass, C/o M/s. Bindal Wine Traders. Solan H.P.).
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1 K-2 Marlas, situated in Vill. Anandpur, Teh: Pathankot, as mentioned in sale deed No. 224 dated 17-4-85 of registering authority Pathankot.

J. PRASAD IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th December 1985

Ref. No. ASR/85-86/44.—Whereas, I. J. PRASAD, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.
A plot of land situated at Vill. Anandpur, Teh. Pathan-

kot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (18 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Pathankot, in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as therefor by apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :-

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shti Gujar Singh, S/o Sh. Lakhu Ram. Vill. Janori, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor) (2) Smt. Anita Gupta W/o Sh. Suraj Parkash Gupta, S/o Sh. Shiv Charan Dass, C/o M/s. Binder & Co., Solan (H.P.).

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1 K-2 marlas, situated in Vill. & PO: Anandpur, Teh: Pathankot, as mentioned in sale deed No. 225 dt. 17-4-1985 of registering authority, Pathankot.

J. PRASAD IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

rvow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ners" as, name

Da.o : 5-12-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th December 1985

Ref. No. ASR/85-86/45.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Kothi No. 31, situated at Joshi Colony, Amritsar
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at S. R. Anuitsar in May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; AUG ALI
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be assciosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heropy initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :--

Smt Brij Rani Mehra W/o. Shri Vishwa Nath, Kucha Dalalan, Kt. Bhai Sant Singh, Amritsar.

(Transferor)
(2) Shri Kishore Kumar Verma, S/o Sh. Faqir Chand
Verma, Smt. Mohan Wati, W/o Sh. Faqir Chand,
Smt. Jai Verma, W/o Sh. Kishore Chand Verma,
R/o 31 Joshi Colony American R/o 31 Joshi Colony, Amritsar.

(Transferee) (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bust services :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter.

THE SCHEDITIF

A kethi No. 31, situated in loshi Colony, Amritant, as mentioned in sale deed No. 1675 dated 14-5-1985 of registering authority, Amritsar.

> J. PRASAD IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amriteat

Da.c : 5-12-4925

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th December 1985

Ref. No. ASR/85-86/46.—Whereas, 1, J. PRASAD, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. One property situated at Railway Road, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Pathankot in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri S. P. Puri, 8/o Sh. Shiv Dyal Puri, R/o Pathankot.

(Transferor)

- (2) Sh. Inderjit, S/o Sh. Ram Krishan, S/Shri Ashok Kumar, Sunil Kumar, Arvind Kumar, Ss/o. Sh. Inderjit, Tourist Hotel, Pathankot. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A property known as Tourist Hotel, situated at Railway Road, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 381 dated 3-5-35 of registering authority. Pathankot

J. PRASAD IRS
Competent Authority
Isospecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ameritsan

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 75—496 61/85

Date : 5-12-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th December 1985

Ref. No. ASR/85-86/47.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and 'ocaring
No. A plot of land situated at Vill. Daulatpur, Teh: Pathan-

kot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Pathankot in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following TOTAL WESTICKY :---

- (1) Sh. Khushal Chand, S/o Shri Fetch Chand, K/o Vill. Wadala Bagar, Feh : & Distt. Gurdaspur. (Transferor)
- (2) Shri Inderjit, S/o Sh. Lachhman Singh, College Road, Pathankot, Distt. Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 3 K-4 marins, situated in Vill. Daulatpur, 7ch : Pathankot, as mentioned in sale deed No. 234 dated 18-4-1985 of registering authority, Pathankot.

> J. PRASAD IRS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Amritsar.

Date: 5-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 5th December 1985

Kef. No. ASR/85-86/48.---Whereas, 1. J. PRASAD, IRŚ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000; and bearing

A propers situated at Moh : Jandrian, Teh: Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transforred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the cilice of the Registering Officer at S.R. Pathankot in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument o, transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any manages or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kailasho Devi D/o Shri Sunder Singh, R/o Rara.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Bala W/o Shri Inderjjit Agnihotri, Mohalla near Dispensary, Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A property situated in Mohalla Jandrian, Teh. Pathankot, as mentioned in sale deed No. 323 dated 26-4-85 of registering authority, Pathankot.

> J. PRASAD, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(A.: AC1, 1961 (43 OF 1961)

and the control of th

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 10th December 1985

Ref. No. ASR/85-86/49,—Whereas, I, J. PRASAD, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and hearing No.

Agricultural land situated at Sul.anwind, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfurred under the Registration Act, 1905 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the alorestal property and I have reason to believe that the foir market rather of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as arreson to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the listellity of the transferor to pay for under the and Acr, in respect of any recome arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-pection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Gurbhajan Singh Maan S/o Shri Mangal Singh, 12 Tilak Nagar, New Delhi.

(Description)

(2) Shri Gurbachan Singh S/o Shri Gurdial Singh R/o Sultanwind. Amritsar. Shri Harpal Singh S/o Shri Natha Singh. R/o 82, Sharifpura, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if may (Person in occupation of the property.)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned to-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-est on of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shal have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDIER

Agricultural land measuring 8 leanals, situated at Sultanwind Suburban, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 758 dated 29-4-85 of registerin authority, Delbi.

> J. PRASAD, IRS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritent

Date: 5-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 10th December 1985

Ref. No. ASR /85-86/50.-Whereas. I.

J. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Agricultural land situated at Sultanwind, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heretore, in pursuance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

(1) Shri Gurbhajan Singh Maan S/o Shri Mangal Singh, R/o 12, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transserce)

(2) Shri Gurcharan Singh Soon S/o Shri Bishan Singh, 95, The Mall, Amritsar and Shri Harjinder Singh S/o Shri S. Bakhshish Singh, R/o Sultanwind, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person whom the undersigned knows
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter-

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 Kanals, situated in Sultan-wind Suburban, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 757 dated 29-4-85 of registering authority, Delhi.

J. PRASAD, IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 10th December 1985

Ref. No. ASR/85-86/51.—Whereas, I,
J. PRASAD, IRS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
A plot of land situated at Ajnala Road, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at S.R. Amritsar, as per agreement on 10-10-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khushkismat Singh Soo Shri Harbans Singh and Smt. Jaswant Kaur Woo Shri Khushkismat Singh, Soo Shri Gurdial Singh, Chowk Chintpurni, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh S/o. Shri Gurdit Singh, Smt. Tejinder Kaur W/o Shri Joginder Singh, No. 1 Maqbool Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person whom the undersigned knows)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 500 sq. yds., situated at Ajnala Road, Development Scheme, Amritsar, as mentioned in the agreement dated 10-10-84, deemed registration under section 269-AB read with rule 48-DD of Income tax Rules.

J. PRASAD, IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10/12/1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 3rd December 1985

Ref. No. ASR/85-86/52.--Whereas, I,

J. PRASAD, IRS
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the in-movable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000 /c and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing One property situated at Shastri Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the surfies has not been truly stated in the said increment of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jarnail Singh S, o Shri Sohan Singh, R/o Mohanpur, Teh: Tarn Taran, Amritsar.

(Tranfseror)

(2) Dr. Harbans Kaur Wd./O Shri N. S. Sidhu, 165-A, Shastri Nagar, Race Course Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

...(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of property No. 165-A, situated at Shastri Nagar Race Course Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 769 dated 18-4-85 of registering authority, Amritsar.

J. PRASAD, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 3rd December 1985

Ref. No. ASR/85-86/53.—Whereas, I,
J. PRASAD, IRS
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to
at the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
One property situated at Jaura Pippal, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
at S.R. Amritsar in April, 1985
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the porties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the objects of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any isseems of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:

(1) Shri Baldev Raj S/o Shri Daulat Ram, Karyana Merchant, Near Chamber, Dhab Wasti Ram, Amritsar.

and the second s

(Transseror)

(2) Shri Jagdish Raj S/o Shri Ishar Dass, Kucha Mohinder Wala, Gali Devi Wali, H. No. 858/4-6, Jaura Pippal, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. Tenant at 2nd floor, Reut Rs. 175/- p.m. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 858/4-6, situated in Gali Devi Wali, Kucha Mohinder Wala, Jaura Pippal, Amritsar as mentioned in sale deed No. 830 dated 19-4-85 of registering authority. Amritsar.

J. PRASAD, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 5/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 3rd December 1985

Ref. No. ASR/85-86/54.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000, and hearing No.

Rs. 1,00,000- and bearing No.
One property situated at Katra Jaimal Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to gav tax under the said Act, in respect of any income suising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—76—406 GI/85

(1) Shri Jugal Kishore S/o Shri Nathu Ram, 118, Katra Meti Ram, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Leela Wanti W/o. Shri Benarsi Lall,63, Katra Jaimal Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 and tenants as under:

Sh. Kushal Berry, Prop. .. Rs. 85/- p.m.

M/s. Shiv Elect, Co., Amritsar.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property at Plot No. 66, Chowk Katra Jaimal Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1136 dated 26-4-1985 of registering authority, Amritsar.

J. PRASAD, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date: 3/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 3rd December 1985

Ref. No. ASR/85-86/55.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the said Act I, have reason to believe that the infinitivative before the having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

One property situated at Katra Jaimal Singh, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Amritsar in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid a recode the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) freditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income stising from the transfer:
- ib) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely:—

(1) Shri Mohinder Kumar S o Shri Nathu Ram, Stenographer, Baroda House, New Delhi.

(Tranfseror)

(2) Smt, Leela Wanti W/b Shri Benarsi Lall, 63, Katra Jaimal Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
Sh. Kushal Berry, Prop.
M/s. Shiva Elect. Co. Amritsar.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property at Plot No. 66, Chowk Katra Jaimal Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1139 dated 26-4-1985 of registering authority, Amritsar.

J. PRASAD, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 3/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 3rd December 1985

Ref. No. ASR/85-86/56.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

One property situated at Katra Jaimal Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S.R. Amritsar in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thursfer as agreed to between the parties has not been fruly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Narinder Kumar S/o Shri Nathu Ram, 22-Rajpur Road, Delhi,

(2) Smt. Leela Wanti w/o Sh. Benarsi Lall, 63—Katra Jaimal Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
Sh. Kushal Berry, Prop. ... Rs. 85/- p.m.
M/s. Shiva Elect. Co. Amritsar.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property at Plot No. 66, Chowk Katra Jaimal Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1140 dated 26-4-1985 of registering authority, Amritsar.

J. PRASAD, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 3/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/151]1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|and bearing

Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Survey No. 814A/IB Plot No. 8 at Nasik

situated at Nasik

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16). 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik on June 1985

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Rability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, "I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Sh. Shankar Datiatraya Balang, U 2/17 Shahunagar, Dharavi, Bombay.

(Transferor)

(2) Sh. Nanasaheb Laxman Tambe, Chairman, Yashoda Co-operative Housing Society, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- the on any of the processed persons within the 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as technol in Chapter XXA of the same Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Survey No. 814A/IB Plot No. 8 at Nasik.

(Area 922 sq. ft.).

(Property as described in the sale deed registered office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 151 1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Date : 19-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/47B/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the said Act'), have reusen to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Rs. 1.00.000/- and beering 150. bearing part of R.S. No. 10B, Hissa No. 2, situated in Khandala, Ial. Mawal, Dist. Punc. (and more fully described in the Schedule angled hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bombay on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemed to according apparent consideration therefor by more than littuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer we agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) the intuiting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moonse or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the gaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons manually the

(I) Dahyabhai Vallabhai Patel, C/o C.J. Patel & Co. 505 Kalbadevi Road, 1st floor, Bombay.

(Transferor)

(2) Ocenai Transport and Investment Co. Pvt. Ltd., 11 Emca House, 2nd Floor S Bhagat Singh Road, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Situated at Khandala, Tal. Maval, Dist. Pune, bearing part of R.S. No. 10B, Hissa No. 2,

Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay, under document No. 47/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Punc.

Date: 18/11/1985

£ea! :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 5th December 1985

Ref. No. JAC ACQ/CA-5/37EE/15425/1984-85.— Whereas, I,

whereas, 1,
ANIL KUMAR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 17, on 4th floor, Ganesh Apartments, Building No. 2, Chittaranjandas Path, Ramnagar, Dombivli (E), Dist. Thane, situated at Thomas

situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following screens, namely :--

(1) M/s. S. K. Builders, 111/5 Rd. No. 2, Sch. No. 6, Mallinath Bhuvan, Matunga, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. N. V. Sambasive Rao, Parel Receiving Station, Tata Electric Cos., Tank Road, Bmobay,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

lightanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, on 4th floor, Ganesh Apartments, Building No. 2, Chittaranjandas Path, Ramnagar, Bombivli (E), Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 15425/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Date: 15/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th November 1985

Rcf. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/16572/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 12, Survey No. 32, Vasai, Dist. Thane. situated at Thane (and more fully described in the Schedule approved hereto) situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the as not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. und/m
- (b) tacilitating the concealment of any income or any nouse or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) K. P. Engineer, 309 Commerce House, 140 Nagindas Master Road, Fort, Bombay.

(Transferor)

(2) Shradha Builders, 4-A Kajal Apartment, Anand Nagar, Navghar, Post Bassein Road, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12, Survey No. 32, Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.G., Acquisition Range, Pune, under document No. 16572/1984-85 in the month of May 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Dated: 8-11-1985

Scal:

FORM ITNS----

MARK MELECTROPHELICAL CONTROL OF THE CONTROL OF THE

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/685/1985-86.— Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable percentive between a few reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 303 & 304 on the 3rd floor in B-2 Building in Samata Nagar, situated at Final plot No. 15, Panchpakhadi, Pokharan Road No. 1 Thane (W), situated at Thane (W).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Renge, Pune in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tak under the said Act, in respect of any income arising from the transfer THE PERSON
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M's Vinayak Developers, 24/A Khattau Buildings, 8 Marine Street, Port, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Rita D. Yadav, Salan, Block No. 3, Khopat, Thane, Maharashtra.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 & 304 on the 3rd floor in B-2 Building in Samata Nagar, situated at Final Plot No. 15. Panchpakhadi. Pokharan Road No. 1, Thane (W).

(Area 930 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to rate registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 685/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 (i/c) Acquisition Range Pane.

Dated: 7-11-1935

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/601/1985-86.--Whereas, I. ANIL KUMAR, Whereas, I. ANIL RUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R. 1,60,000/- and bearing Plot No. 27, Survey No. 84, Hissa No. 2, situated at Village G.S. Patherii, Tal. Kalyan, Dist. Thane. situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on June 1985 for an appa, an consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property—and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2696 on the said Act, to the follow-

77-406 GI/85

(1) Smt. Dhanvanti S. Shah. 9 Gangushyam Patel Building, Dawood Bang, J.P. Road, Andheri (W), Bombay.

(Transferor)

(2) Sh. S. N. Doshi, Chief Frometer of Tapovan Co-operative Housing Society, Pirojee Mansion, 4th floor, Block No. 14-A A.P. Road, Bombay, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the accounted petterns within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette

EAPLANATURE : The titles and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 27, Survey No. 84, Hissa No. 2, situated at Village G.B. Potherli, Tal. Kalyan, Dist. Thane,

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 601/1985-86 in the month of June 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Dated: 7-11-1985

FORM MINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/15950/1984-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/s and bearing No. Flat So. 406 "Archana" Flot No. 18 D.B.C. Vashi, situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at IAC. Acqu. Range, on May 1985 for an apparent consideration which is less that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent would lead on that that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Rachana Enterprises, 163-165 Zavery Bazar, Bombay.

(Transferor)

 Mrs. V. K. Mishra, Asstt. Manager Mazagaon Dock Ltd. Bombay.

(Transferce)

Objections, it may, to the acquisition of the said property may be table in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'the Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406 "Archana" Plot No. 18, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Area 911 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 15950/1984-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Dated: 8-11-1985

FORM TINS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th November 1985

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/37EE/1409/1985-86.-Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 26911 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-

and bearing.

Flat No. 37, on 3rd floor of Oswal Appatments.

A/B/C/D/E Building on Plot bearing City Survey No. 103A Naupada, Thane

situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1906 (10 to 1908) in the Registering Officer at 1AC, Acqn. Eange. Pune on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :-

(1) M/s Oswal Enterprises, Flat No. 17/18 "C" Building, Joshi tram Paug, Dadar T.T. Bourbay.

(Transferor)

143

(2) Mrs. V. D. Pandav & D. B. Pandav, C/o Mr. O. B. Pandav. Thane Municipal Homestal, Government Quarters. Naupada, Thanc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 37 on 3rd floor of Oswal Apartments, A/B/C/D/E Building on Plot bearing City Survey No. 103A, Naupada, Thane.

(Area 575 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1409/1985-86 in the month of July 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pune.

Dated: 8-11-1985

FORM ITNS---

(2) Orient Constructions, 734 Sadashiv Peth, Pune.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pape, the 18th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/2755/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 43/2-B/1-41 Mouje Parvati, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schodule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pure on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of use income satisfy from the tempotors and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act 1822 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 43/2-B/1-41 Mouje Parvati, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2755/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

New, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Dated: 18-11-1985

Scal:

FORM TIME-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 13th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11589/1984-85.---Whereas, I, ANII. KUMAR

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and

bearing No. S. No. 121, 122, Plot No. 83, 84, 85

Kothrud, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune on April 1985 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resnon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any inecmoneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-haz Apt. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the sex Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afgreezid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

- (1) Kashinath Devidas, Joshi, 2031 Sadashiv Peth, Punc-30.2. Smt. Suhasini S. Joshi, 2060 Sadashiv Peth. Pune-30. 3. Shantaram Devidas Joshi, 2032 Sadashiv Pcth, Punc-30,
- (2) Kulkarni & Kulkarni, 2153 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a poriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubfication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein ... are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 121 & 122, Plot No. 83, 84, 85 Kothrud, Pune-29. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11589/1984-85 in the month of April 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asslt. Commissioner of Income-tax Acquisition Assige, Pune.

Date: 13-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/2847/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Konark Terrace, Survey No. 103, C.T.S. No. 1974, Plot No. 126, Sub Plot No. 13, Flat No. A-2 13, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 cf 1908) in the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mrs. Nalini Gurudatta Talaulikar, 157 National Society, Barner Road, Pune.

(Transferor)

(2) Mr. Sultanali A. Nensey & Mrs. Zarina
S. Nensey,
River View Apartment, 2nd floor, Flat No. 10,
Nagar Road, Pune.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Konark Terrace, Survey No. 103, C.T.S. No. 1974, Plot No. 126, Sub Plot No. 13, Flat No. A-13, situated at Yerwada, Pune City.
(Area 825 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2847/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poora.

Dated: 18-11-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Bhagawatilal P. Jain, 507 Narayan Peth, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anil Yashwant Kulkarni, Happy Colony, Plot No. 49, Kothrud, Pune-29.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th November 1985

Rcf. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12253/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat at 3rd floor city survey No. 658 Narayan Peth, Punc-30 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (1.6 of 1908) in the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the soil instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 3rd floor city survey No. 658, Narayan Peth, Pune. (Area 735 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12253/1984-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 13-11-1985

PORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUNICATION OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 13th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/15493/1984-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 107, 1st floor, Shree Niketan,
Plot No. 2 & 4 Behind Parvati Cinema, Vasai
(W), Distt. Thane
situated at Thane
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
here here transferred under the Registration. Act 1908 (16 ct) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and]or;
- (b) facilitating the concentment of any income or any suppoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the perposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Shree Enterprises, 161 Panjra Pole Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Sh. Sadanaod S. Pawle, Bank of India, Staff Quarters, B/26 Sh. Krishna Nagar, Near National Highway, Borivli (E), Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 107, 1st floor, Shree Niketan, Plot No. 2 & 4 Behind Parvati Cinema, Vasai (W) Distt. Thane, (Area 630 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 15493/1984-85 in the month of April 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 13-11-1985

Scal-

PART III-SEC. 17

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Punc-1, the 18th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1268/1985-86.-- Whereas, I. ANIL KUMAR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property bearing C.T.S. No. 3025/9 Bhamburda, Shivajinagar, Pune,

situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on July 1985 market value of the aforesuid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :— $78-406 \ G1/85$

(1) M/s. Parmar Associates, 1153-B Raviwur Peth, Punc-2,

(Transferor)

(2) Mrs. Mrdula C. Rahatekar, 128/2 Gauritaney Apartment, Punc-28. and Mrs. Tillottama R. Banchood, B/2 Rajanigandha Apartment, 447 Gokhale Road, Pune.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing CTS No. 3025/9 Bhamburda, Shivajinagar, Pune.

agar, rune. (Area 1082 sq. ft.).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1268/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Dated: 18-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 11th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/14988/1984-85.— Whereas, I. ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-aic property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 304, Plot No. 17, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay Building known

"Liberty Complex"

situated at Vashi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16).

has been transferred under the Registering Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at situated at IAC, Acqu. Range, Pune on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor have them fifteen per cent of such annatent consideration consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Liberty Investment Pvt. Ltd. 302 Dalamal House, 206 N. Pt. Bombay.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Prabhakaran, 17 Archan Co-operative Housing Society, Sector 4, Vashi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 304, Plot No. 17, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay, Building known "Liberty Complex." (Area 600 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No, 14988/1984-85 in the month of April 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poons.

Dated: 11-11-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 18th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12197/84-85.—Whtreas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 106-A Hissa No. 2 situated at Village Hadapsar, Tal. Haveli, Dist. Pune

situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C. Acqn. Range, Pune on May 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transies with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer: *ad ∕or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ebrahim Kalimuddin Bandukwalla, 424, West Green Field Avenue, I ambard, Illinois, U.S.A. through his constituted Attorney Dr. Kalimuddin T. Candukwalla, 14-A Elphinston Road, Pune.

(Transferor)

(2) Smt. Sakina Husani Bodiyawalla through her constituted Attorney, Mr. Taher A. Poonawalla, 1137/2 Shivajinagar, Pune,

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 106A Hissa No. 2 situated at Village Hadapsar, Tal. Haveli, Dist. Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 12197/1984-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Poona

Date: 18-11-1985

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-PUNE

Pune, the 19th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CΛ-5/37EE/2100/85-86.—Whereas, 1. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot of land bearing City Survey No. 156/2, 156/A, 79, 80, 81, 82 and 83 Mangalwar Peth, Pune

situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transforred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at J.A.C. Acqn. Range, Pune on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

10/Pure respect of any income arising from the transfer; of the transferor to pay tax under the said Act, in 'a) facilitating an reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the con calment of an income or any moneys or other seets which have not been or which ought to be disc) sed by the transferee for the purprises of the In-han Incorpe-tax Act, 1922 (11 of 11 22) o. the said Act, Ar the Wealth-tax Act, 195) (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

(1) Mr. Namdeo B. Kachare, Mr. Vasudeo Namdeo Kachare, Mr. Digamber Namdeo Kachare, 156, Mangalwar Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Mr. Shamji M. Shah, S-1 Bhalckar Building, Bhaskar Colony, M.G. Road, Naupada, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at C.S. No. 156/2, 156/A, 79, 80, 81, 82 Mangalwar Peth, Punc. (Area-11520 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 2100/1985-86 in the month of July 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Роопа

Date: 19-11-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jessaram Nachanmal Bathija, Bk. No. 215/9, Ulhasnagar.

(Transferee)

(2) Shri Hari N. Talreja, Prop. M/s. King's Builders, Hari Apartments, 2nd floor, Ulhasnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 18th New mber 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/14965[84-85. -Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, 1st floor, in Kings Apartments, bearing U. Nos. 99 to 101, Sheet No. 73. Uthasnagar situated at Uthasnagar

situated at Ulhasnagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 3, 1st floor, in Kings Apartments, bearing U. Nos. 99 to 101, Sheet No. 73, Ulbasnagar-1. (Area—750 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 14965/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspectin gAssistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the officesold property by the issue of this notice under subsection: (1) of Section 269D of the said Act, to the followine remotes, namely :--

Date: 18-11-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

والمراجع والمنابع والمنابع

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 18th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/15775/84-85,--Whereas, I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Plot No. 28, Survey No. 221A, 221B, 221C and 221D situated in the Village of Yerwada, Tukadi, Pune

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.A.C. Acqn. Range, Pune on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more tion fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay my under the end Act, as respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saul Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Yeshwant R. Sathe, B/38/151/ Sunder Nagar, Kalina, Santacruz (E), Rombay.

(Transferor)

(2) M/s. CIVCON Partner Shri Shrikant Nilkanth Harshe, "Satyajit" 30/1 Erandawane, Pune-4.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 28, S. No. 221A, B, C, D. Yerwada Village,

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under Document No. 15775/1984-85 in the month of May, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspectin gAssistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Poona

Date: 18-11-1985

Seal 2

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M.s. Satya Builders, 285-A, Shivaji Chowk, Ulhasnagar-3.

(Transferor)

(2) Shri Shatrughan Sunderas Purswani, Flat No. 5, 5th floor, Lake View Building, Near Hira Ghat, Pawai Chowk, Ulhasnagar-3.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 13th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1444/1985-86.—Whereas I, ANIL KUMΔR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, 5th floor, Lake View Building, Near Hira Ghat,

Bawai Chowk, Ulhasnagar-3 situated at Ulhasnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LA.C. Acqn. Range, Pune on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to the literature of the state of the

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 5th floor, Lake View Building, Near Hira Ghat, Pawai Chowk, Ulhasnagar-3. (Area—950 sq. ft. Carpet)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC. Acquisition Range, Pune, under Document No. 1444/1985-86 in the month of July 1985).

ANII. KUMAR Competent Authority Inspectin gAssistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-11-1985

FORM ITNS----

(1) Shui Krishna Vishnu Mahajani & Shui Vaman Vishnu Mahajani, 1464 Sadashiv Peth, Pune

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vishwas Shivram Godse, Partner of M/s, Sathe Godse & Co., 1244 Sadashiv Peth, Pune.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 18th November 1985

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/37EE/2379/85-86,---Whereas, [... ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1464 Sadashiv Peth, Punc-30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Runge, Pune on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfert and /est
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1464 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2379/1985-86 in the month of Sept. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 13th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-I/37EE/848/85-86,---Whereas. I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. B-203, Mangalam Apartment, Vasai Road,

Flat No. B-203, Mangalam Apartment, Vasai Road, Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern for such apparent consideration and that the apparent to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any jepome arising from the transfero and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,:— 79-406 GI/85

(1) M/s. Mahavir Construction Co. I al Godown, Vasai Road West, Tal, Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Damodar Lalubhai Raipura. Shri Balkrishna Lalubhai Rajpura, 3rd floor, Khakhar Building, 1/3 Nanubhai Desai Road, C. P. Tank,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of fiss notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. B-203, Mangalam Apartment, Vasai Road, Dist. Thane.

(Area-660 sq ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 848/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 13-11-1985

Problems and the second of the

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. Anantrao Krishnaji Potnis, At & Post Shevgaon, Dist. Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Shri Indrajit V. Nayyar, At & Post Shanigalli, Ahmadhayar, Dist. Ahmednagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 13th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/16/1985-86.—Whereas, 1. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 2, The Yeshwant Co-operative Housing Society Ltd.

situated at Ahmednagar

Savedi, Ahmednagar

situated at Ahmednegar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in Aug. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Plot No. 2, The Yeshwant Co-operative Housing Society I.td. Savedi, Ahmenagar. (Årea-1000 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 16/Ahmednogar in the month of August 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, versely :--

Date: 13-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Deosthali Karandikar & Associates, 720/2 Navi Peth, "Jagannath" Pune. (Transferor)

(2) Shri Purushottam Vidyadhar Chafekar, 1204 Sadashiv Peth, Tilakwadi, Pune-30.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Pune, the 13th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CΛ-5/371 E/1093/85-86. - Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. A3 Shri Sadashiv Co-operative Housing Society, 530/1 rergusson College Road, Shivajinagar, Pune-16

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Regiona for Act 1508 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pung in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. A3 Shri Sadashiv Co-operative Housing Society,

Flat No. A3 Shri Sadashiv Co-operative Housing Society, 530/1 Fergusson College Road, Shivajinagar, Pune-16.

(Area—1161 sq ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 1093/1985-86 in the month of July 1985).

ANTL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely we

Date: 13-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Pune, the 8th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3793/85-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Industrial Building on Plot Nos. B-31 and B-34 at Wagle Industrial Estate, Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), situated at Thane

has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Kamal Yarn Sizing & Printing Mills, Zakaria Building, 3rd floor, Room No. 9, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Casterlock Fisherics Pvt. Ltd., 203 Dalamal Chambers, New Marine Lines, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Industrial Building on Plot Nos. B-31 and B-34 at Wagle Industrial Estate, Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 3793/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-11-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Mahavir Metal Rolling Mill, Vasanwala Building, Nivetia Road, Malad (E), Pombay, (Transferor)

(2) M/s. Monarch Plastics, Novelty Silk Mills Compound, S. V. Road, Dahisar (E), Bombay.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 18th November 1985

Ref. No. IAC ΛCQ/CA-1/37EE/4647/85-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, ANIL RUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 14, S. No. 55, 68 & 69 (Part), Mira Co-operative Industrial Estate Ltd., Mira Village, Thane

situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Punc in Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been try stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 55, 68 & 69 (Part) Plot No. 14, Mira Co-operative Industrial Estate Ltd. Mira Village, Thanc. (Area—10245 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC., Acquisition Range, Pune, under Document No. 4647/1985-86 in the month of Sept. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-11-1985

Seal .

FORM ITNS--- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 18th November 1985

Ref. No. IAC ΛCQ/CA-5/37EE/1767/85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 5, 464-B Narayan Peth, Pune-30 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the kegistering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in Aug. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

(1) M/s. Excellent Builders, 574 Sadashiv Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Smt. Vidyadevi Kashinath Parchure, 10B Gokhale Building, Tilak Road, Pne-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 464B Narayan Peth, Pune-30. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under Document No. 1767/1985/86 in the month of Aug. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 18-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1.

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3782/1985-86,—Whereas, I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Vaswani Nagar Building No. I, Sub Plot No. 1, F. P. No. 292, Sangamwadi, Koregnon Park, Punc-I,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC, Acqn. Range, Pune in Aug. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Mr. K. K. Vaswani, 1736 R. S. Kedari Road, Pune 1.

(Transferor)

(2) Mr. Mohammed Shaffe Haii. Hossa, 1820 Chatriwala Building, M. A. Cheetani Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vaswani Nagar, Building No. I, Sub Plot No. I, F. P. No. 292, Sangamwadi, Koregaon Park, Punc-1.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 3782/1985-86 in the month of August 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 7-11-1985

FORM 1TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1.

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/14811/1984-85.---Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 301 on 3rd floor, in the building Abhinandan situated at Plot No. 23, S. No. 7, Near Post Office, Navghar, Vasai (W), Dist. Thane.

situated at Thane

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

Royal Builders,
 Panchal Nagar, Navghar,
 Vasai Road (W),
 Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Mohamed Parvez Khan, R. No. 17, 1st Floor, 159 Rashida Manzil, Dimtimkal Road, Navpada, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 on 3rd floor in the building Abhinandan situated at Plot No. 28, S. No. 7, Near Post Office, Navghar, Vasai West, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 148111/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 7-11-1985

FORM I.T.N.S ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIÓN RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1.

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EI / 579/1985-86.—Whereas, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, baving a fair marker value.

Rs. 1,00,000/- and bearing.

Plot No. 26. Survey No. 84, Hissa No. 2, situated at Village G. B. Patherli, Tal. Kalyan, Dist. Thane.

situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the appearant consideration therefor by more than the apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act. (922) (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-80-406 GI/85

(1) Snot. Dhanvanti S Shah. 9 Gauga Shyam Patel Building, Dawood Bang, J. P. Road, Andheri (W)

(Transferor)

(2) Shri Himatlal N. Gandhi, Chief Promoter of Nanganga Co-operative Housing Society, 7 Girnar 3rd floor, Hind Co-operative Housing Society, Bhunabatti, Bombay.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 26, Survey No. 84, Hissa No. 2, situated at Village G. B. Patherli, Tal. Kalyan, Dist. Thane.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C.. Acquisition Range, Pune, under document No. 579/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 7-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1.

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/15821/1984-85,—Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to % the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1.00,000/- and bearing City Survey No. 3090 A Survey No. 44A, Hissa No. 1/1A

within the limits of Kaiyan Municipal Corporation.

situated at Kalyan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C. Acqn. Range, Pune in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Mahadev Waman Thange & Others. Thange Wadi, Chikanghar, Wamanrao Thange, Road, Murbad Road, Kinyan.

(Transferor)

(2) Alguj Constructions & Estates (P) Ltd, 219 Sai Vihae, Shivaji Path, Kalyan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

City Survey No. 3090A, Survey No. 44A, Hissa No. 1/1A within the limits of Kalyan Municipal Corporation.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 15821/1984-85 in the month of May 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection 1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th December 1985

Ref. No. AC-88/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 10/2 situated at Diamond Harbour Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Office at

1908) in the office of Registering Office at S. R. Alipore, 24 Pgs. on 12-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betment of transfer with the obt of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

M/s. Chabria Engineering Company of 2A, Rakhal Mukherjee Road, Calcutta-25.

(Transferor)

 M/s. New Amrapalli Housing Co-operative Society Ltd. of 102, Diamond Harbour Road, Calcutta-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigued :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 Flats measuring area 6435 Sft. situated at 10/2, Diamond Harbour Road, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. 2878 of S. R. Alipore, 24 Pgs. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 16-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th December 1985

Ref. No. AC-89/R-11/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

No. 6, situated at Hastings Park Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A Cal. on 18-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ashoka Marketing Ltd., of 8, Camac Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) S. Purushottam of 6 G., Rajashree, 6, Hastings Park Road, Calcutta-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SHEDULE

123.93 Sq. meter flat No. 6G, Rajashrec, 6, Hastings Park Road, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. 5794 of R. A. Cal. of 1985.

SHAIK NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Date : 16-12-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th December 1985

Ref. No. AC-90/R-H/Cal/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing No. 32K, situated at New Road, Calcutta P. S. Alipore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Cal on 29-4-85 for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid except the apparent consideration interefor by more than affect pair tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,

namely '-

 Sri Bachittar Singh Randhawa of 5A/1, Belvedere Road, Calcutta.

(Transferor)

 (2) 1. Sri Vijay Dudeja.
 2. Smt. Shamin Dudeja.
 both of 4/1, Alipore Park, Road, Calcutta.

(Transferce)

(3) Contemporary Tea Co. I.td., (Persons in Occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2700 s, ft, flat on 1st floor at 32K, New Road, Calcutta, P. S. Alipore. More particularly described in Deed No. 1 7624P of R. A. Cal. of 1985.

SHAIK NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JI
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16,

Dated: 16-12-85

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-II. CALCUTTA

Calcutta, the 16th December 1985

Ref. No. AC-91/R-H/Cal/85-86.--Whereas, 1,

SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1.00,000/- and bearing

Plot No. 459, situated at B1.-AE, Salt Lake City, Calcutta-64 (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Cal. on 26-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Pranab Mukherjee of AE 459, Salt Lake City, Calcutta-64.

(Transferor)

(2) Suresh Chandra Chakraborty Flat No. A-1, Plot No. 121, Block-B, Lake Town, Calcutta-89.

(Transferee)

(3) Tenant:

1. Bal Krishan Saraf

2. Bijay Kr. Saraf

3. Brijendra Kr. Sharma.

(Persons in Occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.0596 cottahs of land with building at Plot No. 459, Block-AE, Salt Lake City, Calcutta-64. More particularly described in Deed No. I 6294 of S. R. A. Cal. of 1985.

SHAIK NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:~

Dated: 16-12-85

FORM TINS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANG-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th December 1985

Rcf. No. AC-92/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-Rs. 1,00,000- and bearing

no. P-142, situated at Block-G, New Alipore Calcutta-53. (and more fully described in the Schedule anaexed herebo), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A. Cel. on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fact market value of the aforeaud property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as barreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957); (1) Smt. Gata Bose of 21/A, Ballygunge Place, Calcutta-19.

(Transferor)

 Smt. Meena Subrahmaniam.
 Sri P. Subrahmaniam, both of P-142, Block-G, New Alipore, Calcutta-53.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

The second secon

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 cottabs 9 chittacks 24 S. ft, land with building at P-142, Block-G. New Alipore, Calcutta-53. More particularly described in Deed No. I 5694 of S. R. A. Cal. of 1985,

SHAIK NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 16-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th December 1985

Rcf. No. AC-93/R-II/Cal/85-86,—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 5/2, situated at Seals Garden Lane, Calcutta-2. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A., Cal. on 3-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Sci Unca Sankar Agarwala of 1A, Madan Mohan Barman Street, Calcutta-7.

(Transferor)

(2) 1. Sri Kamaleswar Poddar 2. Ramesh Lal Poddar

3. Smt. Sanjukta Poddar, all of 27/E. Nayan Chandra Dutta St., Calcutta-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Cottahs 10 Chittaks and 4 Sft. of land with building at 5/2, Seals Garden Lane. Calcutta-2. More particularly described in Deed No. I 5053 of S. R. A. Calcutta of 1985.

> SHAIK NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II
> 45, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16,

Dated: 16-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANG-II, CALCUTTA

Calcutta, the 16th December 1985

Ref. No. AC-94/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1 B, situated at New Road, Alipore, Calcutta-27. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A., Cal. on 16-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the abject of :-

- (a) mellitating the reduction or ovasion of the liable of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys' or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-81-406 GI/85

(1) Sri Samir Kr. Roy Chowdhury (Receiver) of 10, Old Post Office Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Mr. Abdur Rahim Shakir of 2, Outram Street, Calcutta-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

3200 Sft. flat No. 1 on the 1st floor at 1B, New Road, P. S.-Alipore, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. I 5635 of S. R. A., Cal. of 1985.

SHAIK NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16,

Dated: 16-12-85 Seal:

FORM I'INS----

(1) Dr. Mahendralal Chatterjee

(Transferor)

WOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Manash Kumar Ghosh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2043/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

Mouza situated at Arakpur, Tollygunj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income species from the transfer

(5) lacilitating the consciousest of any income or any income or any income or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the nurposes of the Indian Income the Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Att, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered under Deed No. 2902 Dt. 15-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 912-85

(1) Mohsinally Lookmanjee Kapasi

(Transferor)

(2) M/s. Mayur Business Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. TR-107/85-86/Sl. 1120/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
65, situated at Bentinck Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer

at Calcutta in April, 1985
for an apparent consideration which is less thant the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chanter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957); All that brick built building being premises No. 65, Bentinck Street, Calcutta having an area of 7 Cottahs 13 Chittacks of land (4th Share). Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-5966 dated April, 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to he following namely accessors. persons, namely :-

Date: 12-12-1985

(1) Salehbhai Lookmanjee Kapasi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mayur Business Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

BANGALORE-560 001

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. TR-108/85-86/Sl. 1121/I.A.C./Acq. R-I/Cal.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 65, situated at Bentinck Street, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Calcutta in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are edfined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or

THE SCHEDULE

All that brick built building being premises No. 65, Bentinck Street, Calcuta hatving an area of 7 Cottahs 13 Chittacks of land together with a partly one and partly two storied building thereon. (4th Share). Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-5967 dated April, 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 12-12-1985

FORM ITNS----

(1) Taherali Lookmanjee Kapasi

(Transferor)

(2) M/s. Mayur Business Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. TR-106/85-86/Sl. 1122/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 65, situated at Bentinck Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at

Calcutta in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disolcted by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that brick built building being premises No. 65, Bentinck Street, Calcutta having an area of 7 Cottahs 13 Chittacks of land together with a partly one and partly two storied building thereon. (4th Share). Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-5965 dated April, 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-12-1985

(1) Mohamedali Lookmanjee Kapasi.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) M/s. Mayur Business Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 12th December 1985

Ret. No. TR-105/85-86/Sl. 1123 LA.C./Acq. R-I/Cal.-Whereas, I, SHAIKH NAÍMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 65, situated at Bentinck Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at officer at

Calcutta in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in sespent of eacy income arising from the weather; enii / 67
- (b) facilitating the conceniment of any income or net nove or other assets. Which have not been Œ which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of aetics on the respective persona.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that brick built building being premises No. 65, Bentinck Street, Calcutta having an area of 7 Cottahs and 13 Chittacks more or less. Registered before the Registrar of Assurance, Calcutta vide Deed No. I-5964 dated April, 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range-L. Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this dotice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 12-12-1985

(1) Sri Sourindra Nath Mookherjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shamsa Begum

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. TR-136/85-86/Sl. 1124 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 5, situated at Tirette Bazar Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days in the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 3 Cottahs 9 Chittacks of land together with a two storied building thereon at 5, Tirette Bazar Street, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. I-5569 dated 15-4-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 12-12-1985

(1) Nabadweep Bhajan Ashram

(Transferor)

(2) Lakhulat Haiwai Alias Lakhu Prasad Shaw,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT. (961 (43 OF 1951)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. TR-135/85-86/Sl. 1125 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 1, situated at Hanspukur 1st Lape, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 26-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair

Calcuttation 26-4-85
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An undivided ½ share of a property comprising 3 Cottahs 9 Chittacks and 20 Sft. of land together with a partly three, partly four and partly five storied building thereon at 1, Hanspukur 1st Lane, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. 1-6172 dated 26-4-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Poad, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date : 12-12-1985 Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Nabadwip Bhajan Ashram-

(Transferor)

(2) Motilal Halwai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-L CALCUITA

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. TR-134/85-86/Sl. 1126 I.A.C./Acq. R-I/Cal.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Example 1. In the same Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, situated at Hanspukur 1st Lane, Calcutta-7 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and Air

(b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An undivided ! share of a property comprising 3 Cottahs 9 Chittacks & 20 Sft. of land together with a partly three & partly four and partly five storied building thereon at 1, Hanspukur 1st lane, Calcutta Registered before R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. I-6173 dated 26-4-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 82-406GT/85

Date: 12-12-1985

FORM ITNS-----

(1) Kali Durga Estate

(Transferor)

(2) Vareli Exports Pr. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. TR-109/85-86/Sl. 1127 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to us the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 158, situated at Lenin Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the end instrument of transfer with the edded of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) tacilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1977);

All that office room No. 4, on 1st floor, measuring 718 Sft. at 158 Lenin Sarani, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 6136 dated 24-4-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-12-1985

FORM ITNS-

(1) Kashi Nath Auddy

(Transferor)

(2) Harimohan Aul

andromental professionaria and a series of the first of the first and a series of the first of

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. TR-104/85-86/St. 1128 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 1, situated at Auckland Square, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

S.R.A., Calcutta on 24-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ant, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mensys or other amots which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

- of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1th share in premises No. 1, Auckland Square, Calcutta. Land area 1 Bighas 1 Cottah 6 Chittack and 15 Sq. ft. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-6152 dated 24-4-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-12-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Chamanlal Mehra & Sons.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE

(2) Mrs. Nenu Dutta

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. TR-103/85-86/Sl. 1129 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

P-22, situated at C.I.T. Road, Scheme-LV, Calcutta-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 2-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitate the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 18, on 9th floor of premises No. 77, Middle Road, Entally, Calcutta. Area 1020 Sft. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-5000 dated 2-4-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Abmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 12-12-1985

FORM ITNS———

(1) New Central Jute Mills Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Varanasi Commercial Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. TR-99/85-86/St. 1130 J.A.C./Acq. R-I/Cal.-Whereas, I. SHAIKII NAIMUDDIN,

being he Competent authority unider Setion 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

situated at Premises known as Sahu Jain Hall, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on April 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lesse of this notice under subsection (1) of Section 26 who has said Act. to the following persons, namely .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that lands tenaments, hereditaments and premises known as Sahu Jain Hall together with all land outhouses, structures, buildings yards, godowns and fitures approximing there to and 33/94 part of undivided share in the common facilities. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Dced No. 1-4934 dated April, 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Calcutta
> 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-12-1985

(1) Smt. Sita Devi Khaitan & Smt. Puspa Devi Khaitan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt.Pushpa Devi Singhania & Sri Anup Kumar Singhania

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. C.A./154/85-86/Sl 1131 I.A.C./Acq. R-J/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the 'sa'd Act) have reason to believe that the hintevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 4, situated at Lower Rowdon Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer.

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer I.A.C., Acq. Range-I, Calcutta on 10-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Flat No. 77 °C' Block, Garage & Store Room 4. Lower Rowdon Street, Calcutta-700017. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, vide Serial No. C.A. 154 dated 10-4-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, warnely :--

Date: 12-12-1985

FORM ITNS

(1) Sri Sheo Kr. Kajaria & Ors,

(Transferor)

1475

(2) Taggas Industrial Development Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. C.Λ. 160/85-86/1132/IAC/Acq.I/Cal.— Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 9C, situated at Lord Sinha Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LA.C., Acq R-1, Calcutta, on 4-4-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that 1/5th part or share of leasehold land and second floor office flat of the building at 9C, Lord Sinha, Road, Calcutta. Registered before the Competent Authority, LA.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 160 dated

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 12-12-1985

(1) M/s J. D. Electronics,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shakuntala Singhania, Shri Sunil Singhunia and Master Saurabh Singhania.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. C.A. 179/85-86/SL/1133/IAC/Acq.I[Cal.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 9, situated at Pretoria Street, Calcutta, (and more fully described in the schodule appeared bereto) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acg. R-I Calcutta on 23-5-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the 1st floor & open car parking Space on Ground floor at premises No. 9, Pretoria Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, IAC, ACQ, Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 179 dated 23-5-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-L 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the vioresand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-12-1985

(1) Shree Properties and Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Waryan Kaur, Mahender Pal Singh and Virender Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. C.A. 5/85-86/Sl./1134/IAC/Acq. R-I|Cal.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4G, situated at Tiljala Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. R-I, Calcutta on 7-6-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer; and/or

vb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

83-406GJ/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THY SCHEDULE

All that Flat No. 23 measuring 1052 Sft. on the north western side of the 2nd floor at 4G. Tiljala Road Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 5 dated 7-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-12-1985.

Seal ;

(2) Shree Properties and Enterprises,

(2) Smt. Usha Devi Agarwal.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. C.A. 29/85-86/Sl.1135 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 4G, situated at Tiljala Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registring Officer at I.A.C., Acq. R-I, Calcutta on 15-7-1985 for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 43 measuring 1052 Sft. on north western sid of fourth floor at 4G, Tiljala Road, Calcutta. Registered before the Comeptent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide serial No. C.A. 29 dated 15-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-1,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :12-12-1985

(1) Sri Gautam Vohra and Sri Angad Vohra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bishan Dayal Goyal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1985

Ref. No. C.A. 32/85-86/\$l. 1136/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas I, SHA1KH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9, situated at Pretoria Street Calcutta,

to as the said Act; have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 9, situated at Pretoria Street Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, ACQ R-I, Calcutta on 15-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immereable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Flat No. 14 situated at 4th floor at 9, Pretoria Street, 'SUNDEEP', Calcutta-71 along with Open Car Parking Space. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C. A. 32 dated 15-7-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :42-12-1985 Seal :

[PART III—SEC. 1

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shantiniketan Estates Ltd. Sahujain Chartitable Society.

(Transferor)

(2) Smt. Madhu Pasari,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 16th December 1985

Ref. No. TR-98/85-86/Sl. 1137/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8, situated at Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Apt, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Niew, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Office space No. 13 on 6th floor at 'Shantiniketan' at 8, Camac Street, Calcutta-17. Registered before the R.A./ S.R.A., Calcutta vide Deed No. 1-4933 dated 1-4-1985. Date: 16-12-1985

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-12-1985 Seal:

(1) Shantiniketan Estates Ltd. Sahujain Charitable Society.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Raj Kamal Gupta.

(Transfefee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 16th December 1985

Ref. No. TR-100/85-86/Sl. 1138/1AC/Acq. R-1/Cal.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 8, situated at Camac Street, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Office space No. 13 on the 7th floor at 'Shantiniketan' at 8, Camas Street, Calcutta Area: 42.08 sq. mtr. (453 Sft.). Registered before the R.A./S.R.A. Calcutta vide Deed No. I-4936 dated April 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-12-1985

FORM ITNS----

(1) Shantiniketan Estates Ltd. Sahujain Charitable Society.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. P. Sanon & Ors.

(Transfesee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 16th December 1985

Ref. No. TR-102/85-86/Si. 1139/IAC1/Acq. R-I/Cal.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 8, situated at Camac Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforessid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Office space No. 6 on 9th floor of 'Shantiniketan' 8, Camac Street, Calcutta. Area 55.64 sq. mtr. (598.68 sft.). Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. I-5862P dated April 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 16-12-1985

Scal

(1) Shantiniketan Estates Ltd. Suhujain Charitable Society.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

(2) Manturam Prabladka.

(Transfefee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 16th December 1985

Ref. No. TR-101/85-86/SI. 1140/IAC/Acq. R-I/Cal.--

Whereas J, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 8, situated at Camac Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-4-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the afcreent persons within a period of 45 days from the date of publication o hits notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEFLAMATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Office space No. 10 on 7th floor of 'Shantiniketar' measuring an area of 42.08 sq. mtr. (453 sft.) at 8, Comac Street, Calcutta. Registered before the R.A./S.R.A., Calcutta vide Deed No. I-4937 dated 1-4-1985,

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 16-12-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Sri Sailendra Nath Chatterjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Mahendra Kumar Banka.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calculta, the 16th December 1985

Ref. No. C.A. 161/85-86/Sl. 1141/IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 35/1, situated at Jawaharlal Nehru Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., ACQ R-I, Calcutta on 4-4-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Flat No. 3/E, "Kailash Building", 35/1, Jawaharlal Nehru Road, Calcutta-71. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 161 dated 4-4-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 16-12-1985

(1) Shri Hakimrai Kukreda

(Transferer)

(A) Sept Abida.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 11th December, 1985

G.I.R. No. A-184/Acq.—Whereas I,
MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. One house situate at Mehalla-Barwalan, Moradabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Moradabad on April, 1985

Moradabad on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as we defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 149.20 sq. metre, situated at halls-Barwalan, Moradabad (as mentioned in 37G Ferm).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucience

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--34 406@I/96

: 11-42-1985

FORM ITNS:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

G. I. R. No. A-185/Acq—Whereas I, MRS. U. KANJILAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 420/2 situated at Chaupatia Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office; at Lucknow in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evention of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri Ram Kishan 2. Shri Jai Kishan

3. Shri Srikishan

4. Shri Ram Chandra.

(Transferee)

(2) Anupam Sahkari Avas Samiti Ltd. Lucknow.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 420/2, measuring 3 Bigha 10 Biswa situated at Chaupatia, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-iax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Shri Mustaq Ali 2. Shri Zaki Husain

- 3. Hashina Khatoon 4. Shri Zakir Husain
- 5. Sakir Husain
- Rasheed Husain

(Transferor)

(2) Anupam Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Mohd, Zama,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUIHITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

G.I.R. No. A-18-/Acq.—Whereas, I.

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 150/5

situate at Madehganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar/Sub-Registrar at

Lucknow on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tulr market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Plot No. 150/5, measuring 14000 sq. ft. situated at Madehgani Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-12-1985.

FORM DINS ----

(1) Shri Roshan Lal

(Transferor)

FOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 3hri Amar Singh

(Transferee)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 37, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

G.I.R. No. A-187/Acq.-Whereas, I. MRS. U. KANJILAL

being the Competer Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baying a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. C/C/10/116/328/40-£ situated at

1488

Old Saoji Mandi, Chowk, Lucknow rand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Lucknow in April, 1985

for an apparent consideration which i has that the fair market value of the aforesnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there or by more sand exceeds the apparent consideration there or by nore than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- oy any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later; (a) by any of the aforesaid persons within a
- (b) by any other person interested in the mild immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter

- (3) treditating the reduction or consider of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer;
- (b) (acilitating the concentment of any become or surmoneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the self-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :--

THE KNEW LE

Noves No. C/C/18/116/328/48-B, measuring 6006 sq. ft. situated at Old Salaji Mandi, Chewk, Lucknew (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range. Lucknew

Date: 11-12-1986.

(1) Shri Bechu

(3) Seller

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Sh. Ajmal Kafi2. Smt. Naima Khatoon3. Mohd. Aslam

(Transferen)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

G.I.R.No. A-188Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land and House No. 13/216-A-1 situated at Mohalia—Sarai Surjan, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

streen per cent of such apparent consideration therefor by more than streen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

nansfer with the object of :-

and or

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transferor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by an of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 9737 sq. ft. in the premises of House No. 13/216-A-1, situated at Mohalla—Sarai Surjan, Varance (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 11-12-1985.

(1) 1. Dr. Mulk Raj 2. Smt. Asha Agarwal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Akhilesh Kalra2. Shri Anil Kalra3. Nilu Chopra

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

G.I.R. No. A-189/Acq.—Whereas, I, MRS, U. KANJILAL,

being the Composent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R., 1,00,000/- mid bearing

Kothi with land No. 7

situated at

Tilak Marg, Butler Road (old), Dalibagh, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow in Arril. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than if these per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovniale property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the installer to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or

Kothi with land No. 7, Tilak Marg. Butler Road (old) Dalibagh, Lucknow, measuring 28,000 sq. ft. (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 11-12-1985.

FORM LT.N.S.----

(1) Shri Hanuman Prasad Chaudary

(Transferor)

(2) Smt. Bilkis Jahan

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

G.I.R. No. B-136/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of tac Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot Nos. 12A, 12B and 12C situated at

Butlerganj, Lokmanya Tilak Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow in Arril, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the tempoter; ro(bga
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-183 Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this date a con-Official Gazetta.

EXPLANATION :- The terms and expressions used berein as are Jefined in Chapter XXA of the said Age, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 12A, 12B and 12C measuring 4073 sq. it, situated at Butlergan), Qokmanya Tilak Marg, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-12-1985

Seal •

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIKITI MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

G.I.R. No. C-41/Acq.-Whereas, I,

MRS. U. KANILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land with structure

situate at

situate at B 2/123-A-2. Ravindrapuri, Varanasi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the opporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parally agree to the said Act, to the following parally in the said Act, to the following the said Act, to the said ing persons, namely :--

- (1) 1. Shri Chinmay Swami Through Shri Chinmay Swami Malaiyawala Paribrajak 2. Dr. Shiva Swarup Dubey.
 - 3. Shri Gopaldas Gujarati. 4. Sh. Nanik ram Khilnani
 - Smt. Laxmi Devi Rastogi.
 Shri Suresh Chandra Misra

 - Shri P. S. Varma.
 Shri H. P. Varma.
 Shri Nardi Kishore Bajpayee.

(Transferor)

(2) 1. Shri Chandra Prakash Kejriwal. 2. Smt. Padma Devi.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation t—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land measuring 6983.95 sq. ft. being plot No. 198 out of Block 'B' of Bhelupur Housing and Development Scheme, Zone III, with structures covering an area of 2200 sq. ft. bearing premises No. B. 2/123-A-2. Ravindrapuri. Varanasi.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 19661 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INTAK

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

G.I.R. No. F-12/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJULAI., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19661 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'sai'! Act'), have reaser to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. House situate at

situate at

Azam Nagar, Baroilly

fand more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Barcilly on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of training with the ebject of :--

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the aid Ast, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 2001C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--85-406GI/85

(1) 1. Smt. Kamla Devi.

- 2. Madhu Rani.
- 3. Vijay Kumar.
- Vinod Kumar.
- 5. Vinay Kumar. 6. Ajai Kumar.
- 7. Mahesh Chand.

(Transferor)

(1) 1. Km. Firoji

- Smt. Shamim Rano
 Shri Hasib Baboo.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House situated at Azam Nagar, Bareilly (as mentioned in 37G Form).

> MRS, U, KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-12-1985.

(1) Shri Baboo Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER.

(2) Gopal Niketan Cooperative Housing Society Ltd., Lucknow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

G.I.R. No. G-91/Acq.--Whereas, I,

MRS, U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1951) (hereinalter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Khara No. 29/1 and 30

situated at

Khaliak Bakh, Golaganj, Lucknow

(end more fully described in the Schedule assexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at

Lucknow on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 29/1 and 30 measuring 93000 sq. ft. situated at Khaliak Bagh, Golagani, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-12-1985

Registrar at

Lucknow on April, 1985

FORM ITNS

(1) Shri Baboo Lal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gopal Niketan Cooperative Housing Society Ltd., Lucknow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

G.I.R. No. G-92/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Khasra No. 29/1 and 30 situated at Khaliak Bagh, Golaganj, Lucknow has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar/Sub-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUI

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land Khasra No. 29/1 and 30 measuring 45000 sq. ft. situated at Khaliak Bagh, Golagani, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range,
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dated: 10-12-1985,

Sear

FORM ITNS----

(1) Shri Baboo Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gopal Niketan Cooperative Housing Society Ltd.,

(Transferce)

GOVERNMENT OF DIDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPTAX

> ACQUISITION RANGE Lucknow, the 10th December 1985 LUCKNOW

> Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G.I.R. No. G-93/Acq.—Whereas I, MRS. U. KANJILAI., being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinniter referred to us the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land.

situated at Khaliak Bagh, Golaganj, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar at

Lucknow in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Land measuring 1 Bigha, 2 Biswa, 2 Biswansi and 2 Kachhwansi, Khasra No. 31, situated at Khaliak Bagh, Golaganj, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal Acquisition Range Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the angulation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 10-12-1985

FORM ITNS.---

(1) Mazdoor Kishan Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Gazipur, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Harindra Kishore Singh.

(Transferce)

(3) Seller.

(Person in occupation of the Property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G.I.R. No. H-59/Acq.—Whereas I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 5 situated at Chinhat Kamla Nehru Nagar Yojana, Lucknow (and more fully described in the Schedule apprayed bareto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by some than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stand in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this prince is not local to the page the.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given on that charmen

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Plot No. 5 measuring 10842 sq. f*, situated at Mauza-Chinhat Kamla Nehru Nagar Yojana, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian lacome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS, U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G.I.R. No. H-60/Acq.—Whereas I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land situated at Vill. Beadora, Dist. Moradabad Vill. Bhadora, Dist. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred a oder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the have of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sumitra Devi.

(Transferor)

(2) 1. Haji Abdul Rashid 2. Shri Riasat Husain

3. Smt. Sabnam Akhtar

4. Shri Mohid, Farooq,

(Transferce)

(3) Seller,

(Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 816-72 sq. m(rs, situated at Vill. Bhadora, Distt. Moradabad (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 10-12-1985

(1) Dr. Ram Swarap Bhardwaj

(2) 1. Shri Harish Kumar Keshwani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sunita Keshwani
 Satish Keshwani

4. Kamal Keshwani.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th December 1985

Ref. No. G.I.R. No. H-61/Acq.-Whereas I, MRS, U. KANJILAL.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officerl Registrar/Subat Lucknow on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforecald exceeds the apparent consideration therefor by more than affect percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the id instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House—total area 1650 sq. ft. G.F. covered area 1600 sq.ft. F.F. covered area 1600 sq.ft. (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, inerefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely :-

Date: 12-12-1985

FORM ITNS-

- (1) 1. Shri Tecka
- (2) Shri Badlu

(Transferor)

(2) Krishna Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow through Shri S. P. Tiwari.

(Transferee)

NOTICE UNLES SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G.I.R. No. K-162/Acq.—Whereas I, MRS. U. KANJII AI, being the Competent Anthonity under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and pearing (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Cffers of the Registration Officer at at Lucknow on April, 1985

market value of the arrowsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partler has not been truly stated in the said instrument of

transfe with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 at 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I harry initiat recording for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afore-aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha, 19 Biswa and 19 Biswansi situated at Kharagpur Faridinagar, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJII.AL
Competent Authority
Inspecting Assistant Cimmissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G.I.R. No. K-163/Acq.—Whereas 1, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Khasra No. 40 situated at Mawa Kharagpur Faridinagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at IAC. Acqu. at Lucknow on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

86---406GI/85

(1) 1. Shri Masuk Ali

2. Shri Waris Ali

Shri Abdul
 Shri Ramjan

(Transferor)

(2) Krishna Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow through Secretary, Shri S. P. Tiwari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 40 measuring 68050 sq.ft. situated at Mauza—Kharagpur Faridinagar, Distt Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-12-1985

(1) Shri Laxmi Narain Shukla

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Krishna Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow through Shri S. P. Tiwari. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

Lucknow, the 10th December 1985

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. G.I.R. No. K-164/Acq.—Whereas I, MRS. U. KANJILAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Land situated at Ismaliganj, Dist. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at 1AC Acar.

1908) in the office or the Registering Officer at IAC, Acqn. at Luckonw on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 7 Biswa situated at Mauza-Ismailganj, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1985

(1) Shri Kazim Ali

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Krishna Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow through Shri S. P. Tiwavi. (Transferee)

alanda, artikal urben buru i abas urbi na ba

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G.I.R. K-165/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land situated at Kharagpur aridinagar, Distt, Lucknow and more fully described in the Schedule annexed hereto).

No. Land situated at Kharagpur aridinagar, Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at IAC, Acqu. at Lucknow on April, 1985

at theknow on April, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property; and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighas, 7 Biswa and 9 Biswansi situated at Kharagpur Faridnagar, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
'Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1985

(1) Shri Sadia Ali

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Krishna Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Shri S.P. Tiwari (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th December 1985

Ref. No. G.I.R K-166/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANHLAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Khasra No. 11 situated at Kharagpur Faridinagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrat/Sub-Registrar at Lucknow on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concentment of any incom which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 11 measuring 68050 sq.ft. situated Kharagpur Faridinagar, Lucknow (as mentioned in 37G

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heroby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :--

Date: 9-12-1985

(1) 1. Shri Kalloo 2. Shri Harilal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Manav Utthan Evam Kalyan Sahkari Ayas Samiti Ltd., Lucknow through Secretary, Shri Harish Chandra Sanwal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Sellers

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUĆKNOW

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 10th December 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

Ref. No. G.I.R. No. M-246/Acq.--Whereas, I, MRS. U. KANJILAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

publication of this notice in the Official Gazette.

No, Khasra No. 107 situated at Kalyanpur, Distt. Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office or the Registering Officer at Lucknow on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 44 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given E that Chapter.

believe that the fair market value of the property as aforebelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, معطاحه

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land Khasra No. 107 measuring 20415 sq.ft. situated at Kalyanpur, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-12-1985

(1) I. Shri Chhotey 2. Shri Baboo

3. Shri Narain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mansarovar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow through Secretary, Dheeyan Singh (Transferee)

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G.I.R. No. M-247/Acq.--Whereas, I, MRS. U. KANJILAL being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land situated at Ismailganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer

of the Registering Officer at Lucknow on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lnad measuring 2,00,240 sq.ft. situated at Vill. Ismailganj, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-12-1985

(1) Shri Shiv Narain Miglani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Mohd. Rais2. Shri Mohammadjan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

G.I.R. No. M-248/Acq.--Whereas, I, MRS. U. KANJILAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing
No. Plot of land

situated at Mauza—Bhadora, Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Moradabad on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning ? in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 823.85 sq. mtrs, situated at Mauza-Bhadora, Distt. Moradabad (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-12-1985

(1) Shri Ajai Pratap Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Model Nursery School, Kashi Katra, Gorakhpur Through Secretary, Syed Nishar Ahmad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. G. I. R. No. M-249/ACQ.—Whereas I, MRS. U. KANJILAL,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

publication of this notice in the Official Gazette.

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
One house situated at Bind Tola, Gorakhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Gorakhpur on April 1985

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One house measuring 11056 sq. ft. situated at Bind Tola. Gorakhpur (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date : 10-12-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43. OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Tota.

(Transferor)

(2) Mansarovar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Dhyan Singh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(3) Seller.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G. I. R. No. M-250/ACQ.— Whereas I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-able property, baying a foir market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Vill. Kharagpur Faridinagar, Distt, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registration Control of 1908 (16 of 1908). of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow

in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the arcressid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 37570 sq. ft. situated at Vill. Kharagpur Faridinagar, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS, U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :— 87—406GI/85

Date: 10-12-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G.I.R. No. M-251/Acq.--Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (terrinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Khasra No. 102 and 108 situated at Mauza-Kalyanpur, Distt. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Lucknow in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) fecilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

riow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Smt. Sundara.

(Transferor)

(2) Manay Utthan Evam Kalyan Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Harish Chandra Sanwal.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 102 and 108 measuring 1 Bigha, 15 Biswa and 10 Biswansi, situated at Mauza-Kalyanpur Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G.I.R. No. M-252/Acq.-Whereas, 1,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Land situated at Ismailganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908), in the Office of the Registering Officer at Lucknow in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957): moneys or other assets which have not been or which

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Shiv Narain Lal.

(Transferor)

(2) Mansarovar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Dhyan Singh.

(3) Seller.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18580 sq. ft. situated at Ismuilgani, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G.I.R. No. M-253/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Khasra No. 109 and 176 situated at Kalyanpur, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Munni Lal.

(Transferor)

(2) Manav Utthan Evam Kalyan Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow, Through Secretary, Shri Harish Chandra Sanwal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 109 and 176 measuring 32453 sq. ft. situated at Kalyanpur, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

U. KANIILAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-12-1835 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G.I.R. No. M-254/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Khurram Nagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Ass, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per ven, of such apparent consideration and that the consideration for such installer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mathura.

(Transferor)

(2) Manav Utthan Evam Kalyan Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow, Through Secretary Shri Harish Chandra Sanwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- ta) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bigha 2 Biswa situated at Khurram Nagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 19,12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

Ref. No. G.I.R. No. N-104/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Land situated at Kanosi, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

of the Registering Officer at Lucknow in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Muneshwar Bux Singh Alias Medi Lal.

(2) Nav Durga Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow, Through its Secretary.

(Transferce)

Objections, if any, to the accidiation of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bigha, 16 Biswa, 1 Biswansi situated at Kanosi, Lucknow as mentioned in 37G Form).

U. KANILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-12-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Banarsi Dass
 Smt. Pramila Rani
 Shri Pradeep Kumar
 Usha Agarwal

(Transferor)

(2) Neelu Chopra.

(Transferce)

(3) Dy. Cane Commissioner Office, Lucknow.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

Ref. No. G.I.R. No. N-105/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at 7, Dalibagh, Tilak Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in April, 1985

at Lucknow in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquestion of the said property may be saide in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share 4260 sq. ft. in main building situated at 7, Dalibagh, Tilak Marg, Lucknow (as mentioned in 37G Form)

U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, memely:—

Date: 11-12-1985

Scul:

Contraction of the Contraction o

(1) 1. Shri Paresh Noth Roy 2. Shri M. Banerji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nafees Ahmad Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknew, the 11th December 1985

Ref. No. G. I. R. No. N-106/ACQ.—Whereas I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 109/138 situated at Model House, Lucknow

House No. 109/138 situated at Model House, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow

in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excade the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, samely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 109/138 known as "Surendra Bhawan" situated at Model House, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-12-1985

FORM TINS (1) 1.

(1) 1. Shri Ashraf Jahan 2. Mohd. Kaleem 3. Mohd. Saleem

Shri Abdul Mutalib.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and the composition of the contract of the con

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

Ref. No. G. I. R. No. P-158/ACQ.—Whereas I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Land situate at Ribin Nagar, Dudauli, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforess d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

88-406GI/85

(2) M/s. Precti Nagar Cooperative Housing Society, Lucknow Through Secretary,

(Transferee)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19 Bigha, 17 Biswa, 10 Biswansi situated at Rahim Nagar, Dudauli, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-12-1985'

(1) Shri Siya Ram.

(Transferor)

(2) Puncet Sahkori Avas Samiti Ltd., Lucknow.

(Transferce)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G. I. R. No. P-159/ACQ.—Whereas I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Vill. Kamta, Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow

in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the properyt as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: مح/اسة

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein se are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha, I Biswa, 6 Biswansi and 10 Kachhwansi, situated at Vill. Kamta, Tehsil and Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice and section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 10-12-1985

Scal:

(1) Shri Mahendra Singh.

(Transferor)

(2) Pritinagar Co-operative Housing Society Ltd., Lucknow.

Through Secretary, Shri Abdul Muttalib.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G. I. R. No. P-160/ACQ.—
Whereas I, MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/- and bearing No.
Khasra No. 413 situated at Vill. Mohibullapur, Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

on April, 1985

for an apparent considration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a paried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days the service of setics on the respective persons, whichever period expires later; -
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 413 measuring 7530.70 sq. mtrs. situated at Vill. Mohibullapur, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Lucksow

Date: 10-12-1985

Scal:

Mow, therefore in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:-

in April, 1985

FORM ITNS-

(1) Smt. Nazma Khatoon.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961) (2) Smt. Ranabi.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

Ref. No. G. I. R. No. R-263/ACQ.—
Whereas I, MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the isamovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
One house situated at Bhadaura, Moradabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Moradabad

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent considerat

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

susy be made in writing to the imdersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 127.05 sq. mtrs. situated at Bhadaura, Moradabad (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

Ref. No. G. I. R. No. R-264/ACQ.—
Whereas I, MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961) (43 of 1961) (bereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Khasra No. 761 situated at Chinhat, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Lucknow
on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Irdian Income-tax Act, 1928 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mazdoor Kishan Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Raka Thakur,

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 761 measuring 9922 sq. ft. situated at Chinhat, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this motice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act to the following persons, namely.—

Data: 11-12-1985

PORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME: TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G. I. R. No. R-265/ACQ .---Whereas I, MRS. U. KANJILAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the section 269B of the

said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Ks. 1,00,000/- and bearing No. Khasa No. 206 situated at Mauza-Khurram Nagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Lucknow

in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- to racilitating the concealment of any income or ass groupeys or other smoots which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) New Azad Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow. Through Secretary, Shri Rasheed Ahmad. (Transferor)
- (2) Rajya Karmachari Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Phool Chandra Misra. (Transferee)
- (3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undervigaed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by many other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Have and the forms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Bhumidhari Khasra No. 206 measuring 38652 sq. ft. situated at Mauza-Khurram Nagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons mamely :--

Date: 10-12-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 249D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G. I. R. No. R-266/ACQ.—
Whereas I, MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Kha ia No. 124 situated at Khurram Nagar, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow

in April. 1985

m April. 1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the safer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957); (1) 1. Shri Jhabboo. 2 Shri Kalika.

(Transferor)

(2) Rajya Katamachari Sahkari Avas Samiti Leli, Through Secretary, Shri Phool Chandre Misra,

(Transferee)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immo property, within 45 days from the date of the cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 124, measuring 1 Bigha, 1 Biswa and 7 Hiswansi situated at Khurram Nagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS, U. KANJILAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I ucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the maid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeson property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date : 10-12-1965

FORM ITNS——— (1)

(1) Smt. Ganga Dei.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

Ref. No. G. I. R. No. R-267/ACQ.—
Whereas I, MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,60,000| and bearing No.
Land Khasra No. 332, 333, 334, 337 & 339 situated at
Chiphat Lucknow

Chinhat, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10

of 1908) in the Office of the Registering Officer at in April, 1985

Lucknow

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the proposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1952).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Rajyo Karamachari Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Phool Chandra Misra.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 332, 333, 334, 337 and 339 situated at Chinhat, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknew

Date: 11-12-1985

حوار ريمت والمرابع المرابع الم

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

1.ucknow, the 11th December 1985

Ref. No. G. I. R. No. S-396/ACQ.-

Whereas I. MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. 4, Khasra No. 760 situated at Chinhat, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 116 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in April, 1985

Lucknow

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-483 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—39—406GI/85

- (1) Mazdoor Kishan Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow.
- (2) Smt. Sunita Singh.

(Transferer) (Transferee)

(3) Seller,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, Khasra No. 760 measuring 10452 sq. ft. situated at Chinhat, Lucknew (as meatiened in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucksow

Date : 11-12-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Hari Miglani.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Shahjahan Begum 2. Shri Mohd. Farooq.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1985

Ref. No. G. I. R. No. S-397/ACQ.—
Whereas I, MRS. U. KANIILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot of land situated at Vill. Bhadora, Distt. Moradabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Moradabad
in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation: -The ferms upd expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 816.72 sq. mtrs. situated at VIII. Bhadora, Distt. Moradabad (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-12-1985

Scal:

(1) 1. Shri P. B. Lall 2. Shri R. B. Lell.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Trans Gomati Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

Ref. No. G. I. R. No. T-42/ACQ.— Whereas I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot Khasra Nos. 59, 60, 61, 62 & 65 situated at Iradatnagar, Tardray.

Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow

in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per comp of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay ma under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot Khasra Nos. 59, 60, 61, 62 and 65 measuring 6 Bigha, 13 Biswa and 13 Biswansi situated at Iradatnagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS, U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-12-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

Ref. No. G. I. R. No. T-43/ACQ.—Whereas I, MRS. U. KANJII.AL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Iradatnagar. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow

in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afformand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the taid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri B. B. Lal.

(Transferor)

(2) Trans Gomati Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow.

(Transferes

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighes situated at Iradetnagar, Lucknow (as meationed in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-12-1985

€cal :

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12 December 1985

Ref. No. G. I. R. No. V-89/ACQ.—
Whereas I, MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'unid Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House No. D-47/28 situated at Mohalla-Ramapura, Varanusi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi

in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, incretione, is, passinance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Sint. Annapurna Ghoshal

2. Sant. Shefali Paul

- 3. Smt. Meera Bauerjee
- 4. Smt, Geeta Banerjee
- 5. Sint. Reba Mukherjee
- 6. Shri Surendra Nath 7. Shri Sumendra Nath,

(Transferor)

(2) Shri Vishwanath Prasad Agarwal.

(Transforce)

(3) Vendors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said manowable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D-47/28, measuring 1929 sq. ft. situated at Mohalla-Ramanura, Varanasi (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucksow

Date: 11-12-1985

Scal:

FORM TINE -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

57. RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

Ref. No. G.I.R. No. V-90/Acq.-Whereas I,

Mrs. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovabic property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

House No. 492/86-89, situated at Panna Lal Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

For an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to botwoes the parties has not been truly stated in the said matra-ment of transfer with the object of :---

- (a) incilitating the reduction or ever nion of ti of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income agising from the
- (b) facilitating the concentment of any income or easy moneys or other anets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

(1) Inder Chand Agarwal.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vimal Chandra Pandey.

2. Shri Vinod Kumar Pandey.
3. Smt. Kusum Pandey.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 492/86-89, measuring 1649 sq. ft, situated at

Panna Lal Road, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

Mrs. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incress-tax Acquisition Range, Lucknow

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 11-12-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Shri Mazhar Ali Khan Through Attorney, Shri Rajendra Singh. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Yug Nirman Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow-Yug Nirman Sahkeri Ayas Same, Through Secretary, Shri B. I., Yaday. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1985

Ref. No. G.IR. No. Y-9/Acq.—Whereas I, Mrs. U. KANIILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Khasra No. 309, situated at Jia Mau, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Lucknow on April, 1985

Lucknow on April, 1985

of an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evarious of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

Land Khasra No. 309 measuring 12 Bigha situated at Jia Mau, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> Mrs. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Lucknow

Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date : 11-12-1985 Seal :

FORM ITMS

(1) Mrs. Mathilda D'Souza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M J P Shroft.

(Transferec)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 16th December 1935

AR-1/37EE/6253/84-85.- Whereas, 1. Ref. No. NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section

269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Room No. 59, 7t hilloor Raigir Chamber

situated at Shahid Bhagat Singh Road, Bombay-400 023 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 18-4-1985

1532

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affects per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer 83 agreed to between the parties has not been truly stated in the saki instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of tols notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chaster.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is sespect of any iscome arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 19 7):

THE SCHEDULE

Room No. 59, 7th floor, Rajgir Chambers, 12/14, Shahid Shagat Singh Read, Opp. Old Custom House, Bombay-400 023.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5838/85-86 on 18-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Sect in 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, camely :---

Date: 16-12-1985

Sec :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th December 19885

Ref. No. AR NISAR AHMED, AR-I/37EE/6078/84-85.--Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ma the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Building at Ovalwadi, situated at Vithalwadi, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment or any incomes or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ram Rattam Kochar, Kirtikumar J Sheth, Kitin P Kamdar Rekha Nina Trust. through its trustee Gordhandas Dawda.

(Transfer...

(2) Ajitnath Estate Private Ltd.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that chapter.

THE SCHEDULE

15/17 Building at Ovalwadl in Vithalwadi, C.S. No. 1864 of Bhuleshwar Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5746/85-86 on 1-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—90—406GI/85

Date: 13-12-1985

Scal:

(1) Bhaichand T. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961);

(2) Smt. Persan G Jain & Smt, Pushpa R Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th December 19885

AR-I/37EE/6319/84-85.--Whereas 1. Ref. No. NISAR AHMÉD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 2011 Newigran Bldg

Office No. 201, Navjivan Bldg.

situated at Lamington Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 201, Building No. 3, 2nd floor, Navilvan Co-op. Hsg. Sec. Ltd., Lamington Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5947/85-86 on 19-4-85.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 13-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th December 19885

Ref. No. AR-I/37EE/6327/84-85.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5, New Sainiketan Building, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. samely:—

(1) Mrs. Roshan K Bhadma.

(Transferor)

(2) Saifuddin I. Delhiwala & Mrs. Razia S. Delhiwala.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 12th floor, New Sainiketan Building, A. Bidg., Mount Road, Mazagaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5953/85-86 on 20-4-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-12-1985

FORM ITNS-

(1) Shri Damji Narshi Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nitin Arvind Hake.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18931/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Unit No. 209, Shreyas Indl. Estate Bldg. C, at B/B2 Nathani Estate Off Western Express Highway, Goregaon (E),

Bombay-63.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income using from the transfer; and for

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Unit No. 209, Shreyas Indl. Etate Bldg. C, at B/B2 Nathani Estate Off Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

The statement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE. 18931/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-12-1985

(1) Mr. Prem Kalachand Advani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Thrity Pervez Jussawalla.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18967/84-85.—Wheera, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 1,00,000/- and bearing No. Indl. Gala No. C-106, first floor with furniture & Fixture, situated at Goregaon (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Indl. Gala No. C-106, first floor with furniture & Fixture. Goregaon (E), Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 18967/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-12-1985

(1) Jehangir Bullders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vilas Vishnu Sakpal.

(Transferoc)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

AR-II/37EE. 18748/84-85.---Whereas I, Ref. No. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 202, 2nd floor, Andheri (E). Bombay-93.
(end more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income evising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslib-tex Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persion; michaely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing so the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persent whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDILL

Flat No. 202, 2nd floor, Hawa Apartments, 'C' Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93. Wing,

The statement has been registered by the Competent Authority, Bembay under Serial No. AR. 11/37EE. 18748/84-85 on 1-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-12-1985

Seel .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Rombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE. 18749/84-85.-Whereas I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 8, Giriraj Apartments, Plot No. 176/1 (Pt.)

Kondivita, Andheri (E).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; ini/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, samely :--

(1) Giriraj Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr Robert F. Fernandes. Mrs Flory Fernandes.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 8, Giriraj Apartments, Plot No. 176/1 (Pt) of village Kondivita, Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18749/84-85 on 1-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bembay

Date: 5-12-1985

Seel:

(1) Shri Shantilal Mannalal Bohra Smt. Kanchan Kantilal Tejawat,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmala Dhansukhbhai Thakkar.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

AR-II/37EE. 18792/84-85.--Whereas I, Ref. No. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

adn bearing No. Office No. 203A, Vertex-Vikas building, Andheri (East),

Bombay-69,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Office No. 203A, 2nd floor, Vertex-Vikas Building A-Wing,

M.V. Road, Andheri (East), Rombay-69.

The statement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR. II/37EE. 13792/84-85 on 1-4-1985. Competent

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265° of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1985

(1) M/* Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Muthubal Menockie. Mr. Gopalakrishna Menockie.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

AR-II/37EE. 18817/84-85.--Whereas, I, Ref. No. AR-L PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 501, Akal Co. op. Housing Society Ltd., Andheri

(E), Bombay-99

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /ex

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period et 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor Bldg. No. A-1 Akal Co.po. Housing

Society Ltd., Andheri (E), Bombay-99.

The statement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AC. 11/37Eb/18817 84-85 on 1-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--91-406GI/85

Date : 5-12-1985

Soal:

- (1) M/s. Onex Builders & Contractors.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Thankam Jacob.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

AR-II/37EE. 18818/84-85.~-Whereas I, No. Ref. PRASANTA RAY

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103, Akal Co. op. Housing Society Andheri (East),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the

Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever powind expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given ha that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103. 1st floor. Akal Co. operative Housing Society, Chakala, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR. II/37EE 18818/84-85 on 1-4-85.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asssistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :---

Date: 5-12-1985

FORM ITNS---

(1) M/s. Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

(2) Mr. M. M. Cherian.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-PRASANTA RAY, AR-II/37EE. 18819/84-85.-Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502, Akal Society, Andheri (E), Bombay-99

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-maid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer, hed/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

gion, morenore, in pursuance of Section 269C of the mid Mes. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under melmetion (1) of Section 269D (1) the said Act, to the following person namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, Akal Co-operative Housing Society, Chakala, Tarun Bharat Society, Andheri (E), Bombay-99.

The agreement has been regulatered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR, 11/37EE/18819 84-85 on 1-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-12-1985

FORM ITNS ---

(1) M/s. Vinay Builders.

(Transferor)

(2) Girish Baliram Siriskar,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE 18827/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 2. Shri Swami Samarth Apartment, Andheri (E).

Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expéres later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :-

THE SCHEDULE

Flat No. 2. Ground floor, Shree Swami Sawarth Apartments, Plot No. 60, Tarun Bharat Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Sahar Road, Ardheri (E), Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/57EE 18627/84-85 on 2-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following moreone. namely :---

Date: 5-12 1985

(1) M/s. Dimple Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (49 OF 1961)

(2) M/s, Shalimar Exports.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE. 18842/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

and bearing Unit No. 202, Ravi Indl. Estate, Andheri (E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the upparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly exited in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; end /er
- (b) facilitating the concealment of any income or ear moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 202, Ravi industrial Estate, Plot No. 25, Mahal Industrial Estate. Off Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE, 18842/84-85 on 2-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

stow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manualy :-

Date: 5-12 1985

PORM ITNS-

- (1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Smt. Irene Colaco & Shri Oscar Colaco.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE. 18857/84-95.—Whereas 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7. Bhavani Nagar, Andheri (E), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of a second consideration.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immsevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, Bldg. No. 3, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marcl Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE. 18857/84-85 on 2-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-12-1985

- (1) Shiv Shakti Builders.
- (Transferor)
- (2) Prishi Enterprises,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

No. AR-II/37EE, 18927/84-35, --- Whereas, I, 'RASANTA RAY,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19617 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imnovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Shed No. 124, Shy Shakti Industrial Estate, Andheri (East). Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been tran ferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of he Competent Authority at Bombay on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating hie concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 124, 1st floor, Phase No. III Shiv Shakti Industrial Estate. Marol Village, Off Kurla-Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE 18927/ 84-85 on 4-4-1985.

> PRASANTA RAY Acquisition Range Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisistion Range-III Bombay

Date: 5-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR.11/37EF/18973/84-85.--Whereas, 1, PRASANTA RAÝ,

being the Competent Authority under Section

209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 160, CS No. 368, Mogra village, Andheri (East),

Hombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

& Bombay on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the value of the aforesaid property and 1 have fair market reason to believe property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and or
- so) facilitating the concearment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri V. K. P. Bhaskar.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Om Prakash Sehgal, 2. Mrs. Pushpavati Sehgal

3. Mr. Rajan Sehgal, 4. Mrs. Benu Sengal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing C.S. No. 368, Plot No. 160, at Village Mogra, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/18973/84-85 on 4-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date : - 12-1985

Poel :

FORM ITNS-(1) Sent. Jesophine Lopes.

(Transferor)

(Transforce)

1549

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-IJ/37EE/18979/84-85.--Whereas, I, PRASANYA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, Bldg. No. 1, Bhawani Nagar, Andheri (Fast), Flat No. 1 Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (Pr of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Shri Balkrishna T. Manjrokar and Smt. lyoti G. Arora,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immenable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Berlanation :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor, Bldg. No. 1, Plot No. 15, Bhawari Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II/37EE/18979/84-85 on 4-4-1985.

FRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomo-tag Acquisition Range-II, Bombuy

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act to the following persons, asmiely:--

92-406GT/85

Date : 5-12-1985

Boaf :

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(2) Shri Subhash Pindidev Chugha and Smt, Vishandevi Pindidev Chugha. (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18980/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 2691

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rt. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 13, Bhawani Nagar, Andheri (E) Bombay-400 059 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the congealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sadi mimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, Bldg. No. 1, Plot No. 12, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18980/84-85 on 4-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Dato: 5-12-1985

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Uttam Singh Thakur,
2. Anand Singh Uttam Singh Thakur and
3. Gopal Singh Uttam Singh Thakur.

hakur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE CE THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUESTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18981/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

and bearing No. Flat No. 3, Bnawani Nagar, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombly on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the and instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3,1st floor, Bldg. No. 1, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshri Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18981/84-85 on 4-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona namely:—

Dato: 5-12-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Sridevi Sadashiv Chowta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-11/37EE/18982/84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 9, Bhawani Nagar, Andheri (East), Bombay-59 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

st Bombay on 4-4-1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Scotion 269°C of the salf Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SOMEBULE

Flat No. 9, 2nd floor, Bldg. No. 1, Plot No. 15, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. 9A-II/37EE/18982/84-85 on 4-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-12-1985

(1) M/s Usha Plastics.

(Transferor)

(2) M/s Mayur Spray Paints.

(Transferes)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DIFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 6th December 1989

Ref. No. AR-II/37EE/19022/84-85.-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 7 'F' Bldg., of Nand Dham Industrial Estate, Marol, Bombay-79

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

ut Bombay on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair narker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the sespective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income scieing from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 7, F-Building of Nand Dham Industrial Estate, Marol, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR-II/27EE/19022/84-85 on 4-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the term Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1—

Date: 8-12-1985

FORM I.T.N.S .---

(1) M/s Shree Shakti Estates.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) M. G. Sukumaran.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37FE/19067/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 403, Shri Shakti Apartment, Andheri (East),

Dombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /cr

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Shree Shakti Apartment, Military Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19067/84-85, on 9-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-12-1985

(1) M/s Shreo Shakti Estates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shrinivas P. Ail.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19068/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 402, Shree Shakti Apartment, Military Road, Marol, Andheri (E), Bombay

Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985 at Anna Nagar Madras, Doc. No. 1471/85 in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent coansideration thereformore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Shree Shakti Apartment, Military Road, Marol, Andherl, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-H/37EE/19068/84-85 on 10-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 9-12-1985

(1) M/s Shree Shakti Estates.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ibrahim Gouse Mulla.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19070/84-85.-Whereas, t. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 303, 3rd foor, Shree Shaka Apartment, Military Road, Matol, Bombay-59

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE PERSONAL

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 303, 3rd floor, Shroe Shakti Apartment, Military Road, Marol, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19079/84-85 on 18-4-1925.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-18-1985

Seel .

(1) M/s Jehangir Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mawaji Shamji Bhanushah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19087/84-85.--Whereas 1, PRASANTA RAY,

abeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, B-Wing, Hawa Apartments, Mahakali Caves

Road.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-4-1985

and or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, B-Wing, 1st floor, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19087/84-85 on 10-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Seal:

Date: 5-12-1985

93-406GI/85

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s Jehangir Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ashok Pitamberdas Chandiramani.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19088/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 204, Hawa Apartments, Andheri (E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(m) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ke respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Hat No. 204, 2nd floor, C-Wing, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19088/84-85 on 10-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-12-1985

(1) Devshi Mulji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kiass Plastics.

(Transferce)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF IMDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37 $\rm HE/19039/85.85.$ -Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 15, Naud Daam Industrial Estate, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Jacount-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income writing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

SEPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 15, 'A' Building, Nanddham Industrial 'Estate, Marol Maroshi Road, Andhori (Hast), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19089/84-85 on 10-4-1985,

PRASANTA RAY
Commetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1985

FORM ITNS—

- (1) Shri P. K. Dharmapalan.
- (Transferor 🏋
- (2) M/s, Meta Forms.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19130/84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Gala No. F/8, Nand Jyot Indl. premises Co.op. Society Ltd., Saki Naka, Andheri Kurla Rd., Bombay-72

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any lucome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Galan No. F/8, Ground floor, Nand Jyot Indl. Premises Co. op. Society Ltd., Saki Naka, Andheri Kurla Rd., Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19130/84-85 on 11-4-1985.

PRALANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 6-12-1985

(1) Ansa Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shreedhar Pandey, Sheeldhar Pande and Sheshdar Pande.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19135/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 10,000 and bearing

Unit No. 7, ground floor, H. Building. Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Bombay-72 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by uny of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Unit No. 7, ground floor, H-Building, Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Bombay-72.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19135/84-85 on 11-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-12-1985

(1) Shri Ashok Kumar Katyal.

(Transferor)

(2) Mr. Ramanlal Sunderlal Kevani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee,

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19149/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Re 100,000 and hearing

Rs. 100,000 and bearing
Unit No. 201, Hind Saurashtra Industries Co. op. Society
Ltd., Andheri Kurla Rd., Bombay-59

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been townsterred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer: and fer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Unit No. 201, 2nd floor, Building No. B, Hind Saurashtra Industries Co. op. Society Ltd., Andheri Kurla Road, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19149/84-85 on 11-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, reperfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1985

PORM ITNS

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd. (2) Smt. Bendicta D'Souza.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bornbay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19175/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 11, Bhawani Nagar, Andheri (E), Bombay-59

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed here to) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bozebay on 11-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Bldg. No. 2, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol-Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19175/84-85 on 11-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Date: 5-12-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Joseph Victor Fernandes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19176/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14, Bhawani Nagar, Andheri (E), Bombay-59

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor, Bld. No. 1, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19176/84-85 on 11-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-12-1985

FORM ITNS

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Rupchand Sharma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II-37EE/19177/84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14, Bhawani Nagar, Andheri (E), Bombay-59

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-4-1985

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that tabe fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferoe (s) has not been trucky stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

ta: facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act th respect of any income arising from the transfer; mad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor, Bld. No. 6, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol-Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under Scriat No. AR-II/37EE/19177/84-85 on 11-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-94--406C1785

Date: 5-10-1985 Shall:

FORM (TNS....

(1) Shri Ramanlal Kanyalal Chachra.

(Transferor)

(2) M/s. Sudarshan Construction.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1761 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II.

ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19271/84-85.-Whereas, 1, PRASANTA RAÝ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 009/- and bearing No. Piot No: 177, Village Mogra, (South Salesatte) Andheri (E),

Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act on the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 177. Village Mogra, South Saleessatte, nAdheri Fag), Boinbay,

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19271/84-85 on 12-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, uncrefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :---

Date: 6-12-1985

- (1) Shiy Shakti Builders.

(Transferor)

(2) Jyoti Tin Works.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANCE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19277/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

and bearing No. Shed No. 159, Phase No. 3, Shiv Shakti Incil. Estate, Bombay-59

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eventon of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned t—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 159, 1st floor, Phase-III, Shiv Shakti Industrial Estate, S. No. 79, H. No. 15 and No. 80, H. No. 1, Marol Village Oft. Kurla, Andheri Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19277/84-85 on 12-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 9-12-1985

(1) M/s. Domus Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, G. R. Engineering Works (P) Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Rcf. No. AR-II/37EE/19278/84-85,--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 2, Bld. No. 17, Andheri (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act on the office of the Competent Authority at Authority at

Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afor said property and I have reason to believe that the fair market value of the property—as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen! of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or my which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd floor. Bldg. No. 17, S. No. 57, H. No. 4 & 5 (Part) Mahakali Caves Road, Andheri (E). Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19278/84-85 on 12-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

(1) Shree Shakti Estates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdulla Mohammed Shaikh,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ARSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

Bombay, the 9th December 1985

BOMBAY

Ref. No. AR-II/37EE/19282/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aci, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00.000/- and bearing
Flat No. 104, 1st floor, Shree Shakti Apartment, Military
Road, Marol, Bombay-59
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act on the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 1st floor, Shree Shakti Apartment, Military Road, Marol, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19282/84-85 on 12-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19301/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Gala No. 27; Sethi Industrial Premises, Society Ltd., Andheri

(E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) M/s. Crown Engineering Works.

(Transferor)

(2) Mr. Bharat Popatlal Shah,

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 27 Sethi Industrial Estate Premises Co. op. Soc. Ltd., 10-E, Suren Rd., Andheri (E). Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19301/84-85 on 12-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-12-1985

(1) M/s. S. P. Sons Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) D. K. Tools Services.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19309/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 118, 1st floor, Damji Shami Indl. Complex Mahakali Caves Rd., Andheri (E), Bombay

striated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been t ansferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authörity at

Bombay on 16-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapte-

THE SCHEDULE

Unit No. 118, 1st floor, Damji Shami Indl. Complex Plot No. 28, Mahai Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19309/84-85 on 16-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bonibay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act in the following persons, namely :--

Date: 5-12-1985

(1) Laiq Ahmed M/s. Abode Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Subedar Ahmed.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR.II/37FE/19339/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property baving a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearning Flat No. 2, Bildees Apartments. Mahakali Caves Road, Antheric (Foot)

Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax the Competent Authority at

Bombay on 16-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

Flat No. 2, Bili quis Apartment, H. No. 12, CTS No. 572 & 576 at Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/19339/84-85, on 16-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Dated: 6-12-85

(1) M/s Abode Builders.

(Transferor)

(2) Subedar Ahmed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, POMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19340/84-85.--Whereas. I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-

ble property, having fair market value exceeding
Rs. 1.00.000/- and bearing
Shop No. 2, Bilgees Apartment, Andheri (E), Bombay-93, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 164-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manager with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been up which ought to be disclosed by the transferee in the purposes of the Indian income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

95-406 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Bilgees Apartment, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR II/37EE/19340/84-85, Authority, Bo on 16-4-1985,

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 9-12-1985

(1) Shri Ramanbhai Rambhai Mistry.

('Fransferor)

(2) M/s Vir Rubber Products P Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19341/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No. Gale No. 207 in Planet Industrial Estate, Vile Parle (East). Bombay-57, (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bembay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waalth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 207 in Planet Industrial Estate Subhash Road, Vile Parle (East), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19341/84-85 on 12-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-12-85

(1) Shah Padamshi Madan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Navin Devshi Haria Shri Ashwin Keshvaji Harin Shri Shashikant Hemraj Haria Shri Manoj Chandulal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. AR-II/37EE/19358/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 39, A Block, Giriraj Industrial Estate, Mahakali
Caves Rd. Andherl (E), Bombay-93,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

and the agreement is registered under Section, 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consinderation theregfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDILLE

Unit No. 39 on the 1st floor of Block 'A' in Giriraj Industrial Estate situated at Manakali Caves Road, Andheri East, Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.11/37EE/19358/84-85 on 17-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR. PRASANTA RAY, AR. II/37EE/19371/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Block No. 17, Girliaj Apartment. Andheri (E), Bombay-59, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Girirai Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Yashoda Ramesh Ghanwat

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 17, Giriraj Apartment, Plot No. 176/1 (Pt) of village Kondivita, near Kadamwadi, Andh. (E), Bonbay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombry under Serial No. AR.II/37EE/19371/84-85 oni7-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-12-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANCE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 6th December 1985

Ref. AR-II/37EE/19372/84-85.—Whereas, I, PRASANI'A RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,400/- and bearing

Block No. 18, Giriraj Apartment, Kondivita, Andheri (East), Bombay-59,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concentrates of any income or any memors or other assets which have not which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Giriraj Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Bajirao Baourao Ghanwat

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block 190. 18, Giriraj Apartment, Plot No. 176/1 (Pt) of Village Kondivita, near Kadamwadi, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19372/84-85 on 17-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Dated: 6:12-85

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS---

(1) Popatlal Rajpar Shah

(Transferor)

(2) M/n. Usha Plastics

(3) Transferee.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Rcf. AR-II/37EE/19399/84-85.—Whoreas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Unit No. F-6, and Dham Industrial Estate, Marol Marochi Rd., Andheri (E), Rombay-59,

has been transferred

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-4 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of said apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income attaing from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforestic property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. F-5, in Nand tham Industrial Estate, Marel Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19399/84-85 on 17-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-12-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 6th December 1985

Ref. AR-II/37EE/19400/84-85.--Whereas, I,

PRASANTA RAY.

seing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Unit No. F-7, Nand Dham Industrial Estate, Andheri (E).

Bombay-59,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ashwinkumar Popatlal Shah

(Transferor)

(2) M/s. Usha Plastics

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the proporty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. F-7 in Nand Dham Industrial Estate Marol Maroshi Rd. Andheri (E) Bombay-59
The agreement has been registered by the Competent Authority., Bombay under Serial No. AR.II/3/EE/19400/

84-85 on 17-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-12-1985

Basi:

FORM ITNS-

(1) Ranjitkumar Champalal (Minor)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ravi Prakash Srivastava.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. AR-II/37FF/19407/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196! (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 10,006/- and bearing

Flat No. 10. Bldy. No. 2. Bhrwani Nagar, Andheri (E)

Romboy-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 260AD of the

Income-rax Act. 1961, in the Office of the

Competent Authority as

Bombay on 18-4-1985

and/or:

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Catalal Garette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as mre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 10. 2nd floor, Bldg. No. 2, Plot No. 11, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road. Ardheri (E), Bombay-400 059. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EE/19407/84-85 on 17-4-1985.

(b) racilitating the conocalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 5-12-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Girdhardal Kureel.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 5th December 1985

Ref. AR-II/37EE/19408/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 18, Bhawani Nagar, Bldg. No. 4, Andheri (E),

Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AP of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-4-1985

Bombay on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to another than the protection of the protection and that the consideration for such transfer as agreed to the protection of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such property as a pro between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 4th floor, Bldg. No. 4, Plot No. 13, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19408/84-85 on 18-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner or Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-12-1985

Seal:

96-406 GI/85

(1) Deepak Builders Pvt, Ltd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Maurice Quadras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. AR-II/37EE/19409/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5, Bhawani Nagar, Bldg. No. 4, Andheri (E), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; d/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow. ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Bldg. No. 4. Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19409/84-85 on 18-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-11-1985

FORM PINS-

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahesh T. Land and Jasuben T. Lad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. AR II/375 E/19410/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 10,000/- and bearing Flat No. 2, Bldg. No. 2, Bhawani Nagar, Andheri (E), Rombay 59

Bombay-59,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay en 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlih-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, Bldg. No. 2, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19410/84-85 on 18-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-11-1985

Scal:

(1) Shri Sujan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Rcf. No. AR-II/37EE/19419/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing

No. Gala No. 10, Vishal Apts., M.V. Road, Andheri (East), Bombay-69.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the italifity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Vishal Paper Mart.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Others Contract

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 10, Vishal Apartments, Vishal Shopping Centre, M.V. Road, Andheri (East), Bombay-400 669.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Scrial No. AR.II/37EE/19419/84-85 on 18-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-12-1985

(1) M/s Neepra Associates

(Transferee)

(2) M/s Divya Sales Agency.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19425/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

reason 1A RAY

neing the Competent Authority under Section 269B of the nome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding the statement of the said Act'), and bearing the said Act's Ground floor, Vile Parle (E), and the said the s

Bombay-57,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer vith the object of :--

(a). facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Yshodhan (Joshi Niwas) Malviya Road, Parle (East), Shop No. 'A', ground floor, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19425/84-85 on 18-4-1985.

PRASAITA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-12-1985.

FORM ITNS _____ 187

(1) M/s Nirman Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tarachand P. Sethia.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19433/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the innovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101. 1st floor, Nirman Vihar, 'B' Wing, Rajerrata Jijebni Road Andheri (East), Bombay-98. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been found and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101. 1st floor, Nirman Vihar 'B' Wing Rajemata Jijabai Road, Pump House, Andheri (East), Bombny-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II/37EE/19433/84-85 on 18-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, markely :--

Date: 5-12-1985.

(1) M/s. Parikh Vaz Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kallarakal Mathai Joseph.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19434/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (harcinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, Kondivita, Bamapuri Road, Andheri (East)

Bombay-59,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the trumferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ther:
- (b) by any other person interested in the said immedable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, Plot S. No. 45/13, Kondivilla, Bamapuri Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19434/84-85 on 18-4-1985.

PRASANTA RAY
Compelent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1985.

(1) Vir Rubber Products Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2) VGI Foundation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19440/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Gala No. 207, Planet Endl. Estate, Vile Parle (E),

Bombay-57

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of: (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within period of

forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty

days from the service of notice on the respective

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are edfined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Gala No. 207, Planet Industrial Estate, Subhash Road, Vile Parle (E), Bombay-400 047.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/19440/84-85, on 18-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Dated: 9-12-1985.

FORM LT.N.S .-

(1) M/s. D. Parikh Engineering Works.

(Transferor)

(2) M/s. Rajpal Plastic Industries.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9.h December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19478/84-85-Whereas, 1, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the mm: wable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F.S.I. in Compartment No. 115, on Plot No. 9,

Marol Co-operative Industrial Estate Limited, Andheri (E),

Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"F.S.I. in Compartment No. 115, on Plot No. 9, Marol Coop. Industrial Estate Ltd. Mathuradas Vissanji Road, Saki-Naka, Andheri (É). Bombay-59."

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under No.AR.II/37EE/19478/84-85, on 20-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersong ramely :--

Date: 9-12-1985. Seal :

97-406GI/85

(1) M/s Ansa Builders.

(Transferor)

(2) Salalwaddim Ismail Khan.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref: AR-II/37EE/19493/84-85—Whereas, I

PRASANTA RAY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. J-130, 1st floor Ansu Ind. Estate, Saki Naka,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Δct, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein EXPLANATION are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. J-130, 1st floor, Ansu Ind. Estate, Saki Naka, Andheri (East) Bombay.

The agreement has benn registered by the Competent Authority, Bombay underSerial No.AR.II/37EE/19493/84-85 on 19-4-1985

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stction 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 5-12-1985

(1) M/s Ansa Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961) (2) M/s Srinivas Engineering.

(Transeferee)

GOVERNMENT OF IMPLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985.

Ref: AR-II/37EE/19494/84-85—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

perty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit Uo. K-10, Ansa Industrial Estate Saki Naka, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
cospect of way income arising from the transfers
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gamette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. K-10, Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Seria! No.AR.II/37EE/19494/84-85 on 19-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paragraph, analy:—

Date : 5-12-1985

(1) Shri Subhashchandra R. Agarwal.

(Transferor)

(2) Shri Ashok M. Marwah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref: No. AR-II/37EE/19498/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 6, Bidg. No. 4, Sher-E. Punjab Co.op. Housing Section Borelow 02

Society, Bombay-93,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269Ail of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Compotent Authority at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the full manket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Building No. 4, Shere Punjab Co. op. Housing Society Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19498/ \$4-85 on 20-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the *foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 6-12-1925

(1) M/s Ansa Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Hydro Aneumatic Controls.

(Transferse)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACOUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 5th December 1985

Ref: No. AR-II/37EE/19517/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Unit No. F-104, Ist floor. Ansa Ind. Estate, Saki Naka, No.

Andheri (E) Bombay-72.

and for

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evenion of the lightity of the transferor to pay tax under the eald Act. in

(b) facilitating the concentratest of any income or any moneys or other nesets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997):

respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said homeowable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thus Chapter

THE SCITEDULE

Unit No. F-104. 1st floor, Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Andheri (E), Bombay-400 072.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19517/84-85 on 19-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reens, namely :---

Date : 5-12-1985

(1) Shri Jayantilal Fulchand Pethod.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harakhchand Ramji Dodhia & Shri Navinchandra Fulchand Pethod.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 6th December 1985

Ref: No.AR-II/37EE/19574/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Shop No. 7 Mehul Co. op. Housing Society Ltd., Andheri (E) Rombay 59

(E), Bombay-59.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferered/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, marnely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Mehul Premises Co. op. Society Ltd. Plot No. Kanti Nagar, Bamanpuri Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19574/84-85 on 20-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-12-1985.

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985.

Ref. No. AR.II / 37EE / 19583 / 84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/and bearing No. Plot No. 70/71, Shere Punjab Society, Andheri (E),

Bombay-93.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incorpe-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-4-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been touly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the list-liky of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of my i come mising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(4) Shri Juspalsingh Kartar singh Bhasin and Smt. Manjit Kaur Charangit Singh Bha in.

(Transferor)

(2) M/s. Gharkul.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a public of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

"Plot No. 70/71, C.T.S. No. 368, Shere Punjab Cooperative Society Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93"

The agreement has been registered by the Competent Anthority, Bombuy under No. AR.II/37EE/19583/84-85, on 20-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Dated: 9-12-1985.

FORM I.T.N.S.

(1) A. S. Builders.

- (Transferor)
- (2) Shri Abdul Karim Dawood Alji.

(Transferoe)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19589/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Compotent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 10, B/3 Bldg., Bap Khan Nagar,
Andheri (F), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bezabay on 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Charter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the Langueter to get the back. The said der, in respect of any income mining from the transfer;

and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act. 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Shop No. 10, Bldg.—B/3, Map Khan Nagar, Marol Naka, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19589/84-85 ea 23-4-1985.

PRASANTA RAY Compotent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :---

Dato: 9-12-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Shabbir Bhai A. Morbiwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nisreen Abedin Tanboowala. Mr. Juzer Bhaijibhai Tamboowala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19591/84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 14, 1st floor, A-I, Burhan Co.op. Hsg. Society, Marol, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in particular.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the allowing mersons, namely :---98-406GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fror the service of notice on the respective person. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazene.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 1st floor, A-1 Burhan Co.op. Housing Society, Village Marol, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19591/84-85 on 23-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-12-1985

- (1) Wavecom Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Mr. Panattial Mathews Thomas, and Mrs. Yvette Ann Thomas.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19607/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 279, Shere-E-Punjab Co-op. Society, Mahakali C. Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-4-1985 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the bradafer; and or

THE SCHEDULE

Plot No. 279, Shere-E-Punjab Co-op. Housing Society, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19607/84-85 on 23-4-1985.

(b) facilitating the ceneralment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

riow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

(1) Dr. (Mrs.) Jagjit Daniel & Dr. John Daniel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Motihiraa Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

. Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19620/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Kamla Terrace, Vile Parle (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Kamla Terrace, Subhash Road, Vile Parle (East), Bombay-400-057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19620/84-85 on 23-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 6-12-1985

Scal;

(1) Mr. Sylvester Richard D'Silva & Ots.

may be made in writing to the undersigned :-

(2) M/s, Sarkar Builders.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

the state of the s

(3) Mrs. John Mary Nicholas Fernandes.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19636/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

1/3rd share in the property bearing CTS No. C/1309, at

Danda Village, Sherly Rajan, Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-4-985

Authority at Bombay on 24-4-985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Isolitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be directed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1/3rd share in the property bearing S. No. 283, Hissa No. 11, CTS No. C/1309, at Danda Village Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19636/84-85 on 24-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 6-12-1985

Seal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

FORM I.T.N.S.-

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Surekha Jayraj Pase.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19623/84-85.--Whereas, I,

PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-grad bearing No.

rand bearing No.
Flat No. 18, Bhawani Nagar, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any facome or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 4th floor, Bldg. No. 3, Plot No. 6, Bhawani Nagar, Marol, Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19623/84-85 on 24-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 5-12-1985

FORM LT.N.S.

(1) Savani Family Trust.

(Transferor)

(2) Mr. Mukesh Gunvantilal Mehta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19640/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, Shirin Schrab Palace, Vile Parle (E),

Bombay-57

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-4-1985 for an apparent consideration which is ress than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as attractable exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used ! erein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same musaing as with in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 in Building known as 'Shirin Sohrab Palace at Plot No. 225, Nariman Road, Vile Parle (East), Bombay-

57.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19640/84-85 on 24-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Date: 6-12-1985

23 2515

FORM ITNS----

(1) Jehangir Builders.

(Transferor) .

(2) Lawrance D'Souza.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19708/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flot No. 204, B-Wing, Hawa Apartments, Mahakalic Caves Rend, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been tansferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (a) facilitating the concealment of any income or any sawneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA or the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, B-Wing, 2nd floor, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19708/84-85 on 25-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, : hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1985

FORM ITNS-----

(1) Mr. Nareshkumar Kumaria Prop. of The Naresh Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

or or the second of the second

(2) Swami Uma Bharati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19650/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 201, 2nd floor, Nav Sanyukta, CTS No. 141 Chakala Off Andheri Kurla Rd.. Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 'Nav Sanyukta' CTS No. 141, Chakala, Off Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay-400 059,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19650/84-85 on 24-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 6-12-1985

(1) S. A. Contractor & Co.

(Transferor)

(2) M/s. Suraj Diamond Industries Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19648/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Eaid Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 42, 4th floor, Smruti Tejpal Scheme, Road No. 5, Vile-Parle (E). Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annued hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than littleen per cent of such apparent consideration and that the fitteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 42, 4th floor, Smruti, Tejpal Scheme, Road No. 5, Vile parle (East), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19648/84-85 on 26-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subeforesaid property by the assue of this money bection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--99-406GI/85

Date: 9-12-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th November 1985

Ref. No. P. R. No. 3908-Acq.23/II/85-86,--Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. R. PANDIA,
Fring the Competent Authority under Section 269B of the
Licome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred ta
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
Shop No. 4-15 at Bombay Market, Umarwada, Surat

situated at Surat
'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Naginchand Chimanlal Shah C/o Shop No. 4-15 at Bombay Market Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) Shailesh Traders Prop. Rameshchandra B.2, Himani Aptt. Majura Gate, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetis or a period of 30 days from the accrise of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menaing given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 3518 Dt. 15-4-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

Date: 25-11-1985

Scal '.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th November 1985

Ref. No. P. R. No. 3907-Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. L. I. at Bombay Market, Umarwalla, Surat (and morefully described in the Schedule sanexed hereto), have been stated for the schedule sanexed hereto).

Shop No. L. I. at Hombay Market, Umarwaya, Shrat (and morefully described in the Schedule canexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 cf 1908) in the office of the registering officer at Surat on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Krishnadas G. Garg,
 Mahadev Nagar, Majura Gate Surat.

(Transferor)

(2) Avaniy Silk Fabrics L. I. Bombay Market Umarwada, Surat.

(Transferce)

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 3539 Dt. 19-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Importing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 25-11-1985

Scal '.

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ritu Rajkumar Berani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19743/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 18. Bhawani Nagar, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the olince of the Competent Authority at Bombay on 26-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

Flat No. 18, 4th floor, Bldg. No. 1, Plot No. 14, Bhawaai Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19742/84-85 on 26-4-1985.

(b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Amistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-12-1985

Signit.

- (1) Deepak Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)

(2) Mukhtar Pandit.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985-

Ref. No. AR-II/37EE/19744/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 16, Bhawani Nagar, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule appared beauty).

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 16, Bhawani Nagar, Andheri (E), Bombay-59
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of Said Act in the office of
the Competent Authority at Bombay on 26-4-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exo:eds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mooms or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in their Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, Bldg. No. 2, 4th floor, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol-Maroshi Road, Andheri (E) Bombay 400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19744/84-85 on 26-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 5-12-1985

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(2) Mr. Leo J. Regis.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. AR-II/37EE/19745/84-85.—Whereas, I.

Ref. AR-II/37EE/19745/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Bhawani Nagar, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran-ferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

the Competent Authority Bombay on 26-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Bldg. No. 2, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19745/84-85 on 26-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date 5-1-1985

(1) Shri Surjitsingh Chandhok

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar R. Aggarwal

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR. II/37EE/19761/84-85.—Whereas, I, , PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing Plot No. 263. Shere Punjab Society Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tranferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority at

Bombay on 26-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1967 (27 of 1927);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, pamely:—

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 263, Shere Punjab Housing Society, Mogra Villago, Mahakali Road, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/19761/84-85, on 26-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dato: 9-12-1985

Soul :

FORM 1.T.N.S.-

(1) A. S. Bullders

(Transferor)

(2) Kalam Ashraf Ansari

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19786/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 404, Bldg. No. B/4 'Mapkhan Nagar, Marol Naka Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, witnin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 404, in Building B/4, on 4th floor 'Mapkhan Nagar', Marol Naka Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19786/84-85 on 26-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitie Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namedy :---

Date : 5-12-1985

Scal:

- (I) Shri Ramasajivan Gajadharprasad Gupta
 - (Transferor)
- (2) Shri Satidin Gajadharprasad Gupta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR. U/37EE/19808/84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomo-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 2, Nirman Vihar, A-Wing, Pump House, Andheri

(E), Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been immsferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 30-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transf andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said. Act to the following persons, namely:—
100—406GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. .
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, Nirman Vihar, A-Wing, Pump House, Andheri (E). Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/19808/84-85, on 30-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-12-1985

(1) M/s. Ansa Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

An a secondary design

(2) M/s. Sunil Industries

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR. II/37EE/19835/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 204, 2nd floor, J-Bldg. Ansa Ind. Estate, Saki-Naka, Andheri (E), Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 30-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 204, 2nd floor, J-Bldg. Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Chandivli, Andheri (E), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/19835/84-85, on 30-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 9-12-1985

(1) M/s. Ansa Builders

(Transferor)

(2) M/s. Canon Coating Company

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR. II/37EE/19836/84-85.-Whereas, 1,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Unit No. 103, F-Bldg., Ansa Ind. Estate, Saki-Naka, Andheri

(E), Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 103, 1st floor, F-Building, Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Chandivli Road, An. horr (E), Bombay-400 069. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/19836/84-85, on 30-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9- 7-1985

FURM ITNS

(1) M/s. Ansa Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kiran Textiles Prop : Kishorechandi Sharma

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR. 11/37EE/19837/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000 and bearing Unit No. 215 and 216, 2nd floor, J-Bldg. Ansa Indl. Estate,

Saki-Naka, Andheri (E), Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB c the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 30-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

(a) by any of the aforesaid persons whim a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person inter_sed in the said immediable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit Nos. 215 and 216, 2nd floor, J-Building, Ansa Industrial Estate, Saki-Naka, Chandivli, Andheri (E), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/19837/84-85, on 30-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Seal:

Date: 9-12-1985

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

CO. THE ACT OF THE PARTY OF THE

FORM ITNS-

(1) M/s. M. B. Sawhney & Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Neyaz Ahmed Abdul Aziz, 2. Ajaz Ahmed Abdul Aziz and 3. Iftekhar Ahmed Abdul Aziz-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR. II/37EE/18821/84-85.--Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) therefurfier referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable preperty having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 7, Guru Arjun Niwas, Santacruz (W), Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which it less than the fair masket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent passideration there for by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such traffer as agreed to between the parties has not been truly stand in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ither assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said summovable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gispette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Guru Arjan Niwas, Plot No. 31, T.P.S. IV, Santacruz (W), Bombay-400-054.

The agreement has been registered ty the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/18821/84-85, eq. 1-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-12-1985

(1) Smt. Ishwarbai S. Adnani Smt. Rajkumari H. Adnani Smt, Pushpabai H. Adnani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nafisa Saifuddin Bootwala

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQU:SITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 6th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. AR-II/37EE/18822/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 2, Ground floor, Super Bazar Premises Co. op. Housing Society, Santacruz (West), Bombay-54, (and more fully described in the Schedule annexed herete),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor, Super Bazar Premises Co. operative Housing Society Ltd. Station Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. 11/37EE/18822/84-85 on 2-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 6-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18831/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 111, 1st floor, F. P. No. 32, TPS V, CS Nos. 108

riat No. 111, 1st noor, F. P. No. 32, TPS V, CS Nos. 108 to 108(12) at Santacruz (E) Bombay-54 (and more fully described in the schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for apparent consideration which is less than the fulr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s. Jay Development Corporation

(:

(2) Shri Azmatullah S. Khan

(Tr.

(3) Nil

(Person in occupation of the property,

(4) Mr. S. M. Malubhoy

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 32, TPS V., CS Nos. 108 to 108(12) at Santacruz (East) Bombay-54. Flat No. 111 on 1st floor & car parking bearing Final Plot

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18831/84-85 on 2-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-12-1985

Scal:

(1) Shri Magbool Ahmed

(Transferor)

4 UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Cool Traders

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18838/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority Bombay on 2-4-1585

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow: persons. namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givenin that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, ground floor, M.U. Corner Off Tilak Road,

Shop No. 11, ground floor, M.U. Corner Off Tilak Road, Santacruz (West). Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18838/84-85 on 2-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-12-1985

FORM IT 3

(1) Shri Ramlech Robelal Phuva Shi Saresh Babalal Bhuva

(Transferor)

(2) Smt. Kesumben Balbhadra Shah-Kum, Gita Balbhadra Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18867/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value veceding Rs. 1.00.000/- and bearing Flat No. 13-C, Daulat Vibar Soicty, Vile Parle (West),

Bombay-56.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor no pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the consteri and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D c. the said Act to the following -reon: numety .-101--406GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 13-C. Daulat Vihar Society, Dadabhai Road, Vile Parle (West), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18867/84-65 on 2:4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 6-12-1985

FORM TINS----

(1) Shri Basudev Nathmal Goenka,

(Transferor)

(2) Smt. Shakti Sharma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. AR-II/37EE/18974/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,009/- and bearing Flat No. 201. Juhu Capri Co. op. Hsg. Society, Juhu,

Bombay-49.

(and more fully described in the Scedule annexed hereto, has has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in 'Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Juhu Capri Co. op. Housing Society Ltd., Juhu, Bombay-49,

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18974/84-85 on 4-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section $\angle 691$) of the said Act, to the following persons, namely: -

Date : 6-.2-1285 Scal :

- (1) Smt, Bhagiraihibhai Ghag,
- (Transferor)
- (2) Shri Arit Hussein Khan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANCE-II BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19004/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

F.No. A. 11. Asha Colony Co. Op. Scy., Juhu Tara Rd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evalor of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endior
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or so Weslth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the same Art, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A.11 Asha Colony Co. Op. Scy., Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19004/84-85 on 6-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1985

(1) Shri Ashok H. Jagiani and Rajkumar H, Jagtiani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suviksit Construction Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE AL BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR.I PRASANTA RAY, AR.II/37EE/19077/84-35.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 603, Lovedale Premises Co-op. Society Limited, John Romboy 49

Juhu, Bombay 49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, wnichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

- (a) incilitating the reduction or evention of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; mad for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 603, Lovedale Premises Co-operative Society Limited, 25C, Juhn Tara Road, Juhn Bombay 49. The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under Scrial No. AR. II/37EE/ 19077/84-85 on 9-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-H Bombay.

New therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 6-12-1985

FORM ITNS-

(1) Sanjay Construction & Finance Pvt. Ltd.

(2) M/s. Roop Rang

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19158/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Shop No. 12, Alock Apartment, Santacruz (West), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

10-4-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of genefer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the trans and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, 'Alok Apartment' Plot No. 104-105, T.P.S. VI Scheme, Santacruz (West), Bonibay, The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under Scrial No. AR. II/37EE/ 19158/84-85 on 10-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 9-12-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Hemant H. Patel

(2) Mrs. Madhu Prakash Kapoor & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II EOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR.II/37HE/19200.—Whereas, f, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43, of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 203 Plot No. E7 Almai Gazdar's Private Scheme

S'cruz

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competert Authority at

Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforciald persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 203 on Plot No. E.7 Aimai Gazdar's Private Scheme Santacrus, Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19200/84-85, 12-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 9-12-1985

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay the 6th December 1985

Ref. AR-II/37EE/19206/84-85,---Whereas, I, PRASAN'TA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Flat No. A-3. Jubu Apartment Colop. Society Ltd., Santacruz (West). Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of hte liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri K. D. Doctor.

(Transferor)

(2) Shi Dilio ki, Pattani.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-3, Juhu Apartments, Juhu Road, Santacruz (West), Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19206/84-85 on 12-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefor, in pursuanc of Sction 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-12-1985

(1) M. B. Sawhney & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nihchidevi Thakurdas Ranglani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19308/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 5, Guru Arjan Niwas, Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act EXPLANATION:—The terms shall have the same meaning as given that Chapter-

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Shop No. 5, ground floor of the building, Guru Arjan Niwas, Plot No. 31, TPS IV S.V. Road, Santacruz (West), Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/ 19308/84-85 on 16-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the insue of this rection and the said action action action and the said action aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-12-1985

(1) Mr. Kantibhai Hirachand Shah.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Rekha Harit Patel.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later:

(Transferee)

-NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE-II BOMBAY**

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR PRASANTA RAY, AR-II/37EE/19355/84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 41, Juliu Shalimar, Bldg. No. 5, Vile Parle (W)

Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of period or a period of 30 days from (a) by any of the aforesaid persons within

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41, Juhu Shalimar, Bldg. No. 5, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (West), Bombay-49.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19355/84-85 on 17-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 102-406GI/85

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

AR-II/37EE/19356/84-85.—Whereas, No. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601, Mangal Milap, JVPD, Scheme, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at the Competent Authority at Bombay on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

(1) Smt. Mundanben Raunniklal Patel.

(2) Mr. N. Dwarkanath.

(Transferor)

(3) Transferor.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing is the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Mangal Milap, 12th Gulbohar Cross Road, J.V.P.D. Scheme, Bombay-49.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19356/84-85 on 17-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 6-12-1985

FORM ITNS (1) Janab Quied Johar I

(1) Janab Quica Johar Bhaisaheb Burhanuddin.

(Transferor)

(2) Smt, Prabha B. Sethi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II-BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19457/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 4, Plot No. 5, Vile Parle (W), Bombay.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as sives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5, North of Irla Nalla Juhn Andheri West, Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under Scrial No. AR. II/37EE/19457/84-85 on 19-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1!
Bombay.

Date: 6-12-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Janab Quied Johar Bhaisabed Burhanuddin Shaffi Mahal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Brij Mohan P. Sethi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19458/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and hearing No.

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 5, North of Irla Nalla, Juhu Andheri West, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at

Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5, North of Irla Nalla, Juhu Andheri West, Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19458/84-85 on 19-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometaz
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-12-1985

Scal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kewalmal Motilal Lalwani,

(Transferor)

(2) Shri Anil Ramlal Hans.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19571/84-85.—Whoress, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomt-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,060/- and bearing No.

Flat No. 'O', Monami Co. op. Society Ltd., Juhu, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-4-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D, Monami Co. op. Society Ltd., Plot No. CTS No. 41 & 41/A, Juhu Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/ 19571/84-85 on 20-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 6-12-1985

FORM ITNS ----

(1) Smt. Navalbai Manekji Palany.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Indiraben Narendra Doshl.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19585/84-85.—Whereas, I, PRASANT RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 14/B, Jamnagar Co.op. Housing Society, North

Erla, Bombay-58
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14/B Plot No. 29, Jamnagar Co.op. Housing Society Ltd., North Erla, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19585/84-85 on 20-4-1985.

PRASANT RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-lection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely ;-

Dated : 6-12-1985 .

Scal :

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Bhagavanji B. Chitroda & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hasumati C. Vora & Ora.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19838/84-85.—Whereas, I, PRASANT RAY,

PRASANT RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 9, Ram Nivas South Pond Rd. Ville Parle, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act, in the office of the Competent Authority

Authority

at Bombay on 30-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned :-

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 9, 3rd Flr., Ram Nivas, South Pond Road Vilo Parle (W) Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19838/84-85 on 30-4-1985

> PRASANT RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 9-12-1985

(1) Mrs. Sybil Harish Mehra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vasrambhai Jivaraj Chauhan & Jayendra Vasrambhal Chauhan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19853/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing Flat No. 11, Aman Palace Co. op. Housing Society, JVPD Scheme, Bombay-49.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act, in the office of the Competent

at Bombay on 30-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned t—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Aman Palace Co.op. Housing Society J.V.P.D. Scheme, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/198853/84-85 on 30-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 9-12-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Mrs. Seema R. Shivdasani.

(Transferor)

(2) Mrs. F. M. Tankiwala & Mr. M. A. Tankiwala.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/29147/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10, Vishwadham Co.op. Hsg. Society Ltd. Santacruz (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and, the agreement is registered under

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affice uper cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as arrest to between the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used breein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Vishwadham Co. op. Hsg. Society Ltd. Prabhat Colony, Santacruz (East), Bombay-400 055.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/29147/84-85 on 8-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection 11 of Section 269D of the said Act, to the following peranas ramely :-

103-406GI/85

Dated: 6-12-1985

(1) M/s. Chetan Developments.

(Transferor)

(2) Mrs. Mala Salian Devendra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18801/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 603, 6th floor, 'B' wing Sea Shel, 7 Bungalows, Versova Bombay-58

Versova, Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act, in the office of the Competent

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfero and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, 'B' wing Sea Shell at 7 Bungalows, Versoya. Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18801/84-85 on 1-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 5-12-1985

Scal:

(1) M/s Vaibhav Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Shri Devchand Smarshi Shah.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

Bombay, the 5th December 1985

BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the an id immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-II/37EE/18889/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred was the 'said Act'), have reason to believe that the immovsble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-602, Guru Kripa Apartment, Veera Desai Rd. Andheri (West). Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of said Act, in the office of the Competent

Authority

at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the feir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, his respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A-602, Guru Kripa Apartment, Veera Desai Road. Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18889/84-85 on 2-4-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Dated: 5-12-1985

- (1) M/s J. S. Corporation.
- (2) Smt. Naseem Banu Nazir.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18961/84-85.—Whereas, I, PRASANT RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to the 'said Act'), have verson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 402, 4th floor, Quarter Deck, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act, in the office of the Competent

Authority at Bombay on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the Yair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1955 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Quarter Deck, at J.P. Road, Versova Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18961/84-85 on 4-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2669D of the said Act, to the following persons resmely:—

Dated: 5-12-1985

Seel :

- (1) M/s. J. S. Corporation,
- (Transferor)
- (2) Shri P. Nazir Ahmed.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18962/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable porperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 401, 4th floor of the Blig. Quarter Deck, J.P. Rd., Versova, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act, in the office of the Competent

at Bombay on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acaquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Quarter Deck, at Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18962/84-85 on 4-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 5-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19170/84-85.—Whereas, I, PRASANT RAY,

PRASANT RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-102, Gurukripa Apartment, Veera Desai Rd., Andheri(W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- cb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Vaibhav Builders.

(Transferor)

(2) John Alphanso. Mrs Emelda Alphanso.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-102. Gurukr Andheri (West), Bombay. A-102. Gurukripa Apartment, Veera Desai Road,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19170/84-85 on 12-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Dated: 5-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19269/84-85,--Whereas, I.

PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinster referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing No. Flat No. 203 'B' Bldg. Guru Kripa Apartment, Veera Desai Rd. Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-4-1985

for an apparent which is less than the fall nurket vaule of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:-

(1) M/s Vaibhav Builders.

(2) Shri Madhukar K. Chaudhari & Smt. Shashikala M. Chaudhari.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Building 'B', Gurukripa Apartment, Veera Desai Road, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19269/84-85 on 12-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 5-12-1985

(1) Horizon Construction Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Santram Brothers.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Rcf. No. AR-II/37EE/19476/84-85.—Whereas, J, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Shop No 2, Kchinoor 'B' Bandvali Village Jogeshwari (W),

Bombay-102,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act, in the office of the Competent Authority.

at Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concea moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Kohinoor 'B' Bldg. Bandhiwalin Village, Jogesh-

wari West, Bombay-102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19476/84-85 on 19-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Dated: 5-12-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Nahar Seth & Jogani Associates. (Transferor) (2) Mr. Altaf Mohamedali Suleman &

Mrs. Mumtaz Altaf Suleman.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19730/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 708, 'Everest' J. P. Road, Andheri (W-, Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act, in the office of the Competent Authority Authority

at Bombay on 25-4-1985

at Bombay on 25-4-1965 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubil-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 708, 7th floor in Everest Building at J. P. Road, Versova, Andheri West, Bombay-61.
The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19730/84-85 on 25-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforensid monerty by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said sect, to the following ersons, namely :-104-406GI/85

Dated: 5-12-1985

Scal :

(1) M/s. J. S. Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Deepak G. Bakshani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19736/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable popert, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 602, Quarter Deck Versova, J. P. Road, Andheri

(West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annered hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be diaclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows persons, namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said upmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, Quarter Deck J.P. Road, Versova, Andheri (W) Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serlai No. AR, II/37EE/19736/84-85 on 25/4/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition-II, Bombay

Date: 5-12-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. J. S. Corporation

(Transferce)

(2) Smt. Anita G. Bak Shani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1137EE/19739/84-85.—Whereas, I, PRAŞANTA RAY,

bung the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 601, Quarter Deck, J.P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957):

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

***CAPLEMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, Quarter Deck, J.P. Rd., Versova, Andheri (W), Hombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19739/84-85 on 25/4/1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition-II, Bombay

Date: 5-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sitabai W/o Relumal Bhagnati Bangalore.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. Lokesh B. Amin

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR. PRASANTA RAY. AR. 11/37EE/18750/84-85.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the ne competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Shop No. 3, Ram-Shyam Nivas. Mahim (West), Rombay.16

Bombay-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at

at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tar Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sursection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period GF . 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ram-Shyam Nivas Ramshyam Co.operative Housing Society Ltd., Mahim (West). Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI/37EE/18750/84-85, on 1-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition-II, Bombay

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-PRASANTA RAY, AR-II/37EE/18844/84-85.--Whereas, J,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imabovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 502, 5th floor of the Bldg. Nectar-I, & Garage No. 1 on the ground floor of the Bldg. Nectar-II, Bandra,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforest d property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) M/s. Kirti Enterprises

(Transferor) (2) Mrs. Leela Awatari Chimnuni & Mr. Manohar Awatrai Chimnani & Mrs. Reshma Manohar Chimnani.

(Transferce)

(4) Nector Co.op. Housing Soc. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor of the Building Nectar-I and Garage No. 1 on the Ground floor of the Building 'Necter-II' at CTS 1437, 1440, Sherli Rajan Village, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, 11/37EE/18844/84-85 on 1-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition-II, Bombay

Date: 6-12-1985

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18890/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. C-8, Crystal Colony, Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer andler.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (1) Mr. Bansilal Raizada

(Transferor)

(2) Mr. Yakub Gulam Mohemad Kabli & Mrs. Mehrunnissa Yakub Kabli.

(3) Transferee

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-8, 1st floor of building No. 'C' Soonawalla Agiary Marg, Plot No. 570, TPS III, Mahim, Bombay-400 016. The agreement has been registered by the Comhpetent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18890/84-85 on 2-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1985

Scal:

(1) Shri Chetan Nenumal Malkani

(Transferor)

(2) Shri Pratipal Singh Saluja & Smt. Surjit Kaur Saluja.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37E/18926/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 702, Plot No. 414, 15th Road, TPS III, 7th floor, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: **17/m**
- (h) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Flat No. 702, Plot No. 414, 15th Road, TPS III, 7th floor, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18926/84-85 on 4-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-12-1985

(1) M/s. Kaveri Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) E&Z Consultants.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19025/84-85.—Whereas, I.

PRASANTA RAY, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Office No. 41, Regency, Plot No. 240, National Library Road, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformain property by the issue of this notice under emb-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Flat No. 41, 'Regency' Building at Plot No. 240 & CTS Nos. F 1357-1358 & 1359 at National Library Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19025/84-85, on 6-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19076/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flai No. 301. Georgina, Village Sherly Rajan, Bandra, Bombay 50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers are cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—105—406GI/85

(1) M/s, Reshma Constructions

(Transferor)

(2) Mrs. Kusum Narayan Kamat

(Transferee)

(4) Transferec.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Wing 'A', Georgina, CTS Nos. C/1308, 1284, 1283, 1304 at Village Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19076/84-85, on 9-4-1985.

PRASANTA RAY Comptent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19101/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269% of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat No. 10B, 3rd floor, Mala Rajan Road, Bandra,

Bombay-50

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen purcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to the tax under the cast Act, isrespect of any income naishna from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Suresh Laxman Dahiyadkar

(Transferor)

Committee of the second second

(2) Mr. George Graciou & Mr Lena Graciou (Transferce)

(3) Transferces
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days n the service of notice on the respective persons, wer period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the axes Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10B, 3rd floor, 35 Sherly, Danda, Opp. Nanak Dispensary Mala Rajan Road, Bandra, Bombay 400050 The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19101/84-85 on 10-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY **BOMBAY**

Bombay, the 9th December 1985

Ref. AR-II/37EE/19132/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing

Flat No. 8, 'A' Block, Gul Apartments. Gul Palace Co. op. Housing Society 1.1d., Bandra, Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the

Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 11-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dawood Khanif Pathan

(Transferor)

(2) Mr. Baptist D'Souza

(Transferee)

(3) Transferee & his family.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period capires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor 'A' Block Gul Apartments, Gul Palace Co. op. Housing Society Ltd., 244-B St. Andrew's Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19132/84-85 on 11-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitioin Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaul property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. AR-II/37EE/19141/84-85,—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, 1st floor, Rishikesh (Khai) Coop Hsg. Soc. Khar (W), Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persont, namely :--

(1) Shri Jogendersingh S Ravilsingh Suri

(Transferor)

(2) Shri Gobind Nathermal Mirchandani Shri Ashok Nathermal Mirchandani

(Transferiec)

(3) Transferec:

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Rishikesh (Khar) Cooperative Housing Society, Khar (West), Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19141/84-85 on 11-4-1985.

Date: 9-12-1985.

FORM ITNS———

(1) Dr. Hargovind K. Ballani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vasudev D. Navani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

< Ref. No. AR.M/37EE/19208/84-85.—Whereas, i, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit/Clinic No. 202, 2nd floor, Kanaiya TPS III, Linking

Road, Bandra, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the

Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are used in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as pives in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE -

Unit/Clinic No. 202, on 2nd floor, Kanaiya TPS III, Linking Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19208/84-85 on 11-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitioin Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-12-1985.

and the second second

FORM ITNS ----

(1) M/s. Galaxy Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Surekha Anil Indulkar, Shri Anil Sadashiy Indulkar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19221/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sand Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 601, B-Wing, 102 Off T.H. Kataria Marg, Matunga (West), Bombay-16 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transcrized and the agreement is registered under

has been transcried and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 601, B-Wing, Galaxy Apartment on Plot No. F.P. 231, Near Ihaveri Hospital, 102 Off T.H. Katiria Marg. Matunga (West), Dombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/19221/84-85, on 12-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 9-12-1985

(1) Smt. Savitri B. Teekchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sangeeta L. Saini.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19240/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 405, Hirenlight Industrial Estate, Mahim, Bombay-400016

400016

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the manaferor to pay tax under the said Act, in respect of any insense arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 405, 4th floor, Hiren Light Industrial Estate, Mogul Lane, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19240/84-85 on 12-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Bombay

Date: 9-12-1985

(1) Dr. Suresh Aishiram Lalchandani

(Transferor)

(Transferee)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19274/84-85.—Whereas, $\int PRASANTA RAY$,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 6, Kanaiya Co-operative Housing Society Ltd., Khar, Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mrs Mohini Kishinchand Lalchandani & Mr. Vijaya Kishinchand Lalchandani.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Kanaiya Co-operative Housing Society Ltd., Plot 410, 14th Road, Khar, Bombay-52;

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.IJ/37EE/19274/84-85 on 12-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-If,
Bombay

Date: 9-12-1985

FORM ITNS ----

(1) Mr. Shahpur Jehangir Jambusarwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Primlaks (India) Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th Deember 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19284/84-85.--Whereas, J. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Franscesca, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to testieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said untrument of gransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the numbers of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable. property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Franscesca, Ground floor 14-A, Chimbai Road, Bandta (W), Bembny-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19284/84-85 on 11-4-1985.

FRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—
105—406GI/85

Scal:

Title: 9-12-1985

FORM ITNS----

(1) Smt. Savitri Tharcomal Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chandrakant D. Visubia.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, DOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19313/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing
Shop No. 5, Nivedan Co-operative Housing Society Ltd.
Mahim, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic. Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Nivedan Co-operative Housing Society Ltd., 'Ashirwind', Plot No. 214, TPS III, Off L.J. Road, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19313/84-85 on 16-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

Date: 9-12-1985

(2) Mrs. Roshan Jimmy Panthaky.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Lonenath Chitramandir.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19323/84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, Unque Apartment, Bandra, Bombay-50

Flat No. 11, Unque Apartment, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transerred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Olections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Unque Apartment, Off. Turner Road, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR, 11/37EE/19323/84-85 on 16-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 9-12-1985

- (1) Mrs. Teresa F. Thadikaran.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Maria Margret Rana.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19342/84-85.—Whereas, I, PRASΛΝΤΛ RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 502, Sameer, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transcribed and the agreement in registered and the

has been transcried and the agreement is registered and. Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferae for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 2nd floor, Sameer, 180, Perry Road, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19342/84-85 on 17-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority ecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the alore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 200 of the said Act to the following persons. namely :---

Uat.: 6-12-1985

FORM ITNS ---

(1) Rimal F. Thadikaran.

(Transferor)

(2) Sally Ignatius Rana.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19343/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1(00,000)- and bearing

Flat No. 501, Samcer. Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transerred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice: in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Sammer, 180, Perry Road, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19343/84-85 on 17-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following recsons namely

Date: 6-12-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Shantilal Dhanpal Jain.

(Transferor)

(2) Smt, Lalita Satishkumar Jain. Smt. Tripta Dharamvir Jain.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19391/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to sa the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1(00.000) - and bearing Flat No. 10, Gahasti Co-operative Housing Society Ltd., 15th Road, Khar, Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transerred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-4-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instangent of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the humsfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Grahasti Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 464, Navbahar Building, 15th Road, Khar, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR,II/37EE/19391/84-85 on 17-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following purpope, namely :--

Date: 9-12-1985

(1) M/s. Pereira Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Eunice Maria D'abreo, Mr. Kenneth Kevin D'Abreo.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19395/84-85.-Whereas, J. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1n, Jondele, 1 St. Paul Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transerred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mild instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transrefer to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, on the ground floor in the proposed building Jondele' on plot No. 33A. CTS No. 370, St. Paul Road, Bandra (W), Ecmbay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19395/84-85 on 17-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C c. The said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:-

Date: 6-12-1985

FORM NO. 1.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D[1] OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19398/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 18 5th floor, Skylark Apartments, Khar, Bombay-52.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transerred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Dr. (Mrs.) Marium Habibuuhai Ibrahim Nanji & Mr. Hussainali Anwarali Hashimbhai Nanji,
- (2) M/s. Orson Electronics Limited.

(Transferor) (Transferee)

(4) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 5th floor, Skylark Apartments, 6/D Chium Off Union Park, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19398/84-85 on 17-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-12-1985 Seal:

(1) M/s. Kanti Puilders Pvt Itd.

(Transferor)

(2) Mr. K. M. Billimorin and K. K. Billimoria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19415/84-85,—Whereas, I,

PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing Flat No. 4. C-Wing, Kanti Partment, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transerred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at the Competent Authority at

Rembay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest with the c of transfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evenion of one imbility of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 5th floor, 'C'Wing, Kanti Apartments, Mount Maty Road, Bandra, Borabay-400050.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bambay under No. AR-II/37EE/19415/84-85 on 18-4-1985.

PRASANTA R Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, **Pombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons particles of the said Act, to the following persons particles of the said Act, to the following persons particles of the said Act, to the following persons particles of the said Act, to the following persons particles of the said Act, to the following persons particles of the said Act, to the following persons particles of the said Act, to the following persons particles of the said Act, to the following persons of the said Act, to t

Date: 9.12-1985 S^al:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. AR-II/37EE/19535/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, 'Ramakutir' at St. No. 95, Linking Road, Khar,

Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Raja Builders & Inv. Pvt. Ltd.

(2) Shri Atul Jayantilal Shah

(Transferor) (Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, 'Ramakutir', at Street No. 95, Linking Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19535/84-85 on 19-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19616/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 3, Rajlaxmi Co. op. Housing Society, Mahim,

Bombay-16.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Miteen per cent of such apparent consideration and that the consideration fo rsuch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act, in respect of any acome arising from the transfer; and/or

(b) faciliatting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Lalchand S. Chhabria & Smt. Kavita E. Chhabria

(2) Shri Manoher K. Gehi

(Transferor)

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 Rajlaxmi Co. op. Housing Society Plot No. 74, Lt. Dilip Gupta Marg, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19616/84-85 on 13-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-12-1985

FORM ITNS-----

(1) Mr. Abdul Rashid Abdul Razak

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Raunaque Abdul Sattar & Memon Mohammad Rahim

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19696/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 15, Petersyn Home Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Scedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office 64

the Competent Authority at Bombay on 25-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 2nd floor, Fetersyn Home, Pitamber Lane, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19696/84-85 on 25-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Date: 6-12-1985

(1) M/s. Ambit Corporation

(Transferor)

(2) Dr. P. C. Rishi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. AR-II/37EE/19732/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1, Somarset-3, Pali Hill, Bandra, Bombay-50
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 3rd floor in building Somarset-B at Pali Hill, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19732/84-85 on 25-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. manually:—

Date : 6-12-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19747/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and beating No. Flat No. B-73, 7th floor, 'Cozihom Co-operative Housing Society Ltd., Bandra (W) Bombay-50 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 26-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaidpr operty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-Bombay on 26-4-1985

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Parathasarthy Sharma

(Transferor)

(2) Shri Kishore Jhamandas Hemnani

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B-73, 7th floor, Cozihom Co. op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 531, Palli Hill, Bandra (W) Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19747/84-85 on 26-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-12-1985

FORM ITNS

(1) M/s Anas Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kusum Gazmer & Mr. Ranjit Gazmer

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19773/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasen to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 /- and bearing Flat No. 203, 19th Road, Khar, Bombay-52

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaetzte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; had/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Plot No. A/4, 19th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19773/84-85 on 26-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1985

(1) M/s Sarvatra Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Kumar Khanna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19788/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Office No. 22, 1st floor. Veena Beena Shopping Centre,

Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 2t 9 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 26-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis are defined in Chapter XXA of the used herein as Act, shall have the same meaning as given m that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 22, 1st floor, Veena Beena Shopping Centre, Bandra Railway Station, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.H/37EE/19788/84-85 on 26-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following aforesaid property by the same of this notice under subuersons namely :--

Date: 9-12-1985

(1) Suhail Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kenneth Luis Mascrenhas Mrs. Lynette Ann Mascarenhas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19804/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402, 'Irancdel' Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hometo), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority, at Bombay, or, 30.4.198

Section 269AB of the income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tar * at. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the eaid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---108-406GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 115 Dr. Peter Dias Road, Bandra, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI/37EE/19804/84-85, on 30-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-1985

(1) M/s Knveri Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Marlene P. Selwyn & Mr. Trevor Selwyn.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19810/84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 51, 'Regency' Bhoiwada Road, Bandra, Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 51, 'Regency' Building at CTS Nos. 1357-1359, Bhoi wada Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19810/84-85, on 9-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heraby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 10-12-4985

FORM ITNS

(1) Vasudco Keshav Datye.

(Transferor)

(2) Sangram Keshari Khuntia.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/18744/84-85,--Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, 1st floor, Atlantic Apartments, Andheri (West). Bombay-58, (and more fully described in the Schedule approved beauty).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the ran-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to bt disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Apna Ghar Unit No. 3, Building A-29, Atlantic Apartments Andhori (West), Bombay-58.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/18744/84-85, on 1-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2600 of the said Act, to the following perions, namely:—

Date: 10-12-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Mrs. Mary John Francis Pinto.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Lok Constructions.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/18745/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. A Piece of land with a residential structure, Village Ambivali. Andheri.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more taken atteen any control of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; £ 35 ror
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 pf 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall now the same incuming as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Piece of land with a residential structure comprising C18 Nos. 421 (Ptd.) 428 (Pt.), 420 (Pt.), 438, 421, 421(2), 429 (1) of village Ambivati, Andheri.

The agreement has been registered by the Connectent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/18745/84-85, on 1-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/18766/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. A/403, 4th Floor, Rahul Apartments, Opp. Amber & Oscar Talkies, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-4-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kirit Shantilal Gandhi.

(Transferor)

(2) Shri Chimanial Prabhudas Soni & Ors.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing ω the undersigned :—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A/403, 4th floor, Rahul Apartments, Opp. Amber & Oscar Talkies, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.II/37HE/18766/84-85, on 1-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, gamely:—

Date: 10-12-1985

FORM ITNS ---

Shri Shankar Baburao Pawar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Asha Kiran Vedalankar

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/18780/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 669B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 13, Jogeshwari Yashodhan Bhavan Coop. Hsg. Society, Jogeshwari (East), Bombay-60 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-persons, namely :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period ∝ 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Jogeshwari Yashodhan Bhavan Cooperative Housing Society, Natvar Nagar Road No. 4, Jogeshwari (East), Bombay-60.

The agreement has been registered by bthe Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/18780/84-85, on 1-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-85

FORM I.T.N.S .--

(1) Mr. Ramchandra J. Mangurdekar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Unichem Labs. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/18733/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Fluts No. 101, 102, 103 & 201 Police Officers Progressive
Ccop. 14sg. Socy. Versova
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration inference by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 at 1 of 1922) or the mid Act, or the Weahls-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIO&:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 192, 103 & 201 on Plot No. 6 Police Officers' Progressive Coop. Hsg. Scy. Ltd. Versova, Andheri (West), Bombay-400061,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/18783/84-85, on 1-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-85

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR II/37EE/18790.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 11, Gr. Fld., 25/26 Manish Nagar, Andheri (W).

Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of Seid Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-4-1985

for so apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with t' stort of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers wad/cm
- (8) theilitains the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trumferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 2690; of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Mava C. Motwani

(Transferor)

(2) Mr. Tushar D. Udani and Ors.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Gr. Flr. Plot No. 25/26 Manish Nagar, Andheri (W), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/18790/84-85, Authority, on 1-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-85

(1) Shri Pyarali D. Surani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sultani P. Surani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR II/37EE/18797/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 103/A Bldg. No. 6, S. V. Road, Jogeshwari (W),

Bombay-60

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103/A, Bidg. No. 6, Vaishali Nagar, Behind Ram & Shyam Tulsidas S. V. Road, Jogeshwari (W), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/18797/84-85 on 1-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 109-406 GI/88

Date: 10-12-85

Real :

(1) Mr. L. D. Seth

(Transferor)

MONTOR UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. H. C. Goveas

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGF-11, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR 11/37EE/18829/84-85.--Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immev-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 34, 3rd floor. A Wing, Shree Akshar Kripa C.H.S.L., Manish Nagar. 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

Bombay on 2-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 3rd floor, A wing, Shree Aushar Kripa C.H.S.L. Manish Nagar, 4 Bungalows, J. P. Rd., Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/18829/84-85 on 2-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-12-85

FORM NO. I.T.N.S.——

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Saleh Mohd. Ismail Mirchiwala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. AR-II/37EE/18861/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 701, Bldg. No. 19, Jogeshwari (W), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, Building No. 19, Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/18861/84-85 on 2-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 5-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Zlauddin Bukharl.

(Transftror)

(2) Mr. Salesh Mohd Ismail Mirchiwala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> **ACQUISITION RANGE-II BOMBAY**

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18862/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 702, Jogeshwari, (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: endjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th flor of building No. 19, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/18862/84-85 on 2-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-12-1985 Ecal t

FORM ITNS---

(1) Mr. Rocky Castellino.

(Transferor)

(2) Mr. Melroy Arthur Carmello.

(Transferee)

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18899/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Pikmik Apartments Co-operative Housing Society Ltd., B/28, Jeetnagar, Versova, J.P. Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority at Bombay on 2-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to retween the parties ba, not been truly stated in the said in

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of my income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disch ed by the transferee for the purposes of the Im an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the say Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresate property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pikmik Apartments Co-operative Housing Society Ltd., J.P. Road, Jeetnagar, Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Component Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/18899/84-85 on 2-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date ; 6-12-1985 Seal :

(1) Mr. Archibald Vincent Dickson & Ors. (Transferor)

(2) Mrs. Deepa Gagan Mutwani.

(Transferco)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE:II

Bombay, the 6th December, 1985

BOMBAY

Ref. No. AR-II/37EE/18903/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A/7, Evershine No. 2, J. P. Road, Andheri (W), Opp. Protap Society, Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 4-4-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as fore-

sa'd exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) freditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. A/7, Evershine No. 2, J. P. Road, Andherl (W), Opp. Pratap Society, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/18903/84-85 on 4-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 6-12-1989 Seal :

(1) Mrs. S. M. Ghanekar.

may be made in writing to the undersignet :-

(Transferor)

(2) Mr. Mohd. Khan.

(Transferes)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/18916/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing. Flat No. K-105, Manek Moti, Yarl Road, Versova, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 5-4-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offlical Gazette.

Explanatio&:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. K-105, Manck Moti, Yari Road, Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/18916/84-85 on 3-4-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 10-12-1985

Scal:

(1) Smt. Ject Udaiwar.

(Transferor)

(2) Shri K. C. Sharma.

(Transferos)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 6th December, 1985

Ref. No. AR.II/37EE/18928/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 22, 6th Floor, 'Anukool', J.P. Road, Versova, Andheri (W), Survey No. 48, Hissa No. 1, Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 4-4-1985.

section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the cince of the Competent Authority, at Bombay on 4-4-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 6th floor, 'Anukool', J.P. Road, Versova, Andheri (West), Survey No. 48, Hissa No. 1, Bombay-400058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/18928/84-85 on 4-4-1985

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 10-12-1985

Scal:

(1) Smt. Neelam Udiawar.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal S. Sharma.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL **BOMBAY**

Bombay, the 6th December, 1985

Ref. No. AR.II/37EE/18931/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Flat No. 21, 6th Floor, 'Anukcol', J.P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 4-4-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

110-406 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the celd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, 6th floor, 'Anukool', J.P. Road, Versoya, Andheri (West), Bombay-400058,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE/18931/84-85 on 4-4-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Date : 6-12-1985

frei :

FORM I.T.N.S .-

(1) Shri Valji Nathabhai Shah

(Transferor)

(2) Shri Virji Ashpar Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR. IJ/37EE/18932/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 2. 'Seagimpse' Ground floor, J. P. Read. 7
Bungalows, Andheri (West), Bombay-61.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 260AB of the Jerometers and in the office of the Section 269AB of the Income-tax Act, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; eadler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the mid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2., 'Senglmpse' J. P. Road, 7 Bungalows. Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/18932/84-85, on 4-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-12-1985

Soal :

FORM ITNS----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shaukatali H. Choudhary

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-11/37EE/18955/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,009/- and bearing No.
Flat No. 602, Bldg. No. 15 Jogeshwari (W), Bombay-60.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly seated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitain: are reduction or evasion of the limbility of the transferor to puy tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 602, Building No. 15, Oshivara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18955/84-85 on 4-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, is purerance of Sociate 2690 or the read Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-oction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR. II/37EE/18969/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit 34, F Laxmi Indl. Estate, New Link Road, Extn. Andheri West

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been tran ferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 5-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Laxmi Indl. Estate

(Transferor)

(2) Punjabi Bihari Bhagwandas and ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit 34-F Gr. Fir., Laxmi Indl. Estate, New Link Read, Extn. Andheri (W), Bombay-53.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/18969/84-85, on 5-4-1985.

PRASANTA RAY

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the tollowing persons, namely:—

Date: 6-12-1985

Soal:

(1) Mr. Sahadev R. Sakpal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Milind K. Naik

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR. II/37FE/18978/84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-3, Andheri Pratima Apts. Co. Op. Hsg. Scy. Andheri (W), Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by male than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightlify of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the raid immos-able proport, within 45 days from the cate if the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-3, 1st Floor Amboli Andheri (W), Boenbay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/18978/84-85 on 6-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitic Range-Il, Bombay

New, therefore, as pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afercessid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date : 6-12-1985

(1) M/s. Hafizi Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nandolia A. Mehboobbhai

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18991/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 403, Mohammed Manzil, Jogeshwari (W), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, M4/01
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Mohammed Manzil, Behram Baug, S. V. Road Jogeshwari (West), Bombay-102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18991/84-85 on 6-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-12-1985

Seal -

FORM ITNS----

(1) M/s. Hafizi Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mehandi Alli Bhimani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18992/84-85,---Whoreas, 1,

PRASANTA RAY, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovunder Section 269B of able property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Mohammed Manzil, S.V. Road, Jogeshwari (W), Bombay-102

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concediment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Mohanimed Manzil, Behram Baug, S. V. Road, Jogeshwari (W), Bombay-102.

The agreement has been registered by the Com- etent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18992/84-85 on 6-4-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomo-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-12-1985

Seal -

(1) M/s. Hafizi Enterprises

(Transferor)

(2) Amin Rahim Nandolia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18993/84-85.--Whereas, L. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imnovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 104, Mohammed Manzil, Jogeshwari (W), Bombay-

102.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 196!, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other agents which have not been ar which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforestald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Mohammed Manzil, Behram Baug, S. V. Road, Jogeshwari (West), Bombay-102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/18993/84-85 on 6-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following Delaone nemaly :--

Date: 5-12-1985

Seel :

FORM ITNS----

(1) Smt. Bharatí P. Awatramani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR. II/37EE/18999/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

Rs. 1.00.000/- and bearing felat No. 37, Vishal Nagar, Versova, Andheri, Bombay-61, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the timbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the 1 ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

111-406 G1/85

(2) Mr. Zarir Tehmurasp Wadia and Mrs. Hilla Tehmurasp Wadia

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 37, Vishal Nagar, 7 Bunglows, Versova, Bombay-,61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/18999/84-85 on 6-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 10-12-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hamida Jan Mohd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

bomouy, the 3th Beeckber 1303

Ref. No. AR-II/37EE/19048/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104, Bldg. No. 16 Oshivara, Andheri West, Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act chall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor in Building No 16, Forming Part of S. No. 41, Oshivara, Andheri (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19048/84-85 on 9-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1985

(1) M/s. India Elec. Poles Mfg. Co.

(Transferor)

(2) Smt. Sitabai K. Panchal

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR. II/37EE/19075/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Gola 1. H. Laxmi Indl. Estate Veera Desai Road, Andheri(W)

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Fealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 1. H. Laxmi Indl. Estate off Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/19075/84-85 on 10-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Dated: 10-12-1985

Scal:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Dr. Faiz Ahmed Shaukatali Barday

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19078/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

prasanta RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred that the issaid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 304, 3rd floor, bldg. No. 21, Andheri (West) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269. AB, of the Incomestax Act. (961 in the office of

section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for me apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor, Building No. 21, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR. 11/37EE/19078/84-85 on 10-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following De DER, namely :-

Date: 5-12-85

Scal:

(1) R. N. A. Builders

(Transferor)

(2) Mrs. Mala Gadhok

(Transferee)

FOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR. II/37EE/19084/85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

heing the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the inamevable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
Room No. 85, Roshanlal Aggarwal Shooping Arcade, Vertova, Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schelule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority
Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as aformula exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moness or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Westell-tax Act, 1997 (27 of 1967);

Objections, if my, to the acquisition of the said property may be made to writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 85. Ist floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade Oshiwara, Naraova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/19084/84-85 on 10-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Taspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the latte of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1985

(1) Smt. Vishni N. Advani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sheryor Ansari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19085/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovrible property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Shop No. 49, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade.

Andheri (West). Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer: and/...
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under mbproving (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 49, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19085/84-85 in 10-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 5-12-1985

(1) M/s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Arinn D. Lalwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19086/84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 46, Roshanlal Aggarwal Shopping Centre, Near Apna Ghar, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferre and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned ir-

(a) by any of the aforeasid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same recaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Room No. 46, ist floor, Roshanlai Aggarwal Shopping Arcade, Versova, Andheri (Wost), Bombay-58.

The agreement has been togistered by the Compensat Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19086/84-85 on 10-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, pamely :---

Date: 5-12-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Radia Abdul Aziz Bukhari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19082/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 504, Oshiwara, Bldg. No. 17, Jogeshwari (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferre and the agreement is registered under section 269AB of the Incomestax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay en 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of rapider with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (12 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

FXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, Bldg. No. 17, Behind Behram Baug, Oshiwara, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19082/84-85 on 10-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-H,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-12-1985

Royalia (1997) and the second of the second

FORM 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19102/84-85 — Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have rease to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Units No. 4 & 5 Ambivali. Anheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer a and the agreement is registered under

has been transfer e and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sa ! Act, to the following persons namely:--112--406 G1/85

(1) M/s. Hill Green Laboratories.

(Transferor)

(2) Smt. Pratima Manoj Goradia.

(Transferee)

(4) Transferec.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

HE SCHEDULE

Unit No. 4 &5 bearing No. 111-D, Ambivali, Andheri (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE-19102/84-85 on 10-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-12-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 0F 1961)

(2) Mr. Ali Akhtav Amanulla,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

ROMBAY

Bombay, the 5th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Rcf. No. AR-II/37EE/19104/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY,

prasanta RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, Bldg. No. 21, Oshiwara, Jogeshwari (W), Bernhaus

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferre and the agreement it registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair merket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Bldg. No. 21, Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West. Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19104/84-85 on 10-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-12-1985

Bombay on . 10-4-1985

FORM ITNS-

(1) Miss Bhavna Madhan.

(Transferor)

(2) M/s. Planters Airways Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Company of the control of the contro

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. $\Delta R.H/37EE/19405/84-85$.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. D/84, 3rd floor, Jeet Nagar, Machlimar, Versova Road, Andheri (W), Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269A5 of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

na propositione de la fille description font de la company de la compa

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D/84, 3rd Floor, Ject Nagar, Machlimar, Versova Road, Andheri (W), Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/19105/84-85 on 10-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Bombay

Date: 5-12-1985

FORM JTNS-

- (1) Mr. Ramzanali Hussain Virani
- (Transferor)
- (2) Mr. Vasrulla Madadali Hamid.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAR

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR.11/37EE/19110/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the imparation property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, Vaishali Nagar, S.V. Road, Jogeshwari, Bombay-400102

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-gale property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that sald, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Bldg No. 11, Vaishali Nagar, Behind Ram & Shyam Talkies Off S.V. Roud, Jogeshwari, Bombay-400060.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-11/37EE/19110/84-85 on 10-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

Date: 5-12-1985

(1) Shri Davaskayam Dasan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishinchand Tikamdas Java. Shri Premchand Kishinchand Jaya, Shri Rshok Kishinchand Java. Shri Rajendra Kishinchand Java.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR.II/37EF/19156/84-85,—Whereas, 1, PRASANTA' RAY,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land bearing Plot No. 4, S. No. 143 (Pt.) Versova village

Andheri (West), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferre and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such a transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as · are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evention of the authorof the transferor to pay tax under the said Art, in andier.

Land bearing Plot No. 4, Part of S. No. 143, 5-B, Versova, Off 4 Bungalows, Village Versova Andheri (West), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/19156/84-85 on 10-4-1985.

(b) facilitating t's concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which exist to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act to the following persons, namely : P---

D.1:: 6-12-1985

Scal :

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19159/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Land bearing S. No. 12 (Pt.) CTS No. 1226 (Pt.) Versova,
Andheri (West), Bombay
(and mere fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trans-

fer with the object of :-

- (ii) factinating the reduction or evasion of the liability of the transfers to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seeds which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2699D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Pavline Lawrence Tixeria & Ors. (Transferor)

(2) Mr. Yascen I. Bagdadi,

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said proporty may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 12 (Pt.) CTS No. 1226 (Part) Village Versova, Andheri (West), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19159/84-85 on 11-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-1985

FORM IT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II, ΒΟΜΒΛΫ

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19160/84-85.-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. 311, Aksha Co-op. Housing Society, Oshiwara, Meher Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400102

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, built- Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of temporalist with the chiest of term

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the tradeferes for the purposes of the Indian Income-var Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (87 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the and Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Akbarali Razabali Momin. Shri Aazabali Prioz Momin. Shri Husanali Piroz Momin,

(2) Shri Rafiq J. Charolia.

(Transferor)

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 311, Aksha Co-op, Housing Society at Oshiwara, Meher Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19160/84-85 on 11-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-12-1985

Scal:

(1) M/s. Bombay Housing Corporation.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferor)

(2) Mrs. Renuka M. Vaswani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19171/84-85.—Whereas, I.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 123/124 Gitanjali, Versova, Andheri (W), Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferre and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 12-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-parties has not been truly stated in the said instrument of the property as a said instrument of the property as a said instrument of the said in the said in the said in the said instrument of the said instrumen aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 123/124, Gitanjali, 7 Bungalows, Versova Andher (West), Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19171/84-85 on 12-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-12-1985

FORM TINS

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferent)

(2) Mrs. Noorjehan Aziz Bubere.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19174/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 701, Bldg. No. 2, Oshiwara, Jogeshwari West,

Eombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the on per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transferand or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°) of the said Act, to the following persons namely:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any to the acquisition of the said property

45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor of Bldg. No. 2 Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37FE/19174/84-85 on 12/4/1985. Competent

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date 5 12-1985

FORM ITNS ---

(1) Kanji Dharamshi Snah.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Tool Room Accessories Makers.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property) *

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19184/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 260B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 11, 'Nand Dham Industrial Estate, Rombay-50

Bombay-59.

(and more fully described in the schedule annexed hereta) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned in

And the second s

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires baser :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaoter.

(a) facilitating the reduction or eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): THE SCHEDULE

Unit No. 11 in 'B' Bldg., on ground floor in Nand Dham Indl. Estate, Marol Maroshi Road, Ancheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19184/84-85, on 12-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionar of Income-tax Acquisition Hange-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceed ags for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followrersons, namely

Date: 10-12-1935 Seni:

FORM D'NS---

- (1) Mrs. Bilkishbegam Jincomaster Sayed.
- (Transferor)
- (2) Shri Shyam K. Ramnani & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 196! (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19186/84-85.-Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act,), have reason to believe that the immovable

as the said Act, I, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 32, 3rd fl. Bldg. 'B', Sai Apartments, situate at S. No. 136 Versova Seven Bunglows, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 259AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Compresent Anthonity at the Comperent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in reasect of any income arising from the transfer, and or
- (b) incuitating the concealment of any income or any manager or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the raid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 32 on the 3rd fl. of Building 'B' in Sai Apartments, situate at S. No. 136, Versova Seven Bunglows, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19186/84-85, on 10.44985

10-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in prominence of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 10-12-1985

(1) Farook Mohmood Durvesh.

(2) Sultanali Hasanali Calcuttawala & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19239/84-85.—Whereas. I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 4, Gr. Floor, B-Bldg., Chowa Chandan, Village Amboli, Andheri (W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the o'bject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Gr. Floor, 'B', Bldg., Chowa Chandan, Village Amboli, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19239/84-85 on 12-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-12-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mansoori Mohd, Salim A. Razzak.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferoe)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-JI BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19306/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, Bldg. No. 19, Oshivara, Jogeshwari (West),

Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incomes ax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said fact, as respect of any income straing from the framater; and /or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Aut. 1922 (11 of 1922) or the maid fast, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseid property by the own or that bother minsection (1) of Section 2000 of the mid Act, to the testo-ing persons, namely :--

(w) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from a service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said improvable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official 1435-436

DEFENDATION - The terms and expressions used herein w are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Building No. 19 Oshiwara, Jogeshwari (\V) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19306/ 84-85 on 16-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-12-1985 Scul:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mansoori Mohd. Ismail A. Razzak.

(Tranfseree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19307/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 204, Bldg. No. 20 Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competen Authority at Bombay on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Bldg. No. 20, Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19307/84 85 on 17-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19310/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Gala No. 3-G, Laxmi Industrial Estate, Andheri (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of said

Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 19% (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s Hami Industries.

(Transferor)

(2) Mr. Vishwanath Mehra.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 3-G, Laxmi Industrial Estate, Off Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19310/84-85, on 16-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-12-1985 Seal:

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) Mostly dufferent.

(Transferor)

(2) Mrs. Savitribai Radhamohan Tulsan and Mr. Shashikant R. Tulsan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMEAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19378/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, Meera Apartments, Versova. Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Company tent Authority at Bombay on 17-4-1985

nombay on 17-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than afficent reason consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same remaining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Bldg. No. 'B'. Meera Apartments, bearing Survey No. 142, CIS No. 1311 of village Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19378/84-85, on 17-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Tade: 6-12-1985 Seal:

FORM ITNS----

(1) M/s Samant & Co.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vikram Vasant Ghotge.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19379/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5, Building 'B', Ceasor Road, Andheri (West).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, S. No. 67, CTS No. 728/4, H. No. 7 and 9 of Village Ambivli Ceasor Road, Andheri (West) Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR B 37EE / 19379 / 84-85 on

PRASANTA RAY Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 6-12-1985 Seal:

Now, theerefore, in pursuance of Section 2500 of the soid Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely to a second account namely to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the following name act to the said Act, to the said Ac persons, namely :---

114--406 GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Bilal Ahmed A, Gafoor.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expides later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19392/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. AR-II/37EE/19392/84-85.—wnereas, 1, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 604, Bldg. No. 18, Oshiwara, Behind Behiam Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Building No. 18 Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W). Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19392/84-85 on 17-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-12-1985

FORM ITNS----

(1) M/s Vasudeo & Co.

(Transferor)

(2) Smt. Indiraben D. Desai & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19448.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to us the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No, Flat No. 602A. Dhup Chaon Four Bungalows Versova,

Andheri (W), Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afercial property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor ÞΨ more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly sinted in the mid instrument of transfer with the object of :—

- (a) fucilitating the reduction of evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any meomis or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-Ca.: Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby insiste proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 degre from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602-A Dhup Chaon Bldg., Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400058,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19448/84-85, on 18-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-1985

FORM 1.T.N.S .-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Amirjahan Abdul Rauf.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19459/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Flat No. 104, Building No. 20, Oshiwara, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, Building No. 20, Oshiwara, Behind Beharam Baug, Jogeshwari (West), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19459/84-85 on 19-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 259°C of the mid. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1985

(1) Shri Yusuf Mohd. Niwas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manju Banerjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19474/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 203, 2nd floor, Vishva Shanti Co.op., Hsg. Soc.
Ltd. 7 Bungalows, Andheri (W), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the artise has not been truly stated in the said instrument of an ier with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Vishva Shanti Co.op. Housing Society Ltd., 7 Bungalows, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19474/84-85, on 19-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-12-1985

and the state of t

FORM ITNS----

(1) M/s. Horizon Construction Co. Pvt. Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immov-

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rukmnirao P. Chogle.

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period empires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19475/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 1, Kohinoor 'B' Bldg., Bandivali Village, Jogeshwari (West)W, Bombay-400 102. (and more fully described in the Schedule amexed herete), has been transferred and the agreement in registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competen Authority at Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b' facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Shop No. 1, Kohinoor 'B' Building, Bandivali Village, Jogeshwar (West), Bombay-400 102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19475/84-85 on 19-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Yow, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseld property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Dated: 10-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19477/84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the manovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 3 E. Laxmi Indl. Estate,

Off: Veera Desai Road, Andheri (W),

Bombay-400058

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay in . 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of profer with the object of :-

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 cf 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Hami Industries.

(Transferor)

(2) Sh. Haresh Bhagwandas Dhoot.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be under in writing to the undersigned we

- of 45 days from the date of publication of the metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein and defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

GLA GALA No. 3-E Laxmi Industrial Estate, Off; Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19477/84-85 on 19-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated : 10-12-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Navalkishor Jugalkishor Mehra.

(Transferor)

(2) Mr. Vikesh L. Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR.11/37EE/19479/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 104, 1st Floor,

Thakkers Appt. Juhu Cross Lane, Andheri (W), Bombay-400 058.

Andheri (W), Hombay, 400 038. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und. Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay in 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imuse. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st Floor, Thakkers Appt., Juhu Cross Lane. Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19479/84-85, on 20-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-12-1985 Seal:

FORM ITNS ----

(1) Sh. Mohanlal D. Joshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) A. Abdul Ahad,

(Transferec)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IJ, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19490/84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Flat No. 303, 'Kohinoor-A', bearing No. Flat No. 303, 'Kohinoor-A', Jogeshwari (West), Bombay-400102. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

Authority at Bolinday on 19-4-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) lacilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, Kohinoor-A, Bandivali village, Jogeshwari (West), Bombay-400102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/19490/84-85 on 19-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --115—486GT/85

Seal:

Dated: 10-12-85

(1) M/s. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

(2) M/s Hansraj Construction Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19491/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. P/30, Laxmi Industrial Estate, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 19.4-1985 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than Aftern percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. P/30, Ground floor, Laxmi Industrial Estate, Off. Vira Desai Road, Oshiwara, Andheri (West), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19491/74-85 on 19-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following nersons namely :-

Dated: 10-12-85

(1) M/s, Shammit Metal Containers.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Laxmi Industrial Estate.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR.I¹/37EE/194/2/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. J/32 in Laxmi Industrial Estate, Ground Fl. New Link Road,

Andheri (W), Bombay-400 058, bearing No.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice he the Official Gazette or a seried of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Unit No. J/32 in Laxmi Industrial Estate, Ground Floor, New Link Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR.II/37EE/19492/84-85, on 20-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-12-1985

FORM TYNS ---

(1) M/s Laxmi Indl. Estate.

(Transferor)

(2) M/s. Leo Chemicals.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19497/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and betaring UNIT No. 30/111/Laxmi Indl. Estate Andheri (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than atteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of or allow of the fighties of the transferol to pay an mater the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-.ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Uint No. 30.111 Laxmi Indl. Estate, New Link Road, Laxmi Indl. Estate Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered Authority Bombay under No. AR.II/37EE/19497/84-85 on 19-4-1985.

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 10-12-85

(1) Mrs. Pushpa Hakikatrai Lachhwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ibrahim Mohammed Mistry.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, 10th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19561/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-bearing No. Shop No. 3/A, Kavita Apartments, C.T.S. 1030, Yari Road, Versova, Andheri (Wost), Pombay 400 Oct.

Andheri (West), Bombay-400 061 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market votes of the aforesaid property and I have reason to believe that the Lair market value of the property as aforesaid and the apparent consideration therefor by more than officen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any to the acquisition of the said period of may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the coduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the seid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 3/A, Kavita Apartments, C.T.S. 1030, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19561/84-85 20-4-1985,

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

Dated; 10-12-1985

-----(1) M/s. Hafizi Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdool Razzale Mohmed Sharif Balwa.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19573/84-85.—Whereas. .. PRASANΤΑ RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing bearing No. Flat No. 303, Mohmed Manzil, Jogeshwari (W), Bombay-102.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 303, 3rd floor, Mohmed Manzil, Behram Baug, SV Road, Jogeshwari (W), Bombay-102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19573/84-85 on 20-4-1985.

PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-12-1985

entrope de la company de este en la company de este en la company de la

FORM ITNE- -

- (1) Govind Chandani & Ramesh D. Dwani.
- (2) Abdul Hafcez Ansari.

(Transferor)

(3) M/s. Hirandani Const. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. AR-II/37EE|19582|84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 11. in Silver Sands Apartments, Hiranandani Park, Andberi (W) Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLABATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 11, in Silver Sands Apartments at Hiranandani Park, Yari Road, Oshiwara, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/19582/84-85 on 20-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 5-12-1985.

(1) Shri Muddu K. Shetty,

(Transferor)

(2) Smt. Sundri Gulrajani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR.11/37EE/19586/84-85.--Whereas, 1, PRASANTA RAY

prasanta ray being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 58, Andheri Manish Vijay Co-op. Housing Society, Andheri (W) Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 58, B-Wing, Bldg. No. 14. Manish Nagar, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19586/84-85 on 20-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-12-1985.

(1) Shri Virendera Singh.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Anil A. Trivedi,

(3) Transferor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. Λ R.II/37EE/19610/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 202, Thackers Apt., Juhu Lane, Andheri (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 II Floor, Thackers Apartment Co-op. Hsg. Scy. Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19610/84-85, on 23-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following regions, namely:—

Date: 10-12-1985.

Scal:

116-406GI/85

(1) Noble Const. Co.

(Transferor)

(2) Dr. Mohammed Iqbal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D, (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II|37EE|19627|84-85.-Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market valuet exceeding Rs. 1 lakh and bearing

Flat No. 104, Ilabib-Park Co.op. Socy. (Proposed) Jogiswari Sin. (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by to believe that the fair market value of the property as the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

- of the transferor to pay tax under the said Act, in expect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mosays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 2007, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days input the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Stn. (W), Bombay-102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II./37EE/19627/84-85 on 24-4-1985. Flat No. 104, Habib-Park Co-op. Hsg. Socy., Jogeshwari

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-12-1985

(1) Mrs. Gulabanoo R. Mistry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohamed Razak Merchant.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19637/84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Wimbleton (Two) Plot No. 10.A Four Bungalows Road, Andheri (W), Bombay-400058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-4-1985 Officer at Meerut under registration No. 8007 date 27-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sects which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Wimbleton (Two Plot 10.A Four Bungalows Road, Andheri (W), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19637/84-85 on 24-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 10-12-1985

(1) Mr. D. K. Advani.

(Transferor)

(2) Mr. P. Gopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19711/84-85.—Whereas, I, PŘÁSANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Plot No. CTS No. 1032 (pt), Nirman Kutir, Yari Read, Versova, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule appared bereta).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties him not been truly stated in the said instrument of tumater with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evation of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer, ind/or
- (b) incilitating the concealment of any inequa or ARS moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the follow-

ing porsons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein is are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givenin that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. CTS No. 1032(pt) Nirman Kutir, Yari Road. Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37HE/19711/84-85 on 25-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-12-1985

Seal +

(1) Vikram Talwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Preetham Gopal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE-II** ROMBAY

Bembay, the 10th December 1985

Ref. No. AB-II/37EE/19712/84-85.--Whorens, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Nirman Kutir, Plot No. CIS No. 1032 (Part),

Yari Road, Versova, Bombay-400 061 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mild instrument of transfer with the eblect of:

(a) facilitating the reduction or ceation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nirman Kutir, Plot No. CTS No. 1032 (Part) Yarl Road, Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19712/84-85 on 25-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Isopeoting Assistant Commissioner of Income-that Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followm persons, Garnely :--

Date : 10-12-1985

Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Abdul Hamid Usman Thakur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19715/84-85.--Wherens, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 204, Bld. No. 17 Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

a() by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officil Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor Bldg. No. 17, Oshiwara, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19715/84-85 on 25-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, parsely:—

Date: 5-12-1985

Seal :.. .

(1) Mr. Man Singh.

(2) Mr. Maurice B. Nazareth.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19722/84-85.-Whereas, L. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Flat No. 61, Sai Apartment CHSL,
J.P. Road, Andheri (West), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 260AB of Said Act in the office of the Computer Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent econsideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of iObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(w) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th floor, Sai Apartment Co.op. Housing Society Ltd., Opp. Pratap Society, 7 Bunglows, J.P. Road,

Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19722/84-85 on 25-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this votice under sub-lection (1) of Section 269D of the said and the following persons, namely :-

Date: 10-12-1985

Smt. Puspa N. Dand & Mrs. Rekha M. Bhatia.

(2) Smt. Shobha Anil Talwar.

(Transferor)

(Transferce)

NØTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19734/84-85.--Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Twin Towers, 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said imme able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been OI which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Twin Towers A Wing, Flat No. 2 on 3rd floor, at Plot No. 8A and S. No. 48 at Versova, 4 Bunglow, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/19734/84-85 on 25-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dato: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19757/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authoarity under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. A.6, Our Home Co.op. Socy. Dhake Colony, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

117---406 GI/85

(1) Smt. Asha A. Navalkar & Ors.:

(Transferor)

(2) Mr. Nikhil Dhruv and ors.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a pe iod of 30 days from
 the service of notice on the respective person,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the put-"cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A.6 Our Home Co.op. Hsg. Socy., Dhake Colony J.P. Road, Sahakar Nagar, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19757/84-85 on 26-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Kange-II
Bombay

Date: 10-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Duleray N. Parikh & Jitendra L. Parikh.

(Transferor)

(2) Ambesh Mangalji Khara.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19794/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the said Act'), have reason to believe that the immov-

ble property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flut No. 606, Manish Nagar, Andheri (West), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-4-1985

Authority at Hombay on 29-4-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezefte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606, th floor, Manish Nagar, Plot No. 25/26, 4 bungalow, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19794/84-85 on 29-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Seal:

Date: 10-12-1985

potsons barnoly :—

(1) Shri Gopaldas Parumal Demble.

(Transferor)

(2) Shri Achyut Bhat.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19803/84-85.-Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 1,00,000/-

an bearing No.
Flat No. B-5, Lilaram Bhavan, Ambedkar Road,
Danda, Khar Bombay-400052,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ar sing from the transfer;
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to se disclosed by the transferse for the purposes of the Ladian Ir some-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1927 (37 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the period of anotice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The t_rms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charler.

THE SCHEDULE

Flat No. B-5, Lilargan Bhayan, Ambedkar Road, Danda Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE 19803/84-85 on 9-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issu, of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-12-1985

FORM ITHS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-11/37EE/19635/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'axid Act)', have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. 1/3rd Share in the property bearing S. No. 283, H. No. 11, Danda Village, Sherly Rajan, Bandra, Cond. more fully described in the Schedule approved hereto).

Cand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or others assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Clamy D'Mello & Ors.

(Trausferor)

(2) M/s. Sarkar Builders.

(Transferce)

(3) John Mary Nicholas Fernandes.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in the property bearing S. No. 283, H. No. 11, CTS No. C/1309 Danda Village, Sherly Rajan, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19635/84-85 on 24-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-12-1985

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Aniladevi J. Arya.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19622/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 17 and 18, Bldg. No. 3, Bhawani Nagar,

Andheri (F), Bombay-59

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17 and 18, 4th floor, Bldg. No. 3, Plot No. 13, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/19622/84-85 on 24-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 5-12-1985

(1) Smt. Rasila Kantilal Doshi

Shri Kantilal D. Doshi. (2) Shri Ajit B. Chavan.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/18743/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 6, 3rd floor, Sai Darshan, Vile Parle (E)

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

with the competent authority under Section 269 AB, in the office at

Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 3rd floor, Sai Darshan, Road No. 3 Off Hanuman Road, Vile Parle (E) Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|37EE|18743|84-85

on 1-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-12-85

FORM ITNS-

(1) Shri Ajitkumar L. Matta,

(3) Transferor

(Transferor)

(2) Shri Sunita Ramchand Lulla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-11/37EE/19288/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable peoperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000] and bearing

No. Flat No. B-45, Sunil Niwas, 4 Bungalows, Andheri

(West), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at with the compared to the rity under Section 262 AB, in the

with the competent authority under Section 269 AB, in the office at

Bombay on 12|4|1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation of the Property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. B-45, Sunil Niwas, 4 Bungalows, Andhri (East), Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Auhtority, Bombay under No. AR.II/37EE/19288/84-85, on 12-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following pursuant, namely:—

Date: 6-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19300/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 106, Bldg No. B-3, Sai Nagar, Andheri (West), Bombay

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any recome arising from the transfe and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Mr. Baboo Ahmed Abdul Hamid.
- Shaikh P. Nacemuddin Shaikh Nacemuddin Abdul Razzague
- (3) Transferee

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, Building No. B-3, Sai Nagar, Off Versova Road, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II|37EE|19300|84-85, Authority, B on 12-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-12-85

(1) Mr. G. Muralidhara Menon

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vijay Punjabi Dr. Priya Punjabi.

(Transferos)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19311/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000iand bearing

No. Flat No. 12, 3rd floor, Baba Satguru Sharan Co.op.

Hsg. Soc. Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the someideration for such transfer as agreed to between the parties bee not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wishth-ter Apt. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publieation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor, Baba Satguru Sharan Co.op. Hag. Society, 28th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay uner No. AR.II 37EE 19311 84-85, Authority, B on 16-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing sersons namely ..

118-406GI/85

Date : 6-12-85 Seal +

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Lalchand D. Mirchandani and Mrs. Mira Lalchand Mirchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACC, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Sankarnarayan,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No AR-U/37EE/19414/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. Flat No. 10, Chatte Sadan Co.op. Housing Society Ltd.

Khar, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 26942 of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-4-1985

for an apparent confideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; MUGIOT

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd floor, Bhatte Sadan Co.operative Housing Society Ltd., Plot No. 421, 15th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19414/84-85. on 18-4-1985.

PRASANTA. RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followtag persons, namely :-

Date: 6-12-1985

FORM ITNS----

(1) Ratanshi Asdir Shah

(Transferor)

(2) Smt. Pushpaben S. Shah

(Transferce)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the Property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37E/19543/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value acceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202 B Nishant Bldg., Malviya Road, Vile

Parle (E) Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Computent Authority

at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette ora period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meroning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202/B, Nishant Building, Malviya Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19543/84-85, on 20-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-12-1985

Andrews - 1 man - 15s Antonomore - 4 hours - 150 million and a second

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/19544/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 150, Bldg No. 8A, 'Sai Dham' Andheri (West),

Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income ex any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tur Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Pinakin D. Desai

(Transferor)

(2) Mrs. Leena C. Misquitta Mr. Charles B. Misquitta.

(Transferce)

(3) Transferes.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hereig at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHOOLS

Flat No. 150, Bidg. No. 8A, 'Sall Dham' new D.N. Nagar Housing Board Co-op. Society Ltd. Link Road, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19544/84-85 on 20-4-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-12-1985

(1) Abbas H. Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Kwality Food & Masala Products.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR.II/37G/3769/May/85.—
Whereas I, PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land bearing S. No. 2, Hissa No. 14, S. No. 2, H. No. 22
and Land with Factory Shed on S. No. 2, H. No. 23, Marol
Village, Bombay
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bombay on 21-5-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the aid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1522 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-187/ 84, and registered with Sub-Registrar, Bombay on 21-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Date : 11-12-198#

Seal 1

FORM HINS-

(1) Sk. Haroon S. K. Azim.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pendurang Maruti Patil.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR.II/37G/3794/May/85.—
Whereas I, PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S. No. 98/5 and 98/6, S. No. 157-158 Village Kondivitta
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 949/1981, and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 24th May, 1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato : 11-12-1985

(1) Smt. Latika Tanaji Yadav

(Transferor)

(2) Shri Gajanan B. Shinde.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR.II/37G/3799/May/85.—

Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and begging No. Survey No. 98 Ctiy Survey No. 168 Kondivita Village,

Bombay-59

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 30-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, pupper, subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULB

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1235/1981 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 30-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-12-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Mallu Rajaram Jilkar.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Malla Jilkar Mrs. Bharati Rajendra Jilkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-II/37G/3764/April/85.—Whereas, L. PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C. S. No. 1/1619, 15A. Jilhar House, (North) Kelushar Road, Shivaji Park, Bombay-400 028. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Decd No. BOM/ 2639 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 18-4-1985.

PRASANT RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follewing persons, namely:—

Date : 6-12-1985

Seel t

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) UP THE INCOME-TE OF A F T. 1961 (43 OF 1961)

することはいうではないで OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMEAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR.II/37G.3778/Apr/85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Composent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable occuperty baying a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land with structure standing the:eon situate at Chapel Rd., 49-B, Bandra, Bombay-50.

The promotes and the second

situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 15-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe as it tie fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of D22) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 1000 casses 119—406 GI/85

(1) Shri donald Cajethan Barretto.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Precy Barretto

Shri Canuce Joseph Barretto
 Smt. Bibiana Barretto, and

4. Miss Dona Barretto

(Transferce)

(3) Vendor.

Transferees & tenants. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions use; were no are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1984 and Registered with the Suo-Registrar, Bombay on 16-4-1985.

> PRASANT RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 6-12-1935

Scal 1

(1) 1. Nicholas J. Pereira, 2. Mrs. R. C. Pereira 3. Mrs. Beatice Thomas 4. Miss Rose Pereira.

(Transferor)

(2) 1. K. Kanji Bheda 2. J. Dhanji Chheda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. 37G/3779/Apr/85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hersinafter inferred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Village Pali Goanthan, Bandra, Old CS No. 66 of Pali &

New CS No. 17/630.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 12-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the maderaigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by easy other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers ADA/OF

(b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of '922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 195. (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 529 83 and Registered with the sub-Registrar, Bombay on 12/4/85

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-12-1985

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR.II/37G/3780/Apr.-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. H-775 & CTS No. E/44 at Waroda Rd., situated at

Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 12-4-1985

for and apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transferi Red /OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Jenny Gonsalvas Alias.

(Transferor)

(2) 1. Sajid U. Batliwala,

2. Shoeb U. Batiiwala,
3. Sakir U. Batiiwala,
4. Mustak U. Batiiwala &
5. Shaki U. Batliwala.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION :-- The tiener and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given the Change

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 5083/84 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 12-4-85.

> PRASANT RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 6-12-1985

FORM ITN9-

(1) Mr. Darabshaw Dinesh Bhesania.

(Transferor)

(2) Mr. Akhtar Hasan Rizvi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person whom the undersined knows to be interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. 37G/3785/84-85.—Whtreas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have mason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 89, TPS Plot No. 12, situated at Bandra (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair transfer value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Reistered Deed No. 1758/83 and registered with the sub-registrar, Bombay on 18-4-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-12-1985

(1) 1. Victoria F. D'Souza
2. Joseph P. D'Souza
3. Sebastian Xavier D'Souza and
4. Albert F. D'Souza,

(Transferor)

(2) Sea Face Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Tenant.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR.II/37G/3788/April-85-86.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 1,00,000/- and bearing
Property Bearin C.S. No. 840 of Juhu Village.

situated at Bombay

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 12-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; And / cu

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2297 79 and Registered in the Sub-Registrar, Bombay on 12-4-85.

> PRASANT RAY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ENCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR.II/37G/3763-April/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property bearing Plot No. 46 of Amboli village

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) 1. Mr. Piroja Minocher Deboo.

2. Mr. Faerokh Minocher Deboo and 3. Mr. Nariman Minocher Deboo.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Javer Kaikhashru Jokhi

2. Mr. Rustom Kaikhashru Jokhi and 3. Mr. Burces Kaikhashru Jokhi.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2712/82 and Registered with the Sub-Registrar Bombay on 8-4-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR.II/37G/3800/May-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing CTS No. 593, 593/1 to 6, S. No. 15, H. No. 2(Pt.), S. V. Road, Andheri (W), Bombay-400 058. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officers (16 of 1908). 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or svasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Ramji Devji

2. Talakshi Devji and

3. Nemcichand Devji.

(Transferor)

(2) 1. Valimohamed Rahim Cunawala

2. Kassam Valimohamed Chunawala

3. Abderehman Valimohamed Chunawala

4. Iqbal Valimchand Chunawala and 5. Hanif Valimohamed Chunawala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The Terms and expressions used herein as are defined ir Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 5018/ 84 and registered with the Sub-Registrar, Bombay in the Month of June, 1985.

> PRASANT RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR.II/37G/3765/April-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land with structures thereon bearing old No. 9662 & 738 No. and new No. 3453 Old S. No. 7609, New S. No. B/1678 & F. P. No. 1251, TPS, No. IV Mahim (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Rocky Castellino.

(Transferor)

- (2) The Morarjee Goculdas Spg. & Wvg. Co., Ltd.,
- (Transferee)

 (3) Blow Plast Ltd. & Burroughs Welcome & Co. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom/ 1193-77 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 18/4/1985.

> PRASANT RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 11-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR:II/37EE/19717@84-85.--Whorses, S. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereina/ter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot of land at Village Amboli Taluka Andheri, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferosaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i-

- (a) facilitating the reduction or evation of the Habilita of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nemons namely :--

(1) Bhima Jyoti Yesne.

(Transferor)

(2) 1. Rajnikant M. Sheth. 2. Madhubhai D. Shah, and

3. Shri Kalyanli J. Shah.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires inter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing survey No. 24 Hissa No. 1&3 at Villago Ambivali, Taluka Andheri, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authory, Bombay under No. AR.II/37EE/19717/84-85 on 23-4-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay.

Date : 12:12-1945.

FORM I.T.N.S,-

(1) Mrs. Maggie D'Mello.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME TAX ACT, 1961 (43 CF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19718/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot of land at Village Amboli Taluka Andheri, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-4-1985

for an appetent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Rajnikant M. Sheth, Madhubhai D. Shah and Kalyanji J. Shah.

(Transferee)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing S. No. 8, Hiss No.1, survey No. 22, Hissa No. 3, 6 and 9, S. No. 24, Hissa No.3 and 4, S. No. 2, Hissa No. 6 and 7, S. No. 40, H. No. 8, S. No. 42, H. No.2 and 8 and S. No. 43, H. No. 1 and 3, at Village Ambivali, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Autho-Bombay under No. AR.II/37EE/19718/84-85

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-12-1985.

FORM TINE-

(1) Devji Dasma Page.

(3) Transferees.

(Transferor)

(2) Mr. R. M. Sheth. Madhubhai D. Shah & Kalyanji J. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING AMERIANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
ROMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19719/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 463 of 1961) (heretrafter referred to as the said Act'), hade reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot of land, S. No. 21 & 22, H. No.1, H. No.5, S. No.24, H. No.2, etc., Village Ambivili, Taluka Andheri.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more rully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Tra

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(Person in occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of that notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gozette

EXPLANATION:—The terms and expressions used nervin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same escaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land, S. No. 21, H. No. 1, S.No.5, S.No.24, H.No2 S.No.27, H.No.3, Village Ambivali, Taluka Andheri.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.Π/37ΕΕ/19719/84-85 on 25-4-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursuance, namely:—

Date: 12-12-1985.

FORM ITNE

(4) Spat: Dhamalaithmi Aminal, 26 Ramasany Naicken St., Alwarpet, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Shanmugham Chettiar, 2. Karpagammal, 3. Vovindasamy,

3. Vovindasamy, 133, Amoor village Srigavoor Post, Chingleput dist. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II

Madrat, the 9th Determer 1985

Ref. No. 12/April 85. - Whereas Is MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value extending Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing 2, Ramasamy Naicker St., situated at Alwarpet, Madras-18. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 476/85 on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betment of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Heriamarest :---The terms and expressions used bettle is are defined in Chapter XXIA of this solid Ast, shell: have the some mounting of groun in that? Chapter

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conesalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Laid-nill Hilling-New-2-Ramboung Nalchantsky Alwarpst Madrie-18 Mylamoro-Coo. No. 476/85

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-60006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following pursuons, namely:

Dise : 412-1889

FORM ITHS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 00-, the 9th Documber 1985

Ref. No. 18/April 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re: 1,00,000/- and bearing:

New Door No. 38, old No. 4

situated at

Madha Church Road, R. S. No. 2530 part—Madras-600 028 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 516/85

on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferor(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating this reduction or evisibility of the flability of the transferer to pay the under the still Ket, in respect of any income artising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sant. M. Samundeeswari Ammal, 38, St. Mary's Church Road, Santhhome, Madras-28.

(Transferor)

(2) Franciscon Sister of Cur Lady of Bonchekoor Ceneralate, Dgar General, Rev. Mother, Mary Ethalvina, F.B.S., Pooqdamalli, Madras-600 056.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afarasaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nosice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the tame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:—No. 38, Madha Church Road, Santhome, Madras-28. Mylapore/Doc. No. 516/85,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-60 006

Date : 9-12-1985.

The Republic Committee of the Committee

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 00-, the 9th December 1985

Ref. No. 158/April 85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property as specified in schedule to

situated at

Doc. No. 814/85 Mannargudi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mannargudi/Doc. No. 814/85

on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely !-

(1) Sri R. Malligeswaran, S/o. Sri Rajam chettiar, Periakadai theru, Mannargudi.

(Transferor)

(2) Sarada (Priya) Headmistress, Sarada Vardha Samithi, Alagapuram, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: At Mannargudi Town. T. S. No. 2320, 2655 T.S. No. 2656. Property as specified in schedule to Doc. No.814/85 Mannargudi/Doc. No. 814/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-60 006

Date: 9-12-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1985

Ref. No. 161/April/85.—Whereas I MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No.3, Block 21, Ward, 3.

situated at

(T.S. No. 1821) Neela South Street, Nagai. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagapattinam. Doc. No. 586/85 on April 1985

for an apparent consideration which is its than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stattd in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) I. Sri S. Chandrasekaran, S/o. Sri Sendhil Sabapathy (A) Chinnu Desikar, Malai Katti St., Chidambaram. 2. Smt. A. Balambal, W/o Sri Nidhlanandhan (A) Azhagar Mannan, Malai Katti St., Chidambaram. 3. Sri Sambandam, and Annamalai Neela South St., Nagapattinam.

(Transferor)

(2) Srl Abdul Rahim, S/o. Sri Abdul Karim, 10, Kattiappar Saunadhi, Negapattinam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

South St., (T.S.No. 1821), Nagapattinam. S. R. O.: Nagapattinam, Doc. No. 586/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-60 006

Date: 3-12-1985

HUKM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGET, MADRAS

Madras-600 006, the 9th December 1985

Ref. No. 165/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Mahatma Gandhi Road, Pondicherry

(and more fully described in the scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pondichery/761/85 on April 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer swith the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 04 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. G. Onemam, 17A, Mahatma Gandhi St., Muthialpet, Pondicherry-3.
 - (Transferor)
- (2) Sgraswathi, 32, Bharathidasan St., Muthislpet, Pondichery-3. (Agent Rajamanickant). Bharathidasan St., (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions weed herein se are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives w that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building : Mahatma Gandhi Road, Pendicherry (Mathielast). Pendicherry/Dec. No. 761/85.

> MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras.

Date: 39,12,85

FORM I.T.N.S.-

(1) 1. Shri Sivaruthirammal, 2. Sembai Suvarnna, 3. P. Sivalinganna and 4. Ruthirasamy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. V. Balasubramanian, S/o Vedhanalcken Gounder, Alagesan Gounder, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 9th December 1985

Ref. No. 167/April/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, seing the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred o as the 'said Act') have reason to believe that the imnovable property, having a fair market value exceeding 3. 1.00.000/- and bearing Nos. 26/1, 26/2, 26/3. 26/4 and 90/1 and more fully described in the Schedule annexed hereto) exceeding ias been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of ias been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talavadi Doc. No. 200/85 on April 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason o believe that the fair market value of the property as iforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said patriment of transfer with the object of:

nstrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at Nos. 26/1, 26/2, 26/3, 26/4 and 90/1. S.R.O.: Talavadi, Doc. No. 200/85.

> MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

(b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 121—406GI/85

Date: 9-12-85

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 9th December 1985

Ref. No. 168/April 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing ...

No. Property as specified in schedule stituated at to doc. No. 201/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority at Thalavadi/Doc. No. 201/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-Ref. No. 168/April 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the wid instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: uni/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Sivarudramma and others. 7/68 Vaniar St., Kamaraj Nagaram, Mysore. (Transferor)

(2) Dr. S. V. Kandasamy, Minor son S. K. Sundaraman by father and guardian, Vedanaicka gounder's son Dr. S. V. Kandasamy gounder, 8/7, Race course Road, Colmbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Property as specified in schedule to Doc. No. 201/ 85. Thalavadi/Doc. No. 201/85.

> MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :---

Date: 9-12-85

(1) Sri V. T. Ramalingam,
 s/o V. S. Thiagaraja Mudaliar,
 7, Boat Club Road, Teynampet, Madras.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri R. Sadanaudam, s/o Sri Ramalingam, East St., Thiruvarur, (Ramanlingam and sons, Managing Partner).

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

(a) by any of the aferward persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Madras-600 006, the 9th December 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 173/April 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. W: 3 B1: 20 T.S. 732, 7749 situated at Door No. 7C/1 NAGAI: Thiruvarur, Tanjore dist.

W: 3 B1: 20 T.S. 732, 7749
situated at Door No. 7C/1 NAGAI: Thiruvarur, Tanjore dist.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvarur/Doc. No. 659/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or avasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Land and Building: Door No. 7 C/1, T.S. No. 732, 7749, W. 3 B1: 20, Thiruvarur Sub district Nagapattinam Thiruvarur/Doc. No. 659/85.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

MRS M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 9-12-85

FORM I.T.N.S.—

NC ITCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th December 1985

Ref. No. 182/April/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door. No. 317-A, Ward 'D', Block 19, situated at T. S. No. 104, R. S. No. 239, Mahatma Gandhi Road, Pondicherry. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Pondicherry, Doc. No. 895/85 on April, 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlog
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Dhelil Zho Saip Nicholas Marianathan, 317-A Mahatma Gandhi St., Pondicherry.

(Transferor)

(2) Azia Beevi, 7, Ramraj St., Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Otlicial Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 317-A, Ward 'D' Block 19, (T. S. No. 104, R. S. No. 239), Mahatma Gandhi Road. Pondicherry.

S. R. O.: Pondicherry, Doc. No. 895/85,

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 9-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Pangajavalli and others, C/o Veeraraja gopala chettiar, Sarangapani Sannadhi St., Kumbakonam.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

(2) Sri R. Jayaraman and others, S/o Rajagopala chettiar, 22, Murthy chetti st., Kumbakonam.

(Transferce)

Madras-600 006, the 9th December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. 184/April/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-iax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and braning No.

St. House at Kumbakonam Sarangapani Temple East Sannadhi St., Kumbakonam.

(and more fully describe din the Schedule annexed hereto).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam/Doc. No. 621/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid effected, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer and for

THE SCHEDULE

Street house, East Sarangaponi Sannadhi st., Kumbakonam, Kumbakonam/Doc. No. 671/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, pamely :---

Date: 9-12-1985

PURM ITNS----

(1) Vatsala Bai, W/o N. Sanjeeva Rao, 13, Someshwrar Street, Kumbakonam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) V. R. Swaminathan, 85. Gandiadigal Salai, Kumbakonam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th December 1985

Ref. No. 187/April/85/R-II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. land and Building situated at Kumbakonom,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam/Doc. No. 857/85 on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the somsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Kumbakonam. Kumbakonam/Doc. No. 857/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Date : 9-12-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th December 1985

Ref. No. 190/Apr./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing R. S. No. 289/8, 290/3B, situated at Pudur Village, Erode T. k., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode Doc. No. 1840/85 and 1798/85 on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said increason of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor, and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Incomptan Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri A. V. K. Balasubramania Chettiar,
 S/o Sri A. V. Kandasamy Chettiar,
 Kamaraj Road (A) Sokanatha Gounder St.,
 Erode Town.

 (Transferor)
- (2) Smt. Rukmani Ammal, Sri V. M. Ramusamy, 2B/3, Balasubbarayalu St., Erodo.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land and building at R. S. No. 289/8 and 290/3B at Pudur Village, Erode Town.

S. R. O. : Erode, Doc. No. 1798/85 and 1840/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 9-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th December 1985

Ref. No. 160/Apri/85.--Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Agr. lands measuring 5.10 acres situated at Arachalur village,

(and more fully described in the scheduled annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sivagiri/Doc. No. 406/85 on April 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as nforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Mteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any choneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Smt. Nachammal, W/o late Chenniappa gounder, Sarada, Saroja and others, 61, Palanimali Gounder St., Kottai, Erode.

(Transferor)

(2) Smt. Parvadammal, W/o K. P. Nachimuthugounder and others, Kannammapuram, Arachalur.

(Tranferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. lands at Arachalur village, Erode Town. Sivagiri/Doc. No. 406/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 9-12-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabed-380 009, the 19th November 1985

Ref. No. P. R. No. 3899/Acq. 23/II/85-86,--Whereas, J. G. K. PANDAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs.1,00,000/- and bearing
Rs.1,00,000/- and bearing
Land and Bldg, at 14 Jalaram Socy.
R. S. No. 229/1 and 229/1 of Vijalpor—Navsari.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Navsari on 18-4-1985

for an appared consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as segreed to between the partis has not been truly skin. In the said networm the transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act; or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-122-406 GI/85

(1) Narendrakumar Rasilal Zaveri & Ors. C/o M/s. Rasiklal & Coy. 3rd Floor Mehta Bhayan Nr. Chrani Road, Station, Bombay-400 004.

(Transferor)

(2) Smt. Savitaben Rasiklal Shah 64 'Milan' B-7th Floor Opp : Air Conditional Market, 87—Tardeo Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The sale deed was regd. by S. R. Navsari on 18-4-85 for A. C. Rs. 2,70,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Ahmedabed-380 009

Date: 19-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, 'HANDI COM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabed-380 009, the 18th November 1985

Ref. No. P. R. No. 3900/Acq. 23/II/85-86,—Whereas, I, G. K. PANDAY, being the Competent Authority under Section 269B of

Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hordinater referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing piece of land bearing R. S. No. 27/1/1 A/1 C. S. No. 4771/A/2/a at Mogarawadi at Tithal Roa', Valsad, and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Valsad on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ramanlal Chhagani.d Kothari as a Karta of HUF Opp: June thana, Valsad.

(Transferor)*

(2) B. G. Builders Krishna Nivas Tithal Road, Valsad.

(Transferce)

Objections, if say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsible property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was read, by S. R. Valsad during April, 1985 for A. C. Rs. 4,77,450/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Ahmedabed-380 009

Date: 18-11-1985

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, IIANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabed-380 009, the 18th November 1985

Ref. No. P. R. 3901/Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot of land at 7A Shri Nagar Socy, bearing R. S. No. 114 of the sim of Jetalpur FP No. 477 C.S. No. 1508-Baroda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Baroda on 24-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income on Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid-Act, I hereby initiate proceedings for the angulation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manage:—

 Smt. Magiben Muljibhai Patel P. A. Holder Vinubhai Tulsidas Patel Gul bai no Tekro—Ahmedabad.

(Transferor)

 Smt. Vimlaben Purshottamdas Patel Vimalkunj, Salatvada, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be used in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chart

THE SCHEDULE

The sale deed was regd, by S. R. Baroda on 24-4-85 for A. C. Rs. 2,52,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabed-380 009

Date: 18-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMERTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Yashvantlal Chhaganlal Kothari Sheth Falia, Valsad.

Transferor(s)

(2) B. G. Builders Krishna Nivas, Tithal Road, Valsad.

arkey be made in writing to the undersigned :---

Transferce's)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabed-380 009, the 18th November 1985

Rcf. No. P. R. No. 3902/Acq. 23/II/85-86.—Whoreas, I, G. K. PANDAY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore,

Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing R. S. No. 28-C of the vallage Mogarwadi bearing C. S. No. 4871 A, 2 at Tithal Road, Valsad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer. 1908) in the office of the registering Officer at Valsad on April, 1985

Bangalore under Registration No. 1420/85-86 dated 29-4-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any facouse arising from the transfer;

THE SCHEDULE

sale deed was regd. by S. R. Valsad during April, 1985 for A. C. of Rs. 4,21,000/-.

(b) facilitating the concentment of any income or any move or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee fer the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-Inx Act, 1957 (27 of 1957):

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-take
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road Ahmedabed-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section MSC of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, no the fellowing persons sunsely :-

Date: 18-11-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabed-380 009, the 18th November 1985

Ref. No. P. R. No. 3903/Acq. 23/II/85-86,--Whereas, I, G. K. PANDAY,

being the Competent Authority under Section 269B or the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hexcinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Bldg, bearing No. 179/180 C. S. No. 3232 of Killa Pardi at Pardi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer

at Paradi on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration thereto, by many than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lineway of the transferor to pay tax under the said Act, ir. respect of any income arising frage the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incorpo-tax Act, 1922 (13 of 1923) or the said Act or the Wester-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) (Mansukhlal Khushaldas Patal Ashokkumar Mansukhlal Patel Killa Pardadi Paradi Dist : Valsad.

(Transferer)

(2) Dr. Purnima Kishore Nadkarni Dr. Kishore Mohan Nadkarni Killa Paradi, Paradi Dist : Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

MAPLARATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Paradi on 10-4-85 for A. C. Rs. 2,20,000/-.

> G, K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax 2nd Floor, Handloom House, Ashram Read Ahmedabed-380 009

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 18-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Urmilaben wd/o Vithalthai, G. Patel Mahadev's Role, Raopura Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Grindwell Norton Limited Army & Navy Building, 148, Mahtma Gandhi Road, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th November 1985

Ref. No. P. R. No. 3904-Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land and Bldg. at 3 Vikram Socy., Gotri Road, Baroda R.S. No. 676 C.S. No. 666 of Gotri Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on April 1985 Baroda on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

expressions used herein as EXPLANATION :-- The terms and are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The sale deed was regd. by S.R. Baroda during April, 1985 for A.C. Rs. 4,80,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2600 in the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-11-1985

Seal.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th November 1985

Ref. No. P. R. No. 3905-Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing Land and Bldg. 42, Nutan Co-op. Hsg. Socy.. Fateganj, Baroda bearing C.S. No. 1298 S. No. 359. (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred as per registered under the Indian. Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; had/or
- (b) facilitating the concealment of any income or king moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely !-

(1) Dr. Gunvantbhai Bhushaubhai Shah P.A. Holder Avantiben Gunvanthhai Shah 42, Nutan Co-op. Socy., Fateganj. Baroda.

(Transferor)

internación de compression de la compression della compression del

(2) Urmilaben Piterbhai Dabhi 6. Mulji Nagar, Nizampura Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The sale deed was regd. by S.R. Baroda during April, 1985 for A.C. Rs. 2,50,000/~.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 18-11-1985

Scal.

(!) Panknj Ambalal Patel 40, Sardar Nagar Socy. Sumul Dairy Road, Surat.

(Transferor)

(2) Vijay Enterprises C/o N. 1081, Ground Floor Surat Textile Market Ring Road, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDUS

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th November 1985

Ref. No. P. R. No. 3906-Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. N. 1081 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered unto Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Surat on 22-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :~

- (a) (holistating the reduction or eventon of the limbility ferer to pay tax reader the said Act, in respect of any income arising from the formulas?
- (b) facilitating the concealment of any income or any enousys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

sow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following presons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may no made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perlod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whatever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 3614 Dt. 22-4-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 23-11-1985 Scal:

(1) M/s. Ravi Enterprises Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shashikantohai Chhotalal Patel & Ors. C/o Bhanubhai Patel, 9th Floor Triveni Aptts. Nanpura, Timaliavad, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th November 1985

Ref. No. P. R. No. 3909-Acq.23/II/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Proposed Flat No. 6B in Ravi Chhaya Aptt. Opp. Loud Cent School. Athur Lines County

School, Athwa Lines, Surat

Form No. 37EE is submitted

in the office of the undersigned on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more 'han fifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in March, 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2690 of the said Act in the following persons, namely:--123-406GI/85

Date: 25-11-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

Ahmcdabad-380 009, the 25th November 1985

Ahmedabad-380 009, the 26th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3910/Acq/23/II/85-86.-Whereas I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 103 in Diamond House situated at Station Road.

Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income prising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) J.M.C. & Meghani Builder (Surat Project) 223/225, Zaveri Bazar, Bombay.

(Transferor)

(2) Bharat Anantrai Madhani Nadiawala Colony, No. 2, Usman Bldg, No. 2, 1st Floor R. No. 16, S. V. Road, Malad (W),

Bombay-400 064.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 1-3-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-11-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, \SHRAM_ROAD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 26th Nevember 1985

Ref. No. P.R. No. 3911/Acq/23/II/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Pedhi No. 706 at Bombay Market, Umarwada situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any morenys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Bombay Market Art Silk Co op. Hsg. Socy. Umarwada,

(Transferor)

(2) Shri Babulal Jagdishchandra (HUF) C/o Yogesh Silk Mills Kalbadevi Road, Laxmi Bhuvan, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the wequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in March, 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad

Date: 26-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd. Umarwada. Surat

(Transferor)

(2) Achaldas B. 72, Godown Street, Mulchand Market,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3912/Acq/23/II/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pedhi No. 707 at Bombay Market situated at Umarwada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 2-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the adoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the under-Signed in March, 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesait property by the assue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, whenely :---

Date: 26-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Almedabad-380 009, the 26th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3913/Acq/23/11/85-86.—Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000- and bearing No.

Pedhi No. 1106 at Bombay Market, Umarwada situated at

Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No. 37EE is submitted in the office of the under-

signed on 2-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finishity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the salt Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the Sollewing persons, namely:—

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Umarwada, Surat.

(2) Dani Textile Agency O.M. Katra Naya Bazar, Gwalior-470 009 M.P.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned March, 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 26-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Bombay Market Silk Co. op. Socy. Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Abhaykumar & Co. Patel Market, Sakar Bazar, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3914/Acq/23/11/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Pedhi No. 808 at Bombay Market situated at Umarwada,

Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 2-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days рогос from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in March, 1985.

> G. K. PANDYA
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 26-11-1985

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3915/Acq/23/II/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. C-2005 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat

(and more fully described in the Schedule associated hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 ... 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gayatri Textiles Prop Ratilal Vanmalidas, Rampura Main Road, Surat,

(Transferor)

(2) Vimy 3.lk Milis Kavitaben Prakashchandra Jain and Others 305, Abhijat Nr. Dadampari Socy. Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2915 Dt. 2-4-1985.

G, K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 26-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Alimedabad-380 009, the 26th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3916/Acq/23/II/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and hearing

and bearing
Shop No. W-3207 at Surat Textile Market, Surat
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 22-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the inforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Surat at Dykem Traders,
 Relibag,
 Adarsh Nagar Socy.,
 Surat.

(Transferor)

Amit Synthetics
 Smt. Vinod Hansraj Chopara & Ors.
 Shop No. W-3207,
 Surat Textile Market,
 Ring Road,
 Surat,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- 43) he say of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b), by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of the same

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2450 Dt. 22-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 26-11-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3917/Acq/23/II/\$5-86.—Whereas, 1. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (heromafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 19 at Bombay Market, Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Dahyalal Nanji, Chhaparia Sheri, Surat,

(2) Shantaben Kantilal Mehta M-27, Bombay Murket, Umarwadu, Surat.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The document is regd, at S. R. Surat vide No. 1285 Dt. 8-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
laspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Rannely
Rannely

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
124—496GI/85

Date: 28-11-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3918/Acq/23/II/85-86.Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No.M-29, Bombay Market, Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908), in the Office of the Registering Officer at surat on 8-4-1985

surat on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) R. K. Brothers, Shop No. F-3120, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(2) Kantilal Bhavandas Mehta M-29, Bombay Market, Surat.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Swat vide No. 1286 Dt. 8-4-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3919/Acq/23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. S-7 at Bombay Market, Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat*on 24-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ghanshyam Vansimal Khulriyan at Surat Silk Tor Sadaliwala Market, Surat.

(Fransferor)

(2) B. K. Enterprise Kanchanlal Natwarlal At 4/2461, Salabatpura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat Vide No. 3714 Dt. 24-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (47 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ref. No. P.R. No. 3920/Acq/23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shop No. 48 & 49 in Diamond House, Station Road,

Form No. 37EE is submitted in the office of the underssigned on 4-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration increfor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislossed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afaresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) J.M.C. & Meghani Builders (Surat Project) 223/225, J.M.C. House, Zaveri Bazar, Bombay.

(Transferor)

(2) Chandraprabha Babubhai Sevalia 6/1. Kanta Niwas, 28. Dr. Ausari Read, Ville-Parle (W), Bombay-400 056.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to Acquisition Range-III Ahemedabad

Date: 28-11-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3921/Aug/23/II/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 2690 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. Z-3174 at Surat Textile Market, Ring Road. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 22-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Birjan Ralduram t, Pushpakunj Socy., Sumul Dairy Rd., Surat

(Transferor)

(2) Shivkumar R, Mital 15. Sardar Nagar Socy. Sumul Daicy Rd., Surat.

(Transferee)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any otest person interested in the said immov-nish property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd at S. R. Surat vide No. 3594 Dt. 22-4-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahemedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hweby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-seetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 28-11-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Jitendra Shatraugna Dixit Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Anjanaben Champakbhai Patel C/o Flat No. 2B. Dixit Aptt., Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3922/Acy/23/II/85-86.-Whereas, I. G. K. PANDYA,

the thir Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Small (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1808) in the Office of the Registering Officer at Entra on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 3678 Dt. 23-4-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, exemply :---

Date: 28-11-1985

Surat.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RATIGE 1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3923/Acq/23/11/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Open land a Ward Umarwada S. No. 1547 TP No. 7 F.P.

No. 55. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of time. of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ratilal Jekishandas Partner Rati al "ekishandas &Others, Tadwall Shesi, Salabatpura, Surat.

(2) Shri Diwanji Ehavanjidas Punyani & Ors. at Jal Darshan Socy. Athwa Lines,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the eard immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 3468 Dt. 17-4-1985.

> G. K. PANDYA Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahemedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acoustion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 28-11 1985

FORM TENS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDARAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3924/Acq/23/II/85-86.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heteinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 42/22 paiki Land at Village Metali Tal. Ankleshmer Districts.

war Dist. Bharuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ankleshwar on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such separent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ussets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income tax Act. 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

(1) Arvindkumar Rameshchandra Rajeshkumar Rameshchandra At Poet Motali, Tal. Ankleshwar.

(2) Narmada ; and Development Pvt. Ltd.
Bunglow No. 3 Bunglow No. 3, Pritam Socy No. 1, Bharuch.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metioe in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immunovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd at \$, R, Ankleehwar vide No. 914 Bt. 4-4-1985.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahemedabad

Date: 29-11-1985

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMM-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3925/Acq.23/11/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

heing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding

property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Open land at Villago Motali Tal. Ankleshwar S. No. 42/31 & 42/22 paiki Dist. Bharuch

(and more fully described in the schedule annexed hereta), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Analeshwar on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Motibhai Vithalbhai At PO Motali Tal. Ankleshwar Dist: Bharuch.

(Transferor)

(2) Narmada Land Development Pvt. Ltd. Bunglow No. 3—Pritam Socy. No. 1, Bharuch.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saus Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Ankleshwar vide No. 917 &918 Dr. 4-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmodabad

Dato: 29-11-1985

Şeal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3926 Acq.23/11/85-86 -- Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot of open land at Pritam, Co.op Hsg. Socy

No. 1 at Bharuch

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bharuch on 23-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :--

(1) Shri Kishorchandra Dahyabhai Kotiya Lallubbai Chakala Bharuch.

(Transferor)

(2) D. R. Synthetic Textile Pvt. Ltd. 707, G.I.D.C. Ankleshwar Dist. Bharuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE .

The document is regd. at S.R. Bharnch vide No. 702 Dt. 23-4-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 29-11-1985

FURM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3927 Acq.23/11/85-86.—Whereas, 1. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property at Ward No. 1 Nanpura Khalasiwad. Surat (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Surat on 23-4-1985

for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely:—

(1) Nazim Banu, A. Shaikh & Ors. Saiyadpura Tunki Surat.

(Transferor)

(2) A. A. Shaikh & Others. Saiyadpura Tunki

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shalt have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 3624 Dt. 23-4-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Abmedahad

Date: 29-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrì Gunvantrai B. Bhatt. Adarsh Hsg., Socy. Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. S. B. Laminators, Dhansukhlal Thakordas Chankawalani Sheri Wadi Falia,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-386 009

Ahmedahad-380 009, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3828/Acq.23/11/85-86.Whereas I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immer-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property at Udhana Udyognagar Plot No. 13, 19 & 20

Block No. 18, Udhana, Dist. Surat
(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Surat on 15-4-1985 Surat on 15-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afarcazid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finblity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is read at S.R. Surat vide No. 3318 Dt. 15-4-1985.

> **⑤**. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, I hereby initiate precedings for the acquaition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 29-11-1985

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3929/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

while said Act) have reason to believe that the immoves the property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. at Sagrampura Main Road, Surat Ward No. 2 Nondh No. 4576 B & 5330 & 5331, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Surat on 22-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in rispect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Maniben Jivanlal Kapurji & Others, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Ishwarlai Chhotalal Gandhi & Others, 12/830, Rani Talav Parsivad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing so the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 3625 Dt. 28-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Laspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 29-11-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3930/Aug.23/11/85-86.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Bldg, at Gopipura Main Road, Ward No. 10

Nondh No. 1290, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Surat on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Puspsen Chunibhai and Others. Annapurna Sadan, 2nd Floor, V.O. Road. C.P. Tabk, Bombay-4.

(Transferor)

(2) Shrichand Surajmal, Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 3460 Dt. 17-4-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-saution (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3931 Acq.23/II/85-86,---Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R.S. No. 1791 polki Borsad, Kairo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Borsad on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affisen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Desai Kanubhai P. Desai Vago, Nadiad.

(Transferor)

(2) Vasant Talkies Mafatbhai R. Patel, Boread.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is read, at S.R. Borsad vide No. 975 Dt. 17-4-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmodabad

Date: 2-12-1985

Soal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3932 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 328/1 C.S. No. 194 Nadiad Hirji Pati, Nadiad

S. No. 328/1 C.S. No. 194 Nadiad Hirji Pati, Nadiad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Nadiad on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftum per cent of such apparent consideration and that she consideration for such transfer as agreed to be well the parties has not been truly stated in the said legitiment of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (w) facilitating the concea/ment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be usclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afaresaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Tribhiyandas Sharajibhai Mistry Nadiad Rabariwada Road, Roya! Traders, Nadiad.

(Transferor)

(2) Rajhans Manubhai Patel, Cita Nagar, Mota Kumbh Nath Road, Nadjad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property to be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Nadiad vide No. 1216, Dt. 23-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomotax,
Aequicition Range-II
Ahmedabad

Date : 2-12-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3933 Acq.23/II/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said' Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land at 58A Shrinagar Socy. bearing S. No. 114, 118, 119 of Jetalpur Baroda, TPS No. I FP No. 436 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Baroda on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said histrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

126—406GT/85

(1) Smt. Jasumatiben K. Patel P.A. Holder Kiritkumar R. Amin 39, Urmi Socy. Productivity Road,

(Transferor)

(2) Ashvinkumar Vithaldas Shah 203, Lila Apartment Swami Vivekanand Road Vile Parle, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda on 15-4-1985 for A.C. Rs. 79,210/-.

> G. K. PANDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3934 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

21 Shankutal Socy. Manjalpur Baroda, R.S. No. 389 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at S.R. Baroda on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) D. K. Gokani Kandiyali, Bombay-67.

(Trans(eror)

(2) Manubhai, Makanbhai Patel & Ors. 6, Krishnanagar Socy. Bagi Khana Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda during April, 1985 for A.C. Rs. 2,25,000/-.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II Ahmedabad

G. K. PANDYA Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afræsaid property by the issue of this notice under sub-section (a) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-12-1985

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3935 Acq.23/II/85-86.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

Plot of land at Abama Tal. Valsad

Bearing S. No. 427/2/2 427/3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Valsad on 26-4-1985

valsad on 20-4-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dhirubhai Paragjibhai Desai & Ors. Abrama Tal, Valsad Dist, Valsad,

(Transferor)

(2) Sumantrai Bhanabhai Desai Kantilal Ambalal Desai Abrama, Tal. Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and to expressions used herein as are defined in hepter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A sale deed was agreed by S.R. Valsad on 26-4-1985 or A.C. Rs. 2,00,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3936 Acq.23/11/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the homovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1;00,000/- and bearing No. Plot of land adm. area of 7380 sq. mtr. bearing S. No. 568 of the village Kundal Tal. Kadi (and more fully described in the Schedule appears)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Kadi on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Naranbhai Keshavbhai Patell & Ors. At Kundal Tal, Kadi

(2) Dum Dum Chemicals Pvt. Ltd. Director, Harishkumar Keshavlal Navjivan Mills Officers Bunglow At Kalol, Dist. Mehsana.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nutice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Kadi for A.C. Rs. 1,40,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 2-12-1985

(1) Parshottambhai Khushalbhai Patel, Yakutpura, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3937 Acq.23/IJ/85-86.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, hereinafter referred to a section of the result of t property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-' and bearing

Piece of land at Parshottam Nagar bearing C. S. No. 270 388, 389, 390, 392 T. P. F. F. No. 221-90-79-78 of Sanand,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respest of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person: namely:-

(2) Pramukh, Parsottamnagar Co. op. Hsg. Socy., Gorva, Baroda.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda during April, 85 for A.C. Rs. 2.92.160/-.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 2/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Zaverbhai Khushalbhai Patel, Yakutpura, Vadodara

(Transferor)

 Zavernagar Co. op. Hsg. Socy., Harni Road, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3938/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

piece of land at Zavernagar Baroda bearing R. S. No. 271 397/2, 386, 398, 397/1, 391/387, 399 TPS No. 57 FP No. 756-76, 77 of Savad Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or MATY moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understance :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE
A sale deed was regd. by S.R. Baroda during April, 85
A.C. Rs. 2,87,660/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2/12/1985

Ser

FORM No. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3939/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7, Avani Terrace Vasana Road bearing R.S. No. 150 at Akota Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Baroda on 17/4/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ead/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely :--

(1) Shri Subramanian Sangmeshwaran, 7, Avani Terrace, Vasana Road, Baroda,

(Transferor)

(2) Smt. Janki Sangmeshwaran, 7, Avani Terrace, Vasana Road, Baroda.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unaversigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda on 17-4-85 for A.C. Rs. 90,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 2/12/1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1985

Rcf. No. P.R. No. 3940/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot of land bearing R.S. No. 335 & 335 of Halol sim.
adm. area of 9112 sq. mtr. on Baroda Halol Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Kalol on 23/4/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Rinki Hydro Carbons Pvt. Ltd., Director, Chandrakant K. Gandhi
 Mamta Socy. Race Course, Baroda.

(Transferor)

(2) Vipulam Enterprises Pvt. Ltd. B-22 Lalsingh Mansingh Bldg., lst Floor 6, Lohar Chawl, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Kalol on 23-4-85 for A.C. Kalol on 23-4-1985 Rs. 1,97,370/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 2/12/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Rinki Hydro Carbons Pvt. Ltd., Director, Chandrakant. K. Gandhi, Mamta Socy. Race Couse, Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Vipulam Enterprises Pvt. Ltd., B-22, Lalsingh Mansingh Bldg., Ist Floor 6, Lohar Chawl, Bombay.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3941/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece of land bearing R.S. No. 86 of Nurpura, Tal. Halo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 23/4/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in suspect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Kalel on 23-4-85 for Rs. 52,830/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahemedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1—

127—406GI/85

Date : 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3942/Acq-23/II/85-86.-Whereas, I, G, K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hessinafter referred to be the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding
3. 1,00,000/- and bearing
5. of land at the sim of Anandpura village Baska Dustl

anchamahals

and more fully described in the Schedule annexed hereto,

find more fully described in the Schedule annexed nereto). This been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 208) in the office of the Registering Officer. Kalol on 9/4/1985 fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the reperty as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer the parties has not been such transfer. agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tracafer with the objects of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferie for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said et, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing sons, namely :---

(1) Balkrishna Dhirajlal Dave, Halol, Dist. Panchamahals.

(Transferor)

(2) K. K. Interlining Mfg. Co. P. Ltd., Halol. Dist. Panchamahala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Kalol on 9-4-1985 for A.C. Rs. 1,85,500/-.

G. K. PANDYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad

Date: 2/12/1985

Sonl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Kasambhai Hasanbhai Sindhi & Ors., At Shihori Tal., Kankrej.

(Transferor)

(2) Dayaram Lekhumal Thakkar & Ors,, Para Radhanpur, Dist. B. K.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3943/Acq.23/II/85-86.Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Prabhat Talkies at Radhanpur bearing S. No. 680 C.S. No. 35, Sr. No. 108 C.S. Nondh No. 591 3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Radhanpur on 15/4/85

for an apparent consideration which is tess thant the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, i respect of any income arising from the transfer; and]or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Radhanpur on 15-4-1985 for A.C. Rs. 1,60,00/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I! **Ahmedabad**

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to he following persons, namely :-

Date: 3-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Kamlaben Nuthubhai Desai, P.O. Abrama. Tel. Valsad.

(Transferor)

(2) Gulshan Aptt. President Bhavnaben Thakerbhai Desai Vashi Falia, Halar, Valsad.

(Transferre)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3944/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece of land adm. area of 472 sq. mtr. bearing C.S. No. 2155 at Vashi Falia Halar Valsad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

A sale deed was regd. by S. R. Valsad on 17-4-85 for A.C. Rs. 80,002/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II <u> Ahmedabad</u>

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-12-1985

Seed :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3945/Acq.23/II/85-86,---Whereas, L. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Sayan Tal. Olpad Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Olpad on 12/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gansfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kishorkumar Prabhudas Kotecha, Surat.

(Transferor)

Mumtaj Khojaja Railwaywala,
 Nafisabai Taibhai,
 Nanpura,
 Athwa Gate,
 Surar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used here a as are defined in Chapter XXA of the raid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is read, at S. R. Olpad vide No. 3782 Dt. 12-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,:—

Date: 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD **AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 3rd December 1985

Ref. No. P.R. No. 3946/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property

sa.d Ac:) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at Village Valthan Taq. Kamrej Block No. 28 S. No. 24, 48, 49, 61/1 and 62/1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1008) in the Office of the Registration Office.

of 1908) in the Office of the Registering Officer

a. Kamrej on 6/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act. Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shashikant Jayantilal, Vakharia & Ors., Navapura. Surat.

(Transferor)

(2) Bhagubhai Naranbhai Patel & Ors., At Puna Tal., Chorayashi Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Kamrej vide No. 171 Dt. 6-4-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition. Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 3-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Chunibhai Dhirubhal Bin Bhulabhai Patel Nadiad.

(Transferor)

(2) Jitubhai Harjivandas Kapadia and Gaurangbhai Chimanbhai, Kapadia, Nadiad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3947/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Property at Nadiad Bhavsar Vad Opp. Natpur Bank Ward No. 8 Tika No. 7/735 Nadiad, Dist. Kaira (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of '1908) in the Office of the Registration Gifteer at Nadiad on 2/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

at Nadiad on 2/4/1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoproperty, within 45 days from the date of the cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULB

The document is regd. at S.R. Nadind vide No. 970 Dt. 2-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1985

Ref. No. P.R. No. 3948 Acq.23/II/85-86.—Whereas L. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property at Nadlad Ward, No. 8, Tika No. 7/732 Bhavsar vad Opp: Natpur Bank, Dist. Kaira (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 19/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Haji Ali Amena D/o Abbas Husen Musharbhai, Nadlad.

(Transferor)

(2) Jayantilal Alias Chimanial Harilvandas Kapadia, Nadiad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immos-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDILE

The document is regd, at S.R. Nadiad vide No. 830 Dt. 19-3-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-13-1985

Soul :

[PART III—SEC. 1

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3918/Acq.23/1/85-86.-

Ref. No. P.R. No. 3918/Acq.23/1/85-86.—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No. Dariapur-Kazipur Tol. City TPS No. 8 FP No. 49 Sub Plot No. 2-B-3 Land adm. 1862 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registration Officer at Ahmedabad on 30-4-1985

Ahmedabad on 30-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Ravjibhai Chinubhai, Shahibag, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ranakpur Co. op. Hsg. Socy, Ltd., Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given . in the Chapter,

THE SCHEDULE

Dariapur Kazipur Tal. City TPS No. 8 FP No. 49 Sub Plot No. 2-B-3 I and adm. 1862 sq. yds.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date -:: 8-11-1985 -Seal ;

128-405GL/85

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND ELOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3918/Acq.23/1/85-86.—
Whereas I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Daripur Kazipur Tal. City '1PC No. 8 F.P. No. 49 Sub Plot
No. 2-B-2 Land adm. 1100 sq. yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 8-4-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1757);

Now, therefore in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ravjibhai Chinubhai, Sole Proprietor of Niyati Trading Corporation, Shahibag, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ranakpur Co. op. Hsg. Socy. Ltd., Ahmedahad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Daripur-Kazipur Tal. City TPS No. 8, FP No. 49, Sub Plot No. 2-B-2 Land adm. 1100 sq. yds.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Hemantkumar Raghavjibhai Patel, Tapowan Society, Panchavati Marg, Rajkot.

(Transferor)

(2) Sagarkumar Jashrajbhai Javiya, Plot No. B.103 Sheri No. 2, Saurashtra Kala Kendra Socy. Raiya, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3919/Acq.23/1/85-86.—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. HP at Rajkot-Rajya S. No. 91 Saurashtra Kala Kendar Socy. Plot No. B-103 land adm. 300 sq. yd. + Bldg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 11-4-1985 for an annarent consideration, which is less than the fair

has been transferred under the Registraion Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 11-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truby stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

HP at Rajkot Rajya S. No. 91 SP No. B 103 Land adm 300 sq. yd. + Bldg. thereon Saurashtra Kala Kendra Socy. R. No. 1811 Date: 11-4-1985.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-11 1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date : 28-11 1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Mahavir Construction Company, Partner, Gunvantrai Ratilal & Ors.,
 Ram Krishna Nagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Hitendra Mansukhlal Desai, Kusumben Mansukhlal Desai, Block No. 1, Swapna Lok Apartment, Kalawad Road, Rajkot.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3920/Acq.-23/1/85-86,—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1 Swapna Lok Apartment, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 26-4-1985

Rajkot on 26-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ansets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-anx, Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Swapna Lok Apartment Block No. 1 R. No. 3006 Date: 26-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38G 009

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3912/Acq.23/I/85-86.--

Whereas I, G. K. PANDYA, being he Competent authority unider Setion 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/~ and bearing No.

Land at Junagadh R. S. No. 221/2, 223/1-2, 224 etc. Adm. 743.22 sq. mtr.=892 sq. yd. Plot No. 9 & 10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Junagadh on 22-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tally stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26 (2) of the said Act, to the following persons, namely -

(1) Mohanlal Jagjivan Kotecha, HUF, Ashok Nagar Socy., Junagadh.

(Transferor)

(2) Mulvantrai Jagjivan Vasani, Chairman. Usha Kiran Apartment Co. op. H. Socy. Nagar, Road, Junagadh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Junagadh RS No. 221/2, 223/1-2, 224 etc, Plot No. 9 & 10 Adm. 743-22 sq. mtr.=892 sq. yd, R. No. 979 Date: 22-4-1985.

> G. K. PANDYA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3922/Acq.-23/1/85-86.— Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land S. No. 69/1 Nr. Tilori Riwar Adm. 14569 sq. mtr. (and more fully described in the Schedule annexed here o), has been transferred under the Registraion Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Keshod on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any locome arising from the transfers and/or

(b) flerilitating the comovalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Devji Nathu & Ors.

 (at Wadi-Agri)
 Behind Mahadev Nagar,
 Keshod,
 Dist. Junagadh.

(Transferor)

(2) Shri Patel Vidyarthi Ashram Keshod, Chairman, Devjibhai Bhawanbhai, Ambawadi Road, Keshod, Dist. Junagadh.

(Transferce)

(3) 1. Patwatiben Devji,
 2. Prakash Devji & Ors.
 at Agri Wadi
 Behind Mahadev Nagar,
 Keshod.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 69/1 Nr. Tilori Riwar Adm. 14569 sq. mtr. R. No. 609 Date : 20-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSER ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1985

Ref. No. P. R. No. 3923 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing N.A. land at Junagadh R.S. No. 270 Adm. 8275.51 sq. mtr.=

7934 sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the Issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following ecroons, namely :-

(1) Chandrakant Popatlal Lakhani

K. P. Lakhani—Advocate

2. Smt. Saryuben Chandrakant Lakhani Panch Hatdi Chowk—Junagadh.

(Transferor)

(2) Hamirbhai Ranabhai Maru-Chairman of Suwas Nagar Co. op. H Socy. Ltd. Amrapali Apartment Behind Convent School—Gandhi Gram— Junagadh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Junagadh R.S. No. 270 paiki 8275.51 sq. mtr.= 9930 sq. yd. R. No. 954 Dt.: 30-4-1985.

G. K PANDYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSED ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 29th November 1985

Ref. No. P. R. No. 3924 Acg 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 146 at Rajkot—Gundawadi Sheri No. 18/16 Adm. 125 sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dhanjibhai K, Patel Shree Ram Park Behind Panchayat Nagar Kalavad Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Chetnaben Amratlal Fichadiya Smt. Meenaben Sureshkumar 20-Kevda Wadi-Rajkot,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

HP at Rajkot Gundawadi Sheri No. 18/16 Adm. 125 sq. yd. R. No. 2258 Dt : 1-4-1935.

> G. K PANDYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 2nd December 1985

Ref. No. P. R. No. 3925 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Row House No. 77 Shyamal Row House Scheme No. 3 Adm. 154 sq. yd. at Manek Bag Hall—Ambawadi A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE filed on 28-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) breditting the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Hasmukhshah & Co. 1st Floor—Chinubhai Centre Ashram Road— Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Manubhai Jivanlal Patel
 80—Ambubhai T. Desai
 B-16 Purneswar Flats—
 Gulbai Tekra—A'bad-15.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Row House No. 77 in Shyamal Row House Scheme No. 3 Nr. Yogashram Socy. Opp: Manek Bag Hall Ambawadi A'bad Adm. 154 sq. yd. (apprx.) 37EE filed on 28-3-1985.

G. K PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
129—406GI/85

Date · 212-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 29th November 1985

Ref. No. P. R. No. 3926 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/-

property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,00/and bearing No.

Kochrab S. No. 42/1 TPS No. 3 FP No. 819 paiki Hissa No.

1 Chela No. 15, 16, & 17 adm. 1594 sq. yds. paiki 1/4th share
land with old bldg. adm. 333 sq. mtrs. 400 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 4.4.1085 A'bad on 4-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/ar
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

- (1) Smt. Hasumatiben Jayantilal Shah White House—Pritamnagar—E.B. Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Vibhuti Builders-14--1st Floor-Ravi Chambers--Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kochrab S. No. 42/1 TPS No. 3 FP No. 819 paiki Hissa No. 1 Chela No. 15, 16 & 17 adm. 1594 sq. yds. paiki 1/4th Share adm. 400 sq. yds. Land with bldg.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Date: 29-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 28th November 1985

Ref. No. P. R. No. 3927 Acq.23/1/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/P No. 299 S. No. 262A and 262-B TPS 14 Building Municipal Nos. 207A/12, 207/A/12/1. 257|A|12|1A & 207|A|12|12 Opp: Barinet's Bunglow Nr. Jai Jineshwarso Shahibag, A bad

A bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at A'bad, on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Divyabhanusinghji S. Chavda Sajjanvilas Palace Mansa Tal. Vijapur Dist: Mehsana (N.G.) (Transferor)

(2) Mahindra & Mahindra Ltd. Regd. Office: Gateway Bldg. Appollow Bunder-Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FP.No. 299 S. No. 262A and 262-B TPS. 14 Building Municipal Nos. 207-A/12, 207-A/12/1, 257/A|12|1A & 207|A|12|2 Opp : Barinet's Bunglow Nr. Jai Nineshwar Socy. Shahibag— A'bad.

> G. K PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-11-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th November 1985

Ref. No. P. R. No. 3928 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value excedeing

Rs. 1,00,000/- and bearing No. TPS. 20 FP No. 291 SP No. 2 Punyashri Appartments Unit No. RH 4 First Floor second floor and ground floor adn. 280 sq. yds. Dr. Radhakrishna Marg, A'bad-15 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 6-4-85

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shailesh Bansilal Klumukhtiyar Bansilal Hiralal Parikh Jai Darshan Socy. Opp: Natraj Cinema, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Yogesh Kantilal Desai RH. 4 Punyashri Appartments Dr. Radha Krishna Marg-A'bad-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property mey be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

TPS. 20 FP No. 291 SP No. 2 Punyashri Aptt. Unit No. RH. 4 First, second and ground floor adm. 280 sq. yds. Dr. Radha-krishna Marg, A'bad-15.

> G. K PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 26-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, AHMEDABAD-380 009. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad, the 28th November 1985

Ret. No. P. R. No. 3929 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the imme vable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Nuta magar Yojana No. 2-A Plot No. 7 Sheet No. 81 C.S. No. 6361 adm. land 273.75 sq. mtrs. and built up area 140 sq. mts.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Mahuva on 23-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Damjibhai Shamjibhai Mistri
 Shri Jagdishbhai Shamjibhai Mistri
 Shri Girdharbhai Shamjibhai Mistri
 Lati Bazar, Mahuva Dist.: Bhavnagar (Gujarat)
 (Transferor)

(2) Khoja Husenali Ramjuanali Sabuwala Nooramava's Khancha Bhadrod Gate—Mahuva Dist: Bhavnagar (Gujarat) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nutannagar Yojana No. 2A Plot No. 7 Bldg. Sheet No. 81 C.S. No. 6361 adm. land 273.75 sq. mtrs. & Built up area 140 sq. mtrs.

G. K. PANDYA.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3930 Acq.23/1/85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Rajpur-Hirpur TPS. No. 4 FP No. 54-55 paikee SP No. 23 200 sq. yds. land with build up

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act (1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 30-4-1985

Ahmedabad on 30-4-190.7 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Tuljaram Motiram Sharda
 Maheshvari Park—Vatva Road,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Popatial Bekhatmal Rathi through its Power of Attorney Smt. Sushila wife of Dr. Prakash Bhaduatnagar—Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovible property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rajpur Hirpur seem TPS, No. 4 FP No. 54-55 paikee SP No. 23—200 sq. yds. land with built up area.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I/II,
Ahmedabad

Date: 29-11-85

FORM 1.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3931 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at S. Nos. 265/3 paiki 1/2 Hissa TPS. 2 of Ghatlodiya FP No. 88/2 + 88/4 + 105/1/B + 89/1 adm. about A 2-23 G.S. paiki 1/2 share = 1\Delta 10\frac{1}{2} Gs 6232 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act (1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 15-4-85

Ahmedabad on 13-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Thandrakant Chhotalal Patel Self Karta & Manager of HUF and Guardian of minor sons Ghatlodiya, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Kanubhai Rambhai Patel Chairman— Trilok Coop. Hsg. Socy. Ltd. C/o Popular Builders G-8—Jalvihar Block Nr. New Reserve Bank Hldg. Ahmedabad.

and the state of the second second

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. Nos. 265/3 paiki 1/2 Hissa TPS No. 2 of Ghatlodia FP No. 88/2 + 88/4 + 105/1/B + 89/1 adm. about A 1-23 GS paiki 1/2 share - Acre 104 GS = 6232 sq. yds. Ahmedabad

G. K. PANDYA Competent Authority Acquisition Range 1/II, Ahmedabad

Dt.: 29-11-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION (2695)(1) OF THE INCOME-TAX (ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INUIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3932 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shekhpur-Khanpur TPS, 3 FP No. 169 SP No. 16 adm. 302 sq. yds. including built up oren situated at 16. Sabarkunj Socy. Nr. High Court—Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act (1908 (16 of 1908) in the office of the registering efficer at Ahmedabad on 4-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Premier Chambers Non-Trading Association—Promotor A.B. Shah. 16—Sabarkunj Socy. Opp: High Court and near Income-tax Deptt. Class. I Officers Quarters—Navrangpura—Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve arrond express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shekhpur Khanpur TPS, 3 FP No. 169 SP No. 16 adm. 30 2sq. yds: including built up area situated at 16 Sabarkunj Socy. Nr. High Court, Ahmedabad. Ahmedabad

G. K. PANDYA Competent Authority Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dt.: 29-11-85

SenI:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/4-85/48C.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property Bearing Nos. 5555 to 5558 Plot No. 28
Basti Harphool Singh, Sadar Thanna Road, Delhi-110006
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) (i) Smt. Gunmala Jain w/o late Shrl Rajendra Prashad Jain.
 - (ii) Smt. Sheela Jain w/o Shri Narendra Kumar Jain and
 - (iii) Smt. Saroj Garg w/o Shri Surendra Kumar Garg all r/o 3840, Mandir Street, Pahari Dhiraj, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) (i) Sh. Madan Mohan Sharma

(ii) Brij Mohan Sharma and
(iii) Shri Hari Mohan Sharma all sons of
Shri Munna Lal Sharma all r/os
60/5797-98, Bastl Harphool Singh,
Sadrar Thanna Road, Delhi-110006

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

The entire Ground Floor out of three Storeyed property bearing Municipal Nos. 5555—5558 Plot No. 28, Southern Half Ward No. XIV measuring about 222.22 sq. yds. Basti Harphool Singh Sadar Thanna Road, Delhi-110006.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 2-12-85

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedahad-380009, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3934 Acq. 22/I/85-86—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shekhpur Khanpur FP No. 180 Flat No. B-2 F.F. adm. 70 sq. yds. TPS No. 19 Asmi Shops & Flats Owners Asson. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act (1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Ahmedabad on 10-4-85

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

 Shah Umeshkumar Kantilal
 Subhas Colony—Stadium Road, Navrangpura—Ahmedabad.

(ransferor)

(2) Shri Kaushik N. Shah Partner of Amarlila Electronic Amlela Chambers—Navrangpura— Nr. Telephone Exchange—Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shekshpur-Khanpur FP No. 180 Flat No. B-2 FF adm. 70 sq. yds. TPS No. 19 Asmi Shops & Flats Owners Asson. Ahmodabad

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II,
Ahmedabad

Dt.: 29-11-85 Seal:

NOTICE UNDOR SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Kapilaben Dahyabhai Ranchhoddas, 12, Vivek Apartments, Near Payal, Opp. Anjali Talkics, Jawahamagar, Ahmedabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said :mmov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons.

(Transferor)

(2) Smt. Amratben Dharmaji Malaji, 1700/1, Rohilawad, Pawagadh's Chowk—Raikhad, Ahmedabad.

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3935/Acq.23/I/85-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building Khadia Ward No. 2 C.S. No. 264 adm. 76.08.7 sq. mtrs. G.F. & F.F.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-4-1985

for an apparent considration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Woulds-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bldg. Khadia Ward No. 2 C.S. No. 2646 adm. 70.08.78 sq. mtrs, G. & F.F.

> G. K. PANDYA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

Date: 29-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS- SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3936/Acq.23/I/85-86.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Makarba seem S. No. 822-2 agricultural land adm. 4A 6G

20086 sq. yards.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the properyt as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act. to the following persons, namely :---

(1) Shri Balubhai Chaturbhai Patel, Patel Vas—Paldi—Kochrab, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Mahendrabhai Manibhai Swaminarayan Temple's Street, Paldi-Kochrab. Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Makarba seem S. No. 822-2 Agricultural land adm, 4A 60 =20086 sq. yards.

> G. K. PANDYA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 29-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3937/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000 and bearing Row House No. 32 in Shyamal No. 3 Nr. Yogashram Socy.

Opp. Manekbaug—Ambawadi—Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE filed on 13-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1928 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Hasmukh Shah & Co., 1st Floor, Chinubhai Centre, Ashram Road, Ahmedabad,

(Transferor) (2) Miss Parul R. Desai (Minor). P-14, Mission Row Ext.

Windsor House—4th Floor, Calcutta-700001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Row House No. 32 in Shyamal No. 3 Near Yogashram Society Opp. Manckbaug, Ambawadi-Ahmedabad.

> G. K. PANDYA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act to the following persons, namely .-

Date: 29-11-1985

Goal :

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Hasmukh Shah & Co., 1st Floor, Chinubhai Centre, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Lalitchandra Manilal Desai (EUF), 5/1 Clive Row, Calcutta-700001.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3938/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra, 1,00,000 and bearing Row House No. 30 in Shyamal No. 3 Near Yogashram

Row House No. 30 in Shyamal No. 3 Near Yogashram Society Opp. Manekbaug—Ambawadi—Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE filed on 13-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay un under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1969);

THE SCHEDULE

Row House No. 30 in Shyamal No. 3 Near Yogashram Society Opp. Manekbaug, Ambawadi—Ahmedabad.

G. K. PANDYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sate Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 29-11-1985

Seni :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmeabad, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3939/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing Row House No. 31 in Shyamal No. 3 Near Yogashram Society Opp. Manekbaug—Ambawadl—Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE filed on 13-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M/s, Hasmukh Shah & Co.,
1st Floor, Chinubhai Centre, Ashram Road,
Ahmedabad. (Transferor)

(2) Miss Payal R. Desal (Minor), P. 14—Mission Row, Windsor House 4th Floor, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Row House No. 31 in Shyamal No. 3 Near Yogashram Society Opp. Manekbaug, Ambawadi.—Ahmedabad.

G. K. PANDYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-L
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 29-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/4-85/SR-I/1.—Whereas, I. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
House No. 5-C/51, Rohtak Road, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tensors.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Virendra Kumar 5-C/51, Rohtak Road, Delhi

(2) Shri Yash Pal Gupta C-2/68, Phase-II, Ashok Vihar Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5-C/51, Rohtak Road, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ರವರ್ಗಳ ಎಂದು ಎಂದು ಎಂದು ಎಂದು ಕರ್ನಾ<mark>ಕರಾಭಿಸವಾಗಿ</mark>ಯಾಗಿದ್ದಾರೆ. ಮುಂದು ಎಂದು ಉಗರ ಸಂಗ್ರಹಗಳ ಸಾಹಿತಿಯ ಮುಂದು ಕರ್ನಾಗಿ ಮುಂದು ಬಿಡಿದ ಮುಂದು ಬಿಡಿದ ಬಿಡಿದ

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 11/SR1/4-85/2. -Whereas, 1, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1964 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Plot No. 62 Block E. Mansrover Garden Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the clid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said &ct to the following perons, namely te-131-- 406GI/85

(1) Sh. Prithipal Singh S/o Late Shri Thakar Singh R/o F-147 Mansrover Garden New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Tarloohan Singh S/o Sh, Chattar Singh R/o E-57, Mansrover Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 62, in Block E., mg. 300.2./3 sq. yds situated at Mansrover Garden area of vill. Delhi State Delhi Reseaidarpur.

> K. VASUDEVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II
> Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/4-85/3.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 15.

situated at Jhabhu Mal Colony, Chamelion Road, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985

New Delhi on April, 1985
for an apparent consideration which it less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
succeeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
jartice has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of

(a) the intring the content of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/w.

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekin-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemend property by the following suit Act, to the following persons, namely:—

 S/Sbri Sudershan Lal Saharan R/o A-65, Wazirpur, Industria Area, Delhi and Shri Gurdev Shaharan R/o 124, D.E.S.U. Colony Shalimar Bagh, Delhi, Shri Som Dutt Saharan R/o Chamellion Road, Delhi. Harish Chander Saharan all sons of Shiv Ram.

(Transferor)

(2) M/s. K. K. Associates
7226, Qutab Road, Delhi
through Shri Suresh Kumar Chhabra
One of its partner S/o Guranditta Mal
R/o AD-2D, Shalimar Bagh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforciald persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15, measuring about 237 | Sq. yds. in Jhabbu Mai Colony, Chamelian Road, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DILLHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/4-85/4. --Whereas, I, K. VASUDEVAŃ,

R. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the limmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.
H. No. K-35, Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 () of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than; fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any mecome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Kishori Lal Verma S/o Late Bali Ram R/o K-35 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Pal & Sons, (HUF) through Karta C. P. Gulati S/o K. R. Gulati & (2) Kamlesh Gulati W/o O, P. Gulati R/o H-16, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaoter.

THE SCHEDULL

House No. K-35, Kirti Nagar, New Delhi-15.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Delhi/New Dolhi

Now, therefore, in pursuantee or Section 269°C of the said Act. I hereby initiate precuedings for the acquisition of the aferencial preporty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely:-

Date : 28-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, Asai Ali Road New Delhi

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/4-85/5.—Whereas, I. K. VASUDAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 1,00,000/- and hearing

Property, having a tair market value exceeding Fis. 1,00,000/- and bearing No. 40, Block F., Kirti Nagar New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen are cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Sunder Dass Sachdeva S/o Late Shri Harkishan Lal Sachdeva. R/o F-40, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) S.nt. Ranjna Malik W/o Mr. Anand Sarup Malik. R/o B-31, Moti Nagar. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 40, Block-F, measuring 396.2/3 sq. yds. at Kirti Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi 'New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.11/SR1/4-85/7. -Whereas, 1, K. VASUDI/VAN.

noing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1 00.000 /- and bearing
Ple: No. 20. Block-H. Bali Nagar, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fear market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as storeraid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ins rument of transfer with the object of:—

(t.) facilitating the reduction or evadon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sh. R. P. Sharma S/o Pt. Ram Chand, R/o 36 Siri Nagar, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Sh. Sunil Kumar Chauhan S/o Shri Chanda Singh, R/o 86 Village Dhakka, Kingsway Camp, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold plot No. 20 in Block H alongwith boundary wall measuring 150 sq. yds. situated in free hold approved colony known as Bali Nagar area of Vill. Bassai Darnpur, Delhi.

& VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-It
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date : 28:11-1985

FORM TINS

(1) Sh. Amrit Pal Singh & Others, R/o Kankar Bagh Road, Patna-20.

(Transferor)

(2) Sh. Inderjit Aggarwal & Others, R/o B-1/M. G. Road, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR1/4-85/8.—Whereas, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 33, Block-C, Cottage Road, Adarash Nagar signated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration AC, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sartice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 33, Block C, Cottage Road, Adarsh Nagar, Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

iCate: 28-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Sunder Singh, R/o 40/12, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Harish Khurana and Sh. Munish Khurana, R/o 26 18, East Patel Nagar, New D≥!hi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-JI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

New Delhi, the 28th November 1985

No. IAC/Acq. II/SRI/4-85/9.--Whereas, I. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable-property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

H. No. 40 12, East Patel Nagar situated at New Delhi (and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of at New Delhi in April, 1985 the Registering

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 40/12, East Patel Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A. Assf Ali Pond New Delhi

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.11/SRT/4-85/10.—Whereas, I. K. VASUDAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|Building No. 37-945, Bagh Raoji Arva, Nagur, Manakpura, situated at New Delhi

fund more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property are aforesaid.

believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction as evasion of the masteror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Smt. Sawaran Kanta Kapoor W/o Sn. Jagdish Kumar Kapoor, R/o 6A, 24, W.F.A., Kerol Bagh, New Delhi.

(2) Sh. Indertal Mehta a as Inder Lal Mehta, R/o S': Gurdiatta Mal Mehto. R/o Bhola Niwas Gali No. 8, Rehgarpura, Karo' Bagh. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givein the Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed building No. T-945, Bagh Raoji, Arya Nagar, Manakpura, New Delhi,

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date : 28-11-1985

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, Asaf Ali Road New Dellai

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/4-85/11.--Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Kothi No. 30, Road No. 73, Punjabi Bugh, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-132-406GI/85

(1) Sh. Nand Singh, Sh. Jasbir Singh Kumar and Sh. Gurbir Singh Kumar, all R/o 30/73, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mohan Gulati, Sh. Nand Gulati, Shashi and Asha Gulati, all R/o J-3/135, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kethi No. 30 on Read No. 73, Punjabi Bagh, New Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/4-85/35.—
Whereas I. K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Block No. M. Satyawati Nagar, Vill. Sadhora
situated at Kalan Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in April, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 S/Sh. Kalu Ram Ahuja and Ashok Kunar Ahuja Sons of late Shri Mela Ram both r/o. 8/164 Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmla Khattar w/o. Shri Mahinder Khattar, R/o. 2A/7, Gita Colony. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 5, (Shop-cum-residence) in block No. M, mers 150 Sq. Yds. in colony Satyawati Nagar, area of vill. Sadhora Kalan, Delhi out of Kh. No. 36, 88, 89, 92 to 96 and 98 to 107 Sadhora Kalan Delhi. Free-hold.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-12-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/4-85/13.--Whereas, 1. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G-3, Ground floor Bldg. No. 4378/4B, Part I, 4 Murarilal Street, Ansari Road, Daryagani, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tur Ast, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the suit Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Ram Sakhi Devi W/o Shri M. C. Bansal, 2. Sh. Ashok Kumar Bansal and Shri Anil Kumar Bansal sons of Shri M. C. Bansal, all R/o 7/28, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Mohini Gandhi W/o Shri Rajinder Gandhi, R/o 188, Dayanand Nagar, Ghaziabad (UP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days frage the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-3 on Ground floor consisting of one Room with attached bathroom in Bldg. No. 4378/4B, Part-I, situated at 4, Murarilal Street, Ansari Road, Daryagani, New Delhi, measuring 363 Sq. ft. Approx. (Khasra No. 58).

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/4-85/14.--Whereas, J. K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 1597, 1646 to 1652 Bazar Lal Kuan.

Ward No. 6, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-mid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, a respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Shakeel Ahmad S/o Shri Saced Ahmad, R/o 1121, Mohalla Kishan Ganj. Teliwara, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Masood Ahmad S/o Shri Khalil Ahmad, R/o 346, Katra Hindu Farash Khana, Delhi.

(Transferse)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of three storied building bearing property No. 1597, 1646 to 1652 with land undernearth measuring 335.00 Sq. yds. in Bazar Lal Kuan, Ward No. 6. Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/4-85/15.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

property No. 1597, 1646 to 1652 Bazar Lal Kuan, Ward No. 6, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Shahid Ahmad S/o Shri Saeed Ahmad, R/o 1121, Mohalla Kishan Ganj, Teliwara, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Masood Ashmad S/o Shri Khalil Ahmad, R/o 846, Katra Hindu Farash Khana, Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of three steried building bearing property No. 1597, 1646 to 1652 with land underneath, measuring about 335.00 Sq. yds. situated in Bazar Lal Kuan, Ward No. 6, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

FORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/4-85/16.—Whereas, I. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Qr. No. 8/143, Ramesh Nagar, situated at New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firken per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tempeter with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the inhibity of the transferor to pay tax under the sale Act, in respect of any income arising from the transfer; andler:
- (b) facilitating the conseniment of any innouncer any moneys or other needs which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sold Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Amar Dass R/o 8/143, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Chander Bhatia, R/o 8150, Chimni Mill Bara Hindu Rao, Delbi

(Transferee)

Objections, if easy, to the acquisition of the sold property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

'Qr. No. 8/143, Ramesh Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afuresaid property by the feate of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-11-1985

Seal ;

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. 11/SR-1/4-85/19.--Whereas, L. K. VASUDEVAN,

k. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 3931 to 3937, Ward No. VIII, instantion of the control of t

situated at Gali Gusain, behind G.B. Road, Ajmeri Gate,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the conceaument of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Saroj Lata D/o Late Shri Prem Narain and wife of Shri Arun Kumar Mittal, 3896 Sarak Prem Narain, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Om Parkash S/o Sh. Kanshi Nath, 3896, Sarak Prem Narain, Bazar Sita Ram,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

BEPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of property No. 3931 to 3937 situated in ward No. VIII built on land measuring 590 sq. yds. approx. at Gali, behind G. B. Road, Ajmeri Gate, Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely --

Date: 28-11-1985

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/4-85/20.—Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. H. No. F-33, Mansrover Garden situated at Garden New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985

at New Delhi on April 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act to the following portons, namely:—

(1) Shri Brij Mohan Syal S/o Sh. Har Parshad Sylal r/o F-33, Mansrover Garden New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Chain Roop Bhansali S/o Sh. Fateh Chand Bhansail R/o D-17, Masrover Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in H. No. F-33, measuring 246 sq. yds, situated at Manstover Garden, New Dehli.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Dated: 28-11-1985

(1) Shri Umesh Syal

FORM I.T.N.S. --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

S/o Sh. Brij Mohan Syal R/o F-33, Mansrover Garden, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Chain Roop Bhansali S/c Sh. Fateh Chand Bhansali R/o D-17, Mansrover Garden, New Delhi. at present 58, Southern Avenue, Calcutta. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-85/21.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/3rd Share in H. No. F-33, Mansrovet Garden

situated at New Delhir (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any incense arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in H. No. F-33, measuring 246 sq. yds. situated at Manstover Garden, New Dehli.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range_II Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

133-406GI/85

Dated: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALJ ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-85/22.—Whereas, I. K. VASUDEVAŃ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. F-33, situated at Mansrever Garden.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to have tax under the said Act, in respect of any income avising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Smt. Shakuntla Syal W/o Sh. Brij Mohan Syal r/o F-33, Mansrover Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Chain Roop Bhansali S/o Sh. Fateh Chand Bhansail R/o D-17, Masrover Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in H. No. F-33, measuring 246 sq. yds. situated at Mansrover Garden, New Dehli.

> K. VASUDEVAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Dated: 28-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 AGGARWAL HÖUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-85/24.—Whereas, I, K. VASUDEVAÍN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 34 DLF Industrial Area, situated at Kirti Nagar, Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betthe parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obj of-

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jai Bhagwan Kedia S/o late Shri N. K. Kedia R/o No. 97 Gododia Market, Delhi-6.

(2) Shri Jar Ram S/o Shri Karam Chand R/o No. 55, Basti Harpool Singh Delhi-6 and Shri Som Nath S/o Shri Karam Chand R/o No. 57 Basti Harpool Singh, Delhi-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used becomes are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 34, area about 3750 sq. ft one big hall on F. F. situated at DLF Industrial area, Kirti Nagar Najafgarh Road, New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Date: 2-12-1985

 Tilak Ram S/o Chhatru Mal, R/o 26/27, Gali No. 11, Vishwas Nagar Shashdara Delhi.

(Transferor)

(1) 1. Smt. Savitri Devi W/o Sh. Rishipal 2. Smt. Rekha

w/o Sh, Surrinder Kumar Gupta R/o 2280, Medganj, Bahadhur Garh Road, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SH-I/4-85/25.—Whereas, I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

B-5/1 (1/2) Rana Partap Bagh Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and i have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

B-5/1 (1/2) Rana Partap Bagh Delhi

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, $\underline{\mathbf{x}}$ hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

Date: 2-12-1985

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-85/26.—Whereas, I. K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing

FART III-SEC. 1]

and bearing
N-104, Kirti Nagar New Delai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income actuing from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Shivlok Appartments India (P) Ltd, 410, New Delhi House, 27 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Anil Kumar Goyal (Minor) Naster Ann Rumar Goyal (Minor)

S/o Shri Raj Kumar Goyal through his father and natural guardian Sh. Raj Kumar Goyal r/o M-285, Greater Kailash II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property maybe made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same monains as given wie.

THE SCHEDULE

½ portion front in rear ground floor with common passage—775 SFT, N-104, Kirti Nagar New Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi-

Date: 2-12-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-85/27.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. N-104, Kirti Nagar New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitate the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

M/s. Shivlok Appartments India
 Ltd, 410, New Delhi House,
 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal d/o Sh. Girdhari Lal, M-285, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ portion back lst Floor in rear First Floor with common staircase etc. 1663.5 SFT, N-104, Kirti Nagar Delhi. Free hold.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 2-12-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

AC/Acq. II/SR-I/4-85/28.—Whereas, I, Ref. No K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. N-104, Kirti Nagar New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have transferre for which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) M/s. Shivlok Appartments India (P) Ltd, 410, New Delhi House 27 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Raj Kumar Goyal s/o Shri Sadhu Ram, M-285, Greater Kailash-II, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the sale property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

d portion front in rear First Floor with common staircase etc. N-104, Kirti Nagar, New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Dated: 2-12-1985

(1) M/s. Shivlek Apartments India (P) Ltd. 410, New Delhi House, 27 Barakhamba Road, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Ashwani Kumar Goyal, S/o Shri Raj Kumar Goyal, natural guardian Shri Raj Kumar Goyal resident of M-285, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

IAC/Acq. II/SRI/4-85/29.--Whereas, I. No. K. VASUDEVAN.

k. VASUDEVAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing N-104, Kirti Nagar New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of

30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the unid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Att, in respect of any income arising frees the transfers and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Rear Basement 1498 Sft. N-104, Kirti Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-12-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/4-85|30.--Whereas, I, K. VASUDEVAN,

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.
N-104, Kirti Nagar New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi on April 1985

at New Delhi on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; vod/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s. Shivlok Apartments India
 Ltd, 410, New Delhi House,
 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Aman Kumar Goyal (minor) S/o Shri Raj Kumar Goyal through his father and natural guardian Shri Raj Kumar Goyal resident of M-285, Greater Kailash-II, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

portion back in rear ground floor with common passages 775 SFT N-104, Kirti Nagar, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the sailous persons, namely:— 134-406GI/85

Dated: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/4-85|31.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Plot No. D-13, Kirti Nagar New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

'a) facilitaring sao reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the con calment of an income or any moneys or other issets which have not been or which ought to be disclined by the transferee for the purposes of the Indian Incorporate Act, 1922 (11 of 1 22) of the said Act, in the Wealth-tax Act, 195' (27 of 1957).

- (1) Shri Ganesh Dass Ahuja & Shri Haroans Lal Ahuja S/o Sh. Jodh Ram Ahuja R/o D-13, Kirti Nagar, New Delhi.
- (2) Shri Jagat Kumar Sethia S/o Shri Champa Lal Sethia and Smt. Prem Devi Sethia W/o Shri Jagat Kumar Sethia R/o D-40, Kirti Nagar New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. S. House on plot No. D-13, measuring 280 sq. yds. situated at Kirti Nagar, area of Vlil. Bassai Darapur Delhi

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-12-1985

Seal;

ATTENDED TO STATE

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SRI/4-85/32.--Whereas I, VASUDEVAN,

k. VASODEVAIN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,009/- and bearing Plot No. 180 in Block C Manrsover Garden situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair nauket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. H. L. Bhatia S/o Sh. Sant Ram Bhatia, R/o 1/68, Punjabi Bagh Delhi-26.

(Transferor)

(2) Kailash Rani Khurana W/o Shri B. D. Khurana R/o RL-210 Model Town Riwari Hr.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 180, in Bolck C, measuring 220 sq. yds situated at Mansrover Garden, New Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-12-1985

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/4-85/SR-I/33.—Whereas I, K, VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P. No. 491, Gali Panjabian, Darya Ganj, situated at Ward No XI, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), situated at Thane has been transferred under Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1. Jaimala Devi Jain w/o. late Sh. Rashubir Singh Jain,
 2. Nem Chand Jain.

Satish Chand Jain,
 Bhushan Kumar Jain
 S/o. Sh. Kamta Prashad Jain as members of HUF 4300/3
 Darya Ganj, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Sajjan Kumar S/o. Sh. Jagdish Chand, 683, Kuta Hardyal, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 4291, measuring 290 Sq. yds. at Gali Panjabian, Darya Ganj, Ansari Road, Ward No. XI, New Delhi out of Kh. No. 59,

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-12-1985

FORM ITNS-

(1) Sh. Surrender Monga, 12/236, Lodhi Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Rani, R/o. 8/26, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/4-85/34.— Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

S/S House 8/26 Ramesh Naga., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

S/S House 8/26, Ramesh Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 2-12-1985

FORM IJNS--

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, Asaf Ali Read New Delhi

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI, 4-85/12.-Whereas, I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Built up House No. 9, Block G, Bali Nagar situated at Vill. Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saist Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S. Sardar Singh S/o S. Harnam Singh, R/o G/9, Bali Nagar, New Delhi

(Transferor)

 Sh. Sunder Dass Sachdeva S/o Har Kishan Lal Sachdeva, Smt. Kamla Sachdeva W/o Sh. Sunder Dass Sachdeva, R/o F-40, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, waichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up House No. 9, Block G, mg. 233 sq. yds, situated at Bali Nagar area of vill. Bassai Darapur Delhi State,

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/4-85/36.— Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 1,03,000/- and bearing Plot No. J-153, Rajouri Garden, Delhi State, New Delhi

Plot No. 3-153. Rajouri Garden, Delhi State, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Dedr Singh Morbida S/o. Sh. Bachan Singh dhrough his attorney Sh. Swatantar Singh S/o. S. Dalip Singh, R/o. S-391, Greater Kailash II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Karuna Lamba w/o. Sh. A. Y. Lamba, R/o. A-16, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice is the latter Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. J-153, measuring 300 Sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur Delhi Delhi State.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 2-12-1985

FORM TING----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-85/37.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

S. S. House on plot No. J-125, Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Regitering Officer at

New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a seets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Sh. Partap Chander Sibal S/o. late Shri Dina Nath, R/o. A-125, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. C. K. Bhutani W/o. Sh. J. C. Bhutani and Smt. Rajni Bhutani W/o. Sh. Virender Kumar Bhutani, R/o. B-7, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. S. Hou no plot No. J-125, mg. 2661 Sq. Yds, situated at Rajouri Garden, New Delhi

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 2-12-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/4-85/SRI/38.—
Whereas I, K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and hearing and bearing

II & IIIrd Fleor part property No. 4530, 7/26 Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offen of the Registration Company.

of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than lifteen than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the per cent of such apparent consideration and that the consideraism for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-135-406GI/85

(1) Sh. Daljit Singh, s/o. Sh. Sanmukh Singh, r/o. 7/26, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

 Smt. Madhu Bhatnagar w/o. Shri Vidya Bhushan, r/o. 7/26, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning (**) in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hnd & HIrd Floor part property No. 4530, 7/26, Ansari Road, Darya Gani, New Delhi measuring 50 Sq. yds.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, New Delhi

Date: 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/4-85/40.— Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,009/- and bearing Property No. 4472, 7/15, Gupta Lane, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Name Dath, in April 1955

New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Kamla Devi, w/o. Shri M. K. Jain, r/o. B/37, Rajpur Road, Civil Lines, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Aggarwal w/o. Sh. Kishan Agarwal, r/o. 7/15, Gupta Lane, Ansari Road, Daryagani, New Delhi-110 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern Portion of First Floor consisting of four rooms, kitchen, store, bath-room with W/c and Open Terrace with Tin Shed on Top Floor in Property No. 4472 at 7/15, Gupta Lane, Ansari Road, Daryagani, New Delhi-110 002. Freehold.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following records: namely:—

Date: 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.M/4-85/SRI/41.—
Whereas I, K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 81 Block E. Mansrover Garden
situated at Bassai Darapur Delhi State, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in April, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sohail Singh, S/o. Sh. Bhagat Singh, R/o. 24/27, Shakti Nagar, Delhi and Smt. Laj Kaur w/o. Sh. Balwant Singh, R/o. B-3, Fatch Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sukhdev Raj Vohra, S/o. Sh. Chaman Lal Vohra, R/o. 33-A, Pocket A, DDA LIG Flats Opp. Hari Nagar, Bus Depot, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold Plot No. 81, Block E, mg. 200 sq. yds. situated at Mansrover Garden, area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 2-12-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Control of the Contro

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-85/42.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 100 000/2 and heaving No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. H-3/12, Model Town Delhi (Portion No. 3)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as accretaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or eventon of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inscene arising from the transfero and/or
- (b) inciditating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adortsoid property by the lesue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, remarky:—

(1) Om Parkash Bhasin,
Tilak Raj Bhasin and
Jagdish Lal Bhasin,
r/o. C-1/3D-III, Model Town,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Dhiraj Kaur Sethi, w/o. Sardar Ujiagar Singh Sethi, r/o. Dimarpur-797 112 (Nangland).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of A5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion marks as No. '3', Ground Floor, in H-3/12, Model Town Delhi. area 107 Sq. yds. (89.465 Sq. mts.) in area Free Hold.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Chamissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 2-12-1985

 Shri Gopal Dass Malhotra s/o. Shri Jai Dayal, R/o. C-5/11, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 19661 (43 OF 1961) (2) Smt. Usha Jain, W/o. Shri Madan Lai Jain, R/o. A/20/1, Rana rPatap Bagh, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No IAC/Acq.II/SR-I/4-85/39.—
Whereas I, K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 19661 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
A 20/1, Rana Pratap Bagh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

New Dath in April, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
lifteen per cent of such apparent consideration and that the
possideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Single Story building No. A-20/1, Rang Pratap Bagh, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any secome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-turn Act, 1957 (27 of 1957);

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of teation 265°C of the acid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-12-1985

Sept :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-85/44..... Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ms the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Oberoi Cottage No. 5, Oberoi Apartments, 2, Shamnath Marg, Delhi-110 054

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the (inbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. East India Hotels Ltd., 7, Sham Nath Marg, Delhi-110 054.

(Transferor)

(2) Mr. Birendra Kumar Sinha and Mrs. Viay Kumari Sinha, Cottage No. 5, Oberoi Apartments, 2, Sham Nath Marg, Delhi-110 054.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the yabil-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Cheoter.

THE SCHEDULE

Apartment Bearing No. Oberoi Cottage No. 5 in Block B-I, situated at Oberoi Apartments, 2, Shamnath Marg, Civil Lines, Delhi. Free hold land admeasuring 10,837.4 Sq.Ft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|4-85|45.— Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9, Road No. 25 Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Ved Prakash Kapur s/o. Sh. Charan Dass, r/o. 533, Gandhi Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Jindal Wlo. Sh. R. K. Jindal and Smt. Beena Jindal W/o. Sh. G. P. Jindal, both r/o. 14/27, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferoe)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 9, Road No. 25 measuring 272.81 Sq. Yds. in Punjabi Bagh East, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, the Act, I here he said of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 2-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/4-85/46.--Whereas I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Qr. No. Z/75-76 West Patel Nagar, New Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) Shri Ramoshwar Sharma S/o Sh. Nopa Ram R/o X/94, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Harjinder Singh S/o Sh. Jaswant Singh R/o 180, Shhkur Basti, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the understaned 1-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the resu pective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. Z/75-76, West Patel Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date :-2-12-85 Smal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1 4-85|47.--Whereas, I. K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

Darapur, DLF, Industrial Area Village Bassai

at Darapur, DLF, Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

136--406GI/85

- Sh. Prem Nath Marwah, Shri Subhash Chander Marwah, Shri Lajpat Rai Marwah
 Ssio Late Shri Amar Nath Marwah, Ro P-56, Kirti Nagar, New Delhi and
 Diwan Hall, Chandani Chowk, Delhi.
 (Transferor)
- Sh. Rakesh Kumar Arora s/o Shri Lachman Dass Arora r|o 1-5|41, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever reciod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 17 (Part), DLF Industrial Area, measuring 200 Sq. yds. situated in the area of Village Bassai Darapur, known as DLF Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi,

K. VASUDEVAN
Competent Authority
nspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 2-12-85

Şoul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-I|14-85|48.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.0001- and

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and Bearing No. 17, (Part) DLF, Industrial Area situated at Village Bassai Darapur. Dl.F. Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Prem Nath Marwah, Shri Subhash Chander Marwah, Shri Lajpat Rai Marwah Sslo. Late Shri Amar Nath Marwah, R/o F-56, Kirti Nagar, New Delhi and 8, Diwan Hall Chandni Chowk Delhi.

(Transferor)

(2) Sb. Rakesh Kumar Arora son of Sh. Lachman Dass Arora r/o J-5|41 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later?
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing No. 17 (part) DLF Industrial Area. measuring 200 Sq. Yds. situated in the area of Village Bassai Darapur, known as DLF Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi-15.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 2-12-85

The same of the same

FORM ITNS --- -

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

was recognized a compression with the comment

GOVERNMENT OF INDIA

 Dr. Rajesh Kumar Katyal S/o Sh. Sham Lal Katyal R/o 4-A/19 Tilak Nagar, New Delhi.

('Transferor)

(2) Smt. Sanosh Kapoor W/o late Sh. Ramesh Kapoor and Sh. Rakesh Sharma S/o Sh. Kamal Kumar Sharma R/o A-2, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC Acq-II|SR-I|4-85|48A.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beating Qr. No. 46/16 East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rearties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tan under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957); Qr. No. 46/16 mg. 200 Sq. yds. situated at East Patel Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SRI/4-85/48B.--Whereas I. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immavable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property Bearing No. 5555 to 5558, Plot No. 28, Basti Harphool Singh Saar Thanna Road, Delhi-110006 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

New Delbi on April, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Entire Second floor with open roof of the top floor out of the three storyed property bearing Nos. 5555 to 5558, plot No. 28, Southern Half Ward No. XIV free hold measuring about 222.2 sq. yds.

THE SCHEDULE

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 2-12-85 Seal:

(1) 1. Smt. Gun Mala Jain w/o late Shri Rajendra Parshad Jain Smt. Sheela Jain w/o Shri Narendra Kumar Jain and Smt. Saroj Garg w/o Shri Surendra Kumar Garg all r/os of 3840 Mandir Street, Pahari Dhiraj, Sadar Bazar, Delhi-110006. (Transferor)

(2) (i) Sh. Madan Mohan Sharma

(ii) Shri Brij Mohan Sharma and (iii) Shri Hari Mohan Sharma all sons of Shri Munna Lal Sharma, all 1/0 60/5797-98, Basti Harphool Singh Sadar Thanna Road, Delhi-110006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Bansilal Mohanlal Shah 36 -- Bhavna Socy, Bhulabhai Park---Maninagar—Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Sureshbhai Babubhai Sharma 42/Hasmukh Colony Nr. Sanghvi High School-Navrangpura-Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 29th November 1985

Ref. No. P.R. No. 3933 Acq. 23/1/85-86,---Whereas, 1. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Rajpur Hirpur S. No. 413 FP No. 36 TFS. 4 Hissa No. 36 Bunglow in Bhavna Socy. adm. 400 sq. yds. land and 133 graphy built in page 186. sq. yds. built up area

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act (1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Alimedabad on 30-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) inciditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmov-able property, within 45 days from the dats of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rajpur Hirpur S. No. 413 FP No. 36 TPS, 4 Hissa No. 36 Bunglow in Bhavna Socy. adm. 400 sq. yds. land and 133 sq. yds. built up area. Ahmedabad

> G. K. PANDYA Competent Authority Acquisition Range I/Π, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Dt.: 29-11-85 Scal:

FORM PINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR1/4-85/48D,---Whereas 1, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5555 to 58 Plot No. 28
Basti Harphool Singh, Sadar Thanna Road, Delbi-110006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Positeteine Office of the Positeteine Office. 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

ror an apparent consideration which is less can the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (i) Smt. Gunmala Jain w/o late Shri Rajendra Prashad Jain,
 - Smt Sheela Jain w/o (ii) Shri Narindir Kumar Jain and

 - (iii) Smt. Saroj Garg w/o
 Shri Surendra Kumar Garg all ros
 3840, Mandir Street, Pahari Dhiraj,
 Sadar Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) (i) Sh. Madan Mohan Sharma (ii) Sh. Brij Mohan Sharma and Shri Hari Mohan all sons of

Shri Munna Lai Sharma all r/os 60/5797-98, Basti Harphool Singh, Sadar Thanna Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquintion of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire First Floor of Prop. No. 5555-58 Plot No. 28 Basti Harphool Singh, Sadar Thanna Road, Delhi-110006.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Dolhi

Date: 2-12-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/4-85/48E.—Whereas 1, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. XII|2567, Punjabi Bagh Sabzi Mandi Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Ntw Delbi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereyb initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons.

- (1) Sh. Anil Monga s/o late Shri Roshan Lal Monga R|o 2567, Punjabi Basti, Subzi Mandi, Delhi, (Transferor)
- (2) 1. Mrs. Saroj Bala w/o
 Sh. Vijay Kumar Aggarwal
 2. Smt. Manu Gupta w/o
 Shri Ajay Kumar Aggarwal r/o
 No. XII/2567 Punjabi Basti,
 S/Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O ficial Cazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XII|2567 measuring 60 Sq. yds. Punjabi Basti, Sabzi Mandi, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 2-12-85 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|4-85|48F.-Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Prop. No. XII/2567, Punjabi Basti situated at Sabzi Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; TOG OL

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Anil Monga s/o late Shri Roshan Lal Monga R|o 2567, Funjabi Basti, Subzi Mandi, Delhi, (Transferor)

(2) 1. Mrs. Saroj Bala w/o Sh. Vijay Kumar Aggarwal 2. Smt. Manu Gupta w/o Shri Ajay Kumar Aggarwal r/o 2567 Punjabi Basti. S/Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. XE 2567, Punjabi Basti Subzi Mandi, Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1' Delhi/New Delh

Date: 2-12-85 Seal:

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delbi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/ACQ. 11/4-85/37EE/628.—Whereas I,

K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,09.090/- and bearing

Shop No. 1337 New Subzi Mandi, Azad Pur, Delhi situated

at Deini (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been registered under the Income-tax—Act 1961 in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse testac purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bareby inithate proceeding to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Shii Om Parkash S/o Shri Lala Ram Rio 335, Malika Ganj Delhi and
(ii) Shri Lalita Prasad S/o Shri Moti Lal Rlo 102, Malka Ganj, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar S/o Shri Gurandivya Mal R/o C-8|6C Lawrance Road, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. D-1337, New Subzi Mandi, Azadpur, Delhi.

K. VASUDEVAN Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ray
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date : 28-11-1985 Seal :

137-406GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-IJ AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/4-85/37EE/629.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Room No. 301, 2nd Floor, V/2389 situated at Chatta Shahji Chauri Roger Delbi

Chawri Bazar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule alinexed nervo), has been Registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Apline Properties (Pvt.) Ltd., V/2389 Chatta Shahji Chawri Bazar, Delhi-110006.

(Transferor)

- (2) M/s. Param Shubham Vanijya Limited., 7-Council House Street Calcutta, Local address, V/2389 Chatta Shahji Chawari Bazar Delhi. (Transferee)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Portion of property bearing Room No. 301 haing a carpet area of about 145 Sq. ft. on 2nd floor of property at V/2389 Chatta Shahji Chawri Bazar Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. 1AC/Acq 1I/4-85/37EE/630.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 302, 2nd floor V/2389 Chatta Shabji situated at

Chawri Bazar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Apline Properties (Pvt.) Ltd., V/2389 Chatta Shahji Chawri Bazar, Delhi-11006.

(Transferor)

(2) M/s. Param Shubham Vanijya Limited., 7-Council House Street Calcutta, Local address, V/2389 Chatta Shahji Chawari Bazar Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Property bearing Room No. 302 haing carpet area of 148 Sq. ft. on 2nd floor of property at V/2389 Chatta Shahji Chawri Bazar Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-11 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ajay Gomber & Mrs. Sudha Gomber r/o 50-B/U-A, Jawahar Nagar Delhi.

(1) Mrs. Sauitri Devi Sarogi 2, Mr. Gopal Prasad Sarogi 3, Mr. Ashok Kumar Sarogi R/o P-10 Ashok Vihar Phase-I, Delhi,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC-Acq.II/4-85/37EE/631.—Whereas 1, K.. VASUDEVAN

veing the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 23, 1st floor, 6/16, without a property having a fair parket value.

situated at Roop Nagar Delhi-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered under the I.T. Act 1961 in the Office of

the registering Officer at New Delhi on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethat dexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, thtrefore, in pursuance of Section 2696 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SOMEDULE

Flat No. 23, 835 Sq. ft. 1st Floor 6/16, Roop Nagar Delhi-7.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-11/4-85/37EE/632.—Whereas 1. K. VASUDEVAN

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 22, 6/16, Roop Nagar Delhi-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the unparent consideration therefor, by more than caceeds the apparent consideration therefor by more than diven per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trans-co with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :---84-406@1/85

(1) Mrs. Savitri Devi Sarogi 2. Mr. Gopal Prasad Sarogi 3. Mr. Ashok Kumar Sarogi R/o D-10, Ashok Vihar Phase-I, Delhi

(Transferor) (2) Mr. Dhiraj Pal & Mrs. Sneh Narula R/o 12-UB, Bunglow Road Jawahar Nagar Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

800 sq. ft. 1st floor Flat No. 22, 6/16 Roop Nagar Delhi-7.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/4-85/37EE/633.—Whereas I, K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Industrial Space Nos. 201 & 210 on second floor in Syndicate Building House on Plot No. 3 Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. S.B. Sales Private Limited Builders & Promoters UB-1, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vimlesh Jaju s/o Sh. Ram Niwas Jaju, r/o 7, Sri Ram Road Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial space Nos. 201 & 210 on second floor in our building Syndicate House on plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 1310 sft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/4-85/37EE/634.—Whereas I, K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. G-19 ground floor Syndicate House on plot No. 3, Old Rotak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by under than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. S. B. Sales Private Limited
 Builders & Promoters UB-1, Ansal Bhawan
 (Transferor)
- 16, Kasturba Gandhi Marg, Delhi
 (2) Sh. Vimlesh Jaju s/o Shri Ramniwas Jaju r/o 7, Sri Ram Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. G-19 on ground floor in our proposed building Syndicate House on plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 235 sft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s, S.B. Sales Private Limited Builde. & Promoters UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor) (2) Sh. D. S. Anand C/o, Sh. T. S. Anand, 3/3, Singh Sabha Road, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAN E-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

No. IAC/Acq-II/4-85/37EE/635.—Whereas, 1, Ref. K. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Space No. G-20, Syndicate Herse on Plot No. 3,

situated at Old Rohtak Road, Delhi-

has been registered under the 1.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Dethi in Apri. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-live days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Space No. G-20, on ground floor in our proposed building Syndicate House' on plot No. 3. old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 235 sft.

> K. VASUDEVAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of In ome-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the said said property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALJ ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/4-85/37EF/638.—Whereas; I K. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing
Space No. 212-A (213) 2nd floor Syndicate House
situated at Plot No. 3 Old Rohtak Road. Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under the I.T. Act 1961 in the Office of
the registering Officer at New Delhi in April 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
Market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Incomo-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. S.B. Sales Private Limited Endder, & Promoters UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. M. S. Chawla son of Sh. Mohan Singh Chawla, R/o Flat No. 99-C, Pocket A-14, Kalkajee Extn. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the afcreenid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial space No 212-A (213) on second floor in our proposed building [Syndicate House] on plot No. 3. Old Robtak Road, Delhi having a super built up area of 320 sft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 28-11-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sharp Construction Company Pvt. Ltd. B. 88 GT Karnal Road, Industrial Area Delhi.

(Transferor)

(2) Eastman Industries 469 Industrial Area B Ludhiana 141003.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11 AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALT ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II-4-85/37EE/637.—Whereas I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 108, Sharp Bhawan B2/3 Naniwala Bagh

situated at Azad Pur Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wouldn-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 108, area approx. 261 sq. ft. on ground floor in "Sharp Bhawan", B2/3, Naniwala Bagh, Azadpur Dehli-110033.

> K. VASUDEBAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

(1) M/s. Hakumat Rai & Associates (P) Ltd., 5228/2 Shardanand Marg, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref No. IAC/Acq-II/4-85/37EE/638.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 204/2nd floor at plot No. 2 situated at Block H,
Ashok Vinar Phase-I. Delhi

Ashok Vihar Phase-I, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

the registering Officer at New Delhi in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect a per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of th

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri R. K. Gupta 862/6 Main Bazar, Mehrauli, Delhi-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204/2nd Floor at plot No. 2 Block H, Ashor Vinar Phase-I, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/4-85/37EE/639.--Wheeras 1, K. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 3/First Floor on Plot No. 2/Block H situated at Shopping Centre, Ashok Vihar Phase-I, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been Registered under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following corsons, namely :--

(1) M/s Hakumat Rai & Associates (P) Ltd, 5228/2 Shardanand Marg, Delhi

(Transferor)

(2) Mrs. Raj Shashi Ram 8-B Malcha Marg New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3/First Floor on Plot No. 2/Block No. H Shopping Center, Ashok Vihar Phase-I, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner o fIncome-tax Acquisition Range-II

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-11/4-85/37EE/640.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102/Elouk H.F. Floor Ashok Vihar-I

situated at Delhi

situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of the property of the consideration and that the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Hakumat Rai & Associates 5228/2 Shardanand Marg Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mannu Lal Jain & Smt. Satyawati Jain, R/o F/15 Green Park Ext. N. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102/Block H. F. Floor Plot No. 2 Ashok Vihar I, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 28-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/4-85/37EE/641.—Whereas I, K. VESUDEVAN

being the Competent Authority under Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 101 1st floor Plot No. 2 Block No. H situated at Shopping Center, Ashok Vihar Phase-I, Delbi (and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been Registered under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore

mors than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Hakumat Rai & Associates (P) Ltd. 5228/2 Shardanand Marg Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Saurabh Chit Fund & Finance Linkers (P3 Ltd. 3820-22, Sarai Phoos, Tis Hazari Delhi.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 on 1st Floor in Plot No. 2, Block No. H Shopping Centre, Ashok Vihar Phase-I, Delhi

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Hakumat Rai & Associates (P) Ltd. 5228/2, Shardanand Marg, Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Kulieet Rawal J-143, Ashok Vihar Phase-J. Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-11/4-85/37EE/642.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100 000/2 and bearing

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. LG-4/Basement on Plot No. 2/Block No. H situated at Shopping Centre, Ashok Vihar Phase-I, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. L G-4/Basement on Plot No. 2/Block No. H Shopping Center, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

.: ----

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Reft. No. |IAC|Acq-111|4-85|37EE|643.-Whereas II, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1,G-3/Basement on plot No. 2/situated at Block No. H, Shopping Centre, Ashok Vihar Phase I, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the 1.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Hakumat Rai & Associates (P.) 1.td. 5228/2 Shardanand Marg, Delhi.

(Transferee)

(2) Mohd. Khurshid 7627-P,Darogha Street, Quresh Nagar Sadar Bazar, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. LG-3 Basement on Plot No.2 Block No. H Shopping Centre, Ashok Vihar Phase-1, Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No IAC|Acq--II|4-85|37EE|644.-Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 3698 of tao Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. LG-1/Basement on Plot No.2/Block No. H situated at Shopping Center, Ashok Vihar Phase-I, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the LT. Act, 1961 in the Office of the registered Officer at New in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely 139-406 GI/85

- (1) MS Hakumat Rai & Associates (P) Ltd. 5228 2 Shardanand Marg, Delhi. (Transferor)
- (2) Surinder Kaur Rawals Smt. Harvinder Kaur Madan, J-143, Ashok Vihar Phase-I. Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. LG-1/Basement on Plot No. 2/Block No. H Shopping Center, Ashok Vihar Phree-, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

(1) M/s. Hakumat Rai & Associates, (P) 5228, Shardanand Marg, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mukesh Gupta, 705 B|6, Mehrauli New Delhi-30.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4//14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/4-85|37EE|645.--Whereas I K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,600/-

and bearing No. Flat No. 104 Plot No. 2/Block H, ISC Ashok Vihar Phase-I,

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been Registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferes for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EMPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, Plot No 2 Block H. LSC Ashok Vihar Phase-I. Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|4-85|37EE|646.-Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. LG-2/Basement on

Plot No. 2/Block H, Shopping Center, Ashok Vihar Phase-I, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been Registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) M/s. Hakumat Rai & Associates, (P) Ltd. 5228/2, Shardanand Marg, Delhl.

(Transferor) (2) Mohd. Khurshid 7627 P Darogha Street Quresh Nagar, Sadar Bazar, Delhi-1100Õ6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. LG-2 Basement on Plot No. 2 Block No. H Shopping Centre, Ashek Vihar Phase-I, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Savitri Devi Sarogi (2) Mr. Gopal Prasad Sarogi (3) Mr. Ashok Kuma Sarogi K/o D-10, Asnok Vinar Phase-I, Delhi-52. Kumar (Transferor)

(2) Mrs. Neelam Kaushik, R/o D-6/9 Rana Pratap Bagh Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC Acq-II 4-85 37EE 647.—Whereas, I. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 2, Ground floor 6 16 Roop Nagar situated at Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been Registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more littless are seen af such apparent consideration therefor than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latert
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 does for the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc shall have the shall chapter the shall chapter the shall be street in 41st Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ia respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULB

Flat No. 2,880 sq. ft. Ground Floor at 6/15 Roop Nagar, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspesting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delbi-

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Dato: 28-11-1985

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) MS Allied Construction Co., 5/92, Deepali Nchru Place, New Delhi-19. (Transferor)

(2) M/s. Expo Appliances Pvt. Ltd. A-31, Ashok Vihar Phase-II, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/4-85/37EE/648.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imporable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat Nos. 102 & 103 in Allied House 2, Old situated at Rohtak Road, Opp. Shahzada Bagh Delhi-35 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat Nos. 102 & 103, In Allied House 2, Old Rohtak Road Opp. Shahzada Bagh, Delhi-35 of 850 Sq. Ft. (Under Construction).

THE SCHEDULE

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi /New Delh

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) ON THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC|Acq-UU|4-85|37EE|649.-Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelnafter referred (herelnafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. GF-6 on Plot A-37, 38, 39 situated at Dr. Mukherjee Nagar Commercial Complex, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following: sersons, namely :---

(1) Mrs. Satwant Rani Sandhu and Mr. Harmeet Singh Sandhu, C-3/61 Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjay Gupta
Gupta R|O B-2|16, Model Town, Delhi-9 (2) Mi
S/o Shri Prakash Chandar Gupta,
B-2/16, Model Town, Delhi-9.
(2) Mr. Deepak Gupta
S/o Shri Prakash Chandar Gupta
R/o B-2/16 Model Town Delhi-9.

(Transferee)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. GF-6 on plot A-37, 38, 39, Dr. Mukherjee Nagar, Commercial Complex, Delhi-110009.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I' Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/4-85/37EE/650.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 9 ground floor in Samrat Bhawan A-9 situated at Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of 1—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) MS R C. Sood & Company Ltd.

Eros Cinema Building Janpura Extn, New Delhi.

(Transferor)

Smt. Somvatri wlo Sh. Shiv Lal 27|B. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 9 on Ground Floor in Samrat Bhawan A-9 Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi, area 342 Sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Space No. 4 Plot No. B-3 & 4 Ranjit Nagar situated at Com-

munity Centre New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI
New Delhi, the 28th November 1985
Ref. No. IAC/Acq.II/4-85/37EE/651.—Whereas, I.

K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing has been Registered I.T. Act, 1961 in the Office of the

registering Officer at

New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Alay Enterprises Limited, Eros Cinema Building Janpura Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Gyan Prakash Agrawal S/o Shri Prem Prakash Agrawal, B-1/605, Janakpurl, New Delhi.

(Transferea)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 4 on Loft oor (7 ft. height) in the building at Plot No. B-3 & 4, Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi, Area 452 Sq. ft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delh

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/4-85/37EE/652.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

k. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Space No. G-11 (G-11) Syndicate House Plot No. 3 situated

at Old Rohlak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been Registered under the LT. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beta and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 140—406 GI/85

(1) M/s S. B. Sales Private Limited, Builders & Promoters UB-1, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

 Mrs. Premwati wife of late Shri Kesho Ram Khanna. A-1/130, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made lo writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. G-11 (G-11) on ground floor in our proposed buildings Syndicate House on plot No. 3, Old Robtak Road, Delhi having a super built up area of 125 sft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/4-85/37EE/653.—Wheras, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 310-A. 3rd floor, 3 Old Rohtak Road,

situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officer per cont of such apparent consideration and more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. S. B. Sales Private Limited Builders & Promoters) UB-1, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Gurpreet Singh, 104-C, Gobind Nagar, Dehradun-248001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 310-A on third 'floor in building Syndicate Hous,e, 3 Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 256 sft,

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/4-85/37EE/654.—Whereas, I, K. VASUDEVAŃ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 310 Syndicate House on Plot No. situated at 3 Old

Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been Registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforebelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Att, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely:-

(1) M/s. S. B. Sales Private Limited (Builders and Promoters) UB-1, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

Shri Manmohan Pal Singh Bajaj, S/o Shri Gurbakash Singh Bajaj 72/2 Lytton Road, Dehradun-248001 (U.P.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial space No. 310 on third floor in building 'Syndicate House' floor on plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 256 sft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I1/4-85/37EE/655.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and biaring No.

and borring No.
Space No. F-3 1st floor on plot No. 5, situated at Roop Nagar, Shakti Nagar Chowk. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s. S. B. Sales Private Limited (Builders & Promoters) UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shanta Kaushik wife of Sh. Mahesh Chander Kaushik C/o Sh. J. M. Sharraa, B-45, Soami Nagar, New Delhi-110017.
(Transferce)

Objections, if any, to the acuquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. F-3 on first floor in our proposed building Syndicate Market on plot No. 5, Roop Nagar, Shakti Nagar Chowk, Delhi having a super area of 200 sft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/4-85/37EE/565.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding ks. 1,00.000/- and bearing No.

Space No. G-10 Plot No. 3 O'd Rohtak Road situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 M/s. S. B. Sales Private Limited (Builders & Promoters) UB-1. Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Prem Wati wife of late Sh. Kesho Ram Khanna, A-1/130, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. G-10 on ground floor in our proposed building Syndicate House on plot No. 3.1 Old Rohtak Road, Defhi Having a super built up area of 125 sft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/4-85/37EE/657.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing No. Space No. 202. Syndicate House situated at Plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the 1.T. Act, 1961 in the Office of Registering Officer at New Dolhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s. S. B. Sales Private Limited (Builders & Promoters) UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. N. C. Gupta and Sh. Jai Krishna, r/o C-1/13, DDA Flats East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 202 on second floor in our proposed building Syndicate House on plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi area of 670 sft. super built up.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Mukesh Gupta Plot No. 2 Flat No. 104, H Block Ashok Vihar Phase-I, Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Hakumant Rai & Associates Pvt. Ltd., 5228/2, Shardanand Marg, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/4-85/37EE/658.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. FF-4/1st Floor Plot No. 2 H Block Shopping Centre, Ashok Vihar Phase-I, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that

- the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquaition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-4/First floor, Plot No. 2 H Block Shopping Centre, Ashok Vihar Phase-I, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II
> Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Hakimat Rai & Associates (P) Ltd., 5228/2, Shardanand Marg, Delhi. (Transferor)

(2) Narang Travels/Sh. Garish Narang Sole Prop. H-187, Ashok Vibar-I, Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/37EE/4-85/659.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing FF-4 1st floor Plot No. 2, H Block, Ashok Vihar Shopping

Centre Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of Registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax AG. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. samely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

FF-4/First Floor, Plot No. 2, H Block Ashok Vihar Shopping Centre, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

FORM ITNS-

(1) Master Abhishek Jain, K-120, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gulmohar Estates (P) Ltd., 2E/16, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/37EE/4-85/660.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 314 at 3 Old Rohtak Road, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 314 at 3 Old Rohtak Road, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
141—406 GI/85

Date: 28-11-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/37EE/4-85/661.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to immovable property, having a fair market value exceeding as the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. F-19 Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the L.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April 1985

Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. F-19 Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

 M/s. S. B. Sales Private Limited, UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Uma Creations D-71, Saket, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Space No. F-19 on first floor in our proposed building Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 320 sft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/37EE/4-85/662.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7A/2, Rajpur Road, Delhi (Flat No. G) situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the LT. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is test than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be seve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or even of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any isseaso arising from the transfer;
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Pratap Builders & Contractors (P) Ltd., 7A, Rajpur Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi Kothari C/o Shri Shanti Lal Kothari, 40 Kothari Enterprises, 5506, Moti Katra Nai Sarak, Delhi.

(Transferee)

s, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G (First Floor) Area 1500 Sq. ft. @ Rs. 250 per sq. ft. In proposed Building at 7A/2, Rajpur Road, Delhi-110054.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acqueition of the advanced property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :--

Date: 28-11-1985

Scal:

(1) Mr. J. D. Shetty.

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Pratap Builders & Contractors (P) Ltd., 7A, Rajpur Road, Delhi-54.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Sunit Shanti Lal Kothari C/o M/s. Kothari Enterprises, 5506, Moti Katra, Nai Sarak, Delhi-110006.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/4-85/37EE/663.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat C on 1st Floor 7A/2, Rajpur Road, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any thomeys or other senets which have not been or which oright to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afereraid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat C on first floor in proposed Building on plot 7A/2, Rajpur Road, Delhi Arca 1500 sq. ft. @ Rs. 250/- p. sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 28-11-1985

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1986

F. 12/3/85 EI(B)

New Delhi, the 11th January, 1986

A combined competitive examination for recruitment to Grade IV of the Services mentioned in para 2 below will be beld by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGLORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR, (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR AND VISHAKHAPATNAM commencing on the 24th June, 1986 in accordance with the Rules published by the Ministry of Finance (Lepartment of Economic Affairs) in the Gazette of India, dated the 11th January, 1986.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION, WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION. THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION. ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT, CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, para 11).

- 2. The services to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in Grade IV of the Services are given below:—
 - (i) Indian Economic Service-30
 - (il) Indian Statistical Service-20

The number of vacancies mentioned above is liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or both the Services, mentioned in para 2 above. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for both the Services, he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services for which he applies.

N.B.—A candidate will be considered easy for the Service (c) for which he applies. A candidate who applies for both the 142—406GI/85

Services should specify clearly in his application the order of his preference for the Services, so that having regard to his rank in the order of ment due consideration can be given to his preference when making appointments.

No request for alteration in the preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desire to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the 'himployment News'.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dhospur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and tull particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 Rupees two) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dhotpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi, General Post Olfice, Cheques or currency notes will not be accepted in heu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two) will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINT-ED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION 1986. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION 1986 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Defni-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 10th March, 1986 (24th March, 1986 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesn, Mizoram, Manipur, Nagalaud, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lanaul & Spiti District and Pangi Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakenadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 10th March, 1986 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spit, District and Pangi Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadeep and a cand date residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadeep or abroad from a date prior to 10th March, 1986.

Note (i):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

- Note (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rupees forty eight) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi,

Candidates belonging to Scheduled Caste/Scheduled Tribe are not required to pay any fee.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051-—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatrate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatrate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, or is a bona fide displaced person ment of October, 1964, or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 30.00 (Rupees thirty), will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If nowever, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note I below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualitying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. If any candidate who took the IES/ISS Examination held in 1985 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1985 examination his candidature for the 1986 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office within 30 days from the date of publication of the final result of the 1985 examination in the Employment News.

- 10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDI-DATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTER-TAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 11. The question papers in some of the subjects as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates, Information Mannual" at Annexure II.

M. BALAKRISHNAN.
Deputy Secretary.

ANNEXURE---I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to wny he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 26th May, 1986 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the enteries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the applications, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or amount y explosive so as workeharged employees other than casual or only raced employees or those serving under Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their envelopers by the Commission withholding permission to the candidates' applying for/appearing at the examination, their application should be rejected/candidature should be cancelled.

- 3. A condidate must send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission. (See paras 6 and 7 of Notice and paras 5 and 6 below).
 - (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
 - (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
 - (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
 - (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).
 - (vii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled in.
 - (viii) Two self-addressed unstamped envelops of size approximately 11.5 cms.×27.5 cms.

NOTE (i).—CANDIDATES ARE REQUESTED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) & (vi) AROVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO OUALTRY FOR THE VIVA VOCE ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUESTED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CRETIFICATES MENTIONED ABOVE THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LICELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF OCTOBED, 1996. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF VIVA VOCE. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (i) '-- Candidates are further required to sign the attented teartified conies of all the certificates seet plong with application form and also to not the date.

Details of the documents mentioned in items (i) to (vi) are given below and in paras 4, 5 and 6;—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for prescribed

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mulilated Pestal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Draft drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

- Note:—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.
- (ii) Certificate of age.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affldavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Maticulation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact are as recorded in the Admission Register of the Institution,

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- NOTE 1.—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTI-FIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.
- NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
 THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
 THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY
 EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF
 SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE
 ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO
 SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE
 WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.
- NOTE 3.—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION. NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSPOUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.
- (iii) Certificate of Educational Qualifications.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can, to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of the University certificate.

Note.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination,

- if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 30th September, 1986.
- (iv) Two copies of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recen passport size (5 cm. x 7 cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certi	•			
son/daughter* of	·	or villag	ge/town*	
in District/Division	on* ———		of the	State/Union
Territory*	belo	ngs to th	e	—— Caste/
Tribe* which is : Tribe* under :—			•	
the Constitution (Scheduled C	a <u>stes) Or</u>	der, 1950	@
the Constitution	(Scheduled T	ribes) O	rder, 195	0.@
the Constitution Order, 1951.@		Castes?	(Union	Territories)
the Constitution Order, 1951@		Tribes)	(Union	Territories)
			· ·	·

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956.@

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act. 1976.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962.@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962.@

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964.@

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967.@
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968.@
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968.@
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.@
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978.@
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.@
%2. Applicable in the case of Scheduled Castes/Scheduled Tribes persons who have migrated from one State/Union Territory Administration. This certificate is issued on the basis of the Scheduled
Caste/Scheduled Tribe certificate issued to Shrif/Shrimati* Father/mother of Shri/Shrimati/Kumari*
of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* who belong to the caste/tribe* which is recognised as a Scheduled Caste
Scheduled Tribe*
in the State/Union Territory* issued by the
%3. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/hcr* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territory* of
Signature
**Designation
(with seal of Office)
Place
Date

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

@Please quote specific Presidential order.

%Delete the Paragraph which is not applicable.

- Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.
 - **List of authorities empowered to issue Caste/Tribe Certificates.
 - (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Prosidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate, Presidency Magistrate,
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).
- 5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(b) (ii) or 5(b) (iii) and/or remission of fee under paragraph of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971.—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various states;
 - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
 - Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for Indian Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after Ita November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b) (vi) or 5(b) (vii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(viii) or 5(b)(ix) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested certified copy of the identity calificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b)(x) or 5(b)(xi) should produce an attested/cortified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General, Resettlement Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Signature

Designation

Date

*Strike out whichever is not applicable.

- (vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyiku and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia. Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(b)(xii) or 5(b)(xiii) should produce an attested/certified cory of a certificate from the District Magistrate of the aton in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (vii) Exectivement and Commissioned Officers including ECOs/SSC(2) claiming age concession in terms of Rule 5(b) (xiv) or 5(b) (xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned.
 - (A) Applicable for Released/Retired Personnel

It is certified that No. Rank
Name whose date of birth is
has rendered service from
to in Army/Navy/Air Force and
he fulfills ONE of the following condition:—

- (a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.
- (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on.....

Name and Designation of the Competent Authority

SEAL

Station

Date

(B) Applicable for serving personnel

Name and Designation of the Competent Authority

SEAL

Station

Date

Authorities who are competent to issue certificate are as follows:-

(a) In case of Commissioned Officers including ECOs/ SSCOs.

Army—Military Secretary's Branch, Army Hqrs., New Delhi.

Navy-Directorate of Personnel, Naval Hqrs., New Delhi.

Air Force—Directorate of Personnel Officers, Air Hurs.. New Delhi.

(b) In case of JCOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force,

Army—By various Regimental Record Offices, Navy—BABS, Bombay.

Air Force—Air Force Records (NERW), New Delhi.

- (viii) A displaced person from crs/while West Pakistan claiming age concession under Rule 5(b) (xvi) or 5(b) (xvii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from crs/while West Pakistan and had migrate dto India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Mugistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division, in his charge;
 - (5) Depuy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- (ix) A resident of Assam chaiming age concession under Rule 5(b) (xviii) or 5(b) (xix) should preduce an attested/certifled copy of a certificate from he Datrict Magistrate within whose jurisdiction he ordinarily resided or from any other authority designated in this health by the Government of Assam, to the effect that he had been a resident of the State of Assam during the period from 1st 1: nuary, 1980 to 15th August, 1985.

- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii), (iv) and (viii) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, M/O Finance (Department of Economic Affairs)
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/abricated document. If there is any maceuracy or any discrepancy between two or inore such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission or an application. The supply of an application form does not the opening make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one, registed in the Commission's Office is acknowledged and application Registration number is issued to the candidate in tricen of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, ipso jacto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of mis application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination" This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examination or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the five preceding examinations are on sale with Controller of Publication, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cosh payment. These can also be obtained only against c. in p. men. John (i) the Kueb Mahal, Opposite Rivoli Cinema, impenta Itaiking, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and

- (ii) Sale counter of the Fublications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Covernment of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Catenta-1. The Manual/Famphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.
- 13. Communications regarding applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DITOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - 1. NAME OF EXAMINATION.
 - 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - 3. APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - 4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - 5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.(i).—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B.(ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND DOES NOT CIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION AME REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUTETY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE E ERY REFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-11

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

(Applicable only for Objective type papers, of Notes 1, II & III below Para 2 of Appendix 1)

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) everal suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

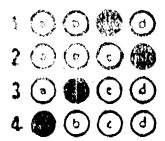
B. NATURE OF THE 1EST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3...etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct then the best answer. (See "sample hems" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer, if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate, ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item circular spaces marked, a, b, c, d are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening to completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- 1. You should being and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, crase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the Commencement of the test.
- 3. No condidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.

- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or a part of a test you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpner and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nething should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) papers, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilates will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your sent and wait till the invigilator collects all the necessary materials from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: *denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because:

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections:

- (a) exactly known.
- (b) only those registered.
- (c) very large.
- *(d) clargest so far.

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below:

- *(a) spraying with growth regulators.
- (b) planting wider apart,
- (c) planting in the correct season.
- (d) planting with close spacing.

4. (Chemistry)

The anhydride of H. Vo. is

- (a) VO
- (b) VO.
- (c) V₂O₃
- *(d) V_sO_s

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product.
- (b) both wage and marginal revenue product are equal.
- ()) wage is more than the marginal revenue product.
- (d) wage is equal to marginal physical product.

6. (Electrical Engineering)

A coxial line is filled with a dielectric of relative permilitivty 9. If C denotes the velocity of propagation in free space t-evelocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- (c) C/3
- (d) C/9

(Geology)

Plagioclase in a basalt is :

- (a) Oligoclase
- (b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation:

$$\frac{d^2y}{dx^2} = \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y= ax
- (c) $y = ao^x + be^{-x}$

$$\bullet$$
(d) y = $-ae^{x-a}$

9. (Physics)

An ideal beat engine works between temperatures 400°K and 300°K. Its efficiency is:

- (a) 3/4
- *(b) (4--3)/4
- (c) 4/(3 + 4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance can be:

- (a) 4^2
- *(b) 3
- (c) a
- (d) 5

11. (Geography)

The southern part of Burma is most prosperous because:

- (a) it has vast deposits of mineral resources.
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma.
- (c) it has excellent forest resources.
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism.
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- *(c) With the rise of Brahmanism the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy) following:

Identify the atheistic group of philosophical systems in the

- (a) Buddhism, Nyāyā, Cārvākā, Mir domā
- (b) Nyāyā, Vasesika, Jainism and Boddhism, Cāryākā
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya. Cārvākā, Yoga
- *(d) Buddhism, Sāmkhy, Mimāmsā Cārvākā

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (c) election of representatives in vocational organization.
- (d)indirect representation through trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to :

- (a) increase in the need related to the goal.
- (b) reduction of the drive state.
- (c) instrumental learning.
- (d) discrimination learning.

16. (Sociology)

Parebayati Pai institutions in India have brought about one of the following :

- *(a) tornud .c, ...suntative of women and weaker section in village government.
- (b) unfouchability has decreased.
- (c) land-ownership has spread to deprived classes.
- (d) education has spread to the masses.

Note: Candidates should note that the above sample items (Questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.